



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

10/ नई विस्सी, शनिवार, अक्तूबर 5, 1985 (आश्विन 13, 1907) -0। NEW DELHI. SATURDAY, OCTOBER 5, 1985 (ASVINA 13, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्रण की जाती ै जिससे कि यह अलग संख्लन के स्वर में रखा आ सके (Separate paging is giron to this does in make that & may be that as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[FART IU—SECTION 1]

्रच्च न्यायालयों, त्रियस्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक क्षेत्रा आयोग, रेज विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन **कांगलियों द्वारा जा**री की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Antitor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक ६ अगस्त 1985

मं० ए०-12025(ii)/2/83-प्रशा० III---राष्ट्रपति हारा गर्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का० जा० सं० 9/2/83-सं०० (1) विनाँक 31-5-1985 हारा मिविल सेवा परीक्षा, 983 के स्राधार पर नामित कु० मृदुला सिन्हा को 1 जुलाई, 985 पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा स्रायोग के केन्द्रीय युचिवालय के संवर्ग के स्रनुभाग स्रिधिकारी ग्रेड में परिवीक्षाधीन स्रिधिक्ष में महर्ष नियुक्त किया जाना है।

दिनांक 14 अगस्त 1985

० ए० 32016/1/85-प्रशा० 11 (i) — इस कार्यालय की कि ग्रीक्ष्मचना दिनाँक 18-4-1985 के श्रनुक्रम में र नियंत्रक (ल० सं०) श्री बी० श्रार० गुष्ता की उप क (त०सं०) के पद्मपर लदर्थ नियुक्ति की श्री एस०पी० उप नियंत्रक (त० सं०) को छुट्टी में वृद्धि की स्थीेकारण, उनके स्थान पर 8-6-1985 में 7-7-1985 क, श्रीर ग्रागे बढ़ा दिया गया है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं०ए० 32016/1/85--प्रशा० II (ii) दिनाँक 18-4-85 के अनुक्रम में अधीक्षक (तं पं) श्रा जगदोश लाल की सहायक नियंत्रक (तं० सं०) 1-266 QI/85 (33385) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को श्री बी० श्रार० गुध्त के उप नियंक्षक (त० सं०) के पद पर उक्त श्रविध के लिए पदोन्नत होते के कारण उनके स्थान पर, 8-6-1985 से 7-7-1985 तक श्रीर श्रागे बढ़ा दिया गया है।

यह ग्रधिसूचना नियुक्ति प्राधिकारी—संघ लोक सेवा श्रायोगके श्रध्यक्ष के श्रनुमोदन से जारी की गई है।

मं० ए०-32016/1/85 प्रजा० H(ii)—इस कार्यालय की अधियू तना मं० ए० 32016/1/85-प्रणा० H(ii) दिनौक 18-4-85 के अनुक्रम में अन्वेप ह (त० मं०) श्री आर० सी० गुप्ता के अधीक्षक (त० मं०) के रूप में तदर्थ नियुक्ति को 8-6-85 में 7-7-85 त अधीक्षण (त० मं०) के रूप में उक्त अविश लाल की महायक नियंवक (त० मं०) के रूप में उक्त अविध हेतु पदोश्रति हो जाने के कारण बढ़ा दिया गया है।

2. संघ लीए सेवा आयोग के लार्यालय में अन्वेषक (त० सं०) श्रीमती टी० जो० मारीकुट्टी के 24-5-85 से 8-7-85 तक आयोग के कार्यालय में श्रीमता एस० सरदाना, अधीक्षक (त० सं०) के छुट्टी पर होने के शार्य उनके स्थान पर अधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्त कर दिया है ।

इ। नियुक्ति पत्न को नियुक्ति प्राधिकारी संघले कि सेवा श्रायोगके सचिवके श्रन्मोद्दन से जारी किया है।

दिनांक 16 श्रगस्य 1985

मं० ए० 31014/3/85-प्रशा० II_I--राष्ट्रपति केन्द्रीय मचिवालय मेवा के महायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी: ग्रेधिकारियों श्रीर मंघ लोक मेवा श्रायोग में के० सं० संवर्ग में स्थानापन्न श्रनुभाग श्रिधकारियों श्रीर जिनकी उसी संवर्ग में श्रनुभाग श्रिधकारी। ग्रेड की चयन सूचा में सम्मिलित कर लिया गया है को संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में उनके सामने निर्दिष्ट निथि मे स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :--

ऋम सं०	नाम				स्थायीकरण की तारीख
-	सर्वर्शा				
1.	राम भ्रवतार				1-1-1984
2.	'सुदेश कुमार		•		1-1-1984
3.	एन० पी० एस० गुज	राल			1-1-1984
4.	डी० सिवाराजन				1-1-1984
5.	ग्राई ० सी० कम्बोज			•	1-3-1985
6.	कृष्ण लाल-II		•	•	1-4-1985
7.	भ्रो०पी० कथूरिया				1-5-1985

दिनांक 20 श्रगस्त 1985

सं० ए०-19013/पी/758-प्रशा०-I—राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के प्रधीन केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान में 1500— 1800 रु० के वेतनमान में निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति प्राधार पर नियुक्ति हेतु चुन लिए जाने के परिणामस्थरूप श्री एन०के० सोनी स्रवर सचिव को एतद्द्वारा संघ लोक सेवा द्यायोग के कार्यालय के कार्य मे 20-8-1985 (प्रपराह्म) से इन अनुदेशों के साथ कार्यभार से मृक्त किया जाता है कि वे प्रपना नया कार्य-भाग संभाल लें।

सं० ए०-12022/1/85-प्रकार II---गृह मंत्रालय, राज-भाषा विभागकी प्रधिसूचना सं० 22/2/85-रा० भा० (एस०) दिनांक 2-3-1985 के प्रनुमरण में संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय के निदेशक (रा० भा०) डा० आई० पाण्डुरंग राव को केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा (ग्रुप 'क' ग्रौर 'ख' पद) के प्रारम्भिक गठन पर 1 फरवरी, 1985 से ग्रेड 1 में एनद्द्रारा नियुक्त किया जाता है।

> एम०पी० जैन, श्रवर मचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

सं० ए-19021/6/80-प्रशा०-5--प्रत्यावर्तन होने पर, श्री जी० झा, भा० पु० मेवा (उ० प्र०- 1967) पुलिस उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, की मेवायें दिनाँक 21 ग्रगरूत, 198 सरकार को मांपो जाती है।

> गृह मंत्रालय केन्द्रीय न्याय वै**य**यक विज्ञान केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरा

एस० प्रार्ट प्रशासकीय प्रधिकार सी० बी०

पुलिस श्रनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनौंक 6 सिनम्बर 1985

स० 18/10/85-प्रशा०—II——ग्रांध्य प्रदेश के उप-पुाल - ग्रिशीक्षक श्री एन० कियान राव को दिनौंक 10-6-85 (ग्रिपराह्न) से प्रथम दृष्टान्त में एक वर्ष के लिए केन्द्रीय गुर्पी-चर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप-पुलिए ग्रिशीक्षक (प्रशिक्षक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मल्लिक महानिदेशक

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

सं० ग्रो० दो-1441/79-स्था० (के०रि० पु० बल)---श्री ग्रो०पी० भूटानी ग्राई०पी०एस०, महानिदेशक श्राई०टी० बी०पी० ने दिनाँक 9 सितम्बर 85 पूर्वाह्न को महानिदेशक के०रि०पु० बल का ग्रांतिस्कः हार्यभार सींप दिया है।

2. राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के महानिरीक्षक सैक्ट्रूर श्री टी० जी० एल० अध्यार, भा० पु० से० अधिकारी (राष्ट्र—1952) को के० रि० पु० बल के महानिदेशक, पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं। तदनुसार श्री अरयर ने किंक् भितन्वर 85 (पूर्वाह्न) से महानिदेशक के० रि० पु० बल के कार्यभार अस्थाला।

सं० स्रो० दो-2048/85-स्था०-श्री बी० जं० एक्ट्रु स्याल, भा० पु० से० (उ० प्र०: 1959) ने उनके डेपुटेशन स्राधार पर के० रि० पु० बल के महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त फलस्वरूप महानिरीक्षक (हैडक्वाटर्स) के० रि० पु० अ नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनाँक 6-9-85 पूर्वाह्मिं सम्भाल लिया है।

> श्रशोक राज महीपर्थ. सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीखोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनौंक 12 सितम्बर, 1985

सं० ई-32015 (4) / 76/85-कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री जन्त राम ने 24 ग्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से कें अर्जै० मु० व० यूनिट एच० ई० सी०, राँची के सहायक कर्मांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनाँक 11 सितम्बर, 1985

सं० ई-32015 (4)/48/85-कार्मिक-1---राष्ट्रपति, श्री एम० एल० चोपड़ा को. प्रोन्निति पर, 9 श्रममा, 1985 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० मु० ब०, यूनिट, बी० ग्राई० एल०, भिलाई में महायक कमाँडोंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ई-32015(4)/49/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एम० डी० नक्सेना, को प्रोन्नति पर, 23 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म से के० ग्रौ० मु० ब०, यूनिट ''नालको'' श्रंगूल के पहायक कर्मांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/58/84-कार्मिक-1---राष्ट्रपति, श्री धार०सी० भौमिक को, प्रोक्षति पर 16 ध्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म से के० घ्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० पी० टी० मद्राम में सहायक कमाँडेंट के रूप में नियुक्त करने हैं।

> ह्० प्रपठनीय महानिदेशक/के० ग्रौ० सु० ब०

वित्त मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क तथा स्वर्ण नियंवण भ्रपील श्रिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

सं० 6/सी० शु० उ० शु० स्व० ति० ग्र० ग्र०/1985—श्री लेख राज निजी सचिव ने इस ग्रधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर 12 ग्रगस्त 1985, पूर्वाह्न से सीमाशुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण श्रपील ग्रधिकरण नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनाँक 12 सितम्बर 1985

सं० 6/सी० णु० उ० णु० स्व० नि० ग्र० ग्र०/1985—श्री एस० जी० गोनसाल वेग न जो कि पहले सीमाणुलक खण्ड सुरत, बड़ोदरा कलक्टरी में प्रणासनिक प्रधिकारी ग्रेड ख के पद पर कार्यरत थे 2 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्न से सीमाणुलक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण ग्रपील ग्रधिकरण बम्बई न्यायपीठ बम्बई में सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

फौजा सिंह गिल, ग्रध्यक्ष भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार (लेखा एवं हक) का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश हैदराबाद-500 463, दिनौंक 11 सितम्बर 1985

नाम	पद ग्रहण	की तारीख
श्री पी० एस० सी० प्रमाद	3-9-1985	(पूर्वाह्न)

पदोन्नति के लिए दिए गए श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रोर ध्रांध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लम्बित रिट याचिकाश्रों के परिणामों के ग्रधीन माने जायेंगे।

> ह्० ग्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियत्नक

नई दिल्ली-110066 दिनाँक 10 सितम्बर, 1985

सं० प्रशा०/1/1424/4/1—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा श्रिधकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा में उक्त सेवा के किनष्ठ समयमान (मान रु० 700–1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के समक्ष दर्शायी गयी तारीख से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:——

क्रम ग्रिधिकारी का नाम सं०		जिससे	ारीख नियुक्ति ी गयी
सर्वश्री		 -	<u></u>
1. एल० बी० बरगीय	•	. 2	7-04-85
2. राम कृष्ण तिवारी		. 2	8-05-85
 गोविंद चन्द्र सेन . 		. 2	9-04-85
 कस्तूर चन्द निरालिया 		. 2	8-06-85
5. पी० एम० एस० सुब्बाराव		. 2	8-03-85
 प्रभाकर वासुदेव चौधरी 		. 2	9-04- 85
7. एम० सिसिल येसुदियन		. (4-04-85
8. एम० चिदम्बरा राव		. (1-0-1-85
9. जी० रामचन्द्रन	•	. 1	7-06-85
10. ज्ञान चन्द्रसीजा	•	. 2	9-04-85
11. एस० नागासुत्रह्मणियन	-	. 0	6-0 4-85
12. मुदर्शन सोनी .	•	. 2	9-03-85

क्रम	श्रधिकापी का नाम	तारी	खि जिससे नियुक्ति		
सं०				की गयी	
• -	सर्वश्री				
13.	सी० एन० सुक्रमणियन			08-05-85	
14.	मधुकर पांडुरंग तरडे			30-03-85	
15.	धनराज नारंग			30-03 -8 5	
16.	मत्येन्द्र नाथ बिस्वास			08-04-85	
17.	ग्रार० डेइवा सिगमानी	-		25-03-85	
	•			(भ्रपराह्न)	
18.	के०बी०जोसेफ .			01-07-85	
19.	एम० एस० वेंकटरामन			28-03-85	
20.	के० बी० सुद्राहमणियन			16-04-85	
21.	श्रार० सी० सचदेव			28-03-85	

ए० के० घोष,

रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

डी० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा प्रायुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-700 001, दिनांक 2 सितम्बर 1985

सं० $9/85/\sqrt[4]{\xi}-1(\sqrt[4]{\eta})$ ——वार्धक्य निवृत्ति प्रायु प्राप्त कर श्रीमती लीला दाम स्थानापन्न महायक स्टाफ ग्रिश्वकारी (मौ० एवं स्थाई सहायक) दिनांक 31-8-85 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुई।

 श्रीमती लीला दास को उसी दिन में वेंशन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता है

> एस० दासगुष्या निदेश ह (प्रशा०) कृते महानिदेशक आर्डनैन्स फॅक्टरियाँ

कलकता-700 001, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० 33/जी/85—-श्री बी० एम० नागराजन संयुक्त महा प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक वरिष्ट उप-सहमहानिदेशक पुन: पदनामिकृत संयुक्त निदेशक महाप्रबन्धक ग्रेट II विनांक 12 सितम्बर, 1984 (श्रपराह्म) से स्वैच्छिक तौर गर सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता, उप महानिदेशक/स्थापना कृते महानिदेशक श्रायुध निर्माणियां

वाणिज्य मन्त्रालय
मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रगस्त 1985
(श्रायात श्रौर निर्यात व्यापार नियंत्रक)

(स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रणा० (राज०)/476---राष्ट्रपति, श्री लक्ष्मीप्रवर प्रसाद (केन्द्रीय सचिवालय सेवा-चयन ग्रेड की प्रवरण सूची, 1983) को मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति के कार्यालय नई दिल्ली में 1 जुलाई, 1985 (पूर्वाह्म) में श्रौर श्रागे तीन माम की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर केन्द्रीय स चवालय मेवा के चयन ग्रेड में श्रौर संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-नियति के रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

मं० 6/1387/82-प्रणासन (राज्ञ०)/490--राष्ट्रपति, श्रीमती अनीता साहनी, भारतीय राजस्य सेवा और मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में विणे कार्य अधिकारी को 6 अगस्त, 1985 के पूर्वाक्ष में उनके पदावधि की समाप्ति तक, इसी कार्यालय में निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1985

सं० 1/2/85-प्रणा० (राज०)/368--राष्ट्रपति, श्री श्रार० विजय कुमार, भारतीय प्रणामनिक मेवा (तामिलनाडु, 1978) को 1 जुलाई, 1985 में मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में श्रगले श्रादेण होने तक नियुक्त करते हैं।

2. वाणिज्य मंत्रालय में ग्रवर सचिव के रूप में नियुक्ति हो जाने पर स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप श्री ग्रार० विजय कुमार ने 4-7-1985 (ग्रपराह्म) को, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 5 सितम्बर 1985

सं० 6/685/82-प्रशासन (राज०)/599--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री एस० मुखर्जी, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायान-निर्यात, सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर 31 जुलाई, 1985 की श्रवराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शकर चन्द,

उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात इते मुख्य नियंत्रक आधात एवं निर्यात

श्रापूर्ति एवं वस्त्र मंत्रालय

विकास श्रायुक्त (हस्तशिल्प) कार्याव्य नई दिल्ली-110066, दिनांक 19श्रगस्त 1985

सं० 1/3/85-प्रशा०-1--विकास श्रायुक्त (हस्तशिल्य) कार्यालय के श्री श्रार० के० भगोता, स्थायी सहायक निदेशक तथा तदर्थ रूप में स्थानायन्त उप निदेशक (निर्यात संवर्धन) को वेतनमान रुपए 1100-50-1600 पर 1-8-85 से श्रगले श्रादेश होने तक इसी कार्यालय में नियमित क्षमता पर स्थानापन्त उप निदेशक (प्रदर्शन) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

 उप निदेशक (निर्यात संवर्धन) के रूप में जो बेतन उनके द्वारा लिया जा रहा था बही बेतन उपरोक्त बेतनमान पर उन्हें मिलेगा।

दिनांक 23 अगस्त 1985

- सं० 1/3/85-प्रणा०-ई--क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिणी क्षेत्र, विकास श्रायुक्त (हस्तिणित्य) कार्यालय के श्री सी० सी० अयप्पा, स्थायी सहायक विकास प्रधिकारी तथा तदर्थ रूप में वेतनमान रूपए 1100-50-1600 पर स्थानापत्न उप निदेशक (काष्ठ एवं हाथी दांत) को मूल नियम 30 में वर्णित नियम के उपबन्ध के अनुसार उनके पद में छोटे श्री ध्रार० के० भगोत्रा को उप निदेशक (प्रदर्शनी), वेतनमान रूपए 1100-50-1600 के पद पर नियमित प्रोन्तित दिए जाने के कारण, स्थानापन्न उप निदेशक (निर्यात संवर्धन) के पद पर वेतनमान रूपए 1100-50-1600 पर 1 श्रगस्त, 1985 से नियमित क्षमता पर उपवारार्थ प्रोन्नित दी जाती है।
- 2. उप निदेशक (काष्ठ एवं हाथी दांत) के रूप में जो वेतन उनके बारा लिया जा रहा था वही बेतन उन्हें रुपए 1100→ 50-1600 के वेतनमान पर मिलेगा।
- सं० 1/2/85-प्रणा०-ई--विकास भ्रायुक्त (हस्तणित्प) कार्यात्मय, नई दिल्ली के श्री एस० सट्टाचार्य, स्थायी सहा यक निदेशक (बस्ब) तथा नदर्थ कप में स्थानापन्न उप निरंदणक (बस्ब) को वेतनमान रुपए 1100-50-1600 पर 1-8-85 से अगले ग्रादेण होने तक इसी कार्यालय में नियमित क्षर (ता पर स्थानापन्न उप निदेशक (बस्ब) के पद पर नियुक्त कि या जाता है।
- 2. उप निदेशक (वस्त्र) के रूप में जो बेतन उनके द्वारा लिया जा रहा था वही बेतन उपरोक्त बेतनमान पर अन्हें मिलेगा। श्विरोमणि शर्मा, विकार श्वासुक्श (हस्तिणिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 5 रिसतम्बर 1985

सं० प्र-6/247(400) 162—सहायक निरीक्षण ग्रिधि कारी (धातु) के पद पर स्थायो तथा उप निदंशक, निरीक्षण (धातु) भिलाई के कार्यालय में सहायक निदेशक, निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्त रूप से कार्य कर रहे श्री डी० रामानुजम् निवर्तन की ग्रायु प्राप्त होने पर 30 जून 1985 के ग्रापराह्म सरकारी सवा से निवृत्त हो गए।

> श्चार० पी शाही उप निदेशक (प्रशासन) कते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन प्रन्भाग ए-1)

नई। दल्ली, विनाक 6 सितम्बर 1985

सं० ए०-1/1(870)—-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, के तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न उप निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सवा ग्रुप "ए" का वरिष्ठ (वेतनमान) श्री के० के० दीवान को दिनांक 2 सितम्बर, 1985 में मरकारी सेवा से ग्रानिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करते हैं।

म्नार०पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान भ्रौर कोयला मंद्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

सं० 13446 सी०/ए०-32013(एस० श्रो०)/84/19ए० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार ग्रधीक्षक (तकनीकी), प्रवरण कोटि, श्री एस० पी० बरुग्ना को भण्डार ग्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर, ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी आदेश होने तक 17-7-85 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० 910 श्वी०/ए०-32012 (4-क्रिंग्झ-भि० (कनिष्ठ)/-83/19बी०---राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्रिलर श्री श्रार० एम० सिंह को ड्रिलिंग श्रभियंता (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 25-6-1985 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ग्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्युरो

नागपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1985

सं० ए०-19011 (17)/84-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एस० के० चोधरी, स्थायी क्षेत्रीय खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में खान नियंत्रक के पद पर विशोक 5 शास्त्रर 1985 के पूर्वीह से श्रमले श्रादेण तक पदान्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी प्रशासन ग्रंधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-24800, दिनांक 2 (सतम्बर 1985

सं० सी-6259/718-ए० श्री सुमेर चन्द, जी इस कार्यालय की दिनांक 12 अप्रैल, 1985 की अधिसूचना संख्या सी-6190/718-ए० के अन्तर्गत स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए थी, अब दिनांक 4-7-1985 (पूर्वाह्न) में उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियामत आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

> गिरीश चन्द्र ग्रग्नवाल मेजर जनरस भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० 4/3/85-एस-दो खण्ड-4--महानिदेशक, ध्राकाशवाणी निम्नलिखित व्यक्तियों को 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से ध्राकाशवाणी में हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

्रहर	दा श्राधकारा	<u>а</u> п	64	4	ानशुक्त	करत हा
 कम सं०	नाम तथा तैनाती न	तास्थ	न			नियमित । नियुक्ति की तारीख
(1)	श्री रमेश _ु फ्रिया, केन्द्रीय विश्व ^{प्रया} भाकाशवाणी व्र ^{पस्}	(कोश	,	•	•	10-6-85
(2)	श्री राजेश्वर प्रसार उच्च ग्रान्त प्रेषित भ्राकाणवाणी खामपु दिल्ली		rf,	•	•	29-7-85
(3)	कुमारी राकेश शर्मा, विदेश सेवा प्रभाग, भाकाशवाणी, नई वि			•	•	1-8-85 (भ्रपराह्न)
	,				Į	गोहन फांसिस
						उपनिदेशक
					कृते	महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा भहानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 रिशतम्बर 1985

सं० ए० 38013/3/8-5-प्रशासान-1—श्री कृष्ण लाल, अनुभाग अधिकारी, स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय के सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त वारने पर वे 31 अगस्त, 1985 के अपराह्म से सरकारी सेवा में रिटायर हो गरु है।

> पी० के० घर्ड उप निदेशक प्रशासना (रो० एवं बजट)

। दल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-110008, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० 4-1/79-स्था० (विशेष)—-हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्त रूप से कार्यरत श्री सत्यकाम को दिनांक 25-9-1984 से दिल्ली दुग्ध योजना में 650-1200 रू० (युप "बी" राजपित्तत) के वेतनमान वाले हिन्दी अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 4-6/82-स्था० (विशेष)—श्री जी० सी० सिंह व कु० के० गोडवानी, जो दुग्ध वितरण ग्रधिकारी के पद पर फिलहाल श्रल्पाबांध श्राधार पर काम कर रहे थे, को दिनांक 30-10-84 से 650-1200 रु० के वेतनमान वाल दुग्ध वितरण श्रधिकारी (ग्रुप बी० राजपवित) के पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

> ग्ररुण सेदवाल, महाप्रबन्धक

इसरो उपग्रह केन्द्र श्रन्तरिक्ष विभाग

बंगलूर-560 017, दिनांक 6 सितम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापना--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्रन्तिरक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के सेट्ट्र श्रीनाथ, वैज्ञानिक श्रीभयंता, "एस० बी०" से प्राप्त त्यागपत्र को दिनांक 05 सितम्बर, 1985 के भ्रप-राह्म से स्थीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन भश्चिकारी-11

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट

बेंगलूर-560017, दिनाक 4 सितम्बर, 1985

सं० 12/49/78-प्रशा०---कार्यक्रम∤निदेशक, महायक नोदन
प्रणाली यूनिट के श्री एम० राधाकृष्णन को श्रंतरिक्ष विभाग
के लांच वाहन नियंत्रण प्रणाली प्रभाग, सहायक नोदन प्रणाली
यूनिट में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न
रूप में वेतनमान र० 650-30-740-35-810-द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में सितम्बर,
1, 1984 के प्रविद्ध से आगामी आदेण तक नियुक्त करते हैं।

मं० 12/49/78-प्रणा० -- कार्यक्रम निरंप : सहायः नःदन प्रणाली यूनिट के श्री टी० के० सुरेग बाबू को अंतरिक विभाग के लांच बाहन निण्न्यण प्रणाली प्रभाग, सहायवः नंदन प्रणाली यूनिट में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन रूप में , वेतनमान ६० 650-30-740-35-81 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- मैं

2 तथम्बर, 1984 के पूर्वाह्र से श्रागामी श्रादेशतः नियुक्त करते हैं।

> ए० उण्णि_ंष्णान प्रणासन भ्रधिकारी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौजन विज्ञान विभाग

नई दिल्ली दिनों 17 सिसम्बय 1985

सं ० ए-32014/8/84-स्था० - मौसम विज्ञात के महा-निदेशक, भारत मौसम विज्ञात विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नाम के प्राणे दर्शाए गए दिनांक से ग्रागामी श्रादेशों नक उसी विभाग में स्थानापन्त सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

कम नाम मं०	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने का दिनॉक
 श्री जै० एम० मोटबाल 	3 0-7-1 9 8 4
- 2. श्री ष्ठी० एन० जैसवाल	8-8-1984
 श्रीमती एस० एस० बासारकर 	10-12-1984
4. श्री पी० बी०तान्तकर	30-1-1985
 श्री पी०पी० ब्टाला 	18-2-1985
 श्री ए० गुरूस्वामी 	18-2-1985
7. श्रीमती एस० स्नाई० मिन्डे	18-2-1985
8. श्रीं ए० के० फ्राचार्य	18-2-1985
9. श्री एन० के० जंगले	11-3-1985
1.0 श्रीकेल बी० केल्नायर	21-3-1985
14. श्री रजनीकांत	27-5-1985
12 श्री एल सी० जिन्दल	2 8 -5-1 98 5

कै० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) एते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महा निदेशक नागर विमान का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रगस्त, 1985

सं० ए-38013/1/85-ई०ए०—-सिदेशक, हवाई अड्डा, बम्बई के ार्यालय के श्री मुस्टिंगर सिंह, विमान क्षेत्र अधिकारी सेवानिवृत्तिकी श्रायु, प्राप्त होने पर, दिनांक 30-7-1985 को असर शर्रों सेवानिवृत्त हो गये हैं। सं० ए-38013/1/85 है अप्० निदेगर, हवाई प्रह्रा, दिल्ली के एप्यक्षिय, के श्री बीठ एक्षठ विभव, वरिष्ठ विभान-क्षेत्र श्रिधकारीं सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनां के 31-7-1985 की संस्थारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

> मुकुल भट्टाचार्जी सहायक निदेशः प्रशासन महा निदेशः नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

मं० ए-32013/12/84-स्था०1-उस कार्यालय की प्रधि-सूचना सं० ए-32013/12/84-ई०1, दिनांक 22-3-1985 के कम में, राष्ट्रपति, श्री बी० एन० नागपाल निदेशक, विमानक्षेत्र, के रूप में तदर्थ श्राधार पर की गई नियुक्ति को दिनांक 6-8-1985 से 31-12-1985 तक की श्रवधि के लिए श्रथमा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

> जे० सी० गर्ग संयुक्त निदेशक प्रशासन

, नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1<mark>98</mark>5

सं० ए-32013/4/84-ई०ए०- राष्ट्रपति, निम्नलिखित उप निदेणकों की तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने दीं गई तारीख के बाद, छ मास की श्रवधि के लिए अथघा पदो के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें में जो भी पहले ही, जारी रखने की मंजूरी देते हैं :---

कम	नाम	तदर्थ नियुषित
सं०		की तारीख
सर्व श्री	<u></u>	<u></u>
1. एम० ए	म० सैनीं	15.7-1985
2. ए० सी० जॉन		19-8-1985
2. एस० म	हालिंगम	26 -8 -1985

मुकुल भट्टाचाओं उप निदेश प्रशासन कृते महा निदेशक नागर विमानन नई दिल्ली विनोक 1.0 सिनम्बर 1985

सं० ए-12025/2/84-ई० एस०→ संघ लोक सेवा श्रायोग कीं श्रमुशंसा पर, राष्ट्रपति, सर्व श्री पी० एम गोयल और के० एस० नरसिम्हान को श्रमण: दिनः: अ-7-1985 और 19-7-1985 से श्रन्य श्रादेण होने तक, 1100 --1600 क्षये के वेतनमान में विष्ठि उड़न योग्यता श्रिटियोगी (प्रमृह "व" पद) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> मुकुल भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

महा निदेशक का कार्याकथ विदेश संचार सेवा

अम्बर्ध 400023, दिना । 16 शित्रकार 1985

सं० 1/563/85-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् हारा, भद्राम सारा के पर्यवेक्षक, श्री जी० शमहष्णन को 3-1-1985 से 20-1-1985, 27-2-85 से 16-3-85, 25-3-85 से 2-5-85 और 8-5-85 से 27-5-85 (दोनों दिनों सहित) तह श्रल्पशालीय स्थित स्थानों पर उसी शाखा में स्थानापन्त रूप में उप परियान श्रवन्धक नियुक्त करते हैं।

र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०), स्ते महा निदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-1,10066, दिनां क 13 सितम्बर 1985

मं ० ए-19012/1118/85-स्था०-पांच- अध्यक्ष, वेन्द्रीय जल ग्रायोग एतव् द्वारा, श्री एस् बी० चौधरी, वश्चि ग्रनु-संधान महायक को वेन्द्रीय जल ग्रायोग में महायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (१११यन), का पद परक 650-30-740-35-810- दं राज-35-880-40-1000-दं राज-40-1200 के वेतन-मान में 5 जुलाई, 1985 (पूर्वाक्ष) में छा मान के जिए श्रथका इस पद के निराधिक श्राधाल पर भरि जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पूर्वत जन्मजी एवं तक्ष्य श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 9 सितम्बर 1985

सं० एफ-48-एडी (एटी) 1985--श्रिधवार्षिता की श्रायु प्राप्त हो जाने पर, श्री ए० रामहुष्णन, सहायक पंजीकार श्रायक्षर प्रपित, श्रिधकरण, कोचीन, न्यायपीठ, कोचीन, दिनांक 31 जुलाई, 1985 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृक्ष हो गए ।

ह० ध्रपटनीय श्रध्यक्ष प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आएक्त (जिरोक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेश्वर भूवनेश्वर, दिलांक 6 ज्ञ, 1985

निर्देश सं० आई० एस० मी०/एक्वी/कटक-2/85-86/252-53—अहः मुनं, आप००सी सेटी,

शायकर आंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रा. में अधिक **है**

र्द्यार जिस्की मं० 5 है, जो विसीनावर में स्थित ई (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में द्वार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रियर्ता अधिनारी के गार्यालय, कटक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1985

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तिल के जिए अंतरित की गर्श हु और मुम्हे गह विश्वाय करने का कारण है कि यथाप्यें कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल में, एग्रेंगे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कित निम्निमिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिवक का में किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिक्तार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी नुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निकासी खिल द्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अगेर्काश्य महान्ती जिता, जिताभाश्य महान्ती श्रीमती बृत्दावती देवी पति, श्री मित्राभाश्य महान्ती, एत/ङ्गकरवाग नाही/श्राता मेंगला बाग, पी० ग्रो०/गिस्ट्रिस्ट कटक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती द्रांपदी देवी पति, श्री फकीर चन्द अग्रवाल श्री प्रभु कुमार अग्रवाल पिता, श्री फकीर चन्द अग्रवाल, एट/थाना मंगलावाग जिला कटक, उड़ोसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हु।

उक्त सम्पति हे अर्जन वं सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना हो राजध्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्तिन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वानस्था

, जमीन श्रोण मकास दोनों विमीताबर मौना में स्थित है। थाता—हटा टाउन नं० 204, खाग नं० 1269 खमड़ा नं० 158 श्रीर 159, ज़रिया एको० 120 डिसमील श्रोर एक महना कोठा कटक में, उसका म्युनिमीपनिटी द्वाइ नं० 14 है। श्रीर हाल्डिंग नं० 354 है।

> जं.र० सी० तेट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेक्वर

न्रारीख: 6--(--1985

मोहर:

2 - 266 C1/85

प्रकृष काई. टी. एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग , 69-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक आवकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5832—अतः मुझे, ए० सी० शर्मा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० (प्लाप्ट नं० 221/16, ब्लाक नं० 35 है, नथा जो बुरहामपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप ने विति है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बुरहामपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27; के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गए। या किया बाना बाहिये था, छिपाने में सुविधा में सिष्

सतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अरेश कुनार भीमराजजी सर्राफ, लिवासी रास्तीपुरा, बुरहाभपुर हाल मुकाम 78, तांबा कांटा, बम्बई-400003

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रीम प्रकाश व भाई जगदीय प्रसाद, पिता शंकर दत्त जी, पारीक दाउदपुरा बरहानपुरा (अन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विस गया हैं।

अनगुची

मकान, प्लाट नं० 221/1 (ब्लाक नं० 35), रस्तीपुरा, बुरहानपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निह्ति है।

> एस० मी० शर्मा सक्षम पाधि कारी सहायक अध्यकर ग्राप्टन (निरोजग) अर्जन रेंज, भीक्षल

नारीख: 12-8-198श्र

मोहर

प्रकल जाएँ, टी. एन्. एस., -----

नायकर विधितिया , 1961 (1951 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत तहकार

कार्यांसव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दितांज 8 मई, 1985 लिदेश सं आई० ए० मी० एक्वी०/37ईई/59/09/85~86

अत: मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकार अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इडामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- एक. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 16 म्यु० हा० नं० जो 176/
15 बार्ड नं० 24 पुना बगडगंज सी० ए० रोड़ नागपुर में स्थित ई (ग्रीर उनेके उपाणक अनुसूचज ण ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकुमेंट सं 49/17/84-85 37ईई) भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 161 के अधीन 5-1-1985

को प्राप्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एंसे शश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्त प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जीभीनयभ के सभीन कर दोने के अन्तरक के दक्षियत्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया। भा या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विया अर्थ की नए;

बतः बद, उक्त विभिन्नम की भाग 269-ग के ननुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधोन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रदीप कुमार वल्द गोविंदराम केजडीवाल, देसाईगंज वउसा जिला गडिचरेली

(अन्तरक)

(2) नागपुर वान्य बझार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित श्री प्रकाशवीद लब्मीचंद सगा क्वेटा काली मागपुर

(अन्तरिती)

और बहु सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हरू

- (क) इस स्थान के समयन में प्रकाशन की तारीख हैं. 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए वा सकींगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नवा है .

अमृत्ची

शाप नं 16 म्यु नी हाउस नं 176/15 वार्ड न 24 जना बग्डगंज लेआउट सी० ए० रोड़ नागपूर

> एम० सीक्र जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 1-5-1985

मोहर:

प्रकार कार्यः थीः एवः एक .-----

बारकार मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्पीन सन्तरा

4154 ME 418

कार्याचय, सहायक जायकर वायुक्तः (विद्रीक्रण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांव 20 मई, 1985

निर्देश संख्या आई० ए० सी० एक्त्री०/7/19/8586---अत: मुझे, ए० के० जैन,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका संचित्र भाकार मुल्य 1,00,,000/- रु से अधिक हैं।

द्यींग जिसकी सं० 533, बार्ड नं० 👍 र, जो नं० 👚 नं ० 15, वेस्ट पार्क रोड़, पतोली नागपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकुमेंट सं० 26/ 85) ण भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16). के अधीन 8-1-1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के उत्पमान शांतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का अचित वाबार आर्ज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का नेप्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तब शाया गया प्रसिफ्त , जिम्नजिबित अनुदोस्य से उत्का बन्तरम्ब भव्यक्ति में शस्तिनिक रूप से किंथित नहीं किया दवा है अ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्निक के वभीन कर दोने के बलाइक है सामित्य में कवी। सहये या उपने तक्षे में पृष्टिका के सिए; कोरु∕वा
- (क) एसी किसी नाप या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 अग्र 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया थाना पाहिये था, क्रियाने में द्विषा के विए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाट्:---

(1) श्री केशव सदाशिव पाठक 'अमग्पीती जेव रोड़ **घतां**ली, नागपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी शतुष्टन वारंभे, पा० सुखहर्ता अपार्टमेंट प्याट गं० 8 महालक्ष्मी घोत्आप० हार्जासंग सोचायटी पतील नागपुर

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्त के अर्जन के कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ की सविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यवधि, जो भी व्यवधि बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर प्योंक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को अक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा है।

अनुसूची

मकान नं \circ 533, वार्ड नंकु स वक्न 19/1, नं \circ प्लाट र्न० 15, वेस्ट पार्क रोड़, सुशील बफराज ङ्गगर्ग घतोली नागपुर ।

> ए० केक्ट जैन नक्षम त्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, नागपूर

नारीख: 20-5-1985

मोहर:

अक्षय काष्ट्र^क, की . **एव** . **एए**

कायकार समितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अर्थान स्वना

भारत सरकर

ाक्यांस्य, **सञ्ज्ञयक सायक र नाम्यत (निर्माण)** अर्जन रोंग, नामगर

नागपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देण एं० आई० ए० - सी० /एध्नी ०/25122/85-86--श्रत: मुझे. एम० सी० दोशी

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसमें दर्सके प्रकात् 'उनत विभिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी गं० प्लाट नं० म/28 है में। दूसमा, माला श्रीमुर्ती बिल्डिंग जिठपेरोत आमारा में स्थित है और इपसे उपाबड श्रमुसूबी में आम पूर्ण क्या में बणित है, पितरड्री-इनी श्रीधकारी के बार्यात्य, नागपुर 1901 की धाना 269 श्रव (1) (व) (टाकुमेंट स० $50/17/84 \cdot 85$) में सारतीय श्रायकार श्रीधिन्यन, के अधीत 10-1-1985

को प्रोंकत सम्पांत के शिक्ष किया मुख्य से कम के स्वयमान तिरापत के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है। के यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्मित बामार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, ए से द्रयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों। (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शास की बाबत, उजल अधिनियक को अधीन कर दोने के अन्सरक ने दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी नाम या किसी कर या नस्य नास्तियों करें, जिल्हों भरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, 1922 का 41-कार नियम, या वर्ग-कार नियमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्यमाने अन्तरिती ब्वारा प्रकाट नहीं किया गया वर्ग या किया बाता व्यक्तिए था, कियाने में मुनिया के लिख;

मतः जब, उक्त विभिन्नम की भारा 269-प के जन्तरक हो, में उक्त जिभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) त्रिमृती इस्टेट डेब्हलए एन्ड बिल्डर्स, (स्वानद) ओर मार्ग फठार पेठ, श्रकोला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रनिस्द्ध बालक्षणा वाङ 200/110 णातादुर्ग हिदवाडी बैलगांव

(श्रन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

राज्य संपरित के वर्षन के बंबंध में कोई भी नामेष् :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीस म 45 विव की अविध मा त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी व्यक्ति बाद मों समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त स्थायतयों में संधिती व्यक्ति इसारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परक्षीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कर्म्यां और पदों का, थे उम्बंध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय यहां हो।

अन्स्ची

प्लाट नं० अ/28 दुसरामाला विमुती बिल्डिंग नसूल सिट नं० 76 मी० प्लाट नं० 8 और 9 उमरी रोड़ जठार पेंठ, अकोला

> ्म० सी० जोणी मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपूर

तारीख 3-9-1985 बोहर : प्ररूप आई. बी. एन . एस . ------

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंधीन सुचना

भारत बहुकाङ

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निवेश संख्या श्राई०ए०सीं०/एक्गीं०/22122/85-86--श्रत मुझे, एम०सी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण् हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित वाचार मृख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाप् नं० 103 पहिला माला, जो रेणुका गृह निर्माण सहकारों संस्था प्लाट नं० 174 नागपुर में स्थित हैं) और उसके उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणान हैं), रिजिस्ट्रींकर्ती ग्रिधिकारों के कार्यालय नागपुर 1961 धारा 269 ग्रव 9') (ब) (डाकुमेंट सं० 451161/84~85) में भारतींग श्रायकर ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन 5-41-1985

को पूर्विक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरम से हुन्दें कि मी साम की नामन, कार्य विधिनियम से अधीम कर दोने में बंहरक के वानित्य में कभी करने ना उससे न्यने में सुनिधा के सिए; शोर/वा
- (क) क्यी किसी बाब वा किसी वन वा क्य वास्तियी को, जिन्हें भारतीय वाबक ह वीधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधीनवन, या धन-कर विधीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या क्या वाना वाहिए वा, क्रियाने के स्विधा के विद्या

बदः अवं, उक्त अधिनियमः भी भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, स्थल अधिनियमः कमें भारा 269-म को उपचाहा (1) को अभीतः, द्वित्रकृतिकृति व्यक्तियों अवस्ति क्वा (1) रेणुका गृहिनर्माण सहकारी संस्था मयादित 193 डागा सुम्राट उत्तर श्रभांसरी रोड़, नागपुर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री निरंजन कल्याणजी ठामकर सुपर डायमिलनर नागजीभा**ई** टाउन सिताबढी नागपुर

(भ्रन्तरितो)

का यह सूचना बारी कर्के पूर्वोक्त सम्मत्ति से सर्वत से किए कर्मवाहियां करता हुं !

सकत सम्पत्ति को अञ्चल को सम्बन्ध में आहेर भी बालव :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की जनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वनिष को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशम को काराह 45 विश्व के शीलर अनत स्थायर सम्मत्ति में हितन्त्र्थ किसी अन्य स्थायत् द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्वकारण .---क्यके प्रमुक्त शब्दों और पर्धा का, की उनत विभिन्निया के बध्याय 20-क में परिभाषिट ही, वहीं कर्ष हारेगा का उस अध्याय में दिया स्वा है।।

अनुसूची

्लाट न० 103 पहिला माला रेणुका गृह निर्माण सहकारी संस्था मयादित प्लाट न० 174 सर्केल नं० 20, बार्ड नं० 73 जो शिषाजीनर नागपुर में स्थित है।

> एम० मीं० जोजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नागपुर

दिनांक : 3-9-1985

मोहर :

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

अनः जना, दिनां ५ 6 जून 1985

निर्देश मं० ए सा० 3/रेंज-4/ हल०/1985-86---शांकर के० बनर्जी, ग्रनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 26 है तथाजी बुड मोहल्लामें स्थित है (और इसके उपाबक श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकृती श्रधिकारी के कार्यातय स्रामानमोल में रिकस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के ष्रधीन, तारीख 16-1-·1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत संपक्ति का प्रतिफल बाबार मृल्य, उसके धरयमान दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने केंअन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा केलिए; **और/या**
- (स्व) एेमी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या थिया जाना चाहिए था, क्रियाने में गविधा केलिए:

४त: अप्र. जक्त पश्चितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त जी जिस्ह की भारा १००-च की उपधारा (1) के लधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती राम रिक्षत देवी

(अन्तरक)

(2) मैं मर्स जेबु-ए-खातन पत्नी मोहम्तद सैंदत्त खान 26, बुद्धा मोहल्ला आमनसोल, बरधवान ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की **तारीय** से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिसयों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदबुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरीकेपास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, **जो** उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 尾 🗗 नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुपी

जमीन–खिराया भाग और 1.76 का० अमीन का साथ मकान पता—26, बुढ मोहल्ला, **बर्धान दलिल सं०** 1985 朝 206

> शंकर के० अपनजी सक्षम प्राधिवारी सष्टायक आयक्र आयुक्त (निरीक्ष्णः ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता)

तारीकः : 6-6-1985

मोहर :

प्रारूप आई', टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (!061 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जर रेंज, ज्वाराना

क्लकता दिनांश 12 ग्रगस्त, 1985

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिनकीं मं० 2 नी० हैं तथा जो प्रात्निपुर प्राभिनितः
कानकता—24 में स्थित हैं (औं इपमे उपाबद अनुसूचीं
में और पूर्ण रूप से वित्ति हैं), रिजरहीं तो प्रक्षितारी के
कार्यात्वय सक्षम प्राधितारी में, रिहरहीं जण प्रितियम
1908 (1908 ता 16) के प्रश्रीत तारीख 2—1-85
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के टिचन बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम
करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब
पाया यया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में केमी करने या उससे बचने में सूर्विधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा कैलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ।) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री बद्धिप्रभाष काग-ओगाल ओग अस्य (अस्तरका)
- (2) श्रीमती जन्मिया रूटा (श्रन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना को राजण्य में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध लिकान में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गगा है.

अनुसूची

1711 वर्ग फुट प्लाट वा साथ एक गाड़ी रखने का जायगा 1 जी, श्रालिपुर श्राभितिष्ठ, फ्लाट त० 2 ए०, कलशक्ता-27 में अवस्थित है, सक्ष्म प्राधिवारी के पास 2-1-1985 नारीख में रिजिस्ट्री हुआ । रिजिस्ट्री हा ऋमिक सं०-33।

शैख नईस्हित सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्राप्ति रेंज-२७ तल जा 54, रफी श्रह्मद फिदवाई बोद, इल-16

वारीख : 10-8-1985

ष्ट्रीहर :

प्रकृष बार्षं .टी. एव . एस . -=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी० 43-2/कल/1985-86—अनः मुझे, शेख नईमुहिन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आ भक हूं शौर जिसकी सं० 36 बी ई तथा जो लिउ रोड़, आलिपुर कलकत्ता स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आए० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, नारीख 11-1-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि मथापूबाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बाच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखिय उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अंतरक ये हुई कियी शाद की वायव, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भूत या बन्ध बास्त्य के की, जिन्हें भारतीय आय-कर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या कि पा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्विध;

(1) श्री सुरेश चन्द्र राय

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सिंघानिया टी को प्राइवेट लि॰ (अन्नरिती)

को यह स्चना चारी करके प्रोंक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 विन की अत्रिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की ख्वांध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीं।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया गया है।

-

21 कठा 40 वर्ग फुट जमीत का अबिभक्त 1/25 भाग, 36 बी०, निज रोड़, आलिपुर, कलकत्ता में अबस्थित है।

दलिल र्सम्या ए० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई 4567।

> (शेख नईमुद्दिन) सक्षम पाधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन कृज−2/कलकत्ता 54, रकी अरुष्ट किदवा ईरोड़, कल०16

तारीख: 6-9-1985

मोहर 🛭

प्रकृत वार्षं . ही , धृत् , एवं , क्लावाराय कार्य

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत बरकाड

कार्यांतय, सहायक नायकर आय्क्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्दोश सं० ए० सी० 4क-2/4कल/1985-86-3त: मुक्ते, शेख नईमुहिन,

शायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 59 ई तथा जो मोतिलाल गुप्त रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दश्यमान वितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृह्य, उथके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पति कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्त्रहण लिखित में उस्टिविक रूप से कथित नहीं किया यथा है क्ष

- (क) जन्तारण से हुई किसी गाप की गावता, जकत श्रीवित्यस को बनीन गाप दोने के सम्परक के गामित्य से कासी कारने वा जनसे नवने से स्विधा श्रीकार: श्रीव/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों कां, चिक्के भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्या अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, विश्व कर अधिनियम, विश्व कर अधिनियम, विश्व कर विवि

(1) श्रीमती अदित सान्याल

(अन्तरक) (अन्तरिती)

(2) रामिकप्न मठ

को यह स्थान बादी कारके पृत्तांक्य सम्मस्यि के तर्थन के निर्ध कार्यवाहियां करता हुं।

इक्ट सम्मरित् को वर्जन की सम्बन्ध हो ऋ**ड़ि** ही नाजन उन्ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी मह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी को पान सिलित में किए वा सकेंगे।

स्थल्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षत्रयों बाँद वदा का, जा उक्त बिक्षीनयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही. बहुरी कर्की होता जो उस अध्याय में जिया गया ती।

ग्रनुसूची

10 कठा जमीत का साथ देड़ तल्ला मकाम 59, मोति-लॉल गुप्त रोड़, मौहा-पूर्व बरिसा, थाना-बेहाला, कलकत्ता में अब स्थित है।

दिलाल सं० आर० ए० कलकत्ताका 1985 का आई० 1240

> गेख मईमुदिन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽2, कलकरता

मतः तमः, उक्त अभिनियम की धारा 269-न के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षीत ह—

तारीख: 5-9-1985

बोहर

प्ररूप आइ.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 निसम्बर 1985

निर्देश सं० एसी-41 /क्यू-21कल/1985-86 अतः मुझे, शेख नईमृद्दिन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रांद जिसकी सं० 162ई तथा जो ब्लाक जी० निख आलिपुर कलकत्ता—53 में स्थित है (और इसम उसबद्ध अनुसूवी में म्रांट पूर्ण रूप से वाँगत है), रोजस्त्राकर्ता अधिकारी क कार्यालय, एस० आर० ए० कनकत्ता व, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 167 के अधीन, नारीख 1—1—1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार भूल्य संकम के दश्यमान् की गर्द्र हुँ प्रतिफल को लिए अन्तिरत भौर मुभ्ते यह निश्वास **क**रन का कारण कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल सं, एसं क्यमान् प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंदिय स उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित तही किया ग**या ह**ै ७——

- (क) अन्तरण संहुद्दै किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपधारा (1) व उपोन, निस्तिविक काक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री प्रदात कुमार मुखर्जी,

(अन्तरक)

(2) श्री राजा परिक्सिन राजदेश

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रक्त के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसुची

1386 वर्ग फुट फ्लाट 167, ज्लाक-जी० निउ आलिपुर फ्लाट नं० ड., कलकत्ता-53 में अवस्थित है। दलिल मं० एस० आर० ए० ककलत्ता का 1985 का आई० 73

> (शेख न**ईमुह्**न) सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2/कलकता

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

श्रम् वार्'. डॉ. एव. एक.-----

बायकर विभिनित्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वभीन सूचना

शारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, विनांक 5 सितम्बर 1985 निदेश सं० 3-979/अर्जन/85-86-अतः मुझे, प्रबोध

कुमार दुबे,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के व्यतिन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, विसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ताँजी सं 229, खाता सं०-540, 541-544, सिंकल नं -249, होल्डिंग नं० 116 (पुराना,) के 06 (नयाऋ, वार्ड नं० 34 पार्ट सं० 29, 31 (ए) 32/2053, सर्वे खाता नं० 7 (फुलवारी) है, तथा जो ढक्कनपुरा, बोरिंग रोड़, थाना श्री कृष्णपुरी, पटना में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-1-85

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाधार मृज्य से कम के दश्यकान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से विभिक्त है और वंतरक (अंतरका) जौर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह——

- (क) बन्तरण से हुए कियो बाद की बादत, उपस् जीभीनवस के अभीव कर दोने के अन्तरक वी वीनरण में क्यी करने वा उच्चे व्यव में बृदिया के नित्त, शॉप/या
- (थ) ऐसी किसी बाद मा किसी धन या अन्य जास्तियों की चिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था तिया जाना चाहिए था, खिपाने में क्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) श्री सान्तनु मुखर्जी, सृपुत स्व० भवनाथ मुखर्जी, श्रीमती सती रानी देवी भुजजा, बोरिंग रोड़, पक्ष्मा

(अन्तरक)

(2) अलक नन्दा कोआप्रेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० द्वारा श्री ज्ञान देव शर्मा, सचिव, बोरिंग रोइ, पटना (बिहार) (अन्तरिती)

का यह सुचना था<u>डी करके पूर्वीक्त इ</u>म्मस्ति के वर्षन के क्यि कार्यवाहियां सुक करता हुई 1.

उन्तु सम्पत्ति के नर्जन के तंत्रंभ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इब त्यना के द्राव्यत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की सर्वित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वित, जो भी स्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जथोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए वा सकोंगे।

स्वध्वीकरण — इसमे प्रयुक्त कब्बों और पवाँ का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा नवा हैं।

ग्रनुसूची

11 कट्ठा जमीन मय दार्मीला मकान के जो बोरिग रोड़, (पश्चिम) पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसीका सं०-1-1403, दिनांक 30-1-85 में विणित है तथा जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा किया गया है।

> प्रबोध कुमार दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन नें,ज पटना

तारीख: 5-9-1985

मोहर:

प्रारूप आर्द्रःटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

अर्जेम रेंज, पष्टमा पटना विनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1^{II}-980-अर्जन/84-85--अतः मुझे प्रबोध कुमार द्ववे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसुची के श्रनुसार है तथा जो एक्जीबिशन रोड, थाना को वाली जिला पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं),रिजिस्ट्रीकर्ता अधि-क(री के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-85

को पूर्वे अत सम्पत्ति के उचित गाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे बत सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफ स से, एंडे दश्यमान प्रतिफ स का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक कत, जिम्बिलिशित उद्देश्य से उक्त मन्तरण चिचित में बाल्य कि रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (फ) सन्तरण से हुइ किसी बाद की वाबल, उक्त विधिविवन के नधीन कर दोने के मृत्यरक के वाबित्य भी कमी करने या उससे बचने भी सुविधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी भाय या किसी वन या अच्य अस्ति को, चिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती बुनारा प्रकट वहने किया नवा वा वा किया जाना वाहिए जी कियाने से सुनिधा के लिए।

जत: अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण कें, में', शक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कें अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, कर्णात क्ष- (1) जा० सुनील चन्द्र भट्टाचार्य, लन्दन (ब्रिटेन) द्वारा श्रीमित बानी बनर्जी, एक्जीविशन रोड, पटना (2) श्रीमित जानी बनर्जी एक्जीविशन रोड, पटना (3) श्रीमित शुभा भट्टाचार्य (4) श्रीमित प्रीता बनर्जी (5) श्रीमित सुमीता बनर्जी, निवासी 7-बी देवदार स्ट्रीट, कलकत्ता 700019।

(अन्तरक)

e em ante em la filla de ministrale de la filla de l

2. मैं० लवकुण फाइनेंस एण्ड जियलपमेंट कारपोरेशन प्राईवेड लि०, 2 हफरेज टेसेस, जुहुतारा रोड, बम्बई 400049 द्वारा श्री अत्रुक्ष मिन्हा, मिदेशक, "रामायण' जुहु, विला पारले स्कीम, बम्बई

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति कं मर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्मास्त क अर्जन के शम्बन्द भी कोही भी जाओंच ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नगींथ ना तत्त्वस्थान न्युत्तित्यों पर स्थान की वामील से 30 दिस की नगींथ, जो भी जनिथ नाव मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिः;
- (क) इस तुचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सथाहस्ताक्षरी में शब् किसी मा किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमे प्रयुक्त भव्दों और पर्दों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंया है।

अनुसुची

27 कट्टा 7 घूर, 1 बूरकी जमील मय दो मंजिला मकान के जो एकजीविशन रोडधाना कोतवाली, जिला पटदा में स्थित है तथा जो पूर्ण 40 से बसीका सं० आई० 1202 दिनांक 25-1-85 ह्र् विणित है तथा जिलका पंजीकरण रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस कलकता द्वारा सम्पन्त हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूब, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 5-9-85 मोहरः

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयक्तर कॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनां ह 5 सिनम्बर 1985

निर्डेश सं० ।।।-982/अर्जन/85-86---अतः, मुझे, प्रबोध फुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितकी सं होन्डिंग नं 630 वार्ड नं 34 सिकिन नं 249 थाना सं 3 तौंजी सं 5443 (पुराना) 18222 (नय), है तथा जो सर्वे प्लाट नं 875, 878 खाना सं 37, 17 थाना श्री कृष्णपुरी, श्रगरिक रोड (राजापुर हसन) पटना भें स्थिन है (ग्रौर इसस उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीन दिनांक 4-2-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिती (अंत्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर कि धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः सक, उक्स किधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं । उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—-

1. श्री चिरन्जी लाल पोदधार वफल्द स्व० महाबीजर प्रसाद एवं (2 श्रीमित रामदुनारी देवी जौजे श्री चिरंजी लाल पोट्टदारितवासी राजेन्द्र नगर, पटना 16 ।

(अन्तरक)

2. उमिला देवी, जॉजे श्रो कैलाश प्रसाद अग्रवाल, मुरादत पुर, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र द्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

arrest i

1066 वर्गफींट जमींन सय एक मंजिला भवान के जो बोरिंग रोतु, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप में बसीवा सं० 873 दिनोंक 4-फु-85 में घणित है और जिसका निबंधन जिला निबंधक पदाधिकारीं, पटना के द्वारा सम्पन्न ि्या गया है ।

> प्रबाध धुमार दूबे सक्षम प्राधिवारी संग्रिक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रज पटना

दिनाँक : 5-9-1985

माहर :

प्रस्प भाष⁴. टर्श. एस्. **एक**.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ३6९-भ (1) के अभीन स्चना

भारत स्रका

कार्यानय, सहायक झायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

पष्टमा दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश र्सं० III-981/अर्जन/85-86--अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। 'ते श्लावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- के. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 639. वार्ड नं० 34, सर्किल नं० 249 थाना सं० 3,तौजी सं० 5453 (पुराना) 18222 (नया) सर्वे प्लाट नं० 875, 878 खाता सं० 37, 13 थाना श्रीकृष्णापुरी, बोरिंग रोड (राजापुर हसन) पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करूने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिचत से अभिक हैं और बन्तरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख उद्वोदय से उक्त बंतरण किवित म नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं क्रिं--

- (क) अतरण स हुई किसी अप की वावत, उक्त क्षीभित्यम के बशीन कार दोने के बन्तरक के उद्दिश्य की शरी कारने या उसमें बचने में सुविधा क्ष्य रिक्षण, बाद्रि√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भग या बन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय बाल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या यस-कर अधिनियम, पा यस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ बन्तिरती युजारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना बतील या, 'ख्याने ज विषय के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- विरंजी लाल पोद्दार वल्द स्व० महाबीए प्रसाद एवं (2) श्रीमती रामदुलारी देवी, जांजे श्री लिरंजी लाल पोद्दार, निवासी राजेंद्र न ५०, ५६६३ १८॥ (अन्तरक)
- कैलाश प्रसाद अग्रवाल बल्द श्री महाबीर प्रसाद, मुरादपुर पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्रोप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीखा से बहु उपन को अवीच या तरसंबंधी व्यक्तिशों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद मी समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति इवाल:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींग ।

स्वाचिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सकत विभिन्यम के अध्याय 20-क में तिरक्षा ा है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

1220 वर्गफीट जमीन मय एक मंजिला मकान के जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है, तथा जो पूर्ण रूप से बसीका सं० 795 दिनांक 31-1-85 में वर्णित है श्रीर जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, पटमा के द्वारा सम्पन्न हुआ।

> प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

दिमांक 5-9-85 मोहर: प्ररूप बार्ड .टी. एम. एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज पटना

पटना दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० lII -983/अर्जन/85-86--अत: मुझे प्रबोध कुमार दुबे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 639 वार्ड नं० 34 सकित नं० 249, थाना सं० 3, तौजी सं० 5453 (पुराना) 18222 (नया) सर्वे प्लाट नं० 875, 878 खाना सं० 37, 13 थाना श्री कृष्णापुरी बोरिंग रोड, (राजापुर हसन) पटना स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया गितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है है—

- हुँक) बन्तरण से हुइद्दें जिल्ली बाब की बाबत, 'अज्ञत विधितियम के अभीन कार दोने के अञ्चलक औं दीयरण में कामी कारने वा अज्ञाने बचने में सर्विधा औं सिए;
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में स्विधा के निक्ष,

स्तः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, व्यक्ति क्ष--

 श्री चिरंजीलाल पोद्दार वल्द स्व० महाबीर प्रसाद एवं
 (2) श्रीमित रामदुलारी दूवे जाँने श्री चिरंजीलाल पोद्दार निवासी राजेंद्र नगर पटना 16 ।

(अन्तरक)

2. कैलास प्रसाद अग्रवाल वल्द श्री महाबीर प्रसाद मुराचपुर पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वेष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमे प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनु सूची

1035 वर्गफीट जमीन मय एक मंजिला मकान के जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है, तथा जो पूर्ण रूप से वसीका सं० 82 दिनांक 8-2-85 में वर्णिन है स्प्रीर जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न किया गया है।

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

विनांक: 5-9-85

माहर 🖫

इस्य ब्राइं. टी. एव. एस. - -- -

बायफर विश्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

ब्राह्य ब्रुकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनाँकः 5 सितम्बर 1985

निर्देश मं० III-984/म्रर्जन/85-86---म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विश्वका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकीं सं० होल्डिंग नं० 639 वार्ड नं० 34, स्किल नं० 249, थाना सं० 3, तौजी सं० 5453 (पुराना) 18222 (नया) सर्वे प्लाट नं० 875, 878 खाता सं० 37, 13 थाना श्रीकृष्णपुरी बोरिंग रोड (राजापुर हमन) पर्टेंना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिनांक 12-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान भृतिफल का निक्त का स्थान प्रतिफल को निक्त संवरित का प्रतिफल को निक्त से विधक है और वंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक किए तम पाया गया प्रतिक कर निक्त सिंग तम्हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या असडो बचने में मृतिधा के लिए: विश्व/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब्द कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किए जारा वाक्रिए वा, कियाने में स्विधि के जिला:
- बर: मंब. उपत नीविनियम की पारा 269-व में जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---4—266 GI'85

1. श्री चिरंजी लाल पोद्दार वल्द स्व० महाबीर प्रसाद एवं (2) श्रीमिल रामदुलारी देवी, परिन श्री चिरंजीलाल पोद्दार, निवासी राजेन्द्र नगर, पटना-16।

(भ्रन्तरक)

 उर्मिला देवी जौजे, श्री कैलाश प्रसाद श्रग्रवाल, मुरादपुर पटना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के किहा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की सबिध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साबीस से 30 दिन की सबिध, यो भी सब्दिश वाद में समाप्त होती हो, में भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवास, अभोहस्ताभट्टी के पाद्य सिन्धित में किस् का सकति।

स्पष्टीकरण:—हसमें -प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृज्यी

1320 वर्गफीट जमीन मय एक मंजिला मकान के जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसीका संख्या 1073 दिनाँक 12-2-85 में वर्णित है, श्रौर जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न किया गया है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 5-9-85

मोहरु 🛭

प्रस्प आहे.टी.एन<u>.</u>एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

शायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मौजा धनबाद नं० 51, प्लाट नं० 3835, होल्डिंग सं० 56, वार्ड सं० 18 (पुराना होल्डिंग 339), (पुराना बार्ड सं० 5) धनबाद में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 15-9-85

को पूर्विक्त शम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नितिचित उन्दिस्य से उच्त द्रान्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, धक्त प्रीभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एरेरी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्ति किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुतिभा के निए;

अतः त्रभः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं. उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- 1. (1) श्रीमित गंगा वेन, उर्फ श्रीमित गंगा बाई देवजी, पत्नि स्व० करमन दाम रेशमवाला, कतरास रोड, धनवाद, वर्तमान पता-30, इन्द्रुज कोर्ट, ए रोड, चर्च गेट, बम्बई—400020
 - (2) श्री जितेन्द्र कुमार रेशमवाला सुपुत स्व० करमन दाम रेशमवाला, श्राई/ए, ईशाक कालनी, सिकन्दराबाद (श्रांध्र प्रदेश) (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री अणोक कुमार अग्रवाला भुपुत्र श्री स्व० विणे-भावर लाल श्रग्नवाल 6/आई०ए०, मोईजा ुस्ट्रीट-कलकत्ता 700017।
 - (2) श्री महाबीर प्रसाद वन्सल मुपुत श्री पन्नालाल बन्स धनवाद ।
 - (3) श्री बंजरंग प्रसाद डालिमिया सु**पु**त्र श्री के० एल० डालिमिया धनबाद ।
 - (4) श्री हीरा लाल गुन्ता, मुपृत स्व हंसराज गुन्ता, सेक्टर 1 बोकारो स्टील मिटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकानन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोइस्ट्राक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया हैं।

अनुसूची

श्राश्चा हिस्सा जमीन मय मकान जिसका रकवा 2 बिगहा 5 कट्टा 8 छटाँक है तथा जो बोर्ड नं 0 18 डाकघर जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसीका संख्या 605 दिनाँक 18/19—1—85 में विणित है ग्रौर जिसका पंजीकरण जिला ग्रवर निबंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हम्ना है ।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, पटना

दिनाँक : 9–9–85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निर्देश मं० III---985/श्रर्जन/85--86---श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मौजा धनवाद नं० 51 प्लाट नं० 3385, होल्डिंग सं० 56, वार्ड सं० 13 (पुराना वार्ड सं० 5) (पुराना होल्डिंग 339) है तथा जो धनवाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनवाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 18/19-1-85

भन्ने भूगों कर समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यवान प्रेतिकाल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के जनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उपयोग प्रतिकास से एसे अस्यवान प्रतिकास का पण्डे अस्यवान प्रतिकास का स्वाव का पण्डे अस्यवान का स्वाव का पण्डे अस्यवान का प्रतिकास का प्रतिकास का स्वाव का स्वव का स्वाव का स्वाव का स्वाव का स्वाव का स्वव का स्वव का स्वव का स्वाव का स्य

- (क) जन्तरण से हुए जिल्ली जान की बात्रका, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्वरक की याजिएन में अभी करने या उसते अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- 1. (1) श्रीमित गंगा बेन उर्फ श्रीमित गंगा बाई देवजी, पत्नि स्व० करमन दास रेशमवाला, कतरास रोड, धन-बाद वर्तमान पता-30, इन्दुज कोर्ट, ए रोड चर्च गेट, बम्बई-400020
 - (2) श्री जितेंद्र कुमार रेशमवाला सुपुत्र स्व० करसन दास रेशमवाला, ग्राई/ए ईशाक कालोनी, सिकन्दराबाद (ग्रांध्र प्रदेश) (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री श्रक्षोक कुमार श्रग्नवाल, सुपुत्र श्री विशेशवर लाल श्रग्नवाल 6/श्राई ए मोईजा स्ट्रीट कलकत्ता 700017।
 - (2) श्री महाबीर प्रसाद बन्सल सुपत्न श्री पन्ना लाल बंसल धनबाद।
 - (3) श्री बंजरग प्रसाद डालिमयां सुपुन्न श्री केंऽ एन० डालिमयाँ धनबाद ।
 - (4) श्री हीरालाल गुप्ता सुपुत्र स्व॰ हंसराज गुप्ता सेक्टर 1, बोकारो स्टील सिटी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्स सम्मरित के अर्थन का सम्बन्ध में काई भी अक्षरेपूर---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्तीं है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच कें 45 विव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकोंगे

स्पाक्क करण ह- इसमें प्रयुक्त शब्दों बहिर पतों का, यो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्राधा हिस्सा जमीन मय मकान के जिसका रकबा 2 बिगहा 5 कट्टा 6 छटाँक है तथा जो वार्डनं 18, डाकघर/जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसीका संख्या 604, दिनाँक 18/19-1-85 में विणत है श्रीर जिसका पंजीकरण जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 9-9-85

मोहर:

बक्द बाह्<u>र हो । युद् पुर</u>्व भन्धान----

सारकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के स्पीत स्वता

SIZE WEST

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० 2/जनवरी/85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सेम्एल

बाव्कर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इक्कें इसकें परवात् 'उनत निधिन्यमं कहा ग्या है, की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् वाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 39, श्रोल्ड बीच रोड, मद्रास-41 है, जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (इस सं० 200/85 और 201/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन जनवरी 85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए बंतरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके अवसान प्रतिफल के, ए वे अवसान प्रतिफल का पंडडू ब्रिटिय से विभक्त है और जन्तरक (जन्तरका) बाह अन्तरियों (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के निए तब पावा गवा ब्रिटियन, निम्नीनियत उद्योग से उक्त जन्तर्भ निवित वे ब्रिटियन कम से अविद्युत्त नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण ते हुई कियी जान की वावत, उन्तर वीधीनवम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) इंडी किसी नाव या किसी धन वा अन्य शास्तियों को, जिल्हां भारतीय नाव-कर निवासनम्, 1922 (1922 का 11) वा उन्त श्रीष्तिवस, या धन-कर निधीनयस, 1957 (1957 का 27) के ध्वोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विका

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्, निम्नीसिष्ठ व्यक्तियों, अर्थान् के

1. पी० एन० रामनाथन भ्रौर दूसरे

(भ्रन्तरक)

2. साय भिपिंग कम्पनी (पी) लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूजना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर जूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा ब्धाइस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए वा स्केंगे।

स्वक्षके प्रशः --- इसने प्रयुक्त सक्से नीर पदों का, वा उक्स निधानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं नर्ष होगा, वो उस नध्याय में दिया गया

भन्युची

भूमि श्रौर मकान 39, श्रोल्ड बीच रोड, मद्रास-41 (एस० ग्रार० श्रो० मद्रास नार्थ दस सं० 200/85 श्रौर 201/85)

> श्रीमती एम० सेमुएल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनौंक: 4-9-85

मोहर:

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

मायकर ः िरिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालम्।, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 85

निदेश सं० 8 जनवरी/85—स्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सेमुएल

आयकर अधिनि म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उध्यत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- र . सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एस० सं० 27/3, कोडम्बाक्कम गाँव 11 स्ट्रीट है, जो डाक्टर सुब्बरायन नगर, मद्रास 24 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम, मद्रास (दस० सं० 20/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर मान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से अंतरित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में

- (कं) अन्तर्ण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्स नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/जा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री ए० कासी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० चंद्रा

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचमा के रक्जपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाद में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त हादों और पदों का, जो उक्त अधिन्यिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि एस० नं ० 27/3, कोडम्बाक्कम गाँव VI स्ट्रोट डाक्टर सुब्बरायन नगर, मद्रास-24।

श्रीमती एम० सेमुएल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, मद्रास

दिनांक : **4**-9-85

मोहर .

प्रकल नाहरू, टी, एन , एस ,------

भावकड जिभिनियम, 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वर्षीन बृद्धमा

ALITA SELAIS

कार्यात्तव, सञ्चावक आवक्तूर आवृक्त (विद्वाधिक)

श्वर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनाँक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं० 27/जनवरी/85---अप्रतः मुझे,

श्रीमती एम० सेमुएल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण है कि स्थावर सम्पर्टित, जिसका उचित बाबार मुक्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भिन्न मकान ग्रीर भूमि—157, है जो बेराका रोड, कीलपाक, मद्रास—10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, पुरमावाक्स (दम० सं० 132/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनाँक 27 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पह हैं और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्तद्व अतिहात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के निए त्य पाया भवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि निहित के नास्तिक अप से कथित महीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की आवत, उक्त विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुटुने वा उत्तरे वभूने में स्विधा के डिक्प; और/वा
- (क) एती किसी बाब या किसी धन वा बुल्य वाहिस्तवों को, जिन्हें भारतीय बाब-कर विधानस्य, 1922 (1922 का 11) वा उक्छ विधानस्य, वा धनकु विधानस्य, वा धनकु विधानस्य, 1957 (1957 का 27) के प्राधनार्थ बन्दारियों ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सिवा बाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः विवास की भाष 269-व की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती मेरी टरेमा जेम्म ग्रौर श्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री चुनीलाल मेहरा ग्रीर 13 ग्रन्य सर्व श्री/श्रीमती/कुमारी
- (1) चुन्नीलाल मेहर, 79, एन०एस०सी० बोस रोड, मद्रास-79
- (2) कंचनलाल मेहर 79,एन०एस०सी० बोस रोड, मद्रास-79
- (3) जितेष मेहर पुत्र धीरजलाल मेहर 79, एन०एस०सी० बोस रोड, मद्रास-79।
- (4) हेमलक्षा पटेल, सम्मी पटेल की लड़की 79, एन०एस०मी०, बोस रोड, मद्रास–79।

- (5) राजेन्त्र कुमार के० पटेल, 79, एन० एस० सी० वास रोड, मद्रास-79।
- (6) शीतल कुमार के 4 पटेल, 79, एन ० एस ० सी ० सोस रोड, मद्रास-79।
- (7) समीर डी॰ मेहता, (मैनर), 7 त्रीतापेठ रोड, कीलपाक, मद्रास-10।
- (8) सन्नत जे० पटेल, पिताजी का नाम जसबाय एच० पटेल, 34,ईवर्निंग बाजार,पार्कटाउन,मद्रास-3।
- (9) पुष्पा देवी मेरलेचा, 26, गोविन्दप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1।
- (10) सुरेश एम० जवेरी, 17, बेंकटाचल मुदली स्ट्रीट, पार्क टाउन, मद्रास-3।
- (11) नरेश बी॰ बोकाडिया, 8 वेंकटरायन स्ट्रीट, पार्क टाउन, मद्रास-3।
- (12) बरत बठ, 41, एकाम्बरेश्वरम श्रग्रहारम स्ट्रीट, मद्रास-3।
- (13) निमेश कुमार बी० पटेल, (मैनर), 79, एन०एस०सी०, बोस रोड,मद्रास-79।
- (14) श्रीमती पथा जे॰ पटेल, 7, जीगपेठ रोड, बेपेरी, मद्रास-7। (श्रन्तरिती)

को यह सुवना पारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के स्निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी जु से 45 विन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वास्त;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

क्षां प्राप्त पर्वे

भूमि स्रौर मकान—भिन्न मकान स्रौर भूमि—-157, बेराका रोड, कीलपाक, मब्रास-10 7-1429/100 स्रभिन्न स्वार्थी।

> श्रीमती एम० सेमुएल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 4-9-85

मोहर 🏚

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

भायकर जीधनित्रम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्थता

PLATE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनाँक 4 सिनम्बर 1985

निदेश सं० 29/जनवरी/85—श्रतः मुझे, श्रीमनी एम० मम्बेस,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसके इसके पश्चात् 'उदत अभिनिम' कहा गा है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संज्ङोरसंज 17, V स्ट्रीट है जो, डाक्टर तिरुम्ति नगर, मद्रास-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाउजैंड लाइट्स (दमज संज्ञ 1/1985) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिश्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया चना प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उच्त अन्तरण लिखित अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया ई :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; बाँख/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर किभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनयम, वा भन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए; और/मा

नतः अन्, उन्त आधीनयम की भारा 269-ग के बनुबरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ऊपा एस० नायर

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी एस० एन० सादिका एस० एन० शरीन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्णन के तंबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत रं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यवित्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौरमकान —होर सं०17/,V स्ट्रीट, डाक्टर तिरुमूर्ति नगर, भद्रास $\rightarrow 34$ ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्राय

दिनाँक : 4-9-1985

मोह्नर 🚁

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्ङ्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राग, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश मं० 92/जनवरी/85—श्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 24, सिंगराचारी स्ट्रीट, ट्रिप्लिकेन, है, तथा
जो मद्रास-5 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप
में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन
(इस० सं० 42/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक जनवरी 1985,
को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती इन्दिरा बाई ग्रीर दूसरे (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० नागेण्वर राव श्रीर दूसरे। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर मान सं० 24, सिंगराचारी स्ट्रीट, ट्रिप्लिकेन, मद्रास-5 (एस० श्रार० श्रो० ट्रिप्लिकेन दस० सं० 42/85)

श्रीमती एम० सामृबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II- मद्रास

दिनौंक : 4-9-85

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-॥, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सिसम्बर, 1985

निदेण मं० 95/जनवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सैम्अल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23, पैकापट्रस रोडहै, जो ट्रिप्लीकेन, मद्रा-स
-5, में स्थित है श्रौर इसमे उपिंद्ध अनुचची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रिप्लीकेन, मद्रास में (दस मं० 62/85) में रिजस्ट्री दिनांक जनवरी. 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁵ भारतीय आथकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—
5—266 G1|85

1. श्री पी० आलवार चेट्टी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० कृष्ण आचार

(अन्त(रती)

को यह स्चन्त जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनससी

भूमि ग्रौर मकान-23. प्रैकापस रोड, ट्रिप्लीकेन, मद्रास-5 (एम अर्र० श्रो० ट्रिप्लीकेन दस सं० 62/85)

> एम० सामुवेल ततम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-॥, मद्रास ।

दिनांक: 4-9-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सित्तम्बर, 1985

निदेश सं० 106/जनवरी_/85—अतः मुझे, एम०

सामुवेल

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संब ग्रोव एमव संव 2064, आरव एसव संव 1621 है, जो मौन्नेस रोड, मद्रास मैं स्थित है ग्रौर दूससे उपावत अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विशित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल दस संव 62/85 मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी, 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूद्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० पंचापकेसन

(अन्तरक)

(2) कुमारी टी॰ सिवणामी (मैनर) ग्रीर दूसरे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमिओ० एम० स० 2064 ऑ० एम० मे० 1621 मौकेस रोड, मद्रास

(एस० अर० ग्रो० मद्रास दस सं० 62/85), सेंट्रल।

एम० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिनांक . 4-9-1985

मोहर :

प्रक्ष वादौ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

धारत सरका

कार्यात्तय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 111/जनवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्साध करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

षौर जिसकी सं० डोर स० 7, ।। केंसेंट पार्क रोड है, तथा जो अडयार, गांधीनगर, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार (दस सं० 122/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियनम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 85

कां पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से निभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वोद्यों से उक्त अन्तरण निविद्य वें अन्तरिक रूप से किंपित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से धुष् किसी गाय की नावत, अक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में क्रमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/बा
- (५) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बता अन्त्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसर्व में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीप, निम्नतिचित्र व्यक्तिकों, अर्थात् ⊑--- (1) श्री बी॰ एस॰ राज्

(अन्सरक)

(2) श्री एस० सोमस्यमणियन

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतड पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्त;
- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन को तारी कर 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बह्ध किसी कृत्व व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास सिक्ति में किस जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

HT U

भूमि और मकान ---डोर सं० 7, ॥ ऋसेंट पार्क रोड, अडयार, गांधीनगर, मद्रास -20

(एस० आर० ग्रो० अडयार दस सं० 122/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

दिनांक: 4-9-1985

मोहर:

प्रक्य वार्ड ्टी . एन . एच ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

1154 12540

कार्थालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 127/जनवरी, 1985—अतः मुझे, एम० साम्बेल

आयकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्कास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर सिकी सं० एस० सं० 166, 2, प्लाट सं० 3, तिकवानमयूर गांव, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (दस सं० 76,85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 85

कां पूर्वीकर सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से काम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कत निम्नितिबद उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिबद उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिबद में गस्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नत निध-निष्म के अधीन कर देने के जन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औट्ट√वा
- (सी किसी वाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (557 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना जाहिए था, कियाने के सविधा के निष्;

नतः नवः, उनतः निधनियमं की भारा 269-व वै वनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीन⊕, निध्निश्चित स्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री टी॰ भार॰ विश्वनाथन

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राजगोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिप् कार्यवाहियां शुरू करता क्ष्मां त

जनत संपरित के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या सत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं हैं

अनुसूची
भूमि—एस० सं० 166/2, प्लाट सं० 3, तिख्वान्मयूर
गांव, मद्रास।
(एस० आर० ग्रो० मद्रास सौत—दस सं० 76/85)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास ।

दिनांक: 4-9-1985

मोहर 🛭

प्रक्रम् बार्ड्ः ठाँ ु एव , एक ,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायक (निरीक्षण) अर्जम रेंज एरणाकुलम

कोच्चिम-16 दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० एल० सी०-767/85-86—स्यतः मुझे बी० रविबालभ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रा. सं अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कुन्नाम कुलन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय: कुन्नाम कुलम रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्श्रह प्रतिक्षत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तीकक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे अपने में तुविधा के जिल्हा और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमिती मेरी फांसिस एलवस्तीनकलश्बर ए॰ सी॰ फर्नीचर मार्ट पट्टाभि रोड कुन्नाम कुलम (अन्तरक)
- (2) श्री बी० पी० अलिमोहम्मद पुन्नान पुरायिल सईद मोहम्मद के पुत्र चावक्काड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निगः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोच डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसिस में किए जा सकोंगे।

स्वकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय वें दिया गया हैं।

भनुसूची

तारीख 21-1-85, उपरजिस्ट्रार, कार्यालय, के दस्तावेज सं० 100/58 लगन अनुसूची के अनुसार कुन्नाम कुलम विलेज में सर्वे सं० 937/2 में 5 सेंट भूमि और शाप मकान।

> बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, एरणाकुलम

दिनांक: 5-9-1985

प्रस्थ बाइ .बी .एन .एव . -----

बायकर बांचिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अचीन सूचना

गाउँच इंड्यून

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० एल० सी० 768/85-86—अतः मुझे, बी० रिव बालन

कह्मकर सिविनियमं, 1961 (1961 का 43) (किले इसमें इसके प्रधात् 'न्वक सिविनियमं कहा गया है), को बारा 269-थ के अभीन स्थाम श्रीष्टकारी को वह विस्तास कहने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कुन्नाम कुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुन्नाम कुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-1-85

को पूर्विक्त सम्बन्धि के जिस्त नाजार मृत्य ते कम के दश्यमान प्रश्चिक ल के लिए क्यारिटी की यहाँ और मुक्षे यह विद्यास कहते का कारण है कि स्थापूर्वोक्क सम्मरिश का उपित नाजार मृत्य, उक्के दश्यमान प्रतिपन्न है, होते स्थापमा प्रतिपन्न का पन्नाह प्रविच्यत से निष्क हैं बीड नेन्यरक (क्याह्रकों) की स क्याह्य (अध्याधित से) के बीड एके स्थाह्य के लिए तब पत्न प्रया प्रतिपन्न विकासिक स्थादकेश से जेका कम्बद्रक् लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) बखारण से हुई फिकी नाम की नावत , उसत विधियम के स्थीन कर देने के क्यारक की विध्या में कमी करने ना उससे क्याने में स्विधा के लिए; बॉट/या
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्त्रवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए वा कियान में सुविधा के लिए;

नका नय, जना वर्गिनिका की पास 200-य के संवृत्तरण में, में अपन मीपनियम की भारा 269-य की संवर्धाश (1) के अभीत, निकासिकिस मिनियों, संवति ह—ः (1) श्रीमती मेरी फांसिस श्री फांसिस की पत्नि, एल-बुन्नुमकलघर ए० सी० फर्नीचर मार्ट, पट्टाभि रोड, कन्नाम कुलम।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० अब्दुल सलाम, अलिमोहम्मद के पत्न, चावक्काड।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के अर्थन के अर्थन के अर्थन

उपरा धन्यक्ति के अर्थन के सन्यन्य में कोर्स भी नार्वाप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की बर्गांश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की ताबीस से 30 दिन की बर्गांश की कविष बाद में ब्रजान्य होती हो, के नीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्तारा;
- (क) इस यूचना के खब्बन में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितक्य्भ किती सन्य क्वावित द्वाय अभोड्स्ताक्षरी के पास सिवित में निष्णु का सर्वोगे ।

स्वकातिकरणः -- इसमें प्रयुक्त पत्कों और पर्वो का, को उक्क अभिनियम के अध्याप 20-क में परिधायित है, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में विया वसा है।

अनुसूची

तारीख 30-1-1985, उपरजिस्ट्रार के कार्यालय के दस्तावेज सं० 179/85 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कुलाम कुलम विलेज में सर्वे सं० 937/2 में 3.5 सेंट भूमि, शाप ग्रीर मकान।

बी० रिव बालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 5-9-05

प्रक्रम बाह्र, टी. एन. एस 🕒 🗝 🗝

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

निदेश मं० एल० सी० 769/85-86—यतः मुझे, बी० रवि बालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसनें इसनें परभास 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुस्वी के अनुसार है, जो कुन्नाम कुलम में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुन्नाम कुलम में भारतीय रिस्जिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रितिक्त को निए अन्तरित की गई है और मृश्वे देह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके धरममान प्रतिफक्त से एसे दृश्यमान प्रतिफक्त के पन्छ प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबके, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दर्शियल में कमी कारने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/जा
- (भ) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियो को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उं । अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नया था या किया जन्त चिहए था, छिपाने में सुनिधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरक म्, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीरः, निम्निनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मेरी फांसिस,श्री फांसिस की पत्नि, एलवतुमक लपर ए० गी०, फर्णीचर मार्ट, कुन्नाम कुलम (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० के० पान्नुम्मा, अलिमोहम्मद की पहिन चावकाडः।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीश से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दुर्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये दा सकती।

स्वध्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्म चो

तारीय 26-6-85 उप रिजम्द्रार कार्यासय के दस्ताबेज सं० 1135/85 में संलगन अनुसूची के अनुसार कुन्नाम कुलम विलेख में सर्वे सं० 937/2 में 3 सेंट भूमि, शाप और मकाम।

बी० रवि बालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयऊर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 5-9-1985

प्रथम बाह्र टी.एन.एस्.-----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के ब्भीन सुचना

परित बरकाड

कार्यास्य, सहायक बायकर आपृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० एल० सी० 770/85-86—अतः मुझे, बि० रिव बालम

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें १सके पश्चात 'उन्तं अभिनियम्' कहा भग हैं), की भाष 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जीवत वाकार ब्रुव्य 1.00.000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कुन्न म में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुन्नाम कुलम भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसकें स्वयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत है आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या शित्कल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिचित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम ते हुए जिली जाय की मनका, क्या शीधीनका के वधीन कर टोने के बन्तरक के दावित्व में कमी अपने वा उक्क बचने में सुविका के सिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 में 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औं विद्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्पत्र को, भौ, सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, उथित् :---

- (1) श्रीमती मेरी फांसिस, फांसिस की परिन, एल-वनुन्कल घर, ए० सी० फर्नीचर मार्ट, कुन्नाम कुलम । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० आर० इक्राहिम कुट्टी, अली मोहम्मद के पुत्र, चावक्काद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इंस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, थो भी विधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीक्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिशिकरण:---इसप्में प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया ग्या है।

नन्स्थी

दिमांक 26-6-1985, उपरिजिस्ट्रार, कार्यालय के दस्ता-वेज सं० 1136/85 में नंलग्न अनुसूची के अनुनार कुझाम कुलम विलेख में सर्वे सं० 937/2 में \$23/10 मेंट भूमि श्रीर गाप मकान।

> रत्वि **बा**नान नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेभ रोंज, एरणाकुलम

दिनांक: 5-9-1985

बोहर 🗓

प्ररूप बाद' टी. एन. एस.-

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

शास्त्र चरकार

अर्जन रेंज, पूना पूना,दिनांक 23 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई/9864/84-85—म्ब्रत मुझे, ब्रनिल कुमार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का प्राचण हैं कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं और जिसकीं संव प्लाट नंव 3, 'अनुष्या अपार्टेमेंटस आखिरी प्लाट नंव 88-ए, सींव टींव एसव नंव 118-ए, प्रकात रोड, फरन्डचना पूना-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन तारींख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाषार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जिस्त बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उद्दत अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किंशत नहीं किया गया है ;——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के आयित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी ध्र या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अबिधीन. निम्निविद्यत स्थिक्तयों, वर्षोस् क्र--

- (1) श्री ग्ररविन्दे^रभीमं ^नगीडा पाटिल, 852/3/4, ग्रमित ग्रपार्टमेंट्स, भण्डारकर इन्स्टीट्यूट रोड, पूना -4। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रतीप एस० बिडवे, 59/39, भारती निवास, एरन्डवना, पूना-9 ।.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये वा सकने।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वारेगा, जो उस अध्याग के दिवा क्या है।

अमुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई/9864/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख - 23-8-1985 मोहर

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांकः 21 ध्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई/147/85~86--श्रत: मुझे,

अनिल कुमार

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे "इंस्तर्गे इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कह्या गमा हु²), कनि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, विस्तक्त उद्दित बाइसर मुख्य 1,00,000/- रा. से **अधिक है**

और जिसकी मं० प्लाट नं० 15, विश्वगिरी श्रपार्टसेंट, दूसरा, में मंजला, सर्वे नं 295/1 1-बीं $\sqrt{34/1}$ 1 = 4 1 = 4 1 = 4 1 = 414/4, 44-सी है तथा जो नामिक में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रील्ती श्रधिकारी का टायलिय, सहायक श्रायकर श्राय्कत निरोक्षण श्चर्जन रोज रजिस्द्रंग्वरण श्रधिनियम,1908 (1908 का

- 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985 को पूर्विकत सम्पत्ति को उष्मिस बामार मूल्य से कम ें के वस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपीत का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल अधिक हैं दश्यमान प्रतिफल के पन्यस् प्रतिश्वत से नीर अंतरक (अंतरकों) और नंतरिती (अंतरिक्यों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उब्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (स) एंसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बाँधनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (19**57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म , मै , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं मर्स एन० एस० बिल्डर्स, सातवी श्रपार्टमेंट्स, मलेरिया स्टॉप, लक्ष्मी नगर रोड, पाटिल कालोनी नं० 1, कालेज रोड, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त वाधजी ठकार, श्रमित लांड्री के पास, पंचवटी, कारंजिया, नारिकः ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्बद्धिको कर्जन को लिए कार्यवाहियां करता 🚛 ।

उक्त संबत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 4.5 विन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्यनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अविभ बह्द में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित्दें इंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकेंगे।

लब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्या अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हिं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जैसा हि रजिस्ट्री∄त कम सं० 37 ईई/1,47/85-186 जो जुलाई 1985 को सह यक मायकर आयुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रानिल कुमार सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पुना

नारीख : 21-8-1985

मोहर

यक्तर नावं त्यो प्रमृत्यः

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-न (1) को अधीन स्वना

THE PERSON

कार्यालय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 म्रगस्त 1985

निवेश मं० 37 ईई०/97/84-85--श्रत: मुझे, श्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित् वाजार मून्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० व्लाट नं० एफ-1, पहला मंजला, पनामा अपार्टमेंट्स, माडल कालोनी, एच० पीं० कालेज रोड, नास्कि (क्षेत्रफल 708 चौ० फीट) है तथा जो नाशिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्शित है), एजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधींन तारीख जुलाई, 1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यायाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर सम्पत्ति कम उचित बाजार बृद्ध उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कम पन्तह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिविक उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत में बास्तिक रूप से किया गरा है ---

- (क) बन्तरण संहूर किसी बाग की बाबत उजत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्क में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; क्षेर/या
- (बा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

करः अथ उक्त वीभिनियम की भाषा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-छ की उपधारा (1) आई अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीक स्---

- (1) श्री मुल्लीधर रामचन्द्र भागवत, मावंडगांच, ता० यखले, जि० नास्ति । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला टी० देशमुख, पोस्ट मरहल, ता० सिन्नर, जि० नासिक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेब ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सब्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त कर्बों और पदौं का, को उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ कांगा, को उस अध्याय में दिया क्वा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई ० | 97 | 85 - 86 जो जुलाई, 1985 को सहायक ग्रायवर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 21-8-1985 ोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्तर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/156/नासिक/85-86--ग्रतः मुझे, ग्रिनल कुमार

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करिंग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-14, तीसरा मंजला, तुकाराम ग्रपार्टमेंट्स, 134, रेलवे लाइन्स, क्षेत्रफल 730 चौ० फुट है तथा जो शोलापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत नावार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की नई हैं और मुक्के यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत नाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल के एसे स्थमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से विभक्त हैं और संवरक (संतरकों) और संतरिती (संतरितियों) के बीच एसे संतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसित उद्देश्य से उच्च संतरण निकित में वास्तिक्ष रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिधुनियम के अधीन कर देने के बंतरण के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (थ) ध्रंथी किसी बाब या किसी भन या बन्स बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनसम् 1922 की 11) वा उच्य विधिनसम् 1922 की 11) वा उच्य विधिनसम्, या भन-कर बिधिनसम्, 1957 (1957 का 27) के मुकाबनार्थ बन्दिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया बाना बाहिए था, कियाने से बनिया के लिए;

नतः अब., उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स राहुल बिल्डर्स, 134, रेलवे लाईन्स, सोलापुर ।

(ग्रन्तरक)

2) श्री मुकेश डी० पटेल, घर नम्बर 134, तुकाराम श्रपार्टमेंट्स, प्लाट न० ए-14, तीसरा मजला, रेलवे लाईन्स, सोलापुर।

(ग्र तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में झोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्ष निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनिवस के बभ्यास 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होना जो उन्ह सभ्यास में दिका नवा हैं।

अनुसूची

जैसा कि र्राजर्स्ट्राकृत कम सं० 37 ईई०/156/85-86--जो जून, 1985 को सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21-8-1985

बरूप बाईं.टी.एव.एस.-----

आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/9525/84-85--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- २०. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट जहां सर्वे नं 133-11बी-2-1 ग्रीर 12-बी-1(4) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री- कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिबात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नितिबंत उद्देश्य से उन्त अन्तरण बिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उनत अधिनवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः आव, उक्त आधानयम का धारा 269-ग क अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती पुष्पा बाई शांतिलाल लोढा ग्रौर ग्रन्य, सुन्दर निवास, कोथरूड, पूना ।

(म्रन्तरक)

(2) मैंसर्स अश्विनी इन्टप्राइसेस, सीला विहार कालोनी, पौड फ़ाटा, पूना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अनिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियं। गया है।

ग्रन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई०/9525/ 84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के देफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26-8-85

मोहर 🕫

प्रकर्भ मार्ड . टी . एन एस . नरन५०००००००

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

हाइत दहसा

भायांत्तय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोंक 26 ग्रगस्त 1985

निवेश सं० 37 ईई०/10300/84~85—न्य्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से जिधिक है

ग्रौर जिसको सं० ए—10, जो मजला, नं० 1 लिल्ली को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, चिंचवज़ा, पूना—18 में स्थित है (ग्रांर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीटर्ता श्रधिकारी के कायिलय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को प्वोंक्त संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतारितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-उन, मिन्निसिख्त द्रवृद्धिय से द्रयस बृत्तरण निवित्त में वास्त्विक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के वन्तरक के दाहिएयु में कनी करने वा उससे व्यक्त के सुविधा के सिए; क्रीड़/वा
- (थ) एसी किसी बाय मा किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिंपनिसम, 1922 (1922 का 1) या उक्त सिंपनिसम या बंद्रकर ब्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रंपोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने भी स्विधा के लिए;

जित: जब, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, राक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरा, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रः दिनेश एउ० मामुबार्गः श्रीर श्रन्यः केथर श्राफ : सुन्दर एल० मनमुखानं।, पोस्ट बाक्स नं० 2044, दुबई।

(श्रन्धरात)

(2) श्रो हेनरी जी० श्रमु श्रीर श्रन्य, ए-10, मल मलजा नं० 1, लिल्ली को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, चित्रवडा, पूना-18 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियु कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा:
- (क) इस स्थमा के राजपण में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अभ्यत्ति में हितबहध किसी मन्य स्थावत व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीशृत ऋ० सं० 37 ईई०/10300/ 84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार नक्षम प्राधि हारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रज, पूना

सार*ी*ख : 26-8-1985

एक्द बार्च , दौं , दुर , पुष् ,------

भावभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरका

कार्यासय, सहायक जायकर बाय्धत (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, पूना

पूना, दिनांक 23 अगस्त 1985

निवाश मं. 37 र्डार्ड /12023/84-85—अत: म्फो, अनिल क्रांसर, अपनल क्रांसर, अपनल क्रांसर, अपनल क्रांसर, अपनल क्रांसर, अपनल क्रांसर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे क्रीक्त हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 7, नवछर गांव, वसई राड, ता. वसई, जिला थाना (क्षेत्रफल 620 चौ. फींट) है है है आ जो थाना में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जनर्ज, प्ना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम्।, 1908 (1908 का 16) के जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मसे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) विसी किसी क्षाय या किसी धन या जस्य कारितयों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पर धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनजन्म के जन्मिति देखारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया जाना वाहिए था, किया में अधिन के अधिन के अधिन के जिए।

अत: अव: अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, हक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों अर्थात्:—

(1 जनर्स गन्दलाल इत्याणजी एण्ड हाम्पनी) नवघर रोड, ता० वसई, जिला थाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० घुट श्रौर श्रन्य, नवघर वसई रोड के पाम, वसई रोड, ता० वसई, जिला थाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्मतित के वर्षन के इस्वन्ध में कोई भी बाहार "---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धः
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
 निवित में किए वा सकनी।

स्पन्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनुस्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रोक्कल कम सं० 37 ईई०/12023/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

तार्िख : 23-8-1985

मोहर 🕸

प्ररूप मार्थ.टी.एन. एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांदा 23 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/12021/84-85--- प्रतः सुझे, प्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5. मकाँन नं० 61 (जुना), नवघर गांव में वसई रोड. वसई, जिला थाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावत श्रुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. सहायक श्रायकर (श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धृष्येय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कणित और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) भैंसर्स गन्य लाल कल्याणजी और कम्पनी, नवघर थोड, ता० वसई, जिला थाता ।

(भ्रन्तरक)

(2) के० एम० घुरी फ्रांर ग्रन्य, नवघर, वसई रोड के पास, ता० वसई, जिला थाना ।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जैसा कि राजिस्ट्रीइट्स कम मं० 37 ईई०/12021/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक आयरार आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार राक्षम प्राधि शरी सहायक श्रायत र श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख : 23-8-1985

मोहर:

7-266GI/85

· प्ररूप बार्च .टी . एन . एस . ------

भाषकार वाधिनिताम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के वधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना

₄ना, दिनांक 23 श्रगस्ट 1985

निदेश सं० 37 ईई०/11797/84-85---श्रतः मृझे, श्रनिल कुमार

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाधार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जसकी सं० प्लाट नं० 324, बिल्डिंग नं० ई, नवघर गांव, दीवान ग्रपार्टमेंट्स, ता० बसीन, जिला थाना (क्षेत्रफल 650 चौ० फीट) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बृश्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रति-क्षण निम्ननिवित उच्चेष्य से उच्त बंतरण सिक्ति में कास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नलारण वे हुई किसी बाय की शावध स्वयस श्रीकरियन के वर्षीय कर देवें के बन्ताहुक के दानित्य में कनी करने या उत्तत्ते बजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या बस्व बास्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्री विजय कानूगा सी-14, कोझी होम, 251 पाली हिल, बाझा, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेणुका आई० देशाई, 27/17, प्रफुल्ला सोसाइटी, उहाणुकरवाड़ी, कांदिवली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सहरीय ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं.

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीइन्त कम मं० 37 ईई/11797/84-85 जो जनवरी रजिस्ट्रीत 1985 को सहायक आयहारआयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजन रेंज, पुना

तारीख : 23-8-1985

भोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आंगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-ष (1) के अधीन सूचनो

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 23 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/11987/84-85---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 ∕- रुः से अधिक ह्*ै

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, जबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीन् :—

 (1) श्री मुधासा वापरीमल भतीजा बैरक नं० 841/30, सेक्टर 18, उल्हास नगर-3 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुरु नागायण दास छार्बारया, बैरक नं० 713/4, हास्पीटल एरिया, उल्हास नगर।

मैं (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्री छुत कम सं० 37 ईई०/11987/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी 'सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, पूना

तारीख : 23-8--1985

प्रकप बाइ^र्स टी_ल पुत्रु <u>पुत्रु पुत्रु नव---=</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक भागकर भागकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/12088/84--85---श्रतः मुद्ये, श्रनिल कुमार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी मं० सर्वे नं० 68, हिस्सा नं० 1, मकान नं० 3 मानिकपुर, वसई है तथा जो वसई में स्थित है (ग्राँर इससे उपावब प्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण का संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारों के कार्यालय, सहायक श्रायदार ब्रायुक्त निरीक्षण श्राजन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रायीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबार भूस्य से कम के बक्यवान प्रतिफल को सिए जन्तिरत की गई जोर जुने यह निक्यात करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एरो क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अन्तरक (बन्तरका) बार बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को तिस् तय वाया गया प्रतिकृत्त, जिल्लासित क्षृत्रदेश से बक्त बन्तरण निवस में नास्त्रविक कन से कांभित नहीं क्षिया गया है :—

- (क) बन्तरण वं हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोनें की अक्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा क लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिपाने में सुविधा के निए;

भतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कैं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रांमता मंजुला जुगलदास शाह, मार्फत हवा फ़ार्मा, बसई रोड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा हर्षांद शाह, मार्फत हर्षा फ़ार्मा, वसई रोड ।

(द्यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हु।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकः रचः :--- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, वो उक्त विभिन्नियम के नध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विवा नवा है कि

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई०/12088/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के इफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख : 23--8--1985

प्रकृष **बाह्^रे टी. ए**न्. **एस्**्न्डन्न्न

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

भारत संस्कार

कार्यास्य, तहायक जायकारु जायुक्तः (निर्धास्य)

अर्जम रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/549/84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं .क स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिस की सं० सर्वे नं० 15-ए, आखिरी प्लाट नं० 30 बाकड़ेवाड़ी में स्थित बम्बई पूना रोड, शिवाजी नगर, पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकास , निम्निलिखित उद्देश्य से उद्धा अन्तरण कि लिखत में बास्त्विक रूप में कांचत नहीं किया गया है हैं—

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली भाग की बाबस, उक्त अधिनिद्यू के स्पीत कार दोने के बंदाहरू के दासित्य में कभी कारने या उच्चते बलने में सुविधा के सिए; स्पीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गमा धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः अत्र , उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुबरण भें, मैं उक्त जिभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) अदं अवीर, जिम्मिकिकिक व्यक्तियों, वर्भीत् ह⊶ (1) श्रीमती मालती यशवन्त भा**चे**, 166, श्रींभ, पुना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रामा आटोमोबाइल्स, 15-ए, बम्बई-पूना रोड, बाकडेवाड़ी, शिवाजी नगर, पूना-3 । ' (अन्तरिती)

को बह स्वाया आरी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनका सम्मति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पाड़ गया है।

स्यक्कीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आ उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया ही।

घनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई०/549/84-85 जो जूम, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना ं दफ्तर में लिखा गयाई।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहा**य**क आयकर आ**यृ**क्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज, पूना

ारीख : 22-8-1985

मोहर ॥

प्रसम्ब मार्ड हो पुन-कुछः

मायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के न्धीन सूच्या

NICE STAILS

कार्यासय, सहायक बायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 अगस्त 1985

निबेश सं० 37 ईई०/47/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार \cdot

वायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, विसका उचित्र वाचार मृज्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं आफिस नं जी-3, सी टी एस नं 754/बी, कोथल्डि है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर श्रीअयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के निए अन्तरित की गर्द है और अन्ते बहु विश्वास् अरने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए दस वावा क्या प्रतिकास, विभाजितिक अनुविक्त से उपस् वन्तरण जिल्लिक में बास्तविक सम से स्वित्व सूत्री हैकना क्या है है——

- (क) बन्दाहम से हुन्द किसी बाय की बायस, उन्हर जीवित्यून के सभीत कह गोर्च की बन्दाहम के शामित्य में कमी कहने या बच्चे ब्यून में स्वीत्या के सिए; और/मा
- (व्ह) होती किसी साल वा किसी वर्ष सा अन्य आरियानी को, शिल्हें पाएसीय साथ-स्तर सिमियान, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर सिमियान, 1922 पाएकर बीचीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा भवा था वा किया चाना चाहियेथा. कियाने में नृत्वित के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण को, भी, अक्त विधिनियम की भाग 269-व की उपभाग्र (1) के बुधीय, निम्निन्दिक व्यक्तियाँ प्रकृष का

(1) मैं • साल के बिल्डर्स, 113/2-की, प्रभात रोड, पूना-4 ।

(अ∘तरक)

(2) श्री नन्दम बालकृष्ण सारवी श्रीर अन्य, डी-5/1, सालुके विहार, कोंथी, रूड पूना ।

(अन्तरिती)

न्त्री सङ्ख्या वारी करके पृथानित धम्परित् के वर्षन के सिर कार्यवाहियां करता हुई ।

क्यत सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्त में कोई ही बाह्येप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की स्वृत्ति ना तत्सम्बन्धी स्वृत्तित्वों इस स्वाप्त की तामीस से 30 दिन की सविध, सो धी स्वीप नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का किया में से किसी स्वीपत दुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति इतारा अथोहस्ताकारी की नाव सिचित में किए या सकोंगे।

स्वच्यां करण: --- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, यही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा क्या हूँ 🏗

मन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई०/47/84-85 जो जून, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिस कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूम

तारीख: 21-8-1985

प्रकृष् कार्षा . स्टी . एवं . एवं , ------

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वका

बारत रहस्का

भार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अगस्त 1985

निदेश सं० 37 ईई०/11206/84-85---अतः, मुझे अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं 22, सिरियल नं 103, णिबाजी को आपरेदिव हार्टीसंग सोसाइटी, शिवाजी नगर, पूना—16 (क्षेत्रफल 1440 चौं फीट) है तथा जो पूनां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को बृबोंफ्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफाल के लिए बन्तरिल की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्वेदेय से उचत अन्तरण निचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है हु----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उपन किथ-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; वर्ष/वा
- (म) एसी किसी कार या किसी भर या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने बें मिवभा के निए:

अतः जर, उक्त जिभीनयम की भारा 269-त की जन्हरूक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, संभीत् ह—- (1) श्री धामकांत पी० गुप्ते, 32, शिवाजी को आपरेटिव हार्जीसग सोसाइटी, पूजा-16 ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द शंकर नथवे, 32, शिवाजी को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, पूना-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

क्कतु बुन्न्दित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना से राजपत्र में प्रकाशन की ठारीय से 45 दिन की जविध या तत्सावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध नाद में समास्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रमाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

क्ष्मक्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

धनुसूची

जैसाकि रिजस्ट्रीकृत कम मं० 37 ईई०/11206/84~85 जो मार्च 1985 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार मक्षम प्राश्चिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख : 22-8-1985

प्ररूप बाइ टी. एन . एस . ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 23 अगस्त 1985 निदेश सं० 37 ईई०/9926/84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 2 'रमना' थाम्बुरडा प्लाट नं० 2 सर्वे नं० 134/4 णिवाजी नगर (क्षेत्रफल 1037 चौ० फीट) है तथा जो पूता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप नेविणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिष्वत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कव्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके उरयमान प्रतिफल से,

एसे कर्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उत्देश्य से स्वस्त अंतरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनारक क बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी था या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः वन, उक्त अधिनियम की धार 269-च के अन्रारण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (;) को कधीन, निम्नतिकित आकित्यों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स भेट्रो इस्टेट कारपीरेशन 2418 ईस्ट स्ट्रीट कैम्प पूना ।

(अन्तर्क)

(2) मैससं लीला आर राव पोस्ट बाक्स नं० 20820 सफत क्वादित ए गल्फ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

श्र<u>नु</u>जुर्नीः

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37 ईई०/9926/84-85 श्रीर जो जनवरी 1985 को सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अभिल कुमार सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्ः (निरीक्षण) अर्जन रेंज पना

तारीख :23-8-1985

प्ररूप बाद" दी, एन, एक.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **क**ी भारा 269-**न (1) के ज्यीन द्वा**ना

भाउव बडबाउ

कार्यालयः सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनौंक 23 श्रगस्त 1985

निदेश नं० 37 ईई०/9569/84-85--ग्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, विसंका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट नं० 7. धनलक्ष्मी कोग्रापरेटिय हाउसिंग मोसाइटी, पूर्ण सिंह गढ़ रोड, हिंगर्ण (कैथरूड) पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के शीच एसे अंतरण को लिए तय पादा गया प्रति-काल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उनसे वचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (न्ड) एेसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मॉिथनियम,, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में∴सुविधा के निए;

अत: बब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--न्न की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रीजनार्दन व्ही० पण्डित तालुका दाभे:इ, ता० भावक, जि० थाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रार० पण्डित ग्रीर ग्रन्य, स्मृति विनायक विवेकानन्द मार्ग, नवपाड़ा, थाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुन्तोंक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यधाहियां शुरु करता हुं।

क्षपञ्च स्थ्यात्त के वर्षन् के सम्बन्ध में कोर्च भी नासीप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्दव किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पासे जिसित में किए वा सकरें।

स्पक्त किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गणा है।

जन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई/9569/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज पूना

हारीख: 23-8-1985

प्रस्य सार्वः, ही, युन्, युन्, न्यान्यान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के न्थीन स्वना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायकत (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 अगस्त 1985;

निदेश सं० 37ईई/12020/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेंट नं. 1, दूसरी मंजिल, मकान नं. 61 (जूना) नवछर विलेज, वसई रांड, ता. वसई, ज्यू. शाना, (क्षंत्रफल 635 ची फाट) है जो, थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण रेंज में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी 1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल आप पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्त्रिशियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निलिखत में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया बना है हिल्ल

- (क) जनगरण वे हुई किसी बाव की बावत, बावक जीभीनवम के ब्लीन कर दोने के जनगरक के बाहित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (स) एमी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्लिएने कें सुविधा से सिए;

नतः भव, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग में, जनुसरण किं, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वै नभीन, निम्निजिवित स्मिक्तमों, नभीत्—— (1) मैसस गन्दलाल कल्याणजी एण्ड कम्पनी, नवधर ना० वसई, जिलाथाना ।

(श्रद्तरक)

(2) श्री गणपत विठोबा गुरसाले, 24, जेफरवाई कानजीवाड़ी, सेन्ट मेरी रोड, माझगाँव, बस्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवादियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय इंगरा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्थाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तरं की किया 20 के में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम स० 37 ईई०/12020/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक स्रायकर स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> ग्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-8-1985

प्ररूप आहु⁴. ट्री. एन्. एस .,------

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्याकथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 22 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई/11073/84-85--म्रतः मुझे, मनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं शाप नं 4, पहला मंजला, 476 शनिवार पेठ, पूना—30 (क्षेत्रफल 398 चौ॰ फुट) है तथा जो पूना—30 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्राया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिआ के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शवः, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिखित व्यक्तियाँ, स्थांत् ६(1) मैसर्स भिडे कन्स्ट्रमशन कम्पनी, 391, नारायण पेठ,, पूना~30 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स विनीक ट्रेडिंग कम्पनी, हरी हरेण्वर श्रपार्ट मेंट्स, 4676, शनिवारपेठ, पूना-30 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

पनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37 ईई/11073/84-85 जो मार्च. 1985 को महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)-भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-8-1985

मोहर 🥲

मुक्त नार्वः, डॉ., एवं., एवं.- - व ४०००

आवंकप्र व्यक्तिवन्, 1961 (1961 का 49) की भारा 269-भा (1) के स्थीन स्वना

STATE OF THE PARTY.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई/16470/84-85--- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

कायकड़ विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इक्क परवात् 'उन्त निविनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के नधीन सकत प्राधिकारी को वह विध्वाद करने का कारण हैं कि स्थादर करनीता , विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० प्लाट नं० 1-सी, सेक्टर नं० 10 वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), प्रजन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्मिति के उमित बाबार मून्य ते कम के स्थमान अविकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्मास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उम्बद्ध बाजार मून्य, उसके स्थमान अविकास सं, एसे स्थमान अविकास का स्थम बाजार मून्य, उसके स्थमान अविकास सं, एसे स्थमान अविकास का स्थम स्थित से विभन्न ही जीर सन्वरक (सन्वरकों) बीर सन्वरित्ती (सन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय ग्राम मधा प्रतिकास, निम्निसित्तित उद्वेक्य से अक्त सन्तरण कि सित्त में तास्तिक स्थ से किंवत नहीं किया ग्राम हो है ----

- (क) बच्चारच वे पूर्ण कियाँ वाय की वायक, स्वत्य विभिन्नम् के अभीत कर बोचे के बच्चरक के बच्चरच वें कभी करने या उच्छे बच्चने में स्तिवा के लिए; ब्योड/बा
- (क) होती विकास मान या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुनिधा के सिए;

मक्त बच, सक्त निभिनियम की भारा 269-म के अवधरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च को उपभाद्य (1) भी अभीत, विकारिनवित व्यक्तियों, अचित ह---- (1) श्री कृपा गंकर श्रार सिंग, राम भरोसे निवास, जवाहर नगर (खार) (पूर्व); बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स एच० बी० इन्टरप्राइसेस,
प्लाट नं० 1, साई कृपा
को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०,
प्लाट नं० 4, सेक्टर 16-ए,
वसई, नई बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवाहियां कारता हो।

उनक सम्युक्ति को वर्षन् की सम्बन्ध में काहे भी आश्रोद् :---

- (क) इब स्थान के एकपन में प्रकाशन की तारीयं से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तायीन ते 30 दिन की नविध, वो भी नविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकाण;
- (क) इस त्थना के राजपृथ में प्रकातन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितजब्ध किसी सन्य स्थावत ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पात सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो जबते अधिप्रयम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस बच्चाय में दिका प्रया ही।

वनसंख्यी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/ 16470/84-85 जो मई, 1985 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीय : 26-8-1985

मरूप कार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकारु निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के वधीन स्थान

भारत तरकार

कार्यांचय, उद्दायक भावकार आयुक्त (विरोधाण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37 जी /1038/84-85--- श्रनः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (निशं इसमें इसमें दसमें परभात 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं], की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उभित्त बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संभै मं० मल्याण, ता० इहाणू, जिला थाना, सर्वे तं० 27, 28 और 29, हिस्सा त० 2/1. 2/2 हैं तथा जो इहाणू में स्थित हैं (और देनमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिन्दी अर्त अधिकारी के वार्यालय, सब रिजिस्ट्रीर इहाणू जिला थाना में रिजिस्ट्रीकरण अधिक नियम, 1908 (1908 अप 16) के अधीत, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यंपापूर्वोक्षत स्परित का उजित आक्षार मूल्य, उनके स्वयंगान प्रतिफल में एसे स्वयंगान प्रतिफल में एसे स्वयंगान प्रतिफल में प्लें स्वयंगान प्रतिफल में प्लें अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्यं पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरम निश्वत में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) विशास के इ.च. किसी नाय की वावता, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करशे वाससी वचने में सुविधक के सिए; बॉर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

कतः जन, उक्त निर्मित्यमं की भारा 269-गं के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियमं को धारा 269-शं की उपधारा (1) इं अभीन, निम्नतिकित स्पन्तियों, नर्यात् :— (1) श्रीं बहरमशा बामन इरानी 'मोतीं मंजिल', इगनीं रोड, मत्थाण डहाणीं रोड, ता० डहाणू, जिला थाना ।

(भ्रन्तन्क)

(2) श्री भावजी मोली श्रालित सोराब ईरानी, और श्रन्य, मेहर मनोर, ईरानी रोड, मल्याण उहाणू रोड, ता० उहाणू, जिला थाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वे दे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित मेथे हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्ष्री के पास निचित्त में किए जा सकर्गे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रींकृत क्रम सं० 37जी | 1038/84-85 जो फरवरी, 1985 को सब रजिस्ट्रार, डहाणू के म्राफिस में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 26-9-1985

प्रकृप कार्यं हो . एन . एस . -----

ाकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कार्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 श्रगस्त 1985

निर्देण सं० 32 जी /77/85-86---- अतः मुझे, अनिल कुमार

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

औय जिसकी सं प्लाट नं 23, सर्वे नं 30, 31 (पार्ट), और 30 (पार्ट) नवघर (ई) सां घसई, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, वसई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैंन, 1985 को पूर्वेक्टर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उच्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल कप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

चतः वध, उक्त विधिनियम की धारा 269-च के वनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, निम्नीनिक्त व्यक्तियों, वर्णात् ः— (1) श्रीमती कुसुमबेन कल्याणजी,
 डी--19, गाला नगर,
 नेहरू रोड, मुलुंद (वेस्ट), बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स गायत्नी कन्स्ट्रम्मन कम्पनी, 17/31, गायती इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, नवघर, वसई (ई०), जिला थाना ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सर्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37 गी/77/85-86 जो अप्रैल, 1985 को सब रजिस्ट्रार, आफिस वसई के दफ्तर में दाखिल किया गया है।

ग्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

तारींख : 21-8-1985

मोहय '

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 21 श्रगस्त 1985

निदेण सं० 37 जी/फरघरी/85— श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवे इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- के ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाबार मूख्य 1,06,000/-रा. से अधिक ही

और जिसेकी सं० मल्याण गांव, ता० डहाणू, जिला थाना, न वेंनं ० 22 ए, 1/पीं।, 118 1/2, 22 ए, 1/पीं।, 21/पी है तथा जो थाना में स्थित है (और इसले उपाबद्ध ध्रनसूची में और पूर्ण रूप से पित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्री, उहाणू से रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीन्द्र फरवरीं, 1985

को पूर्वोदत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम्र के स्वमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह जिस्सास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंस्कृ प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त क्तरण निवित्त में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; धीर्/वा
- (क) येसी किसी जाव वा जिली वन वा जन्म शास्तिकों को, चिन्हों भारतीय वाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया थाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के दिवस के दिवस

कर बक, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण र्ष, गाँ, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसि**वित व्यक्तियों, वर्षात्**र— (1) श्री बोमन होरमस हरानीं, मल्याण डहाणू रोड, ता० डहाणू, जिला थाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं बेहरमाणा बीं० ईयानीं, मल्याण डहाणू रोड, ता० डहाणू, जिला थाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृष्टि के बर्चन के शिवस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के भवंत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वा के सवपन में प्रकारण की तार्तीक की 45 विन की सर्वीच या तरसम्बन्धी क्रिक्ट्यों कुर स्वा की तामीन से 30 दिन की सर्विध, जो भी क्रमीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिस क्रिक्टवों में से किसी क्रमील हुनाएड
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिल के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष हैकती क्षण स्थानित द्वारा सभोहक्ताकरी के शब तिचित में किए या सर्वोंने ।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उन्तं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उन्नं अध्याय में दिया एक ही।

अनुसूची

जैमा कि रिजिस्ट्रींकृत कम सं० 37-जी/1039/85-86 जो फरवरी, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कु**मार** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष ण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21−8−1985

प्रकर सार्वः टी. एतः एकः -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीत स्थाना

भारत भगकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्त (निरीक्शण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 श्रगस्त 1985

निदेण सं० 37--जी, 90, 85-- 86-----श्रवः मुझे, श्रानिल भूमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिमकी सं० प्लाट नं० 4, नघघर गांव, ता० वसई. जिला थाना (क्षेत्रफल 830 जी० मीटर्स है नथा जो थाना में स्थित है और इसने उपाबढ़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रींकर्ता श्रिधिकारी के नायित्य, सब रिजिस्ट्रीर, वर्क्ड में रिजिस्ट्रींकरण श्रिधिकारी के नायित्य, (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीक मेई, 1985

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिक्षत से मिथक है मौर अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितिंकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्मसिखित सब्देश से उक्त अंतरण जिखित में सास्तविक कम में क्षित नहीं किया क्या है:---

- (क) बन्दरण हं हुइ किसी नाय की नावत, उक्त नीधिन्दम के नधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कसी करने या उन्नतं नचने में बृहिन्धा क निए: सॉर/मा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य कास्तियों करें, चिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ल.च अधिनियम, 1957 (1957 वा 2/) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियानं में सुनिधा के सिए;

नतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-न के वन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) देशभीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्षाट :---- श्री देवजी भाई जान जीं, ग्रिडेन्याला चौंति एतिफन्सटन राड बस्वई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयवन्त गय जुहू मल कें० टीं० चेम्बर्म. वसई स्टेंशन रोड, वसई रोड व सई । (W) (अन्तरितीं)

को यह सूचना चाड़ी कुड़के पूर्वोक्द सम्मत्ति के वर्गन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏖

- (क) इस सुमन के राज्यक में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अनिभ या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीन से 30 दिन की ज्वधि, को भी व्यक्ति नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीन स्थानित स्वामें में से किसी व्यक्ति इसाय;
- (क) इस स्वता के स्वपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्वाहिक्य :---इसमें प्रयुक्त करवों वौदु पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभावित ही, यही अर्थ होगा थी उस वध्याय में दिवा वया ही॥

177.5

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 379 जी, 90, 84-85 जो मई, 1985 को सब रजिस्ट्रार, बसई के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राक्रिकारी सहायः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारीख : 22-**8-198**5

मोहयः

शरूप बार्ष[ः]. टी. एन. एस_{. -----}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 ग्रगस्य 1985

निर्देश मं० 37-जा/57/85-86---नः, ुने, प्रतिल कुमार बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संव सर्वे तंव 117-वी स्रौर 117-सी ब्लाक तंव 10 जेल रोड़ नासिक है, तथा जो नासिक में स्थित है (स्रौर इससे उपावद स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के अर्थाना अर्थ पित्रहार नासिक में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 हा 16) के स्रवीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के अधिक्त में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उन्ने अभिनियम, या भरका अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :—— 9—266 GI|85

 मैसर्स शिवाजी देवजी पटैल एण्ड कम्पर्नः जेल रहा, नासिक रोडा, जिला—नासिक

(ग्रन्तरक)

2. श्रीएपि० एस० भगतः चेयरभीन पुष्पक को श्रापरेटिव हौसिंग सोसायटी लि० जेल रोड़, जिला नामिक

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कर्यवाहियां करतः हो।

उक्त सम्मात्स के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) रव सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममान्त होती हो, के भीतर पृशेक्ति व्यक्तिया ज स 'करा। व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंग।

स्पष्टीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया

ग्रनुसुची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत क० 37-जी 157/85-86 जो मई 85 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दपतर लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार पक्षम बाधिकारी महाय*े स्रायक्*र स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज, पूना

तारीख : 22-8-1985

मोहर

इक्य भार्यः, ही. एव., एवः

क्षारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन स्थान

हार्व सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37-जी/147/85-86--पतः, अुझे, अनिल कुमा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जाप नं 4, 5, 6, यन्द्राकीरम अपार्ट नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपान्न श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप न वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीध कारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार नासिक में रिजस्ट्राकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित को उभित् बाजार मूक्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्यक्षों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तब पामा मबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से ह्युई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अपे स्थिए; व्योद/भा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अजकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

ात: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात:— श्री यणवन्त पृथ्वोत्तम महातेकर नथा पंडित हालोनी, नासिक

(ग्रन्तरह)

2. डा० विश्वास विट्ठलरावा सावकर विश्वदं/प सोसायटी गंगापुर रोड़, नासिट

(भ्रन्तिरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उस्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी स्वक्ति इतारा,
- (बा) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताअरी के पार्र िलिस में किए वा सकी।

स्थळीकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री:**इ.स.** फ० 37-जी/147/85-86 जो जून 85 को सब रजिस्ट्रार नासिक के आफ़िस में लिखा गया **है** ।

> श्रनिल कुमार ाक्षम प्राधि घरा सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निराक्षण) श्रकंन रेज, पूना

तारीख : 22-8-19**8**5

मोहर ⊯

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ईई/39/84-85---यतः, मुद्ये, ग्रलिल कुमार, नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) विजये इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की बाद्ध 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवनाक करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पन्ति, विनका उचित बाबार स्ख 1,00,000/-रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं०A-6, तुनाराम श्रवार्टमेंटस 134 रेलवे लाइन्स सोलापुर है, तथा जो सोलापुर हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरक्षिण भर्जन रेंज रजिस्ट्रं५२ण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के धीन, नार्राख जनवरी 85 करं पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकृत के सिए ज्लारित की गृह हैं जूरि मुखे वह विस्ताद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार भूरू, उत्तकं क्यमान प्रतिकाम से, एते असमान प्रतिकास का पेक्स शांतकत् स माथक है और मृत्यरक (मृत्यरकों) ब्रांड नंतरिकी (बन्दरितयाँ) के बीच एसे बन्दरन के सिए तब पावा पुवा अति-क्य निम्नुलिस्डि उपवर्ष से उपत मन्त्रण विश्वित वे वास्त्रीयुक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क), नकरण वं हुइं किसी बाव की वावतः अवतः अधिवाय के अभीत कृत वाने के लंबाइक वी वावित्य वां कृती कृतने वा जवने वालने वां कृतिका के विद्धा क्षीतंत्रने
- (क) पुंती किसी बाब वा किसी धन वा बच्च बास्तियाँ को, विन्हें धारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ट विधिनियम, या धनकार विधिनियम, या धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ जन्दिरती द्वार प्रकट नहीं किसा गमा धा या निज्या काना चाहिए था, छिपाने भी वृत्या के निहा,

बरः वयः वयः वया विश्वित्वयं की धारा 269-यं के अनुसर्धं वे , वे , अवतं विश्वित्वयं की धारा 269-यं की संप्रधारा (1) वे अपीर्धः निध्यमित्रियं व्यक्तियाँ, अर्थात् अ—

- राहुल बिल्डर्स तुकाराम श्रपार्टमेंटस 134, रेलवे लाइन्स सोलापुर (अन्तरक)
- 2. 162/11, रेलवे लाइन्स सोलापुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी कार्के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के हिसपू कार्यवाहियों करता हुए।

उक्त बच्चीत में वर्षन् यो सम्बन्ध् में सोर्च भी नासन्।---

- (क) इब स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तार्रांश है 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पद स्वान की तानीस से 30 दिन की अवधि, को भी संबंधि नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी अपवित्त कुंबारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाषन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाह्य किसित में किस जा सकीने।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शर्मे और पर्वो का जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गवा है।

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ई ई/39/84-85 जो जनवरी 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारंख : 6-8-19**8**5

माहर 🖫

पुरुष बाद्दे ती. एन. एस. -----

शायकार अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत त्तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर बावुक्त (निट्योक्स)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांतः 5 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ई ई/Deg/645/85-86--यतः, मुझे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके प्रचात 'उन्दर अधिनेयम' कहा गया हु'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वतस करने का कारण है कि स्थावर संपास्त, । बसका उन्दर वाधार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पहली मंजिल एस ०पी० के विम्बसी, संगमवाड़ी बम्बई पूना रोड़पूना (अवफल 390 ची० फुट), तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का अविभिन्न है), रिकट्टा इर्ती श्रीश्र शरी के अर्थालय सहायक श्राथकर श्रीशुक्त निरंक्षण श्रजन रेज, में रिजस्ट्री-

ारण प्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रयोन, नारीखा विसम्बर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल सा पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नाग नया प्रतिकृत् विश्वविद्या स्वृद्येष्य से अस्त अन्तरण

जिल्लित में वास्त्विक रूप से कृषित नहीं किया गया है ट---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को उन्हारत के दायित्व में कभी कहन वा चवसे अज़ने में सुविधा छे सिए; और/या
- (क) एते किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूरियधा के लिए;

बत्र अब, उन्त क्थिनियम की भारा 269-म की अनुसरण को, मी, उक्त कथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निक्तिसित व्यक्ति गी, कथ्ति :-- (1) मैंसर्स एस० एस० एसोसिएटस 804, अंडारकर रोड पूना (श्रन्तारक)

(2) मैसर्स खिवसार इन्ब्हैस्टमेंटम प्रा० लाि० ए 77, एच० ब्लाक, MIDC विपरी पूना-18

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

चक्त सपत्ति को क्षर्जन को संबंध में कार्डिभी वाक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की संजीध या तत्संबंधी व्याप्तन्त्रणे पर सूचना की नामील स 30 दिन की किया की भी जंबीध बाद में समाप्त होती हो, जो शीतर धर्मों के व्यक्तियों में स किया धर्मां व्यक्तियों में स किया धर्मां व्यक्तिया हुए।
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किए के भीतर उत्तत स्थातर मर्गाल में दिलवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीरणताक्षरी के नाम निस्ति में किए का मकारी।

ल्यच्चीकरणः - इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदां तत छा उत्तर अधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बहुते अर्थ होगा, को ताम खब्दाण को सिका वदा हों।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-इंद्र/Drg/645/85-86 जो दिसम्बर 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निराक्षण ग्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधि⊹ारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-8-985

मोह"

प्ररूप आहर्, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 2'69-व (1) के अवीन सुक्रा

भारत सरकार

कार्याच्य, सङ्ग्यक नामकर बान्यस्य (निप्रीवाण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 अगस्ता 985

निर्देश सं० डिफे०/968/84-85—यतः; मुझे अतिल कुमार

बायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें प्रभात् 'उयत विभिन्निम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थापर समिति, मिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे तंव 17 क्लाट तंव 1 कक्षप गांव में (क्षेत्रफल 5760 चीव फुट) है, तथा जो कटरप में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जेस रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित नाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का अनित बाजार मूल्य, उसकं स्वयमान ः विकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल को पन्यह प्रतिक्त से अभिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा बना प्रतिकल, निकासिकिस उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किशत नहीं किया नहा है हम्म

- (क) अन्सरण से इन्हें किसी नाम की वासर, उनका जिमिनियम के नभीन कर पेने के सन्तरक भे दायित्व में कभी करने ना उससे वचने में सूबिया के लिए; मौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, वा अन्य अधिनियम, वा अन्य अधिनियम, वा अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिक्ट;

असः अब, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के जनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की नारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री श्रवाहम दीनकर बेली बली हाउम कवाप रोड़, बदलापुर

(अन्तरक)

 श्रीकन्सट्रकशन कम्पनी
 17 गणपित निवास ताई पिगलेरीड़, ताई पिगले चीक, डोम्बीबली (ई)

(अन्तरिती)

को बहु सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के नित्र कार्यमित के अर्थन के नित्र कार्यमित के अर्थन के

जनस संबप्ति के अर्जन के संबंध में कार्क भी बाक्षेप :---

- (क) इस धूमना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की असीम का सल्संबंधी व्यक्तियों पर सुनता की तानीज से 30 दिन की अनिधा, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समाति में हितबब्ध कियी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किया में किया जा सकीन।

प्यक्तिस्ताः - इसमे प्रयुक्त शब्दों जीर पर्दों का, जो सकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित इ⁶, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह⁶ 1

वरसरी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृतौं सं० 37-ई ई/डि०/968/84-85 जो अक्तूबर 84 की सहायक आयकर आयुक्तांनिरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रतिल कुमार संजम प्राधिकारी सह।यक्त आकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, पूना

दिनांक : 7-8-1985

प्ररूप माइ", टी. एम. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

आर्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 अगस्त 1985

निदेश सं० 37ईई/9943/84-85—यत:, मुझे, अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से इधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 10 4/1/1 (पार्ट) एण्डरवता पूना-4 है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इमसे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय, सहाक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, में रजस्ट्रीकरण श्रधनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

का पूर्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय गा किसी धन का अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैं सर्स देवधर श्रौर जोशी प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 1298, सदाशिव प० पूना-30 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मीनल दत्तात्रय कुलकर्णी 37, श्रादर्श नगर, पारसनी कालोनी के पास पूना—37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्धं
 किसी जन्म व्यक्ति द्वार अधांहस्ताक्षरों के पास
 लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ द्वारेत, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

जैसा कि रस्जिद्रीकृत क० 37—रई ई/9943/84—85 जो जनवरी 85 को सहायक आयक्र आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; पूना

तारीख : 20-8-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269- (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालग , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, पूना

पूना, दिमांक 20 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37 - ईई/1365/85-6-यतः, मुझे अनिल कुमार, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रः ये अधिक हो

स्रीर जिसकी सं० सी०टी० एस० नं० 3/189/बी प्लाट नं० भवानीपेठ पूना—2 (क्षेत्रफल—10 ची०फिट) है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्रा अधि हारी के हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त तिरीक्षण अर्जन रोज रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के जिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वाम इरेने का कारण है कि यथापूर्वेक्त मम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल म, एसे रूपमान प्रतिफल के रूपमान स्थाप प्रतिफल के रूपमान स्थाप प्रतिफल के रूपमान स्थाप स्थाप स्थाप प्रतिफल के रूपमान स्थाप स्थाप स्थापन स्य

- (क) बन्तरण स शुर्श किसी बाय की बाबक, उक्त अपनियम के अधीन कर दान के अन्तरक खें दाशिक मो कमी अन्ते या असम बचन मों सुविधा के सिए; बॉर/था

अप: अब, ज़क्प अधिनियम की धारा 269**-ग के अनुसरण** क्षं, प्री, जुदन अधिनियम पत्ने धारा 269**-म की उपधारा (1)** अ. अधीर - निमारिलिमिक व्य**ित्सों, संबंधि ह—** मैसर्स ननेणा प्रमोधर्स एण्ड बिल्डर्स 549. गुक्तवार्येठ, पृता-2

(अन्तरक)

श्री जाहन मुंस्ताक अहमद
 2549 एम०जी० रोड, अहमदनगर

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामाल स 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी आध्या द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसे स्तावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यान्त है। अंशहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगी।

स्थान करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया

नन्स चरे

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ई ई/1365/85-86 जो जुलाई 1985 को सहायक पायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन होज, पूना के दफ्तरमें लिखा गया ।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20∼8~1985

प्रकथ नाइ . टी . एव . स्त . -----

माथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

नारत कार्याह

कार्यास्य, सहायक आजकार जान्यत (दिव्यक्तिण)

धर्जीय रेंज, पूना पूना, दिनाँक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं 0 37ईई | 127 | 85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार, बायकर सिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार जिस्सा अधिनयम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संदीप असीं अपार्टमेंटस, दूधरी मंजिल गंगापुर रोड़, नासिए हैं, तथा जो नासिए में स्थित है (स्रोर इससे उपावस अनुसूची में श्रीणपूर्ण क्यार जिल्ला है) रितिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यात्य, सहायक आधकर आयुक्त विरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार शूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ हैं और मुफे यह बिद्यास करने का कारण हैं कि अथागूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयंभान प्रतिफल से. ऐसे द्वयंभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से विधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-स्ति (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उसत अंतरण जिल्लित में पस्तिक रूप से किया गया हैं:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आणि-नियम की अधीन कर धेने के बंतरक के दायित्व में कभी करने वा उसने बचने में मूबिशा के लिए; और/बा
- (क) होती किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों करो जिस्हें भारतीय अध्यक्षर सीधिनियम, 1922 (1922 को 11) में उच्च अधिनियम, या धन-नाम अधिनियम, , 957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँ इंग् था, छिपाने में सुविधा के लिख;

बतः अव, उवत अधिनियम की भारा 269-भ के बनसरण मों, कीं, उपत र्राथितियम सी भारा 269-ए की उपधारा (1) को अभीन, निम्मीशिक्षत व्यक्तियों, अर्थातु-— मैसर्स चि बिल्डर्स विक्लावि एक० जी० पटेल रोड़, सासिक

(अन्तरक)

 श्री सुधीर दलावय देशनाडे सुप्रभात असर्टमेंट्स, पङ्ली मंजिल, 133 रंग राजपुरम रोड़ भद्राम

(अन्तरिती)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्त
- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास जिसिस में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याम 20-टा ने निर्भाषित हैं, बही कर्ष होगा को उस अध्यास में दिए, गय/ हैं।

पन संची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कर 37ईहै/27/85-86 जो जुलाई 85 को महायक आयक्त आयुक्त जिरीक्षण अर्जन होंग पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

स्रतित कुमार नक्षम पाबिकारी गहायक अप्यानन आपुका (पिरीक्षण) होता रेज, पुना

तारीख : 16-8-1985 मोहर : प्रस्प भार्दः दी, एन, द्वा, स्वत्रास्त्रास्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत चारकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विमांक 19 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ई $$ \frac{122}{85-86} = 2\pi :$, मुझे अनिल कुमार,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 263-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, श्रोम अपार्ट में है पंचवटी नासिक (क्षेत्रफल 747 चौ० फुट) है तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौराण पूर्ण घ्व से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण अर्ज म रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जूलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में इस्तिकक रूप से कथिए नहीं किया गया है है—

- (स्त्र) कस्तरण से हुई किती नाव की वावर्ता उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वाजित्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान जे सविधा के निए;

- मैसर्स आर० एन० पटेल कन्स्ट्रक्शन्स
 12 विधा सोक्षायटी, कृष्णा नगर पंचवटी नासिक (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुमनबाई साहेबराव पाटिल बाल्मीकि नगर पंचवटी नासिक

(अन्तरिती)

का यह मुचना वारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्स सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्म निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ० 37-ई ई/22/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है:

स्रतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्षर अध्यक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर

तारीख : 19-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 20 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ई ई/9219/84-85----यतः, मुझें, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000 / - रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 पहली मंजिल, "श्रह्म दर्शन सब प्लाट नं० 2 श्रीर 3, 10 ग्रोस्वाल पार्क शिवाजी नगर पूना-5 है, (क्षेत्रफल 520 फूट चौ) तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

(1908 का 16) के अधान, नाराख दिसम्बर, 1984 को पूर्वीवित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- श्री वसन्तराव एन० मांजेर चाकण ता० खेड्

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त अम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रस्ट्रिक्टन कि॰ 37-ई ई/9219/84-85 जो दिसम्बर 84 को सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 20-8-1985

मोहर:

प्रकप वार्षे . टी . एन . एस . ---<u>-</u>-----

नायकर व्यभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्यमा

भारत परकार

क्रमानिय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दासक)

अर्जन रेंज, पृना

पूना, विमांक 20 अगस्त 1985 37-ईई/8939/84-85---यतः मुझे, निर्देश सं०

अनिल कुमार,

मायकर कांभीनयभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चाक् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राध्निकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पील, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट वं० 5 आखरी प्लाट नं० 473, सब प्लाट नं० प्लाट नं० 213, गिरनार सोसायटी गुलटेकडी पूना है, तथा जोपना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में म्नीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना में रजिस्द्री-करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन,

तारीख दिसम्बर, 1984

का पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और नुसे यह निक्नात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकान से एसे द्रश्यमान प्रतिकास का पन्यह प्रक्रिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पासा गया प्रतिकात, निम्मुनिर्वित उद्वरिय से सकत अन्तरण सिखत में बारतियक रूप से कश्चित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरम हे हुई किथी बाब की बावत, दबंद बहुभित्वित के बभीन कर दोने के बन्तरन के बाबित्व में कबी करने या खबते बचने में सुविधा म्बेलिए; मरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर निश्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) **ब्हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया** अया था वा किया जाना चाकिए जा, कियाने में ह्रविभा के लिए;

बतः अब, उस्त विधिनियम की धारा 269-न को अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन , निम्नतिबित व्यक्तियों, वर्धात् :---

1. श्री प्रकाश बी० जैन 60 टिम्बर मार्कीट, पुना-2

(अन्तरक)

2. श्रीकांतिलाल एम० खिवसारा और अन्य 85 धोरपडी पेठपना-2

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के दिसंद कार्यवाद्वियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के रोबंध में कोई भी शाकीप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविभि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, यो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्मच्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपन स्थि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया g* i

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ७० 37-ईई/8939/84-85 जो विसम्बर, 84 को महायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख: 20-8-1985

मोहर :

बुक्त हार्द हो एन स्व

भावकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीत सुचना

नारव वरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्तक) अर्जनरेंज, पुना

पूना, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ईई/616/85-86---यत: मुझे, अनिल कुमा ने आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उसत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के निर्धान समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः. से निषक हैं

ग्रीर जिसकी संव प्लैट नंव 1, बिल्डिंग 'पी-नंव 7 पार्ट) ('बी'' 8 +9+10+11 सर्वे नंव 2/1 ग्रीर 2 ग्रीधपूना-7 क्षेत्रफल 885 चौंव फुट हैतथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिणत) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्जल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्यमान बितिक के लिए बन्तरित की गई हैं और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिक्रत से अधिक हैं और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया विद्या प्रतिक्रत निम्नुसिवित उद्दुष्टेष्य से उक्त बंतरण निवित्व में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया हैं :--

- (क) सन्तक्षण हो हाई कियी शाय की बाबस, उपस वीपनित्रम के सूपीन कर दोने के भून्युरक के स्पिर्ण में कमी करने या उत्तस् बलने में सुन्तिया के निष्; बौर/बा
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धूज-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया या सा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए ।

बतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधीन, निम्हीटिखिट व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं सर्स पोखाल बिल्डर्स
 1482, मदाशिव पेठ पूना~30

(अन्तरक)

श्री मलकीत सिंह हरनाम सिंहगील
 155, औंध गांव, श्रीध पूना-7

(अन्तरिती)

को बहु बुक्का वाडी करके पूर्वोक्त बम्प्रिस के अर्थन के दिवस कार्यवाहियां कुछ करता हुई।

जनस सम्मृति के मूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाशेषु :----

- इस तृष्या के राजपत्र में त्रकाशन की नारोब से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अस्त स्थायर सम्मित में हितबद्ध किनी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिनकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20 कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया युवा है।

अनुसूची

जैसा कि रस्ट्रिक्ति क० 37-ईई/61 न/85-86 जो अप्रैल 85 को सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेंज पूना के के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-8-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी एन.एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न (1) में स्वीन स्कृता

भारत वस्कार

कार्याचय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई / 10494/84-85— श्रतः मुझे, श्रिनिल क्मार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के उधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्नार जिसकी मं० फ्लैट नं० 2 बंगला की पाया हौसिंग काम्पलेक्स जो, नं० 7 पार्ट +8+9+10+11 सर्वे नं० 2/1 और 2 औछ, पूना-7 (क्षेत्रफल 847 ची० फुट) है, तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर विश्व का 16) के श्रवीन दिनांक फरवरी 85 को पूर्वोक्त संपतित् के जीवत बाबार श्रूच्य से कम् के स्थ्यान श्रीवक्त संपतित् के जीवत बाबार श्रूच्य से कम् के स्थ्यान श्रीवक्त के कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार बुक्य, उसके स्थ्यान प्रतिकृत से, एखे स्थ्यमान प्रतिकृत का पंद्र श्रीतचात से विधक हैं बार अन्तरक (अन्तरकों) बोर बंतरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत से निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तर कि से कि स्थ से कि स्थित नहीं कि सा गया है:---

- (क) बन्दारण से हुई क्रिक्टी बाव की बावता, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बन्दारक के दागित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुनिधा कांसए; शांद/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिजम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयाजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना खाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः तथ, ७५९ अधिनियम की भारा 269-व **से अनुसरक** में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को जयभारा (1) को बभीन, निम्नलिखिक स्थवितयों, वर्धात् ⊅ मैसर्सपोखाल विल्डर्स
 1482 सदाणिच पेठ पूना-30 ।

(भ्रन्तरक)

 श्री फकीर मोहम्मद
 41, उदय हौिन सोशायटी कर्वे रोड पूना-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्वस्य स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी सन्य व्यक्ति स्वाध सभोक्तम्साकरी के पास निस्तित में किए का मुक्तिये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमूलन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना, जा उस अध्याय में दिया गयाः है।

अनुसूची

जैसा कि रस्ट्रिशत क० 37-ईई/10494/85-86 जो फरवरीं 85 को सहायक ग्राय हर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, पूना

ताशीख : 19-8-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देण सं• 87-६६/ 986/ 85-86-यतः मझे , श्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात "चक्त अधिनियम" कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्य 1,,00 : 000 / - रक. से अ**धिक ह**ैं ट नं० 2 पहलीं मंजिल प्लाट नं० 4 2 7,7 और जिसकीं भ्ररमान शिक्षाजीं नगर पूना-5 क्षेत्रफल 1101 चौ0 फुट में है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारीं के ार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारींख मई 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असके इरुयमान प्रतिफल से एसे इरुयमान प्रतिफल का पंद्रह फ्रीतिशत सं अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उथदंदय से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के छिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6. मैंसर्सभारत बिल्डर्स 20/2, गोविन्द भवन रफी श्रहमद किदवाई रोड़, बडाका बस्बई

(अन्तरकः)

2. श्री विणाल ाशी श्रीनिवासन और ग्रन्थ प्लाट नं॰ 204, सायन (ई) बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गज़ है।

अनुसूची

जैसा कि रस्ट्रिं इत कि 37 ईई/986/85-86 जो मई 85 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राक्षण श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

तारीख: 13-8-1985

मोहर :

प्ररूप सार्धे . टी . एन . एस . ;-----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की थात 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरमाह

फार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांवः 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ई, 14749, 84-85-यतः, मुझे श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका अचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव सीव एसव नंव 21 टिफू नंव 15 राम मास्ती काम लेन नं. 1 नवपाड़ा थाना है, तथा जो नवपाड़ा थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिक्ट्रिक्ती श्रीधकारीं के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 छ। 16) के श्रिधीन तारींख श्रर्पेल, 1985

भो पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके अश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के फंक्ष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साव की बाबक, स्थत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दाणिका में काणी नाएने गर "समो दचने में मुखिल।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औ लिए:

कतः श्रमः, जनतः अभिनियमः क्षां श्रापः 269-य के अनुसरणः मं, मंं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की चपधारा (1) के अधीन जिल्लालिक खनितसी, सर्घातः :--- श्री गोन्दि ग्रष्णाणीं मोबारकर श्रमुसयय भवन, राम मारूती कास लेन नं० 6, नवपाडा थाना

(भ्रन्तरक्)

 श्रीं थाना कष्टची ह्वीस ओसवाल देशवासीं जैन संघ राम मारूनीं क्रास लेन नं० 6, नवपाडा थाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जार करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाभीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ त्वना की तानींस से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्देश में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पृद्धों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ई ई, 14749, 84-85 जो भ्रप्रैल 85 को सहाय क भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख · 8-8-1985 मोहरः प्रारूप बाद्धै .टी. एन .एस .

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयक र जायुक्त (निर्राज्य)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 🛂 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 3*7-*ईई_/12488_/84-85-यत∵, मुक्के, ग्रनिल सार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विष्यास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 102, पहली मंजिल श्रीनाथ ग्रपार्टमेंट स्टेट बैन्स आफ इंण्या केपीछे, वगई रोड (पव) जिला---थाना (क्षेत्रफल 560 चौव फुट) है, तथा जो थाना में स्थित हैं (और इससे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी केटार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलीखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिखित में गस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है

- (क) कस्तरण से हुइ किसी नाम की नावस, उच्च कृषिनिशम की क्सीन कर बोने के अस्तरक के वासित्य में कसी राज्यों सामग्री स्थाने में स्विधाः की निष्; बौर/सः
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा औ सिंच;

जतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वाँ, वां, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 6. मैंसर्स प्रनिरुधाबिल्डर्स क्लान 12-ए पंचरत्ना, राम बाग, प्लाट नं० 119 एस० व्ही० पीं० रोड़ बोरियलीं (प0) बम्बई (अन्तरक)
- 7. श्री कमलेश एच० बरोट और ग्रन्य 32-3, जवाहर नगर, गोरेगांव (प0) बम्बई (श्रन्तरितीं)

स्त्री क्ष्कृ शृज्जना जाड़ी करके पृथमित सम्परित के अर्थन के सिय कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्मृतित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 बिन की सबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीटर्ता कि 37-ई ई,12488,84-85/ जो फरवरीं 85को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> यनिल कुमार नक्षम प्राधिसारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारींख : 19-8-1985 **मोहर** :

इष्ट् बार्च : टी : पुरु : एव : ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-क (1) के अभीन सूचना

शाइत चंडका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्रण)

श्रर्जम_्रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देण सं० 37-ईई/म्रो०टी०/12551/84-85---यत:मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्कों इसके परवास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृष्य,

1,00,000/- फ. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं प्रलैट नं ए, सर्वे नं 62, हिस्सा नं 2 मौजे
वालिव ता वे सिन जिला—याना है, तथा जो थाना में स्थित
हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी 1985.

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उच्चित्र बाजार मूच्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पर्ति का दिखत बाजार मूल्य, उसके रहस्मान प्रतिफल से, एते अध्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिषत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे बंतरक के सिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया नया है :---

- (क) बन्तरण वं हुई किती थान की बानत, उनत विधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उत्तते बचने में सुविधा वीं सिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या फिसी अन भा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के किए:

जतः जय, उत्थत जिथिनियम की भारा 269-ग के अमृसरण माँ, माँ उथल जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ले भणीय, निम्तिस्थित व्यक्तियों, अभारत ार्-11—266 GT/85 श्री दामोदर प्रसाद हरणात राय ग्रीर अन्य 16 नन्तवाड़ी, बम्बई

(अन्तरक)

2. श्री धनसुख मनसुखलाल यायिड बी/1, शालीमार मार्वे रोड़ मल्ला डबम्बई

(अन्तरिती)

को सह त्यवा प्रारी कड़के पूर्वोक्द बंग्रीता के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

- उक्त सम्यक्ति के क्यंत के सम्बन्ध में कोई भी नाकाप कि— (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब से 45 दिव की जनिथ या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकादन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्बन्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वाधित्य:--इत्रमी प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के संभाग 20-क मी परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय मी िया नवा ही।

जैसा कि रिजिस्ट्रिकृत क० 37-ईई/प्रा०टी० / 1 2551/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक आयकर ग्रायुक्त निरीक्षण अर्जम रेंज पूमा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: : 6-8-1985

मधेर व

प्ररूप मार्च .टी .एन .एस . -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 20 अगस्त 1985

निर्वेश सं० 37-ईई/10135/85-86---यतः मुझे, अनिल कमार.

नत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/-रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी नं ॰ फ्लैंट नं ॰ बी-2, क्षितिज श्रपार्टमेंट में सर्वे नं ॰ 116/1+2+150+153-ए, प्लाट नं ॰ 12 मोहतवाड़ी पखड़ा पूना-6 (क्षेत्रफल 850 चौ॰ फुट) है, तथा पूना में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज में रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) वंतरक से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभि-वियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौं, नैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) अधिन, दिक्तिलिसित स्थिततयों, अर्थात् :--- मैसर्सके० प्रमोटर्स एण्ड बिरुडर्स 58/ए कस्तूरबा हौिंसग सोसाटी विसरावाड़ी पुना

(अन्तरक)

श्री चंद्रकान्त दाशिव देवकर
 218, वी किर्की, एखड़ा पूना-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृता ऋ सं० 37-ईई/10135/85-86 जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-9-85

मोहर 🖫

भक्त नाम<u>ं . दौं हुन् हुन्</u>र क्रान्यक

भायकार निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नभीन सुमना

RISE AZARI

कार्यास्य, सङ्ख्यक भावक र कायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 20 अगस्त 1985

निर्वेण सं० 37-ईई/9997/84-85—यतः **शुक्षे**, अनिल कुमार

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें १सके परभात् 'स्वतः मिनियम' कहा यथा हैं), की धारा 269-स के नथीन सक्षत प्रतिभकारी की वह निस्तास करते का धारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नायार मृत्य 1,00000/- क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भ्रार्टमेंट नं० 406, बिल्डिंग नं० 4, सर्वे नं० 27/1—बी एरंडवमा पूना-4 (क्षेत्रफल 1200 ची० फुट) है, तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रेंगर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण भ्रजीन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखल उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी जाम की कावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे सक्ते में सुविधा के लिए; आहु/या
- (सां शिंसी किसी आय या किसी थन या अन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय वाग-कर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उपत विभिनियम, वा धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) से क्योचनार्थ वन्यारती धूनारा प्रकट कहीं किया गर्सा था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में स्रिना के लिए?

अतिक जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की जनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निय्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् ि— मैं तर्स व्ही संगवी श्रसोतिएटस
 318/9 चतुर्रातगी रोड़, पुता-16

(अन्तरक)

श्री वासुदेव आचार्य
 38/8भावे बंगलो, कचरेवाडी पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रावित सपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करका हों।

वनत बम्परित के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी मालेप:--

- (क) इस त्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीस वं 45 किन की संपीत का तत्त्वस्तानी व्यक्तियों दर बूचना की तामील से 30 दिन की नविधा, से भी संपीत नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वतित द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के बीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथां इस्ताक्षरी के बाद चिक्ति में किए था सकेंगे।

स्पष्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृता क सं० 37-ई ई/9997/84-85 जो जनवरी 85 को सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्ष ण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखागया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-8-1985

मोहर :

प्रकल कार्यः, टी. एत. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 20 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ई ई/10738/84-85—स्यत, मुझें, अनिलक्षमार,

कासकर किंपिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त किंपिनसम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के कभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अवित वाजार कृष्ण 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 11, 12 श्राँर 16 जो णीतल इन्स्स्ट्रियल स्टेट में स्थित प्लाट नं० 17, सर्वे नं० 30, 31 (पार्ट) श्रीर 35 (पार्ट) नवधर गांव, ता० वसई, जिला—याना है, तथा जो धाना में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित के शस्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुदंकि सी बाय की बायत, उत्तर वृधिनियम के भृथीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुनिधा वी किए; वार्ट/बा
- (क) एसे किसी बाब का किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजना जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के सिए;

अत: अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग औ, अनुसरण श्रो, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, कर्धात् :---- मैसर्स स्वस्तिक डिवलपर्स
 12दुभाषा लेन, वी० पी० रोड़ बम्बई

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरला मोहन अग्रवाल प्लाट नं 18 ए विंग ब्लाक नं० 403 भावनी नगर मरोलमरोसी रोड़ श्रंधेरी (ई) बम्बई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्परित के अर्जन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क बच्च क्रम्यत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के उन्म सिवित में किसे जा सकनी।

स्थलकीकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृता कि 37-ई ई/10738/दि०/84-85 जो दिसम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> त्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-**8-**1985

मोहर 🕃

इस्य वार्ं हो _न ए**र**ु ए**र**ु-वन्त्रवार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

नारस सरकार

कार्यालय सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 5 श्रगस्त 1985 निदेग सं० 37ईई/2869/85-86→श्वत: मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव दकान नंव 3, 4, 5, 16, 17 और 18 जिस सेंटर , प्लाट नंव 72, सैक्टर 17, वसई, नई बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ती प्रधिवारी के वार्यालय, सहाय 5 प्राय र आयुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीवरण प्रधितियम, 1908 (1908 16) के प्रधीन, दिनोक जुन, 1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुंई किसी साथ की बावल स्थक अभिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक से शीयता मीं कसी फारने या उससे शहने में सुविक्श के शंलए; और/या
- (स) ऐसी किसी शव वा किसी थन या वन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय जाधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया गिना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग क अन्सर्फ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निति**वित् व्यक्तियों, अर्थात्**ः— (1) श्री एन० एन० भखानी, 41, शिल्बर श्रार्च, 66 नैपियन सी रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीचन्द एच कराग और श्रन्य छत्रपित सोसायटी, प्लाट नं० 5, कोपटी कालानी, थाना (ई०)

(श्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यकिरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

व्यस्ची

जैरा। कि रिजस्ट्रीकृत कर-37ईई/2869/85-86 की जून 85 की सहायक क्रायकर क्रायकत निरीक्षण क्रजेंन रेज. पूना के दफतर में लिखा है।

श्रनिल कुमार ेक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन र्रेज, पूना।

दिनांक :5-8-1985

मोहर:

प्रकृप बार्षः टी. एन. एस.------

बाएकर बिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निर्दाक्षण)

भ्रजेन रंज, पूना पूना, दिनांक 5 भ्रगस्य 1985 निदेश सं० 37ईई/2720/85-86---श्रत: महो, भ्रानिल

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च थे अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव इन्डस्ट्रियल यूनिट नंव 1, 2, 3, 10 और 11 पहला मंजला बिल्डिंग नंव 3, प्लाट नंव 184 जो 189 मर्वे नंव 31, 34, 25, 36 और 37 नम्बर बसई (ई) थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिवारी के कार्यालय, महायक आयकर भायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्णोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया नया है द्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को किसू भारतीय नायकर नृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या वनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की स्वभारा (1) के अभीन, निम्निसिक स्थावितयों, सर्भात :--

- (1) श्री मनींप इण्डस्ट्रीयल डैंबलपमेन्ट 126/128, 3 शेख मैमन स्ट्रीट, पहला मंगला, बम्बई-21 (अन्तरक)
- (2) तिरुपति टिब्हस्टर्स 27/29 हुडा मन्यान, कोलसा स्ट्रीट, पायधोनिया, बम्बई।

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप क्र-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में पिएए आ सकोंगे।

स्थाकरुष :---इसमं पम्बत सन्दों और पदाँ का, जो उबता अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिरभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नगसची

जैसा की रजिस्ट्रीहत ऋ० 37ईई/2720/85-86 जो जून, 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज पूना के दफतर में लिखा गया है।

श्रनिल युमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, पूना

दिनांक: 5-8-1985

मोहर:

प्रकथ् आर्द्रे, ही. एन. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज, पृना

पूना, दिनांक 19 श्रगस्त 1985

निदेग गं० 37-ईई/14297/84-85---श्रत: मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, नींसरा मंडला, श्रींनाथ एपार्टमट्स, स्टेट बैं: श्राफ इंडिया के पीछे, बसईरोड (डब्ल्यू०) (क्षेत्रफल 560 चौ० फुट) है तथा जो वसई में स्थित है (और इससे उपाबड अनसूची में और पूर्ण रूप में वॉणत है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायका निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रींकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाश चया श्रीतः क स, मिम्नलिखित उच्चेश्य से उस्त अन्तरण मि्चित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अर्धान, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) मैसर्स श्रनिकृष्ट बिल्डर्स ब्लाक नं 12ए पंचरत्न राम बाग, बोरीवलीं (डब्ल्यू) बम्बर्ध।
- (2) कुमारी सबींना भ्रल्लाउद्दींन पटेल और भ्रन्य 12/191, सरदार नगर, सायन कोलींवाडा, बम्बई।

(श्रन्तिरतीं)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी अयिक्तयों नक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

नन्स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ईई/14297/84-85 जो मार्च, 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना।

दिनांक 19-8-1985

मोहर '

प्रक्ष बाह्र . टी . ह्यू . एत् . .------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धांच 269-व (1) के सक्षीय सुवाया

भारत सरकार

कार्याल्यः, तहारक भागकर नागुक्त (निर्देशण),

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 धगस्त, 1985

निदेश सं० 37ईई/1142/85-86--श्रतः मूझे, अनिलं कुमार

मामकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, तिसरा मंजला, सर्वे नं० 133, 1, 2 और 134/2, बानर रोड, औछ, पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीं-ती ग्राधियारी के कार्यालय सहाय । श्राय प्रद श्राय प्रत निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीं-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिकृत से प्रविक्ष है और धन्तरक (कन्तरकों) और अन्तरिक्षी (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के बिए तब नामा नया प्रतिकृत की विश्वासित यो वास्तिक कम से कृषित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जंतरण से हुई जिंक सी जाय की वायर अ उक्त अभिनियम के जभीन कर देने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वभने में सुविभा के किए; और/वा
- (व) एसी किसी भाग या किसी भग वा बन्न बास्सियों को; विन्हें भारतीय सामकर समिवियम; 1922 (1922 का 11) या स्वत समिवियम; वा अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वादा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना बाहिए या, कियाने सुविधा के विष् ;

शतः वय, उस्त विभिन्दमं की भारा 269-म में अनुसरण में, में, उस्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभातः (1) में सभीन, निस्नतिविद स्वास्त्यों, स्थाति डिचः (1) श्रीं वेलनकर भिडे और श्रमोसिएटस 461, रास्ता पेट, पूना

(अन्तरक)

(2) श्रींमती रक्ष्मीं दींपक वेलनकर, सरस्वतीं बिल्डिंग, त्रिवेनी हाउसिंग कोग्रापरेटिच सोसायटीं लि०, नवघर, वसई रोड।

(भ्रन्तिरसीं)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तानील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारत;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में युवा परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्द. चुना हैं.॥

जनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रींकृत ऋ० 37ईई/11.42/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंअ पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ...

दिनांक: 19-8-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पोपटलाल एव० शाह और अन्य, 57/61, किका स्ट्रीट, बम्बई-4.

(भ्रन्तरक)

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनौंक 8 अगस्त 1985 निवेश सं० 37 ईई/1070/84--85:---यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पक्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बोजार मृल्य

1,00,000/- रहः से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 153, ऋ० सं० 31, 34, 35, 36 श्रीर 37 नवधर गाँव , ला० बनई, जिला० थाना है तथा जो बनई थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार के म्राफिस में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह³ िक प्रशापूर्वेकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधाको लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12-266 G1/85

(2) श्रारा एन्टरप्राईजेस, एफ०-12, न्नियेनी न्निल्डिंग, 66 बलकेश्वर रोष्ट्र, बम्बर्घ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ०-37 ईई/2070/84-85 जो। विसम्बर, 84 को पहासक आसकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्र∤नल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

नारोख: 8-8-85

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीम सूचित्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 12 ग्रगम्त, 1985

निर्देश मं० 37 ईई/11970/84-85---यतः मुझे, ग्रानिल कुमार,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित गाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इंदिरा निवास, चित्र निवास श्रीर परणुराम निवास सर्वे नं० सी० टी० एस० नं० 33-ए०, 1-ए 1/7 7291 से 7316 गजबंधन गाँव में पथरीली ता० कल्याण, जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य हं काम के स्वयसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार सूख्य, उसके स्वयसान प्रतिफल है. एोमें स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल कम निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्मा में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की बाबत उक्त आए नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिक में कमी करने या 'प्यां बच्च एा सविधा के जिल बरि/का
- (वा) देवी किसी बाध वा किसी भन था अस्य प्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पाट नहीं किया गया था किया बाता बाहिए था, खिलारे पर स्विधा वे किया

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण औ. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारण (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :→ (1) श्री टी०पी० कपरेकर ग्रीर श्रन्य, डा० रायकर्स चॉल, स्वातंत्रयवीर, विनायक दामोदर सावरकर पथ, कल्याण।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० एम० छेड्डा ग्रीर ग्रन्थ, डोम्बीयली, जि० थाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिए की अविध या तत्सं लंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिनागर को किए के अपन

स्थव्यक्तिरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुना हों।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क०-37 ईई/11970/84-85 जो जनवरी, 85 को पहायक श्रायकर श्रामुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> त्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निर्राक्षण, सर्जन रेंज, पूका

तारीख: 12-8-1985

माहर .

वृत्सन् वाष्ट्र^क. टी. एच. **एव** -----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख

भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनॉक्ष 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/2861/85-86---यतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

भागक गोधानग्रभ, 1961 (1961 का 43) विषसे इसमें एक उरका अधिनियम सह गया हा), को भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिनकी संवयूनिट नंव 36, पहला मंजला, दिवान श्रन्ड सन्स, इन्डस्ट्रियल इस्टेट नव 3, नवघर में स्थित, बसई रोड़, जिव थाना है, तथा जो थाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहाय ह श्रायकर आयुक्त निरीक्षण, श्रजंन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख जून, 1985

का प्रांक्त संपत्ति के अधित जोकार मृस्य स कम के अधिमाध प्रित्यत को तए लंकिया ने एक हैं के किया का जीवत काजार मृस्य स कम के करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत काजार मृस्य, ससके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्यात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिमी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया प्रांत्तका, निम्निसित उद्देश्य में उद्युत अन्तरण निम्निसित अद्देश्य में उद्युत अन्तरण निम्निसित अद्देश्य में उद्युत अन्तरण निम्निसित अद्देश्य में उद्युत अन्तरण

- ्कं) जनसङ्क र शुद्ध किस्तो कार को बादस, उत्तर अधिनियम को अधीन का≾ राते के यस्तरक को दायित्व में कमी काइने या उससे बचने में सूविधा को सिस्¦ बांडि∕बा
- ्स) रोसी किली बाध या किसी थन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ल्वोचरार्थ मृन्हीरही बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

जतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुक्ता वे, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (।) के वधीन : निम्निज्यित स्वक्तियों , मर्मात्म— (1) मैससे हरीश सिल्क मिल्स प्रा० लि०, 22, पाक बेस्ट, 5 यूनियन पार्क, पलई हिल, खार(बेस्ट), बम्बई-52

(भ्रन्तरक)

(2) मेगर्स मरम्छर सिल्क मिल्स, प्रो० विजयराज बस्सीमल जैन, 302 ए०, कृषा प्रसाद बाग, अधेरी, वम्बई-58

(श्रन्तरिती)

की यह स्वतः जारा करक प्रांक्त सम्पन्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पास के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं थे 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अनुधि बाब में समान्त हांती हो, के भीतर प्वांक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीब के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थाक्त ब्वारा वभोहस्ताक्षरी के शृष्ट सिवित में किए वा सकी।

स्वव्यक्तिरण :----द्रशमें प्रमुक्त घट्यां नीं पूर्वा का, जो जनत विधिनियम ने विध्याय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, वहीं नर्भ होगा वो उस स्थ्याय में विधा गया है।

नन्सची

जैगा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/2861/85~86, जो जून 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार्॥ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

नारोख : 7-8-1985.

मोहरः

प्रका बाह्ये. टी. एन. एस.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सूचना

नाएँ चर्चाड

कार्यासय, सहायक मामकार बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 8 अगस्त 1985 निर्देश सं० 37 ईई/16477/84-85—यतः मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 एफ० पी० न० 81, टी०पी० स्कीम नं० 1 थाना सिटी सर्थे नं० 708 से 744, 801 से 824 पंचपाखड़ी में स्थित थाना है तथा जो थाना में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओं यह विश्वनत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का खंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की भावत , उक्त विधिनवन के अभीय कर दोने के बन्तहरू में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा से विद्यु: ब्रोड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को भिन्ने भारतीय बाय-कर अभिनिवन 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनिवन, था भनकर अभिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना आहिए था, है ज्याने में ब्रिया के सिंह;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्-- (1) मैसर्स आदिमाया कन्स्ट्रवशन कंपनी, मातृष्ठया आधर्श निवास केन्द्र, थाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसस किम कार्पोरेशन, जी०~1, बिहार दर्शन, 7वीं रोड़, राजवाड़ी विद्याविहार (ईस्ट.), बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

की वृद्ध भूष्युचा अस्तुरी अञ्चले पूर्वोक्य स्व्युटिए के मुर्जन में लिए कार्यभाष्ट्रिया कहता हुई।।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आशोप :---

- (क) इत सूचना के समयत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन्स इसी कुमीन वा त्रास्थ्यां की जिल्हां पूछ सूत्रांत की दानींश हे 30 दिन की नवींथा, जो भी वनींय बाद में समाच होती हो, के सीमुद्र पूर्वों कर आकत्यों में से किसी स्पृतित बुवादा;
- (क) धन बुक्त हो हाज्यम् में मुकायम् की ताहीय वे 45 विन के भीतर उनक् स्थानत संस्थित में हित्नक्ष किसी जम्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्युत में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्वो का, को उक्त वृष्टिश्वम्, के वध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वृद्धी क्षे द्वारा को उस अध्याद में दिवा भवा है।

वपृक्षी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि॰ 37 ईई/16477/84-85 जो मई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रेंज, पूना

तारीख : 8-8-1985.

मोहर 🛦

प्ररूप आई .टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 श्रगस्त, 1985

निर्वेश सं० 37 ईई/9550/84-85:--यन मुझे, श्रनिल कमार

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं क्यों के नं के 104/1/1 (पार्ट) एरन्डवण्म, पुने-4 हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त व्याप-नियम के अभीन कहा दोने के बन्तरक के पासित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; श्रीड/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वर भन-कर बोधनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोखनार्थ बन्दिहिती ब्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्

शतः शवः, उपत विधितियमं की भारा 269-व के अमृतरण श्रं, में उक्त विधितियमं की भारा 269-व की उपभाक्त (1) को अधीर, निस्तिविद्यात व्यक्तियाँ अभाति व्यक्ति मैसर्स देवधर श्रण्ड जोशी, प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 1298, सदाशिव पेठ, पूना-30.

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० पटकी, 37/2, एरन्डवना प्रेरणा को०ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, पांड फाटा, पूना~38.

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी बाक्रेप रे-

- (क) इस् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ल्लाकरकः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/9550/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजंन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 5-8-1985.

मोहरः

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस. -----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37 ईई/803/84-85--यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कीं, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लाट नं० ३, विजयदक्ता अपार्टमेंटा. सुभाग नगर, गीताँजली को० ग्रागरेटिव मोनायटी के पिछाड़ी, गगापूर रोड़, नासिक में तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण, भ्रजीन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख मई, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य सं कम के दश्यमान प्रातिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण हो कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसकं दश्यमान प्रतिकलं सं ए में दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवान से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिवक रूप स लाधा महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकर्णलीखत व्यक्तियों, अर्थात् ू—

(1) श्री ग्रजिवन्द जिल्डर्स, प्रो० श्री इनदीण नामुदेव देशम ख. 431, बकोल बाडी, राहककर चेम्बर्स, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री हैमन्त लक्ष्मी भाँत कलकर, र्रागनेकर चॉल, जूना पंडित कालोगः, नासिक ।

(ग्रन्तन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां कण्या हो।

उक्त सम्पत्ति के अअंग के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सुच्या कं राजपन पं प्रकारन की तारीख से 45 दिन को अवस्थि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थाध बाद में समाक हाता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिद्या मां से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर रम्पति में हितबद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारी अपहरताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुविध शब्दों और पदां का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्दीकृत ऋ० 37 ईई/803/84-85 जो मई 85 को सहायक आयक्तर आयुक्त निर्देक्षण अर्जन रेज, पूना के द्रपत्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, यक्षम प्राधिकारी. वहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 7--8-1985.

मोहर:

प्रस्म बार्ष टी एन एक

भायकट्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ए (1) के मधीन सूचना

मार्त सहकात

भार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 8 स्रगस्त 1985निर्देश सं० 37 ईई/528/84-85--यतः मुझे, स्रानिल कुमार,

बायकर विधित्यक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शहलात उपका अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाट नं० 7 ए श्रौर 7 बी/एस-1, कम० सं० 717/1 बी-1ए ०, 1-1/19-1 नासिक ता० श्रन्ड जि० नासिक पटेल कालना, कालेज रोड़, नासि ह में है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकार्रा के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीक रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) वे श्रधं न, तीर्र रू जन्वर्र, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि अप्याप्यों का सक्तित का अधित काजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा मया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अगय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक वो दायिस्य में कमी अपने या उससे अचने में सुविधा के किए, और/या

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बा दी, उसत अधिनिकम को धारा २५९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्ति वाकिनयों, अर्थात् — (1) श्री यशवंत एस० राजगुरु, भगूर, 2174, सुभाष रोड़, जि० नासिक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशोर एच० पपीजा, 181, लालदास बिल्डिंग, देवलाली कोम्स, नासिक, जि० नासिक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूजाँक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्पृतित् के वर्तव् के सम्बन्ध में कोई श्री वास्तर्द्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामींस से 30 दिन की अविध, जो भी खुबिख बाद में बनाप्त होती हो, के मीतर पूचाँकर व्यक्तियों में से किसी स्परित हुवायाई
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तितृ द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाम निविद्य में किस्सू वा सकोंचे !

स्वक्ष्मिकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अग्सूमा

जैपा ि रिजिस्ट्रोकृत क० 37 ईई/528/84-85 जो जनवरी, 85 को अहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 8-8-1985.

मोहर :

ं प्रकपः भा<u>र्यः, दी., एगः, एसः, ५०५०-००</u>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भाष 269-म (1) के अभीन क्षना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 भ्रगस्त 1985 निर्देश सं० 37 ईई/89/85~86––यतः मुझे, भ्रतिस कुमार,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 142/2ए, ना० ग्रन्ड जि० नामिक श्रानन्द रोड़ देवलाली काम्प, नामिक है नथा जो नामिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध यन् सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरू से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में किया गया है:—

- (क) मन्त्र म स हुई किमी गाय की गामत सकत ग्रीम-। नयम के ग्रीम कर वाने के जन्तरक की वायित्व भे कभी करने वा उसके वचने में सुविधा की सिवे; तीर/या
- (स) एंग्री किसी शाय वा किसी थन बन्ध शास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर शिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्यान अभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्याजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया थ्या शासा किया जाना साहिए था ख्याने में सुविधा की किए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीनः विस्तिविक व्यक्तियों, वर्णात् अस्त (1) श्री ठाकुर ए० मेवानी, मुख मागर वडनेर रोड़ देवकाली काम्प, नासिक।

(ग्रन्तरक)

(1) मैंसर्म हरीया बिल्डर्म, पार्टनर श्री हरीया तिलूमला मंघनानी, गोसाई बाड़ी, नासिक रोड़

(भ्रन्तरिती)

को यह युक्ता कारां कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप क्ष-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति अधीहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत ची

जैसा कि रजिस्ट्रोक्टत क० 37 ईई/89/85-86 जो जुलाई, 85 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, गक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-8-1985

नोहर 🖟

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 अगस्त, 1985 . .

ि निर्देश सं० 37 ईई/751/84-85ः⊸-यनः मुझे, श्रनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिनको संव दीन ग्रारतो ग्रनाटमेंटम पंडित कालनी, शेखापुर रोड़, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूग रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैंल, 1985

का पूर्वोक्त संपर्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्सरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स सुद्र किसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तर्ध वचने में शृविधा में सिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ सन्तरितो ब्वास प्रकट नहीं किया गया या किया बाया चाडिए था, स्थिनने में सुविधा की लिए:

बतः वक, उक्त कथिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त गिथिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— 13—266 GI/85 (1) रै सस दीपक बिल्डस, पटेल रोड़, यातीन श्रपाटमेंटस, टेलीफोन एक्सचेंज, नासिक।

(श्रन्सरक)

(2) श्री एस० के० मुधोलकर, द्वारा कैनरा बैंक, एम० पी० रोड़, सिविल लाइन्स, ग्रलाहाबाद (उ० प्र०), इलाहाबाद।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्परित के अजन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

शक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की कविथ या तत्रं भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37 **६६**/751/84—85 जो ध्रिप्रैल, 85 को सहायक श्रायकर आयुक्त, निरीक्षण श्रर्जंन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रजन रेंज, पूना।

तारीख: 5-8-1 985.

मोहर :

प्रकृष बाही, दी. एन्. एस.- - - ----

बाधकारु जीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बंधीन स्वना

नारत सरकार

कार्याचय , बहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/747/84-85:—यतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 1, मलकानसा ग्रपाटमेंट सर्वे० नं० 722 ए/1-1-ए/2, कालेज रोड़, नासिक हैं तथा जो नासिक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपांबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत निरीक्षण प्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्नैं ल, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रेतो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण बिचित में दास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की बावत, उक्त वृधिनियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिय में सभी करने वा अससे उचने में मृतिधा के लिए; और/वा
- (व) एसे किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विक्वें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था. खिपाने में मृतिष्धा के तिए;

सत: सम, उन्स निधिनियम की धारा 269-य के बन्तरण में, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) के जधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् ए—- (1) मैसस पी० डी० बिल्डर्स और श्रन्य, जुहु लेन, श्रंधेरी (वेस्ट), बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती झिकिया मंजूर शेख, योगेश्वर बिल्डिंग, नया पंडित कालनी, नासिक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख शं 45 विन की अविधिया तस्सज्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बग्लुकी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/747/84-85 नासिक जो श्रप्रैल, 85 को सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, पूना ।

तारीख: 5-8-1985.

मोहर:

प्रकृप जाइ^द.दी. एन. एस. -----

नायकर अभिनिर[™], 1961 (1961 का 43) की भारा 265-म (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/745/85-86:—यतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधितिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जियकी सं० फ्लाट न० 10, दूसरा मंजला सर्व ० नं० 722 ए/ 1—1—ए/2, कालेज रोड़, नासिक खतथा तजो नासिक में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्राप्टैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, नियननिस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स पी० डी० बिल्डस, कालेज रोड़, नासिक 379 प्रीती एस० वी० रोड़, विले पार्ले, बम्बई-56.

(भन्तरक)

(2) श्री यशवंत बलवंत नवनदरकर, 9 हरिहर को श्रापरेटि व सोसायटी, पटेल कालनी, चाल नं० 3, नासिक।

(ग्रन्मेरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त अपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अनिक या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी अपिथ के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रश् चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा पना है।

बयुष्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई 745/84-85 नासिक जो अप्रैल, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज पूना के क्पतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण), भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 5-8-1985

मोहर:

क्ष्म् वार्षः टी. **यु**न् **एड**्, ----

अप्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत उपकर

कार्यक्षक, अञ्चायक धावकर बाव्यक (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 6 म्रगस्त, 1985

निर्देश स॰ 37 ईई/590/85-86:---यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स॰ प्लाट नं॰ 3, पहला मंजला राजरतन अपाटेमेंटस, फ्लाट न॰ 8, सर्वे॰ नं॰ 317/1—2, श्रींफ पूना—7 है तथा पूना में स्थित है (श्रीर इ ससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिविसम, 1909 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य सं कथ कं व्यवशान शितक स के सिए बंदरित की नहीं हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण हैं कि बजापूर्विकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत्त से, एंसे क्रयमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिकत ने अभिक हैं और नन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरम के विक् तय पाया क्या प्रतिकत, विक्तिविक उच्चेक्यों से उच्च अन्तरम बिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दान् वं हुई किसी बाव की बाव्य, उन्तर विविद्यंत्र के वशीय कर दोने के बन्दार्श्व के स्वित्य में सभी कारने या कर्त्ता वचने में स्वित्य के क्षिए; और/मा
- (ख) पृथी किसी साथ या किसी धन या सन्त नास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थिनियम, या धन-कर स्थिनियन, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया शवा था वा किया चाना था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स चोपड़ा कन्स्ट्रक्शनन्स,
 245, नारायणपेट,
 भूना-30.

(ध्रन्तरक)

(2) उमेश श्री गोपाल महाजनी भौर श्रन्य, 60, शिवाजी हाउसिंग सोसायटी, सेनापति बापट मार्ग, पूना-16

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 जिन् के मीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हितबब्ध किसी स्थ्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पाम सिचित में किए वा सकोंगे।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री क० सं० 37 ईई/690/-8556 जो जून, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, पूना

तारोख: 6-8-1985.

मोहरः

प्रकृप काइ'.टी.एन.एस. -----

नावकर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्यीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निर्देश स॰ 37ईई/12875/84 85—अतः मुझे अनिल कमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- क कंशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्ताट नं० ई 10, तक मजला हरपस पार्क, कोत्आपरेटिय हाँउसिंग सोसायटी लि०, 30 बर्नी गार्डन रोड, पूना तथा जो पूनामें स्थित हैं (प्रार इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निजिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है दिन्स

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण वो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:--- रमेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया),
 इरमस टावर्स, 618, साचापीर स्ट्रीट,
 पूना।

(अन्तरक)

 श्रीदीनशाजे० सुपारीवाला श्रीर अन्य 14/4, बोट क्लब रोड, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वासोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रजाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नदा है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रोकृत क० नं० 37ईई/12875/8185 श्रीर जो मई, 85 को प्तहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, पूना के दफ्तरमें लिखागया है।

> अनिल कुमार मजन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

विनांक 6ब8ब1985 मोहर्ध श्रुक्प बाह् . डी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

शाह्य स्टब्स्

कार्यावय, बहारक वारकर वास्कत (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, पूमा

पूमा, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देश र्स**० 37ईई/614/84-85**—अतः मुझे, श्रनिल

कुमार

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी र्स ० फ्लाट ने ० 4, बिल्डिंग 'बी', प्लाट नं ० 7--- 8
--- 9 10 11, सर्वे नं ० 2/1, अन्ड 2, ग्रीफ पूना 7, क्षेत्र फल 848 चीं ० फुत ई, जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण पूरूप से बत्णत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकचण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विमांक जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यकान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिचित उद्देश्य ने उच्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तर्ण वे हुए किसी बाव की वावत, उपत विध-मित्रम के वधीन कर वेते के बन्तर्रक के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या

बत:, नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-म के नन्तरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नधीत :--- मैसर्स पोरवाल बिरुइर्स,
 1482, चेदाशिव पेठ, पूना 30

(अन्तरक)

श्री ऐ० पी० चेमसेना भीर अन्य
 22 रीवर सैंड रोड, आईनेन्स स्टेट,
 िकक, पूना 3

(अन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकासन की तारीव से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की समील से 30 दिन की बन्धि, वो भी वृत्धि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/614/84त85 जो जून, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण) अर्जन रेंज; पूना में दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 8-8-1985 ोहर : प्रकृष वाइ. टी. एस. एस. -----

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिमांक 7 अगस्त, 1985

मिर्देश सं० आई 37ईई/11196/84-8-5अतः मुझे अमिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. सं अधिक हैं

म्रौर जिस की सं० आफिस नं० 3, सी० टी० एस० नं० 745, एफ० पी० नंम 256, भाम्बूर्रीा, पूनाई , जो पूत्रज्जें स्थित ई (म्रौर इससे उपार्डी अनुसूची में म्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त 'निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूनामें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 ढ़ (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को प्रोंचत संपत्ति के उचित बाबार नृस्य सं कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह बिश्यास करने का कारण है कि बंधा प्रवेचित सस्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रममान प्रतिकल से, एसे ख्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्नित नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी कियी आय या रिकसी पण भा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने शें स्वैवधा को किया

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**वित व्यक्ति**यों, अर्थात :—— श्री मनोहर बालकृष्णा अठावले,
 775/4, एनर्रडवणा, पूना 4

(अन्तरक)

श्री ा० विनय वामन कुलकर्णी,
 1396, सदाशिव पेठ, पुना।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां १-रू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वागील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर एवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी जन्य स्थावत इवारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किस् वा सकेंगे।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/म्रोटी०11196/84र 85 जो मार्च , 1985 को सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7र8व1985 मोहर:

श्रम्भ बाइं. टी. एतं. एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकत वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूमा

पूना, विमांक 7 अगस्त, 1985

मिर्वेश सं० 37ईई/11816/एम/84-85—अतः मुझे, अमिल कुमार

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000 र से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 7, तथा जो 'सिद्धार्थ' प्लाट नं० जो पूना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जोम पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक अप्रैल 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृज्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से सिथक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कार दोने के जंतरक के जियल के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (का) एँसी किसी आय वा किसी धन या अन्य ग्रास्ति की की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था सा किया जाना चाहिए था जियाने पं श्रीकाश के लिए;

लतः त्रव, उक्त लिभिनियम की भारा 269-ग के लनुसरण भं, में, उक्त लिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के लक्षीक निम्मतिविक्त स्मृतिसम् विंग कमांडर मुकुन्द श्रीधर नटवरस
 ज्ञ आनन्द पार्क, पूना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री डी॰ एस॰ कुलकर्णी, ग्रौर कम्पनी, 812, सदाणिवपेठ, रत्री बल्डिंग, अलकाटाकीज के पास, पूना।

(अन्तरिती)

को यह त्याना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इच सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ याद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (व) इव सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव स 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहुस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त श्रीधिवयम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाग्य आ उप शन्माध में दिया पदा है।

धनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/11816/84-8584-85 जो अप्रैल, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जनरेंज, पूमा के दफ्तर में लिखा गया ई।

> अन्लि ,कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 7-8-1985 सोर:

प्रकृष बार्श . टर्न . एन . नवरनम्बरमञ्जूनमानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भा<u>रत सरकार</u>

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निर्दाक्षण)

क्रार्जन रेंज,पूना

और जिमकी संव फ्लाह नंव 19, सर्वे नंव 121, 122 राम बाग बालांनी, कोथल्ड , पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध हारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रोंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम , 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक जून, 1985

को पृत्रोंकत संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनयम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी अपरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के निए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं.——
14—266 ा।85

श्रमुल एन्टरप्राइजेस,
 अ1, शीला बिहार कालोनीं,
 श्रमुराज पौडफाटा, पूना

(श्रन्तरक)

 श्री म्रनिल वामन पागे
 गुनाराज्य सासायटी, श्राजाद नगर, मालवाडी, कायरुड, पूना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रीहर्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत र' 45 दिव की श्वीभ या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उच्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें गस लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

कारची

जैसा कि रजिस्ट्रीं हत फ॰ 37ईई/108/85-86 जो जून, 1985 की सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधि:ारीं सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 1-8-1985 मोहर प्रक्रम कार्ड. ही. एन. एस. -----

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुवता

नाइत चरकार

कार्यानम्, सङ्गयक नायकर् नामुक्त (निर्द्रीक्षण)

ध्वर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निदेश सं॰ 378ई/16353/84-85—-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

हासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तमें इसके पश्चात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारी 269-इसके अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी से० प्लाह न० 318, सुर्योदय की-आपरेटिस हार्जीमंग सोमायटी लिमिटेड, श्रम्बरनाथ, क्षेत्रफल 819 चौ० फु०) है, जो श्रम्बरनाथ में स्थित है (और इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीं ति श्रिधिशारीं के कार्यालय, सहायक श्रायऊर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरीं,1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मून्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्द सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) ने बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण तं हुई फिली बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने वा उक्को बचने में बुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी साम मा किसी थन वा कत्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीन जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया ल्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

कतः सव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण के में उक्त विधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) हो कमील, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---- अों व्हीं० एस० चौबकः,
 खोडाबाई चाल, एस० व्हीं० रोड,
 अंधेरी, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० एम० परदेसीं, प्लाट नं० 318, कनसाई सेक्शन, ग्रम्बरनाथ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीष्टर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/16353/84-85 जो जनवरीं, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज: पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक: 4-9-1985

मोहर '

प्रकृत थाई ुटी. क्रु. एक्त न संस्थान सन्धान सन्धान सम्बद्धा व्यक्त विभिन्न स्थान सन्धान सम्बद्धाः विभिन्न स्थान सम्बद्धाः विभिन्न समित्र स्थान सम्बद्धाः विभिन्न समित्र समित्र

भारत सरकार

कार्यास्य, बहुायक शायकर शायुक्त (निद्राक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर -

जालन्धर, दिनांक 2 तितम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी'० नं० 5843-5844/---ग्रतः मुसे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा ध्रनुसूची में लिखा है के ध्रनुसार है तथा जो रामपुराफूल, में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रींकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाब्स, उक्त कृष्टिमीयुक्त के अपीत कर दोने के बृत्युरक के स्वीतरण वो कसी अपने वा उक्त बज्ज वें प्रीयभा के जिए; क्रीड/वा
- (क) द्वी किसी नाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, विन्हें भाउतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुरिन्धा वे विका

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 6. श्रीमतीं ऑमत्रभावतीं, पत्नीं डाक्टर क्याम मुरारीं (विलख नं० 2107), और श्री बेद प्रकाश (चिलेख नं० 2108) वासीं गंगा नगर।

(ऋन्तर-ऽ)

7. श्रीं हरबंस लाल पुत्र श्रीं राम और भागवन्तीं देवीं पत्नीं श्री राम, (विलेख नं० 2107) और श्रीं वेदप्रकाण, जीवन कुमार, पुत्र गगत राम (विलेख नं० 2108), वासीं गिल बाजार, रामपुरा-फुल ।

(भ्रन्तिनतीं)

का यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवीं बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारां।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबहुध किसी सम्य व्यक्ति व्यारा जभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2107/2108 दिनांक जनवरीं, 1985 को रिजस्ट्रींकर्ता श्रधिकारीं, रामपुराफल में लिखा है।

> गे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज, जालन्धर

ि दिनांक : 2-9-1985 मोहर <u>:</u>

प्रकम बाह्".टी. एन .प्रच .=------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेज-2, नहें दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांश 21 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० माई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस०क्रा२०1/1 85/ 789--क्रज: भुक्षे, के० वासुदेवन

कायकर किथानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रः से अधिक है

ऑर जिमकी सं० 4378/4 बी, भाग-1, है तथा जो श्रन्भारी रोड, दिन्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबड़ अनुसूची में ओर जो पूर्ण का से बिल्ली है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्शेक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य स कम के रूब्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरौं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स ब्रिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण की, में अक्त मिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीतः, निम्तीमिश्व मिनियमें, अर्थात् :---

- (1.) श्रीमती राम लार्डी देशी पत्नी , श्री एम र सी वनसल
- (2) श्री अशंक क्मार बंगल
- (3) श्री श्रमित नुमाध बंधन नुपुत श्री एमा० सी० बन्सल नियासी 7/28, श्रन्तारी रोड, दन्या गंज, नई दिल्ली।

(स्त्रहत्यः)

2. मैं० हिमालय पिंक्सिंग हाउस, 4ए/16, सिंगता अपार्टमेन्ट, 71 जुहु रोड, सान्ताकूज, बोम्बेद्वार), पार्टनर श्रीमती मिना पान्डे पत्नी श्री डी०पीं० पांडे पताट नं० 209, भैंत्य फाइनिंग स्कीम, हीज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूख करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर त्यांकि में हिह्तव्यूष किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में रिका गया है।

वन्स्यो

बेनमेंद्र, प्रतोर, कन्स्टीम आफ कारपेट, एरिया, तादादीं 1366.21 वर्ग फींट, डब्स्यू० मीं० बिल्डिंग, नं० 4378/4बी, भाग-1, स्थित 4, मुरारी लाल स्ट्रींट, अध्यारी रोड, दिया गंत, नई दिल्लीं, खभरा नं० 58 ।

कें० वासुवेवन ाक्षम प्राधि ारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ियन(हे 21-8-1985) **मोहर**्ड

प्रकप आर्च. हो. एन. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के स्पीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 21 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं००/एक्यू०/2/एस-श्रार-1/1-85/790---अतः मुझे, के० वासुदेवन

भायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवसाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकों से विवादर नं - जी-JII श्रीर बी-112, है नथा जो उबल सटोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावध अनुसूचि में पूर्ण रूप से विगत हैं), रजिस्ट्री-कर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के सम्मान् प्रतिफल के सिए बंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाबार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से बृधिक ही और बंतरक (अंशरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कस निमालिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियंत्र के बधीन खर दोने के बंतुरक के दावित्य ने कभी करने वा उद्दर्ध वचने में सुविचा की लिए; भीर/या
- (क) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अन्य अर्था की बांनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अतिरिती दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सूनिभा के खिए;
- स्तः अव, उस्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, भी जात अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ओं अमृतलाल मुपुत्र स्व० श्री दुर्गा दारा, निवासी सो० एच-45, श्रितो नगर, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

- 2 श्रीभती दुर्गा देवी पत्नी स्व० श्री ग्रमर नाथ चौपड़ा,
- 2 श्री राजेन्द्र नाथ चौपड़ा सुपुत्त स्व०श्री श्रमर नाथ चौपड़ा, निवासी सी श्रार-757, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीसत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्णकरा स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार।;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्धस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें श्रय्क्त शब्दों और पद्दों का, जो जक्त जिभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

वी-III श्रीर-112, डबल सटोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली, तादादी।

के० वामुदेवन चलम ऋघिकारी महायक श्रायकर ऋायुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनाँक 21 श्रगस्त 1985 मोहर :

प्रकल कार्या : की ह पूर्व : प्रवाह : सन्तरनामा स्वाहत

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--म (1) के बभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2.

नई दिल्ली, दिनाँक 21 फरवरी, 1985

निर्देश में अाई०ए०सो०/एक्यू-2/एस०म्रार० 1/1-85/ 791---- ग्रतः मुझे, वासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), काँ भारा 269-ख के अभीन समाम प्राधिकारी को, यह विक्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० हाउस, नं० 8/2, है, तथा जो श्रलीपुर रोक मिविल लाईन्स, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबद्धप्रन्मुकी में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 1985

को प्रवॉक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान शितफल के लिए कल्तरित की गई है और बुझे यह विद्याध करने का कारण है कि ग्रयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजाद मुस्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिकल अज पन्त्रह प्रतिसत से **वधिक है बीर वन्तरक (धन्तरकों) जीर** अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एति अन्तरम के जिए बच वाना गया प्रतिकास निक्तिनिवित्त उनुवादन वे उक्त मन्द्रारण मिषित् में नास्तविक क्य वे कथित नहीं किया थना है:---

- (क) बन्दरम प्रे हुई कियाँ सन् को गावस काट गर्दक-दिव्यून में बच्चेन क्षुद्र होने में ब्यूट्ट में स्थित्य में कवीं करने या बखुवे बखने वें बुविभानों क्रिए; श्रीड/श
- (क) एंडी किसी बार वा किसी थन वा बन्द वास्तियाँ को, क्षिन् बाउदीय नायकर निविवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविभिन्न या वक् कह जभिनियम, 1957 (1957 को 27) **के प्रयोध**-नार्च कुल्हरियों कुनाच प्रकट नहीं किया पना पा शाकिया वाना वाहिए या किनाने में सुविधा 🗯 H

अतः कथः, उक्त अधिनियमं कौ भाषा 269-य के अनुवरम् नें", मैं, अक्स समिनियन की भारा 269-म की उरधारा (1∭ क्षे अधीन_{ाः} निर्माचितिया व्यक्तियो_न अधीत् क्ष्मा

श्री सत्यनारायण तूल्सन, पुत्र श्री विहारी लाल तूल्सन निवासी 8/2, ग्रलीपुर रोड, सिविल लाईन, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार तुल्सन, श्रीर श्रीमती श्रनिता तूल्सन, निवसी मी-2/39, ग्रलोह बिहार फैज-2, दिल्लो-52 ।

(अन्तरिती)

को बहु सुकना कारी करको पूर्वोक्ट सम्मरिश के अर्कन अर्थ किए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में काई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख ते 45 विश की जबभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयि भ, जो भी वयि बाद में सनाप्त होती हो., ऋ भीवर व्**बेंक्स** म्यक्तिमां में से किसी व्यक्ति दयारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकावन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबय्ध किन्दी अन्य व्यक्ति दुवायः नभाष्ठस्ताक्षरी के यास निवित में किए जा बकेंगे।

राजीवरणः — इसमें प्रयम्भ शब्दों बीर वधों का, विधितिवन के वश्यान 20-क में परिभाषिष ह⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में विद्या नवा 🗗 ।

श्रनुसूची

छत की पहली मंजिल, तादादी 131.92 वर्ग फिट, हाऊस नं ० 8/2, ग्रलीपुर रोड, सिविल लाईन, दिल्ली।

> कं वास्देवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर्श्राय्दत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाँक 21-8-85 मोहर:

प्रकप अष्ट्रं, टी. एन. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंअ-2,

नई दिल्ली, दिनाँक 21 श्रगस्त 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-2/एस०श्रार०-1/1-85/ 792—-अतः मुझे के० वासुदेवन

कायका अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 38 है, तथा जो ब्लाक नं ० 18, शक्ति नगर, दिल्ली, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधीनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक जनवरी, 1985

को पूर्विक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल के एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रकार से अधिक ही तार अन्तरक (अन्तरकों) और कार्य स्ति (अन्तरिकों) के जीय एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किकान में वास्तियक रूप से किया वस है :—

- (क) कन्तरण से हुर्ज किसी आय की बायत, उभव अभिनियम के बभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में अवत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, नियमिलिकन आकितमें। वर्धातः :— 6. श्री मूलचन्द जैन, पुत्र श्री रामपत जी,
 निवासी 1-1755, चित्तरंजन पार्क नई किल्ली।

(अन्तरक)

7. श्री सुदर्शन कुमार जैन, पुत्न श्री नानक चन्द्र जैन, निवासी 18/10, शक्ति नगर, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इन सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

टू एन्ड हाफ स्टोरीयङ हाउस, प्लाट नं 0 389, ब्लाक नं 0 18, प्राक्ति नगर, दिल्ली. तादादी 241.11 वर्ग गज ।

> के० वामुदेवन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

दिनाँक 21-8-1985 मोहर : प्ररूप नाइं., टी., एम., एस., न-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्म, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सहायतः ग्रायशर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2.

नई दिल्ली, दिनाँक 21 भ्रगस्त, 1985

निदेश सं० थ्राई०ए०सी'०/एक्यू-2/एसग्रार-1/1-85/794--- श्रतः मुझे के० वामुदेवन

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्यें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 58 है, तथा जो ब्लाक नं० 3, रूप नगर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधदारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक जनवरी, 1985

कां क्षांका सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान शांतर्श्व के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का फारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल निम्निलिखित उद्योक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अरिभीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के क्षारित्व में कभी करने या उससे अवने में स्रीविधा के लिए, और/या
- (जं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमतो शिल बन्ती पत्नी कुन्दन लाल ग्ररोड़ा, निवामी 3/58, रुप नगर, दिल्ली।
 - (श्रन्तरक)
- श्रीमती किरन निगल पत्नी श्री सीताराम निगल, निवासी 23-डी, कमला नगर, दिल्ली। (प्रान्तरिती)

स्त्री यह स्थाना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में केंद्र भी आक्षेप क्ष--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से • 45 दिन की अवधि पत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ के सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति नाराः
- (क) इस स्माना के राजपथ मा प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर सकत स्थायन मध्यति भी जिल्लाबदध किसी स्था व्यक्ति द्यारा उत्तीतृत्वाकारी के पाय लिखित में किए जा सकेगें।

वनस्यो

बनी हुई प्रोपर्टी, प्लाट[े]नं० 58, ब्लाक∫ 3, रुप नगर, दिल्ली, नादादी 216.8 वर्ग[गज।

> केऽ वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, नईदिल्ली

दिनाँक 21-8-1985 **मोहर** : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के नभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांत 21 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० प्राई० ए० मीं०/एक्यू०/2/एस० ध्रार०-1 1-85/795----श्रत मझे, के० वासुदेवन,

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (विसर्वे इक्सरें इसकें परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-क के अभीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० प्लाट नं० 5, ब्लाक एन० है तथा जो खगरा नं० 86 88, 89 92 में 96, 98 में 107, सत्यावती कालोनीं, दिल्लीं में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के वार्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार मून्य से कम के अस्वकात वित्रकल के निए अंतरित की नहीं है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त लक्ष्मित का उचित काजार मून्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्वमान प्रतिफल का पन्छह् भित्रकात ने अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए सब नावा नवा वास्तर्भन, निम्नसिवित उच्चोकों से अन्त अन्तरण जिन्तित में वास्तर्भन स्वाप्त में किया नहीं किया क्या है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाध का बाक्स, जन्त अभिनिसम के लभीन कर पनि के जन्तरक के शाबित्य में कभी करन क जनमें बचने में सर्गनभा है। अन्तर के क्या कमी करने क
- (क) एरेसे किसी जार रा किसी धन या गत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया काना पाड़िए था, कियाओं में सनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अपीनः, निम्हलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 15—266GI/85 6. श्री वलवन्त कुमार सुपुत श्री मनोहर लात, निवामी--5, ब्लाइ 'एन०', सत्यावती कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रींमती रितु जन पत्नीं श्री रिविन्द्र कुमार जैन, निवासीं→ि डीं- 3, राक्षा प्रताप बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तिरतीं)

का यह सूचना चारी कारके प्रविक्त सम्पत्ति के अभिन के लिए कार्यवाही सूक कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संख्य में ,कोर्ट भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ भर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हिंद- वद्या किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाल लिखत में किए जा सकरी।

स्थळकिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्तः कींशीनयम को अध्याय 20-क में परिशाधिश है. बही अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया गणा ३

अनुस्ची

बना हुन्ना घर, प्लाट नं० 5, सादादीं, 15ड वर्ग गज, इलाक 'एन० ', खरारा नं० 86, 88, 89, 92 से 96 98 से 107, सल्यावतीं कालोनीं, दिल्लीं।

> के० वासुदेवन पक्षम श्रधिवारी सहायक श्रायुवय श्रायक्त (निरीक्षण,) श्रजेंन रेंज--2 दिल्लीं, नई दिल्लीं--110002

नारींख '21→8−1985

प्रसम्ब कार्ड, टी. एन. एक.-----

मायकर मिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्क)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांक 21 म्रगस्त 1985

निदेश सं॰ श्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/2/एस॰ श्रार॰-1, 1-85,796---म्रत: मुझे, के॰ वासुदेवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 443) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), असं भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी मं० बेसिंग नं० ए-11,3, है तथा जो राना प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रींकरण ग्रिधिनियम, 1968 (1908 जा 16) के ग्रिधीन, नारींख जनवरी 1985

करे पूर्वोक्त सम्मत्ति के अजित नाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विक्यान करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अजित नाजार कृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिकत से निश्क है और अंतरिक (जंतरिकों) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच देने अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कर से किथत महीं किया गया है है—

- (क) वंतरण ते हुई किती जाय की वावता, उक्त अधिनियम के अधान भार दोने के अन्तरक के दावित्य में कामी कारने या जबसे अधान में कृषिधा के लिए; जीर/वा
- (च) ऐसी किसी प्राय वा किसी भन वा अन्त नास्तिबी को विन्हों भारतीय नायकार निभिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ जन्तिहरी प्राप्त प्राप्त नहीं किया प्राप्त प्राप्त में कृषिभा व्या भा वा किया पाना पाहिस् ना, कियाने में कृषिभा वे विश्व:

बतः ज्ञाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्निस्मित व्यक्तियों, अर्थात् :- - श्री देण राज सुपुत्र एल० इशार दास, निवासी--ए०-11,3, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमतीं कमला देवीं पत्नी श्री कपूर चन्द, निवासीं-बीं०-65, सी० सीं० कालोनी, विपरींत राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारो करके पूर्वोक्त सच्यतिह को वर्चन के निस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:---

- (क) इस त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की धारीय सं 45 दिन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस त्यना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- जिसी सम्य स्थित द्वारा अधेहत्ताक्षरी से पास निवास में किए या सकेंगे।

स्वक्तिकरणः — इसमें प्रवृक्त बन्दों बीर पर्दों का, वो अक्त ब्रीधिनियंत्र, के क्ष्याय 20 क में परिभाणित है वहीं पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिवा गया है ।

जन्सूची

सिंगल स्टोरी बियरिंग नं० ए० -11_13 , राना प्रताप बाग, दिल्ली, तादादी--276.31 वर्ग गज।

के० <mark>वासुदेवन</mark> सक्षम ग्रिधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारींख 21-8-1985

मक्त बार्ड, टी. एन. एक. - - - ----

नायकर निर्धानवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जो वर्षीय स्वका

महार करकार

कार्यालय, सहायक बावकर वायकत (निरीक्षण)
शर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 21 श्रमस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी । एक्यू ० | 2 | एम० आर०-1 | 1-85 | 797--अतः मझे, के० चामुदेवन,

मायकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंजाद 'अक्त अधिनियम' महा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकप्रदी को, मह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बद्धि, धिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० प्लाष्ट नं० 15 है तथा जो ब्लाक्ष नं० डीं०-5, माडल टाउन, दिल्लीं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूचीं में और पूर्ण क्य से घणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ती ग्रधिकारी के वार्यालय, नई दिल्लीं में भारतीय रजिस्ट्री-परण श्रधिनियम, 190के (1908 का 16) के श्रधीन, तारींख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के अभित नाजार नृत्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिहत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उव्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संशुद्ध किसी काम को नावत, उक्त अधिनियम के क्षीन कर देने के अन्तरक के दायिल में कमी करूने वा उससे वचने में सुविधा के जिए और/धा
- (च) एसी किसी आज या किसी भन मा जम्म जातिस्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया जवा भा या किया जाना चाहिए भा कियाने में स्विधा के निह;

बतः जव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण के बनुतरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6. श्रीं नामदेव राव साघरमर, पुत्र श्री सींताराम साघरकर, निषासी——डीं—5,15, माडल टाउन, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० गरबन्त सिंह पुत्न एस० रनजीत सिंह, (2) श्रीमती हर बिन्दर काँ पत्नी एस० कुलबन्त सिंह (3) श्रीमती श्रमण्जीत कौर पत्नी एस० रिवन्द्रा सिंह, (4) श्रीमती गरदीप कौर पत्नी श्री एस० मन मोहन सिंह, निवासी—एफ०-23/6, वृष्ण नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरितीं)

को महस्**चना जारी करके प्**रविक्त संपक्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहिक सूक करता हुं।

उनक सम्पृतिक के अर्थान के संबंध में कोवा भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्प्रिक्तयों एर
 सूचना कौ सामील से 30 दिन की बनिध, जां भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त
 काकितयों में से किसी स्पन्ति स्वाध;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 किन के भीकर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिला-क्ष्मुण किसी अन्य सम्पन्ति ब्यास व्यास व्यास स्वाक्ति के पाक लिखित में कियु वा बकों ने ∤

स्थव्यक्तिरण ---इतमें प्रमृत्त शब्दों और वदों का, वां उच्य वर्षधीनवन से नेष्णाच 20-क में परिश्वनिवद हैं, वहीं नथे होगा, वां उस नध्याय में दिव्या वक्त हैं।

कार्यो

प्लाट नं० 15, ब्लाक डीं-5, ताषादीं---282 वर्ग गज माडल टाउन, विस्सी।

> के० वासुदेवन मक्षम ग्रधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, विस्लीं, नई विस्लीं—110002

तारींख' 21-8-1985

मोहर

प्ररूप भार्ष. बी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वान

भारत सरकार

अर्थालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्वीकण)

ग्रर्जन रज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई० ए० सीमैं/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 1-85/798--ग्रत मझे, के० वासुदेवन,

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्श अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2469 के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 6बी/12 है तथा जो पंजाबी बाग, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबंध भ्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रींकरण कारी के व्ययंलिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रींकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधींन, तारींख जनवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) कि बौच एंशे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्कृतिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण संदुर्क किसी आज की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बंचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (व) इसी किसी आब का किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाब-कार अधिनियम, 10 (1922 का 11) या उत्तर जिभिनियम, या धनकर जीधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिष्ट;

कतः जब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भों, मों. उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुभाष चन्दर कथूरिया,
 (2) श्री रमेश चन्दर कथूरिया,
 (3) श्री चिनोद कुमार कथूरिया,
 पुत स्व० श्री राम चन्द कथूरिया,
 निचासी-श्रए०-47, कीर्ति नगर,
 नई दिल्लीं।

(ग्रन्तरक)

2 मैं ॰ भ्ररींजोमा इन्ध्य प्राइजेस (प्रा॰) लि॰, सीं-312, डिफेस कालोनीं, नई दिल्ली द्वारा इट्स डायरेक्टर।

(भ्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में टिंकिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकत में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त निधिनियम, को बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में विया गया है।

नम्सूची

प्रो० नं० 6-बी०, /12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादीं-- 104870 वर्ग गज एरिया ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली।

कें० वासुदेवन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकः श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारींख : 21-3-19**8**5 मोहर .

त्रक्ष बाइं.डी.एन.एन,------

भागकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीत सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक मायकार मायुक्त (निहासिक)

श्चर्णन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 21 ग्रगस्त 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्चार०-1/ 1-85/799--श्चतः मुझे, कें० वासुदेवन,

आयक २ अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अक परवाल जिस्त अधिनियम कहा गया है), भी भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विजयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 5/4वी, है तथा जो प्लाट र्न ० 4-बी, ब्लाक नं० 5, रूप नगर, दिल्ली में स्थित हैं (धौर इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरी प्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1985

को पूर्वेक्सि सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिल में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (अ) अन्तरण में हुई किसी गय की नागत, उपर अधिनियम के सभीन कह बोने के जनतरक की धारित्य में अभी कारते वा उत्तरसे वपने में सुविधाः के लिए और /बः
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती श्रनसूया बाई वागले
 पत्नी श्री ज्ञान चन्द,
 निवासी 5/4 बी०, क्ष्प नगर, दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री विजय कुमार पुत्र श्री बनारसी दास, निवासी——17/35, शक्ति नगर, दिल्ली, (2) श्रीमती राजपुरी पत्नी के० के० पुरी, निवासी——7/26, रूप नगर, दिल्ली, श्रान बिहाफ में० नेरी गंगा एसोसियेट्स हैविंग इट्स रिजिस्टर्ड ग्राफिस 17/35, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करक प्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकीं में।

स्पथ्यीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषितः है, बहु वर्ष द्रोगा जो कथ्याय में दिया. गवा है।

जन्सूची

मिंगल स्टोरी प्रो॰ नं॰ 5/4-बी॰, प्लाट नं॰ 4-बी०, ब्लाक-5, तादादी--167366 वर्ग गज, रूप नगर, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 21—8—1985

माहर :

बत: क्ष्म, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, जी जक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीज, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— प्रारूप आइ°.टी.एन.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 21 श्रगस्त 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/1-85/800--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/55, है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इनह उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एमें रूप्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्त को और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिकल रूप से किएत नहीं भिग्ना गया है

- (क) बंतरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी जन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ। भा भा किया जाना चाहिए था, खिपाने के सुविध। ते निका

6. श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी श्री श्रमरजीत सिंह, निवासी—-7/55, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराधा भ 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

ाष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उब्हर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्थ हैं।

अनुसूची

सरकारी क्वार्टर र्ने० 7/55, तादादी—100 वर्ग गज, रमेश नगर, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-8-1985

बोहर 🖫

अते: शंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थातु:— प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. 🖭 - 🕶

भायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 21 ग्रगस्त 1985
निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/
1-85/802--श्रतः मुझे, के० वासुदेवमन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 134, खसरा नं० 2328 हैं जो मानसरोवर गार्डन, ब्लाक—सी, बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थिन है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिधात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिकित उद्विषय से अक्त अंतरण लिबित में बास्तविक क्य

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन टा बन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा चे सिए।

1. श्री एच० एम० गुलाटी मृपुत्त श्री हाउना राम, निवासी—एफ०-146, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रो० पी० भसीन, सुपुत्र श्री ए० श्रार० भसीन, निवासी—भी/1/1, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 विन भी अंतिय है. मा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदां का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रं, वहीं अर्थ हारिए जो एम अध्यास में दिया गया है।

जन्सूची

प्लाट नं० 134, तादादी—200 वर्ग गण, खसरा नं० 2328, मानसरोवर गाडन, ब्लाक-5सी०, बसई दारापुर, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीखा: 21-8-85

मोहर 🥫

प्रकल कार्षं . टी . एवं . गुस . -----

जासकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) **का धारा** 269-**प** (1) **के जभीन स्**णना

भारत सरकार

कार्णासय, सहायक भायवार नायकत (निरोक्सका) ग्राजन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 ग्रागस्त 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 1-85/804~-श्रतः मुझे, के० वामुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाए 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार बूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 22, रोड़ नं 7, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अल्लिरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त संवीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास सं, एसे क्यायमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच होसे बस्तरम के विश् सथ पाना नवा प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाज की गायक, उक्क अहुँधनियस के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायिस्य में कमी अधने वा उससे समने में सुविधा के सिद्ध; शरि/सा
- भ) एकी किसी बाब वा किसी पन वा बम्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस,, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्व अल्डिक्सी क्षारा प्रकट यही किस गवा था या किया बाला क्रीक्स था, किल्डों क्षार प्रविका के निष्ट:

 श्री एस० फरतार सिंह पुत्र श्री एस० निमल सिंह, निवासी—- 7/22, पजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री सुन्दर लाल, भीम सेन ग्रीर शिव कुमार, पुत्र स्व० श्री ताले राम श्रग्रवाल, निवासी—वो०-2/95, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

्यां सह स्थाना चारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कर्मगाहियां अपका हूं।

जनव सम्मरित के बर्जन के सम्मरम में नाम भी नामांग्रन

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन की जनति वा तस्त्रस्थानी स्वित्तर्थों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनति , जो भी अविश्व को समाप्त होती हो, के भीतर स्वांत्त्व स्वित्यां में से किसी स्वत्यत्व व्याराः
- (क) इस स्थान के राज्यम के प्रकार की सारीय के 45 दिन के भोशर जनत स्थान्य सम्परित के दिस्तवहुम् किसी जन्म ज्यानित ह्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिचित के किस वा उन्हेंगे :

स्वतीकरमः -- इतनो प्रवृत्तत् कर्मा वृद्धि एवं मानः क्षे क्या वृद्धिवृत्त्वत् से ब्यान् 20-क में वृद्धिविद्ध ही, बहु वर्ष होगा को उस क्ष्माम में दिवा क्या ही।

अनुसूची

प्रो० का भ्रमला हिस्सा, बना हुम्रा प्लाट नं० 22, रोड़ नं० 7, तादादी—-180.89 वर्ग गज (हाफुद टोटल एरिया 361.78 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की संपणादा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिस्यों, संधीत :---

तारीख: 21-8-1985

प्रकल् बार्षः को : दणः वृक्षः,------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्था।

नारव दरकार

कार्यांस्य, तहाबक आक्कर बाध्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 21 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्वीं०/2/एस० आर० $\rightarrow 1$ 1-85/805—अन: मुझे, के० वासुदेखन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ओ नं ए०-2/3 है तथा जो राना प्रताप बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जमवरी, 1985

को प्वेंक्ति सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफास के लिए बन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल के पन्छत् प्रतिकात स अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरक के निए। तब प्रया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेंब्य से उचल बन्तरक सिचित में बास्तविक कम से क्षित वहीं किया वया है :—

- (क) बन्तरण संहुई किती बाब की श्रावत, अवस्य अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कनी करने वा उत्तरे वचने में स्विधा के बिहा; बौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भार-कर अधिनियम, या भार-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था, क्रियाने में सविधा के किया;

श्रीमती निकी देवी
 पत्नी स्व० श्री रामा मन्द डी०/ग्रो०,
 स्व० श्री जंगराम राम दास,
 निवासी—-ए०-2/3, राना प्रताप बाग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र गुप्ता,

सुपुत्र श्री सत प्रकाश गुप्ता,

निवासी—-ए०-1, सी० सी० कालोनी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन को कि कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थितसर्थों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया पता है।

अन्स्ची

प्रो॰ नं॰ ए॰-2/3, तादादी--470 वर्ग गज, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1100021

तारीख: 21-8-1985

प्रका बार्स : द्वी . क्व . एव , -------

आप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) से अधीन स्वा

भारत करका

कार्वातवः बहावक वावकार वावकः (पिरीकन) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/ए स्वी०/2/एस० आर०1/
1/85/86—अत: मुक्षें, के० वासुदेवम,
बायकर अधिनयम 106! (1061 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-श के अधीन सक्तम प्रतिभकारी की यह विस्थास करमें के
कारन हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार क्ल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
छोर जिसकी सं० 64 बी०, है तथा जो रमेण नगर, नई
विस्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मई दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

की प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मूक्त से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंसरित की गई है और मूम्में यह विश्वात करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूक्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से एमें एक्यमान प्रतिफल का प्रतिफल तो तिस्ति और बंतरिती (अन्तरितिकों) के दीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पामा वचा प्रतिफल, निम्निनिवित उद्वोध से उच्छ बन्तरण कि जिल्ह के किया प्रतिकार की किया प्रतिकार के किया का से स्ट्री

- (क) वंतरण से हुई जिसी बाव की वाबता, उनक करिय-गिवम के नभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व के कमी करने या उत्तसे बचने के सुनिधा के निरु; वरि∕था
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्त आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 102% (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंतरिती इंबारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, क्यांत हन्न

- श्री चमन लाल, निवासी 34/6, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, जनरल अटारनी श्री हरनाम सिंह। (अन्तरक)
- श्रीमती निर्मल कालिया, अलाईज राधा राना, निवासी 64 बी, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु बुक्ता बाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्कन के निए कार्यकर्पालयों करता हो।

उक्त भव्यदित के अर्जन के मन्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्थान को राज्यत में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में के किसी स्वित द्यारा;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकास के किस्य वा सकेंचे।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, को उक्त विभिन्नियम के बभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस बभ्याय में दिवा नवा है।

बनुसूची

प्रो॰ नं॰ 64 बी॰, रमेश नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-8-1985

प्रक्य बाहें. दी. एवं. एवं. -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-व (1) के बचीन बुचना

भारत सरकार

क्षावसिय, सहायक बायकर बायुक्त (निहासिक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1 1-85/813--अत: मुझे, के० वासुदेवम,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके प्रथाल 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सजान प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृत्य

1,00,∪00 /∼ रुः. से अधिक **ह**ै श्रीर जिसकी सं० हाउस नं० डब्ल्यू० जेड--61 है तथा जो ब्लाट नं० 205, राजा गार्डन, एरिया बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफंश के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके द्वथमान प्रतिकल से, एसे ध्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दूबस्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में बारशिविक रूप से की भूत नहीं किया बवा है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विश्वम के ब्रूपीन कर दोने के बस्तरक के दावित्य में कभी करने वा उच्चे बच्चे में सुनिधा के लिए; बीर/वा
- (कां) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अधोजनार्व अन्तरिती व्याग्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा से निए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) तै अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री माखन सिंह पुक्त श्री अमर सिंह निवासी—जी०-12 विष्नु गाईम नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मूर्ति कपूर पत्नी स्व० श्रो राम चन्द कपूर, निवासी—सी०-33/31 स्रोल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीब से 30 दिन की वविध, को भी वविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वाह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात चिकित में किए वा सकोंने।

स्वकाकरण ६—इसमें प्रयुक्त कर्यों और वर्षों का, को उसक विश्वतिकत्र के कथाय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या भया हैं।

नन्स्यी

हाउस नं० डब्ल्यू० जेड० 61, प्लाटनं० 205, तादादी 93 वर्ग गज, राजा गार्डन एरिया ग्राम बसई धारापुर, नई दिल्ली।

कें वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-8-1985

मीहर:

त्रक्त नार्द् . टी . एव . एव . -----

बावकार विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के वधीन क्वना

भारत तरकार

काश्रीसय, संक्रयक नामकर जायुक्त (निरक्तिण) अर्जन रोंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सीo/एक्यूo/2/एस० आर०-1/1-85/814—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

सायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात 'उन्दर्ध मिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से संधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, पहली मंजिल, एच०-3/12 है तथा जो माडल टाउम, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

की प्रवंक्ति सम्मिरित के उचित बाजार मृन्य सं कम क दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि सभाप्जींक्त सम्मिरित का उचित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयंगान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात सं अभिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्योगम से उक्त अंतरण विचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद्रं किसी आम की बावत, उक्त समितियम के बभीन कार दोने के जन्मप्रक के दामित्य में कमी कपने या उसमें स्थान में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धन था अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त किशिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्तीरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था विश्व जाना वर्ष हुए था, दिल्ला से सुविका के विवद:

भतः अस, समत निभिन्न की भारा 269-न की सन्तरम में, में, उक्त निभिन्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिक्त मन्तिमों, समादि :---

- 1. (1) श्री श्रोम प्रकाश भसीन,
 - (2) श्री तिलक राज भसीम ग्रीर
 - (3) श्री जगवीश लाल भसीन, निवासी-—सी०-1/3-डी०-3, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अन्साही ला ढीगरा, निवासी—एच०-3/12, माडल ृटाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारा करके प्रामत सम्पत्ति के अजन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

तकत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वस्थि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-अव्य किसी जन्य स्थाक्त ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के यास लिचित में किए जा सकांगे।

स्वक्ष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, भो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

वरवर्ष

ग्रोसन मार्किट नं० 5, पहली मंजिल, एच०-3/12, माडल टाउन, दिल्ली, तादादी--39.465 वर्ग मीटर।

> के॰ वासुदेवम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-8-1985

मोहरः

इक्स बाह्र", टी. एन. एस.------

ल्प्यकर वॉभनिवर्स, 1967 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वभीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनौंक 21 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/ए स० म्रार०-1/ 1-85/815—म्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर निर्भानयम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके परचात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-य के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का काइल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 170 है तथा जो ब्लाक-सी, मानसरोवर गार्डन, एरिया बमई दारापुर, नई दिल्ली में, स्थिन है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1909 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वीभत सम्पत्ति के जिसत बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—-

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (प) एसी किसी भाष या किसी भन वा बन्ध शास्तिबाँ को, बिन्हुं भग्रतीय भाष-कर अधिनियम, १९२२ (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रां थव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की विक:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री हरबन्ध लाल, सुपुत श्री धिव दयाल, निवासी——बी०—41/2, रमेध नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

- (1) श्री पथन कुमार पुत्र श्री राम नारायन ग्रौर
 (2) श्री राम नारायन पुत्र श्री बहादुर चन्द, निवासी—1233, सदर बाजार,
 थाना रोड, दिल्ली—6!
 - (3) श्री सतीश कुमार,
 - (4) श्री राज कुमार पुत्र श्री राम नारायन, निवासी—1217, सदर थाना रोड़, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन हो लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि योद में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय गं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में डितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्या हैं।

अनुसुची

प्लाट नं ० 170, ब्लाक-सी, तादादी-376 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, नई दिल्ली। के ० वासुदेवन सक्षम ग्रिधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-8-1985

नोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 21 ग्रगस्त 1985
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/
1-85/815-ए०--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रौर जिसकी सं० 4852, वार्ड नं० 11, हैं तथा जो
हरबन्या सिंह स्ट्रीट, 24, दिरया गंज, नई दिल्ली में स्थित

ग्रौर जिसकी सं० 4852, बार्ड नं० 11, है तथा जी हरबन्श सिंह स्ट्रीट, 24, दिरया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती विद्या वती
 पत्नी श्री गोपी नाथ,
 4858-ए०, 24, दरिया गंज,
 दिल्ली।

(धन्तरक)

 श्री सूरज भान, सुपुत्र श्री प्रभु दयाल, निवासी—57—डी०, दया नन्द्र मार्ग, वरिया गंज, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 4852/24, वार्ड नं० 11, हरबन्ण सिंह गली, दिरया गंज, दिल्ली।

के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2 विल्ली, नई दिल्ली–110002

सारीख: 21-8-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थान

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 21 श्रगस्त 1985

तिर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1/1-85/551---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० प्ला नं० 103 है तथा जो प्ला नं० 3, ब्लाक 'एच०' ग्रगोक विहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख जनधरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय । बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म बास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-**ग के अनुसरण** टें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग <mark>की उपधारा (1)</mark> के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. मैं० एक्सप्रेस प्रोपटींज प्रा० लि०, बी०-177, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मैं० जहालानी होल्डिंगस प्रा० लि०, 106, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्याः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्ची

प्लाट नं∘ 103, प्लाट नं∘ 3, ब्लाक 'एच०', श्रशोक विहार, दिल्ली, तादादी—~

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप वार्ष .टी .एन .एस . -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयकत (निरीक्षण) प्रार्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/37—ईई०/1-85/552—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं ज्लाट नं 201, है तथा जो 3, ब्लाक 'एचं अमें मिल विहार, दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिलिंगों के कार्यालय, म्रजन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय मायकर मिलिंगें मिलिंगें, 1961 के मधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित को गई है और मूशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्लारण निवित में गस्तिक स्थ में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

वतः जव, अन्त गीभीनयमं की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिसिख व्यक्तियों, वर्धाष्ट्र क्ष्म- मैं० एक्सप्रेंस प्रोपर्टीज प्रा० लि०, बी०-177, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मिस्टर तासीर उसरानी, 7627, पी० दरोगा स्ट्रीट, कुरेण नगर, सदर बाजार, बिस्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **वो उक्त** सिधिनयम, के अध्यास 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुस्ची

प्लाट नं० 201, प्लाट नं० 3, ब्लाक 'एच०', श्रमोक विहार, दिल्ली, नादादी—350 वर्ग फिट।

> कें० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, निई दिल्ली~110002

तारीख: 16-8-1985

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार ं

कार्यास्यः, भहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिवां ? 16 अगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं ाएस्यू०/2/37-ईई/1-85/ 553—⊸श्रतः मुझे, के०वासदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 ∕- रुट. से अधिक हैं

औय जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, है तथा जो प्लाट नं० 3, ब्लाइ 'एच७', श्रणोड चिहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्द्रीकर्ता अधिशारी के कार्यालय, अर्जन रेंड.-2, दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रंभिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख जनवरीं 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रसिफल को लिए अन्तिरत की गई है . विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मीर अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित लहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत. अब, उचन अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मो, मो, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अभीर भामनितिक स्व**वित्तयों, वर्षात् :---**17-266 GI 85

ಹಾಯವಾದ, ಗರ್ಜನ್ನಲ್ಲಿ ಕರ್ನಲ್ಲಿ ಸರ್ಚಾಗಳು ಪ प्रकृष आर्र्ः ती. एन . एवं . ----- 6. मैं० एक्सपेग प्रांगर्टीज प्रा० लि०, र्बा॰-177, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रश्तरुः)

2 श्रीमती गोभना गय. निवासीं---एक्स-18, ग्रीन पार्क, ाई दिल्ली।

(श्रन्तरितीं)

को यह स्जना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितदबुध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ्है, वही अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लौट नं० 202, प्लाट नं० 3,ब्लाक 'एच०' अणीक विहार, दिल्लीं, तादादीं -- 340 वर्ग फिट।

> के० वास्वेवन सक्षम प्राधिः।री सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 16-8-1985

मोहर 🔻

प्ररूप बाइं. टी. एत. एस.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अती धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राकी: रेंज-7, ाई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 16 अगस्त, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एश्यू०/2/37-ईई, 1-85/554---ग्रत: मुझे, के० वास्देशन,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह किस्बाम करने का कारण है कि स्थानन संगति, जिसका उच्छित आज्ञार माल्य 100,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, बिल्डिंग तथा जो प्लाट नं० 3, ब्लाइ एचि०' प्रश्नोक विहार, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण हप में बणित हैं), रिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के वार्यालय, श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली, भारतीय श्राय-6र ग्रिधिनयम-1961 के श्रिधीन, तारीख जनवरीं 1985

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पारत का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण रण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियों करें, जिल्हों भररूपिए बाग्र-कर अधिरिष्यस, १०९२ (1022 को ११) यो उकते अधितियस, या धन-कर अधितियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकर नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने गरें स्थित की किया

बतः नव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) यो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधार्त (अन्तरक)

 मिस्टर प्रशोक अग्रवाल, निवासी——बी०- 7/107, एक्सटेंशन, सफदरजंग इन्थलैंब, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो पस अध्याय हैं दिया गया हैं!

ग्रन्युची

पलैट नं० 204, ब्रिल्डिंग प्लाट नं० 3, ब्लाक 'एख०', श्रशोक विष्टाय, निल्लीं, नाक्षादीं—155 वर्ग फिट।

के० घासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायक्त (निर्मीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-- 7, नई दिल्ली

नई दिल्ती, दिनां 16 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० मीं०/एक्यू०/2/37-ईई०/1-85/ 555--- ग्रत: मुझे, कें ० पासुदेयन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं० फ्लैट नं० 203, बिल्डिंग तथा जो प्लाट नं अ, बना : 'एच०', श्रमाक विहार, दिल्ली में स्थित है (और एउन उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ां ्ट्री ति श्रधियारी के वायलिय, अर्जन रोंज-2, नई दिल्लीं, भारतीय श्रायत्र श्रिधित्यम. 1961-के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्म से कम के अध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वास्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कभी करने या उससे मचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियो की जिन्हें भारतीय जायकर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चनहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

अतः अवः, अक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुवारक को, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ने मधीन, निम्नसिवित स्पवित्रमें, नर्भात् :---

6 मैं एक्सप्रेश प्रापर्टीज प्रा० लिं०, बीं०-177, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मोहम्मद खुर्णीद, 5660, सदर बाजार, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

की यह त्वना कारी करक प्रोक्त मध्यतित के अर्जन के सिर कार्यवाहियां करता हो।

उनत तम्परित के वर्णन के संबंध में महोद्दें भी आक्षेप :-

- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 15 विन की अवधिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर हुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ·/विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस स 45 विन के भीतर उपन स्थावन संगरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्का।

स्पच्छीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो उक्त **विभा**नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 📢, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया मवा हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 203, बिल्डिंग प्लाट न० 3, ब्लाक 'एच०', श्रशोक विहार, दिल्लीं, नादादीं----445 वर्ग फिट।

> कें वासूदेवन ्क्षम श्रधिदारी महायक श्रायक्त शायकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 16--8 1985

मोहर 🌢

प्ररूप आहूर.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जरें-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 16 श्रगस्त 1985

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 101, बिल्डिंग, है तथा जो प्लाट नं० 3, ब्लाक 'एच०', श्रमोक बिहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद्ध प्रनसूची में ओर पूर्ण रूप से बणित है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के बायित्य, ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायशर श्रिधित्यम-1961 के श्रधीन, तारीख जनवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्बन्धिक रूप से विधित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण स हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आंध या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

अतः अंध, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— मै० एक्सप्रेस प्रोपर्टीज प्रा० लि0, बी०-177, ग्रेटर कैलाण, दिल्ली-48।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती मोधना राच पत्नीं
 श्री जे० एम० राज,
 निवासीं—-एक्स०--6, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
 नई दिल्लीं—16।

(म्रन्तिनीं)

को यह सूचना जारी करकं पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, बिल्डिंग प्लाट नं० 3, ब्लाक 'एच०' ग्रणोक विहार, दिल्लीं—34, तादादीं—-350 वर्ग फिट।

> कें० वासुदेवन गक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1985 मोहर •

प्रकृत आई. टी. एन . एस . -----

नायकर निभिन्न, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य(1) के स्थीन स्थया

भारत तरकार

आयांतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 16 श्रगम्न 1985

निदेश मं० प्राई० ए० सीं०/एक्यू०/2/37—ईई०1-85/57—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिलत बाबार मुख्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ७ फ्लंट नं ० 102. प्लाट नं ० 3, है तथा जो लोकल शापिंग सेटर, ब्लाक 'एच०', ग्रशोक विहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजर्म्द्राकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम-1961 के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पृथेक्ति सम्पत्ति <mark>को उचित बाबार मृल्य से</mark> कम को इञ्यमण प्रतिकास को लिए अन्तरित की गर्द

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके इष्यमान प्रति-कल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसिस उद्बोध्य से उक्त अंतरण निष्कित में वास्तिक रूप से कथित नहीं दिख्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी भाग की बाबत, अक्त मिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एमिं किसी आय ये किसी पन या अन्य असिन्यों को जिन्हों शारतीय नायकर अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धार कर अधिनियम, या धार कर अधिनियम, या धार कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया पाना वाहिए भा, क्याने में नुनिधा, के लिए:

लतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, को, उक्त प्रीधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित स्पीक्तसों, अधीत् स--- मै० एक्सप्रेस प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, बी०-177, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतो श्राधा जैन सी०/श्रो० श्री के० सी० जैन, निवासी——श्री०—14, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

कार्य बहु बुचन। आर्था करके पृथीक्तः सम्मस्ति औ वर्षाव के सिए कार्यवाहिमा कारतः मा

उन्नत सम्बन्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .~-

- (क) इस सूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सनीम या तत्सक्तन्थी व्यक्तियों पर सूजना की तामीस से 30 दिन की सनीभ, जो भी जनभि नास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त स्थानितयों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीरार उक्त न्यावर संपत्ति में दित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिएकत क किए जा सकीय ।

स्वयां करण :--- ब्रुक्त में प्रयुक्त कर्जों बहुर वर्ग का, को क्यक् व्यक्तिवस के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिका गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 107, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, लोकल शापिंग मेंटर, ब्लाक 'एच०', श्रशोक विहार, दिल्ली, तादावी---340 वर्ग फिट।

> कें० वामुदेवन मक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 16-8-19**8**5

अरूप बार्ड हो। एवं, ध्वः, वरवातन

नामधार जीवीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के जभीत सुचना

नार्व बहुकार

कार्थासय, सहायक सायकर जागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्बी०/2/37-ईई०/1-85/ 558-प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्त इसमें इसके पहचाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, कह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर अभित, जिल्ला जोला वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी संव फ्लैंट तव 104, है तथा जो प्लाट नव 3 बलाक 'एनव', ग्रामोक विहार, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्राजीन रेंज-2, नई विल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम-1961, के ग्राधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्जीयत सम्पति के उजिल बाजार मूल्य से कम के सम्मान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जीक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उबत अंतरण लिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुर्द विक्षी माय की शक्क, उनस् विभिन्नियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के शरियत्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में स्वीवधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या फिसी भन या बच्य बास्टियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्ता राधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाडिए था छिनाने में सुनिया के सिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरक मो, मो, उदल शिशिनियम भी जारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः:— 6. मैं० एक्सप्रेस प्रोनर्टीज (प्रा०) लि०, बी०-177, ग्रेटर कैलाश-1, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री मनजीत सिकन्द, निवासी—सी०-103, विकास पुरी, नई दिल्ली।

(श्रन्सरिती)

का यह भूजना ज्याने कारक प्रकारक सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सस्पत्ति है उर्जर के सब्बंध में कां**ड्र भी बाध्येप** ह-----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षेत्रस्थ व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उवत स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में विद्यु की मुकाँ ।

स्पर्कतिकरणः — इसमें प्रथ्वत शब्दां और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही पर्थ होना, जो उस अध्याय में किया नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, प्लाट नं० 3ब्लाक 'एच**०', प्रशोक विहार,** दिल्लाउ, तादादी---155 बर्ग फिट।

> कें० वासुदेवन सक्षम ग्रिष्ठिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-8-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्थान

धारत सरकार

कार्याजय , महायक अप्याक्त माय्यक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रोज- १ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 16 ग्रगस्त 1985

कायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रकात (उनत जीभिनियम) कक्षा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका जीवत बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस नं०बी०-4, है तथा जो प्लाट नं० 2, शाहजादा बाग, दिल्ली-35 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम-1961 के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मिंस के उपित बाजार मृज्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को अए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित ग्रें वास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत जबत अधि नियम के अधीत कार दोने के अन्तरक के शाधित्व के कमी करने का उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय अध-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिपत्री इवारा एकट नहीं किया गया था या निव्धा जाना चारिए धा लिएए के ब्रिटिंग के सिएए

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अल्परण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० ग्रलाईड १ स्प्टूक्शन कंपनी, जी०-5/92, दिराली, नेहरू प्लेप, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती लीला कानल, निवासी—990, सिविष्य लाईन्स, झामी (उत्तर प्रदेश)।

(अन्तरिती)

की बहु सुबना कर। करक कुलवर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोर्द भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों पें है किसी उपिकत स्थारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दित के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के गाम प्रशंतित का का का एका म

स्पष्टिकरणः — इत्तर्मे प्रथास्त जन्दी और पदों का, को उक्त नांभिता, के बध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया का ही।

فهماده

बेगमेंट स्पेस नं० बी०-4, नादादी-275 वर्ग फिट, श्रलाईड हाउस, प्लाट नं० 2, फ्लेटिड फैक्टरीज, विपरीत शाहजादा बाग, दिल्ली-35।

> कें० वासुदेवन नक्षम स्रिधि हारी महासक स्रासका शायका (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 किल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 16-8-1985

वाह्य :

श्रूप बादें भी श्रुप्त **एस**्ननगरमञ्जूष

*बा*धकर अधिनियम, 1.961 (1.961 का 4.3**) क**ी धारा 269-थ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक दायकर त्रायुक्त (नि**रीक्स**) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्वी०/2/37-ईई०/1-85/ 560--श्रतः मुझे, के० वासुदेवमन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतने इसको पश्चात् 'उक्स अविश्वनियम' कहा गया हैं), की 269-च के नथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जितका उपित याजार मन्स्य 1,00,000 ∕- रुट. से **विभक्त ह**ैं

भ्रौर जिसकी सं० एफ०-229, है तथा जो बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर म्रिधिनियम-1961 के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पर्वेक्स सम्परित के अचित बाजार मृत्य से कम के उत्यक्तान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह दिक्षास करने का कारण है कि बभापूर्वोक्त सम्वत्ति का उपनस बाजार श्रुत्था, उसके दृष्ययान प्रतिकत से एते दृष्यमन प्रतिक्रम का क्लाइ प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंकरीकती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया व्रतिफाल निमालिकित उक्दोक्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जस्तरण संहार्य किसी अन्य की ५३४४, उथका मिमियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की वाबित्व को लभी कारने या अससे वचने में सुविधा के विष्; अर्देश/वा
- (बा) एसी किसी अप या किसी थन या अन्य आस्तियो को जिल्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, १७२२ (1922 का 11) मा उत्तन अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनाथ अम्मरिती दुशारा प्रकट (क्षा १५०) नमा भाषाकिया भाग साहिए या, छिपाने में सुधिका के सिए;

6. मै० आईना प्रेसर्टीज (प्रा०) लि०, श्रादिनाथ गरी हाउस, सामने सूपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार सचदेवा, म्पुत्र श्री सुन्दर दास सचदेवा, एफ०-40, कीरती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कारका ह्या हा सह

जनता सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस क्याना के राज्यका में प्रकावन की तारीचा से 4.5 दिन करिजनिय का सल्लंबंधी व्यक्तियों पर त्चना को तानील से 30 दिन की नगिम, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यवितयों में से किसी स्थाबत द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के जीवर उनते स्थानार संपत्ति में डिस्क्चन किसी अन्य स्वितितः दुदारा अभाहरताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं वर्ष होगा वो उस अध्याव में दिया वबाह्य ।

अनुसूची

एफ०--229, दूसरी मंजिल, जैना शापिंग सेंटर, काम्प-लैंक्स, बसई दारापुर, नई दिल्ली, नादादी-110 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवत सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्राप्कः (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्लो, नई दिल्ली--110002

<u>बत: अब उक्त अधिनियम की पारा 269-ग को अनुसद्दश</u> मं, भं, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) हे बर्थान, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थाद् :---

त्रारीख: 16-8-19**8**5

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालक महायक कामकर आमक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त, 1895

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/2/37-ईई/1985/561— ---अत: मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य । 00.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जी० 1 जैना शापिंग काम्प्लेम्स है स्था जो बसई दारा पुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस ने उपाबद अनुमूची में पूर्ण रूप से विषक्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी. 1985

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अंतरण सिखित में बार्यभाव है:—

- (क) अंतरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए घर, स्थिपन में सुविधा के लिए।

कतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीन,

 मै० जैना प्रोपरिटज प्रा० लिमिटेड अविनाय सरी हाऊस विचरीत सुपर याजार कनाट सर्कंस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती त्रिपता आहुजा परनी श्री एस० एल०आहुआ निवासी : 3 वैस्ट एवेन्य् रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली—26।

(अम्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना स्चना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त आयकर जीधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, बही अधे हामा का उस अध्याय में दिक भवा है।

अमृस्ची

प्रो॰ नं॰ जी॰-1, जैना शास्त्रिंग काम्पलेक्स, वसई दारापुर, मई दल्ली, तादाबी 101 वर्ग फुट 👬

> के० वासुवेयन सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्ब**ई**

ता**रीख**: 16—8—1985

मोहर :

18--266 GI[85

शुक्क बार्षं, टी. एवं . एस . ********

बासकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन स्वात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नावुक्त (निर्नीक्षान)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

नई विल्ली, दिमांक 16 अगस्त, 1985

निर्देश सं ० आई०ए०सी०/एनयू०/2/37-ई०ई०/1985—अत: मुझे, के० वासुदेवन,

बावकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों पश्चात् 'उच्या अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बंजार मृहरू 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 305 है तथा जो 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिसका के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण से हुइ किसी बाग का शानत, उपस अधिनियन चै वधीन कर देने के बन्तरक चै दायित्व में कजी करने वा अवबे वचने में सुविधा चे निव; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधि-वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये वा, कियाने में तुविधा में तिए:

मतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं ० ए स० बी० सेल्स (प्रा०) लिमिटेड, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू० बी०-1, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

कुमारी हुमना कादिर बी०/भ्रो० श्री अब्दुल कादिर,
 डी०-8, कालन्डी कालोनी, मई दिल्ली।

(अन्सरिती)

का यह स्वना बादी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपत्ति के नर्गन के संबंध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस सूचना की राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविंश का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंश, जो भी अविंश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तथारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास चिस्तित में किए या सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदा का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो. वस् अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

प्लाट नं ० 305, तिसरी मंजिल, प्रोपोस्ड बिल्डिंग, सिन्डी सिन्डीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादाची 335, वर्ग फिट।

के० वाल्देवन सक्षम प्राधि अरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली ।

तारीख: 16-8-1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-2, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त, 1985

सं अाई ०ए०सी ०/एक्यु ०/ 2/37-ई०ई०/1-85/562---अत: मुझे, के० वासुदेवम

स्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000∕- रु. से अभिक **ह**ैं श्रीर जिसकी सं∘स्पेस नं० 25 ई तथा जो 3,श्रोल्ड र

श्रीर जिसकी सं ० स्पेस नं ० 25 ई तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्द्रसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिविक व्यक्तिकरों, अर्थात् :--- मै० एस० वी० संस्त (प्रा०) लिमिटेड, यू० बी०-1, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मई विल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती मन्जु खुराना पत्नी श्री बलराज खुराना, निवासी : 26/105, ग्राक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा ह⁷।

अनुसूची

होस नं० 25, सिन्डिकेट हाऊस, ग्राऊण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 35 भोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली तादादी 235 वर्ग फिट।

> के० वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्थन रेंज-1, बस्बई

ता**रीब**: 16-8-1985]

मोहर 🛬

प्ररूप बाह्र . दी. एन. युस.,---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

पारत परकाड

कार्यानय, सहायक क्षायकर कार्यक्त (निड्नीसण)

प्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 16 भगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एन्यू०/2/37ईई/1-85/563,— श्रतः मुझे, के० वास्देवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 प्लाट नं० ए-5 भीर 6 है तथा जो कम्यूनिटी सेन्टर, रनजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय भायकर भिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी -85

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नंचह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त ब्रिंगिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा कालए, बैस्ट/बा
- (अ) एसी किसी अध ये। किसी धन धा अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए.

त्रतः अत्र , उत्रतः अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण मा, मी, उत्रतः अधिनियमं की धारा 269-ए की उपभारा (1) विश्वधीन निम्ननिविद्धः व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) मैं विश्वा प्रोपरटीज (प्रा०) लि०, सटीला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मै॰ बैननजो इस्टरप्राइजेज (प्रा॰) लि॰. 63, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली

(मतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध मा कोई भी आक्षप .--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अवधि या सत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन को अवधि, जा भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मां हिमचद श्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षण क पास सिक्ति में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त धन्यों भीर पवा का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पारभाषित नया है।

अमुसूची

पलैंट मं० -101, पहली मंजिल, प्लाट नं० ए-5 एन्ड ए-5, कम्पूनिटी सेन्टर, रनजीत नगर, नई विल्ली, तादादी-637 वर्ग फुट

के॰ वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2 नई दिल्ली

विमांक: 16 धगस्त 85

--- 5

प्रकप आइ. टी. एन. एस------

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (मिरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

निर्देश (सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-85/564---भतः मुझे, के० वासुदेवम,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सब्दे परवात् 'उक्त अधिनियम' अस्त गया हैं), करी धार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कोटी नं० 13, है तथा जो दरीया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूवी में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्यों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक करें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्छ आस्थ्रियां को, जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यह प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्तियधा के लिए;

बत: अव, उक्त अधिनियम की गारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१० के अधीन, निस्तिलिसत स्यक्तियों अधीत:— (1) श्री प्राण नाय वहल, ए-62, न्यू फ्रेंडस कालोनी, नई दिल्ली

(ध्रन्तरक)

(2) मै॰ मधु बाला प्रोवरटीज (प्रा॰) लि॰, ए-62, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इब स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- मब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमा प्रय्क्त कब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

घनुसूची

कोठी नं० 13, षरिया गंज नई दिल्ली, ताषादी—784 वर्ग गज

> के० थासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

विनांक 16 भगस्त 1985 मोहर :

प्रकार मार्च. हो. एवं. ६वा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 भगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राहै० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-85/565-म्रतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रौर जिस की सं० जी-60, जैना शापिंग काम्पलैक्स है तथा जो असई दारापुर, नजदीक नटराज सिनेमा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विंगत है), राजस्ट्री-कर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रार्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनयम, 1961, के स्रधीन जनवरी 85

कां प्रस्ति सम्प्रित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंत-रितिया) भे बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उब्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) जैना प्रोपरटीज (प्रा०) लि०, एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाआर, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र नाथ कटयाल एण्ड श्रीमती राज करनी कटयाल, निवासी:-सी-1/38, जनक पुरी, निई दिल्ली (मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सर्पति के अर्जन के सबध में कोई भी कालीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया हैं।

अनुस्ची

प्रो॰ न॰ जी-60, जैना शापिंग काम्प्लैक्स, बसई दारापुर, नजवीक नटराज सिनेमा, नई दिल्ली, तादादी-60 वर्ग फुट

के० वासुदेवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्थन रेंज-2 नई विस्की

कतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के बनुसस्त्रम में, में, उक्त अधिनियम काँधारा 269-व की उपधाराः (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियाँ, जवति ह—

दनोक : 16 ग्रगस्त 1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत मरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

म्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनौंक 16 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37—ईई/1-85/ 567—-श्रतः मुझे, के० वासुदेवन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिनको सं० एफ-230 दूसरी मंजिल जैना शापिंग कम्पलैक्स है तथा जो बमई दारापुर, नई दिल्ली—15 में स्थित है (स्रौर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रर्जन रेंज—2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से किथन नहीं क्या गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/था
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपने अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, ग्रादिनाथ सरी हाऊस, विपरीत सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नर्द्द दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) मिस्टर राजिव सचदेवा
सुपुत्र श्री सुन्दर दास सचदेवा,
श्रीमती मीरा सचदेवा,
पत्नी श्री राजीव सचदेवा,
निवासी एफ-40, कीर्ति नगर,
नर्ष दिल्ली-15।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० एफ-230, दूसरी मंजिल, जैना शार्षिण कम्प-लैक्स, बसई दारापुर, नई दिल्ली-15---तादादी--110 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी-31, जैना शापिंग दाम्पलैक्स है सथा जो वसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी

को पूर्वे क्लि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रियमान श्रीतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चे य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के बन्नरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः— (1) जैना प्रोपरिटज (प्रा०) लि०, भाविनाथ सरी हाऊस, विपरीत सुपर बाजार, कनाट सकस, नई विस्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार
सुपुत्र श्री मुन्शी रोम,
सी/ग्री श्री एन० एल० नागपाल,
निवासी 270, कोहाट इन्कलेब,
प्रीतंम पुरा,
दिल्ली-34

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनिष्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रो॰ नं॰ जी-31, जैना मार्पिग कास्पलैक्स, बसई दारापुर, नई दिल्ली---तादावी 60 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन मक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप बार्ष .टी .एन .एस . ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाँक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एनयू०/2/37 ईई/1~85/ 568--श्रन: मुझे, के० वासुंदेयन

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 12-ए हैं तथा जो प्लाट न० 3, ग्रोलंड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीनन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वे कि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तर में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्स र्शाधनिया के अधीन कर दोने के अल्पेक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— मैं० एम० बीं० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डम एन्ड प्रोमोटम, यू-पीं-1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली-1।

(श्रन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द बन्भल सुपुत श्री ग्रमर नाथ, निवासी 18-ए/यू-ए/5927-28, जवाहर नगर,

(भ्रन्तरिती)

को मह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त क्षन्तों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोप स्पेस नं० 12-ए, ग्राउन्ड फ्लोर विल्डिंग (श्रपी-मिन्डीकेट हाऊस, प्लाट नं० 3, ओल्ड रोहन्स रोड, दिल्ली-—ताबादी 125 वर्ग फिट।

> के० वामुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 16-8-1985

मोहर:

19--266 GI|85

प्रकल बाह् ं टी . एव . एस . . ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वता

भारत संस्काह

कार्गालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एवयू०/2/37-ईई/1-85/ 569--- प्रतः मुझे, के० वास्रदेवन शयकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **स्बकं पदभात 'उक्त अभिनियम' कहा गयां ह**ै), की भारा 269-ख वो अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारभंही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,60,000/- रु. से अभिक है भौर जिसकी वं० प्लाट नं० 37 है तथा जो शिवाजी रोड, तेलीबाइा, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारधीय ग्रायकर म्रधिनियम, 1961, के प्रधीन तारीख जनवरी 1985 को पर्वोक्त संपरित के उचित काजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विकास कारने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार प्रक्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का र्पेद्रह प्रतिवास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्भय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी आय की शबत उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मां कमी करते या उससे बन्हों में सुनिधा के लिए। प्रदिया
- (का) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य अपित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष:

स्वतः श्रव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक कः. में अवत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (४) दुं जरीन स्मिन्स्लिखित व्यक्तिसर्थों, क्यांत् इच्या श्री कृष्ण लाल
 किशोर चन्द
 सुपृत्न श्री देश राज,
 अन, शिवाजी रोड,
 तेलीबाड़ा,
 दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार सुपुत्र श्री कृष्ण लाल, निवासी 37, शिवाजी रोड, तेलीवाड़ा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच भं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की लारीस से 45 दिन के भीता उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

श्रनुसूची

प्रो० नं० 37, शिवाजी रोड, तेलीवाड़ा, विल्ली, तादादी 30 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राश्रुक्त (निरीक्षण) पार्जेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप बार्ड ु टी., एन : एक :-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमंना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1-85/570-श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे इसके पश्यात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गर्वा हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- स्त. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० बेसमेन्ट नं० बी-3 है तथा जो प्लाट नं० 2, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक स्व्यमान प्रतिफल का प्रनेत स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत रो अधिक है और अंतरक (अंतरकार्रे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेष से उक्त जन्तर्थ निविद्त के बास्तिक रूप से किचन गढ़ी किया प्रशा है है

- (क) अन्तर्रंभ सं हुई किसी बाब की बाबता, उपका निविद्या के अधीन कष्ट दोने की जन्तर्य से दायित्व में कमी करने या उसके क्याने को सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी भन मा अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १९९८ का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, जियाने में सुविधा की लिए।

अतः सब, उस्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थातः :~~ प्राचाईण कन्स्ट्रवंशन कम्पनी, जी-5/92, दिपाली, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी भ्रनिता कनल, निवासी सी-556, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्मरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोड्' भी बाध्येष कु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तत्सरजन्भी व्यक्तियों पर सूचमा की तायील से 30 दिन की अविश को भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण हिन्दा इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस जध्याय में विका गवा है।

वन्त्रची

बेसमेन्ट नं० बी-3, तादादी--275 वर्ग फिट, निर्माणा-धीन, श्रलाईण हाऊस, प्लाट नं० 2, श्रोल्ड रोहतक रांड, विपरीत शहजादा बाग, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्रकष बाद .. दी .. एन , पुस .. -- =======

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूभना आरक्त अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्तं 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37-ईई/1-85/571---अतः मुझे, वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 105 है तथा जो प्लाट नं० 2, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधन तारीख जनवरी 1985

को पृत्रों क्ल सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतिकती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधि-विका के क्थीन कर दोने के बंतरक के श्रवित्व जे कमी करने वा उसवे व्यने में द्विथा के बिहु; ब्रीड/वा
- (थ) ऐसी किसी अाव या किसी भन या जन्य जास्तियों को, विक्रू भारतीय वात्रकंट व्यक्तिवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा जनत अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया पाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के विक्रू

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, में, उक्त अधिणिधम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) अलाईड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
 जी-5/92, दिपाली,
 नेहरू प्लेंस,
 नई दिल्ली-19।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सतपाल मिलक एन्ड सन्स,
 (एच० यू० एफ०),
 ई-26/4, राजौरी गार्डन,
 नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बच्चभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी को पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा, जो उस बभ्याय में विकः पत्रा है।

अनुसूची

्र प्लाट नं ० 105, तादादी 425 वर्ग फिट, ग्रलाईड हाऊस, फ्लेटिड फैक्टरीज फ्लेट, प्लाट नं ० 2, ग्रील्ड रोहतक रोड, विपरीत शाहजादा बाग, ग्रन्डर कन्स्ट्रम्शन, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्रका बार्च . टी . एत . एस . ------

बायकर अभिद्वियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म (1) के संभीत सूचता

भारत बरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985

स ० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/1-85/572:---- **ग्र**त मुझे, के० वासुदेवन,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्वत बाजार मृक्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं० बी-26, है, तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख जनवरी,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्मी रह को यह हो जोग मूफो यह विषयान करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रोतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण हो हुई किसी भाग की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करने वा उद्यत बच्चने में दुविधा के किए; और/वा
- (च) एती किसी बाद वा किसी भन वा बन्य वास्तिवीं को, विन्हें भारतीय वायकर विभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, मा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में बृविद्या के जिद्दा;

अतः क्या, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मै० एस० बी० मेल्म (प्रा०) लि०,
 बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू० बी-1, श्रन्सल भवन,
 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती बिना बन्सल पत्नी श्री महेश चन्द बन्सल;
 निवासी 19/ए/यू० ए/5927-28,
 जवाहर नगर, दिल्ली-7।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना सांही करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र हु---

- (क) इंड सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास चिचित में किए वा सकोंगे।

श्रनुसूची

स्पेस नं० बी-26, ग्राडण्ड फ्लोर, प्रोपोजड बिल्डिंग, सिन्डीकेट, हाउस, प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, तादादी 235 वर्ग फुट

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ैं रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप भार्दः टी. एन. एस. -----

जाबकर जींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म को जभीन सूमना भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक गायकर भाग्नत (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज 2, दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1985 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/1-85/573:—ग्रतः मुझे, के० प्वासुदेवन,

वासकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्र वाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 304, है तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपा- बद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रोकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कम के करवान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से इर्ड किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्रिका के लिए; और/या
- (स) इसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तिकों की जिन्हों भारतीक आयकर अधिनिवन, 1922 (1922 की 11) वां उक्त अधिनिवन, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने कें त्रीवधा के लिह;

अतः उ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोति कि व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं एस विवास में स्वास्त प्राप्त लिंक, बुल्डर्स एण्ड प्रो मोटर्स, यूष्ठ बी-1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी अनु गुप्ता डी० आरे० स्व० योगेश चन्द्र गुप्ता, निवासी—100, बाबर, रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्जना जारी नरके प्रोक्त सम्बक्ति के वर्षन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कों कोई भी आक्षंप :---

- (क) इह सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 बिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीट से 30 बिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि क्वीन्सवों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभे हस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---इतमें प्रमृति शन्दों और पदों का, ओ उन्त अधिनिवसः, के अध्वाय 20-व्य में परिभाषित है, नहीं अर्थ हांगा जो उस अध्वाय में दिवा गया है।

श्रनुसूघी

प्लाट नं० 304, तीसरी मजिल, प्रोपोजिङ बिल्डिंग प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, तादादी–335, वर्गफुट।

> के० वासुदेवन, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 16-8-1985

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रगस्त, 1985

मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/1-85/574:—-श्रतः मुक्ते, के० वामुदेवन,

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, तथा जो बिल्डिंग नं० ए-5, ग्रीर ए-6, रणजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1961, के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित नाररा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभेन, निम्निचित व्यक्तियों, अथित्:--

 मै० विश्वा प्रोपरटीज़ (प्रा०) लि०, चौथी मंजिल, मटीला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कुसुम ए० पामजा और मीनू मुखिजा,
 26, होटल मैंद्रो, एन-1, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, **धो भी** अविध नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्च अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया हो।

अनुसुधी

बुकिंग प्लाट नं० 102, बिल्डिंग नं० ए-5, श्रीर ए-6, कम्युनिटी सैन्टर, रणजीत नगर, नई दिल्ली, तादादी-473 फुट।

> के० वासुदेवन, गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 17-8-1985

प्रकृप ,बाह् ु टी हु पुन ह एस . -==---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरामक)
प्रार्जन रेंज 2, विरुली
नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यृ/2/37ईई/1-85/575:---म्रतः मुशे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें देसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ब्लाक नं० 316, है तथा ओ प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकक्ता प्रिधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961, के श्रधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उष्यित नाकार मृल्य से कम के इष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से बाधिक है और उन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमन-लिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से फथिय नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संबुध किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और्/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा शकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिभा के लिए।

न्यमः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं की बनुसरण गं, मैं उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के संधीन, निम्बिजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- मैं० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटडर्स, यू० जी-1, घ्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (ध्रन्तरक)
- कुमारी रीच वर्मा ग्रौर रिशी वर्मा,
 डी० ग्रो० श्री एस० सी० वर्मा,
 डी-113, भ्रानन्द निकेतन,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस त्वता के राजपण में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 किन के प्रीतर उक्त स्थायर सम्पत्तिः में हिस्तबक्ष हिस्ती जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेने।

स्वक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है !

नगराची

प्लाट नं 316, तीसरी मंजिल, प्रोपोजिड बिल्डिंग सिन्डीकेट हाउस, प्लाट नं 3, ग्रोल्ड रोहतक दिल्ली, दिल्ली, तावादी 320 वर्ग फुट।

> ंकि० वासुदेवन, पक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर ग्रापुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 16--8-1985

षक्य बार्ड .टी.एन.एस., ------

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को सभीन सुचता

नार्य स्ट्रकार

भायांलि**य, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)**

ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 16 अगस्त, 1985

कारकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिस इसर्जा इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्षाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति.. जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 213 ए (313) है तथा जो 3, श्रोलंड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंड श्रनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री सी श्रिधकारी के धार्यालय, श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रीयकर श्रीधनियम, 1961, के श्रिधान, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार ब्रुथ, उसके कावमान प्रतिफल से, एसे कावमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्य विश्विकित उद्योग्य से उचत बन्तरण विकित में बास्तीयक स कावित नहीं किया जना है।

- (46) अन्तरण संहुई किसी आय का यावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दान के अन्तरक के शास्त्रिय में कामी करने ना उन्तर क्याने में शुविधा के सिक्; अदि/शः
- (श) एसि किसी बाय या किसी धन वा नन्य शास्तिकों को, विनहें बारतीय बाय-कर सीधनियम, 1922 (1322 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर सीधनियम, सा धन-कर सीधनियम, सा धन-कर सीधनियम, सा धन-कर सीधनियम, 1957 (1957 का 27) के हवोचनार्थ संतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, फियाने में सुविध। के सिक्;

अतः तकः, जन्म विधिनयम कौ बारा 269-व कौ धव्यस्य मं, भी, जन्म अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० एस० बं१० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड फ्रामोटरस, यू० बी-1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधा मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रांमता रेनु जैन एण्ड मै० राजीव जैन (एचयू एफ़०), ई० डो० 136/1, टैगोर गार्डन, नई दिल्ला।

(श्रन्मरितः)

को सह स्वन। आरी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थियां करता हुं।

उनत रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक म 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों वा स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास ्लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वकात्वरणः -- इसमें प्रमुक्त बन्धें कीर वर्षों का, जो बन्ध व्यक्तिवर्ष, के बन्धाय 20-क में वृद्धितिवृद्ध हाँ । वहीं वर्ष क्ष्माय के विका यस हाँ।

अनुस्ची

ष्लाट नं० 312 ए (313) तोसरी मंजिल, प्रोपोजिङ बिल्डिंग सिन्दीकेट हाउस, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक [रोड, दिल्ली, तादादी 320 वर्ग फुट।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज 2, दिल्लो

तारीख: 16—8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

'ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/1-85/577:---%प्रत मुक्के, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 313, है तथा जो श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्लं में स्थित हैं (श्रीर इस्से उपाबद श्रनुसूच: में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्राक्त्री श्रिध सर्वे के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ला, भारतस्य श्रायरण श्रिधिनियम, 1961, के श्रधान, ताराख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से क्रुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और∕बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. भैं० एस० बो० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटरस, यू० बो-1, अन्सल भवन, 16, करत्रबा स्रांधी मार्ग, नई दिल्लो। (अन्तरह)
- मास्टर सुणोल नासिर सुपुत्र सजाउद्दीन, के०~116, हौज खास, नई दिल्ली।
 (प्रन्तिरती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लार्ट नं० 315, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग सिन्दीकेट, हाउस, प्लाट नं० 3, ओल्ड रोहतः रोड, दिल्ला, तादादी 320 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन, पक्षम प्राधिकारी सहायकआयकर अप्युक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, दिल्लो

तारीख: 16-8-1985

प्र**क्ष कार्ड**ः हो । एतः 👵 🗀

जायकर जॉंधनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत संग्रहार

कार्यालयः **सहायक जायकर जायकर (निराधिक)** अर्जन रोज 2, दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985 सं० श्राई० ए० मो०/एकपू/2/37ईई/1-85/578:---श्रत मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क भी अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 314, हैं तथा जो प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहत ह रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिनारी के जायिलय, श्रजन रेजि-2, नई दिल्ली, भारतीय, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख जनवरा 1985।

को प्रवेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त मपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल स, ्रिंग दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीथ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-श्व निम्नसिक्त उद्योद्य से उक्त बन्तरण में सिकित बास्तोवक भय से कांश्वत नहीं किया गया हैं:—

- (फ) अन्धर्म स शुर् िश्वा बान की नावत उपक अधिनियन के सभीत कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के निए; सोर/या
- ्का पृत्यं किसी आध ता किसा पत्र सा का बारिस्तर ता. पिन्हीं भागतीय काथ-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना पत्र-कर अधिनियम, ना पत्र-कर अधिनियम, ना पत्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रसातकार असरों ते द्वारा प्रकार तही किसा का प्रसातकार के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्हरण प्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैं० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोर्टस यू० बी-1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मास्टर प्रभिजैम जैन सुपुत्न श्री एस० सी० जैन, निवासी के-120, हीज खास इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पुर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध मा कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (अ) इब बुचना के राज्यन में प्रकारन की तारींड वें 45 दिन के श्रीतर उक्त स्थानर सम्मास्त में हितनद्भ कियो अन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्तरी के श्रेष्ठ सिवित में किए का सकाने ।

स्यष्टिकरणः — इसभे प्रयुक्त कर्कां और पदों का, जो उक्त वीधनियम के अध्याय 20 के में परिभावित है, यही वर्ध होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्**ची**

म्लाट नं० 314, तीसरी मंजिल, प्रोपोजिङ बिल्डिस सिण्डीकेट हाउस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादी 320 वर्ग फूट।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, विल्ली

ರ್ಷಗಳಿಯನ್ 1 ೧೯.೩೦ . 1 ೧೯೦೯

त्रका बाहें.डी.२न.एड. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्याभय, ग्रह्मयक नायकर जाव्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2 दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985

सं० म्राई० ए० सी०/एक्य/2/37ईई/1÷15/579:---म्रतः म्झे, के० वासुदेवन,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित वाचार मूह

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्नौर जिसको संख्या फ्लैंटनं० 12 ए, है तथा जो राजनाराय^ण रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुमूर्व) में ंपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्तां भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961, के प्रधान, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उभित वाजार मूल्य से कम के अध्यमान इतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मफ्रे यह विद्वाल करने का कारण है कि यभापबॉक्त सम्मक्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का र्वबृद्ध प्रतिकत से निधक है नीर नंतरक (मंतरकों) और नंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एके बंतरण के लिए तय पावा पवा प्रति-क्रम निभ्नतिया उन्हरोप से उन्हर बन्तरण निवित में भारत-विक रूप से कजित नहीं किया गया है:--

- (ब) बन्दरम् चे हुए किसी भाग की नाम्ब बन्त विविद्या के बंभीन कर बोने के बनारक दावित्व वें क्यी करने वा बसवे वचने कें सुविधा के बिह; वर्षर/वा
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय भायकर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त विधितियम, या अन कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बागा बाहिए था, छिपाने वे द्विया के लिए:

करुः वय, दक्त विधिवियम की भारा 269-न के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात :--

1. श्री मती ग्रमित कौर, एन-2, (मार्किट) कैलाश-1, नई दिल्ला।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती उमा मोहन, निवासी सी० एफ़० 4, काका नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करको पूर्वोक्त संपरि भी वर्धन के किन कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के वर्षक के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डे 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी अयक्तियों पर बचनाकी तामील से 30 दिन की बदिभ, को और बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्भ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा सभाहस्ताकरी के नाक शिवित वें किए वा सकेंने ।

ल्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय वें दिवा मया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12 ए, 2 राज नारायण रोड, दिल्ली तादावी 1180 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज 2 निल्ली

तारंखः 16-8-1985

मोहरः

प्रकम बार्च . ही . एन . एत . -----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त, 1985

सं० म्राई ए० सं०/एक्य्/2/37ईई/1-85/580:---म्रत: मुक्को, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,66,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या पर्लंट नं० 107, है नथा जो 2, ग्रोल्ड रोहत र रोड, सामने भाहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अर्थ-/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण में, मैं, उसत ऑधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीष, निम्निसिति व्यक्तियों, राष्ट्रीत् :--- मै० इलाईड उत्स्ट्रक्णन कम्पनीः,
 जी 5/92, दिपालीः, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्लीः।

(भन्तरक)

2. श्री तिलक राज तलवार, 52, स्वदेशी मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली।

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों कां, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 107, तादादी 426 वर्ग फ़िट, ईलाइड हाउस, लाट नं० 2, ग्रोल्ड रोहतर रोड, सामने शाहजादा बाग, दिल्ली, श्रन्डर कन्ट्रकशन।

> के० वासुदेवन, पक्षम प्राधि हारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज 3, विल्ली

सारी**ख**: 16-8-1985

बस्ब साहे टी. ५२. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद, श्रहमदाबाद, दिनांस 22 श्रगस्त, 1985

सं० पी० भ्रार० नं० 3814—भ्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वाप्त प्रकार जिल्ला अधिनियम कहा गया ही), की धारा का का का का का का का करने का कार्य है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जभीन क्षेत्रफ़ल 404 त्रगं यार्ड, कस्ट्रक्शन है। सथा जो टो॰ पा॰ एस॰ 14 एफ़॰ पा॰ नं० 203, स्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूच। में स्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रालियी स्रिधिलारों के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रोहरण स्रिधिलयम 1908 1908 का 16) के स्रधान, तारीख 5-1-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के अभिन्न बाजार मृस्य से कम के दूरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्विध्य से उस्त अंतरण निश्विक में बास्तिक स्प से किश्वस नृहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुद्दं किसी जाय की बायत , जनत जिम्मित्य के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कवी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रं। नारन सिंह मोहन सिंह श्रोर श्रन्य धासके पीठाके जनदीता, दरिया पुर दरवाजा बाइट श्रहमदाबादा।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स लोहा चैम्बर्स स्टाल मरचैन्ट एसोसियेशन चैयरमैन श्री राम भाई चतुर भाई ग्राउण्ड फ्लोर खी चैम्बर्स दिर्या पुर दरवाजा बाहर, घास के पोछा के नजदीत, प्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरितो)

का वृह तृष्या बारा कारक पृथाक्त सम्पन्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अधन के सम्बन्ध में काइ भा मार्अप .--

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन का ताराक के वह विन को अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति भाषित्य में किसी न्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के गम सिखिस में किए का मुक्केंगे।

ल्बच्चीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर गर्दों का, यो उपत जिथीनहास की जध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा यो उस जध्याय में दिवा भया है।

अमुस् वो

जमीन जिसका क्षेत्रफल 404 वर्ग यार्ड कंस्ट्रक्शन म्रहमदा-बाद्र बीठ पीठ एस० 14, एफ० पीठ नंठ 203, सर्वेनंठ 17 बी सब प्लाट नंठ 2, रजिस्ट्रेशन नंठ 277/5-1 1985

> जा० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जनरोज 1 ग्रहमदाबाद

तार्≀ख: 22-8-1985

माहर :

प्ररूप नार्च.टी.एन.एस

बायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कायालक महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **ग्रहम**दाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 22 म्रगस्त, 1985 सं० पी० ग्रार० नं० 3815/23-I/85-86---ग्रतः मझे, जं ० के० पण्डया,

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिसत बाजार भुल्य 1 00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एच० पो०टो० पो०एस० 348, एफ़० पीर नं 806, है। तथा जो सब प्लाट नं 9, जमी क्षेत्रफ़ल 1039 वर्ग यार्ड तथा मान श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रन्सुचः में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रजिस्ट्रेटर्सा ग्रधिपारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रधीन, तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए लब गया गया र्यात राजार है तेम जिल्ला उ**द्देश्य वे उथत असारण** ेजिसित थे बास्तीवक रूप में कथित नहीं किया नया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चिमयम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्न या उनमें स्वने में स्विधा से लिए: और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय प्राव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का बा किया जात्रा चाहिए का कियाने हें सविभा ते किए:

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण भो माँ, उन्त अधिनियम की धारा 200क में उर्राप्त (1) ए अभीन निम्मलिखित काक्तियां, अर्थात .--

1. श्री वीपिन चन्द्र नटवर लाल देसाई 29, वल्लभनगर सोसायटी, नार्थ साउथ रोड नं० 3, बिले पार्ले वेस्ट. बम्बई-56।

(म्रन्तरक)

2. श्रो चन्द्र शन्त कलयान भाई और ग्रन्य बो॰ नं॰ 9, न्यू ब्रह्म क्षत्रिय सोसायटी प्रोतम नगर ढाल, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारां करक पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इ 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियां मा मा किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीब स 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस भ्यास्त्रम् । काजामकोगः।

पाड्यांकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क मां परिभाषित हीं, यही अर्थ होगा के उस अध्यास में दिया गाः है।

ग्रनुसूची

मकान मलकियत, श्रहमदाबाद में टी० पी० एस०-3, एफ़० पी० नं० 806, सब प्लाट नं० 9, ब्रह्म क्षत्रिय सोसायटो बी० नं० 9, बालान क्षेत्रफ़ल 215 वर्ग यार्ड तथा जमीन रजिस्ट्रेशन नं ० 1329/25-1-1985।

> जो० के० पण्डया, सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रोज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-8-1985

भावकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त, 1985

सं० पी० भ्रार० नं 38161123~I85-86—श्रत: मुझे, जी० के०पण्डया,

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या मालिन्त प्रहमदाबाद में फीच ब सीम सर्वे नं के 42/1, टी० पी० एस० 3 है । तथा जो एफ़० पी० नं 789, हिस्सा नं 1/4 जमीन 1594 वर्ग यार्ड मगदान में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिनारी के कार्यालय घहमदाबाद में रिजस्ट्रीक्रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवान, तारीख जनवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्ववमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नितिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण निम्नित में वास्त-

- रेंक) बन्तरक से हुइ किसी नाय की वाबता, उक्स विधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में स्विधा क सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बराण, झंब, उपल कॉफॉनियम, की धारा 269-न के अनुकरण व में डक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री नीरंजन जयन्ती लाल शाह वाईट हाउस, प्रीतम नगर, ऐलिम श्रीज, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 वोजायन बिल्डमं प्रा० लिमिटेड 18 न्य्, ग्रलकापुरा सोसायटा गुलबाद टेशरा, ग्रावापादा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां करता हूं।

जनत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत श्रहमदाबाध में फ़ोचरब सीम सर्वे० नं० 42/1, टी० पी० एस-3 एफ़० पी० नं०-819, हिस्सा नं० सी० एस० नं० 15-16-17 जनीन क्षेत्रफ़ल 1594 तम यार्ड+ महान 1/4 और हरएक हा रिजिस्ट्रेगन नं० 18840/ जनवरी 19851

जां० के० पण्डया, जझम प्राधिकारों, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज~1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-8-1985

माहर,

प्रकार बाहाँ, टी. एन. एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाध श्रहमदाबाद, दिनौंक 22 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० पी० भार० नं० 3817/एक्बी० 23/I/85-86---यतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार अस्य 1,00,00●/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मीरुकत भ्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 819 की जरब सीम है तथा जो सर्वे नं० 42/1, सी० एस० नं० 15-16-17 जमीन क्षेत्रफल 1594 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कब के अध्यमन प्रक्रिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे अस्यमान प्रतिकल का पेंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्सरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्योख्य से उक्त जन्तरण तिचित्र में बास्तिन्क रूप से काथित नहीं किया गया है :----

- (क) जैतरण से हुई किसी आय को बाबत, उपल विभिनियम के वभीन कर दोने के बंहरक के दावित्व में कमी करने वा उनने वचने में सूविधा ने सिए; वरि√वा
- (६) एसी किसी बाय वाकियी भन वा बन्य कारिकवॉ को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया थाना जाहिए था, क्रियाने में अधिया वे विका

बत: क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (१)

अविधीत निम्ननिसित्त क्राव्य<mark>ित्यों, बर्जात् ह—</mark>

1. श्री जयन्तीलाल जेशिंग भाई शाह व्हाईट हाउस, प्रीसम नगर, एलीस ब्रिज, श्रहमधाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैं वीजीयन बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड 18, न्यू अलकापुरी सोसायटी, गुलबाई टेकरा, श्रहमदाबाद।

· (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशीतक अप्रकारिक को जर्जन की जिस् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के कर्षन के इभ्यन्थ में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 4.5 विन की समीभ वा तत्संबंधी व्यक्तियों तुष्पनाकी तानीक से 30 दिन की न्यपि, को भी बनीय बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इब स्वाम के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बम्पत्ति में हितवकुष **किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी** के पास सिचित में निए वा वकेंगे।

निभिनिक्य, के नध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया मया है।

अनुसुची

मील्कत ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं 819, कोचरब सीम सर्वे नं 42/1, सी एस नं 15-16-17 जमीन क्षेत्रफल 1594 वर्ग यार्ड+ मकान 1/4शेयर क्षत्रफल रजिस्ट्रेशन नं० 18439 जनवरी, 1985।

> जी० कें० पण्डया. मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमधाबाद

तारीख: 22-8-1985

मोहर :

21 -266GI/85

प्ररूप आई. टी. एन. पूस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 22 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3818/एक्बी० 23/I/85-86--यतः मुझे, जी० के० पण्डया,

आयक ए जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिचाद जिस्ता अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,√00/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या शाप नं० 68 क्षेत्रफल 2151 वर्ग मीटर, नूतन, गुजरात है तथा जो को० ओ० शाष्ट्र एण्ड वेयर— हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ग्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 21 जनवरी, 1985

को पूर्विका सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, अपके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में किसी करने या उसेंसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (१) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियीं की, जिंग्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जरा: अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शारदाबेन नरेन्द्र भाई बी० नं० 37, शारदाकुंज सोसायटी, न्यू विकास गृह रोड, पालडी, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता संपतलाल सुराना 10/11, बुरतील्ला स्ट्रीट, कलकसा-7।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की ताबीस की 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में कथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप-रूम-गोडाउन नं० 68 क नूतन गुजरात को० श्राप० शाष्त्र एण्ड वेयर हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, रायपुर दरवाजा बाहर श्रहमदाबाद क्षेत्रफल 21.51 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 1055/21--1-1985।

> जी० के० पण्डया, मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाष

तारीख: 22-8-1985

प्रकार नाहरं .टी . एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सुवना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर जायूक्त (निरीक्तक)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, तारीख 22 श्रमस्त, 1985 सं० पी० श्रार० नं० 3819--श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या एच० पी० टी० पी० एम० 3 पर एफ० पी० नं० 237, बी० नं० 90 हैं। तथा जो स्वास्तिक सोसायटी जमीन क्षेत्रफल 827 वर्ग यार्ड + मकान ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिध कार्रा के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-1-1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभिन्न बाजा अस्त में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विद्यास करने का बारण हो कि यभाष्वीक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल औ वन्तरकों अधिक ही और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) से बीच एसे अन्तरण के निए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कियान में बालारिक हुए से अधिक नहीं किया गया है

- (क) अन्तर्भ से हुई कि तो बाव की वावत, उच्त अधि-नियम के जबीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में अपनी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के निए; जरि/का
- (क) एंसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उच्याने में सुविधा से किए;

मत: अब उथत अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मा, मी, उत्तम अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— शि चन्द्र कान्त भाई पी० चोकसी चीनु भाई चन्द्र कान्स भाई चौकसी दिनेश चन्द्र सी० चौकसी पंकज सी० चौकसी। कामेश्वर टवीटस, मानेक बाग, को० ग्रो० रा० सोसायटी के पीछे, ओबावाडी, ग्रहमदाबाद-15।

(ग्रन्तरक)

 श्री जे० देवेन्द्र डी० पटेल, डी० मलय डी० पटेल, "गंगाबाग" विक्रम साराभाई रोड, श्रोबायाडी, अहमसाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णमत्त संपत्ति वे वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त तम्परित के नर्पन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुमना के रावपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाच अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकारे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तां बौर पर्वो का , वा उपस्य विधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा वो उस स्थाब में दिशा गया है।

नन्स्यो

एच० पी० टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० नं० 237 बी० नं० 90 हवस्तिक सोसायटी जमीन क्षेत्रफल 827 बर्गे यार्ड मकान 200 बर्गे यार्ड रिजस्ट्रशन नं० 271/5-1-1985।

जी० के० पण्डया, भक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक ग्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-8-1985

शक्त वाद्युः दी . धन . प्य . ------

माधक प्रमित्यिक, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के सभीन सूचवा

भारत ररकाड

कार्याक्षय, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, भ्रहमदोबाद श्रहमदाबाद,दिनांक 22 श्रगस्त 1985

सं० पी० ग्रार० नं० 3820—ग्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

बायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उकत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थानर सम्बत्ति, जिनका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या शाप नं 26, क्षेत्रफल 21.51 वर्ग मीटर घ नूतन गुजरात कां भो शोष्स एण्ड वेयर हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, रायपुर दरवाजा बाहर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिवारी के वार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 2-1-1985।
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूम्य से कम के क्यमान
प्रतिफाल को लिए अन्तरित् की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बुक्त, उसके क्ष्यमान प्रतिफास से, एसे क्यमान प्रतिफास का
बन्द्रह्म प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
बिद्यास निम्मनिखित जब्देष्य से जबत अन्तरण जिचित में
बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- हैंकी बंदरभ वे हुई कियों बान की बावदा, क्या विधिनवृत के वधीय कर दोने के बंदरक के दाबित्व में कभी करने ना उससे नचने ने सुनिभः के सिक्षः भीर/ना
- (क) एसी किसी बाम ना किसी धन या अन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर निधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुदिशा के लिए;

बतः कवः, इषतं वाँधीनवमं की भारा 269-गं के अनुसरण कों, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वधीन: निम्मिलिकक् व्यक्तियों, वर्षात ह

- 6. श्री मोतीलाल माल चन्द शेरवानी, बाबू लाल गोबिन्द लाल शेरवानी 62, न्यू कलाथ मार्केट, रायपुर दरवाजा बाहर श्रहमदाबाद-2। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रूखलाल रतन चन्द बागरी विद्या देवी रूखलाल बागरी के ०/ग्री० बाग्रीस प्रो० लिमिटेड, 201/बी महात्मा गाँधी रोड, थर्ड फ्लोर, कलकत्ता-7।

(ग्रन्तरिती)

का क्य सुभवा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्थन के जिए कार्ववाहियां करता हूं।

उच्चा सम्परित के मक्कि के सम्बन्ध में कोई भी कामीप :---

- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिव की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 वित को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति मों दितवप्र किसी बन्द व्यक्ति इवारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिसित मों किसे वा सकीने।

न्यव्यक्तिरण:—इतमें प्रयुक्त सन्यों और पयों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही वर्ण होगा को उत्त अध्याय में दिवा नवा हैं।

कर्य

शोष्स कम गोवाउन नं० 26, क्षोद्रफल 21.51 वर्ग मीटर घ नूतन गुजरात को० श्रो० शोष्स एण्ड वेश्वर हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड रायपुर धरवाजा बाहर श्रहमदाबाद रिजस्ट्रे-शन सं० 88/85/2-1-1985।

> जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

तारीख: 22-8-1985

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्वतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वाय्क्स (निर्शिक्षण) अर्जन रेजिन् 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त 1985

र्स० पी० आर० नं० 3821—अतः मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 26 सर्वे० नं० 260 हैं। तथा जो एस० पी० नं० 66 जमीन क्षेत्रफल 402 वर्ग मीटर मकान में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुद्द किसी शाय की बावत, उन्तर सिंगियम के सभीन कर दोने से अन्तरक की सिंगर में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के जिए; सौर/वा
- (व) एसी किसी जाव वा किसी भन या जन्य जास्तावां कां, जिन्हीं भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाज जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री अजीतभाई प्रेम चन्द गाह बी० नं० 66, लावन्म सोसायटी नया विकास गृह रोड, वासना, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री भारलालभाई हरीलाल कुसुम बेन भारेलालभाई बी०न० 66, लायन्स सोसायटी, विकास गृह रोड के नजदीक, वासना, अहमदाबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के कर्जन के उम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत क्रिक्टा में उन्होंने सामित से 31 कि में समाप्त होता हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत म

स्पट्टोकरण:—इसमी प्रयान शत्रा और पदांका, जो नक्त अधिनियम के अध्याय 20 के मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याम में विवा सवा है।

वनुषुषी

एच० पी० टी० एस० 26 पी० सर्वे० ने० 260 एस० पी० नं० 66, जमीन क्षेत्रफल 402 वर्गयाई मजाम 154 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 1157/23-1-1985।

> जी० के० पण्डय। सक्षमप्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-8-1985

मोहर 🥫

प्रसार बाह्". ही. एम्. एवं.....

मासकर मधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के नधीन बुक्ता

पारत प्राच्या

कार्यालय, सहायक भागकर भागुयत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त 1985

सं० पी० आर० नं० 3822—अत: मुझे, जी० के० पण्डया,

शायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परवात 'उक्त अभितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाकार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एच० पी० टी० एम० 4 पर, एफ० पी० नं० 118 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 729.57 का मीटर मनान अहमदाबाद में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-1-1985।

को ब्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया गया है :---

- (क) बलारच वे हुई किकी शाय की बावत , अथत प्रीयिवन के बचीन कर दोने के बन्दरण की दायित्व में कमी करने या उत्तरों अपने से तुविधा के त्रिष्ट; क्षीर/का
- (व) एसी किसी जान ना किसी वन ना बन्य जास्तिनों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, ना अनकर अधिनियम, ना अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्टरिती बुवाड़ा प्रकट नहीं किया करा भा रा किया की स्वां करा की सिक्स करी की सिक्स करी की सिक्स की सिक्स

अतः ३४, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरस मैं. मैं, धक्त विभिन्यम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधित् :--- श्री गुनवतराय मनीलाल दवे, वबे कोटेज, रेलवे श्लबके, सामने, गोल लीमडा, मनीनगर अहमदाबाद।

(अस्तरक)

 श्री जयराम भाई सी मेघराजानी चेयरमैन देवलोफ फ्लैट वियन्स मण्डल 'दवे कोटेज' रेलवे कलब के सामने, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को बृह सुचन। जारी कारके पृवाँकत संगीत्त के अर्थन के जिल्ला कार्य ग्रांग्या नामता हो।

उक्त प्रदृत्ति के व्यंत के सर्वथ में कोई भी वासंद ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि , यो भी विषय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की सारीय वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पास्त मा हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाष्ट्रस्ताक्षरी के शब चिवित में किए वा बकींने।

स्वच्छीकरणः-श्वासमं प्रमुक्त कव्यों जॉर पर्यों का, जो अवस् अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहाँ बार्च होगा, को उस अध्याय में दिया जवा

मन्त्रकी

एच० पी०टी० पी । एस० 4 पर एफ० पी० नं० 118 जमीन क्षेत्रफल 729.57 वर्ग मीटर महान जी एफ० एफ० एफ० एफ० क्षेत्रफल 117.86 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 1274/24⊶1→1985 ।

जी० के० पण्रेया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-8-1985

मोहद्र 🔞

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त, 1985

सं० पी० आर० नं० 3823 :---अत मुझे, जी० के० पण्डया,

कायकर अधिनियम, 1/461 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ष्मौर जिसकी सं० शाप नं० एफ० 10 घ माघव पुर मारफेट शोटम भ्रौर घेर हाउसिंग हैं। तथा जो को० ग्रो० हा० सोसायटी अहमदाबाद में स्थित हैं। (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 18-1-1985।

को प्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य म कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में भास्त- निक् स्प से किथत नहीं किया गया है श—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निए; शहि/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी अना या प्रत्य अधिनयमी की, जिल्ही भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- श्री हस मुख लाल केशव लाल एच० यू० एफ०)
 श्रीर अन्य,
 शेडकी गोल स्वामीनारायन मण्डार के नजदीक,
 नडीयाड।
 (अन्तरक)
- श्री वीनीतभाई रमेग चन्द्र परीख 'सरहार' हरी पल्लभ अस्पताल के सामने, सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, अमहदाबाद।
 (अन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पर्योक्त अध्यस्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ;---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीय से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (व) इक् सूचना के राजपण में अकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर खनत स्थावर सम्मतित में हितक्व्य किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकोगें।

लक्ष्मीकरण:---इसमें श्रयुक्त शन्त्रों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजिन क्षे, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिल पदा है थें!

अनुसूची

शाप न ० एफ० 16 टी० पी० एस० 14 एफ० पी० नं० 104 घ माधुपुरा मारकेट शोण्स एण्ड वेअर हाउसिंग को . श्रो० हा० मोपायटी शाहीबाग, अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 886/18-1-1985।

> सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख: 28-8-1985

प्रकप् आर्ड टी एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां हो ये. सहायक नायक र नायकत (निरोक्तक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 28 अगस्त 1985

सं० पी० आर० नं० 3824—अतः मुझे, जी० के० पण्डया

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसकें पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धाक 269-व के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

यौर जिसकी संख्या एच० पी० मेम नगर में सीम सर्वे० नं० 78 एफ० पी० नं० 61, हैं। तथा जो जमीम 553 वर्ग यार्ड म मकान अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1985।

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार बृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह अतिकत से अधिक है और यह कि जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितिवों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्देष्य में उक्त बन्तरण सिनित में वास्तविक स्प से अतिकन नहीं सिका गया है की ——

- (क) अन्तरक ते हुई मिन्सी जाम की बाबत, उक्त गरिशिविया के जभीन कर देने के अन्तरक के वार्वित्य में कमी करने वा उत्तरो वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ग) एसी किसी भाव का किसी धन या बन्य वास्तियों की. जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) पा उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च प्रतिती द्वारा प्रकर नहीं किया गय। था वा किया काना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) कै अभीन, निम्निनियन स्यक्तियों, अधित् :— 1- श्रीमती रानी रन्डु स्वामी, 6-स्टर्गलग पार्क, ड्राइय-रन-रोड, ड्राइय-रन-रोड सिनेमा के नजदी क, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह जयपाल सिंह, श्रीमती कौशस्या देवी जयमल सिंह वासु 13 पलसी कर कालोनी इन्धौर (एम० पी०)।

(अन्तरिती)

को सह सुचना बारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनका सन्मारित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकीय :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की श्वीध मा तत्त्रम्बन्धी स्पवित्यों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी नवीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्वित्यों में से किसी स्पवित ब्वास;
- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्-किसी अन्य स्थावत व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, बां उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्याः गवा हैं।

ननुसुची

एव०पी० अहमदाबाद में मेमनगर सीम सर्वे० नं० 78 चिकी एफ० पी० नं० 61 सब प्लाट नं० 6 जमीन क्षेत्रफल 553 वर्ग यार्ड + मकान 325 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशम नं० 1344/25-1-1985।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-8-1985

मोहर 🕆

प्ररूप **भार्<u>ः टी</u>्एन . एस**्टन्टन्टन्टन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचनर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनाँक 28 श्रगस्त 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3825—श्रतः मुझे, जी० के० पंण्डया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं उपलैंट नं 343, पूर्णिमा ग्रपार्टमेंट टी० पी० एम० 19 है तथा जो एफ० पी० नं 253 श्रहमदाबाद क्षेत्रफल 123 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-1-85 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिए;

(1) श्री जसपंत लाल बाबुलाल माह ए०/11 वच्न सोसायटी, गीरधरनगर, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमता श्रानंदीयेन मोहनलाल पटेल फ्लैंट नं० 43 जी० एफ०, पूर्णिमा श्रपार्टमेंट, रुधर भवन के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-9

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र हुन्त-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इन वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा या है।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 43 जी० एफ० क्षेत्रफल 102 वर्ग मीटर पूर्णिमा श्रपार्टमेंट टी० पी० एम० 19 एफ० पी० नं० 253 श्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 1108/22-1-85।

> जी० के० पंज्या सक्षम प्राधिकारी . सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्नहमदावाद

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में लक्ट अपेशनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रोजारीय जिल्लामितिसत, व्यक्तियों, अर्थात् ३—-22—266GI/85

तारीख: 28-8-85

माहर:

प्रकार कार्ड . टी. एन्., व्या.

भागकर मधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक बायकर नाम्यस (निरोक्तन)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

महमवाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1985

वावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वजीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मिलकत रेलवेपुरा बोर्ड श्रहमदाबाद में हैं तथा जो सर्वे नं० 63-ए० क्षेत्रफल 51.93-30 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामान विराप्त के लिए जन्मरित की गर्व है और मुश्री मह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का कांचल बाजार मृत्य, उनके क्यामान प्रतिकल ते, हो क्यामान बातिफल का पंद्रह प्रक्रिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए बाब पाया प्रया प्रतिकल निम्नीसिंगत उद्ववेष्य से उक्त बन्तरण के सिंगत में बास्तिकल निम्नीसिंगत उद्ववेष्य से उक्त बन्तरण सिंगत में बास्तिक रूप से विधिक नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियस, १९२२ (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धना था सिक्या थाना चाहिए था कियाने के सुविधा के विद्या

बतः अथ, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, जबत अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री ानुभाई गीरधरलाल नवा ग्रागरवा, पटेल मन्शन के नजदीक, ग्रामरवा, ग्रहमदाबाद

(श्रन्तरक)

(2) श्री वामुदंव नागरवास पटेल श्रौर श्रन्य बीं नं 12 सर्वोदय नगर, भूयंगदेव चार रास्ता, घाटलोडिया, श्रहमदाबाद

(भ्रन्सरिती)

का यह सुचरा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप ;----

- (क) इस स्थान के द्राज्यन में प्रकाशन की तारीय त 45 विन क्षेत्रे नज़िंश या तत्त्रम्थन्थी म्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नद्ध में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष महिनायों में से किसी स्थनित द्वारा;
- (व) इव बुक्त के राज्यम के प्रक्रावन की तारीच ते 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्बद्धि भी जित-ब्रुथ किली अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहत्ताकरी को पास निकित में किए वा सकती।

र्म्स्वक्रीकरणः — इसमें प्रवृक्त शम्यों नीर पर्दों का, जो उक्त अधिनिष्ठत, के अध्यात 20-क में पौरशांकित ही, कही नर्ध हुँ को उस अध्याय में विया गया ही।

ग्रनुसूची

मिलिक τ रेलिवेवेपुरा बोर्ड भ्रहमदाबाद में सर्वे नं० 63- ए०, एफ० पो० नं० 37 क्षेत्रफल 51.93-30 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 1489/28-1-85।

जीत केव पड़िया नक्षम प्राधिकारी सहामक श्रप्यकर श्रायुद्ध (जिराक्षण) प्रजीत रेज-1, श्रहमदाबाद

तारी**ख**ः 28-3-85

मोहरः

प्ररूप बार्च . टो . एन . एस ,-----

अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन मुखना

मारत शहकार

लिक, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

ा नं० पी० श्रार० नं० 3827/एक्यू-23/I/85-86---

.िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का के स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 000/- रह. से अधिक है

जसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 677 वर्ग गज प्लीन्य तक । जो कंस्ट्रक्शन टी० पी० एस० 3/6 एफ० पी० 322 हिस्सा 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रिं अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रिंकरण नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-85 व्हें कि सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के द्वारामान ,ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है, उसके द्वारामान प्रतिफल से, एस द्वारामान प्रतिफल से आत्रावि संविद्या अंतरित की गई विश्वास स्थापन प्रतिफल से अपनान स्थापन से अपनान से

- (क) ब्रिश्यक से द्वार्थ किसी काय की सावका, उपक अधिनियम की बजीन कर बोने को जनसरक की दाधितन या कानी करने या समझे ब्यूबर्ग में सुनिया का जिए; क्यूब्रिया
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उकत विधिनयम या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंशिरशी ब्वारा प्रकट नहीं किया बाबा चा वा वा किया में सुविधा में सिए,

कतः शव, उक्त अधिनियम की थारा 269-न को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्कित व्यक्तितमें, अर्थात् हे— (1) श्री ठकोरलाल हीरालाल पटेल, श्रीमती मंगलाबेन ठाकारभाई पटेल, श्री मृगेन ठोकोरभाई वेटेल, 4, कृष्णा सोसायटी, श्रहमदाबाद-6 श्री हसीत ठाकोरभाई पटेल, डी०-3, मोरेना अपार्टमेंट, श्रवायाडी, श्रहमदाबाद-6

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुणरन रामभाई पटेल, मुख्य श्रागेनाइजर, फैन्डस एसोसिएणन कें बीठ नंठ 5, जीवन प्रकास सोसायटी, नारनपुरा, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षम के तिक् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्सेप :---

- (क्य) इव त्याना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की सर्वीध वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़
 बूचना की ताबीच से 30 दिन की सर्वीध, जो भी
 जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इस सुकता को राजपत्र को प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवहेंच किसी बन्य क्वीक्त दुवारा, अभोहस्ताकारी की
 पास जिक्ति के रिक्क का ककी ।

स्पत्रिकरण: ---इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पत्रों का, जो उक्त विश्व किया 20-क में परिभाषित हैं।। हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस मध्याय में विद्या गया है।

धनुसूचा

ग्रहमदाबाद कोचरव सीम टी० पी० एस० 3/6 एफ० पी० द्वं० 622 हिस्सा नं० 2 सर्वे नं० 622/1 जमीन क्षेत्रफल 677 वर्ग गज कंस्ट्रकशन प्लीन्थ लेवल रजिस्ट्रेशन नं० 812/17-1-851

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, सहमदाबाद

तारीख: 28-8-85

माह्यु 🖫

प्रकृष मार्च , टी , सि , एस . -----

बामकर अभिनिव्य , 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के वजीन स्वना

भारत सरकार

कार्बाजय, सहायक भागकर माण्यत (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 श्रगस्त 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3828--एक्यू 23/1/85-85 ग्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 262-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विक्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्व 1.00,000/- रु. ते अधिक है

ग्रौर जिसकी स० पलैंट तं० बी० थर्ड पलोर बिल्डिंग नं० 4 है तथा जो सेन्टर प्वाईन्ट पंचवटी ग्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रीर इभसे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रिकेक्का ग्रीधकारी के कार्यालय, 37ईई फिल्ड में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम 18-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके सम्मान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उच्चेष्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) मृत्यपुर्व हो हो किही बाग की नावस, अन्य मिनिन्न की मुनीय कर दोने के मन्त्रपक के नाहित्य में कनी करने ना उन्ने मृत्यों में सुन्तिया के जिल्हा कहिन्दा
- (क) इसी किसी बाज वा किसी धन या बन्ज जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपान में स्विका के लिए;

बता बन, उसत वीधीनयन की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उसत वीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीलियत व्यक्तिकों, वधीत हु- (1) मैं सर्स हसमुखलाल शाह, फर्स्ट पलोर, चीनुभाई सेन्टर धाश्रम रोड़, बहमदाबाद

(શ્વ-

(2) श्रीमती पल्लबी राजीव बोहरा, 2, बी० हेवन पाल्म गलोब होटल के नजदीक, जुड़, बम्बई,

(श्रन्तर्

को यह सुधना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब 45 विन की जनभि या तत्स्यक्भी व्यक्तियों स्वान की तामील से 30 विन की धनभि, का नव्यक्ति नाव की समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इन्हर;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बद् किसी सन्द स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के या निश्चित में किस वा सकति।

त्वक्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपय अभिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, को उस अध्याय में दिया न्या है।

मन स्था

पलैट नं० बी० थर्ड फ्लोर पर ब्रिल्डिंग नं० 4, प्रपोजङ ब्रिल्डिंग सेन्टर वाईन्ट पंचवटी पंच रास्ता श्रम्बावाडी श्रहमदा-बाद 27 ई० ई० दिनौंक 18~1~85 को फाइल किया।

जी० के० पड़या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-8-85

मोहरः

प्रका शाही, टी, एन. एस.,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—थ (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर नागुक्त (निराक्तिन)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3829—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाव 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाचार मुक्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० रामकृष्णनगर शेरी नं० 14, राजकोट है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्राँग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-1-85

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्निलिखित उध्दोक्य से उंत अंतरण लिक्कित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क्छ) अन्तरण संहूदं किसी नाय की बावत उक्त समिन रित्य के अभीन कर दोने के अन्तरक की साजित्य की कमी काहने वा उत्तर्ज वक्तों में सुविधा की जिए; कौड/वा
- (वा) एसी किसी अाव वा किसी पर वा अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया प्रया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुर्विधा वे किए:

कतः भव उक्त निर्मानयम कौ भारा 269-ए के जन्मरथ मा, बा, सकत वीधनियम कौ भारा 269-व की उपधारा (1) वे नशीम, निम्नलिधित व्यक्तिवाँ, वर्षात् ह— (1) मैंसर्म ग्रर्शवदभाई एन्टरप्राइसेस, के०/ग्रो० एन० जे० कोटक, दानापीठ, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री रिश्मकान्त जमनादास गनात्ना, श्री कुंदनबेन जमनादास गनात्ना, भीमेण्यर प्लाट, जामनगर रोड़, राजकोट, नया पता, शेरी नं ० 14, रामकृष्णनगर, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

चन्द्र संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वालोप ह--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, अरे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याग्र;
- (क) इस ब्रांचन के राजपण में प्रकासन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात विजित में किए जा कर्केंगे।

स्पन्द्रीकर्णः -- ५समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-विश्वय के अध्याय 20-क यें परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

धनुसूची

बिल्डिंग मोरी नं० 14, रामकृष्णनगर राजकोट रिजस्ट्रेशन नं० 360/17-1-85

र्जा० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, भ्रहमचाबाद

तारीख: 23-7-85

अ**क्ष बार्ड टी. एन<u>ः</u> एस------**

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-भ (1) के अभीन सुझना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रजन रेंज-1, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3830-----श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्था प्रकार परवास 'उक्त निर्धानयन' सहा गया हैं), की भाक 269- स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तिसमें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ विकास अपिनियम, १९५७ विकास अपिनियम, १९५७ विकास अपिनियम अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किवा जाना चाहिए था, जियाने में सुविभा के लिए;

ब्रसः ब्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) वे अधीश, निकालियिक अभित्तरों, अर्थातः :---

- (1) श्री वीपोनभाई जयंतीलाल जहातकीया, श्री शोरीषकुमार जयंतीलाल जहातकीया, श्री ग्रशोककुमार जयंतीलाल जहातकीया, श्री हरीशकुमार जमंतीलाल जहातकीया, श्री ग्रनीलकुमार जमंतीलाल जहातकीया, स्टेशन प्लाट, गोंडल जिला : राजकोट (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमती विज्याबेन वल्लभदाम मेहता, 'मातृष्ठाया', 26—मील परा, राजकोट ।

(भ्रन्ति)

करों यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्मारिए के पार्वन के लिए कार्यवाहियां करना हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज़बन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की जबीध वा तत्क्रम्थमधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- केइध किसी बन्य क्यक्ति इवारा अभोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिशाधित है, नहीं कर्य होता, जो उस अध्याद में दिवा नवा है।

अनुसूची

बिल्डिंग मोरी नं० 5 राजपुतपुरा राजकोट में रिजस्ट्रेमन नं० 62/85/3-1-85।

जी० के० पंड्या मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 23-7-85

प्रकल आहे हैं। यून , एस

आयकर क्षित्रां तथम , 1961 (1961 का 43) की क्ला 269-व (1) के वर्धीय क्ष्मा

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3831——ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

लावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम शांधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रः से विधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं के 'मीलकत 'पूनम' श्रमरापाली सिनेमा के सामने है तथा जो रैया मुख्य रोड़, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-1-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान परिवाहन के किए जन्मान को महिंदु हैं और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्निक्ति उन्हें स्थ है उन्तर सन्तरण शिक्ति में शास्त्रविक रूप से अधित नहीं मिन्ना गया है —

- (क) बन्तरण सं हुई फिसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम को बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्क बचने में स्विधा के किए कींग्रंबा

अत: अब, ज़क्स अभिनियम की भारा 269-श के अन्यरण में, बैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की लगभग्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रोमता भारषाबेन म्यामभाई डागर 3, वैशालीनगर 'ग्राणीप' राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नलीनीबेन भगवानदाय संघवी, रामाभाई एल० गाम्बतु 3, शंकर नगर, एम० बी० एम० कालेज के पीछे राजकोट ।

(अन्तरिती)

क्हों शह शहूचनः कारी करके शुनिवत्त सपरित के जनंत के जिए शार्यशाहियों करता का ।

उपत कल्पीत के कर्पन के इंबंध में कोई भी वालीय :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में त्रकावन की शारीब से 45 विन की भवित या तत्संबंधी व्यक्तिनों पर सूचवा की शाबील से 30 विन की अवधि, जो नी क्यिंग नाम के समाप्त हांती हो, के भीतर पर्केक्स स्थापनस्यों के से जिस्सी स्थापन कुनाय;
- (व) इस क्वां के रावपत्र में प्रकावण भी सारीस में 45 दिन के भीतर उनके स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अवोहस्ताक्षरी के पात निवास में किए जा सक्तेंगे।

स्वताकरण क्ष्मिमें प्रमुक्त संस्था सौर पर्यो कर वो उक अविनियम से अध्याय 20-क में नश्न परिकारिक ही, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गवा है।

वयसची

मीलकत रैया मुख्य रोड़ पर प्रमरापाली सिनेमा के सामने 'पूनम' राजकोट रजिस्ट्रेशन न ० 428/18-1-85

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख: 23*-7*—85

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्चर्णन रेंज-1, श्रहमदाबाद
श्चहमदाबाद दिनौक 29 श्रगस्त 1985

निदेश नं० पी० म्रार० नं० 3832---म्रात: मुझे, जी० के० पंड्रपा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 249 वर्ग मीटर टी० पी० एस० 21 है तथा जो एफ० पी० नं० 421 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास एरने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप ने किथित महों किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लिजिन व्यक्तियों, अपि :--- (1) श्री अमृतनाल वापूदास पटेल, वीकींग फ्लैटस, सी० एन० विद्यालय के नजदीक, अम्बावाडी, अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेशभाई ग्रार० पटेल, ग्रागेंनाइजर बीकींग फ्लैट ग्रोनर्स एसोसिएशन बीकोंग फ्लैटस, सी० एन० विद्यालय के पीछे, ग्रम्बावाडी ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 249 वर्ग मीटर टी० पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 421 हिस्सा 2 ए० एस० पी० नं० 4 रजिस्ट्रेशन नं० 364/8-1-85

जी० के० पेड़सा ाक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रासुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. श्रहमदाबाद

सारीख: 29-8-85

प्रकृत नाहरे. दी. एन्. एक्_{.से} व व व व क

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा. 269-म (1) के अधीन सुम्ला

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आव्यत (निरासक)

श्रर्जन रेज, श्रहमदःबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1985

निहेश नं० भी० धरा नं० 3833 ए क्यू-23/I/85-86—-मत: मुहे, जी० के० भंड्या,

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतसे इसके पक्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मृह्य 1,00,000 / - रा से अधिक ह**ै** औं जिसकी ५० जभीन ज्नागढ़ में सर्थे न० 204 है तथा जोर केदफल 2 एकड़ 15 एंडा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण कर स विणत है), राजस्दी-कर्त ग्राधक री के कर्यालय जूनागढ़ में राजस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 2-1-85 को पूर्वीक्त समपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह पतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फर निम्निलिसित उद्दोश्य से उद्धत अन्तरण निस्तित में बास्तिसिक

> (क) बन्तरण से हुइं किसी बाध की बाबत, जनस निपित्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के साबित्य के कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिक्; मौड/या

स्य से कथित नहीं किया गया है ---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) बी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीनायकी कर्द्रवशन वंपनी, मार्फत श्री नरपीकाई गपालकाई, श्रकोक नगप कोसायटी, ृनागढ़

(ग्रातरक)

(2) श्री रक्षीकलाल कजलाल कजाती, जेसुखलाल कजजा कोकसी, चोकसी बाजार, कृतागढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्मर्व्यकरण: ---इसमाँ प्रयुक्त शताँ और पदों का भो खक्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाविद्य हैं, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में दिवा विद्या हैं।

वन्तुका

एन० ए० जभीन, जून 10° में रेबन्यु सर्थे नं० 204क्षेत्रपत 2 एकड़ 15 गुंडा रजिस्ट्रेशन नं० 12/2-1-85।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राक्षिकारी पहायक प्रायकर प्रपुतत (नि.वि.ण) प्रर्जन रेज-1, प्रहमदाबाद

तारीख: 29-9-85

प्ररूप आइ^{*}.टी.एम.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रार्शन रेज्-1, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रगम्स 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव खेती ती जमीन जनागढ़ तथा जो है जफल हैक्ट 8-04-38 में त्या है (और इसमें उपायद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजल्ट्रीकर्ता श्राधिक कारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्राधिक्यम, 1908 (19 8 का 16) के अधीन 1-1-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मन्य से कम के इशामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गठा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की धानत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अग्य आस्तार की स्तार अन्तरिती वृज्या प्रकार नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था. स्त्रियार में स्तिया स्वार की क्या की क्या की किया किया की किया किया की किया की किया की किया किया की किया किया की किया किया की किया किया की किया की किया की किया

बतः बवः, उक्त विधिनियम की धारा 26%-ग के अनुगरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बंधीन. जिम्मिलिसिक व्यक्तियों, अर्थास

- (1) श्री महेन्द्रलाल माध्वला ं पारेख, और श्रय, जगमल चौक, ंागक़ (ग्रन्तरक)
- (2) भगवतगुरु ग्राश्चः ट्रस्ट, मैनेजिंग ट्रस्ट महंत श्री हरीयतलभदासजी गुरु श्री चीक्कमदासजी भ वत गुरु ग्राह्म, जोषीपुरा, ुन गढ़

(भ्रन्त(रती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पथ्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का खो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूघी

छेत की जमीत जूनागढ़ में क्षेत्रफल हेक्टर 8-09-38 र्राजस्ट्रेशन नं० 269/31-1-85

जी० के० पंड्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-8-85

प्रकृप बाद् , टी. एन्. एस्. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का ३३) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

ब्राइच सङ्ग्रहाङ

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रगलत 1985

निदेश नं पी० श्रारः नं 3835 123-I/85-86 —श्रत: मुझे, जी० के० पंध्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास भाष्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है अधिर जिसकी संह से है तथा

आर जिसका ६० सब ने० 388 2 जमान महुवा म ह तथा जो नगरपालिक के वाहर में श्यित है (और इससे उपाब अनुसूची में अर पूर्ण ६प से वांण है), रिजर्ज़ीक्ती अि-कारी के कार्यालय, महुव में रिजर्ज़ीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-85

को पूर्वोक्त सम्परित को उपचित बाजार मूल्य सं कम क रश्यमान वितिफ स के लिए अन्तरित को गई है और एक पह । बन्धाय करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण निधित में बास्तिक स्था से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथस अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुन्धि। के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नत अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निस्नितिष्वित स्पिक्तयों, अर्थात् ह— (1) और एफ केमबन्न के केहनकाई अंडारचरा म_ुब

(भ्रातरक)

(2) श्री देवजीशाई केशवलाल कपडिया, अनुष्ट कियन गो० श्रा० हा० सोसायटी लि० श्रीन गण के सामने, मध्यः

(अन्तरिक्षी)

की यह सूचना धारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन अ जिल् कार्यवाहिता हा

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्मन्ध मा कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की सारीब स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूरका को तार्थन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्स क्यांजिया के से एंडरी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबित के राज्यक से पकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बेव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

वन्स्य

जभीत सर्वे नं० 388/2 महुत्रा में तगरप लिका के बाहर।

जी० के० ४ या लक्षम पापिकारी सहायक प्रत्यक्तर प्रत्युक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

तारीख: 30—8—85

बोहर 8

प्रथम बार्ड, टी. एस. १६., ००० व्यक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुधना

शास्त्र रहनाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निराक्षक)

श्रर्जन रेंज, श्रहमद बाद श्रहमदाबाद, दिनाक 30 श्रगस्त 1985

निदेश २० पी० ग्रार० २० 3836--- श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 102, जमीन महुवा में है तथा जो नगरपालिका बाटर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राह्म-कारी के कार्यालय, महुवा में राजस्ट्रीकरण ग्राह्मित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 18-1-85

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमन पतिफन के लिए बन्सरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथायमें कर संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह बित्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बित्यत, निम्नसिवत उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्लिड के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुइ किसी आव की बाबत, संबद्ध बिधनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बाड़/वा
- (क) एसी किसी जाम वा किसी धन या अभ्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा अकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री ६८महास विट्ठलदास दोसी, सर्राप, बाजार, बोमर्स चेम्बर के नजदीक मह्व

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खरक कान भाई बाबुभा । बह रवरा, म₂वा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेंक्त संपति के अर्थन के सिए कार्यमाहिया करता हु।

बक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी जाओप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्ची

जमीन सर्वे नं० 102 महुवा में नगरपालिका लिमिट के बहर।

> (जी० के० ५ंड्या) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंड-1, ग्रहमदाबाद

वतः वर्षः, उक्त विभिनियम की भारा 269-भ के वन्सरणः प्रां, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्ननिश्चित स्वितिष्ठी, वर्षाक् क्ष-

तारीख: 30-8-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 264-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जन्य, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां रु 30 प्रशस्त 1985 भिवेश नं पी । आए । नं । 3837--अः मुझे, जी । के ।

पंद्रया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ला संख्या आ फिल सेकंड प्लोग्स्पर ब्लाक ए बी सी हैं क्ष्या जो श्रं जारिया एस्टेट के० पी० रोड, जामनगर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजरदी कर्ता अधि करी े कार्यालय, 37ईई जामनगर में रिजिन्दी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन, दिनांक 7 - 1 - 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि** यथापूर्वेक्ति संपत्ति का अचित बाजार कर्मा. उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उत्दर्य से उत्कत बन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की शवत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे सचने में अविधा के लिए; बार या/
- (बा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ धरे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप्शने में सिषधाके लिए;

अत: वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण 🖈, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ नहीं उपधारा (1) हे अभीत निपदीपिश्वत व्यक्तियाँ, अथातः-

1. अंजिलस्या एउटेड प्रा० जिनिहेड के० बी० रोड, अत्मनगर ।

(अन्तरक)

2. मे पर्स आपर बेंद्र शाह फीब्ली दूस्ट 'सोतील' मुम्मेर कलब रोड, जामनगर।

(अन्सरिती)

का यह स्वना जारी कर्के प्रतिकत संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कांई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्**चना** की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकत •यवितयों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **सारीस स्रे** 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पान लिखित मो किए जा सकागे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

आफित स्रंजित्या एस्टेट में जामतगर के० वी० रोड, ब्लाक ए०बी०सी० सेकंड पलोर पर 37ईई दिनांक 7-1-85 की फाइल किया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकन (निरीक्षण) अर्जनरें ज-I, अहमदाबाब

तारीख: 30-8-1985

प्ररूप आइ .टो. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-I, अहमदाबाद

- अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1985

निवेश र्न० पी० आर० नं० 3838—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी सं० भिनितागर सोतायटी गोरी नं० 12-11 फ्लाट नं० 51-बी०-2 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध जनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधितारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत विनांक जनवरी-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास भरने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किरीतकुमार प्रागजीभाई बुद्धभट्टी श्री विजयाबेन प्रागजीभाई बुद्धभट्टी पुनीत बिल्डिंग ए०-1, फ्लंट नं० 45, एस० बी० रोड़, बोरिवली वेस्ट बोम्बे-42।

(अन्तरक)

(2) श्री विजयभाई बृजलाल सांगानी श्री हरेशभाई बृजलाल सांगानी भक्तिमगर, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

बिल्डिंग भिक्तिनगर सोक्षायटी में गोरी नं० 12-11 प्लाट नं० 51-बी०-1 राजकोट।

> जी० के० पेंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदानाद

तारीख: 23-7-1985

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर आंधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्थत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिलांक 23 जुलाई 1585
लिवेश नं० पी० आए० नं० 3839--अत: मुझे, जी०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० सर्वे नं० 440 बी० प्लाट नं० 26-राजकोट है तथा जो राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणान है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-85

को गर्जीका संस्थित है एकित काजार भ्या में कम के दृष्यमान अतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि प्रधापर्वेकित संपरित का उचित काजार प्रत्य प्रभक्ते सहयमान प्रतिकाल में एमें दृष्यमान प्रतिकाल का प्रन्तक प्रतिकाल में एमें दृष्यमान प्रतिकाल का प्रन्तक प्रतिकाल में अधिक है और अल्लाक (अल्लाकों) और असरिती (अंतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया दिल्कल निकालिक्षित उद्देश्य में उक्त अंतरण कि कित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) यत्नवण म हुइं फिल्मी नाम की बाबन, उक्त अधिनयब की अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) गोभी किसी गाठ गा किसी भर या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 10?? (10?? का 1!) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, जक्त अधिनियम की भारा २६९-२ की उपभार (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों स्थिति :-- (1) श्री मः सुबलाल जनेरचंद कोठारी कुल मुख्यनार-अी वृजनाल ठाकरसी सांगानी गरेडिया कुवा रोड़, राजकोट ।

(अन्दरक्)

(2) श्री भगवानजी छगनलाल वदानी 7-रघुवीर परा, राजकीट ।

(अन्यारितीः)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीयत ारपीम के अर्जन के लिए । कार्यधाहिए। करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्द मी आक्षंप :--

- (क) इस म्बना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि में तत्मच्चर्यी ल्यांकितयां पर मुबस की तामील रा 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वधिता में में किसी स्वक्ति ह्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष्ट से 4.६ विकास मीला स्थान स्थान स्थापित में हिनकद्रभ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शृष्ट लिखित में किए जा सकेगे।

स्थब्दीकरण: -- समा प्याचन शब्दा और पदों का, आं उक्त किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होंगा जो नस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीत सर्वे नं० 44-त्री० प्ताट नं० 26, राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 499/21-1-85

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 23-7-85

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1985

िदेश नं० पी० आर० नं० 3840—अत: मुझे, जी० के० पड़्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी संव सर्वे नंव 449 प्लाट नंव 42 रेस कीसे रोड़, है क्या जो एव जीव आफिए के पीछे राजकोट में ज्यित हैं (म्रीर इडके उपाबद्ध अनुसूची में म्रोए पूर्ण रूप से प्रणित हैं), रिक्ट्रीड़ती अविज्ञारी के जार्यालय, राजकीट में रिकट्रीड़रण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधित तारीख 17-1-85

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान क्रिक्ति को सन्ति को गई है और मफे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथाप्यों वस संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दक्ष प्रतिगत से अधिक, है और अन्तरक (अंतरका) और अंत्वरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्त-भक्त निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्त-भक्त किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहूर्त किसी साथ की बाबस, उपल अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा असमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो, जिन्हों भारतीय अन्य के की श्रीन्य में 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, के भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया स्मा वा या किया जाना वाहिए था कियाने में भ्विभा के न्यि;

बनः श्व, ठक्त विभिनियम की धारा 269-ए त अस्तर हैं, में उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै बधीन निम्मलिक्षित व्यक्तियों अधीत :----

(1) श्रीमती भारदाबेन जरंतीताल आम्प्रपाली सिनेमा के पीछे, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीशमाई जयंतीजाल दोशी 'नीरमल' किशनपरा बस स्टोप के पजदीक, राजकोट।

(भ्रग्दिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

राजकोट सर्वे नं० 449 प्ताट नं० 42 रेम कोसँ ए० जी० आफिन के पीछे, राजिल्ड्रेसन नं० 407/85 दिनांश 17-1-85

> जी० कें ० पंड्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज⊶, अहमदाबाद

लारीखा: 23-7-85

ोहर:

व्यक्त बाइ^र. टी. एवं. **एवं.** -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक बायकर बायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई, 1985 निवेश नं० पी० म्रार० नं० 3841--म्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर सधिनियम, 1961 ...961 का 43) (विसे इसमें इमके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕ - रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० बिल्डिंग वार्ड नं० 6 पर राष्ट्रीय माला रोड है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विशत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राध-कारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 29-1-85

क्रो पृद्यों कर सम्परित को उचित बाजार मृख्य संकम को दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसि व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रांत्रशत से प्रधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा भे भिए: भार/वा
- (ज) एंसी किसी नाय या किसी भन वा नन्स शास्तियाँ को जिन्हुं भारतीय आयकर अभिनियम, (1.922 का 11) या इक्त अधिनियम, या 1957 (1957 का 27) भन-कर विभिनियम, के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया पया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके सिद्

अत: अय, उक्त वीधनियम की धारा 269-ग के बनुत्तरण काँ, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) क्रजीय निम्नज़िबित व्यक्तियाँ, वर्षात् १-- •

(1) श्रीमती कान्ताबेन माटुभाई देशाई, श्री श्रपार्टमेंट ब्लाक नं० 2, सरदार नगर वेग्ट मुख्य रोड रेलवे लाईन के नजदीक, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2 मैसर्स विज्या एन्टरप्राइसेस, श्री चेम्बर्स. क्षोकोन बाग, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

का मह स्वान बारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त अवस्तियां मो से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बृधारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त संबद्धे और पदों का, जा उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया यवाही।

नरम्यी

बिल्डिंग वार्ड नं० 6 पर नं० 873 राष्ट्रीय शाला रोड राजकोट राजस्देशन नं० 743/85/29-1-85

> जी० के० पंडया लक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन ^ऐज−ा, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-7-85

मोहर≝

24-266 GI 85

भक्त नाहाँ टी. एव. एस. - - - -

नाथकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 30 ब्रगस्त 1985

निर्देश नं० पी० श्रार० नं० 38 ±2—श्रत : मुझे, जी० के० पंडया, '

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत लिथिनियम' कहा गए हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित संस्ता करने 1.00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी रं अर्थ नं 399 की जिसीन और मक न है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबक प्रमु-स्की में और पूर्ण रूप से बाणत है), राजस्क्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार शृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ गथा गया प्रतिफल मिस्निविधित उप्रवेषय से उथत कम्तरण में विस्तर में वास्तिक रूप से किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्ता अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व यां किसी करने या उससे क्षाने में मृजिया के लिए, बॉर/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियो दिनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था हिलाये व विशेष के किए;

(1) श्रीमती व पृंबर मोहनलात जसान। कें | श्रीक जयंतीलाल रावजीभाई मेहता 152, कुजरात सोसायटी सेकंड कोर, साय। भोम्बे-400022

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रादीनाथ को० ग्रा० हा० सोसायटी लि०, प्रमुख-अशे भरत कुमार जयंतीनाल शाह, जादीनाथ टावर्स, श्राल क्षण्डया रेडियो के सामने, पंग्त सीताराम मार्ग राजकोट-360001 ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए अर्थवाहियां अरता हों।

उचन सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर प्रकार का जान के उन्हें का किया किया किया की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अमसकी

जमीन सर्वे नं० 399 बी० राजकोट में।

जी० के० पंडया सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिकिल व्यक्तियों, अर्थात .---

तारीख: 30-8-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद महमदाबाद दिनांक 30 म्रगस्त 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3843—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

नाधकर अधितियम, 1961 (1961-का 43) (जिन ध्याने इसने पश्चात् 'उन्त निधितियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के नधीन सङ्गभ प्राधिकारी करें नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

और जिसकी कं ध्रापिम नं. ए०-2 छठा मजला मेडीफेर सेन्टर में है तथा जो टाउन होल नजधीक ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबड ग्रनुसूबी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्शिरी के कार्यालय, 37 ई० ई० फाइल किया में रिजम्ट्रीकरण ग्रिक्शित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रदीन 21-1-85

को प्वांक्त सम्परित को उचित बाजार मूल से का को स्थाना शितफल को लिए अंतरित की गई है और मुफे.यह विकास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार सान्य सससे करवान प्रतिकान में. एसे दश्यमान प्रतिकान का पत्यह शितकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितिकों) को बीच एसे अन्तरक से लिए तक वाबा गवा प्रतिकान, निम्नितिक्ति उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निवित्त में शिक्स कर में अरंकित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिवध की अधीन कर दाने की अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उसने सकने में सुविधा को लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए था, कियाने में मुजिधा के लिए।

बतः अव. अवत अधिनियम की भाग 269-म के जनुमरण में, में, उनत अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रमृतलाल एस्टेट श्रान प्रोसिष्णन भैसर्स हंसमुख शाह एण्ड कंपनी पर्स्ट फ्लोर चीनूकाई सेन्टर ग्राश्रम रोड, भ्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ विनोदकुमार एस॰ पटेल स्टेशन रोड, कपाटभंज जिला—खेडा

(भ्रातिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यवितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचन। की राजपण में प्रकाशन की तारोख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी की बास लिसिन में किए या मकींगे।

श्यक्दीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, था उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची.

भाफिस नं ए-2 छठा मजला मेधिकेर सेन्टर क्षेत्रफल 770 वर्ग फीट श्राश्रम रोड श्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राविकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 30-8-85

प्रकृप बाइ", टी एन्, एस . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-ग (7) जे अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाब द
श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रगस्त 1985

निदेश नं० पी० प्राप्त पं० 3844—प्रतः मुने, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

हौर जिसकी २० आसि ६० बी० पार्ट सेकन्ड पलोर से तथा की भेडीकार सेन्टर टाउम हाल नजबीक अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज द्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय, 37 ई० ७० में पाइल िपा रिजरद्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-65

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिकिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण अं हुइ किसी बाय की वावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयका अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उस्त अधिनियम, या अनका अधिनियम, या अनका अधिनियम, 1987 (1987 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) प्रमृतलाल एस्टेट आनर्न एसोसिएशन भैसर्स इसमुख शाह एण्ड कपनी पर्स्ट पलोर चीनूभाई सेन्टर भाश्रम रोड, प्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० श्रीमती स्वेता बुमारस्वामी 63-सारदानगर, न्यु विकास गृह के नजदीक, पालडी, ग्रहमदाबाद-7

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी स्वित्तकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिथ, जो भी जबिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तकों में से किसी स्वित्त इंगरा.
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्यार है।

मन्स्ची

भाषित नं की पार्ट सेवंड फ्लोर पर 'मेंक्रीकेर सेन्टर' टाउन हाल के नजदीक श्राश्रम रोड श्रहमदाबाद क्षेद्रपत्ल 400 वर्ग यार्घ 37 ई० ई० दिनांक 18-1-85 का फाईल किया।

> की के दंख्या संकम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज , ग्राहम*ा*बाद

ताीख: 30-8-85

महिर :

प्रकल नाहाँ, टी. एन. एस ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाद

चार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मगस्त 1985

निर्देश सं० पी०आर० नं० 3845——श्रतः मृझः, एी० के० पांडय जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै भीर जिसकी सं ० श्राफित पार्ट 'बी' सेकण्ड पलीर मेडीकर सेन्धर में है, तथा जो टाउन हाल नजदी ह अहमदाबाद में स्थित है (फ्रॉर) इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से विणित है), पिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाइल शिया रिस्टीकरण अधि नियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 8-1-1985 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार पंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्वरण के लिए तम पासा नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने येः उससे बचने में सुविधा के निए; कीर√या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म ज़ास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की जन्सरक को, की, हक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री अमृलाल स्टेट श्रोतसं एफोसिएशन की ओर से मैं ससं हतमुख शाह एण्ड कम्पनी फस्ट्रफ्लोर चीत्भाई सेन्टर आश्रम रोड़ श्रहमहाबाद (अटटरक)
- डा० टी० के० पटेल शांति दल कम्पाऊंड दीन वाई टावर के नगदीक मिर्जापुर रोड, अहमदाबाद (अन्.रिती)

को यह सूचना जारी कारक पृथाक्त सम्पात क अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोड़ों भी वाक्षण :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 बिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धांकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जां उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

श्रोफिस पार्ट 'बी' सेकण्ड फ्लोर मेडी केर सेन्टर में टाऊन हाल नजदीक , श्रहमदाबाद क्षेत्रफल / 510 वर्ग फीट 37ईई विनांक 18-1-85 की फाइल किया ।

> जी० कें० पांडया सक्षम प्राक्षिकारी सहाय र अ(य रूर आयुक्त: (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-1-1985

म्रक्ष वार्ड. टी. एन् एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन सुवना

नारतः स्रकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 अगस्त 1985

निर्देश सं ०पी० आर० नं० 3846—अतः, मुझे, जी० के० पांडया,

अयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रकार 'उक्त मिथिनियम' यहा गया ही, की वास 269 के वधीन सभान प्राधिकारों को, यह विक्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- छ. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं अभिन्न नं ए 3 यर्ड फ्लोर मेडीकेर सेन्टर है, तथा जो टाउन हाल नजदी ह अहमदाबाद में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाइल किया रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 18 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य तेकम के उस्थनान को लिए बस्तरित प्रतिफल की मह-विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्व, उसके द्वयमान प्रतिफल से., एसे दृष्यमान प्रतिकल का वंद्रह प्रतिकत से अध्क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक ल्य से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त सीभागियम के अभीन कार दोने की सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे यचने में नृविधा क रिष्ण, सर्पर था
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, बिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकार विधिनियम, या धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च बन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया काना थाड़िए था खिपाने में सुविधा के सिए;

डत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- अमृतलाल इस्टेट ओनर्स एसोतिएशन मैसर्स हसमुख शाह एण्ड कम्पनी फस्ट प्लोर चीन्भाई मेन्टर आश्रम रोड, अहमदाबाद

(अन्तरक)

 डा० इन्दुभाईएम० दवे
 98, शिव रेजानी सोसायटी सेटीलाइट रोड़, अहमदाबाद-15

(अन्तरिती)

को यह सृचन। बारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति की वर्षन को सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

कक्तु सम्मत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वधोहरसाक्षरी के पास सिवित में किए का सकारी

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. नहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विका स्थाही।

ग्रन्म्ची

आफिस नं० ए 3 यर्ड फ्लोर मेडीकेर सेन्टर में टाउन हाल नजदीक अहमदाबाद 37ईई दिनां ः 18-1-85 को फाइल किया।

> जी० के० पांडया मजन प्राविकारी सहायक आकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमशबाद

तारीख: 30-8-1985

प्रस्थ आहे ही. एन. एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 प (1) के प्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिमांक 31 जुलाई 1985

निर्देश संनोटिस नं० 45957/84-85---यतः मुझे, आर० भारदाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1199 तथा जो एच०ए० एल० 2 स्टेज इंदिरा नगर बंगलूर में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप विजित हैं) रिजस्ट्री कर्ता अग्रिकारी के कायिल फिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्वयमान प्रतिष्ठल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके श्वयमान प्रतिफल मं, एमें श्वयमान प्रतिफल का शन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्सरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उद्भन अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिइ;

मैसर्स सभाक्त एसोसिएट्स
 प्राथले रोड़ बेंगलूर 560025।

(अन्तर क)

2, श्री मदन लाल जे॰ हिन्दूना 211, अपर प्लेस आरचर्ड्स बेल्नारी रोड 'बेंगलूर ।

(अन्अस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्यान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 1199 जो एव०ए० एल० 2 स्टेज इंदिरा नगर बेंगलूर।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलुर

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 31-7-1985

माहर:

प्रकथ भाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्प

बंगलूर दिनांक 1 अगस्त 1985 निर्देश सं०नो₁टस नं० 46114/84-85-—पतः मुझे आर० भारद्वाज

आपकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्मार जिसको सं ० 592 है तथा जा वेस्टाफ कार्डरोड़ 3 स्टेज 3 ब्लाक बेंगलूर में स्थित है (ग्रीं) इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजाजी नगर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 23 जमवरी, 1985

को पूर्वोक्त सञ्चात्ति से उचित बाजार मृष्य से काम कै दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार बृत्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिसों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उददेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक है भे की कि पर से कार्या गया है कि

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निजय के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए अहर/बा
- (क) श्रेती किसी बाय या किती धन या बन्य अस्तियों करों, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 श्री 922 का 11) या सकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे लिए;

अतः करः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण हैं, हैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बहैं, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एस० आर० सोमशे रेड्डी
 395, मेन, ज्ञाक रजाजीन गर, बेंगलूर

(अन्तरक)

श्री डी० व्ही० कृष्णामूर्ती,
 229, कारस्ट्रीट दोन्बल्लापुर,
 बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सञ्चरित् के बर्चन को जिए कार्यकाही करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की वविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच स्थितवारी में में किसी स्थित व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-क्यूथ किस्ते अन्य व्यक्ति ब्यारा जथोहस्ताकारी बी पात निकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षिक्रिका:— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त व्याधीनिका के वस्थान 20-क में परिशामिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वस्थाद के विका गया है।

शन्स्ची

(दस्तावेज सं०4558/84-85) तारीख 23-1-85) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 592 जो 3 स्टेंज, 3 व्लाक, वेस्ट आफ कार्ड रोड़, राजाजनीमगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-8-1985

माहर :

प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच, बंगलूर बंगलूर, दिनां ह .31 जुल ई 1985

्नेर्देश सं० नोटिस नं० 46176/84-5⊶-यदः, भुझे, ऋरि० भएद्वाज

आयकत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उदात अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संजीत जिलका उचित बाबार मृल्य

ा,००,000/- रा. से **अधिक ह**ैं

प्रोति जिल्ला सं० 3 है, तथा जो अपंगिंड पृष्टुचागर्ल राणां गिपेट धेंगल्य में स्थित है (प्रीत इक्षी उत्सब्ध प्रमुख्य में प्रीत पूर्ण का तक्षी है), एति प्याति प्रिक्ष अधितियम, 1908 (1908 त 16) के प्राज्ञ तत्र खाउँ। जनगरा, 1985

का पूर्याक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने या कारण है कि यभापृषंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का प्रतिक्रत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित अं अम्तरिक क्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए आ, कियाने में स्विधा के लिए।

 गोधिन्द माल जा-84, प्रानबोग वें हट चागररी मिल रोड़, बंगलूप-53

(ग्रामाम)

2. श्रं बी० वी० मोहम्मध सः/प्राफ़ टो०पा० ए० काधर ने० 93/1, सिरसः रोड, ामगजपेट, बंगलूर-18 (ब्रन्सिरसी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदत सर्पात्त के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निमात में किए जा सकोंगे।

रषध्योकः रणः --- इसमे प्रयोकत कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अमुसूची

(ध्रसावेज सं० 3371/84-85 सारीख 31-1-1985) सब उमात्ति है जितका सं० 3 जो उत्यंगका पुरुषागल्ली, रानातिगयेट बंगलू 1-53 में रि**य**दा है ।

> मार० भाउतात्र सक्षम गाघि हारो सहायक माय हर मायुक्स (निरक्षण), मर्जन रोज, बंगलूर

研ず/簡 : 31-7-1985

प्ररूप बाई टी एन एस ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्गन रेंज, बंगलूर

बंगलू :, दिनां : 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46033/84-85- यरः, भुझे, आर० भारत्वाज,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात्। 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

माँ। जित्रको सं० 78 है, तथा नो मा ए० जी० को। तिला एक टेंट तंगलूर में स्थित है (ती इन जावद मा जो में मीं पूर्ण किति हैं), तिल्हा तिम्रिधार के प्रयक्तिय, बंगलूर सौथर जूर में रिजिस्ट्री एण अधि किम, 1908 (1908

का 16) के अपान, तर ख जननर, 1985
को पूर्वोक्त रांगीस को उचित बाबार मूल्य से कम को दश्यनान
अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
जूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (उन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया
प्रतिफल निर्मालिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिबक इष्प से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए;

बत बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनमरण यें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- अं ्ड ए प्रज्ञ 44,1-फ्लोट, 2 भैन टोड़ बैनिल नवंल, बंगलूर ।

(ग्रन्त∵ः)

 मि हिल्डा लोबो डाटःं/अफ मानुःल लोबो, ग्रांशां स्वाद त्यागराज एकःद्विंतन, तर केरे।

(प्रतः रिती)

को वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कावनाहिया कुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई. भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की बारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप्त किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इम्में प्रयंक्त क्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

(शास वेज सं० 6108/84-85 सारीख 3-1-85) सब मासि है जिल्ला सं० 78 जो एम० ए० जा० को लंगला एक टेनिया बंग्लूय में स्थित है।

> श्रार० भाष्ट्रात उत्तर सत्रिज्ञारी सह्याजश्रक्षालय (गिरश्क्षण) स्रोग रोंक, बोलूर

हार **ख** : 31-7-1985

मोहुर 💰

(मन्तर ह)

प्रकथ नाई, टी. इन , एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरदार

कार्यालय, सहायक आयधर आनुक्त (निरोधण) आने रिंज, बंचजूर

बंगजूर, दिनां र 31 जुलाई 1985

िर्देत सं० नोटिस नं० 46106/84-85 --४३३, 'हुनेर' स्रार० भारताल,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चीत् 'उक्त बाधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख क बधीन सक्स प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. स बिधिक है

भौर जित्रका सं है, तथा जो गरा निराएक हैं तात में था है भोरहत उपाद प्रमुख न भारपाहा है बार्गत हो, राजे स्ट्रा तां प्रावे राज वावालन, हैसूरन राजे स्ट्रा-करण अप्रवाननम, 1908 (1908 प्रावि) के अप्रान, कराख 24 जननरा, 1985

का पूर्वाक्त सम्मात्त क उन्ति बाजार मृत्य सं कम के रह्यमार प्रात्तफल का लए अन्तारत का गई ह आर मृक्त यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्मात्त का उन्ति बाजार मृज्य, उसक दश्यमान प्रात्तफल स, एस रह्यमान प्रात्तफल क पदह प्रातशत स अधिक है आर अतरण का तए तय पाया गया प्रात्तफल, निम्नाल खित उद्दश्य स उक्त अतरण लिखत में वास्तिक रूप स काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दन के उन्तरक के द्यायत्व में कमी करने या उसस बचन में सूबिधा कालए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या. किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविध के लिए;

कतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 2. श्राजाक एमक प्रस्ता और कुछ लोग प्रक्रिति। श्रामता जाक प्रमापुष्टा श्रक्षियास सुधा पाजशेखार गार्तिभट कालेज एकर्टे देवन, तुमजुर
- 2. श्रामती प्रति "होजा परना बार्य प्राप्त निज्यु 135, शिनाजा रोड़, एतम् भारतभोहल्ला, भेसूर (प्रतास्ति)

क्को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कायनाह्या करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- क्षः बस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क ्रात्र दिन की अनाभ या तत्सवनी व्यक्तिया वर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, को भी अन्यि बाद में समाप्त हमती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्याक्तया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक का 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सर्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के बार्श लिखित में किए जा सकोग।

स्यष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिशा गया है।

अम्मची

(स्तावित सं० 5432 /84-85 तारीख 24-1-1985) सब कात्ति है जो यादक्षिति एक्टोंग्या, देवताज भोर्ल्ला, मैंदूर में स्थित है ।

> श्राः भाद्धाः सत्रम् पश्चिः परे सहायाः ग्रायः पर ग्राप्त्यः (तिरिक्षण) ग्रागी रेंग, बीजूर

तर्ख : 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. ए६ . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अग्यकर आयुर्वेत (निरीक्षण) मर्जे रेंग बंगलूर

बंगल्ए, दिना ह 13 जून 1985

निर्देश सं० 950/85-86--प्रतः भुझे, श्रार० भारता आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' केहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० 2976 है, तथा जो भन्नावता में स्थित है (ग्रीर इस त उप बद्ध प्रापुत्र में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रा-कर्त्ता अधिकारी के तार्यालय, भन्नायता में रजिस्ट्र करण ग्राध-नियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्राप्ता ताराख 28 जनपरा, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूळ यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यभान प्रतिफल के पत्नह प्रतिक्षत स अधि है और अतरक (अतर्वा) आर अतरित (अतरितया) के बीच एसे अतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित हर्षे क्या से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कियत अक्षा किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसो आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दाबित्य की लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों कर जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

बत: बाद, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दें बधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :—- श्र मती गीए मा पतना राजू नारायण हलेसते मीदानवरायाः भक्तवती

(ग्रन्सरङ)

2. श्रीमतं सुलोचना पत्नि जयराम हेगड़े हुलेसते , मौद्यानवराया, भद्रावतः

(अस्तरिती)

का यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जक्त सम्मौत के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विन की संबंधि वा तत्मम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वान की तामीम से 30 विन की संवधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृत्रक्ति न्यक्तियों में से किसी मंत्रिस ब्यारा;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्यक्रिश्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदर अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया वस है।

जन्सू ची

(कि.येज सं० 2536 त र ख 28-1-1985) पार०सी० मेर 13---25 अगह बंधा हुमा है । इसहा मं० पाता न० 2971 है । ये सम्पत्ति भद्रायतः में है ।

> न्नाः भारहात सक्षम प्राधि परी सहायक्ष श्रायक्ष (त्रिक्षण) सर्जन रोज, बंगजूर

तार ख : 13-6-1985

बक्त बाह् . की. एप. एव . ----

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा २६०-व (i) क संशीत स्वका

बार्स प्रश्लार

कार्यास्य, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगसूर, दिनों है 9 अनस्त 1985

निर्देश सं० नोटिस नं०४६१७७/८४-८५- यतः, भुष्टे, श्रार० भाषद्वाज

मानकर मिथिनवर्ग, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रकार एक्स मिथिनवर्ग कहा पता ही), की धार्य 269 के में मिथिन समाज प्राणिकारी को वह विकास करने का आएथ हैं कि एमानर संगीत्स, जिनका उचित बाबार सूक्ष 1,00,000/- रा. से मिथिक हैं

धाँर जिनक सं० 210 है, तथा जो पुराना तरापेट, बंगलर में स्थित है (ब्राल्ड इ.स.च्या ब्राह्मचा में धाँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रास्ट्राती ब्राह्मिता है। रास्ट्राती ब्राह्मिता है। रास्ट्राती ब्राह्मिता है। रास्ट्राती ब्राह्मिता (1908 1908 ा 16) के ब्राह्मिता तरास्य 28 जनवरा, 1985

का पृत्रीकत सम्मत्ति के स्थित बाबार मृत्य में कम के क्यानान प्रात्तकल के लिए अन्तारत का नम्म है और मृत्र का प्रयाद करन का करण है कि अभाप्योंक्त सम्मत्ति कम उपित्र काचार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकल स एस क्यमान प्रात्तकल का बन्द्रह प्रोत्तकत स अधिक है और असरक (अतरका) भार असारती (अन्तारात्त्या) के अप एस जन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकल, निम्नोस्टित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निस्तित प्र

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त जो भनियम के अभीन कर दन के बन्तरके औ शावरक वो कमी करने या सबस बचन वो बृष्यिया के बाह; सीम/बा
- (स) एसी किसी बार या किसी धन या बन्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर बाधिनयम, या धन-कर बाधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोधनाथ जन्तरिती दुवारा प्रकट यहाँ किया गया था या किया थाना बाहिए था, कियान में का वर्षों के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्निकिश्वत व्यक्तिसकों, क्र-ब्रिक्ट

- ा. (1) श्र मतः टी० गोदन्मा
 - (2) अनुस्ता काश,
 - () एसः टः० सुदा
 - (1) जनस्ति अर्िशन ग्रोर
 - (3) रंगनायका रंगराज, 66, जी० पन० चेष्टि रोड्, स्थाजा राजानगर, मदास-17

(मन्तर ह)

श्रां श्रार० नार यण मूर्ति, के० पी० भागांत, के० एन० पां. रा बाबू, पा० राम न्द्रा सेट्टि, पा० सरोजम्मा, के० एन० अान्ता पूर्ति और के० एन० वें.टापल ति, पो० ा० वाका नं० 7102, के० 40सौराह्द्रापट,, कंगलूर सिटा श्राफ भरोमा इंटरप्रेंसम

('अन्तरितः)

 श्रं:पं:० धार० मिललकारजुना शेट्टि भीर बा० बी० भार र राव, 210,पूराना तरगुपेट, बंगलूर रिटा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं) का मह स्थान बार। करक पृत्तिक सम्मास क अजन क लिए कार्यवाहिकां सूक करता है।

बक्त कम्परि के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीच इ 45 विन का नगींथ ना राज्यभी व्यक्तिका पर सूचना की तामील स 30 विन की नविभि, जो भी नवीथ नाव में समाप्त हाती हा, के मोत्तर प्रविक्ष व्यक्तिया में से स्थिती व्यक्ति हुवारा;
- (क) इब ब्रुपमा के राज्यम में प्रकारण की वारीन के 45 दिन के नीतर जनत स्थापर सम्पास्त में हिंद-बहुध किया नम्म स्थापत कृताया, नभाइस्तामारी के पास जिल्हा में सिम्द का तकार्य ।

स्वकारण:----इसमे प्रयुक्त सम्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के से परिभाषित हैं, कहा अधि द्वागा. या उस अध्याय से दिया गया

धनुष्ठुचे।

दस्तावेज सं० 331684/ता० 28-1-989) सम्मत्ति है जितका सं० 210, जो पुराना तरमुपेट, बंगसूर में स्थित है ।

> आर० भारदाज रखम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्स (किराक्षण) भजन रोज, बगलूर

तार खः 9-**8-**1985

माहर:

बरूप गाइ. टी. एत. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म नंत रेंग, बंगलूर

बंगलूर, दिनां ह 9 प्रनात 1985

निर्वेश सं० सः१० भ= (62/46172/4-85 + 240), भुक्ते, भार० भागदाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मुस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

सीट जितक सं 5 पीट 5//1 है ति जो उन्दीदुर्ग रोड़ एक चेन जन बंगलूर में स्थित है (तोट इत्तर जाबद प्राप्तक में प्रीट पूर्ण रूत स वर्गित है), एति ह्यू ती प्रोत तर के त्रायील क गांध नगर में एस्ट्राकरण प्राधिति में, 1908 1908 जा 16) के प्राप्तन संदर्श्व 17 जनवर्ग, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- डांश्टांश काश पांपाला काश्या एवं होल्डार, श्रा केश एनंश सुब्बा तेंडु श्राडवीकेट, नं200, X कास विलास गार्डन्स बंगलूए-27। (प्रातास)
 - श्रा डी० अपु तिह श्रडवोकेट नं०9/7, XVI होइ, III-ब्ला : एल०ए० सरे० हालोनें । अपनगर, बंगलूर-11

-(রল্লেট্রেট্)

3. श्रः ० एस० नारायणन श्रः बी.० एस० गीका (१६ व्यक्ति, जितने श्राजिनोग में सन्दर्भत है)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उपरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधं हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दिकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहां अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हा।

अनुसूची

(एताचेन सं० 3194/ 84-85/नाराख: 7-1-85) ऐ सम जनाते हैं जिजाता तं० 5 और 5/1, जो तन्द्रोदुर्ग रोड़ एक्स्टेनजन, बंगलूर में स्थित है ।

> आरः भारद्वात सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज' बंगलुर्र

अतः उस, उसत क्रीधीनयम की धारा 269-व के अनमरण में, में, उसन अधिनियम की धारा 260-च की खपधारा (1)

को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

₹**₹**₲ : 9-8-985

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

मर्जि रेंज, जंगस्र

बंगल्य, दियोग । शगस्त 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45942/84-85---यतः, मुझे, श्रार० भारताज.

जाबकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्म 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीत जिल्ला संघ 2900 है तथा जो एत० ए० एल० II स्टेन, बंगलूत में स्थित है (ता इता उपाबस ग्राहुन में प्रार पूर्ण-रूप से विणत है), रिजिस्ट्र तो ग्रीस रिंग के ार्यालय, सिताला नगर में रिजिस्ट्र त्या ग्रीसियम, 1908 (1908 का 16) कंग्रतान, ताराख 28 जनपरा, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्या सं कन के ज्यामान क्रिक्त की लिए बन्तिरत की गई हैं और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्भक्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके संबंधान प्रतिफल सं, एस रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत सं विधिक हैं और जतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितिवां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्ना'लिखिंब उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कि बांच नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाग गा किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

अतः क्षेत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के उनसम्भ में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपभारा (1) हुआनि निम्निसित्ति अधिकतम्, अक्षीत् :--- श्राः अज मतुल्ला खान,
 2006, ए १० ए० ए १० II स्टेन,
 XII मैन, V झल.स, बेंगलूर

(श्रकार⊅)।

 श्रामती वंश्णा श्रम्न अलः, प्रतिक्षितः श्रा श्रितिक कुमार गोपलः, लाट नं ० ७ १-ए, पुराना टबर बनाए, नन्दानमः, मदाद-35 ।

(भ्रन्तिका)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कामनाह्या करता है।

उक्त संपरि के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 विन की अविध या तत्स्वधी व्यक्तियों पर
 स्वान की सामील सं 30 दिन की अविध, जो भी
 सर्वीध बाद के सवापत क्षाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सक्तेगा

क्यक्टीकरण:—इसकी प्रयक्त शक्तों और पर्दों का, जो उक्त जीधीनज्ञ, को बध्याय 20-क में परिभाषिक ही, कही वर्ष होगा वो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुनुषी

(प्रसावित सं० 3262/84 हारीख 28-1-1985) समास्ति जित्ता सं० 2998, जो एच० ए० एल०-II स्टेज चैंगसूर में स्थित हैं ।

> भार० भाजाम जनगराजिहारा सङ्ग्रहसाहर प्राहुका (तिराक्षण) सर्जन रहा कंल्ट्र

तार**ेख: 9-8-1**985

संहर:

प्रकृप क्राच् . टी . एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनौंक 9 ध्रगस्त 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46068/84-85—यतः, मुझे, मनिल कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन स्थम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00.000/- रा. सं अधिक है

पौर जिस्की सं 110 (पो प्राप्त) है, तथा जो डा० बी० एस० ए० रोड़ िल्लन्ता गार्डन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्य में प्रीर पूर्ण रूप से बिल्त है) रिजस्ट्री तिश्वधि हो। से कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिन्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 31 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मिष्ट के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की कई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितिकों) के बीच होसे अंतरण के सिए एव पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्वोध्य से उक्त अंतरक शिक्ति में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (घ) ऐसी किसी जाय वा किसी भने या जन्य जास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अंदाः अव, अक्तं अभिनिससं की धारा 269-ग के मन्स्पूण भा, भा, जक्तं अधिनियस की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निकासिक्रके व्यक्तियाँ, अधीत् :*** श्री महमद यू:फ
 110, ब: एत०ए० रोड़ बेंगलूर-5

(श्रन्तरक)

2. श्री मेरिशिया धलियाय मेहरताज 2. श्री महमब व तगीर धलिया नसस्पामा नं 128/ए 5 कात, पिल्लान्न गार्डन बेंगलूर (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना थारी करके पृशेक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करवा हूं।

जनत सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना की राज्यभ में प्रकाशन की सायख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजवत्र में प्रकातन की तारीख से 45 विन को भौतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य स्थावत ब्वारा भंभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्य किरण: --- इसमें प्रमुक्त कवा और पदों का, को उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो सम अध्याय में दिया गया है।

समस्यो

(यस्तावेजनं 3382/84-85 ता अर्था जनन्दी 1985) सम्पत्ति जितको सं 110, जो डाक्टरकी एस० ए० रोइ, पिक्लामा गाईन वेंगलूर में स्वित है।

> मारः भारदाज सक्षम प्राधिकारो सहामक माम् उर प्रामुक्त (निर क्षण) मजैन रेंज, मंगजूर

वारोषः : ५-४-११६

नोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I बंगलूर बंगलूर दिनां∉ 2 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 46024/84.85, श्रतः मुझे आर० भार द्राज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसहीं सं० 6 और 6/1 है, तथा जो शेणाद्धि पुरम बंगलूर में स्थित है (और इतसे उराबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है)रिजिस्ट्रों इरण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनां इ जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित्र बाजार बृज्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में गम्तिक हम से किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की शावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, कियाने जें सुविधा के सिक्ट;

स्त: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औ अधीन. किस्तिनियन व्यक्तियों, अधीत् :----26—266 GI|85 श्रोमती पी० ग्रध्वत्तम्मा
नं० 28, 24वा काम के० पी०डब्ल्यू० एक्सेटनशन,
बंगलूरब-0

(अन्तरक)

2. श्रीमनोहर लाल मेहता नं० 13, बसवन्ना टैम्पल स्ट्रीट श्रार० टी० स्ट्रीट क्रास श्रक्वेपेट बंगलूर-53

(भ्रन्तिंगती)

को वह बुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिए कारवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिकत बुधारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

भन्सूची

(दस्तावेज सं० 3074/85-86 ताप्रख 30जनवरी 85) सब सम्पत्ति है जिलकी सं० 6 श्रीर 6/1 जो III मेन रोड़, षोशाद्विपुरम बंगलूर-20 में स्थित है ।

> स्रार० भारब्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-8-1985

प्रकल् बार्ड. टी. एन्. एस्. -----

कायकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाषाः 269-न (1) के कभीन सुभनाः

बारव शरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ने।टिस नं० 45988/84-85—यतः, मुझे. भार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाणिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिनकी सं 191 है, तथा जो ज्लाक 1, कोरमंगला एक्स्टनमान बंग्ल्र में स्थित है (और इपसे उपावक भनुसूची में और पूर्ण का से विज्ञ है), रिजस्ट्रीय त्री अधिकारी के कार्यालय, वंग्लूर सौत तालूक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 6) के अधीन, तारीख 23 जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित गावार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाउत 3 क्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के क्षियिक में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए. भीर/मा
- (च) ऐसी किसी लाव वा किसी भन वा अन्त आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया धाना धाहिए था, छिपाने में साविधा खें किय:

रूर अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में प्रधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीफारूक मोहम्मद 24/5 बारे व्याँक रोड़, बेनसन टाऊन बंगलूर
 - (2) अब्दुल हमीद सैंट

17/16, स्पेन्सर रोड़ 1 काम फेजर टाऊन, बमलूर

(3) श्रोमित मएम० सिद्दीकी सेट 17/12, स्वेन्सर रोड़ 1 काम फ्रेजर टाऊन बंगलूर , (ग्रन्तरक)

 श्रीमती चेरिल फरनान्डीप केर/प्राफ, श्रीमतो रीता लोबो फ्लाट नं० 1-सी, ग्रजन्ता श्रपार्टमेंटस लावे हु रोड़, बंगलर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हु।

बक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान का तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होंती हो के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्षो

(दस्तावेज सं० 6463/84-85 ता०23 1-85) खाली जगह सं० 191 जो ब्लाक-1 कोरभंगला एक्स्टेनशन बंगलूर में स्थित है ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोंज, बंगलूर

तारीखा : 9-8-1985

प्ररूप आईं. टी. एन. एसं. ------

बाय कर बीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्यन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 9 कुगस्स 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45972/84-85—यतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस कें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको संटी० एउ० नं० 79/1 और स्नार० एउ० नं० 720 है, तथा जो कानवा बाजार विनेज वंगतूर निटा में स्थित है (स्रीरडससे उपायद्ध प्रनुस्त्वी में और पूर्ण रूप में विणिक्ष है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वे दार्यात्स्य, वंगलूप रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 15) के प्रधीन, हारीख 23 जनवरी, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नालिखित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रोपी० पी० मोईदीन कुन्ही
श्रो सी० एम० महमद कुन्ही
जी०पी० ए० होल्डर
ृश्री बै० श्रब्दुल बान्ही
बिजिनेसमैन, बास लेन, बासमट्टा बंगलूर
(श्रन्तरक)

मैसर्स सुलेका दूरट ,
 दूस्टीश्री वें:०महमद कुन्ही
 इन्डस्ट्रियलिस्ट बालमट्टा बंगलुर सिटी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पाना के न पत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस ची

(दस्तावेज सं० 1653/84-85 ता० 23-1-85) सम्मत्ति निकी सं० II टी० एत० सं० 79/1, भार० एस० नं० 720 जो काँउबा बाजार दिनेज ,बगसूर सिटी में स्थित हैं ।

> श्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण)** ग्रजन रेंज, **बंगका**

तारीख : 9-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुकना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आ**गुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांच 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं० डी० ग्रार० 213/84--85/37--ईई०---श्रत मुझे, श्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 वर्स 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किधिनियम' कहा तथा है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 1,00,000/- रहे. से अधिक है

अगि जिसकी सं क० सं० 51/1 (पार्ट) 51/2 और 51/9 (पार्ट) है तथा जो काटाम्बी खेडा बीच.ली.यम में स्थित है (और ट्रांटे उपार्ड अनुसूची में और पूर्ण हप से दाणित है), किस्ट्री तो अधिकारी के वामिलय बंगलूर में रजिस्ट्रीवरण अधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के शधीन, तारीख 2 -1-1985

को प्रॉक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रविमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उन्तर्भ ध्वयमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का गई प्रतिकाल का गई प्रतिकाल से अधिक है और एसे अंतरक (जन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरिध्यों) के बीच एसे जन्तरण के जिए तब पाना गूवा विकल, जिन्नलिखित उच्चेंच्य से उक्च जन्तरण जिल्हा में बास्तिक रूप में किया नहीं किया नया है :---

- (म्फ) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति स्यक्तितयों, अर्थातु:---

- (1) श्री शंकर स्थाराम पोरोब और (2) श्रीमती सावित्री शंबर पोरोब, कोठोब्मी, बीचोलियम तालुः—गोवा।
- (श्रन्तरक)
 2. मैं वीं एम सालगांच कर और ब्रस प्रा० लिमिटेड

 वास्को-डीं-गामा--गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्यकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि । नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गदा है।

सन्द्रवी

(दस्तावेज सं० डी०/213/ ता० 2 --1-1985) प्लाट--जमीन सर्वे नं० 51/1 (पार्ट), 51/2 और 51/4 (पार्ट)--कोठाम्बी खेडा, बींचालीयम तालुः---गोवा।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधि:ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलर

तारींख: 7-8-1985 मोहर प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-१ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिन्तंकः 7 श्रगस्त 1985

নিবিয় লাত ভীত স্থানত 250/84—85/37%ছিছিত----স্থানা মুন্তী, স্থানত মান্তাত,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ं3) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजर मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

अंति जिन्की संव प्राप्त नंव 3 है, तथा जो है मीं पणजीं-गोवा में स्थित है (और हाते उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजरट्री तो अधिकारी के भाषातम, बंगलूर में, रिजरट्री रण अधिकिसम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 6-2-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंस श्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में आंधिक और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससंबंधने में सृविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा का चए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० श्रादात रीयाद ईल्टेट्स प्रा० लिमिटेड, बेल्हो बिल्डिंग, पणर्जी-गोवा।

(श्रन्तर हः)

 श्रीमती इमल्डा मेंटॅरियो मास्कीठा, "मी" टाइप क्वार्टर न० एम० पीं० टीं०/एम०, 150-11-2, हेड ल्यांड, पोस्ट श्राफिन राहा, मारमगांचा-गोवा-403804।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकार न को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मा ग्रीशाबित हौ, वही अर्थ होगा जो उन्हे अध्याय मां दिया गया है।

बन्स्पी

(दस्ताबेत्र मं० डींश्र160/मा० 6--2--1985) पदाट नं० 3, पहली मंजिल, "नायन्त अनार्टमेंट" मीरामार-पणजी गोषा---102.00 लक्ष्ये० मी०।

> श्राप्य भाग्द्वाज सक्षम प्राथि : गरी सहाय : श्राथ : र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रों:, बगलूर

तारोप: 7—8−1985

महरू .

अरूप नाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाडु

कार्यालय . सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक) ऋर्जन रेंज्, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँ है 30 जुलाई 1985

सिर्देश मं० डी॰ श्रार० 238/84-85/37-ईई०--श्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकश्य करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अधित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है, तथा जो साता इनेज इल्ह्यस-गोबा में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से द्यांति है), रिजर्स्ट्रीट्राती श्रीधारी के के शार्यालय, बंगलूर में रिजर्स्ट्रीट्रण श्रीधित्यम, 1908 (1908 -T 16) के अधीत द्यारीख 5--2--1985

को पूर्वीका सम्मत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाचार पूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल में, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति के नास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुद्धं किसी बाय की बावत उक्त खिशिनयम के बधीन कर बने के बन्तरक के द्वादित्य में कमी करने या उससे बचते में सृविधा के सिए; बॉर/या
- ्तः तभी थित्सी झाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को जिल्ही भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकटनहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था. क्रियाने में गृविधा के लिए।

अतः इतः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिणित व्यक्तियों, अभातः 1. श्री पियो श्रन्टीियो श्रमेरिको वीजीटासो गोम्स श्रीमती मेरीिया चेन्होरा श्री रोकारियो वेगार गोमन, पणजी--श्रगोता।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० फ्लोरेंबर्, एफ०/2, इन्दिरा श्रदार्टमेंट्स, शास्तानी श्रस्त्वश्यक रोड,

पणजी⊸-गोषा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हि. कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🌣--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच : 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५ सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो १ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस् किसी अन्य स्थिति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पा तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिन्न भया है।

नमृत्यी

(दस्तावेज मं० डी०/151/फरवरी ता० 5--2-1985) जमीरः 596 M 2 (प्लाट नं० 16), श्रास्तीका, राम "संगुन्छेः बान्टो बेलनः सेठा" सेंठ ईनैज, ईन्हास---गोवा।

> श्चार० भारहाज गक्षम प्राधिवारी सहायदा श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, बगसूर

तारींख: 30.7-1985

में हें

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीर सूचना

भारत गरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरिक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां ए 30 जुलाई 1985

निदेग मं० डी० ग्राप्ट-207₁84-85₁37-ईर्ट--श्रत: झे, श्राप्ट भारहाज.

यकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें को बध्वात 'उन्न बिधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 39-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को बहु विश्वास करने का राम हैं कि स्थावर सन्तित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य,00,000/- रा. से अधिक हैं

तैर जिसकी सं० म० नं० 489, है तथा जो पणजी ोवा में स्थित है (ओर इस्टें उपाब्छ प्रमुद्धी में और पूर्ण रूप में घणित है), र्रायन्द्रीपती श्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रश्रीत, तारीय 23-1-1985

े प्लोक्षत संपत्ति के उण्यत बाजार मृस्य से कम के क्ष्यकान तफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने । कारण है कि संभाषको कत संस्पत्ति का उण्यत बाजार मृस्य सके दश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह तथ्यमान प्रतिफल का पत्त्वह तथ्यमान प्रतिफल का पत्त्वह तथ्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती .न्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गमा तिफल , जिन्तिलिसत उद्देश्य से उचत अन्तरण सिचित में स्तिषक कम से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्न में कमी करने या उत्तते बचने में बृतिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार ऑध्यित्सम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा चै लिए;

अतः सर्वः उक्तः अधिनियमं की धारा 269-**गं के अनुसरणः** , में उक्तः अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (†) अधीर निस्तिचितं क्यो**क्तयों, अर्थावः** *—— श्रीमती इमा लुइन वेगत, द्वारा बामत रीयल इस्टेट्न, एफात, इंदिश श्राटमेंट्स, बायतनो श्रलबुक्त रोड, पणजी-गोंबा।

(भन्तः (कः)

 मै० वामत रीयल इस्टेट्म एफ/1, इंदिरा अपार्टमेट्म, नायतनो अलबुवर्क रोड, पणजीं-गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह ६, रना कारी करके पूर्वांक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शु. फरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अवधि या तस्त्रंबंध. व्यक्तियों प्र स्थान की तानीस वे 30 दिन की सर्वाध, को की स्थाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ध व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तिय ब्वक्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतप उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्वाक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

लाकीक प्रण: इंड में प्रवृक्त करूरों और नवीं का, जो उक्त जीभीनयम, के बभ्माय 20-क में परिभावित हैं, नहीं कर्य होंगा जो उस अभाव में दिवा नवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/114/ तारीख 23-1-1985) मेट्रीयाज नं० 489, ग्रास्तीं का नाम प्रीमीया ग्लोबा डीं सन्टा पार्टे डी मुलटीनीम--पणजी-गोषा।

> श्रा∵० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, बंगलूर

दिनांक: 30-7-1985

- प्ररूप बार्ड टी. एन. एस -----

कासकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार जायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंड, बगलूर

बंगलूर, दिनां : 30 जुलाई 1985

निदेश सं० তী০ স্নাर০ 227/84-⋅85/37ईई----স্নব: দু#ो স্নাर০ সাব্দাত,

आयकर आजित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'सबस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. संअधिक हैं

और, िर्द्या सं० थाए नं० 6 है, तथा को मापुना गांव में स्थित है (ऑल इससे उपावड़ अनुसूची में ऑर पूर्ण स्प से बॉणत है), रिजस्ट्रीइर्ता श्रीवकारी के टार्याल्य बंगलूर में रिजस्ट्रीइर्ण श्रीधित्यम, 1908 (1908 टा 16) के बार्धीन, तारीख 5-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रातिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उफ़के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच कितरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्निलिसित उद्द के उक्त अन्तरण निस्ति में शास्तिक एक्य में कियत नहीं क्रिक गया है :---

- (क) अंश्वरण संहुई किसी बाब की शावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा अे लिए; बरिं/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

শ্বের শশ্ব, उस्त अभिनियम की भारा 269-ए क अनुसरक । শ্বি শ্বিল ভবর অধিনিয়ম কী भारा 269-ছ কী ওদ্ধানে ()। আ স্থিমি, নিদ্দানিভিত অধিন্যা, কথান श्री संरजीर्या छी० जेसुन कारवेल्हा, अपीजिट द फर्झोडा, मापुना-गोवा।

(भन्तरक)

 श्री पाल वीक्टर श्रलमीडा, द्वारा डोमनीक नजरेट श्रलमीडा, श्रडमा ऑपे.: डाम श्रायलंड, श्रबु दुबई--यू० ए० ई०।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविधि, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ≠ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

(दम्तावेज सं० डी०/142/ ता० 5-2-1985) भाप नं० 6, ग्राउण्ड फ्लोर लिजर्टी श्रपार्टमेंट्स, श्रपोिक्ट फर्झेंडा, मापुसा-गोवा।

> श्रार० भारद्वाङ जंभम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

कारी**ज**: 30-7-1985

मोहर 💠

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रोंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं० डी० आर०-215/84-85/37ईई---श्रत: मुझे, आर० भारहाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा सं अधिक है

और जिसकी सं प्लाट उसींन का भाग है, तथा जो कुडनेम खेड़े-जीकी लिगम---गोवा में स्थित हैं (और इसके उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणित हैं,) रिजिस्ट्रीकिती श्रिधिकारी के कार्यालय, वगलूर में, रिजिस्ट्रीकिती श्रिधिकारी के कार्यालय, वगलूर में, रिजिस्ट्रीकिएण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-1-1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क ब्रायित्न में कमी करन या उसस बजने में जिया है लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या जिसी पर या अला आफित्य को, जिन्हीं भारतीय आय-दार लिपिनिणम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करना चाहिए था छिपाने मी स्थिका के किश;

भारा वस, उन्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भो, मो, इन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अपीत किम्निजिश्वित व्यक्तिमों, अर्थात् :---27—266GI/85 (1) श्री प्रकाण श्रार० हेडे,
 (2) श्री प्रफुला आर० हेडे,
 भीरामार-अभणजी---गांवा।

(श्रन्तरक)

 मै० सालगावकर माथिनिंग इंडस्ट्रींज प्रा० लि०, वास्ता-डी-गामा-गोबा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा, सकोंगे।

त्याक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

(दस्तावेच सं० डी०,215, ता० 28-1-1985) प्लाट जमीन का भाग, "बोरोडी" कुडनेम खेडा, बीचा-लींयम-स्रगोवा।

> ग्रार० भारहाज सक्षम प्राधि गरी सहासभ श्रायक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

नारीख: 8-8-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

धारकं क्रकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 श्रगस्म 1985

निदेश मं० डी० ग्राप्-0-214/ 84-85/37ईई---ग्रतः मुझें, आप्-० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० क० सं० 273 व 278 (पार्ट) है, तथा जो बोल्डोरा खेडा, पोंडा तालुक पणजीं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के वार्यालय, बंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के श्रीधीन, तारिक 28-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से बिधक है और बन्तरिक (बन्तरिक्तें) और बन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितौ ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्री यणयंतो लक्सींमना पौ रायकर और
 (2) श्रीमती पुष्पा मणवंतो पौ रायकर, श्रीव्योग---पोंडा--गोवा।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० सालगावकर मायनिंग दृण्डस्ट्रीज प्रा० लि०. वारको-गोघा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वों कर स्थापित संस्थित की वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत् संपृत्ति के वर्षन् के तंबंध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह हं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारः
- (ब) इस सूचना के ट्रावपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिस् द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकेंचे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में जिला स्या है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० डी०/214/ ता० 28-1-1985) सर्वे नं० 273 व 278 (भाग), "वाकाम अगोर पायक्वीम और मोठा", बोन्दोरा, पोंडा, तालुक, पणजी।

> श्वारं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-8-1985

माहर:

वचन वार्द्, ट. एक्. एक. - - ----

कत्वकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुकता

ब्रास्त सर्काह

कार्यासय, शहायक जायकर नायुक्त (निद्वीकाण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांवः 8 ध्रगस्त 1985

निदेश सं० डी० श्रार० 186/84-- 5/37**६६-**--श्रतः सुझ, श्रार० भार**द्वाज**,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्रचात् 'उनत निधनियन' कहा नवा हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० चालता नं० 249 पी० टी० मीट नं० 208 है, तथा जो मरगाव—गोथा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं). रिजस्ट्री-कर्ती प्रधिवारी के वार्यालय, वगलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-1-1985

को पूजोंकत सम्मति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रीतफल् के निए कस्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभावृजोंकत तम्मतित का उचित नाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकस से, एसे क्रयंजान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकात से कथिक है और जन्तरक (अन्तरकार्ग) और बन्तरिती (जन्तरितिकार) के नीच एसे जन्तरण के निए तम गमा गमा प्रतिकल, निम्निनिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरम जिल्हा में नास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अभिकृषिया के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; अर्थ/या
- (क) योवी किसी बाब वा किसी धन या अन्य जास्तियों को विक्षे प्रारतीय जायकर जिथिनवज्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धन-कर अधिनिक्क, 1957 (1957 का 27) के अभेजनार्थ कर्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रुजिया की तिक्षः

सतः सव, उन्नत निर्माणनम की भारा 269-न के अनुसदक में, में, उक्त निर्माणनमा की भारा 269-न की उपधारा (1) के नभीन, निर्माणिया व्यक्तियों, जुमादि स—

- 1. श्रीं विस्तु एस० सेठ मापसेनकर,
 - (2) श्रीमती तारा विस्तु सेठ मापसेनकर,
 - (3) श्री ग्रानन्द एस० सेठ मापसेनकर,
 - (4) श्रीमती विजया ए० सेठ मापसेनकर, कोबां, मरगांच-गोवा।

(भ्रन्तरक)

 मै० सपना रियल इस्टेट्स, मरगाव-गोषा।

(अन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वेषित सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उपत सम्मत्ति के धर्मन के धन्त्रनथ के कोई भी अवशेष है---

- (क) इस सुचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वास में समाचा होती हो, के मीलर पूर्वीपत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीये।

FIGE

(दस्तावेज सं० डीं० 110/ ता० **8-1-198**5) तींन प्लाट, को**डाँ मरगांव** सर्वे गं० वालता न० 249, पी० टी० सीट नं० 208।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेगलूर

नारीख '8−8−1985

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . ------

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

नारह दरकार

कार्यालय, सहायक भावकर वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० डीं० श्रार $_l$ 179 $_l$ 84-85 $_l$ 37-ईई--श्रत मुझे, श्रार $_0$ भारहाज,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव सर्वे नंव 16-क है, तथा जो शायास्वी लियम तीरवार्ड, गोवा में स्थित है (और इस्के उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रींटर्सा अधिवारी के वार्यालय, बंगलूर में रिजस्ट्रींबरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख 8-1-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का जाजत बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए त्य बाया गया प्रतिफल, निम्निचिक उद्बोध्य से उसके अन्तरण विश्वास में वास्तविक क्य से किंग्सन नहीं किया गया है ॥——

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, खबरा निपनित्रम् के बंधीय कड़ दोने के बन्तास्क की सामिरम् में कभी करने ना स्वसं मुचने में स्विधा के निष्: कॉर/सः
- (था) एकी किकी नाव या किसी अन या जन्य आहितकों कां, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, जिनाने में सुन्युमा के दिए;

नतः जव, उचत विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक में, में, अवल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती और श्री तीयोटोनियो नेवियर नाटीबीडाडे, अलमाओ, 58, बतलबेतीम, भालसेठ---गोवा।

(भ्रन्तरक)

 मै० बीकास एन्टरप्राईजिज, प्रक्वेम, मरगांव—गोवा।

(ग्रन्तरितीं)

को यह श्रूचमा वारी करके पूर्वीक्त संप्रीत के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाभेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश श्री 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए वा सक्चे।

स्पष्टीकरण:---इशमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, यो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वसरीं

(दस्तावेज म० डी०-105, ता० 8-1-1985) खेती जमीत 3780 स्वयं० मी० एग० श्रबेश्सो रोलक्पाज या टारमीयेम भट" कारामबोलियम तीसवाडी---गोवा।

> श्चार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलुर

तारींख : 8-8-1985 ोमहर प्रकथ नाष्ट्रं, टी., एत. एस ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

शास्त्र सहस्रक

कार्यालय ,, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 ज्लाई 1985

निर्देश मं० 970/85-86---अतः मुझे, आर० भारताज, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं भर्बे तं० 600,1 है, तथा जो णांता कुज तस्वादी, गोवा में स्थित है (और इससे उपावड धनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीटर्ता प्रधिवारी के वार्यालय, इलहास, गोवा में रजिस्ट्रीट्रण श्रीधिस्थिम, 1908 (1908 हो। 16) के अधीन, तारीट 9-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य सं कम क दृश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अधापुत्रांक्त सपरित का उचित राजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का मन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया गति-कक्ष निम्तनिचित उद्देश से उक्त कम्तरण सिचित में णक्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अध्य की वाध्य कका स्थिन नियस को अधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य सें कभी करने या उससे स्थन में सुविधा को निए; संद्वि/या
- (ब) एसी किसी आव वा किसी भग वा बन्ध वास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिक्ष;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) श्री अलकः अर्जतो फर्नाङीस बाप
 श्री जाक्वीम फर्नाङीस मैकीसे, इलास गोवा।
 - (2) श्रीमती रोजा मारिया फनीडींस पति लेट श्री जबीक्षम फर्नाडींस, इजान गांवा।
 - (3) श्री जींपीये ग्रीन्डर जोवो श्रल्बरटे लंबो, चौरालो, दलाम गोधा।
 - (4) श्रीमती रेमीडियाना फनाडीसे, मेरकाम इलहासे, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनीशा एम० मयेंकार, द्वारा एम० जी० मरकार, खलनाथा स्टार, शांता कुज, दलास गांवा।

(अन्तरि ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

बक्त राग्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूजना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिता बच्च किसी अन्य स्पित्त ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए जा सकत्ये।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, और उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होंगा को उस अध्याय भें दिया गया है।

बन्स्ची

(दस्तावेष गं० 22, तारीख 9-1-19B5) गपत्ति का क्षेत्र 10B0 स्थ्वायर मीटर्म है। इसमें एक पुराता मकान है और इसका क्षेत्र 120 स्थवेयर मीटर्म है। ये मंपत्ति शांताकृत, तींनवाडीं तालुक, नीला गोवा में है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रच, बगलुर

तारींख: 30-7-1985

मोहर

प्रस्य बाइं. टी. एन. एस. - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बचीन ब्युवा

भारत बहुनाह

कार्यासय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलर बगल्य, दिनांक 30 जुलाई 1985

नि वेश सं० 971/85-86--अतः मुझे, आर० भारद्वाज, शायक्षण, शायक्षण, शायक्षण, शिवां इसमें इस की पर्शाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 265 की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का एण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और िश्तकों संव प्लाष्ट नंव 1 है, तथा जो मीनामा पणजी, पोजा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्य में और पूर्ण रूप से दिणन है), रिजिस्ट्रीवर्सा श्रदिवारी के कार्यालय इ प्रहाम गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 व 1 16) के श्रधीन, तारीख 23-1-1985

को पूर्वोक्त सम्य कि के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिक्रस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यम न प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का गंद्रह प्रतिकृत से अधि के है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बी व एसे अन्तर्श के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित । उद्युक्त क्यें, से उक्त अन्तरण सिवित में बास्सविक क्य से कविरा, नहीं किया, गया है :---

- (क) ब्रुप्यारण से सुद्धा किसी बाव की वावता, उनस् अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तर्शक के वायित्व वो कनी करूने या उन्नात न्याने वो सुनिया के लिए; बार-/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ को, बिन्हें भाउतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तुरिती ब्वास प्रकट नहीं किया यया था या किया काना आहिए था कियाने में सुविधा के सिए:

कर्तः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निस्तीलिंकत व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री ओलंपियो फर्नाडींस और इसकी बीबीं, श्रीमती इया डारिया फलींसिया फर्नाडींस, लेक वींच श्रपार्टमेंटस, मींरा मार्ग, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

 श्री सावियो पटालियो पियो, डी, सा, संजा बेकई के पास,
 3156 जनवेरी रोड़,
 पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरवः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो स्वक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविस ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भूवा ही ॥

भ्रनुसूची

(दस्तावेज मं० 68, ता० 23-1-1985) प्लाप्ट नं० 1 लेक वीव श्रपार्टमेंट मीनामार पणजी, गोवा में हैं। इसका क्षेत्र 48 स्केवेयर मीटर्स है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारींखा: 30-7-1985

प्रस्थ आहे, टी .एन .एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निवेश सं० 472/85-86---- अतः मुझे, आर० भारक्षाज, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफें पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, है, तथा जो नुवेप सल्केट, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकरीं के कार्यालय मर्गाव में रिकस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, तारींख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने स्वरने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का स्वति बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्निलित उच्चेश्य से उक्त अंतरण मिनित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी आय की अजत, उक्त विधिनवय के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी थव वा बन्च बास्तिवाँ की, विक्रं भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूविधा के लिए;

जत: अध:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अधीत:— अो पे । डामिलिया लाजाणिखे केयींगे, खारेबंद रोड , मरगाव, गांचा।

(भन्तरक)

 श्री कमील जॉन पीटो, द्वारा पेटो डालीतियो लाजरियो केंग्रीसे, खारेबंद रोड , मरगांच, गोवा।

(ग्रन्तिगतीं)

को श्रष्ट सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पतित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की दारीय हैं।
 45 विन की सर्वीय या तत्स्यनियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की स्थाप, जो भी स्थाप मां समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकादन की तारीच से 45 दिन को भीतर उसत स्वावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक किस्तित में निम् का सर्वान।

स्थल्लीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त वन्तों और वक्तों का, को उक्त अधिनियम दे सध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया ही।

नमृत्यो

(दस्तावेत्र सं० 133, ता० जनवरीं 1985) प्लाट तं० 2, "हायवे श्रपार्टमेंट" नुबये सामकेट गोवा में हैं। इसका क्षेत्र 75 स्क्वे० मीटर्स है।

> श्चार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रूरेंज , अंगलूर

नारीख: 30-7-1985

प्ररूप आई.टी.एभ.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धी भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 ज्लाई 1985

निदेश मं० 973/85-86--श्रतः मुझः श्रार० भाग्वाज, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हो

और जिसकी सं० 621/A हैं, तथा जो दाषणगेरें में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रींकर्ती शिंधदारी के कार्यालय, दावणगेरे में रिजस्ट्रींकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कर के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं बौर बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरिष्ट्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्षेप से उन्ह अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) करारण से हुई किसी जाज की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मॉर/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बद्धः वृत्त, उम्पतः अभिनियम की भारा 269-य के अनुमरण भें, भें, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की काभारा (१) के अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 6. बी बी० ओं हारण्या बाप श्री भींमा गायक. घर नं० 281/1. हनुमंत नगर. बगलूरा

(ग्रन्तरक)

7. श्री नरहरी भट् मैसर्स सींबीदा विनायक प्रोबीजन्ल स्टोर्स दावणगेरे।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल बक्ष किसी अन्य अपिकत द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 6571 ता० 2-2-1985)
रेजोसिडिमियल मकान एम० सीं० सीं० (ए०) ब्लाक
दावणगेरे में हैं। इसका क्षेत्र 127.40 स्के० मींटर्स हैं।

श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंक, बंगलूर

तारीख: 30-7-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 974/85-86→-श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकीं संव सींव एमव नंव 4614 (एव) है तथा जो प्रभात नगर हु.बली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकृती श्रीधकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकृतण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारींख 3~1~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उण्यति वाचार मूख्य से कन के क्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत वाजार एसे क्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य से अक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्तियी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बिधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:—— 28—266 QI 85

श्रीमती सावित्री बाई पत्नी श्री वेंत्टेश छक्ते डै,
 210 पीरो रोड मालरेट्टी बंग्गली,
 हुबली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री गुरुनायसा बुद्धसम्बद्धा हनुछमागर,
 - (2) श्रीं इसम्मा बुट्टमा हनुमसागर,
 - (3) श्रीं मोहन तोपसा हनुमसागर,
 - (4) श्रीं बिष्तु तोप हनुमसागर, वैभव युर्गेष बौल, हबलीं।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

(दस्तावेज मं० 2961, ता० 3-1-1985) ये सम्पत्ति बीम रेतकी जमीन है। इसना क्षेत्र 487.18 स्केवेयर मीटर्स है। ये ास्पत्ति प्रभातनगर हबली में है।

> प्रार० भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहाय⊹ क्राय∵र श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंजे, बंगलूर

तारींख: 7-8-1985

मोहरः

प्रकल काई. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बमीन स्चमा

भारत तरकार

कार्यासय, सङ्ख्यक कायकर आयुक्त (निर्दीक्रक) श्रजन र्रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 975/85—86——प्रतः मृझे धार० भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' सहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 109 है, तथा जो मीरामार पणजी, गोवा में स्थिमे य (औं इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीविती अधिकारी के कार्यालय, इलहाम गोवा में रिजस्ट्रीवियण अधिकारी के कार्यालय, इलहाम गोवा में रिजस्ट्रीवियण अधिकारी के कार्यालय, इलहाम गोवा में रिजस्ट्रीवियण अधिकाम, 1908 (1908 जा- 16) के अधीन, तारींख 23-1-1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिफल, निम्निविश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निविश्त क्या से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द,ियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्य;
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए; और/या

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० ओनंपिया फर्नांडींस और इनकी बींबी, मारिया फीमलोक्षिया फर्नांडींस, निवास- वः बींच प्रयार्टमेंट, मीराभार, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

 श्री जुलियाबो बाईसोसियो क्यामेबीनो कारबींलो जीं० पीं० ए० श्रीमती लुईजा इतालधाको केयीला, निवास-बुरावो इलास, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकारन की तारींस है 45 हिन्दू की क्यूरिय वा त्राव्यन्त्रभी व्यक्तिकों पर स्थान। की तानील से 30 दिन की नव्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मर्शि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास -सिखित में किए जा सकागे।

स्यक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों जौर पदों का जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उत अध्याय में दिया नया है।

नमृत्यी

(दस्तावेज सं० 61, ता० 23-1-1**98**5)

बंगला ा क्षेत्र 66 स्क्वेयय मींटर्स और इसका नंक 104 है। ये सम्पत्ति लेए वींच झार्टमेंटस, मपीरिंगमार, पणजीं में है।

> श्चार० भारदाज सक्षम प्राधिवगरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रेंज, बगलूर

सारीख: 7-8-19**\$**5

वक्य कर्द .टी .एन .द्व . ------

नाथकर निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक भायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 प्रगस्त 1985

निदेश सं० 976/85-86--- अतः मुझ, आर० भारद्वाज, नावकर निभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्क जिभीनवम' कहा गवा हैं), की भारत 269-च के निभीन तक्षम प्राधिकारी की यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं और जिनकी सं० निका के तथा जो मरेगांव गोवा में

और जिनकी सं० बीं०-3 है, तथा जो मरेगांच गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्री स्ति अधिकारी के वार्यालय, मरेगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 30-1-1985

को पूर्वोंग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का अचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, मिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा स्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसते ज्याने में तृतिशा के लिए; और/या
- (थ) एंबी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाता चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए,

अक: अब, उक्त कीभीनवन की भारा 269-न के अनुवरण ं. के जक्त कीभीनवन की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स बेलवींच्टा श्रपार्टमेंट, लुइस, मींगंडा रोड़, मरगांच (गोचा)।

(भ्रन्तरक)

 श्री तोतज्ञधानी स्थामी सम्राड फेमील्ले म्रलमैंडा, फ्लैंट नं०० बीं०-3, बेलवीखटा भ्रपार्टमेंट, मरगांच, गोवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के खजपत में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की मनीच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

वस्तावित्र सं० 1,89, ता० 30-1-1985) गाट नं० वीं--3, बेरतिख्या क्रसार्टसेंट मारमाप गंजा में हैं। इस्था क्षेत्र 92.25 स्क्वे० मीटर्स है।

> आप० राज्ञाज सक्षम प्राधि∴कारी महाय∵ श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7—3-1985

महिर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर जायक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० 977/85-86-अतः मुझे, आरं भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के ।धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्व स करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आभार मृल्य 1,00,00।/-रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं० 5-737 है, तथा जो रापा (के०) गूलबर्गा में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद अनुसूर्व में ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रिक्तिल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसस दश्यमान प्रित्तिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से भूभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निष्तित में बास्तविक स्य से कथिया नहीं किया बया है क्षान

- (क) अन्तरण वं क्ष्मूष्टं किसी नाम की नाजस, अक्ल अभिनियम के अभीन कर दनें के अन्तरक को सामित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा को सिष्ट; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने बें सुविधा के लिए;

बतः बकः, उत्कल विधिनयम की भारा 269-ग को बन्सरण को, मी. स्वल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- श्रीमती मोहसिना बेगम पत्ती सईद खाजा नजरहीन निवासी रोजा (के०), गुलबर्गा। (अन्तरक)
- श्री सैयद मुसा बाप सैयद उस्मान साहेब, घर नं० 5.737, निवासी रोजा (के०), गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू क्षरता हुं।

हरक बंज्यरित के नर्जन के बुम्बरूप में सांदें भी भाषीय:---

- (क) इस बुचना वे राज्यम में प्रकाशन की तारीस है.
 45 विम् की जबकि या तरसम्बन्धी न्यक्तियाँ पेर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा ।
- (वा) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तातील न 45 विन के भीवर उक्त स्थानर सम्मारित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमिस में किस्प्रा सकाग ।

स्थव्यक्तिरण:—इसको प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वजा है।

ननुसूची

(दस्तावेज सं० 2623, ता० जनवरी 1985) मकान गुलबर्गा में है। इसका क्षेत्र 1157 स्क्वे० मीटर्स ई।

> आर**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयु**क्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखाः 7—8—1985

मोहर 🌣

प्रकल्प नार्षं .दी . एत . एव

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

मार्व चरकार

कार्यांसम, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्सक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० 978/85-86-अतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर मध्तियम, 1961 (1961 का 43) (बिसं इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च को मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

मार जिसकी सं० 4 है, तथा जो आलटीयो गोशा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यानात्र प्रियास को लिए जन्तिरित को गई है और मुम्हें गह विकास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अभिन्त बाजार मृत्य उसमें क्यामान प्रतिफल से, ऐसे क्यामान प्रतिफल का पंचार प्रतिकाः से अधिक हे जोर अंतरक (अंतरकार) और अंतरिता (जन्तिरित्यः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्कत, निक्ने जिस्ता उद्योक्त से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उपत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के अधिरण में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बारिसवी करों, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

नत: अध, उनत निधित्यम की धारा 269-ग को सन्तरण में, में, उनत निधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अकवर अली करमाली बाप करमाली वीरगी,
 (2) श्रीमती फालिमा अकबरअली करनाते.
 निवासी—जनता होम के सामने,
 पणजी (गोवा)।
 (अन्तर क)

 श्री रवीद्रनाथ नायर बाप श्री सी० वी० रामन नायर, फ्लैंट नं० ए/4, अलकबरअली बंगलो,

अलटीनी, पणजी, गोबा।

(अन्तरिती)

का वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कांद्र भी शाक्षांप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की जनभि मा तत्संबंधी क्योंक्समों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्योंक्समों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (वा) इस स्वाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितवस्थ किसी अन्य स्थावस ब्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास सिवित मों किए वा सकों ने।

स्वक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्तें और पदौं का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

(दंस्तावेज सं० 16, ता० 14-1-1985) ये फ्लैट गंगला का क्षेत्र 78.39 स्ववे० मीटर्स है। ये बंगला अल्टीनो पणजी, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निनीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-8-1985

परूप बाई. टी. एन एस.------

आयप्तार **आभानियम.** 1961 (1961 का .3) की भारा 259-म (1) के नभीन स्थल

भारत करकार

रायांसय , सहायक सावकर सामृक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 अगस्य 1085

निवेश सं० 979/85-86-अत: मुझे, आर० भाष्ट्राज शाकर श्रीभितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात 'उक्त अधितियम' कहा गया है', की भारा 269-थ के सथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने आकारक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित शाबार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 8, 9, 10, 11 और 7 है, तथा जो बंतावलीम गोवा में स्थित हैं (ग्रांग इससे उपावद्ध अनुभूची में ग्रांग पूर्ण रूप से वणित हैं), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 31-1-1985

को वृत्रीक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मृत्य सं रहम के छथमान ंत्रफल के लिए अन्तरित का गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त समपत्ति का जिल्ल बाजार बूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल मं,, एमं क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक ही बौर अन्तरक (अन्तरका) आर अतिरित्ते (अन्तरितों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिक्षक निक्ति लिए तम पाम प्रतिक्षित एस किसी लिए तम पाम प्रतिक्षित कर्म क्या पाम हैं।

- (क) जन्तडम वे बुद्ध जिस्सी नाम की मान्त, उनक वृषितिवन के मुधीन कर बाने के अन्तरक क व्यक्तिक के कमी करने या उससे वणान में सुविधा के जिस्हा नीट्र/का
- (ब) धीरी किसी भाग मा किसी धन मा अन्य जास्तिमों का, जिन्हों भारतीय आय-कए अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर जांधीनमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा कर का किसा जाना आदिए था, किया ने सुविधा के लिए;

बरा क्य उक्त अधिनियम की बारा 269- कं सन्बर्ध भं, भं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ क उपधारा (1) के अधीन, अमनिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री पलीयक्तरा कुरीयप्पन जोर्ज
 २ रेथमंड जार्ज पलीयक्तरा के०/श्राफ मि० फेरीक्छन डेवीड बिल्डिंग मरगाव (गोवा)।

(अन्तरक)

श्री बीन्सीट डी कोस्टा
(2) श्रीमती मारिया कनणाकियो डीकोस्टा
पर्ता श्री वीस्सेंट डी कोस्टा
डण्लेका अपार्टमेंटस,
7, मेयर साना इस्टेट,
बेतावलीम सालकेट, गोवा।

(अः(रिती)

क्षतं एक स्वयना अपनो करको पृथाँक्य सञ्चिति के सर्वन के सिर कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध सा स्टान्डनभी व्यक्तिकों पर सूचना की तानीज से 30 दिन को सविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्टिश्यों में से जिस्सी स्थानत ब्वारा;
- (ख) धा स्वतः कं राजयत्र मो प्रकाशन की तारीन से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवद्ध किसी जन्म अक्ति द्वारा अधोहास्ताकरों के पास सिवित मों किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इशके प्रवृक्ष कर्मा बीह कर्मा का, ।के ठवक गीधीनवन्, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में विया भ्या है।

प्रनृसूची

(दस्तावेज सं० 166, ति० 31-1-1985) आर० सी० सी० मकान डूप्लेक्स अपार्टमेंटस बोतीलीम गोवा में हैं। ब्रा॰ इनका झेन 52 स्क्वे० मीटर्स ब्रोर 52 स्क्वे० मीटर्स है।

> अ(२० भारद्वाज सक्षम प्राजिकारी महासक आसकर आसुक्त (मिनोञ्जण) अर्जन रेज, **बेंगल्**र

धारीख: 7—8—198**5**

प्रकार कार्ड हो अब एक ।

बायकर अभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० 980/85-86--अतः मुझे, आरं० भारद्वाज शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 श के सभीन राक्षार अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्विक्त बाजार मुल्य

1,00,000 / - ४०. से अधिक **हैं**

भीर जिसकी सं० 215/2 है, तथा जो बेगांव बेलगांब में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बेलगाँव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख 2-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एक गह विश्वास करने का कारण है कि प्रभापूर्वाक्त अंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अतिरितियां) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रति कल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अतरण निम्मलिखित में वास्तरिक कर से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय को भावत , उक्त आध-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) शनी किसी बाय का किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाटा कान्तिए था कियाने में सुविधा के लिए:

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 मेल्र्ं शांति आहत श्रांत स्टील श्रांत हमका पार्टमर, वतमल गोगाजी पोरवाल (2) श्री कांतिलाल वतमल पोरवाल, अयम भाग, बेलगांव। (3) श्री भावरलाल गणेशमल शहा, जी० पी० ए० होस्डर, श्री संल रन्गोदंत नाईक, वहगांव, माजरे कैम्प, बेलगाव।

(अन्तरक)

2. श्री दत्तसा तूकारजसा मेहरवाडे, 1!, भारत नगर, पहला क्रास, शहापुर, वेलांगांव!

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्मत सम्प्रतित के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी वविष बाद में समापन होती हों, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृगरा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पटिकरण :----१समी प्रमुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया ामा हाँ∤

क्षान्त्र प्री

(दस्तावेज मं० 3993, ता० 2-2-1985) खुलडा जगडा वडगांव बेलगांव में है। इसका क्षेत्र 817.02 स्क्वे० मीटर है।

> आर० भा**रद्वाज** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयक्त अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: १−8−1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

निदेश सं० 981/85-86—-अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 671/3 है, तथा जो कुरीर गली बेलगाम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिभा के लिए; और/मा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री प्रकाण जोती व राजराम पाटिल, कें ०/अफ बी० डी० अडोकें, कुरबर गली, अनगोल, बेलगाम--7।

(अन्तरक)

 श्री भजमप्पा दत्ता अङोके, कुरबर गली, अनगोल, बेलगाम-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ह्यक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

(दस्तावेज सं० 3489, ता० 2-1-1985) जगह का क्षेत्र 2760 स्वे० मीटर है। इसमें मकाम का क्षेत्र 1018 स्क्वे० मीटर है। ये सम्पत्ति कुरबर गली, अमगोल बेलगांव में -7 में है।

> आर**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रोज, बेंगलूर

ता**रीख:** 8-8-1985

प्ररूप साइ. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालयः, महासक अस्यक्षर यायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलुर

बंगलूर, दिमांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 982/85-86—यतः, मृक्षे, आर० भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-म के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 215/2 है, तथा जो वडगांव, बेलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उश्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गईं और म्फे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व मों कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के सिए: बीर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उपन अधिनियम, १६ धन-कर अधिनियम, १६ धन-कर अधिनियम, १६ धन-कर अधिनियम, १६ धन-कर अधिनियम, १६ वा १९३७ (1957 कि व्यक्ति अन्तर्भ वा अधिन के हिए। विद्या अधिन को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्रूप्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :——
29—266 GI/85

- मैनर्स शांती आयरम स्टील और वनमल गोणजी पोखाल
- कांतिताल बनमल पोखाल पार्ट नर मेकर्स शांती आयरन और स्टील, अहमदनगर बेलगांव।
- 3, श्रीभंबरलाल गणेशमल शाह, जी०जी०ए० श्री वसन्त रंगोपन्त नायक एच०नं० 502, नजाक कोरप बडगांब बेलगाव (अन्तरक)
 - श्री यल्लूसा मुरलीदक्सा काटूवा प्लाटनं० 125, खडे बजार शाहपुर बेलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां अरता हूं।

उक्त समाहि। के सर्कात है सवार मां कोई भी प्राक्षी .----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिओं पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष चिल्लो कान क्यां के दुवारा क्योहम्साक्षरों के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3876 ता० 28-1-85) खुला जगह वडगांव बेलगांव में है। इसका क्षेत्र 817.02 स्केयर मीटर्स है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : ४-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलर, विभाग 8 अगस्त 1985

बगलूर, विनाक ४ अगस्त 1988

निदेश मं० अई-4/37ईई/983/95-86→**-** अन मुझे, श्रार**० भा**रद्धाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% -ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 100-09%/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ∘ 190/7 एफ ० है, तथा जो होंडलगा बेलगाव में स्थित हैं (श्रौर इसने उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण का मे विजत हैं), रिजस्ट्री इरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1985

का प्रशंकत सम्पत्ति के उप्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की अवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्री समिति में भरितिह ठाकुर ार/प्रो हेंचना, बेलगाँव।

(अन्तरक)

(2) श्री जॉन प्रास्को कारवेला जी०पी०ए० होल्डर, श्री फीलप पास्को कारवेला काङभा गल्ली प्लाटनं० 5, केम्प बेलगाँव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में से किए था सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3936 तारीख 31-1-1985) यह सम्पत्ति बीत खेतकी जमीप हेंडलगः, बेलगांव में है। इसका क्षेत्र 16 गुना है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुरु

नारीख: 8-8-1985

प्रकम आहें.. टी. एन.. एस., -----

नायकरु मुधिनियसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुपना

भारत तरकार

कार्याबय, सहायक भायकर आयुक्त (निरामण) अर्जनरेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देण सं० 984/85-86—यतः सुझे आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसते अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रॉए जिसकी सं० 118 है, तथा जो ही डवाडी बेलगांव में स्थित है (ग्रॉए इस अंउपाबद्ध अनुसूची में ग्रॉए पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 24-1-1985

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसं दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वंच्य सं उक्त जन्तरण लिखित में भारतिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिथितिक के वधीन काइ दोने के जंतरक के शिवस्त मा काफी कारत या उससे बचत में सुध्यधः के लिए; बरि/बा
- (व) एसी किसी जान वा किसी थून या बच्च जास्तियी कां, जिन्हें भारतीय मामकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंधीनयम, या भन-कार आंधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के बिष्प,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

(1) श्री सुरेन्द्र रामचन्द्र दोडडत्तवर हीरबाडी बेलगांव

(श्रन्तरक)

(2) दत्ताशम नागेश रायकर (2) शंताराम नागेश रायकर "मोहन निवास" शवशेना रोड, घर नं० 280, हीरवाडी बंलगाम-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

जन्म स्म्यत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामीज से 30 दिन की ज्विध, जो भी जविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्योक्स ज्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी बन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रयक्त

(दस्तावेज सं० 3785 तारीख 24-1-85) ये खुला जगह है जिसका क्षेत्र 5040 स्केयर मीटर्स है। ये सम्पत्ति हिंदवाडी बंलगाम में है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (प्रनिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

नारीख: 8**-**8-1985

मोहरः

प्रकल बाह्र ही. एन. एस.

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के स्थीन स्थना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक **बायकर आयुक्त (पिरीक्षण)** अर्जनरेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० 985/85-86--- यतः मुझे आर० भारद्वाज आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 117/सी है, तथा जो होम पेट में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप बणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख J-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफान को निए अंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्स, उसके इस्यमान प्रतिफाल से, एसे इस्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिहात से मिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरित्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के किए सब पाया ममा प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्या अन्तरण मिखिल में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गुंशा हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई भिन्नी साथ की बाबत, उक्त विभिन्न के बकीन केंद्र दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सर्विधा के सिष्; केंद्र/का
- (था) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्ध आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा और सिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमित वस्तरादा वीनामा पत्नी श्री वस्त/रादा दांदा काटेरिहिया श्रीमिति वस्तराद पासातामा प्त्नी श्री वस्तराद दोदा काटेरिहिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री के. नागाराजा के. श्रीधारण के सूरंश पूत्र श्री के. वनगोपाल शंट्टी । (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में काई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकासन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्ची

(दस्तावेज सं० 1461 तारीख 1-2-1985) ये सम्पत्ति म्यूमिस्पल हस्पताल की जमीन है। इसका क्षेत्र 3 एकर्स 29 गुन्ठा।

> आर**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 7-8-1985

मोहरः

प्ररूप. जाइ. टी. एन. एस. -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 7 ग्रागस्त 1985

निर्देश सं० 986-85-86-यतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० 126/2 है, तथा जा कपनूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विधन है), रिजस्ट्री-वर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय गुलबर्गा में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 11-2-1985

की पूर्वीक्त गम्पति के एकि । बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह अविंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल में एमें दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से लिखक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उसत अन्तरण किसित में वास्तिबक अप से किथत नहीं किया गया है:---

दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार की धनियक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्तिक अधिकतयों, संशीत :--- (1) श्री मोतीलाल फूलचन्द मेहता बीदरु ।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैंसर्स रविलींगेश्वर इंडर्स्ट्राज श्रौर इसके पार्टनर
 - (1) श्री बरुवराज रविलीगप्पा शाहाबाद
 - (2) श्री मल्लाकर्जुन रविलीगप्पा शाहाबाद
 - (3) श्री सूर्यकौन ग्विलीगणा शाहाबाद श्रार/ग्रो० गुलवर्गा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के कि। कार्यज्ञाहियां करता हुं।

चक्त बंपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थाना को उजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की नविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी खबिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त जल्दों और घटों का, आगे उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस मध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2720 तारीख 11–2–1985) एक सम्पत्ति बीच खेत की जमीन हैं। इसका क्षेत्र उ एकर्स 2 गुंठा ग्रौर कपनूरग्राम में है।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **बंगलू**र

तारी**ख** : **7--8-**1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनाँक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 988/85-86—यतः मुझे आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 905 श्रीर 906 है, तथा जो मरगाँव मालकेर गोवा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजर्स्ट्रांकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मरगाँव गोवा में रिजरिट्ट्रोंकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:
- और. मैं, जक्त जीधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण की अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात हु---

- (1) श्री इनसीयो ग्रलमैडा कोठीनो , सरर्गाव गोवा
 - (2) साताना इस्को अस्टोको मजरेलो आर/श्रो वेलीम सलकेर गोवा।
 - (3) कोस्मे सरमोया पैक्सो, मारिस के/स्रोप० बेलवेस्टा श्रपार्टमेन्ट, मरगाँव (गोवा)
 - (4) श्रगस्टो टीमाफिलो सौंडो, तरोला श्रौर इसकी पत्नी
 - (5) श्रीमती देवतुना जस्टा वटरमैल्थ नरोन्हा श्रार/ग्रो कलकोलिम साभकेर, गोवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रजुम्मन डिसोजा बाप कुरलोन डिसोजा, बेलवेस्टा श्रपार्टमेन्ट नरगाँव, सालकेट, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 278 तारीख 2/85) दो सम्पत्ति बेलवीस्टा श्रपार्टमेन्ट मरगाँव गोवा में है। इसका सं० श्रीर क्षेत्र इस प्रकार है:---

नं० (शोष) क्षेत्र 2 26स्केयर मीटर्स है। 18 41.80 ,,

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर ।

नारीख: 8-8-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड टी एन. एस. ****

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

सार्थ वरकात

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनॉङ 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० 989/84-85-- अतः मुझे श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाद 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्ब 1,00,000/- क से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2 है, तथा जो बेलवेस्टा ग्रपार्टमेन्ट मरगाँव गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मरगाँव गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्हे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाग या धन या बन्य बास्तियों की, जिल्हों भारतीय आप्रकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उवल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री इन्सीयोग्रलमैडा कोठीगो, मरगाँव, गोवा
 - (2) शांनाना इस्कालास्टीको मजर्गली श्रार/ओफ वेलीम सलफेट गोवा
 - (3) कोस्मे सीमायो जोवसो मोषायस पार्टनर मैससं बेलवास्ता श्रपार्टमेन्ट सुख्य मोरडा रोड, मरगाँव सालकेट गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री मिस्टर पैट्रक डासोजा नौमर्स वैलवास्टा श्रपार्टमेन्ट मुख्य मारिंडा रोड, मरगाँव गोवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याब 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्यास में दिया गुजा है.

अनुसूची

(दम्तावंज सं. 277 नारीस फरवरी 1985)

एक सम्परित बंलाबस्टा अपार्टाभेस्ट भरगांत गावा, मीं है। इसका क्षेत्र 1110 फुट और सर्वे से. 905 और 906 है।

> आर. भारद्धाज सक्षम प्रीधिकारी सहायक आयकर आग्व्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

नारीय 8-8-1985

प्ररूपः बार्दः टी. एनः ग्यः -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर खायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 990/85--86---यतः मुझे श्रार०भारद्वाज नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त कपितियप' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

ग्रौर जिसकी सं० चलता नं० 89 है, तथा जो पणजी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहास गोवा में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने को कारण है कि बधापबींक संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल मं, एंसं ध्रयमान प्रतिकल का **बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-**रिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया 🗲 🐎 -

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की मावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक जो दायित्व में कभी करने या उससे वयने में सुविधा केलिए: और∕या
- (ख) एोसी किसी आय-या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उदत अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) डो प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रनट नहीं भिना **गया था या** फिला जाना अवस्य का, १८७० प मविधाके लिए:

अन्त: अन्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण **तॅ. मॅं**. उ**क्त अधिनियम की धारा २६९-घ स्ती** एफन्छा । [१] के शधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती समन इस्मामेल अब्दूल लतीफ उर्फ श्रीमती सुमत काजीली भंबर, शांतानगर, पोंडा गोवा ।

(श्रन्तरक)

(2) दी गांबा को-श्रापरेटिव मार्केटिंग ग्रौर सप्लाई फैडरेशन कं० 1 लतीफ बंगली, म्यानिसपल मारकेट पणजी, गौवा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इ.स. त्**चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीव ते** 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत का करायों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित वें किए वा सकते।

स्पध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यया 🐉 🕕

अनुसूची

(दम्तावेज नं० 6 तारीख 3-1-1985) बंगली पणजीगीका में है।

इसका क्षेत्र 360 स्केयर मीटर्स है। इसमें पहले फ्लोर का क्षेव 305 स्केयर मीटर्स ग्रौर ग्राउन्ड फ्लोर का क्षेत्र 265 स्केयरमीटर्स ।

> स्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 2-9-85

मोहर 🖫

प्रकल्प बाह् . टी. एवं: एसं: ----

भावकर मीप्रियम, 1961 (196-) का 43) की भारा 269-प (1) के स्वीत ब्या

भारतं ब्रकार

कार्यालय, महायक जायकार गायक्त (निरोक्तक)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 2 सिलम्बर 1985

निर्देश सं० 991/85--86---यतः मुझे ग्रार० भारद्वा ज शक्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शक्के परपाल 'उनत मधिनियम' नहा गया हैं), की भार 269-स के मधीन सक्षम प्रतिकारी को वह विश्वास स्वरते स्व कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्स्य 1,00,000/- ना ने अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 श्रौर 4 है, तथा जो मीशमार पणजी गोवा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इलहाम गोवा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-1-1985

को प्रांक्त संपरित को तीवत शाक्षार ब्रुब्ध से कम के क्ष्ममान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नई ही और ब्रुक्त यह विश्वास करने का कारन ही कि संभापकोंकत सम्परित का सीवत नाचार ब्रुब्ध उसके कारना प्रतिकास के, एक कारना प्रतिकास का प्रतिकास का

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाव की बाबत., उच्कें अधिपियम के अधीन कर दोने के अस्तरक जो अधिक्य में क्सी करने या उससे वचने में सुविधा के बिस्: ब्योड/बा
- (क्ष) एक है। किसी अस या किसी अन या अस्य आस्तियों करों. फिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, या चरकर अधिनियस, या चरकर अधिनियस, या चरकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था कियाने में सुविधा के निए;

अतः प्रवः, उत्तम अधिनियम **कौ भारा 269-व कै वन्यरू** में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधान (1) के अधीनः निम्नि**विक्त स्ययिसयों वर्धात**ः— 30—266 GI/85 (1) श्री जोप मेनीनो जैसस श्रागसि श्रीमती मरिया लुक्जा कारता श्रम्बेर के/ग्राफ सेतीबेटम, सालेकेट, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिवर्ड ग्रंटोनोयो तजरियो जीतौस ग्रौर श्रीमती लौगे नजरेत पिनौरा प्लाट नं० 3 ग्रौर 4, सेंट मोरीस कालोनी मीशमार पणजी, गोवा।

(प्रन्तरिती)

को वह बूचना जारी करके पृत्रों क्य संपरित के अर्चन के निहं कार्यमान्हिमां गुरू करता हुं।

उक्त कुम्बत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस वं 4.5 दिन की जबिंध मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों इस बूचना की ताजीज से 30 किन की जबिंध, जो भी जबिंध नाद ने साजस्त होती हो, से भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यन्ति द्वार।,
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर क्रम्पतित् में हितवबुध भिन्नी जन्म व्यक्ति व्यापा, अधोहस्सावारी के पास सिचित में किन्द् जा सकोंने।

क्यांकरण:---इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, को अकत अधिक्यांक की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता को क्या मृध्याय में दिना गवा ही।

श्चनसूची

(दस्तावेज नं० 46 तारीख 17-1-1985) प्लाट नं० 3 धौर 4 मीशमार पणजी गोवा में है। इसका क्षेत्र 152 स्केयर मीटर्स है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन्रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 2-9-1985

मोहर १

प्रकल् बाइंट्र टी. एवंट्र एक.

भागकर व्यक्तितवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बनीन कुमना भारत बनकर

क्षाचीसव, संद्वायक वायकर शायुक्त (निरीक्षण)

मजैन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनौंक 2 सिसम्बर 1985

निर्देश सं० 992/85-86--यतः मुझे ग्रार० भारहाज

गयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुक्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 33, 34 श्रौर 13 है, तथा जो हनबल मरगाडी 'ता' सङ्ग्लेसपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्य श्रनुगूचो में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालम सक्तेसपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-1-1985

को पूर्वीनत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्याना असिपाल के लिए अन्यरित को नई है और बुझे वह विस्तास करने का मारण है कि मचापूर्वीनत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्ममान प्रतिफल क्ष्म भन्द्र प्रतिकात ने अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (बन्वरितयों) के बीच एसे अन्यरच के लिए क्षम पामा गया प्रतिकास निम्मीनिचन सद्देश्य ने सच्च बन्दरण किचित में मारतिक के मारतिक क्षम ने कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सर्वेदन में कनी करने वा उससे क्यने में सुविधा में लिए; और/दा
- (श) एंची किसी आय या किसी भन या जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उच्छा अधिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा वा किया जाना वाहिए वा, जिनाने में स्विभा के निवह;

अतः अध, उक्त विभिनियम, की भारा 269-त वे अनुसरण त्रें, में, नक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के विभीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्वात:—

- (1) श्री के० भवश्मनन बाप० एम० पी० कासनी चेटिट्ट्यार के/श्राफ० उयापन इस्टेट, हुनबाल पोस्ट, मकलेशपुर, तालुक, हामन जिला। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती ए० ग्रार० तनजाकसी पत्नी एच० बी० जयप्रकाश के/ग्राफ हनबाल, सकलेशपुर तालुक, हासन जिला।

(प्रन्तरिती)

का यह स्वता बारी करके प्रॉक्ट संपत्ति के अर्थन के निय कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर क्षणित से सर्वत के क्षणान में सोई भी वास्तर्:--

- (क) इस स्वता के सक्यम में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन की मक्षि या तत्संत्रंभी व्यक्तियों पर क्ष्मक की तासील से 30 दिन की स्वति वो में श्राह्म बाद के स्वाप्त कोर्ती हो, के भीतर प्राह्म कावितकों में वे किसी व्यक्ति हुनाया;
- (प) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 बिन के भीतर उच्छ स्थापर संपत्ति में हिसम्बर्ध किया अन्य स्थापर इंगास, न्योहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किया मा स्थीपर।

स्पष्टतेकारण: ---इसमें प्रवृक्त बन्दों और पदों का, यां उत्तर विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिय। स्या हैं।

समचर्ची

(दस्तावेज सं० 741, तारीख 3-1-1985) काफी जमीन हनबरबास सकत्र्यपुरतालुक हासन जिला में है। इसका क्षेत्र 35 मीटर्स श्रीर 5 गुंठा श्रीर ड्रोग जमीन 2.16 है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीखाः 2-9-1985

जोहर :

प्र**कल वार्ड** . टी . एवं . एत_{्र}------

थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, बहायक वायकर नावृक्त (निरीक्ण)

भ्रजंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनोक 2 सितम्बर, 1985

निर्वेश सं० 993/85-86-यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज बावकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (बिने इतमें ध्रुक प्रभात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ भ अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित याजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 35, 4/टी, 3/पी, है, तथा जो हनबालज, सकलेशपुर तालुक में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सकलेशपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1985

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाजार मूल्क से कम के द्वरवान प्रतिफल के लिए जलारित की गई है और मुझं यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्मित का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरकार (अन्तरकार) और अन्तरकार के लिए तब पाया गया प्रतिफल, नियनिक विज उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंह तब पाया गया प्रतिफल, नियनिक कि तहीं किया गया हो:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत सक्त जिथ-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उत्तर्ध वचने में समिधा के लिए; बीह/का
- (क) क्से किसी जान या किसी धन या जन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बाद: बाब, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की बागुबरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, जर्धात्:---

- (1) श्री के ० लकसमतन बाप एस० पी० कासी चेट्टियार के/ब्राफ० मलसवारा, ब्रुपल्ली हुबली। सक्लेष्मपुर तालुक, हासन जिला।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एच० ए० परनेहा बाप एच० ए० मण्जेगौडा के०/म्राफ० हनबाल तालुक सकलेशपुर। (मन्तरिती)

को नह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारन की तारीं से 4.5 दिन की अवृधि या तस्तम्बन्धी अस्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्वाप्त होती हो, के जीतर पूर्वेत्वत व्यक्तियों में किसी क्यांचित स्वासः
- (च) इस स्वता के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर संपत्ति में हित वहुंच किसी जन्म स्थानित इतारा अधोहस्ताक्षणी के धात विश्वत में किस था सकता।

स्वकाकरणः -- इतमं प्रवृक्त धन्दों और पत्रों का, दो सक्त विभिनवन के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याव में विश् क्या हैं।

वनुसूची

(दस्तावेज सं० 742, तारीख 3-1-1985) काफी जमीन हनबाल ग्राम में है। इसका क्षेत्र 22 एकर ग्रीर 39 गुंठा है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 2-9-1985

मोहरः

সকৰ আহ' তী ক্ৰ' পুৰু - -

व्यवकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन वृचना

भारत संस्कार

कार्यालय , सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, वंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 994/85-86—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आयार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 55/5, 55/2 है, तथा जो भ्रमरगोल हुबली में स्थित है (भ्रीर इस से उपाबद्ध भ्रनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-1-1985

को धूर्नोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्षवमान कि किय अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्नोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरका) नौर अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के लिए सब पाया गवा प्रतिकल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उकत अंतरण निक्कित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अपने में सूविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाग या किसी भण या बन्ध बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय बावकर बीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिभा के लिए;

(1) श्रीमती खेमाबाई पति नोंगुसा हबीब, पेंडार गल्ली, हुबली।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) परुषरामसा (2) रघुनायासा (3) रुस्मासा बाप हनुमन्तसा बदहः, न्यू काटन मार्केट, हुबली।

(भ्रन्तरिती)

को यह जुलमा वारी करके दुर्गोक्त सम्मत्ति के अर्थन के किए कप्रविवाहियां करका हो।

इक्ट लंगीत के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इब तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंग या तरसंबंधी व्यक्तियों पर क्षणा की तामील ते 30 दिन की जबिंग, जो भी अबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर जक्त स्थान्द संपत्ति में हितब्द्ध किसी करण क्वित द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तिकरणः --- इतने प्रयुक्त सम्बं नीर पर्यो का, को अक्त जीशनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना को उन्न अध्याय में विसा गया है।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3049, तारीख 11-1-1985) खुला जगह श्रमरगोच ग्राम हुबली में है। इसका क्षेत्र 11.25 गुंठा है।

> धार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजेन रेंज, बंगलूर ।

(1) तारी**ख** मोहरः

तारीख: 3-9-1985

यतः अवं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में उपन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

· श्रक्तमः बाह्यं , दी , एव , एस ,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37ईई/15820/84-85--- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन, सक्त प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावह संधीत, जिसका उचित जाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० भाई 12, जो, निलकंठ एवर-भाईन नगर, मालाड, (प), बम्बई-64 में स्थिल है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूचों में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

ा पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्तन सं, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से मध्यक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितिकों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक कत निम्नितिकों उक्षेत्र से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिक कर से किया गया है:—

- (क) मन्तर्भ सं क्षुप्त मिली थान को बावक, तथक व्यक्तिस्त्र के अपीक कर क्षेत्र के बचारक के वादित्व में क्ष्मी करन का उत्तर स्वमं में सुविधा के सिए, ब्रोड/बा
- (क) एसी किसी जाब या किसी भन या अन्य जास्तियों कां, चिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिमिनियम वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनीय जन्ती रही देशीरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जामा चाहिए था, कियान भी सुनियम की लिए;

सतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री सुशील कुमार इम्बलनाभा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रेनपेल्ड लारेन्स फेफराव।

(भ्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्छ अविकासों मो से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपण मा प्रकाशन की ताशीख में 45 दिन की भीतर उन्हें स्थानर न्यांक मा हित्बहर किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अवाहन्ताक्षर। के पान लिखित में किए का अकीरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क तो िकाधिः ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। विका

श्रनु**सू**ची

पलेट नं० श्राय/12, जो नोलकंठ एवरपाईन नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैंगा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/15820/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रिजर्स्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक 10-9-1985 मोहर : पस्य बाह्".टी.एन.एड.-----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

मारत धरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 10 सितम्बर 1985
निवेश सं० मई-3/37ईई/15949-84-85--म्रतः
मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-16, जो, सिंधी इम्मीग्रन्टस
को० श्रो० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिटल मलबार हिल
चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्धर अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा
श्रायकर श्रिष्टिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन
बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं,
तारीख 1~1-1985

कां पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निजिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में नास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बृन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बृभीन कर बोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बृजने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- ्त) एंसी किसी जाय या किसी धन या कृत्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ क्याहिती द्वारा बकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः तव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण वो, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) व्ह अधीत्, पिप्निलिखित व्यक्तिक्यों अव्यक्ति चेच्च (1) राज कुमारी एम० रुपानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन चुदुराम सराय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यन में प्रकारन की ताड़ीय से 45 हिस की जन्मीन ना तत्त्वन्त्रनी न्युनित्नों कर स्वाम की तामीन से 30 दिन की नगीं को भी वृत्ति नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्त्या

क्लेट नं० बी-16, जो सिधी इम्मीग्रन्ट को० ग्रोप० हार्जीसग सोसायटी लि०, लिटल मलबार द्विल, चेंबूर, बस्बई 71 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं ग्रई-3/37ईई/15949/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक : 10-9-1985

मोहर ७

जरूप बार्च दी एन एस

बायकर विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्रय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 सितम्बर 1975

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/16384/84-85--ग्रतः मुझे

नावकर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्तर्जे इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--स के अधीन बक्षक ऋषिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सर्वति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी/4, जो, 2री मंजिल, वेवीदयाल श्रवार्टमेंट, डा० श्रार० पी० रिोड़, मुलुंड, (प) बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 29क, ख के अधीन बम्बई स्थिस सक्षम 'श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—1—1985

को पूर्विका संपर्तिक के उचित्र बाबार मृत्य से कम के दरममान प्रतिकाल के तिए क्यांकित की नई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त क्यांसित का उचित्र क्यांसि का उचित्र क्यांसित क्यांसित का उचित्र क्यांसित क्यांसित का उचित्र क्यांसित क्यांसित का उचित्र क्यांसित का उचित्र क्यांसित का प्रतिकाल का व्याद्ध प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वावा गवा प्रतिकास, निम्मितिबात उच्चेष्य ते उच्या अन्तरण किकार में वास्तिबक कम से कांसित नहीं किया गवा हैं:——

- (क) जन्मरण से हुए किसी नाम की बावत, अक्ट अभिनियन के अभीन कार दोने के जन्मरक की बावित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मनिधा के सिद्धः

(1) श्री आनन्द्र डी० कांदलकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दयाराम गोविन्द जी पुजारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

क्यत तन्त्रीत के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवींच बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर सम्मति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए का सकींगें।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों मीर पदों का, जो उसक मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

क्षां प्राप्त प्रति

पर्शेट नं० बी/4, जो, 2री मंजिल, वेवीदयोल अपार्टमेंट, डा० आर० पी० रोड़, मुल्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

धनुषची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/16384/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विशोक 1-1-1985 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

जतः अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरक में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 10-9-1985

प्रकल आहें. टॉ एन एस.

ब्रायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

आर्यालय, ब्रहायक आमकार वायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-8, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985 निर्देश सं० अई-3/37ईई/15581/84-85—यसः, मुझे, ए० प्रसाद,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने क्यांनें इसके पञ्चाह 'एक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन बसाम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर स्कासिक, विकास अधिन बाकार स्कास १.००,०००/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज फ्लैंट नंज 601. जो, वर्च व्ह्यू अपार्टभेंटस, वाकोला, सांताकृज (पूर्व), बस्बई--50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिपका करारताम आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1--1-1985

को पूर्णेक्स सम्मित के उचित काजार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करते का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नाह का पन्नाह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के सिल् तय पामा गया प्रतिक्रल निम्मिलिखित उक्दोरेक से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (अ' अप्तरण से हुंद्री किसी जाव की गांवतः, अवसः अधितियम को अधीन कर दोने के सन्तरक को दामित्व में कभी करने या उससे वचने में मृतिका के लिए जॉर/या
- (क) छंसी किही आर या किही अने वा अन्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 फा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिणि द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जारा चाहिए था, स्थितने में यविधा में जिला:

स्त अञ्चलकर पीधनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री पी० डी० नास्ता भीर आर० डी० नास्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सी० उधवानी।

(अन्त(रती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नामने :--

- (क) इस स्थान के स्थापण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की जविध, जो औं नविध नाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रमेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराध
- (क) का गुज़ज़ ने कारण में अध्यक्त की कार्याव है 45 किए के डीवर कार स्थाप्त कार्याक में क्रिक्सून हिस्सी कृत्य अर्थिक कृताच अर्थाक्ताकड़ी में राज-विश्वित में सिक्स का क्ष्मींचे ।

स्कटीकरणः--४४४मा प्रमुक्त शब्दों और पत्नी की, **यो उनस** विधिनियम के अध्याद 20-क में पीएमरीक्त हाँ_{लें} १४% वर्ष होना को दश्व अध्याद में दिया नया है।

नपुत्र्यी

फ्लोट नं. 601, जो, चर्च व्हयू अपार्टमोंट्स, बाकीला, सांताकाका (पूर्व), बम्बर्ट-50 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी ऋ. सं. अर्ड-3/37-र्ड्ड/15581/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारण दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धिनांक : 10-9-1985

माहर:

त्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

नायकर किंपिनियम, 196) (1961 का 43) की गाउन 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बस्दई

बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37जी/2601/84-85—-यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसर्मा इसके पत्रचात् 'उक्त निधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संस्पत्ति, जिसका उचित संज्ञार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० जमीन का हिस्सा, जो, विलेज एक्सार पहाड़ी गोरेगाँव के पास, सर्वे नं० 120 से 125, सी० टी० एस० नं० 521, गोरेगाँव , बम्बई में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-1985

को प्रवेषित संवित्त को उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रीतफल को लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुख्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान क्रीतफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तिरिती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निक्निलिस्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तिक रूप से किमत नहुँ किया गया है:—

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाद की बादत, बन्तर विभिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय दा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रजोचनार्थ बस्तरिती ब्रजाय प्रकट नहीं किया बता था वा किया बाना चाहिए वा किया वे सविधा के लिए:

(1) सीनावाला इन्डस्ट्रीज लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनहर एच० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वविकास करका हूँ।

उन्त तलाल के वर्षन के तस्वन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अमरिथ या तरकश्वरणी व्यक्तियों पर स्थान की बाजीज से 30 दिन की जनिथ, वो थी जयिथ बाद में तमान्त होती हो, के भीतर प्रभोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस ब्यान के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीय है 45 दिन के शीवर उनत स्थापर सम्बक्ति में हित-वय्थ कियी जन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के गांच निविध में किए वा बकोंने।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त लक्षों और पर्षों का, को उक्क अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वका ही।

भ्रनुपूची

जमीन का हिस्सा, जो विलेज एकसार पहाड़ी गोरोगांव के पास, सर्वों नं 120 से 125, सी. टी. एस. नं. 521, गोरोगंव, बम्बई में स्थित ही।

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस०-1910/84 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाँक 18-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 3-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-जी-2604/84-85--यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं 251, एच० नं किटी सर्वे नं 2460, विलेज मनोरी, तालूका बोरिवली, मालाड, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-1-1985

को प्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल से अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंसरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जोमेफ थामस परेरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डेनियल फेलिक्स गोम्स ग्रौर श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

प्रन्सुची

जमीन का हिस्सा, जो सर्वो ने. 251, एच. नं.—सिटी सर्वो ने. 2460, विलोग मनोरी, तालुका बोरिवली, मालाड, क्ष्म्बर्ष में स्थित ही।

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० 2909/82 भौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1985 को रिजस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–3, बस्बई

अतः अबः, उन्तर्स अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्सरण मैं, भैं, उन्तर अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निनिसितः श्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनाँक : 3-9-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-जी/2596/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थायर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० जमीन श्रौर घर, जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1272, म्युनिसिपल हाउस नं० पी० एन० 11508 विलेज मालवती, मैलाड, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह मिक्बास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तर्भ ते हुई फिली बाव कर बावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दाने को जन्तरक को दर्शियश्य भी कमी कारने या जससे बचने में तृहैंबधा क्षित्र, और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिभा के सिक्;

बतः श्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-य को बनुसरण् में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के बभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्णात च—

- (1) श्रीमती कन्डीड राड्रिग्ज श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भारती बी पाठक ग्रांर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः ह**ु**।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविभ मा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्थव्यक्तिरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

anna)

श्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० 1828/1981 ग्रीर जी उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाँक 31-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–3, बम्ब**र्ध**

विनांक : 3-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनौक 3 सित्तम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2576/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं.

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसकी सं० सर्वे नं० 187 शिट नं० 57), सी० टी० एस० नं० 439, सिटी मर्वे नं० 530-एल० ग्रार० विलेज मुलूंड, बम्बई में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन बम्बई तारीख 20-2-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिकल के लिए अन्तिरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया चया विस्तत, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिकल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिकल रूप से कियत नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाग की बाबत उकत बिध-नियम के अभीज कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर निधिनवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनवस, वा भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधाने में सुविधा वा किए;

क्तः अव, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-मं को जनसरक मों, मों, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती दिवीदर कौर, सरदार महिन्दर सिंह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हिराबाई खेराजमल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपित्त में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख स० एस०-927/77 और जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनक 20-2-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 3-9-1985

प्रकल काइ . सी. एम . एस . -----

बायकार मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-व (1) के बभीन ज्वान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक धायकर वायुक्त (निर्रोक्तण). ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं ॰ श्रर्ह--3-/37-जी/2568/84-88--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन समाम प्राधिकारी को, यह विवनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के इस्ममान 1,00,000/- रा. ते अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा (रिवेझनरी) जो, सर्वें नं० 205, सी०टी० एम० नं० 295, भांडूप, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता खि

को प्रवेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथाप्यों क्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार भूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया इतिफस निम्नसिवित उव्वदेश से उच्छे अन्तरण कैसिवत में बास्तविक कप से कीचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी वन था बन्च वास्तियों को, विक्ट बारतीय बावकर विधिवयंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिवयंत्र, या वन-कर विधिवयंत्र, या वन-कर विधिवयंत्र, 1957 (1957 का 27) के हवोबनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, किया में तृतिथा को विवयं

कतः सब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं से अमुक्रिया से, में. उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीतः जिल्लासियातं स्थानितः (1) श्री रामचन्द्र कें० म्हात्रे।

(म्रन्सरक)

(2) एशियन पेंट्म (इंडिया), लिमिटड । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृशांकत संगरिक के अर्थन के किय कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स ह—

- (क) इस स्वाग के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अमिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की ताबीस से 30 दिन की सबिध, वो मी सबीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीकत इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में दित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिसित में किए वा सकोंने।

स्वध्यक्तिरणः — इसके प्रमुक्त गब्दों और पदौं का, वो खेवह विभिन्नम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख मं० 2563/84 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 3-9-1<u>.</u>985

मोहर 🤢

प्रक्य आई.डी.एन.एस.----

बाबभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्थालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 भ्रगस्त 1985

निवेश सं० अई-3/37-जी/2569/84-85--- अतः मृझे ए० प्रसाद

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्य 1,00,000∕- रुः. से अंधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं० 205 सी० टी० एस० नं० 295, बिलेज, भांड्प, बम्बई में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यः से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वलत करने का कारण है कि यथा पूर्वीयत सम्पत्ति का उषित सम्बार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिकल से, एसे प्रथमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकात संअधिक हैं

अरैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरि**ती (अंतरितिया**ें) बीक एंसे अंशरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निक्तिसित उक्के हम से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्यित ख्डी विया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आहितयाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) कं <mark>अधीन, निम्नलिसित र</mark>्जल्यों पर्यात :——

(1) श्री रामचन्द्र किसन म्हात्रे।

(ग्रन्तरक)

(2) एशिएन पेंटस (इंडिया), लिमिटड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्बक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीचा स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबबुध किसी जन्य स्थितित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णां उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथाक में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2564/84 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार ., बम्बई द्वारा दिनाँक 5-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

विनौक : 26-8-1985

मोहर 🖫

प्रमूप बाध . टी . एन . एस . -----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत बरकार

भारा 269-व (1) के बनौन स्वना

फार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्मक्तिक)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 26 भ्रगम्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-र्जा/2648/84-85--श्रतः मुझै, ए० प्रसाद

नावकर जीभीनवज, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियन' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्राभिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का ते अभिक है

ग्रीर जिसकी सं जमीन के साथ निवासी स्थान, ब्लाक (प्लाट)नं 70, (1) ग्रींग सी व्टी एस वनं 294, स्ट्राट नं 56, टी वार्ड नं 3002 (1) स्ट्रीट नं 90ए, मुलूड कालोनी, बम्बई – 82 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकत के जिए बन्तिरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का पम्बद्ध प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया यहा है हिन्स

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाद की बावत, उक्त वर्षिशियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तित्व में कभी करने या उससे वचने के कृषिका के लिए; जॉर/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी धन वा बन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या वर्ष कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्चाय प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना वाहिए था. कियाने में स्विधा से किए;

अतः अतः उपत विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण वें, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तिवों,, अर्थात् क्ष--- (1) श्री काँतीलाल जीवनलाल वखारिया।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनलाल वजीरचन्द ग्रलाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द राज्यति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी गांक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से कि 45 दिन की अविध ना तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्पीक्तयों में से किसी स्पीक्त इवारा;
- (क) इस स्वता के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक १ 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त बर्टी और पर्योका, या उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा स्वाहि।

श्रनु**सूची**

ं श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 887/82 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बर्ष द्वारा दिनौंक 22-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक : 26-8-1985

शक्य बाइं.टी.एन,एस. ------

बायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बस्दई बम्बई, दिनाँक 26 म्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-जी/2635/84-85-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथितियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जिथित सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उधित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से जिथिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन, जो क्रीमेंट इंडस्ट्रियल इस्टेट कांजूर मार्ग (पूर्व), नया सर्वे नं० 274 श्रौर सी० एस० नं० 1285डी, बम्बई-78 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-5-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उिषत नावार मृत्य से कम के क्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और∕का
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स कीसेंट द्रांडग कंपनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मह्ता एन्ड मोदी।

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्वता जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्मिन्तयों में से किसी स्पन्ति बुवास;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पार्क सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधिषध हैं, वहीं अधे शोगा, को उस अध्याय में विसा नवा हैं।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० एस-3283/82 ग्रीर जो ग्रपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनौंक 24-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई

बतः ववः, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-न के विभूतरण वें, में उक्त अधिनियमं की भाग 269-च की उपभाग (1) के विभीनः, निस्तिकितिक स्वीक्तवों, वर्षात् क्र---

दिनौंक : 26-8-1985

प्ररूप आइ रे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनोक 26ग्रगस्त 1985

निवेश स० श्रई-3/37-जी/83-84--प्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संव व्लाव 3 4, पबई मूलंड कालोनी सीव एसव टीव एसव नंव 275, बिलेज, नाहर बाल्कः धुर्ला, मुलंड, बम्बई—82 में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध प्रनुसूची में और पूर्व रूप से विवत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तरीख 15-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित, की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :---32--266 GI|85 (1) श्रीमती गुणावन्ती ठावुरदास ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री (सरदार) बलकीर सिंह ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्ति हों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ हारेग जो उस अध्याय में निया गया हो।

श्रुसूची

भनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1734/1983 और भी उप रजिस्ट्रार, बम्बई कारा दिनक 15-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० असाद संक्षम प्राधिकार संस्थिक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

प्ररूप बाइ' टी . एन . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकाह

कार्यां तय, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वस्व्ह बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-जी/2608/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को उह जिल्हाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका संव सर्वे नंव 175, ज्वाव नंव 5 (ए), मुलंड, (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इसमे उपा इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणान है) रिनिस्टीकर्ता ग्राधिक री के कार्यालय बम्बई में रिजस्टीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तरीट 21-3-1985

(1908 का 16) के अवान ते राज 21-3-1985 को प्रबंधित मंगित के उचित बाचार मृत्य के क्षण है इक्षणमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्याम करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्मित्न का उचित बाजार बुन्य, उसके इक्षणमान प्रतिक्रम के, एमे इक्ष्णमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्वोक्त के उक्षण कि बिन्न के बाम्तिक क्षण से कथित नहीं किया गाए के

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाउत, उक्त क्रिक्टियम, के अधीन कर प्रत्ने की अन्तर व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियः गर्ने, जिल्हां जन्मीय भगन्य हिंधिनियम १०२१ (1970 का 11) या उत्ता श्रीवित्रण श्रीवित्रण श्रीवित्रण श्रीवित्रण श्रीवित्रण १९५७ (१९५७ का 27) के ध्यांजनाथ अन्तां रती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था श्री किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा लें स्थितः

तर हर उत्तर क्षांधानपम् की धारा ७६९-६ सं अम्बर्धः लो, में उत्तर श्रीधिवरम् ६० भाग ३५०-६ को उपारणः (सः **च अधी**न निम्नलिसितं व्यक्तियों, अथातः :—

- (1) श्रीमती कमलारानी हझरा और निहार रानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लिलावती पोपटन ल मणियार और 3 श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थन। जारी करके पृथीनत् इम्पत्ति के सर्वन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस एचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में शकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विका गया है।

ग्रन्युची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० ६स-463/81 और जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई क्षारा दिनांक 21-3-1995 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 26-8-1985

प्रकार करहें, टी पुर, पुर, न्यान

बागकर बॉंभनियम, 1961 (196; का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निदेश सं० ऋई-3/37:औ /2607/83-84-- अत: मुझे; ए० प्रसद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कि 9-का का वर्धान सक्षम प्राप्यकारी का कि कि कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार यज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 761 (1+03), प्लाट नं० 474, 13व: रास्ता, चेंद्र, वम्बई-71 में स्थित है (और इससे उप बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-2-1985 को पूबावत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थ्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अपित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का अन्तर सं अन्तर से अपित के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्लित उद्योग्य से उत्त अन्तरण कि बिस में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन मा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, वा वनकर विधिनयम, वा वनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं कं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) श्र एत्तर ५० नारेस और श्रीमर्का कोषी लारेश्स।

(ग्रन्तरक)

(2) पेड्रोज डंजीनियरिंग कन्द्रझ्यन प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके प्रशंदन स्थाना के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों

नक्त सम्मान के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इन मूचना के राजधक में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर राचना को नामीन से 30 दिन की अविध, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के मीतर पूर्वों कर प्रतिकार में व कि मी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के रुखपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर तहन स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा, अधाहस्ताक्षरी के शक्ष निमित्र में किए जा सक्तेंगे।

स्वाक्षीकरण:---इसमी प्रयूवत कब्दा और पद्मी का, की उत्तर जीविनयम, के ज्याय 20-क मी परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा विधा है।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं 0 1443/1981 और जो उप राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-2-1985 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्र**साद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्ब**ई**

दिनांक : 26-8-1985

इक्द बार्ड . टी . पूर्व . एस . ----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के बभीन सूचना

RITH STATE

कार्यातम, बहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई' दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-जी/2649/83-84--मतः मुझे ए० भसाव

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह निश्वास करने का अध्या है कि स्थापर संपीत्ता, विश्वका उचित बाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अरेर जिसकी सं० ब्लाक नं० 123/131, सी० टी० एस० नं० 193 और 193/1, नाहुर विलेज, मुलुड कालोनी भैक्ड, बम्बई-82 म स्थित हैं (और इससे उपावक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्रा प्रक्षिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रक्षित्यम 1908 (190 16) के ग्रधीड तारीख 22-2-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बच्च क्लाइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिख्त में बास्तिवक रूप से कथिश्व नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्न स विधित्यल के व्योग कड़ योगे के वृत्तुरक के वायरण में कमी कड़ने या उत्तते क्वने में धूनिशा के बिए; बीए/श
 - (क) एसी किसी आय या किसी भन या अव्यः आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में हाँ क्षा के निक्दः

कतः नव, अव त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियर अर्थात् :-- (1) श्रीमती बचिवाई चातूमल कारीया।

(भ्रन्तरक)

(2) सरदार स्वर्णीसह पूरनीसह।

(भ्रन्तरक)

को बहु सूचना चारी करके पूजा किए सम्पत्ति के सूचन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बन्द बन्दरिय के बर्चन के तम्बन्द ने कोई मी बालेद :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त लिसिस में किए जा सकींगे।

स्वयाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्रनुसूकी जैसा कि विलेख सं० 2611/81 और को उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज-3, बम्बई

विन क : 26-8-1985

भोहर

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 तिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2565/84-85--अतः मुझे, ए ० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिन्नी सं० जमीत का हिस्ता, जो विलेज डिंडोबी, सर्वे नं० 1/2, सी० टी० एस० नं० 57 (म्रंग), आदू रेड़, गोद्गाव (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (म्रोर इससे उजाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्व का से विजा हैं) रजोंद्री क्ती अधिकारी के कार्याजय बम्बई में रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 15→1−1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ व के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत , उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उकत अधिनियम की भारा 269-य के बनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तिगर्हें, अर्थात् :--- (1) दि आफीजियल अजायनीज आफ बाम्बे हाईकोटं, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जोशी धनेसा एन्ड कॅपनी।

(भन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिशः के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-1238/80 मीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरोक्षण); अर्जन रेंज-3,बम्बई-1

दिनाक : 3-9-1985

मोहर 🏻

त्रक्ष भाष्ट्र . टी. एस. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंग-3, वम्बई

बर्गीई, दिशां ह 3 जिल्ह्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2597/83-84--अाः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

षीर जिनकी सं० जमीन का हिस्ता, जी, प्लाट नं० 41 पुष्पा पार्क स्कीम, िटी रवें नं० 161/1 से 161/6, कुपर विलेग, मानाड , बम्बई में स्थित है (और इतने उपाबब अनुसूची में और पूर्ण का ने विणा है) सीन भी किया गरी के कार्याक्ष्य बम्बई में स्थित है। सीन भी कार्याक्ष्य 1908 कार्याक्ष्य बम्बई में स्थित हो एण अविशियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 25-1-1985

की पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारवेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी साय को नाजत, अन्तर अधिनियम को अधीन, कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कामी करने या उत्तरते व्यक्त में सूबिभा के लिए; और्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती थ्यारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण-, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैम्पाबी अब्दुल रहमान मलिम । (अन्हारक)
- (2) वेंकट वि० बनछोडे । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवीप या नत्सबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त स्थितियों के भे किसी व्यक्तिया द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थापर सपित में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहरनाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्न काब्दों और पदों का, को उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा हैं।

बनसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख र्स॰ 193/83 श्रीर जो उप रिनस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 3-9-1985 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एन, एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-व (1) के अधीन भूपना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण)

अर्जं न रेंजं-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेण र्स ० अई-3/37~जी/2599/83-84--अनः मुझे ए०प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उत्तर अधिनियम' काहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शिथिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार सृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रोर जितकी सं० जमीत का हिस्ता, जो, प्लाट न० 10, देताई श्रास की० प्रायवेट रिज़म, मामलतशाय वाडी रोड़ नं० 6, मालाड, पर्ये तं० 151 एव० नं० 2, मी० टी० एस० नं० 790 मालाड, वस्वई में नियत हैं (श्रीर इंडी उपायड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणि हैं) जीताश्री जती अधि करी के कार्यालय वस्वई में जिल्ही करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन टार्ज व 15-2-1985

भा प्रिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान भिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित स्पारित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे इश्यमान प्रतिफाल का गन्दह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा भा प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में अस्तिक कप से कांधत नहीं किया गया है :--

- (क्ष्त) अन्तरण एं हुक्क किसी आम को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीर कर धनं के अन्तरक के दावित्व में क्षता करने या उससे नमनं म श्रोतका के लिये; ब्यार/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ थी. जिल्हों भारतीय अभ्यार अभिनेत्रका, 19%2 (1922 का 11) या उक्क लांचिनियस, या अन्य अस्ति अधिनियस, या अन्य अस्ति अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अं प्रभोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अक्ट लहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा बी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भाषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री राधवनी उमर्शा

(अन्तःरक्)

(2) कोकील अपार्टमेंट्स को० स्रो० हाउसिंग सोजायटी चिर्मिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह म्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्सप्तरभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में शे किसी ब्यक्ति बुनारा;
- (ब) इस स्चमा के राजपत में अकाशन की तारी ब ब 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपितत में हित-बद्ध किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षकों के पास लिस्टिन से किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्यय 20-क को परिभाषित हो, त्रज्ञी अर्थ हागा जा उसे कथ्याय को दिला नका हो।

अन्सची

अनुपूची जैंसा कि विलेख नं० भया नं० 252/85, पुरापा नं० 233/1972, और जो उप प्रीकर्ण, .बस्बई द्वारा दिनांक 15-2-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रता**द** सक्षम प्राधि ता**री** सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रोंज-1, बस्ब**ई**

दिनांक : 3-9-1985

एक्न् बाइं. टी. एन्. एत् ,-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आवकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी/2598/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाप्टस ने० 11 भीर 12, जी मामलदार वाही रोड़, बिरारिस, सर्वे नं० 227, मानाड बम्बई में स्थित है (भीर इतने उनाबद्ध अनुपूर्वी में भीर पूर्ण रूप से विकास है) रिजिस्ट्री ज्वा अविजारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री ज्या अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 25-1-1985

करे प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से किंशत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुद्दै किसी जाय की वावत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक खें दायित्व में कमी करने या उबसे श्वने में सृविधा से लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन वा बन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, का भनकर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा वा किया वाना वाहिए वा जियाने के स्वीधा के बिद्य;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निसित व्यक्तियों बर्भात:—

- (1) कच्छ को॰ श्रोप॰ हाउजिंग सोवायटी जिनिटेड । (अन्यरह)
- (2) मालाड जब शांती को० भ्रोत० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त कम्पतित् को वर्षन को सम्बन्ध में क्षोड़ों भी नासोड़ :---

- (क) इस स्ववा के राजपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तामीन तो 30 दिन की अविध, में भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच त 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितवलभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाज निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ ह्योग जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

अनुपूची जैसा कि विलेख सं० 4004/84 श्रीर जो उप रिजाद्रार, बम्बई द्वारा विजास 25-1-1985 को रिजराई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बाई

दिनांक: 3-9-1985

मोहर 🗈

प्रक्ष बाईं.टी.एन.एस.-----

बायव र बाधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

मिषेश र्सं ० अई-3/37ईई/16131/84-85--अत: मुझे ए • प्रसाद

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के विधीन सक्षम प्रधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्वतेर जिसकी सं० पलट र्न० 1, जो पहली मंजिल, प्लाट नं० 225, इ.मारत हिंगवाला लेंन ग्रीर आर० बी० मेहता मार्ग जंझ्यन के पास, घाटकोपर (पूर्व), बस्बई—77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल के पन्तर से विश्वास है बौर अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तब गव। गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि विश्व से वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; आरि/बा
- (था) एसी किसी बाब वा किसी धन या शस्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान बाहिए था, स्थिपन में सुविधा से सिए:

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीनः निम्मलिबित अ्यक्तियों, अर्थात् :----33---266 GI|85 (1) मेसर्स मयुरी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(·2) श्रीमती मधुवाला गिरधरलाल लाखानी। (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

क्यत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आरूप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जो उक्ताः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिवा क्वा है।

अन<u>ु</u>सुची

फ्लाट नं 0 1, जो, पहली मंजिल, प्लाट नं 0 225, इमारत हिंगवाला लेन और आए० बी० मेहना मार्ग, जंक्शन के पास, घांटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं?

अनुसूची जैंसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/16131/84-85 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सदाम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—3, बम्बई

दिमांक: 26-8-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

भायकर निभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में नभीन क्यान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर जायुक्त (निर्दाक्रण) भर्जम रेंज-3, सम्सर्ध

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निदेश र्सं० अई-3/37ईई/15781/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

मौर जिसकी सं० युनिष्ट नं० 6, जो, रुपल ईंडस्ट्रियल इन्टर, 35, भटवाडी, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है (श्रीर जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, सक्के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नीसिविव ब्रुविदेय से उक्त अन्तरण जिल्ला के लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अंकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को. जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त विधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा छिपाने में के लिए;

अतः भवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के० एल० पारेखा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीजी ईटरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

वक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी बाक्षेप ::---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, निकित में किए का सकाय।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्मा और वर्ग का, को उस्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं वर्ष होगा. जो नस क्ष्याय में विधा स्या हैं।

धनुसूची

युनिट र्न० 6, जो रुपल ईडस्ट्रियल इस्टेट, 36, भटवाडी घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम र्स० अई-3/37ईई/15781/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1995 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 26-8-1985

त्ररूप नाइं.टी.एन.एवं : *****

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

भारत हरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्यक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निदेश र्स० अई-3/37ईई/15867/84-85--अत: मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी र्सं० दुकान नं० 8, जो, निलर्कठ प्लस, 157, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्दई-77 में ल्यित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

का पूर्वाकत सम्प्रतित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान गितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वसि करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिकृत सं आध्क हैं और अतरक (अतर्कों) और अतरिती अन्तरितों) के जीच एम प्रन्तरिंश के निष् अय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्तिक रूप से किया नहीं किया नहीं किया नहीं :—

- ्षिः) भ्रेन्तरमः इं हुइं किसी बाय की बाबट, उसके बाधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शावित्व य कर्मा करन मा उसस बचन मा सुविधा के लिए; बीट या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियण, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए,

अस अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के० एन० ब्यास।

(अन्तरक)

(2) एन० एम० पारेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशांक्त सम्मत्ति से अर्थन के सिंध कार्यशिक्षां करता हो।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाधांप:---

- (क) इस व्यान के राज्यन में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की नविथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविथ, जो भी नविथ याद में बनाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्थारा;
- (क) इब त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किसे वा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

दुकान तर ८, जां, नीलकंठ प्लेस, 157, गरोलिड्या नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कम सं० अई-3/37ईई/15867/ 84-85 ग्राँए जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वार दिनां । 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक : 26-8-1985

प्रकृत बाइ . टी . एक . एक . ------

भायफर निभिनियम, 1961 (1961 क 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

नारत बरका

कार्यासय, सहायक सामकाह साबुक्त ('नरिक्क) प्रजीन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, धिनांक 30 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/15805/84-85-अतः **मुझे** ए० प्रभाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार बृक्च 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लट नं० 25, जो "डी" विंग, गजानन निवास, 6ठी मंजिल, कदमवाडी, वाकोला विलेज रोड़, सांताकुंज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृष्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित् नाचार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरक के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक किंविद में नास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की वाबतः, उक्त विभिन्नियम के अभीन कार धेने के अंतरक के दामित्य में कबी करने वा उत्तर्व शक्ते में तृषिधा के तिए; आर/बा
- (त) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा कन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर किश्लीनयक, 1922 (1922 का 11) या उक्त किश्लीनयक, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंपरिती इवारा प्रशट कही किया नया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

नत भाग, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मं', उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अर्धता, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स राव एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री निकोल्स राष्ट्रिग्ज।

(अन्तरिती)

का यह त्यमा चारी करके पृत्रोंक्त कमित के अर्थन के जिल् कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

दक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच या तत्स्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, वो भी नवींच वाद में समाय्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकेंगे।

रचक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पक्कों का, जो उक्क प्रीकित्यम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याप में दिया नवा हैं।

घनुसूची

प्लटनं ० 25, जो "डी" विग गजानन निवास, 6ठी मंजिल, कदमवाडी, प्वाकोला विलेज रोड़, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/15805/84-85 श्रीर जो चेक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वापा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज–3, बस्बर्फ्

दिनौक: 30-8-1985

मोहर 👙

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई 3/37ईई/15807/84-85--- मृतः भृङ्गे, ए० प्रसाद.

बाधकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उपिन साजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या दुकान नं 4, जो, तल माला, गजानन निवास, इदमवाडी, वाकोला, विलेज रोड, सांताकुज (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विजित्त है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्र है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रयमान प्रतिफल सं., एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त बाभिनियम के अभीन कर दने के ब-सरक क बामित्व में कमी करने य' उत्तते वचने में सुविधा के जिए; बार्/बा
- (क) एको किसी जाय या किसी धन बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरियों इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था विश्वाने में सुविधा के शिए;

जतः जब, उक्त जीभीनयम कौ धारा 269-य के अन्सरण में, में, उक्त जांभीनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अर्थान, गैनम्नालींचत व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. मैंसर्स राव एण्ड एसोसियेटस।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती खातिजा ग्रार नूरानी ग्रीर प्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 ादन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विधिनयमः के अध्याय 20-क में परिभागितः हैं, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिए। नया है।

वन्स्ची

दुकान नं० 4, जो, तल माला, गजानन निवास, कदम बाडो, बाकोला विलेज रोड, सांतऋज (पूर्व), बम्बई--55 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क गं० श्रई-3/37ईई/16807/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्स किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरक्षिण) ग्रजैन रोज-3, बस्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा :269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३ वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 26 भगस्त, 1985

निवेश मं० प्रई॰ 3/37ईई/15890/१५०-85. - श्रतः श्वे. ए०, प्रसाद,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसं इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया ही), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह 'वस्ता करन का कारण ही कि स्थावर हम्पत्ति, जिसका उपवित वाजर मूल्य 1,00,000/- रहा भ आधिक ही

और जिसका संख्या पलैट नं डा-2, जी, तल माला, इमारत नं 2, टैक्ली मन्न की आप हार्डिंग नीताबट: लिंग 206 एलंग बार एलंग मार्ग, कुली (ए), वस्वर्ड-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में आर पूर्ण लेप में बणित है), और जिसका इत्यारतामा अत्यार अधित्यम 1961 की धारा 269 ं खें के अधार, के बड़े लिखर सक्षम प्राधितारी के वार्यालय में रिजस्ट्र है, तोर के 1-3-1985 को पूर्वित्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूप्त यह विद्यास करने का दारण है कि अथापूर्वीपत संपत्ति का संवत्त वाजार मूल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल से, एमी इस्थमान प्रीतफल का पदह प्रतिचार सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमी अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नतिखत उद्देश्य से उबत अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नतिखत उद्देश्य से उबत अन्तरण कि स्थित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बाबती, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शंतरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने भी सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन ।। अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1)57 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा : कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनान में सिषधा के लिए।

अत अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के जिल्लारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :-- ा. श्रा एस० जे० छाजे ।

(ग्रन्तरक)

2. श्राः एम० के० घेट्टा

(अन्तरिती)

का यह सूचन जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की धारील .

 45 दिन की अवधि मा सत्संबंधी व्यक्तियों प स्वाना की नामील मं 30 दिन की अवधि, यो में अधि बाद मो समाप्त होती हो, के भी र पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंच में प्रकाशन की गारीब 45 दिन के भीतर उपन स्थापर सम्पत्ति में हिर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह-ताक्षरी पन निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिरण:--- तममे प्रयुवत अब्दों और पदा का, जो उर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा एरिमारि हो, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दि गया है।

अन्स्वी

पलैंट ना है। 2, जा, 15 माला, उमारत ने के देवसे भेरू जीव आप शासिंग सीमायट लिव, 106, एक बाव एसक माम, कुली (प०), बम्बई-70 में स्थित है। अनुसूचा जैसा कि कवसे आई-3/37ईई/15396/8, 85 और जो लक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

्र प्रस् ाक्षम पाधिः सहायक ग्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षा ग्रप्रन रोज--3, बस्

विन्त्रमा: 26-8-1985

भाहर 🗧

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

कायकार अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सचना

नारत सरकार

कार्यक्त, सहावक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निवेश सं० श्रई-3/37ईई/15881/84-85---श्रतः मुझे, ए०, प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 /1961 का 43) शिजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 601, जो, 6वी मंजिल, "बी" विंग, इमारत नं 1, शांती पार्क, गरोडिया नगर, शांटकोपर (पूर्व), बस्बर्ड-77 में स्थित है (श्रीर इसके उपा बद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धीरा 269 का ख के श्रिधीन, बस्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रजिस्ड्री है, तारीख 1-1-1985

को पृथोंकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कल के खबभान कीतफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मफे यह विक्तास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के शिए; बार/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धम या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्स अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अविनियम ग्री भारा १६०-ग के जमसरण बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा १६०-म की लपधारा (६) को सभीन, निम्नलिकित स्विकार्यों, अभिन् :--- 1. मैंसर्स नंःलम डेवलपोलर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. वि० भोग।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुवना कारी करनी पूर्वीवत सम्बक्ति के अर्थन के विक् कार्यवादियां शुरू २०२७ हो।

उकत सम्पन्ति हो अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्रोप :---

- (क) इस ग्लाना के राजपत्र ता प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इसन्तना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्डप्थ किसी करा स्थित दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पांच तिस्ति में किए वा सकरें।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उबत डिश्तियम को अध्वत्य 20-का में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या

अनुसूची

फ्लैंट नं० 601, जो, 6ठी मंजिल, बी० विंग, इमारत नं० 1. णांता पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (q^4) , बम्बई--77 में स्थित है।

श्रमुसूचा जैमा रिफ्न०सं० धर्द-3/37ईई/15881/84-85 स्रोर जो मक्षम प्राधि ारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई लिया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 26-8-1985

18.

प्रकृप बार्षं, टी. एन, एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६० ५ (1) जे सभीत वचना

नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त, 1985

सं० म्रई-3/37ईई/15880/84-85:--म्रत मुखे, ए०, प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रुट. से अधिक है

ग्रीर जिसको संख्या फ्लैट नं० 502, जो, 6 ठी मंजिस, बी बिंग, इसारत नं० 1, गांती पार्क, गरोडिया नगर, घाट कोपर पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्रों में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करार नामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्राजन, बम्बई थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान शितफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीप ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया ग्वा प्रतिक क्य मिम्मसिष्टित स्पृष्टेश्य से स्वत्य अन्तरण जिल्हित में बास्तिक क्य में अभिन नहीं किया बना है :--

- (क) वत्तरण संहुदं कियी बाय की बावत उपत वीध-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक ते बायित्व में कमी करने वा उचने वचने में बृषिशा के दिए; बीप/मा
- (च) एंसी किसी नान वा किसी धन वा अन्य नास्तिनी की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था एए एक्या जाना यादिए था, छिपाने में नृतिशा के लिए;

नतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, माँ, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिस स्वितस्यों, अधार्तः मैसर्स नीलम डेवलपपर्स।

भ्रन्तरक)

2. श्री बि॰ जानकी।

(श्रन्तरती)

को बहु बुचवा चारी करके पृथानित बन्गीत्त के नर्वन के निरू कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय ---

- (क) इस स्थाना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी जबकि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद्धाः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

श्रम्भागिकरण:----इसमाँ प्रयुक्त सन्दाँ और पदाँ का, जा उक्स ् अधिनियम को अध्याय 27-क में परिभाषित हाँ, बहुी अर्थ होना जो उस्क्रभमान में दिया वया हाँ॥

वगुस्ची

पलैट नं० 602, जो, 6 ठीं मंजिल, की विंग, इमारत नं० 1, शांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई 77, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० $\xi-3/37\xi\xi/15880/84-85$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अभिनियम : 1961 (196; क 43) को भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज–3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

सं० श्रई-3/37ईई/16377/84-85:--श्रत मुझे, ए०, प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'स्वत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- सु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या श्रीदोगिक यूनिट नं० सी०-218, जो, घाटकोपर इण्डिस्ट्रियल इन्टेट, 2री मंजिल, एल० बी एस मार्ग, घाटकोपर, बस्बई-86 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रीधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 1-1-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और बंतरित (बंतरिति से अधिक है और वंतरित प्रयास गवा धित कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति कि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी छाण या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय छायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34---266 GI|85

1. श्री के० कमलावशा कामथ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद के० शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्कना जारी कारके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्थन के विश् कार्यकाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था उच्चान्त्री व्यक्तियों पर स्थता की तानील से 30 दिन की अवधि , को भी वबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतन उक्त त्यावर सम्मति में दिख- सर्थ किसी अन्य व्यक्ति हारा, अभेहस्ताक्षरी में पान विकास के किस का विकास के में

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त इ.ब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिकियम, के एक्याय २०-क में परिभाषिक हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया हाँ।।

अनुस्ी

श्रौद्योगिक यूनिट नं० सी०-218, जो, घाटकोपर **इण्ड** इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 2री मंजिल, एल० बी० एस० **मार्ग,** घाटकोपर, वम्बई-86 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/16377/84-85 श्रीरजो तक्षम प्रक्षितारी बयबई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनाँक: 26-8-1985

प्ररूप भाइ , टी. एन. एस.----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

सारत सुरकार

आर्थाशय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्क) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 श्रगस्त, 1985

सं॰ म्रई-3/37ईई/16354/84-85:----- म्रत मुझे, ए०,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसके प्रकार सकत मिथिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारों को, पष्ट विश्वाम करने का कारण हैं. कि स्थावर मन्यत्ति, जिसका उजित बाजार मन्य 1,00,000- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 108, जो, 1लीं मंजिल, इमारत इमारत नं० 7, कपाडिया नगर, सी० एम. टी० रोड, विद्यानगरी मार्ग,मार्ग, (कुर्ला (प०), ब्रम्बई--70 में स्थित हैं, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुगूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विजत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-1-1985

की प्रविक्त सम्परित के उभित बाजार मृन्य स कम के दृष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ब हैं और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण हैं कि यथापर्लोक्स संपत्ति का उभित बाजार मृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सो, एमे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तुरण के निए तब पामा गया प्रतिफल निक्निलिखित उद्देषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिजिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं ---

- ्क) कतरक संहुड ाक्रमी आध श्री श्रावता, जवस वांधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करन या उससे वक्षणे में सुविधा के निष्; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकार अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

जत्तः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक ा, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (* के अभीत, निम्नलिधित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० के० मैट्टी।

(म्रन्तरक)

2. श्री ए० कें एस० मोहम्मद।

(भ्रन्तरिती)

का बह तुमना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त कम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवदि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेगं।

स्पर्वधिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्क अधिनियम, के बध्याय 20-के में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा यस हैं।

भनुसूची

पलैंट नं० 108, जो, 1 पहली मंजिल, इमारत नं० 7, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, ववद्यानगरी मार्गे, कुर्ला (प०), बस्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-3/37ईई/16354/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनौंक: 26-8-1985

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण)

म्प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 ग्रगस्त 1985

सं॰ श्रई-3/37ईई/15804/84-85:--श्रतः मुझ, ए, प्रसाव,

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' नहां गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उपित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 102, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं 6, कपाडिया नगर, विद्या नगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला बम्बई-70 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफास के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफास से, एसे दृष्यमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिय तय पाया पूर्वा प्रतिफास निम्निश्चित उद्योग से उक्त बस्तरण कि बिच वे वास्त्रिक एवं क कुष्ति मुद्दी किया गया हैं:—

- [म] चलरण संहुई किशा नाय की शावल, रुपए विभिन्निक से नेपीन कर दर्ज के अन्तरण के खनित्व में कबी करते ना उसते नचने के हुविधा के किए; बीळ/स्थ
- (क) एसी किसी जाय ना किसी भन या जन्य जास्तिनों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभानयन, 1922 (1922 की 11) या उनते विभिन्यम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्दोंडिती बुनारा प्रकट नहीं किया भूका था वा किया थाना प्राहिए था, कियान वे स्थित के निए,

वर वर वर्ग अवत विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण हैं, सै, उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) है बभीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्थात् ः——

मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(श्रन्तरक)

2. श्री खलिद भ्रब्दुल कादीर परकार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त काक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीभ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षारी के पास 'पासित मों किए जा सकोगे।

स्वक्रीकरण :— इसमें अयुक्त शब्दों और पर्धों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया सवा हैं।

HENNE

प्लैंट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, विद्या नगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, सम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० ग्रई-3/37ईई/15804/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षमप्राधिकारी, स**हायक ग्राय**कर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** ग्रर्जन रेंज-3,**बम्बर्ध**

दिनौंक: 26-8-1985

प्ररूप शाहा. टी. एत. एस. -----

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 स्नगस्त 1985

सं॰ म्रई-3/37ईई/15589/84-85:---श्रत मुझे, ए०, प्रसाव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 34, जो, इमारत नं० 2-ई, लोहिया नगर, बाम्बे टैक्सीमैंन को० श्राप० हाउँ तिंग सोतायटी लि०, एल० बी० एस० मार्ग, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तर के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्क्ष में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) कलंदिण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अपने या उससे वचने में सुविधा के जिए: आर्थ/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना धानिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः जय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण गं, में सक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ले अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रो बो० एम० चारड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री हाजी हतन भास्री।

(ग्रन्तरिती)

कः थह स्वना पारी करक प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपथ मी प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अधिश का नत्सक्तिमी व्यक्तिमी पर मूचना की तामील से 30 दिन की अधिश, जो भी अधिश धाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मी से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मिन मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्षित मों किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

पलैट नं० 34, जो, इमारत नं० 2-ई, लोहिया नगर, बाम्बे टैन्सोमैन, को० ग्राप० हाउसिंग सोबायटी लि०, एल बी० एस० मार्ग, कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि कं सं० श्राई-3/37ईई/15589/84-85 भीर जी सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनौक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, निरोक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 26-8-1985

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वम्बई बम्बई, दिनांक 27 श्रगस्त, 1985

सं॰ भई-3/37ईई/16356/84-85:---श्रत, मुझे, ए प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिनकी संख्या पर्लंड नं० 206, जी, 2री मंजिल इमारत नं० 13, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रीड, कुली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिलका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान । तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. श्रो हलोमाबी ए० शहा।

(श्रन्तरक)

2. श्री एस० बान्।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदां का, को उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

पलैट नं० 206, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 13, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कंसं० भ्रई-3/37ईई/16356/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरक्षण भ्रजन रॅज-3, **बम्बई**

दिनौक: 26-8-1985

मोहः

प्रक्ष बाइं.टी.एम.एस्.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्श्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्द

धम्बई, दिनाँक 26 मगस्त, 1985

सं॰ भई-3/37ईई/15626/84-85:---- म्रत, मुझे, ए, प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, इमारत विजय कुंज को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विजय इमारत फ्लाट नं० 142 बल्लभ बाग लेन, तिलक रोड, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भी श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), श्रीर जिसका करार-नामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखा 1-1-1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रुक्टर्स संहूर कियों बाय की शहस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी नन ना अस्य नास्त्यां का, जिन्हें भारतीय आय-कर निर्मित्यम्, 1922 (1922 का 11) या उनत् निर्मित्यम्, या भन-कर निर्मित्यम्, या भन-कर निर्मित्यम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वार्ष प्रकट नहीं किया ग्या भा मा किया जाना जाहिए था, जियाने में सृत्यिभा के लिए;

मन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीध, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री एम० पो० भट्टा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कें एम शाहा।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किस्ति में फिए का सकते।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनु सूची

पलैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, इमारत विजय कुंख को भाप, हाउसिंग सोसायटी लि०, विजय इमारत, प्लाट नं० 142, बल्लभ बाग लेन, तिलक रोड, घाटकोर, बम्बई 77-में स्थित है।

भ्रतुमूची जैसा कि क सं० भ्रई-3/37ईई/15626/84~ 85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3,बम्बई

विनोक: 26-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

प्राप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दनौक 26 श्रगस्त 1985
सै॰ श्रई-3/37ईई/16043/84-85:—श्रत, मुझे,
ए॰ श्रस-द,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ही भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

भीर जिसकी संख्या दुकान नं 13, जो, तलमाला, बी विग इमारत नं 6, "दामोधर पार्क, एल. बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०) बस्बई—86 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

का पर्वेवित सम्पत्ति के रिचित बाजार सत्य से का से करमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सन्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से विधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाय। गया प्रतिक का निम्मिसित उद्योग्य से उक्त अंतरण विधित में बास्तिक क्या से क्षित नहीं किया गया है क्या

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अंतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- 1. मै॰ पारूल इण्टर प्राइजेस।

(अन्तरक)

2. भारती स्टोभर्स।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्महित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी उन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कि में परिभाषित है, नहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

बुकात नं 13, जो, तलमाला, बी विंग, इमारत नं 6, 'दामोदर पार्क' एस० बी० एस० मार्गे, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

प्रतृसूचो जैसा कि कं सं० प्रार्ष-3/37 ईई/16043/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (तिरोक्षण), श्रुजंन रॅज-3 बम्बई

विनाँकः 26-8-1985

मोप्टर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनांक 27 ध्रगस्त 1985

निर्देश सं० छई-3/37ईई/16077/84-85--- छत मुझे, ए० प्रसाव.

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० सी०-10, जो, इमारत मुरली मिलन को, श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मच फैक्टरी लेन, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उददृश्य सं उक्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :----

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ग्रीविराम पी० हस्सोजा ।

(अन्तर ह)

2. श्री रमेरालाल पी० हस्सीजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकार पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित- क्ष्मि कस्य काष्ट्रित द्यारा, अबाहस्ताक्षरी के पास किकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में यथा परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०-10, जो, इमारत मुरली मिलत को-ग्राप० हार्जीसम सोताईटो लि०, मैच फैक्टरो लेन, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/16077/84- 85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनौंक: 26-8-1985

प्रकप बाहा. 'टी. एन. एव.-----

मायकर ब्रीधिनियम, 1981 (1981 का 43) श्री धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वागुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 प्रगस्त 1985 सं॰ प्रई-3/37ईई/15588/84-85-प्रतः मुद्दे, ए० • प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की धावत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; आर/बा
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आसंजर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त श्रीधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के राजनार्थ अनिरती द्वारा प्रयप्त नहीं किया गया पत्त या किया जाना बाहिए बा, खिपाने में स्विधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभिन जिस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य है—— 35—366GI/85 1. श्रं बाबू लाल छबिल दास छ.जेर ।

(ब्रन्तरक)

2. श्री बा० एम० चौपडा।

(म्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्षत सक्यस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकारी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बस मची

पर्लंट नं 1, जो, इसा ं नं 2 खं:, लोहिया नगर, 306, एल वी एस मार्ग, कुर्ला, बम्बई-70 में लिखा है।

श्रनुसूचा जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/15588/84-85 श्रीर जो _सक्षम प्राधि ारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारीत सहायङ श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

विनांक: 26-8-1985

भोहर:

प्रक्प आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर वाधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 26 ग्रगस्त, 1985

सं॰ म्रई-3/37ईई/15774/84-85--- प्रत मुझे, ए॰ प्रसाव,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्भावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या पलैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल,
ए विंग, इमारत नं० 2, शांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है और इससे (उपाबद्ध
मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के
भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री
है, तारीख 1-1-1985

को पूर्विक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एोसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षास से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्निलिंकात उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिक रूप से की भर नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना बाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उनतः अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपलास (1) को अभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमतः स्मिता शैक्षेश गायानी ।

(मन्तरक)

2. मैसर्स नं लम टेवलपर्स।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

पलैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, ए विंग, इमारत नं० 2, शांति पार्क गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० प्रर्द-3/37 है 15774/84 -85 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बर्द द्वारा किया 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रतास, सक्षम प्राधितार सहायक भायकर भायुक्त (निराक्षण) भूजेन रेज-3, बस्बई

विनांक: 26-8-1985

इक्ष्य . बार्ड . टी. इन. इद्, - ४ - ५ -

नायकर निधितिकत, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-च (1) के नधीन स्चना

STEE SECTION

न्धार्याक्षयः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त, 1985

सं० अ $\xi-3/37\xi\xi/16347/84-85:$ —श्रतः। मुखे, ए, प्रसाद,

नायकर निभिन्तिन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निथितियम' कहा गया हैं), की धारा 169-ख के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वकृत करने का उर्ज हैं कि स्थापर सम्पर्ति, वितका उपित बाबार मूख्य 1,00,000/- के. से बीधक हैं

ग्रीर जितका सं० पलैट नं० 13, जो, 3री मंजिल, दस मन्दिर, रोड, वाकीला, सांतांकुज, (पूर्व), बबबई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 को धारा 269 कखा के श्रवान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काचार मून्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मुक्ते, वह निक्चाल करने का कारण है कि वधायपूर्वोक्त उम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का जंबह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत अद्वेष्य से उनत अन्तरण सिचित सास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वावत, उचक विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या वसके वचने में सुविधा अर निए; जीर/बा
- (क) एंसी किसी नाम वा किसी भन या वन्त्र वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नामकार निधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिष्य था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः नवः, उक्त निविचम की भारा 269-व के अनुबद्धन में, मंं, उक्त निविचम की भारा 269-व की उपभारा (1) के नवीन, निव्यतिकत व्यक्तियों, वभत् :--- 1. त्रा वालेरी यन फर्नान्डीस घौर घन्य।

(भन्तरक)

2. श्री मिथियास डिकुन्हा घौर घन्य।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जियू कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस स्वतः के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की कवीच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जबधि बाद में तमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस ब्युका के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थाति व्यास स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा बकोंगे।

स्यब्दीकरणः --- इत्तमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

यगस्त्री

पलैट नं० 13, जो, 3री मंजिल, यस मंदीर रोड, वसकोला, सांतांकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37ईई/16347/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वरा दिन क 1-1-19885 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक पायकर प्रायुक्त (निराक्षण) प्रजेन-रेंज 2, बम्बई

विनांक: 26-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्मान

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैंगरेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 धगस्त, 1985

सं॰ मई-3/37ईई/15810/84-85:--मत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1..00.000/- रु. से अधिक हैं।

मीर जिसकी संख्या ब्लाक नं० 4, जो, 1ली मंजिल, प्लाह नं० 81, साफरव को भाप हाउँ तिंग सोक्षाईटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), व्यवई-77 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद भनुसूव। में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर मधिनयम 1961 की घारा 269 क ख के भ्रष्टीन, बम्बई स्थित सक्षम माधिकार के कार्यालय में रिजस्ट्री है तार्राख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए इत्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का अगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रीक इप से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुई किसी आयः की बायत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः रुवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ्— 1. श्री परमेश्वष ध्रय्यर गणपतीः।

(मन्तरक)

2. भी रमेश प्रकाम खानोसकर घौर भन्य। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

एक्ट सम्पर्श के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमृस्ची

क्लाक नं॰ 4, जो, 1 लो मंजिल, प्लाट नं० 81, साफ़ल्य को माप० हाउसिंग सोसायटी लि०, गरोडिया नगर, चाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

प्रनुपूत्री जैसा शिक सं० भई-3/37ईई/15810/84-85 फीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए॰ प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त निरीक्षण) धर्जन रेज-3, सम्बद्ध

दिताकः 26-, 8-, 1985-

माहर :

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

बायकरं अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

सं॰ अई--3/37ईई/15859/84-85---अतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर बांधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें काल विकास किया की किसी धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका अभित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक ही

मौर जिसकी संख्या बनाक नं० 5530, जो, इमारत नं० 202, 3री मंजिल, अमर ज्योति को अपार हाउसिंग सोसायटी लिं०, पन्त नगर, घाटको र (पूर्व) बम्बई - 77 है स्थित है). भीर इससे उपाबद्ध अनुमूची है भीर पूर्ण रूप से विणित

है), ग्रीर जिसका करारनामन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई,स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्तास निपाल की अन्त बाजान मुल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह बतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्रन

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मीर्पानयम के अभीन कर दाने के अन्तरक के द्विधित्व में कमी करने या उससे अचने में नृविधा के स्थिए; और/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारसीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारः (१९ डे जधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ⊭— 1. श्री प्रदीप चम्रक लाल शहा।

(अन्तरक)

2. श्री यशबन्त अगमरत लाल गोठ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स' 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्धाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राय:
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबब्ध किसी क्य व्यक्ति ब्वाश अभोहस्ताक्षरी के पास निमित में किस जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

क्लाफ नं० 5530, जो, इमारत नं० 202, 3री मंजिल, अमर ज्योति को० आप० सार्जीसग सोतायटी, लि०, पन्त नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 है स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/15859/84-85 भौर जो सक्षम प्रािवकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-1-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर जाक्युत (निरीक्षण) याजन रेंज-3, सम्बद्ध

दिमांक: 26-8-1985

मोहर ह

प्रस्य बाइं.टी.एन.एड.-----

कांबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बाई, दिनांक 30 अगस्त 1985

सं॰ अई-3/37ईई/15866/84-85:---अत मुझ, ए॰ प्रसाद,

बायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ाचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह निख्यास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 308, जो हिल व्यूइण्डस्ट्रियल इस्ट ट, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पिश्चम), बम्बई 86 में स्थित हैं (और इस दे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिन्न का करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (%) जतरण से हुई किसी बाद कई बाबत, उक्त ब्राधित्यम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कामी करने या उससे वचने में स्विधा क (च्या) अपि/या
- (ब) एसा किसी बाव या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

क्रत: लब, उक्त आभानयम का धारा 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दं अप्रैस निम्निसिक स्वितियों, अर्थात अ ा. मैसर्स विजय इण्टरपाइजेस।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मेहता प्रिटिंग प्रैस

(अम्तरिखी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य अयिकत व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वत्कोकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

यूनिट नं 308, जो, हिल न्यू इन्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं अई-3/37ईई/15866/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रनिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, सम्बर्ध

दिनांक : 30-8-1985-

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं न रेज-3, बम्धई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्वेशर्सं० अई-37/7ईई/1600/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1/6, सी सीली मंजिल, सी टी एस नं 481 से 499, 500 (श्रंश), 501 से 511, विलेज कोले कलयाण, वाकोला, सांताकृज (पूर्व), बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बस्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के

बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अस, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मैं में, उक्त अधिनियम की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. मैससं स्ट्रिमलाईन बिल्डसं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० ए० सिमोईज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

पलैंट नं० सी/6, 1ली मंजिल, सी० टी० एस० नं० 481 से 499, 500 (श्रंश), 501 से 511; विलेज कोले कल्याण, वाकीला, सांताऋज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/16040/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां रु 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनोक: 26-8-1985

मोहरः

प्रक्रप आहु . दी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगर: 1985

सं० अई-3/37ईई/16114/84-85---श्री:मुत्ते, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परकात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जित्रकी संख्या पर्तेष्ट न ० 7, जो, इमारत न ० ए, अब धुत को-आप० हाउसिंग सोताईटी लि० सुन्दर नगर, कालिना सीताकुज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है (भीर इससे उपान बद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसक करारनामा आयवण अधिनियम 1961 की धारा 269 क . ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार बुस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल कम गढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित व्यं वास्त्रीक कप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी आग्न मा किसी भन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिपान में मृतिभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीनाक्लूर सिचकासन ।

(अन्दरक)

2. भी पी० रामचन्द्रन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकं प्रवासत सम्पत्ति के अर्थन् कं सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप .---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में श्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों. में से किसी स्पवित व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लंट नं० 7, जो, इमारक नं० ए, अवधुत को-आप हाउसिंग सोशायटी लि०, सुन्दर नगर, कालिना, साताकुज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कं सं० अई-3/37ईई/16114/84-85 भीर जो सक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ब किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज—3, बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

Market Control of the Control of the

प्रकल कहा . ही . एन . एक , --------

जावकर न[भीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सुचना

भारत तरकार

कार्शसय, सहायक बायकर जावनस (निरीकर्ण)

श्रर्जन रेंज -3, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 श्रगस्त 1985

मं० श्रई--3/37ईई/15675/84--85:---श्रतः मुझे, ए० प्रसाय,

भावकर बॉथिनिवन, 1961 (1961 को 43) (विसे इसमें इसके पश्चाध् 'उक्त बीचिनिवन' कहा नवा हैं), की नार्छ 269-स के अधीन दक्षन प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्थावर बस्तीत, जिसका उचित नामार नृक्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मंख्या फ्लैट नं सी09, जो, 2री मंजिल, सीठ टीठ एसठ नं 471 से 499, 500 (श्रंष), विलेज कोले कल्याण, जालिजा, बम्बई में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाचार शृ<mark>रव वे काव के का</mark>यशाव प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथावृबोंक्त सस्यत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एते दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से निधक है और मंतरक (बंतरकों) और बंतरिकों (जन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पामा मदा प्रतिकल, निम्मनिधित स्ववंद्य के दृष्य वस्तरण विविद्य के वस्तरण विविद्य के वस्तरण सिविद्य के

- (क) अस्तरण से हुई जिल्हीं बाय की बावस, क्यक वर्षितियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के वरिवरण में कमी भारते वा क्यने बचने में सुविधा में तिला: जीर/का
- (को गोनी किसी बाब या किसी धन वा बन्ध सारिताओं को, किस्से भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्ष अधिनियम, ना धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट कही विका गया था ना नियम जाना चाहिए जा, कियार्थ में सविधा के किस;

अपन अपने, ंक्स अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण कें, की, तत्क अधिनियम की भारा 260-व की उपभाग (1) रेक्सीन जिल्लीजिन कार्यकाओं, अवसीत उस्स मैसर्स स्ट्रिमलाईन बिल्जर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मी० बी० राष्ट्रिग्जा।

(अन्तरिती)

को यह यूपना पारी करके पूर्वोक्त बन्नत्ति से वर्षन के जिल् कार्यमाहिकां करवा हूं।

क्लंड बजारित के कर्जन के डंबंध में कोई भी बाबोर :---

- (क) इत सूचना से राजपन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की जनींभ ना तरकश्मान्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की व्यक्ति, को औं नवींथ नाद में समाप्त होती हो, से धीतार प्रवेषक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (थ) इत सृष्या के राज्यम में प्रकावन की कारीय वें 45 दिन को भीतर उच्त स्वावर कम्पत्ति में दिख-वय्थ किसी मन्य व्यक्ति ब्नारा, अवोहस्ताकरी कें पात सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः---इसमे प्रमुक्त कर्जा और वर्षों का, को उक्त जीध-रिवंश के जभ्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उब संभ्याय में विका नवा हैं।

नगराची

फ्लैंट नं० सी०/9, जो, 2री मंजिल, सी० टी० एस० नं० 481 से 499, 500 (ग्रंश), विलेज कोले कह्याण, कालिजा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/15665/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3,बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

वच्च बाह्र . दी . एव . एवं

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

• कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

सं० श्रई-3/37ईई/16222/84-85:---- प्रत मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- धा के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 1, जो, सल माला, इमारत बी, सी टी एस नं 3005, कोले कल्याण, वाकोला, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्स्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्वोक्त तस्मिति का उचित नावार बुक्त, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का बुक्त, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का बुक्त प्रतिकृत से बीच हों बुक्त कर (बंतरक) बीर बंतरिती (बंतिपतिकों) के बीच होंसे बुक्तर के लिए तम पाया पता प्रति-क्या विकासिक क्यों के बिर के बिर किया में बुक्त के स्थाप विशेषत में बुक्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है हु--

- हैंकों अन्दरण वं हुन्दं किया। नाथ का शावत उपय विभिन्न नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए कर्ट√या
- (स) श्रीकी विकाश काम का नेकाशी ध्रम का काम व्यक्तियाँ की, विकल्प धारतीय आध्याप अधिनियम, 1922 (1922 की ११) मा एकता अधिनियम, का बनका का प्रिमिन्सम, 1957 (1957 का 27) की अधीननम, 1957 (1957 का 27) की अधीननम, वाता प्रिमान का प्राप्त का वाता काम वाता पाढ़िए था, कियान मों सुविन्स के लिए;

कतः अञ्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. मैं० हरासिद्ध कारपोरेशन।

(श्रन्तरक)

2. श्री संयाम श तीलाल शहा।

(श्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथांकत संपरित के वर्षन के सिर्ह कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

सकत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई नी आक्षोप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होना को उस बच्चाय में किया मना ही।

अन्स् ची

षुत्रान न ० 1, जो, तल माला, इमारत न ० बो, सी० टी० एस० न ० 3005, कोले इमारत, वाकोला, साताकुज (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है।

श्रनुसुनं। जैसा ि क सं० श्रई-3/37ईई/16222/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, प्रक्षम प्राधि धारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

प्रकल बाह्".टी.एन<u>.</u>एड :------

बाधकार जांधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

सं० म्राई-3/37ईई/16116/84-85:—म्रतः मुझे ए० प्रसादः

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का आक्षारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य ४,00,000/-क. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या पलट नं० 6, जो, 1लो मंजिल, ए विंग, आणा कृष्णा घाटकोपर लिंक रोड, कुर्ला, बम्बई-82 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसान करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क खंके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

भी पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित के बीच एसे बन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिकस , निम्नितिवित उच्चेच्य से उसत अन्तरण जिल्कि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं**हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यारक के** दायिएल में कमी करने या उपाये अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विभा के सिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. डा० विभा उमेश और शहा।

(भ्रन्त क)

2. मैं ० श्राधा कृष्णा को श्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स स्म्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की धक्ति या तत्त्रम्बन्धीः क्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविश को भी भविष बाव में समाप्त होती हो। के भीवर [पू नित्त
- (वा) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित मों किये वा सकोंगे।

स्पर्कतिकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्मों और पदों आता, को उन्हों अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

श्रनुसूची

पलैट 6, जो, 1 ली मंजिल, ए विग, ग्राशा क्रुष्णा अन्धेरो घाटकोपर लिंक रोड,कुल, बम्बई--72 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ सं० श्रई-3/37ईई/16116/84-85 श्रौ जो गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-11985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985

मोहरः

प्रारूप बाई टी.एन एस .-----

--- 1. मैं० गणेश कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2, श्री के० पी० यादव।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, व्यक्बई

बम्बई, दिनांक 26 भ्रगस्त, 1985

सं॰ अई~3/37ईई/16095/84-85:---मत मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या दुकान नं० 9, बी, जो, हिल ब्यू भ्रपार्टमेंट हिमालय पार्वतीय को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, नेताजी पारकर मार्ग, श्रसल्फ़ा विलेज, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का

कारण है कि यभापूर्वेक्स संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से एसे द्र्यमान प्रतिफल का पत्कृत्व प्रतिकत से जीवक है जार जन्तरक (जन्तरका) जीर जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तो पाया यस प्रतिकस, निम्नसिचित उद्विषय से उच्य अन्तरण जिल्लित वे वास्तरिक रूप से कांचर नहीं किया नवा है —

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की नावत उक्त श्रीध-निवत के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दावित्स के असी करने या उक्के नचने में कृतिया के बिक; मौर्/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्च जन्दौरती ब्यारा जनक नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था। जिपान में सुविधा जी तिवः

अतः जव, उत्थतं मधिनियमं की भारा 269-ण के अजूबरण में, मैं, उपता अधिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्तिशित व्यक्तियाँ, अधीत हु—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पर सूचना की ताबील में 30 विन की अविधि, जो भी कलिप कार्य में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का मकाये।

स्वच्छीकरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया वका है।

अनुसूची

दुकान नं 9, जो, हिलब्यू अपार्टमेंट, हिमालय पार्यतीय को-भ्राप हाउसिंग सोसायटी लिं , नेताजी पारकर मार्ग, असलका विलेज घाटकोपर, बम्बई-74 में स्थित है।

ग्रनुसूर्या जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/16095/84-85 ग्रीर जोसक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाक: 26-8-1985

भोहर:

प्रकृष बाह् . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यारुय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/16123/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी दुकान नं 11 ,श्रीर 12, जो, सुनील शापिम सेंटर, न्यू माणेकलाल इस्टेंट, घाटकोवर (प), है, तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जनवरी 1985

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/य)
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकार जिल्हों सारतीय जायकार जिल्हों सारतीय जायकार जिल्हों सारतीय जायकार जिल्हों सारतीय अवक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उक्कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उक्कार अधिनियम, धा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के तिथ;

कतः अवः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मीं, उवत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. श्री करूणाकर बी० शेट्टी

(श्रन्तरक)

2. श्रीमग मीराबाई एस० काँगीयन

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अर्जीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अतिहासाधी के पास निमित के निकार गानिया

स्पथ्तीकरण: --- इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जेर उस्कारिय में विया गवा है।

अनुसूची

दुकान नं ० 1 1 ग्रौर 12, जो, सुनील ग्रापिग सेंटर, न्यू माणेकलाल इस्टेट, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्षम० सं० धाई-37 ई ई/16123/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

तारीख: 26-8-1985

प्रका नार्यः, दी. एम्.. एम्...------

शामकर श्रीधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई-3/37-ई ई/16042/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य

ा, 00 000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 16, जो, चौथी मंजिल, श्रोसियन
श्रपार्टमेंट, प्लाट नं 149 वल्लभ लेन, ।टकोपर (प), है, द्रिया
जो वम्बई-77 स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख श्रधीन, वम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 1~1-85
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रममान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके द्रश्यमान श्रतिफल से, एसे द्रश्यमान श्रतिफल का
पन्द्रह श्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियां) के बीच एस अन्तरण को लिए तय पाया गया
श्रतिफल, निम्निविष्ठ द्वारेय से द्रश्य वन्तरण है। विष्ठ व

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे वचने तो सुविधा के सिद्ध; बीड/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा जन्म भास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै विद्

श्रद: संग, उस्त विधिनियम, की भारा 269-म की अनुसरण में में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की जणभारा (1) के मधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, समृद्धि क्र-- 1. श्री वी० एस० महादेवन

(ग्रन्तरक)

3 श्रीभूपन्द्र एस संघवी और श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 विन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट -योक्सपत में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कस्य स्थायत ह्वारा अधाइस्ताक्षरी के शब किसिस में किए का सकेंगे।

स्वस्कोकरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्क अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, अही बचं होगा श्री उद अध्याय के दिशा गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 11, जो, चौथी मंजिल श्रोसियन श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 194इवल्लभ गग लेन, घाटकोपर (पूर्वी), बम्बई-77 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-3/7-ई ई/16042/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985को रिजस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर् ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक 26-8-985 ग्रेहर 🌡 श्रक्ष आहाँ.टी.एन.एत.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

माहत वरकार

बार्यासय, सहावक यावकर बावृत्य (शिरोज्ञन)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं श्राई-3/37-ईई/16113/84-85---यतः, मुझे, ए ० प्रसाद,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पंश्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निश्वाक करने का कार्ज हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाबार नुस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो, तीसरी मंजिल, रोडिया नगर के पास, प्लाट नं० 353-बी/4, टी०पी० एस०-3, ग्ररीहंत कृपा इमारत,/घाटकोपर, है, तथा जो अम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिशारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1 नवम्बर, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के जरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मजावुर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूक्य, ससके व्यममान प्रतिफल सं. एसे व्यम्बान प्रतिफल का बंबह प्रतिवात से स्थिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरित्याँ) के बीज एसे बन्तरण के लिए तय वाया मना प्रति-क्या निकासितार उक्दोस से उक्त बन्तरण निवास में बास्म-विक कम ने व्यक्ति नहीं किया क्या है :---

- (क) जन्तरण वे हुइ किजी जाय को बावत उभर निध-विश्वल के लगीन कह दोने के बन्तरक के शरियल के कभी कहने वा तक्को नक्को वे बृजिया के निक्द; नहिं/वा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी अन या जन्म आस्तिकों की, विक्तें भारतीय जाध-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) अन उक्त अधिनियम, का पन कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनूसरण को, मी, छक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के सभीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ए० जी० मिरानी

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेश भ्रार० शहा

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कर्जनाहियां कुक करता हुं।

उपता तज्यित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत खूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो औ अनिभ नाव में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्ट अधिकत्यों में से फिली काकित दवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपक्ष को प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में विहत-वृद्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा क्षेत्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

च्याच्यीकरचः -- इसमें प्रभुवत शब्दों और पदों का, को अवद अधिनियम के जभ्माय 20-क जो परिभाषित ... हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

नगुस्पी

प्लैंट नं ा 7, जो, तीसरी मंजिल, रोडिया नगर के पास, प्लाट नं 353-बी/4, टी० पी० एस०-3, अरीहंत कुपा इमारत, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० स्राई-3/7-ई ई/16113/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद मक्षम पाधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३. बम्बई

तारीख : 26-8-1985

प्रकल बाह्र .टी . एन . एस 👝 ------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन त्याना

नारत तरकार

भार्मानय, सहायक आयकर जायकत (निर्विक्रण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 26 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/15889/84-85--- यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलें इसमें इसके वश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं धौद्योगिक माला 27, जो, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, विट्रूम ग्लास फैक्टरी के सामने, एल बी एस मार्ग, विक्रोली है, तथा जो बम्बई-83 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यबान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्ह्य प्रतिचति से जीभक है जौर बंदरक (जंतरकाँ) जौर जंतरिती (जंतरिकाँ) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तब पामा गया प्रतिक्त कि निम्नतिबित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्नतिबत में बास्तिबक कम से क्षिस नहीं किया गया है:—

- रैंकी जन्तरण वे हुंद्र मिली आव की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व के क्षणी करने वा उत्तवे अपने में ज्विशा के निष्; और/यर
- (ल) एसी किसी अग्र या किसी धन या अस्थ आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजाने में तियधा के सिए।

अत: अब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के नाधीन, निम्लिटिखिट व्यटिट के नार्किए:—— (1) रममा मल्होत्रा और डिम्पल मल्होत्रा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मेगाफावर सर्विसेस।

(ग्रन्तरिती)

कारें बहु सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों भार पत्रों का, जो उक्क जिभिनियम के अभ्याय 20 के में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा हाँ।

क्ष्युकी

माला नं० 27, जो, इंडस्ट्रियल माला, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेंट, विट्रूम ग्लास फैक्टरी के सामने, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-3/37-ईई/15889/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 वम्बई

तारीख: 26-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत करकार

कार्यालयः, सहायक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-३, बस्बई

बम्बई, दिनां 🛭 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/16223/85-85—यतः, मृझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं प्रलिट नं प्र402 श्रीर टेरेस, जो, चौर्या मंजिल जात्लिमार श्रवार्टनंट, नरमा महता रोड़, अजू हिला घाटकोपर (प) है, तथा जो बम्बई-अ में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीत पूर्ण कर से विणित है), श्रीर जिसाल एरारनामा श्रायका श्रधिनियम 1961 की श्रीरा 269 ए ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधि अर्थ के श्रायीलय में रिजिस्ट्री है, तारिखा अनुवर्ध, 1985

को पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

भौगमं पाष्युत्तर बिल्डसं

(भ्रन्तरक)

अ।मसी पुणा के० ग्रडवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्खी

प्लैंट नं० 402 ग्रीर टेरन, जो. चौथो संजिल, मालिमार प्रकटनंड, नर्या महता रोड, तजू ह्ल, घाठकोष्ट्र (प), बस्तई 84 में स्थित है।

श्रनुसूत्र जैसा ि ऋ• स० अर्ड-3/37-ईई/16223/84-85 और जो जलम प्राधिकार), बस्बई द्वारा दिनांस 1-1-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि । स्रो सहस्य र प्राय र श्रायुक्त (विशेक्षण) प्रार्जन रोज-3, वस्वर्ष

नारांख : 26-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3. वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं > अर्ड-3/37-ईई/16214/84-85---यतः, मुचे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव पत्नैट नंव 202, जो दूसरी मंजिल ए-विंगव माई अपार्टमेंट्स, सर्वे नंव 270, एचव नं 1 और 2, मरिव टीव एनव नं 23 (श्रंण), उमरवाही, कुर्ला (पूर्व), है, तथा जो बस्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद श्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसा प्रयागनामा श्राय एर ग्रीधिनियम 1961 का धारा 269 वस्त्र के ग्रीध न, सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से का के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मंहुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (बा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. जिन्माई कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरङ)

2. श्रब्ब ार न्रभोहम्मद।

(श्रन्तरितः)

को यह ।सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए भार्यवाहिकां जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविधि, जो भी अविधि आह में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राभपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्पक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलकोकरण: --- इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियन के अध्वाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अन्सूची

फ्लैट नं 202, जो, दूसरी मंजिल, एविंग, साई श्रपार्टमेंट्स, सर्वे नं 270, एच० नं 1 श्रीर 2, सी० टी० एस नं (श्रंग), उमरवाड़ी, कुर्ली (पूर्व), बम्बई-70 में स्थित हैं।

श्रमुची जैसा ि क० सं० श्रई-/37-ईई/16214/84-85 श्रीर जो सम्म गांधि गरो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देक्षण) श्रजीन रोज-3 बस्बई

नारीखाः : 26-8-1985

मोइर :

प्रकृत वाष्ट्रं, टी. एन. एवं.....

मैसर्स श्रोम महावार बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मेंससं राव एण्ड एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरिती)

बायकर विधिनमम, 1961 (1961 था 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत चूरकार

कार्यासय, सङ्घयक बायकर बायुक्त (निर्योक्तन) ग्रजंन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिसांग्र 26 ध्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/16332/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन, सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्वति, जिनका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जमिन ता हिस्सा जो, बेग्रिंग सर्वे नं किया प्रांच किया किया है (ग्रींग), सं किया है, तथा जो बम्बई-55 में स्थित है (ग्रींग इसते उपावद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण क्य से विणित है) ग्रीर जिस प्रा क्यारनामा श्रायकर प्रधिन्यमा 1961 की धारा 269 एख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि प्रारों के क्यार्थलय में रिजस्ट है, तार खा व जनवरी 1985 को पूर्वित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है बौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुकी कत संवत्ति का प्रविच्य साम प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है बौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुकी कत संवत्ति का प्रविच्य का पंद्रध् प्रतिकास से अपमान प्रतिकास के नौर बन्तरित की गई क्यारना प्रतिकास के विष्य तथापुकी कर संवत्ति का प्रविच्य का पंद्रध् प्रतिकास से अपमान प्रतिकास है बौर अन्तरक (जन्तरकों) बौर बन्तरिती (बन्तरितिवां) के बौच एसे बन्तरक विष्य तथ पाया का इतिकास, निक्निसिचित उद्देश्य से उक्तर बन्तरम जिल्लिस है बास्तिविक्ष क्या से किया नहीं किया गया है वन्तरम जिल्लिस कर से किथत नहीं किया गया है देन-

- ्ति) अध्यारण से शुद्र किसी नाय की पासटा स्वयक्त अभिनिक्षम के नधीन कर को के सम्बद्ध की दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने मी सुविधा क निरुष्ट और/मा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्याने में सुविधा के टिलह;

अक्ष: जब, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की उक्त जीभीनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) संज्ञानित कि जीकात व्यक्तियों, वर्जाक क्रम्ल को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्जन के जिस् कार्यनाहिना १३४ करता हूं।

उक्त सम्मतित के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिव की अविभिन्ना तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की दाबील से 30 दिश की अविभि, से भी अविभिनाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृथाँक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इन् न्या के रायपत्र में त्रकायन् की तारीय से 45 रिश के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बद्ध फिली अन्य व्यक्ति प्याप कथोहस्ताक्षरी के बात लिखित में किए जातक पाः

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

श्रन्मूची

जमीन का हिस्सा, बेग्नारंग सर्वे नं० 441, एघ० नं० 4 (ग्रंग), सी० टी० एस० नं० 1858 ग्रीर 1959, कोले कल्याण, सांताकुझ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैसा कि के० सं० श्रई-3/37-ई ई/16332/84-85 श्रौर सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रगाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रःक्षण) ग्रजन रोंज-3, बस्बई

तारी**ख** : 26-8-1985

मोहर.

त्रस्य बाइं.टी.एन.एड.------

नाअध्यर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनां र 26 प्रगस्त 1985

निर्देश मं॰ ग्रई-3/37-ईई/15980/84-85---यतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० फ्लैट तं० सा-4, जो, तल माला, सी-इमारत, सर्वन्नती सोसायटी, कामालेन, घाटकोपण है, तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रीण इसी उपाबद धनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिला विराणनामा श्रीय र स्थित 1961 की धारा 269 कला के श्रधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है तारिख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई हैं और मूफे यह विश्वास फरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह शतिकत से बधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

कतः कथः, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन,, निम्नीजिसित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री निलेश के० पटेल ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री जितेन्द्र छ।० शहा ग्रीर श्रन्य ।

(श्रन्तिरती:)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जि़ल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से-45 दिन की नर्शं था तत्मंबनी व्यक्तियां पर सूचना की तामीन स 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) ध्रम भूमना के राज्यपण में अलाक्षण का नारांचा अ 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किती धन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्टीकरणः—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

पलेट नं रु सी-4, जो, तल माला, सी-इमारत, सर्वन्नती सोसायटो, कामालेन, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूर्वi जैमा ि कि कं सं० श्रई-/37-ई ई/15980/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकार्रा बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद तक्षम प्राधि≛ारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निर्∵क्षण) श्रर्जन रोज-3, बस्बई

तारीख : 26-8-1985

प्रकल बाह्ने, टी. एन. एस. ------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के गंधीन सुमान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर अध्यक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश स्मे॰ श्रई-3/37-ईई/15965/84-85—यतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

नाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका संपलैट नं०/, जो, पहला मंजिल, ब्राह्मण वाहा, पाईप रोड़, कुर्ला है, तथा जो बस्बई-70 में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबड श्रमुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा आयक्ष श्रिष्ठिनयम 1961 को धारा 269 हवा के श्रवान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख़ । जनवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यभाव प्रतिफल का यद्ध प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण् सं हुवं किसी आयं की आवंद उक्ट अधिनियम के अभीन क्रारं दोने के अन्तरक औं श्रायित्य में अभी करने या उससं सफर्ने में स्विधा के सिए; बॉड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य ब्रास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर ब्राभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से स्विभा के सिए;

जतः कथः, उक्त अधिवियम को धारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. ग्राप्त्रिवन दान्स्ट्रुक्शन कम्पनं:

(ग्रन्तरकः)

2. मोहन चानूमल भावनानः ग्रार ग्रन्य

(म्रन्तरिती)

स्वी नष्ट् चूचना जारी करके प्यामित सम्पत्ति के वर्चन का मिष्
कार्यवाहियां करता हुं।

, उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हु हैं
 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शितर प्रवेक्तिर
 क्यों कर्ता में से किसी व्यक्ति त्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक जिससा में किए जा सकेंगे।

स्याबीकरण: -- असमी प्रमुख्त शब्दों और १८५ छा, जा हुद्ध अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृषा हु^त ही

म्रनुसूची

फ्लैट नं॰ 5, जो, पहला भंजिल ह्याण वार्ड्ः, पाईप रोड्र, कुर्ला, बस्बई-70 में स्थित है ।

श्रनुसूचा जैसा कि । ल श्राई-3/7-ई ई/15965/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद क्षम प्राधि परी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, **यम्बई**

नारंखि : 26-8-1985

प्ररूप नाह". टी एन्, एस्., ----

श्रामान सिंह एं उरराव भोईटे

(ग्रन्तरक)

2. श्रं/ड्रुब्ल्यू० बी० खान

(भ्रन्थरिती)

नायकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-9 (1) के नुधीन सुचना

बारत् बुक्कार्ड

कार्यालय, सहायक नायकर काय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 म्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई-3/37-ईई/15802/84-85—यतः, मुद्रो, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारिक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः में अधिक है

ग्रीर जियकी सं पलैट न्० 204, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 4. इपाडिया नगर, सं८० एक्ष० टः०रङ्, कुर्ला (प), है, तथा जो वम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इसत उपाबद श्रनुसूर्व) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका हराएनामा श्रायकर श्रीविसम 1962 की धारा 269 कब श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम श्रीश्रहरा के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारिख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्मितिबत उद्ध हथाँ से उदल अन्तरण निम्मित के वीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्मितिबत उद्ध हथाँ से उदल अन्तरण निम्मित के वीच एसे अन्तरण से सिक्षत

- (क) बन्तरुण से हुई किसी शाथ की बास्तु, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य मों कभी करने मा उससे बचने मों स्विधा के लिए, ब्रोड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों के जिल्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरितो इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के वधीन, निम्नतिचित व्यक्तितयों, अधार ध—- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां समाप्त हुंसी हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में चित्र जा नकंग।

स्थळीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पता है।

अनुसूची

फ्लैंट नंबए06, जो, दूसरी मंजिल,इमारत नंब 4,क्पाडिया नगर, सेंकिएवटोव रोड़, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूच (जैसा कि कि० मं० आई-3/37-ई ई/15802/84-85 और जो नशम प्राविधारों , बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सहाय (श्राक्ट श्रायुक्त (निर∂क्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: : 30-8-1985

प्रकप बार्षः, टी., धुन्, एक 🙃 ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर**ीक्षण**)

श्रार्जन रोज-३, बम्बई

बम्बई, दिनांक ३७ ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ब्राई-3/37-ई ई/16217/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (**विन्ने इत**र्में इसके परवार विवय का गानवमाँ शहा गया हो।, की **धारा** 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का फारच है कि स्थावर तस्पति, जिसका उमित वाचार भूल्ट 1,00,000/- एत. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो, चौथं∶ मंजिल, इमारत नं । 10, कथा डिया नगर, मी० ए५० टा० रोड़, (कुर्ला (प), है, तथा जो बम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध **श्रनसूच**े में ब्र**ौर पूर्ण** रूप वर्णित हैं) और जिसका करारनाम भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 एख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिलस्ट्री है तारीख 1 जनवर्*i,* 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूरव से अपन के अस्वकान प्रतिफल के लिए अंसरित की गर्द**ह**ै और मुभ्ते य**ह विद्या**स करने का क्रारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य जसके व्यवमान प्रतिकल से, एसे व्यवमान प्रतिकस का पन्द्रह प्रतिभात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिसित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतदिक रूप में कथित नहीं किया गया 💕 🖫--

- (क) सम्सरण से हुई किसी साथ की वाद्या, अधिवृद्धिम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; परि/मा
- (हा) ए मी किसी आप वा किसी अब वा बन्द आस्टियाँ को विनहें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-**कर अभिनियम , 1957 (1957 का 27)** कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया जाना चाहिए था, रिगोन में सीवार र्वे किए।।

बक्ष: बक्ष, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के व्यक्तरक , मैं, उक्त अधिनियम की धारा ?69-घ की उपधाटा (1) क ा द्विमा, निक्रमिलि**सित व्यक्तियों , वर्षात छ--**

1. श्रं मतं ग्रमिना ियाझ ग्रहमद कावले

(अन्तरक)

2 श्रीमती तर्मामा ि न्द्र खुल

(ग्रन्सरिनं)

का वह स्थ्ना बादी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाबान की दारीक से 45 दिन की अविधिया तत्साम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचका की तानील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्त म्पक्तियों में सं किसी म्पन्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपुत्र में प्रकाशन की तार्रीस के 45 दिन की भीवार उक्त स्थावर सम्भूति में दिलबद्ध किली अरच व्यक्ति दुवाला अभोहरूताक्षरी के पांच सिवित में किए जासकों गे।

विभिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया है।

भनूसूची

फ्लैंट नं०४०४, जो, बौथं/ भंजिल, इमारत नं० 10, कपाडिया नगर, सी० एस० टी०-रोड़, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रन्सुचं∂ जैया कि कम सं० श्राई-3/37-ईई /16217/84-85 क्रीर शक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रा**धि** श**र**् अहायके **आय**का ५३ ह्य**ः (**क्रि**सण**) स्रार्ग र रोज-3, बम्बई

नार्गान्द्र : 30-0-1985

प्रस्य बाइ त टी. एन. एस. -------

भायकार अधिनियान, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत संस्थार

कार्यासय, सहाबक आयकर वायुक्त (निरीक्रक)

यर्जन रोज-3, मबई

बम्बई, दिनां उ. २६ श्रगस्त 1985

निर्देश मं० । ग्राई-3/37-55/15719/84-85-—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निधीनियम' कहा गया ही), की नार्च 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उजित बाचार मूल्य 1,00,000/- रह. संअधिक ही

भीर जिसकी सं पलैट नं 102, जो, इमारत नं 1, एदिया कोभ्राप हाउनिंग मोलायटा लिंग, मीं 140 टीं रोड़, क्यांडिया
है, तथा जो बम्बई-70 में स्थित है (भीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) श्रीर जिल्ला कर करारतामा श्रायक्तर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 का के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह पिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपतित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नाविखत उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल का से प्रतिफल नहीं किया गया है देन

- (क) बन्तरण सं हुई किसी प्राप्त की बाबत, उपत विभिन्नियम के वधीन कार दोने के वन्तरक के दायित्व में क्सी लाले जा सर्वे अपने में सुविभा के निष्ट, और/व।
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धक-कर अधिनियम, या धक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अर्ज लिए।

बत: जब, उक्त अधिनियम की ५३७ 259-ग के अनुसरण बो, बी, डक्त अविनियम की धारा 269-भ को उपपास (1) के जधीन निम्निनिसित व्यक्तियों, वर्धात् :— श्रमिती उपो स्टब्ले

(श्रन्तर्क)

श्रीमती निजमा श्रब्न १५ कार्जाः

(ग्रन्थितः)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्षन मंपत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनतं तम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 विन की नविध या त्रसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्योंक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांनर;
- (क) इस सूचना के हासम्भ के प्रकारन की ठारीय के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित के हितबक्ष किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति के किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क बिधिनयम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

भनसची

फ्लैट नं ा 0 2, जो, मारत नं ा, प्रविद्या को-ग्राप० हाउसिंग मोताबटी लि० म० एस० टा० रोड़, जपाडिया नगर, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है

श्रतुसुच् जैना ि क० सं० श्राई-/37 ई ई/15719/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकार विस्वई द्वारा दिनांक ा-1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्राप्त सक्षम प्राधिः स्री सहायः ग्राप्त ग्रायुक्त (निर्धण) ग्रर्जन रेज-३, बम्बई

तारोख: 26-8-1985

 $\mathbf{r}_{i}^{2} \sim \cdot$

प्रकल बार्ड . ही . एक . एस

1. श्री श्राप्त श्राप्त लालवानी

(ब्रन्तरक)

काथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

2. थीं भाग जी राई

(भ्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक कायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई-3/37-ईई/15635/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 3,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुकान नं ० 10, जो, शिवपार्क, ईमारत नं ० 3 श्रीर 4, श्रतूर पार्क हाउसिंग सोसायटी लि०, एस०टी० रोड़, चेंबूर, हैं, तथा जो बम्बई-74 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टाम 1961 की धारा 269 क ख श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रिजरट्टी है तारीख 1-1-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य ते कम के द्वाराण शिकक के निए अन्तरित की गई हैं जीन मुझे शह विश्वास दिने का कारण है कि बभापवेक्त सम्पत्ति का उपात कार्यक देवा श्री के वार्य विश्वास का विश्व अपात श्री कि विश्व स्थाप स्थाप श्री के वार्य विश्व स्थाप श्री के वार्य विश्व स्थाप श्री के वार्य विश्व स्थाप श्री के वार्य वार्य वार्य (अंतरका) और वार्य (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के विश्व स्थाप गया श्री करा वार्य वार्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत अधितिया, के अधीन कर दोने के अन्तरक के धाँबल्य में कमी करमें वा उससे सचने में सुविधा की सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य अपिसायों को जिन्हों भारतीय आयकतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वन्त अधिनियम, या वन्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में म्विध्य के किए

नत: नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण कों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित स्थितयों, अर्थात् :--38 ---266 GI|85

को यह ब्यान जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

उनत सम्बन्धि को अर्थन को संबंध में कोई भी मार्क्ष :---

- (क) इत स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील ते 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ नाव में बमाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक वें प्रकाशक की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए या सकरेंगे।

ग्रनुसूची

दुकान नं 10, जो, शिव पार्क, इमारत नं ० 3 ग्रीर 4, ग्रतूर पार्क हाउक्षिम सोतायटो लि०, एस० टो० रोड़, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित हैं ।

म्रानुसुको जैसा कि क्रम सं० माई-3/37-ई ई/15.635/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-३, बस्बई

तारीख: 26-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राजीन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ध्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई-3/37-ई ई/16126/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर पंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार 'उप्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

श्रीर जितकी सं दुलान ० 3, जो, सलमाला, शिवनाम इमारल नं० डो, मेहलानी पार्क, माहल रोड़, श्राज्जि बाग, वासी नादल, चेंबूल, है, तथा जो बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रानुभूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका उरारनामा श्राय हर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्द संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्यास करने का कारण हुं कि यथाप्येकिन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल रो, एग्से इश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियां। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियां। के बीच एसे उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः वयः, उकतः विधिनियमः, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमः जी धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्निक्षित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- 1. महतानी बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्री सुनील ग्रार० भाटिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध चच्च में नमाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

दुकान सं० 3, जो, तल माला, शिवनाम इमारत सं० डी महतानी पार्क,नाहूल रोड़, भ्रजिज नाग, वासी नाका, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० माई-/7-ई ई/16126/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-3, बम्बई

सारीख : 26-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

· निर्देण सं० आई-3/37-ईई/15951/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं माला सं 23, जो, जयकर स्पृति को-श्राप हाउसिंग सोसायटी लि , जयकर वाडी, श्रारे रोड़, गोरेगांव (प) है, तथा जो बम्बई-62 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूर्व। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रं हैं तारीख 1 जनवरी, 1885

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिकल से एसे द्रममान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्फ िक्सी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ं.—— 1. श्री रामशंकर गोर्धनदास जोशी

(भ्रन्तरक)

2. श्री जयंती लाल मूल चन्द जी नहार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप न--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति यों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

माला नं 23, जो, जयक्र स्मृति को-श्राप० हाउसिंग सो यटो लि०, जयकर बाड़ी, आरे रोड़, गोरेगांव (प),बम्बई-62 में स्थल है ।

श्रनुसूची जैसा िकम सं० श्राई-37-ईई/15951/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बभ्बई ब्रारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रोज-३, बम्बई

नारीख: 3-9-1985

तक्य नार्द्रा, दी. एग. एत.------

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अभीत स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनां रु 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15952/84-85---- यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनिषम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसके एक्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं माला नं० 18, जो, श्रायकर स्मृति, जयकर वाईं। श्रारे रोड, गोरेगांव (प) है, तथा जो बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिता। करारनामा श्रायकर श्रीधिम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनिस्ट्रा है, तारीख 1 जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिक्त, निम्निनिविद्य उद्योग से उनत बन्तरम् निवित्त में बास्य-। ध्य रूप से कथिए नहीं किया नया है ---

- (क) अञ्चरण वे दूष कियी नाम की वाजत उन्न वृधि-ानवय के वर्धाय कर दोने के बच्चरुक्ष के धानित्व के कती करवे वा अवसे वचने ने वृधिया के बियो; नरि ना/
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अद्धर आधिनियम, या धन-अद्धर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में बृजिधा है सिए;

बतः बव, अवत सीपीनयम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, जिस्लिमिक स्वक्तियों, बध्ति स्⊶

1. श्रो रामशंकर गोवर्धनदास जोशी।

(श्रन्तरः)

2. श्री घनश्याम किणनचन्द मुलानी

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लियू कार्यका हिया मुरू करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-विभी कन्य व्यक्ति अवारा, अभोहस्ताक्षरी के शाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पढ़ी का, जो उन्कर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

अनुसूची जैसा कि कि मं अई-3/37-ईई/15952/84-85 ओर जो उत्तम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नाकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 3-9-1985

शक्त बाहे ही एत एक . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-च (1) के बचीन सूचना

गारत बरका

कार्याजय, बहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 भगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई~3/37-ईई/15614/84-85---यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, चिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, जो एल-2, लक्ष्मी रामना को-धाप हाउसिंग सोसाईटी लि०, फ्लाट 13-ए, सर्वे नं० 161 (श्रंष), बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थिल है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी . के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंचे अन्तरम् से लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक क्य से कांचन नहीं किया गया है 4—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त निधनियम के बधीन कर दोने के अंतरक क बाबित्य वें कबी करने ना खरते बचने में सुविधा ने निए; बरि/वा
- (घ) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों कां, चिन्हुं भारतीय नामकर निधिन्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिन्यम, या धनकर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नितरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था का किया जाना चाहिए था फिपाने में स्विधा के सिए;

कराइ करा, उनत विभिनियम की धारा 269-ग की वन्सरण मों, मों, उकत विभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षात ः-- (1) श्रीमती रोझीपाल, ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन जै० राव।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्य

- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की जविभ, जो भी
 जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, भही अर्थ होगा को उस खध्याय में वियो गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 20, जो, एल-2 लक्ष्मी रामना को-धाप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, प्लाट नं० 13-ए, सर्वे नं०ा61 (ग्रंग), बाँग्र नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूचें। जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/15614/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टिं किया गया है।

ए० प्रसा पश्चम प्राहितरी सहायक स्रायकर स्रायुष्टत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, सम्बर्ष

नारीख: 26-8-1985

भोहरः

मुक्त नाइं० टी० एन० एस०--

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-म (1) के बजीय क्षमा

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्ब/इ, दिनांक 26 श्रगस्त 1980

निवेश सं **गई**-3/37-ईई/16212/84-85---यतः,: **मु**क्षे, ए० प्रसाव.

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की वाद 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति विसका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

धौर जिसकी सं प्रलैट नं ि 5, जो, 1ली मं जिल, इमारत नं 3/सी, तोलाराम नगर, चेंबूर बस्बई—74 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 279 कला के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1~1985

को पृथित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास कर कि जारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख् में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण ने हुई कियाँ नाम की मानव, उनत बहिन-नियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कृती कड़ने मा उन्नच बचने में गुनिभा के निए; बीट्र/गा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य धारितकों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, दा धनकर नुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुन्तिभा के दिन्दाः

बतः थव, उत्तर विभिनियम की भारा 269-न की वनुसरक तो, तो, जकत् अभिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) की अभीत्, निम्नतिस्त्रित व्यक्तियों, जुनिह्न (1) श्रीमती बी० पी० पंजाबी।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती एल० ग्रार० मालवी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके नृबोंकर सम्मल्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहिनों कारता हुए।

उक्त सप्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के धायपन में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की सर्वीय ना तत्स्रेवंथी व्यक्तियों पर स्थान की समील से 30 दिन की सर्वीथ, यो भी संक्रीय नाम में सनान्त होती हो, के नीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी कानित स्थाय;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर तम्मीता में नित्तक्षभ किसी अन्य स्थित द्यारा अभोइस्ताकरी के पास सिर्विष्ठ में किस् या सकीये।

स्वकाकरण ह—इतमें प्रयुक्त कर्मों नीर पत्रों का, को उनस् वरिश्रीतवस्त्र, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगाः वो उस अध्याय में विदा क्या हैं।

मंत्रची

पर्लंट नं० 5, जो, 1लो मंजिल, इमारत नं० 3/सी, तोलाराम नगर, चेंब्र बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसुकी जैसा कि फ़ल् सं० श्रई-3/37-ईई/16212/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक् 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (**निरोक्षण) श्रर्जनरेंज~3, बम्बई

तारीख: 26-8-1985

मोहरः

मुक्त बार्र हो हो सुब्ध द्वा ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से नभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सङ्क्ष्यक सामकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, ध्वम्बई"

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/16029/84-85--धतः मुझे, ए० प्रसाव,

नायक र नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें परवात् 'उनत निभीनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ल के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रा से निभक्त हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट मं० 308 जो सरीता बी० एन० पूरव मार्ग बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कवा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वों कर संपत्ति को उचित बाचार वृत्य है का में अस्वताष् शितफल को लिए अंतरित की नई है नुमो वह विकास करने का कारण है कि यह पूर्वों क्त तम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास हो, ऐसे धस्यमान प्रतिकास के पन्त्रह् प्रतिकास हे अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिक्याँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मिशिस उक्कदेश से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण वं हुई चित्री बाल की वाल्य, व्यव विभागतव के नधीन कर दोने के वंशरक के दावित्व में कती करने वा व्यव व्यव में वृद्धिया के तिहुए: और/वा
- (व) एसी किसी जान का किसी अध्यान का कारिस की को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयन, वा धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया ज्या भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हः

नतः। भव, उन्ते निर्मानयम् की पारा 269-न के नन्तरः भो, मो, उन्ते निर्मानयम् की धारा 269-न की उपवास (1) के नपीन, निर्मातिचित स्पेनियमो, नक्ति क (1) श्रो बी० वैद्यनाथन

(भन्तरक)

(2) जी० परमेश्वरन ग्रीर ग्रन्य

(मन्तरिती)

को नह सूचना आही करके पूर्वोक्त क्लारित के अर्थन के विद्य कार्यनाहियां करता हूं ता

अन्तर धन्नीत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के घण्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नमित जो भी समीच नाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींचे।

अनुसूची

फ्लट नं० 308, जो सरीता बी० एन० पुरत्न मार्ग, बम्बई 22 में स्थित है। है

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-16029/84-85 ग्रीर जो क्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रस्टिई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **प्रर्जन** रेंज 3,-- बम्बई

तारीच: 26-8-1985

प्रकार । बाह्य - दी - एव - एव - - - - -

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यालय, तहायक वायकर बाबुक्त (निरक्षिण)

भ्रजेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० अई--3/37ईई/16321/84-85---अतः मुझी, ए० प्रसाद,

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचार 'उकत अधिनियम' कहा क्या है"), की भारा 269-स के अधीन सभाव प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर कम्बीस, जिसका उजित आजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 2, जो इमारत तं 2, तल माला, सूरत इंडस्ट्रियल इस्टेट ग्राई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर ग्रिश्चिनयम की धारा 269 कथा के ग्रिधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिक बाजार मूख्य से कन के ज्यानाय प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त तस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तरे दश्यमान प्रतिपत्त ते, एसे ज्यानान प्रविक्त का विकास का विकास का विकास से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और संस्थिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया जवा अधिकल निकासित से वास्तरिक रूप से क्षित नहीं किया बना है।

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की काय्त, उसके विभिन्नियम से संबीध कर दोने से ब्रांस्ट्रिक हैं। वाजित्य में क्सी करने वा उससे व्यूपे को स्विधा के सिए; मीर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या न्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा ने निए;

संदर्भ वर्ष उपय अभिनियम की भारा 269-म की बन्दूब्रभ् में, में, अन्य अभिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) में अभीत्, निम्मिषिय व्यक्तिकों, अर्थाद्य उम्म (1) श्री भालचंद्र बी० करवीर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सोना इंडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

को यह स्वाना चारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करका हूं।

बक्त सम्बन्धि के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी नासीय अ-

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींव से 45 विन की जनिभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिध, जो भी जनिध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः
- (च) इस स्थान के रायरण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी मन्य स्थानित स्थारा मधोहस्ताक्षरी के शहर विविद्य में निस्य वा सकेंगे।

स्थाकरें :--इसमें प्रयुक्त खब्बों और पवाँ का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बजी कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया बया हैं।

वपुष्पी

यूनिट नं० 2, जो इमारत नं० 2 तल माला सूरत इंडस्ट्रियल झाई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है

ग्रनुसुची जैसा कि कि सं मई-3/37ईई/16321/84→ 37 85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1~1~1985 को रजिटस्डं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 26-8-1985

मोहन ॥

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रार्ड०--3/37 ईई०/16052/84--85---ग्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पलैंट सं० 8, जो इमारत नं० 1, बोर्ला कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जो ईतराम गिजवानी रोड, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रानुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 1-1~1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अथित :--- 39--266 GI 85

(1) श्रामती रेनु जी करनानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मूर्ति देवी ग्रार० गौतम

(भ्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ,सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि और भी अविधि बाव में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमं प्रयुवत कृष्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्यूची

पर्लंट नं० 8, जो इमारत नं० 1 बोर्ला कोन्नापरेटिय हार्गि सोमाइटी लिमिटेड, डा० चोईतराम गिडवानी रोड, चेम्बूर, बम्बई-74 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईहै०/16052/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रमाद सभाम प्राधि हारो सहाय हु आय हर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रैंज - 3, बस्बई

तरीख: 26-8-1985

वाहर :

प्ररूप बाई .टी .एन .एस------

बायकर क्षिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० धाई०-3/37 . ईई०/15595/84-85—-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, जो इमारत नं० 3 बोलों को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड डा० गिजवानी रोड, वसन्त थिएटर के सामने, चेम्बूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर धिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजर्ट्र है तारी खा-1-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के रूपमान प्रतिकत से निए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का अचित बाजार मूल्य सकत के स्थान प्रतिकत के स्थाप वर्षे कर्मा करने का स्थाप है कि यथापूर्वीक्त संपरित का अचित बाजार मूल्य सकत रूपमान प्रतिकत है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकत, निम्नीकित उद्विषय से उक्त बन्तरण कि विष क्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंकी अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए अधिकतयों, अर्थात् :— (1) कुमारी एस० एच० शहानी

(भ्रन्तरङ्)

(भाग III---**वश्य** 1

(2) श्रामती के जे व थापर

(ग्रन्तरिती)

कः ग्रह स्चना जारी करके पृत्राक्ति सम्परित सं अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आध्येय:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय सभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए वा बकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नंदों का, वो उक्ट अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ द्वांका को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

ः लैट नं० 29 हैं जो इमारत न० 3, बोर्ला कोग्रापरेटिव हाउसिंग मोताइटी लिमिटेड, गिजवानी रोड, वसन्त थिएटर के मामने, चेबूर बम्बई–74 स्थित है ।

ग्रनुसूर्चां जैसा कि क्रम सं० ग्नाई०~3/37 ईई०15595/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारीं, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेंग्र⊸3. बस्बई

नारीख: 26-8-19**8**5

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/15922/84-85-- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं श्राफ़िस प्रिमिसेस नं ए-4 है तथा जो पहली मंजिल, स्रमूल भाषिग एण्ड कमिश्रियल सैन्टर, पहली रास्ता, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख -1-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की, वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के खिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तिसायों, अर्थातु धु— (1) श्री राजीव एस० खोसला।

(मन्तरक)

(2) मैससं एलाई एन्सल्टींग इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अमृस्ची

आफ़िस प्रिमिसेस नं० ए-4 है तथा जो पहली मंजिल, श्रमूलणापिंग सेन्टर एण्ड कर्माशयल, पहला रास्ता चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37ईई०/15922/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 26-8-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/15671/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3 है तथा जो विष्णुकुंज, 14वां रास्सा, चेम्बूर, श्रम्बई-71 में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विणित हैं), श्रीर जिस हा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित। की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुकिथा ं बैं लिए; और∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भी बी० विश्वेश्वरन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राकः वेंकटरामन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्तिह्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

फ्लैंट नं० 3 है सथा जो विष्णु कुंज, 14वां रास्ता, चेम्बूर, बम्ब $\hat{\xi}$ –71 में स्थिस है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-3/37ईई०/15671/84-85 श्राँर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी) सहायक त्रायकर त्रायक्त ((निरीक्षण) श्रजन रेंज,3,बम्बई

तारीख : 26-8-1985

मोहर 🥲

प्रकार बार्च , टी., एन., एस्.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निदश सं० भ्रई०-3/37 ईई०/15848/84-85---यन मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के स्थीन सक्तम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वा उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 5 जो, तीमरी मंजिल, जवाहर नगर, एस० वी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण धन से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 ए ख के श्रेशान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिकत के लिए बन्तरित को गर्ड है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिदित उन्हर्षस से उक्त बंदरण कि निष्ट स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबतः, उनके बधिनियम के बधीन कर योगे के बन्तरक के दावित्य में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; बौड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

केत: कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्मसिवित स्पक्तियों, वर्षात् ॥—— (1) मैंसर्स भावना कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रार० त्री० पटेल प्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

की वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक सम्पत्ति के नर्वन में संबंध में काई भी नाक्षेप ह---

- (क) का स्वना के ट्रायपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, खांभी सर्वीध याद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के नीवर उन्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्र्युष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उका त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि त है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं। गमा है।

श्रनुसूची

प्लैंट नं० 5 है तथा जो तीसरी मंजिल, जबाहर नगर, एस० बी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई०-3/37—ईई०/15858-ए/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख : 26-8-1985

मोहर ३

प्रकव बाह्र , टी. एन., एस.,--------

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भाडा 269-च (1) के बाधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्रई०-3/37 ईई०/16318/84-85--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुंसे अधिक है

श्रीर जिसको संव पलैट नंव 8 है तथा जो चन्द्रीका इम श्रम्युदय को-श्रापरेटिव हाउमिंग सोसाईटो लिव, 9वा रास्ता, लेम्बूर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नमुस्त्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि— नियम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1~1~

क ने पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रि. पण्ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्र. तिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्रिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक स्पास के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उस्त शिधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दशीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विधा के सिए;

जतः जबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निस्तिविक व्यक्तियों, वर्षात् ——

(1) श्री तुलसी उन्नी नायर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० थियागराजन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अपने के सम्बन्ध में काइ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा स्कोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त कि कि कि में परिभाषित स्थिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 8, तथा जो चन्द्रीका इमारत, श्रभ्युदय को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, 9वां रास्ता, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई०-3/37ईई०/16318/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 3-9-1985

क्षक बा**र्**छ दी_य पुत्र<u>ः पुत्रः</u> पुत्रः

आयक्त व विश्वित्वम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति त्वना

शारत सुरकाड

कार्यानय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज→3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० श्रई०-3/37-ईई/15821/84-85---यतः मर्चे ए० प्रसाद,

शासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वाबार मुस्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
स्रोर जिसकी सं० पर्लंट नं०3, जो विवेक बीं प्लाट नं० 14,
श्रीनगर इस्टेट,गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं और इस से
उपाबद्ध श्रनुसूचीमें श्रीर पूर्ण से क्ष्य विणत हैं), श्रीर जिसका
करारनामा श्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कम्ब
के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं
तारीख 1-1-1985

को प्रांक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के अवसान वृद्धितक के लिए अन्तरित की गई है, और मुखे यह विकास करने का कारण है कि वजायों ति संगीत का उचित वादार मृश्य, उसके असाप प्रतिकल से एसे असमान प्रतिकत का पंच्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जवा प्रविक्तन, निम्मितियों प्रदेशित उप्योक्त से उसत अन्तरण विविद्ध में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गवा है हिन्स

- (क) बन्धरूच वे हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-निवंद के बचीन कर दोने के बन्तरक के दावित्त के कसी करने वा उससे बचने में तृतिभा के निगः; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाध-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधनियम या पनकर किथिनियम या पनकर किथिनियम या पनकर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री ए० बी० नायर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० वी०ए० वारीयर ।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हैंक्यू कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बास्त्रोप क्ष-

- ्रिक्षं सूच्या के राज्यपन में प्रकारण की तारीय है 45 दिन की जबीम ना तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के साथ विकास में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिया गरा है।

अनुसुची

पर्नैट नं० 3, जो विवेक 'बो'' लाट नं० 14,श्रीनगर इस्टेट, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-3/37-ईई/1582184-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरक्षिण) स्रजन रेज-3, बम्बई

ता**र/ख** : 3-9-1985

मोहरः

प्रकृत कार्योः, टी., एत<u>ः,</u> एक्_र,,,,,,,,,,

वायकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

बार्क बरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्त्र)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 सितम्बर 1985

निर्धेण मं० श्र $\hat{x}=3/37-\hat{x}=15920/84-85-4$ सः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 16 हैं तथा जो प्लाट 549-ए, 'बालमुरलं।', 11वां रास्ता, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख, 1-1-1985

की प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्द प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति वैं बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृबिधा के लिए; बौर/या
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों अवितः— (1) श्रं के० परमश्वरन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्राप्त एन० स्वामी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप ्र---

- (क) इस स्वान को राजपन में अकाशन की तारीब ते 45 दिन की नवींथ या तत्संबंधी न्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की नवींथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीवर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकीने।

च्चचीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिवा वृद्धा हैंं.

ननुसूची

पलैंट नं० 16, जो प्लाट नं० 549-ए, 'बालमुरली', 11वां रास्ता, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्चनुसूची जैसा कि करु सं० श्चई०-3/37- न्हेई/15920/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 3-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कारी भारा 269(घ) (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15745/84-85-**--यतः मुर्झे** • प्रसाद

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र जिसकी सं फ्लैट नं 5, जो प्लाट नं 12, सी० टी० एस० नंक 663/13, चेंबूर पेस्टम सगगर, चेंबूर, बम्बई—89 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामाआयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1985 को

महीं पूर्वोंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिगी) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल को करीविति है दिस्स से उक्त अन्तरण निकास में अन्तर के लिए तब पाया गया प्रतिफल को से किया नहीं किया गया है :—

प्रहाई किसी बाय की बाबत, उक्क क्षीक्षीत्रवंद के स्थीन कर दोने के बन्तरक बे क्षाव्यक्ष के उसी करने वा उबसे बचने में सुविधा दें फिछ, क्षांत्र/था

कि हों किसी जाम या किसी भन या बन्या बास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : जिम्मलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :——40—266 GI|85

(1) मैसर्स एच० एस० पी० इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० विश्वनाथन श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वियत सम्बन्धित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन्द्र ब्याना के त्रवषक में क्रावात की तरिका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिष्कित में किए जा सकोंगे।

मन्सू भी

फ्लैंट ां० 5, चो, प्लाट नं० 12, सी० टी० एस० नं० ६६३ 3, बेंबू पेस्टम सागर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थि: है

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/15745/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्ररूप भार्षं . दी . एन . एस . -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन सुचरा

पार्थक कार्यक्र

कार्यातवः, सहावक बावकर बावकः (निरासकः) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विमांक 3 सितम्बर 1985

मिर्वेश सं • आई--3/37--ईई/15746/84--85---यतः; मुर्झे, ए० प्रसाद

कायकर सिर्मिनयमं, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवें इसके परकात् 'उक्त निर्मिनयम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह विकास कंपने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, प्लाट नं० 12, सी० टी० एस० न० 663/13, चेंबूर पेस्टम सागर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), भौर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उपित बाबार स्वय वे काम के कारकाम प्रतिफल के लिए जन्तरित की पद है बीर जुने यह विश्वनत करने का कारण है कि स्थाप्नेंक्त सम्पत्ति का खिल्क कारका मृथ्य, इसके जनमान प्रतिफल है, एवं अनमान प्रतिफल से प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्परण **से हुई किसी नाम को नामफ, उनस** विधियिक्त **से बधीन कर दोने के बंतरक से** अधियत्म में अभी करने या उससे बचने में सर्विधा जो निष्; नोर/वा
- ्स) एसी किसी नाम वा किसी भन या नम्म नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नामकर निभिन्नमा, 1922 (1922 का 11) या उन्हों निभिन्नमा, या एतकर अधिनियमा, या एतकर अधिनियमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या का किया जाना चाहिए था स्थिना में स्तुदिशा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरकां की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा ﴿1﴾ की अधीन, निम्नलिखिला व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) मैसर्स एच० एस० पी० इंटरप्रायजेस। (अन्तरक)
- (2) के० ए० विश्वनाथन ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

न्द्रे यह भूकना जारी करके पूर्वों कर सम्मत्ति के कर्पन के किए कार्यनिविद्या करता हो।

उक्त संपरित के नर्पय के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्ष :---

- (क) इत ब्रुपना के रायपण में प्रकारण की कारीण की 45 दिन की संपत्ति ना तत्त्वस्तरणी व्यक्तियों कर सूचना की तामीस से 30 दिन की बर्गीप, यो भी अविध नाव में समान्त होती हो, के भीतर प्रवासत स्थन्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की ठारीच हैं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-कहंभ किसी मन्य स्थित बुवारा अपोहस्ताक्षरी के एस निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उपत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायिष है, वहीं अर्थ होना वो उस अध्याय में दिका गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 5, जो, प्लाट नं० 12, सी० टी० एस० नं० 663/13, चेंबूर पेस्टम सागर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/15746/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, यर वर्ष

विनांक: 3-9-1985

अचन भाइ.टी.एन.एस. -----

नायकर निर्मानवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना भारत सरकार

कार्यांतव, सहावक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/16351/84-85-यत:, मुझे' ए० प्रसाद

बाक्कर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिवियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्जत बाजार मूस्य 1,00,000/- रहें से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं ए/15, है जो, इमारत नं "ए" जीवनरनैया कोरआप हाउसिंग सोसाईटी लि आर हि। मार्ग, चेंबर नाका, बम्बई-400071 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा क69 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय हम में कि स्हिंग है, तारीख 1-1-1985

का पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम क दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे रुखमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (का) अन्तरण से हुई चिसी जाय को बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा एंसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के निधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाः, अर्थात — (1) श्री कृष्णा राव गोविंदन, एन० कृष्ण राव के पुत्र।

(अन्तरक⊸

(2) श्री सुरेश कमलाक्शा शेंणाय भौर अन्य।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवक्य;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लब्दीकरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त उधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, लही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मनसर्ची

प्लैट नं० ए/15, जो, इमारत नं० "ए", जीवनत्नैया को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आर० सी० मार्ग, चेंबुर नाका, यम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची गैसा कि ऋ० स० अई-3/37–ईई/16351/84–85 फ्रोट जो एक्स प्राधितारी बम्बई हारा दिनां ए1–1–1985 को र्राजस्ट के किया गया है।

ए० प्रास् सक्तमप्राधिकारी सहायकआयाक्रमआयुटा (प्रिकाल) अजीतरेकि—3 बल्बाई

दिनांक: 3-9-1985

प्राक्रप बार्ड की धन एस

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्वेश सं ० अई-3/27-ईई/15732/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बावकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-15 ई, जो इमारत नं० सी, उरी मंजिल, चंबूर गुलमार्ग को-आपरेटिंग हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, साहुल रोड, चेंबूर नाका प्लाट नं० 598, क्लाक नं० 8 (ग्रंग), बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से ग्रंणित है), ग्री. जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सन्ना प्राधिकारों के कार्यात्रय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1935

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है जार मूजो यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के गैच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिशित उव्वदेश से अक्त अंतरण निवित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उकत बिभिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या उत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1977 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

बर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के कन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वो उपधारा (1) के अधीम निम्मलिक्ति व्यक्तियों अधीत :-- (1) श्री अतुमल चंदी राम ।

(अःतरक)

(2) श्री नेबद रूपचंद िक्षवानी।

(अन् ो्देती)

को बहु सूचना भारी करक हिंदीकर एक ति के अजन है विद कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालें। :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी इस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी विध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों विख व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताः विव सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी बस्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पांच सिशित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जां उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकास समाहै

अनुसूची

पलैट नं जी-15, इमारन नं सी, 3री नंजिल, चैंबर गुलमार्ग को-आपरेटिव हार्जीसग सोसाईटी िमिटेड, माहुल रोड, चेंत् नाका, प्लाट नं 598, ब्लाक नं 8 (श्रेग), बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची ौसा कि कि सं अई-3/37 -ईई/15732/84-85 भी जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 ो रजिस्टर्ड किया गया है।

ए**ं प्रसाद** सक्षम प्रा^{र्}त्रकारी सहायक आयकर आ**युक्त (निनोक्षण)** अर्जन रेंज–3, **बम्बई**

दिनोंक: 3-9-- 985

प्रारूप आई.टी.एन.एस

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985 क्षितेंग सं० अई-3/37-ईई/15707/84-85---यत:, मुझे, ए० प्रसाद

विश्वकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन इसमें इसके प्रभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थायर सम्मस्ति, जिसका उचित मानार मुस्म 1,00,000/- रा. से अधिक ही

पीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 6-ए जो, 1नी मंजिल, रिफायनरी क्यू को आपरेटिव हाउमिंग सोसाईटी लि०, 62-63, मरोली चर्च, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थत हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), जीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की खारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सधम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान क्षित्कल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विद्यास करने का फारण है कि यथाप्यॉक्त सम्मित का अवत बाजार मूल्य, अक क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यम प्रतिकल के क्ष्यमान प्रतिफल के क्ष्यम प्रतिकत से जिमक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और क्षेत्रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिकल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त क्षेत्र वास्तरीयक क्या है किया गया है :----

- (क) वन्तरण से हुन्दे किसी लाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वा शासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए बरि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य असितयां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

बिउ: धर्ब, अक्त अभिनियम की धारा 269-त के अनुसर्फ, बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री लक्ष्मीनारायण दुर्गादास गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपी जेथानंद देवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए, कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येग :----

- (क) इव धूमना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 वि की नवीं या तत्स्वस्त्रामी स्विधित्यों पर सूचना के ताजील से 30 दिन की ज्विध, को भी क्वीं वार्थ में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्य का नत्यों में से किसी कांक्रित हवाह;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब्द्ध किसी जन्म न्यक्ति द्वारा, अथोहस्वाक्षरी के पास चिति में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—ामें प्रयुक्त सम्बां बीर पद्यों का, भी सक्त अधिपियमं के अध्याय 20-क में परिशावित हैं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे कथ्याय में विका सवा है।

यन्स्ची

पलैंट नं० 6-ए, जो, 1ली मॉजिल, रिफाय_{ं,नरी}, ध्यू को-आपरेटिव श्उसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 62 -63, मरोली चर्च, चेंबूर, ६म्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची नैसा कि ऋ० सं० अई-3/3' 7-ईई/15707/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्म ई द्वारा दिनांक 1-1-1985 हो रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आ**य**ं हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, **बम्बई**

दिमांक: 3-9-1985

एक नार्ध्य दी , एक . प्रस्तान न न ननन

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/15801/84-85--यत, मुझे ए० प्रसाद,

काथकर अधिनियम, 1961 (1,961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम शिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्ला सं० फ्लैट त० 152 जो समारत नं० 8 सहकार लगर त०, मिल्लक्शा कोआपरेटिय हा उसिंग सोसा— ईटी लि॰, चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विङ्कित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1—1—1985

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य संसन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों और अंतरिकी (बन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए विपास गया प्रतिफल विस्नलिखित उद्युविष्य से द्वाल अन्तरण निर्मित में बास्यविक कर से कथित नहीं किया क्या है है——

- (क) न्याद्रण वे हुई किसी नाम की गानस, छक्छ आकानसम के नाभीन कार दोने हे जन्तरक क प्राप्त में कभी करने या उससे वणा भें स्विधा के शिए; और/वा
- (खं एसे किसी आय या किसी धन या रान्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्म, या धन-कह विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निवा जाना चाहिए था, छिपार में सविधा के शिए;

आत: शव उक्त अभिनियम की भारा 269- क अनुसरण क्रं, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिविद व्यक्तियों, अभीत :---

(1) श्रीमती सुनीता विट्ठल पवार।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आर० बाटवलकर।

(धन्तरिती)

को यह सुपना वारी करके पूर्वोक्तः सम्पृत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बुम्बत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राज्यत्र में प्रकशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में भकाशन की सारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती। बन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकी

स्मष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 152, जो, इमारत नं० 8, सहकार नगर, नं० 5, मिल्लक्षा कोत्आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी विभिटेड, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/1.5801/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

ए.० प्रसाद सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 3-9--1985

्रारूप **शाह**े, टी, एन. ए**स**्न----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश र्स० अई-3/37-ईई/16094/84-85--यत: मुझें, ए० प्रसाद,

आंग्रकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो, 2री मंजिल, प्लाप्ट तं० 242, जवाहर नगर, गोरेगांव (पिष्चम), ब्रम्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ई), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 11-1-1985

की पूर्वेकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, जिन्नलिखित इद्देक्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्त-विक स्व से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाव की बावत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वो लिए; औटु/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या जन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञान अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञान अभिनियम या भारती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

कत. < व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रभीर निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात := (1) श्री भाईलाल व्रजलाल तालमानिया।

(अन्तरक)

(2) श्री सतिश सोमचंदभाई शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वनीब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 11, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 242, जवाहर नगर, गोरेगांव (पिंचम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/16094/ 84-85 ग्रॉर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़–3, बम्बई

दिनांक: 3-9-1985

मोहरः

डक्न बार्च्, ठी. प्र. ह्य. ----

कायकाङ क्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे वचीन क्वा

शास कामार

भार्यक्षम् , बहायक बायकर माथ्यत (विश्लीक्ष्म्)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/16024/84-85--अतः मुझे ए॰ प्रसाद

वासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परभात् 'स्वयं विधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-क के वधीन रक्षम प्रतिथकारों की, यह रिक्ताव करने का कासक है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका समित काचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 126, है, जो 1ली मंजिल "गुरु गोविंद सिंग ईण्डस्ट्रियल इस्टेट", वेस्टर्न एक्सप्रेम हायवे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (प्रोर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूस्य वे कन के अवकान प्रतिक्रस के सिए अन्तरित की नई है और मुक्ते नई किवाब अपने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूस्य, उच्छे अवमान प्रतिक्तस से, एते अवजान प्रतिक्षत का पंच्छ प्रतिक्रत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरिका) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा पना प्रतिक्ष का निम्मीशिक्ति उच्चेक्त से उच्छ अन्तरण किथात में अन्तरिक स्था की किथात में अन्तरिक स्था की किथात में अन्तरिक स्था की किथात में अन्तरिक स्था से किथात से अन्तरिक स्था से किथात से अन्तरिक

- (क) कंक्टरण वं हुई फिली बाग को बावत, अनक करिपीनक्व को अभीन कर दोने के करारक के दासित्व में करी करने वा उदावे वचने वो वृहित्वा के सिन्; वरि/या
- (व) एको कियो नाव या किसी धन या वस्त वास्त्रवी को, विन्हें भारतीय नायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवम, या वश्य-का विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रकारताथ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया सूख वा या किया वाना वाहिए था, कियाने जें सुविधा के विद्य;

बतः जब उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुबंदक में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभागः (1) के मधीन, निम्मितिकित सुनित्यों, वर्षांत 8---

- (1) श्रीमती ज्योती जेथानंद चाटलानी। (अन्तरक)
- (2) श्री महादेव गोविंदराव कांगोकर ग्रांर अन्य।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिदै कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिकों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, पर प्रे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंबद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी कें पाद 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्बत्ति में हिराबहुद् जिल्लिक में किए वा सकीने।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्च अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित ही, वहीं नर्भ होंगा को उस वस्थाय के विकास गना ही।

अन्सूची

यूनिट नं 126, जो, 1ली मंजिल, "गुरु गोविद सिंग इंडस्ट्रियल इन्टेट" वेस्टर्न एक्सेप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/16024/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० **प्रसाद** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज⊶3, **बम्बई**

दिनांक: 3-9-1985

प्रकल बाह्र , टी. एन. एस.

भाग्कर ज्भिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) के मुभीन सुचना

धाउट बरका

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वम्बई बस्बई, दिनौंक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15606/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्भत् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, इमारन नं० "बो" श्री जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, इमारन नं० "बो" श्री नव-भारत अवार्टमेंट्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि०, आर० सो० मार्ग, चेंबूर, बस्बई-74 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बस्बई स्थिन नक्षत प्राधिनकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान भितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित यें वास्तिविक रूप में किया गया है :----

- (क) लन्तरण से हुई जिसी बाय की बादत उक्त अधि-निवस के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्द में कमी करने या उससे अधने में सुविधा को सिए, शैर/या
- (ग) एसी किसी आय का किसी धन वा अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, स्वतः विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभीतः निस्तिवित स्ववितयों, स्थात् =----41---266 GI/85 (1) श्री लक्षमणदास टेकचंद भाटीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भजनलाल मधनदास डेम्बला श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा है।

धमस्यो

प्लैट नं० 5, जो, इमारत नं० "बी", श्री नव-भारत श्रपार्टमेंट्स को-भ्रापरेटिव हार्डानग मोमाईटी लिमिटेड, श्रार० सी०मार्ग, चेंब्र, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सई-3/37-ईई/15606/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज–३, बस्बई

दिनाँक: 3-9-1985

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सिनप्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/16316/84-85--ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये में अधिक है

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 20, जो, ज्ञानेण्यरी इमारत ग्रारं रोड, पेकबाग, गोरंगाँव (पूर्व), बस्वई—63 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खें के ग्रिधीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1—1—1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत सं, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिकत, निम्नितिबत उद्वर्षय से उक्त अन्यरण निम्बत बास्तिबक स्प में किथा गया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्विधा की भागा स्वीतरण
- (छ) एसी किसी बाय या भन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) मैं समें जिलोक कन्प्ट्रक्शन सम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्भ राधेश्याम इंडस्ट्रीज।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

दुकान नं० 20, जो, ज्ञानेश्वरी इमारत, स्नारे रोड, पेरूबाग, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं आई-3/37-ईई/16316/ 84-85 श्रीर जो जलम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--3, बस्**बर्ध**

दिनाँक: 3-9-1985

प्रक्रम भाष्ट्रं, टी. एत. एस.

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कर्ी धारा 269-म (1.) के अभीन सुम्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायकत (निरोक्षण)

ग्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनॉक 3 सिनम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/16283/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकार अधिनियम, 1961 (196; का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं गाला नं 218 है, जो इमारत सं 'ए'', 2री मंजिल, विरवानी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेम को ग्रापरेटिव हाउसिंग मोलाईटी लिमिटेंड, 86-ए, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायथे, गोरेगाँव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनाम ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन वम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पृथिकत संपरित के उप्तित बाजार मूल्य से कम के दियमान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्यों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दियमान प्रतिक्रल से एसे दियमान प्रतिक्रल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कृत्दरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे बन्दरण के सिए तब पावा गया प्रतिक्रक, निम्निष्टित उद्वेदय से उस्त कन्दरण लिखन में वास्तियक सूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनयन के अधीन कर दोन के बन्तरक के ग्रामित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के आगः बौद्ध/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण, में उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपधार (१) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों अधीत ह-

(1) श्री माणेकलाल एल० शहा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री महाबीरप्रसाद गुप्ता।

(अन्सरिती)

को यह सुमना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पद् म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विषय मार्च में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हिन्द्रवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस के किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति ।

स्पष्टीकरणः — नगर्म मण्डन क्रांशी और मणी वर, तो एकत अभिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, उहीं वर्ष होगा जा उम अध्याग मा दिया गुरा है।

मसस्यो

गाला नं 218, जो, इमारन नं ''ए'', 2री मंजिल, विश्वानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरवानी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आपरेटिव हार्जीया मोलाईटी लिमिटेड, 86-ए, वेस्टर्न एक्सप्रेस हार्यवे, गोरंगाँव (पूर्व), बम्बई-63 मे स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/16283/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 3-9~19**8**5

मोहरु 🛦

प्रकृप बाह्र . टी. एभ. एस्.-----

भामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त, 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/16207/84-85--- श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट सं० एल-4/5 है, जो लक्ष्मी रामन को-ग्रापरेटिश हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, नांगूर नगर गोरेगांव (पिष्चम), बम्बई-90 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनार, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारज है जियथा पूर्विक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूह्य उत्तते पृथ्मान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक स्वाह्म प्रमिश्व मित्रति से से प्रिक है बीर अन्तरक (अग्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिकत, विश्वसितियां उद्देश्य से जनत अग्तरण निवित में वास्तविक क्ष्म के अभित वहाँ किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी कर्ष या उससे अधने में कृषिणा के निष्; बांट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के सिए; और/मा

भत: शव, उक्त विभिन्तिम की भारा 269-ग के जन्मरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मधु भूटानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विना धामिजा।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु----

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो सक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

मन्त्रज्ञी

फ्लैंट नं० एल-4/5, जो, लक्ष्मी रामना को-श्रापरेटिब सोसाईटी लिमिटेड, नाँगूर नगर, गोरेगाँव (पिषचम), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं० श्रई-3/37–ईई/1620784–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1–1–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक स्प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-3, बम्बई

दिनौंक: 3-9-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/25931/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 128 है, जो 1ली मंजिल, शाँती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मुलुंड (पण्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

कारे पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के . रूपमान प्रतिकक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है

िक यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उक्य के उसते अन्तरण लिखित में वास्ति के रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस्ने बचने मी सुविधा के सिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उन्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जन्द्ररण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रतीन, निम्दलिखित व्यक्तियों, नर्भात् ;—

- (1) मैं मसं टिक्रा बिल्डसं (बाम्बे) प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मीना सुग्रमण्यियम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन के जिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गया है।

अनुसुची

यूनिट नं० 128, जो, 1ली मंजिल, गाँती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० एन० रोड, मुलुंड (पांग्चम), बम्बई-80 में स्थित है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 26-8-1985

शक्य **वार्ड , दर्ने , पूर्व , पूर्व , 2**002000000

भारत शरकार

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की मधीन सूचना

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 26 अगस्त 1985

ानवर्षा सं. अर्ड-3/37-र्डार्ड/15599/84-85--अतः म्भे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६२ जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ० .पलैट नं ० डी/9 है, जो 2री मंजिल, मालांड ममता को-श्रापरेटिव हाउसिंग मोनायटी य लिमिटेड, एल० बी० एस० मार्ग, गोवर्धन नगर, मुलुंड (पिश्चम), बम्बई—80 में स्थिन हैं (ग्रांर इससे उपावंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 289 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं. तारीख 1-1-1985 की

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त (1) श्री एम० एन० स्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना नितीन ठक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों वा, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ं फ्लैंट नं० डी/9, जो, 2रो मंजिल, मुलुंड ममता को-ग्रापरेंदिव हाउंसिंग सोमायटी लिमिटेड, एल० बी० एस० मार्ग, गोवधेन नगर, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-37-ईई/15599/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनौंक: 26-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15783/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, मुलुंड
पूनम को-श्रापरेटिव हाउभिंग सोसाईटी लिमिटेड, श्रीमती
मंसादेवी श्रग्गरवाल रोड, मुलुंड (पश्चिम), बस्बई-60
में स्थिन है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
से विणत है), ग्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रयधनियम
1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बस्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल ता पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निभित्त मा वास्तिवक छन से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्विभा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात्:—

(1) श्री ए० बी० टिग्गीत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ग्रार० खखारीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

पलैट नं० 9, जो, 1ती मंजिल, मृलुंड पूनम को-आप-रेटिव हार्डाणम सोसाईटी लिमिटेड, श्रीमती मंसादेवी प्रमार-वाल रोड, मृलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/15783/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, ब्रम्बई

दिनाँक: 26-8-1985

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

भाधफर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीम मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15734/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), को 'धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी और यह विस्थास करने का बारण हैं कि स्थायर तज्यित, जिसका उचित नाधार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 10, जो, प्लाट नं 48, काँजूर को श्रापरेटिव हाउपिंग सोसाईटी, भांडूप (पूर्व), बस्बई-78 में स्थित है (श्रीण इसमें उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिन्हा करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को कूर्नेक्त संस्पत्ति के उचित बाबार मृत्य हं कर के क्यामान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्कोंकत बज्यित का उचित बाबार पृत्य, उपके कानमान प्रतिकास से, एसे काम्यान प्रतिकास का क्याह प्रतिकास से विषय है भीर अंतरफ (अंतरका) और अंतरित्रीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब भावा गया प्रतिकास, निष्यक्रिय उज्ज्ञेष्मों से उच्छ अस्तरण कि कित के पारतिकास कर से समित नहीं किया गया है है—

- (क) करवान से तुर्च फिली बान की वाबस समत जीध-मियम की अभीन कर दोने के तन्त्रपण के दायिस्य में कभी कारणे या उपसे अचने में स्विधा के लिए; कीप्र/मा
- ्षा) एती किसी आप या किसी वन या अन्य क्रास्थियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अजिनियन, 1922 (1972 का 11) या उक्त प्रजिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था भा भा भिना जाना चाहिए था, दिशाने में सविधा के निए:

बादः बाव, अवत विविधियां की भारा 269-थ क अनुसूरभ भी, भी, उस्त बाविनियंत्र की भारा 289-थ की उपधान (1) भी बाधीन, जिल्लीकरियत व्यक्तियों, अवस्ति :--- (1) माडर्न बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) डा० वी० जी० ग्राचरेकर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवशाद्वियां करता हूं।

हरत राज्यक्ति के सर्वत है राज्यक्त में सोद्दं भी साम्रोप ८---

- (%) इस स्थान में राज्यन में प्रकाशन की खारीय से 45 दिन की शर्नीय ना तरसंबंधी न्यन्तिमों पर स्थान की तानील से 30 दिन की शर्नीय, सो भी स्थान नाद में उमान्य होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस बुचना के राजपन के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीक्षर उक्त स्थायर सम्पत्ति के हिन-क्च्थ किसी जन्य व्यक्ति प्यारा अभोहस्ताक्षरी के पात जिस्ति के किए या सकति।

स्थलकारणः—इसर्वे प्रवृत्तः सन्ते सरि धर्मे सा, को सनक विधिनवन, से अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्व होगा, को उत्त सध्याय में दिवा स्था हैंश

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो, प्लाट नं० 48, कॉजूर को-स्राप० हाउनिंग सोमाईटो लिमिटेड, भांडूप (पूर्व), बम्यई—78 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/15734/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक्षुत्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 26-8-1985

त्ररूप: बाइ^{*}. टी. एत्: एस: -----

माण्कार समितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनौक 26 प्रगरेत 1985

निर्देश सं ० ग्रई--3/37--ईई/16032/84-85---- श्रतः मुझे, ए० प्रताद

बाइककर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परकात 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन क्छम पाधिकारी की, यह जिस्काम करन का काइक है कि स्थानर अध्यक्ति, जिस्का उचित नावार अस्क 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जि को संव यूटि नंव 85, जो, 1क्षी मंजिल, यूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्व नंव 310, 311 भीर 317. भारवित रोड, मृलुंड (पिचम), बम्बई-80 में किंग है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विगत है), भीर जितका करारनामा भ्रायकर श्रीधित्यम 1961 को धारा 269 क, ख के प्रयोग, बमाई स्थित नक्षम प्राधितारी के कार्यालम में रिजस्ट्रों है, तारोखा 1-1-1985

भी प्रायः सम्पत्ति के उपित बाजार गूम्म स कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की पर्ष है और गुम्में यह विश्वास करने कस्में का कारण है कि यथापूर्वीचल सम्बत्ति का उपित बाजार गूम्ब, उभके दम्यभान प्रसिक्त लें, इसं स्वयमान प्रतिकास का गूम्ब प्रतिमान से अधिक हैं और जंदरक (बतरका) और बंतरिती (बन्तरिसियों) के यीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, निम्निलिसित उद्युष्य से उद्युत बन्तरण कि बित से बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

> (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उंक्त कि-नियम के अभीन कर दान के बन्तरक के बायित्व की कमी करन या उत्तसे क्याने की सुविधा की लिए; बीद/बा

्सी किसी जाय या किसी ध्रम या बन्त वास्तियों की जिन्ह सारतीय अय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, या ध्रम-कर अधिनियम, या ध्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुतरण , मी अक्त अधिनियम की धारा 269 व की अपभारा (1) है अधीत किन्नितित्व अधिकायों , अधीत् 2-266 QI|85 (1) युनिक बिल्डर्स ।

(भ्रन्दरक)

(2) मैसर्स स्पेतलिटी बाडसू।

(अन्तरिती)

को मह सुचना जारो करके पृथाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहिकां करता हुं।

राज्य राज्यश्चिक के कर्यन के सम्बन्ध भी काई भी बाह्यप :---

- (क) इत स्वाना के राजपत्र में त्रकाश्यम की तारीख सं 45 विन की अविभ या तत्मक्रमच्यी व्यक्तिया पर स्वाच की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समान्य हाती हो, के भीतर प्रवाचस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इब ब्वन के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति, मी हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी पास लिखित मी किए जा सकना।

स्वक्षीकरणः — क्षतमे प्रवृक्त सम्बों और पवों का, जो उक्त कोशीनयम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा. को उत्त अध्याय में दिया वया हैं।

अनुसूधी

यूनिट नं० 85, जों, 1ली मंजिल, यूनिक इंडट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 310, 311 मौर 317, भार० पा० राड, मुलुंड (ा०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रमुन्नूचो जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/16032/ 84-85 श्रोर जी सक्षम प्राधिकार: अस्दई द्वारा दिनौक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि .ारी स**हायक भायकर ग्रायुक्तः** (िर क्षण) **ग्रज**न रेज-3, **बम्बई**

विनामः 26-8-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ेम्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्पई, ितैक 26 अगस्त, 1985

िर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/15782/84-85---प्रशः मुझे ए० प्रशादः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

भौर जिलां संज पर्नीट नं जिलां, 5वीं मंजिल, इमाल भानू आहिनेंद्रा, इमाल ए-2, एल बं एा जार्ग, बमाई आगरा रोड, मुलुंड (१०), बमाई-30 में थिल है (और इसे उपाद्ध अनुष्च में और एर्ण रूप से विति है), और जिला करारतामा आजार अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीत, बमाई स्थित क्षम प्राधितारों के कार्यालय में रिस्ट्रा है, जाराख 1-1-1985

को प्योंक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट प्रतिकल का पंदृष्ट प्रतिकल का पंदृष्ट प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखत ल्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिगम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविध्य के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के िसए;

जतः इ.स., जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मीं, मों, अफ़्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपभारा (1) कु अधीन, निम्मानिस्त व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) श्रामता झार० चा० ऽहा झार श्रन्था। (प्रसारक)
- (2) श्रो डी॰ ग्रार॰ भगःतनी। (ग्रन्तिती)

को यह मृष्या जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) प्रस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयोक्त राखों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही दर्श हुंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं 19, जो, 5वी मंजिल, इमान्त भानू श्रार्ट-मेंट् , इतारत ए-2, एल० ब ० ए का मार्ग, बा बे श्रागरा राड, पुरुंड (प०), बस्त्रीई-80 में स्थित है।

श्रनुर्चं जैसा ति कि सं श्रई -3/37—ईई/15782/84-85 श्रोर जें। क्षम श्रिधि गरा बम्बई द्वारा किं। 1-1-1985 का रिजस्टर्ड िया गया है।

ए० पाद सक्षम प्रक्रीय हार सहाय हु आय हर आयुक्त (िर क्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौक: 26-8-1985

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . -----

माधकुर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माशकः) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, नि 26 ध्रगण्य, 1985

निकेंक सं० श्रई -3/37-ईई/15709/84-85---ग्रः पुने, ए० प्रताद

बायकर बॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इनवें इसक व्रव्यात 'उक्त बॉधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के बधीन सक्तम बॉधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. संबंधिक है

भौर जिल्लो सं० यूबिट नं० 6, जो, तल माला, वर्षे नं० 54 और 98, एव० नं० 2 भौर 1, नाहर विजेत, तुलुंड, बन्दर्घ में िया है (और इतने जावद्ध अनुद्वी में भौर पूर्ण रूप से विकार है), भौर जिल्ला करारनामा आज र अधि यम, 1961 के धार 269 के खे के भवता, बन्दर्घ स्थि। अभ प्राधि जरा के कार्यालय में रिस्ट्र है, लार खा 1-1-1985

को प्यायत सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है और मृद्य यह बिक्यास करन का कारण है कि स्थाप्यक्ति स्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसक द्वयमान प्रतिकल म, एस द्ववमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारातया) के बीच एस अन्तरण को लए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिक्ति उद्देक्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक कप से कथित मही किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त बिधि नियम के बधीन कर बान के जन्तरक के बादित्व में कमी करन या उक्त बचन में सुविधा के सिए बार/या
- (स) एंसी किसी आयं या किसी धनं यां अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय कायकर अधिनियम , १५८८ (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियान में स्विधा के लिए;

बत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नोलिबित योक्तयों, अधीत् (1) मैं अर्स जैन देखिंग वारपारेपान।

(म्रस्तरह)

(2) मैं तर्स इलेक्ट्रं:काफ्ट इंट प्रायजेस।

(भन्तितो)

का बह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पन्ति कं अर्थन के चिर कायनाह्या करता हूं।

डक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में के जे भी वाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 विन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त व्याधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्ुची

यूटि नं० 6, जो, जन माला, विलेज नाहर, सर्वे नं० 54 ग्रोर 98, एव० नं० 2, ग्रीर 1, मुलुंड, बम्बई में स्थित है।

भ्रतुपुत्र। जैसा हि क० संभ्रम्बर-3/37-दिई/15709/ 84-85 श्रीर जी अपन प्राधितारी वस्त्रई द्वारा दिनौंक 1-1-1935 की रिनिटर्ड हिया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधि गरो सहायक श्रायंकर श्रायुकः (तिरःक्षम) स्रर्गत रेंज-3, बस्बई

दिनौक: 26-8-1985

प्रकप बाह् . टी. एन . एन . ------

बाबक्द विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) क वधान स्चना

HIEG HVEIR

कार्याच्या, सहावक कायकार आयुक्त (किरीधक)

प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० मई-3/37-ईई/16243/84-85--- मतः मुझे, ए० प्रश्ताद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् जिस्ते आधीनयम कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापृत्रोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूख्य 1,90,000/- रा. से अधिक है

म्रार जितका सं० फ्लैट त० 14, जो, 3री मंजिल, इमारत डी, गावर्धन नगर, मुलुंड ममतः का-प्रागरेटिव हाउँ।ग सारायटः िक्षिटेड, भागरा राड, मुल्ड (५४कम), बम्बई-४० में स्थित है (आर इ.स उपाबन धनुसून। में ग्रार पूर्ण रूप से र्वागत है), भार जितका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख क अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कायालय में रिन्स्ट्रा है, तार ख 1-1-85 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रोजस्ट्राकर्ता विलख के अनुसार बंतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करन का कारण है। क यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रीतफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल क पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देष्य स उक्त अन्दरण लिखत मा बास्तीवक रूप स काथत नही किया गया हु :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां करं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनाथ जन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया वाना चाहिए था, कियाने में स्विधा व क्या

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीण, निस्निलिखत व्यक्तियों, बधीत :--- (1) मैं शहरालाल पां० करानी।

(अग्तरह)

(2) श्री एस० एम० मेहता

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवासित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवा। ह्यां शुरू करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अमंध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए वा स्केंगे।

स्थव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिका भवा हैं।

सन्स्ची

पलैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, इपारत डी, गोत्रधंत नगर, मुलुड मनता को-ग्रों।रेटिव हार्टीतगसोताईम लि०, धागरा राड, मुलुड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है। धनुत्वी जैता कि क० सं० भई-3/37-ईई/16243/ 84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधितारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधि हारो महावह माबहर ऋापुहर (तिराजग) अर्जन रेंज—3, बम्बाई

दिनांक: 26-8-1985

प्रकृत बाई . हो . इत . एस . -----

नाथकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-न (1) के नधीन बुचना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, धम्बई

अम्बद्दै, दिनांन 28 अगस्त, 1985

िदेश सं॰ श्रर्श-3/37-ईई/15930/84-85---धतः मधे ए॰ प्राद,

बायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्राचात् 'सकः अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ध के अधी- तक्षत्र प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका स्वित सावार मूल्य

1,00,000/- का संविधिक हैं

आरंग जिल्ही संवधिक हैं

आरंग जिल्ही संवधित के 129/130, जीवा निर्मित मिलि,

माती इंडिल्ट्रिंग इस्टेट, एनवा एनवा रेख, मृल्ह्य), बर्व्याईआ) स्थित हैं (और इसी उपाबद्ध अनुसूची से अंगपूर्ण हर है।

वर्णित हैं /अन्य दिला लगारकामा आरंग कि दिस 1961 की सारा 269 के खाके अर्धन बम्बर्धियत सक्षम आहे तर्ग के त्यां से के स्थान के स्थान के स्थान से कम के स्थान

मानि तिर्देश के तिए अन्तरित की गई हैं और मूकी यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूकी यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरिण को लिए तय पाया ग्रया प्रतिकल, निम्निल चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दां सत्व मा कमी करन मा जससे बचने में सुविधा के सिए; शरि/मा

वंदा: जय, वंदा वंदिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण वं, मी, स्थात अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैं .सं टिका बिल्डर्स (बम्बई) प्राइकेट िनिटेक्टः (श्रन्तरक्)

2. श्री वेदापूरी सुब्रमणियमण।

(श्रन्यरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्मव्धी अधिकत्तयों पर स्थाना की तामील से 30 धिन की व्यथ्यि, वो मी स्थानित में समाप्त हाता हा, के भार प्रवाकत स्थानितयों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एंपित में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पदों का, णी उक्त श्रीकियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्यो

यूष्टि नं० 129/130,जा, 1ली मंतिल, फांतीं इंडल्ट्रियस इस्टेंट, ए १० एन० रोड़, मुलूड-४), बम्बई-४ड में स्थित है।

श्रापुर्वी जै। कि कि सं० श्रई-3/37-ईई/15930 8:85 और जो क्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को, गीरिस्टर्ड स्थि गया रा

> ए० प्राप्त सक्षम प्राधि गरी सहाय∵ म्राय∵र भ्रायुक्त (िरीक्षण) धर्जन रॉज-3, बस्बई

दिनाँ र : 26-8-1985

प्ररूप बाइं. टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेप्प-3, बस्बई

धम्बई, दिनांक 26 मगस्त 1985

िर्देश सं० अई-3/37-ईई/⊾6009-84-85---अतः मुझे ए० प्राप्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्ती संव तार ंव 123, तो, हिंगानी इंडिट्सित इस्टेट लंडूर मार्ग, बन्दई में स्थित हैं (और इसे उपाद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से लिंगत हैं)/अंतिति ति तार मा साय प्रश्नितिम 1961 की साग 269 ते खे के अधीत बम्दई स्थित अम प्राधितारी के नायात्व में प्रस्टित हैं सार खा 1 जा करी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसंख के अनुसार अन्तरित की गईं है आर मक्ते यह विद्वास

करने का कारण है कि यभाष्वीं स्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रात्तात न बाधक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय प्रांथ। यहा श्रीतफल, निम्मलिकित उद्दश्य से उकत अन्तरण दिश्विस में यास्तविक रूप स कांभत नहीं किया गवा है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की यायत, उक्त अधि-ियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व को कमी करन या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी जाम या किसी धन वा अन्य आस्तियों का चिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, वा धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अथः, उचत विधिनयम की भारा 269-व को वन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) क वधीन, पिम्निलिखित व्यक्तियों, अथात् : 1. मैं .सें हिं। नं रानीं इंडिस्ट्रियर इंडि.प्रायजेस । (ग्रनारन्)

2. मैंमर्स बीं० ए० इंजी (यरीग धर्म्स) (अन्.ानितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित र से किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिक गया है।

अनुस्ची

गाः, नं० 123 , जो, ही ानंधानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, शांडू: मार्गे, बम्बई में स्थित है।

भारुसूची जाँ की कि कि सं कि इंड्री 37-ईई/16009,84~ 85 और जो क्षिम प्रधि गरी बम्बई द्वारा दिलाय 1-1-1985 को प्रतिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्राप्ति सक्षम प्राधि गरी . सहायक स्नायकर स्नायक्त (िर्राक्षण) स्राजीन रैंज-3, बस्बई

दिनों : 26-8-1985

मं हरः

श्रारूप आई. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

कार है कि हैं . 26 क्यस्त, 1985 दिया सं० श्रई-3/37 ईई/16110/8-- 85 - श्रदः मुझे, ए० प्राप्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु संअधिक है

ओं जि की पं० पाँट नं० 7, जो, मुलूंड हैम ल्मृती को न्याप० हार्जी ग सो गर्दी ति.०, 30/307, डा० धा ० पी० राष्ट्र, आएका तानानी के पा मुलूंड (प), बाबई- 8 में स्थित है (आर इ के उगबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप के दर्णित है) और जि ता रापनामा शायार धारिम 1961 की धारा 249 के बाब प्रति के समाधि स्थान में पिस के तार्थिक तार्थिक के नार्थिक विश्वत समाधि स्थिति है तार्थिक व अगरी, 1985

को प्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती /अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर देन के अन्तरक के बायित्व के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ण किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के सिए;

गतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधाल (1) के प्रधीन निम्निविद्यत, व्यक्तियाँ, अधील :—— 1. श्रीमती मृमती पी० देशपांडे।

(झन्तरव)

श्री िरीट कुमार ाा जी मायशेरी।
 (धन्तिति)

कार यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकारन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कको और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सका है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 7, जो, मुलूंड हेम स्मृती को—शाप० हार्जा सं सो पाटी ि० 30 ५307, डा॰ चा॰० पी० रोड़, प्राग्ना दालानी के पा , सुं(प०), बस्बई 80 में स्थित है।

%मुंतूची जी की कि सं कि शई-3,37-ईई/16110,84-85 आर जी 'क्षम प्रक्रिंगरी बम्बई द्वाराधित', 1-1-1985 की 'क्षिट'ई जिंग गता है।

> ए० प्राद सक्षम प्रवि.ारी सहाय: श्राय:र श्रायक्त (रिक्षिण) वर्ज:र:-८, सम्बद्द

ধিবাঁর: 26-8-1985

मोहर 🗈

प्रस्प बाह् टी.एन. एस.-----

1. मैं भर्स अयत बिल्डर्स।

(अन्तरका)

2. श्री प्रताप दी व्युरी।

(घरतिती)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जा: रैं 1-3, अस्यर्ष

यमबर्द, बिन्ते 👉 26 अगस्त, 1985

िर्देन सं० अर्थ-3/37/ईई/15076/84-85 —अनेः मुझे, ए० प्रजाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

अता ि की सं० परैंग नं० 5, जी, पहली मंति, ऋषभ छाता, पाट नं० किं नं० 74, सीटीएन नं० 564, मुलूब (पूर्व), बप्परे-81 में स्थित हैं (और इंतिजाता प्रमुखीं में और पूर्ण रूप ने वर्णा हैं /और ि का तार मा आयान अधिक्षिम 1961 की धारा359 के ते खाड़ अधीन, बच्च स्थित किंदा तारी के वार्य में पिरट्री है। तारीक 1 जनवरी 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपिछ बाधार मृत्य संका के कश्यकान धरितकल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते बहु विकास कर्यने का कारण हूँ कि ग्रंथा पूर्वेक्स संपत्ति का उपित का प्राचित का प्राचित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाद या किसी धन या अन्व बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधान, निम्निजिति का किया, अधीतः :--- को यह सुचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाहिया सुक करता हो।

इक्स संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अवधि वा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन वे 30 दिन की नशीध, वो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राष्यत में प्रकारण की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलकपुर किसी अन्य भ्यादित ब्वारा स्थाहत्ताक्षरी के शव तिवास में किए वा सकता।

जनसर्जी

फ्लैंट नं ● 5, जों, पहली मंदिल, ऋवण छाया, प्रॉट सर्वे नं ० 74, सी० टी० एस० मं • 504, मुलूड(पूर्वे), बम्बर्ड-के न्यात है।

भनुत्वी जैतक कर संर काई-8137-ईई/16076/84व 85 जीत जो भाग प्राधि गरी सम्बाई कांच दिनोट 1-1व 1 1 1985 को एजिस्टर्ड िसा गमा है।

> ए॰ प्रसाद सनम प्रधि । पी सञ्चायक सायक्य, सायुक्त िरीकण) सर्जन रेज-3, सम्सर्थ

िनाब: : 26-8-1985

नोंदुर 🛭

प्रारूप आर्द्दा एन एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

श्वम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई 3/37-ईई/16151/84 85—अतः मुझें; ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पर्नेट नं । 101, जो, पहली मं जिल, ई विंग "एटलांटा", प्लाट नं । 38 ऑफ बालनाय व्हिलें ज, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ई)/ग्रीर जिसका करार नामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरन से इन्हें किसी बाब की बाब्दा , उक्क अपिनियम के वर्धीन कर दोने के श्रान्तुक की वामित्व में कमी करने या उससे बच्चनें में सुविधा के लिए; करि/ना
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य कारिसवाँ का, धिनहें भारतीय आय-कर विधिनवस्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिसी व्वास प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए?

1. मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री एफ० जे० डिसोझा श्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सृथना जारी करके पृशीकत संपत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की ब्रविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिभिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उकत बायकर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अतमधी

फ्लैंट नं ० 101, जो पहली मंजिल, ई विंग, "श्रटलांटा", प्लाट नं ० 38, ऑफ वालनाय व्हिलेंज, मार्वेरोड़; मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई 3/37 ईई/16151/854 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 1 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🏅

प्ररूप आई ्टी. एन. एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई 3/37 ईई/15826/84 85—अत: मुझें, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22 ए. जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत न० 3, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50 बालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनोंक 1 1 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

📳 एंती किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्थिम के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० आर० शहा श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शुक्रों बीड पदा का, वो धनक अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है 35

अनुस्ची

फ्लैंट नं ० 22 ए, जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत नं ० 3, प्लाट नं ० 48, 49 श्रीर 50 ; बालनाय विथ्लेज, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई 3/37 ईई/15826/84 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 1 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, तम्बर्ध

दिनांक: 26-8-1985

सोष्टर 🖫

प्रकव कार्याः द्वीः पुत्रः पुत्रः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नभीन सूचना

प्रारत सरकाड

कार्यानय, सहायक जायकर जायक्त (निर्धासन)

अर्जन रंज3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश स॰ अई 3/37ईई/15771/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), के धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पलॅंट न० 20, जो, 4थी मंजिल, "श्रंकूर इमारत", साईबाबा पार्क, मित चौकी, माला (प), बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ़ें यह विश्वास करने का कारण है कि यथगपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रलिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत-, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कभी करने वा स्वयं बच्चने के सुनिया की लिए। करेर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिपुती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, किया के जिए।

शतः। अव, उक्त व्यिभिनयम की भारा 269-ए की अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, क्षणींत् क्र— मैसर्स अलाड कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

2. श्री अन्थोनी डिमेलो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वालंप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकैंगे।

स्यच्छीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

प्रमुखी

पर्लंट न० 20, जो, 4थीं म जिल, "ग्रंकूर इमारत", साईबाबा पार्क मित चौकी माला (प०) वस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई 3/37 ईई/15771 /84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 3 सम्बई

दिनांक: 26-8-1985

अक्ष आहु दी, पुर, पुर,

1. मैसर्स यू० के० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री बाल्टर डिसोझा।

(अन्तरिती)

भायकार अधितियम् । 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत सुचना

बारक बडकाड

क्षावांसय , सहायक बायकर बायुक्त (१५८)क्रण)

अर्जन रेजित्3 अम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निदण सं० अई 3/37 ईई/15963/84 85---अत/मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3 तहा माला लिओ श्रपार्टमेंटस श्रोलम, मालाीं (प); बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। नारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, हमें बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त निक रूप से किया नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण ने हुन्द किसी आय की बाबत, जक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के बारिक्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या कसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हें आइतीय आयकद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) दे व्यक्षित्र, निम्निलिख्त व्यक्तियों वर्षात् --- को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करहता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन में तम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंदुध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत किंधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

दुकान न० 3, जो, तल माला, लीग्नो अपार्टमेंट्स, श्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15963/84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी बम्ब द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

प्ररूप बाह्ये टी व पुरा पुरा व वक्ता वक्ता विकास

आयकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालम्, सहायक वायकर वायुक्त (निर्धिक्य)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/16089/84-85---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं) की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी०/4, जो, 1ली मंजिल, सी०टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6, श्रिलेज वालनाय, जे० बी० कालोनी, श्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं तारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्धरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना कुरहिए था, छिवाने में सुविधा कहें सिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैससं लुबिन इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. श्री फान्सीस आय० मेनेंझिस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे

स्थव्हींकरण रिक्स प्रयुक्त शब्दों आरु पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्ची

पलेट नं ० सी ०/4, जो, 1ली मंजिल, सी ०टी ०एस० नं ० 397, 397/1 से 6, विलेज वालनाय, जें ० बी ० कालोनी, ग्रोर्लेम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/16089/84-85 स्रों र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3,बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

स्कृत बाह्यं द्वीं पन एस्यान्यान्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के नभीन स्मान

प्रारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 ध्र०स्त, 1985

निर्देश सं० श्रई 3/37-ईई/15946/84-85--श्रत: मुझ ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन स्क्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बक्ति, विश्वका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं संव दुकान नंव 79, जो तल माला, मालाड णापिंग सेंदर, एसव बींव रोड मालाड (प), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाचड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बणित है)।और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कीं धारा. 269 क, ख के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के नायलिय में रजिस्ट्रीं है। तारींख 1 जनवरीं 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से पिक है और अंतरक (अंतरका) और बंवरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नुसिब्त उद्विषय से उस्त अंतरण मिष्टित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैंदै—

- (क) अन्तर्भ से हुई फ़िक्की जाय की बावत, अवत अधिनिय्मु के अधीन कर दोने के जंतरक के बायित्व में कशी करने वा उससे क्ष्में में सुविधा के अवए; और√या
- (क) एवी किसी नाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मुधिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने वें कृषिधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३1. श्री ग्रजींत काक्मल लालघानीं।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पंजाबी रामिकसन सिंग।

(श्रन्तिंगती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वे 45 दिन की मनी या तत्त्वन्यन्थी स्थितियों पर स्वा की तानी व वे 30 दिन की मनी , जो भी बद्धि वह में स्थान्त होती हो, के भीतूर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थानत हुना हुना हुना
- (ब) इस सूचना के द्राज्यन में मुकायन की तारीब से 45 दिन के बीत उनक स्थाय सम्मति में दितनद्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सक्ति।

स्वकाकरण: —इसमें प्रयुक्त कुम्बी जीड पूर्वों का, जो सक्त जींधीनवृत्र के कृश्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं जुर्व होगा जी उस कश्याय में दिवा

अनुसूची

दुकान नं० 79, जो, तल भाला, मालाड शांपिंग सेंटर, एस० वीं० रोड़ मालाड (प), अम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूनी जसाकी कि० सं० ग्राई 3/37-ईई/15946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 3, बस्बई

दनांक: 26-8-1985

मोर्ः

प्ररूप आई.टी.एन एस .-----

आगयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 ध्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्रई 3/37 ईई/16185/84ब B5—-श्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'ज्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं दुकान नं० 3, जो, मिलन भ्रवेग्टिमट, रामचक्ष्र सून, मालाड (प(. बम्बई 69 में स्थित है (और इससे उपायद्ध भ्रनुसूचीं म औय पूण रूप से विणित है)/और जिसका करार नामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 16 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजर्म्द्रीं है तारींख 1 जनवरीं 1985

वा पूर्वोक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में, एमे द्रियमान प्रतिफल का पंदूह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए।

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्हितिक्षट व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीं के० एच० जखारींया और भन्य। (भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० वीं० गोसरानी और श्रन्य। (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिम्बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं० 3, जो, मिलन श्रापार्टमट, रामचन्द्र लेन मालाड (प(, बम्बई 69 में स्थित है

स्रतुसूची जैसाकी किं॰ सं० सई 3/37 ईई/16185/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1.1 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रप्रने रोंज-८, अम्बर्

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें..टी..एन..एस...-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 26 ग्रगस्त, 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 43, जो, लक्ष्मीनारायण प्रापिम सैंटर, पोदार रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं); और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारींख 1 जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरितों (अंतरितयों) की अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आण की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के जिल्ला में कर्जी करने या अनसे वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री मनसुखलाल एच० ग्रजमेरा और ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- 2. कमलेश द्रस्ट ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हुँकान नं० 43, जो, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड (पूर्व), अम्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं धर्इ-3/37-ईई/15587/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3; बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🖞

प्रकष कार्षं .टी . एन . एस . ------

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, तहावक भावकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीत रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० **शर्ध-**3/37-ईई/16109/84-85-+श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के जधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकीं मं दुकान नं 50, जो, प्लाट नं 202, मालाड नटराज मार्केट को-श्राप हाउसिंग मोगायटीं लिं , मालाड (प), वम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त नम्बत्ति के उचित बाझार मून्य ने कम के सम्बन्धन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और ज़ने यह विश्वास करने का कारण है कि वभापबंक्ति सम्बत्ति का उचित बाजार बल्य, उसके स्वकान प्रतिकल ने होने स्वकाल प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात में बाँधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्लिखित उद्वेष्य है उक्त अन्तरण निर्वित में वास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण ने हाड किसी आय की वाबत, उक्त जीवीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरण कें डायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिछ: बीर/धा
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या बस्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आव-कर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उन्ते अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था कियाने में नावा के लिए;

अतः उदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसियन व्यक्तियों, अर्थात् :---- 44-266GI|85

1. श्री श्री० ए० प्रभू।

ग्रन्तरक

2 श्रीं बी० जे० जैन।

(भ्रन्तरितीं)

को यह तुषना चादी करके पृथोंक्त तज्यीत्त के वर्जन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की लबीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पढ़ सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, फो भी जबधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजनत में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिन व द्वारा, अधोक्रम्साकरी के पान लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरणः — इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त क्रीध-मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बुजान नं ० 5ए जो प्लाट नं 202 मालाड नटराज मार्केट को-श्राप होर्जीसर्ग सोमायटी नि मालाड (प) बम्बई-69 में स्थित है।

मनुसूची जैसाकी कि स० म प्रई-3/37 ईई/16109/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रेंज-3 बस्बई

दिनांक : 26-8-1985

त्रस्य बाह्रं. टी. एन. एस. - - - --

बायकार श्रीभीनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत बरकार

कार्वातव, तहायक भाषकर आवृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अस्वर्ध

बम्बई दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रहेर-3/37-157/89/84-85---श्रतः मुझे. ए० प्रसाद

नायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बक्जात 'जनत' जीधीनकम' बद्धा गया है कि धारा 269-च के सभीन तक्षण प्रतिभक्तरी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिन्नक जीवत पाणार सम्पत्ति। विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति। जिन्नक जीवत पाणार सम्पत्ति।

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 405, जो, सुनीता अपाटॅमट, 4थीं मंजिल, एस० वीं० रोड़, सुन्दर नगर के सामने, मालांड (प), बस्बई-69 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं)/और जिसका करारनामा अध्यवर अधिनियम 1961 कीं धारा 269%, ख के अधींन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारींख 1 जनवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाकार मून्य ते क्षम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अम्सरित की नई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यमान्यूकेंचर सम्पर्ति का उचित आसर मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, इसे दश्यमान प्रकाल से अम्बह प्रतिकार से स्थिक है और अंतरक (मंद्रात्वों) और अंतर्वेदारें (अंतरितिमों) के बीध पोसे अंतरण के लिए तय पासा नया प्रति-कल निम्नीनिक्त उद्देश्य से उक्त सम्तरण निक्ति में जास्त्विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :----

- (स) अंतरण से हुए किसी नाम की बाबत्, उबल निभिन्दम के बजीन कर देने को जंतरक के वानित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा वा किया जाना वाहिए वा, क्रियान में स्विधा असे निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं: जब्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं बधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्षात् ---- 1. डा० नितीन जै० मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतीं धिमती प्रवीण मेहता।

(भ्रन्सरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप:---

- (क) इस सूचना के राजयन में प्रकारन की तारीय वें 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागीन से 30 दिन की खबींच, जो भी ज़बींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रकारों में में जिससे व्यक्तित दुवारा;
- (ब) इस क्ष्मना के राजकन में प्रकाशन की बारीब तें 45 दिस के भीवर उथत स्थावर सम्परित में दिया-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशारा अक्षोहस्ताक्षणी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

तस संची

फ्लैंट नं 405, जो, सुनीता श्रपार्टम्ट, 4थीं मंजिल, एस० वीं रोड़, सुन्दर नगर के सामने, मालाड़ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कम सं० श्रई-3/37-ईई/15789/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनों 1-1-1985 को रुजिस्टंडे विधा गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिनांक: 26-8-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सचना

भारत तरकार

कायांसय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15106/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैटनं० 3, जो, डी-2, दीप शिखर को-आप० हाउसिंग सोसायटी जि०, सी/14, मुन्दर नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है)/ स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री ई है नारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका), और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसं अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण विखित में बास्तविक हम न क्रथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; आर्-या
- (ख) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तिकां का, जिन्हें भारतीय लायकर आधिनियम, 1922 (1922 के। 11) के उक्त अधिनियम, धा भन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त कार्य जाती है। अपने में सुविधा

ज्ञात: बच्च, उत्तर जीधीनयम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार: (1) के

को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ;----

को लिए:

1. श्री सुरेश आर० जगनानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गिन्नी वेबी भारत्या श्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत कम्मीता के वर्षन के संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसद्द्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किये जा सकती।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अमुसुची

फ्लेंट नं० की-2/3, दीप शिखर को-आप० हार्जीतम सोसायटी लि०, सी०/4, सुन्दर नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37हईई/15106/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-. 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधि गरो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

वंदन बाह्यं, टी. एवं. एवं. -------

बावकर बॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-न (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, तद्वायक बायकर बावुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई- 3/37-ईई/15914/84त85—अत: मुझे ए० प्रसाद

वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमे इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है). की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, नल माला, एस्पी अपार्टमेंट, लिबर्टी गार्डन कालोनी स्किम नं० 2, क्रास रोड़ नं० 2 प्रीर 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोवत सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के इस्यमान मृत्यस्य से सिए वंतरित की नई है जौर मुखे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिकृत से विधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत , निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बारिकक क्य से किथा नहीं किया गया है है——

- (क), ब्लारण वे हुई किसी बाब की बावत, उच्छ सीधनियम के वधीन कर दोने के बच्छरक के दावित्व में कमी करने ना उद्युख बचने में सुविधा के लिए; सौर/ना
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना नाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

श्रद्धः क्य जन्त विधिनियमः की धारा 269-त के बन्हरक वो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा के बचीय, निज्निविष्ठ व्यक्तियों, वधारि अल्ल 1. श्रीमती मंगला मोहन नायक और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री श्री० जे० हरीया।

(अन्तरिती)

का यह बूचना चादी करके प्याँक्त सम्मिति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बस्मीत्त के वर्षत्र के बस्करभ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन की नगिंध या तत्त्वंभी व्यक्तिवाँ पद सूचना की तात्रील से 30 दिन की नगिंध, वां भी नगिंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थित्यों में से किसी स्थित्त क्षारा:
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीन।

रनकीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिमियम के अध्याय 20 के में परिभाषिक्ष ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसू**ची**ं

दुकान नं ० 2, जो, तल माला, एस्पी आपार्टमें, लि बर्टी गार्डन कालोनी स्किम नं ० 2, कास रोड़ नं ० 2, और 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं अई-3/37-ईई/15914/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिमांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अभ्बई

दनांक: 26-8-1985

प्रारत्व बाह्र . टी. एव . एस . -----

ब्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में वंभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बबर्म्ड बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-3,37-ईई,15768,84-85——अतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पन्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का खारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाबार मन्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में नं आफीस नं 4, जो शुभ लक्ष्मी शार्षिग सेंटर, क्वारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपायद्ध कृतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं)। श्रीर जिसका करारनामा आयन् अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख । जनवरी, 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह बिश्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण किविष् तथ से स्थित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाकित्व में कामी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यी भ, निम्नलिखिक प्रक्तिबों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स स्पान बिल्डर्स और आय।

(अन्तरक)

2. डा० एस० एम० अनार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्दरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकरें।

स्थळके करणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां स्या है।

अनुसूची

आफीस नं 4, जो, गुभ लक्ष्मी शापिग सेंटर, क्वारी रोड़ मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-3/37-ईई/15768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद , सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरोक्षण) अर्जन रोज-2 बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एग. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/15597/84-85—अतः **मुझे** ७० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः नाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, इमारत बीबी, नूतन आयोजन नगर को-आप० हार्जीमग सोसायटी लि०, लिबर्टी गार्डन, म्युनिसिपल कान रोड़ नं० 4, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (प्रीर इससे उपायब अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1 जनवरी 1985

कौ प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीत्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ा. श्री डी० के० अग्रवाल।

(अन्तरक) ·

2. श्री एल० ए० कुडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लट न ० 1, जो, इमारतबीबी, नूतन आयोजन नगर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिबर्टी गार्डन, म्युनिसिपल कास रोड़ नं० 4, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ई-3/37बईई/15597/4 85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंम रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

प्रकल कार्यः री एस स्पृष्ठः स्वयन्तरस्य

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछाः 269-म (1) के सभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं नरें ज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं ० अई-3/37-ईई/15913/84-85—-अतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परणात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,05.000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, तल माला, एस्पी अपार्ट में टस, लिबर्टी, गार्ड ग कालोनी, स्किम नं० 2, क्रास रोड़ नं० 2 श्रीर 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणत हैं)/श्रीर जिसका करारमामा आयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित आकार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुखे यह दिवदास करने का कारण है कि यथाप्कीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल में. एमें द्रयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिचत से विभक है जीर जंतरक (जंतरकों) जीर जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एमें जंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग नहीं वाबत, उनक अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्मरक की बाकित्य में कमी करने वा उससे बचने में नाविका ले जिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कार अध्यानपण 1922 (1922 को 11) या उक्त अध्यानपण या धन-कर लोधीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया थर या किया जाता काहिए का विद्या के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अ, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उन्धार 11) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्री मोहन मनी नायक श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री भएत जे० हरीया श्रींर अन्य।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन क सिक्ट कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति दुवार! अधाहस्ताक्षणी के पास निवित्त में किए या स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्य्**ची**ः

दुकाल नं ० नं ०, जो, तल माला, एस्पी अपार्टमेंट्स, लिबर्टी गार्डन कालोनी, स्किम नं ० 2, कास रोड़ नं ० 2 मौर 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं:

अनुसूची जैसाकी कि०सं० अई-3/37-ईई/15914/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए**० प्रसाध** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

दिमांक: 26-8-1985

मोहरः

31間* , で) 夏子 , 夏奈 , ロー・コン・コー・コーラー・ファ

माथकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

गरत सरकार

कार्यालय सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं ० अई-3/37-ईई/15769/84-85—अतः मुझैं, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उसक बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० आफीस नं० 2, जो, शुभ लक्ष्मी णार्षिग सेंटर, क्यारी रोड़, मालाड (पूर्व), वस्बई में स्थित हैं, श्रौर इससे उपायद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जनवरी, 1985

को प्वेंक्स सम्परित को उचित बाकार म्रस्य में कम के देवसकान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पावा गया प्रति-का निम्नसिवित उच्येष्य से स्वत जन्मरण निकित में बास्तिक स्म से कथित नहीं किया नवा है है——

- (क) अन्तरण तं हुएं किसी साथ की बाबत. तक्त अधिवितम के स्थीन कर दोने के बन्तरक बी शिवत्य में क्सी करने वा उत्तते सचने में सुविधा में निष्; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे. जिल्हों भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रमुट नहीं किता गया था या किया जाना चाहिए था, रिरा ने एं हिना के जिल्हा

अतः अव, अक्त अधितियम, की धारा 269-ग के अनुसर्श वें, में, जंबल अधितियम की बारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निकिस्तित व्यक्तियों, अर्थाल व— 1. श्री स्पान बिल्डर्स ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री डी० के० दोशी श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- इक्स कम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाओए :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हों. के भोतर प्रशांकत व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त व्याराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थाजर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का मर्केंगे।

स्वक्षाकरण: — इसमें प्रयात सन्दों और पदों का, सी उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

आफीस नं० 2, शुभ लक्ष्मी शापिंग सेंटर; क्वारी रोड़ मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-3/37-ईई/45769/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद ाक्षम प्राधिकारी गहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-3, बम्बई

विनांक: 26-8-1985

मोहर 🛭

प्रथम बाइ .टी . एन . एस . -----

बायकर क्रिपेनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

वार्षकर विभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त विभिनित्तम' कहा गता हैं), की धारा 269-च के सभीन इक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, विसका उवित बाबार मूख्य 1,00,000/- क. से विभिक्त हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 37, जो सी० टी० एस० नं० 348, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर,पोदार रोड़ मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करारनामा झायकर मधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, लारीख 1-1-1985

को एजेंक्स सम्पत्ति के उत्पत्त बाबार जूक्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अध्विद्धत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुर्वेक्त तस्पत्ति का उचित बाजार महम, उत्तक द्रव्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह्मेश्रितशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकान निम्मिशिक्त उद्देश्य ते उक्त जंतरण लिक्ति में बालाविक रूप से कीयत नहीं विका गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, अन्य जिन्दीनवन के वर्षीन कर दीने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा नो किए: बीर/या
- (वा) एमी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षित्रियस, य अल्ब्लंड बिजियक्स; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम सन्तरिती खारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया प्राप्ता चाहिए वा. क्यांने में प्रकाश के लिए।

नतः अब. उक्त जिथिनियम की भारा 26%-न के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26%-च की उपधारा (1) के उभीत विकासित व्यक्तियों, व्यक्ति ह— 45—266 GI[85

- (1) उस्मान भ्रब्दुल लितफ श्रीर भ्रन्य।
- (भ्रन्तरक)
- (2) कमरुदीन मोहम्मद हुसेन मददा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कवन क संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की सक्षित्र या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी व्यवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हैं किसी स्थित्र दारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत में प्रकावन की तारीब से 4.5 दिन के जीतर उक्त क्वावर सम्मत्ति में दिवबर किसी श्रम्य क्यक्ति द्वारा, ब्रश्लोहस्तावारी के पात विश्वित में किये जा सकेंगे:

श्यक्तीक्षण्य । → इसमें प्रयुक्त तन्द्री और वर्षो का, जो उत्तर याज-निवम के बद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वड़ी सर्व होवा, वो जस धन्याय में दिवा सवा है।

अनुसूची

दुकान नं० 37, जो, सी०टी० एस० नं० 348, लक्ष्मी-नारायण शापिंग सेंटर, पोद्यार रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/16359े 84-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,बस्बई

दिनाँक : 26-8-1985

मोहर 🕾

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाध्य 269-व री) के वाधीय सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 26 ग्रगस्त 1985

निदेश स॰ प्राई-3/37ईई/16030/84-85--- मतः मुझे ए॰ प्रसाद

कर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके एक्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है", की भारा 269-ए के कर्योग सरक प्रतिभागी को, पह दिल्लाम कर्यों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

भौय जिसकी सं० दुकान न० 9, जो रोलेक्स ध्याटँमेंट, एस० वी० रोड़, मैलाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पर्नोक्त सम्मित के उचित बाबार बृष्य ने कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, असके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के बल्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितियाँ) के बीच एवं अन्तरण के सिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्वोक्त से उक्त अन्तरण विकित में बास्नविक में वास्तिविक रूप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी नाम की बाबता, स्वयत विधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरका के दायित्य में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉए/मा
- (ड) एमे किसी बाय या किसी घन या अन्य आधिकार।
 को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922
 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, टा
 धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 को 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या जिला पान। चलहाए था, छिपाने मो सविधा
 धी निए:

अतः लग, उनत अधिनियम की धारा 269-ग को, जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वी० एस० सराफ और भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) फे॰ डी॰ उपाध्या।

(बन्तरिती)

की वह स्वभा कारी करके पूर्वीक्त सम्मीता से वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरी।

श्विक्षा का:--इसमें प्रयुक्त सन्ता और पदों का, वो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा, को उस अध्याय में विसा गया है।

अन्सूची

दुकान न० 8 जो रोलेक्स श्रपातमेंट एस० वी० रोड़ मालाड (प) बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० श्राई-3/37ईई/16030/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रिजिस्टेड किया गया है 1-1-1985

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
महायक द्याक्यर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजीन रेंज-3 बम्बई

विनौक : 26-8-1985

महेर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3 अम्बर्ध

बम्बई दिनाँक 26 ग्रगस्त 1985

निदेश स॰ श्रई-3/37ईई/16082/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट न० 505 जो इमारत ए/2 माबड श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 505 जो एस/2 इमारत मालाड कोकील को० ग्रांप० हाउसिंग सोशायटी लि० प्लाट नं० 21, ग्रीर 22, एस० वी० रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्राधितयम 1961 की प्थारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्रो है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्नारा प्रकट नेहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीम, निम्नीलीयत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एस० के० मोमीन।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री हरी द्वारकावास चावला भौर भ्रन्य। (भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि बा तत्संबंधी स्थिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्ययम के दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैंट नं० 505, जो एस/2, इमारत मालाङ कोकील को० स्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 21 स्रौर 22, एस० वि० रोड़, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/16082/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनाँक : 26-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 26 ग्रगस्त 1985 निदेश सं० शई-3/37ईई/16287/84-85---- श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफीस प्रिमायसेए नं 125 श्रौर 126, 1ली मंजिल, में लांड नटराज मार्कीट को श्रोप हाउसिंग सोसायटी लिं स्टेशन रोड़ में लांड (प), बस्बई-64 में में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, है, तारीख 1-1-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; जार/बा
- (न) ऐसी किमी काय वा किसी धन या बन्य आस्तियों कि, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिष्ट;

जतः अय, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधीनता है, अर्थात् है— (1) श्री प्रभुदास भिमजी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शुभदा पाँडूरंग खंडारे।

(धन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत अपनितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के, भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा। गया है।

अनुसूची

श्राफीस प्रिमायसेस नं० 125 श्रौर 126, जो० 1ली मंह्जल, मालाड नटराज मार्कीट गको० श्रोप० हाउसिंग सोसयाटी लि०, स्टेशन रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/16287 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमा**ष** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽3, **बस्बई**

दिनौंक : 26-8-1985

माहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भार8 सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 26 अगरू 1985

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/16331/84-85--अत मुले, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके फ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौण जिसकी सं पलैट नं ० 7, जो 3नी पंजि ल, डायस अपार्टमेंटस, प्लाट नं ० 39, फस्टं टैन्क रोड़, डोमिनीक कालोनी,
श्रोलेंम सी० टी० एस० नं ० 129, मत्याड, बम्बंहें में स्थित
है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कि में वर्णित
है) श्रौर जिसका इगरनामा आयक्तर अधिनियम की धारा
1961 की धारा 269 बख के अधीन बम्बंहें स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, निरीख 1-1-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसक दश्यमा। प्रतिफल से, एोमे दश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एमें अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक
रूप से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) बंकरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व नें कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्तिया कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या अधकर अधिनियम, या अधकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्रीमती नेलिया काउटूम श्रीर अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री कमरूहीन इस्माईल बंदअली श्रीर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं मी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबूध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिणें पर लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका। गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 39, जो फ्लैट नं० 7, 3री मंजिल, डायस अपार्टमेंटस, फर्स्ट टैन्क रोड़, डोमिनीक कालोनी, श्रोलेंम, सी० टी० एस० नं० 129, मालाड, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37ईई/16331/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बाई

मा**रीख**: 26**—8—85**

मोहर 🖫

प्रकार हाइ. टी. एन. एव. -----

नामकर निभित्रियः, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बग्बई बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985 निर्देश सं० अई-3/37ईई/15838/84-85-अत : मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाचार श्रूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो तल माला अजीत पार्क-बी॰, सोमावर बजार रोड़, माला (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्वांकित सम्मिति के उचित बाजार मूलय से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को एवं है और मुक्ते यह विक्वाल करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपर्तित कम उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल कम पन्तह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (बंतरकों) जीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रति-फल, निम्निलिशत उद्देश्य से जक्त अन्तरक कि खित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण ते इन्हें किसी आव की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बधीयस्थ में अभी अपने सा उक्क अक स्थान के सुविधा के लिए; और/वा
- (च) घेती किसी जान ना किसी भन या जन्म जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर जीधनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम जन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया नथा भा था किया भाग भाक्षिए था, कियाने में सुविका के लिए;

बतः नय, उक्त वीधीनवन की धारा 269-न के वनुवरक वी., वी., उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की वधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धातः :--- (1) मैंसर्स देशमुख प्रायवेट लिमिटेड,

(अन्सरक)

(2) श्री लक्ष्मण जे० लोके ग्रीर अन्य,

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के सिष् कार्यविहियां करता हु।

उस्त सम्पत्ति को सर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) प्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख बं 4.5 दिन की नगींच या तत्कास्थ्यी व्यक्तिकों पर अचना की नागींच से 30 दिन की नगींच, वो भी जनिथ नात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

पक्तीकरणः — इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गन्त्यो

पलैट नं० 1, जो तलमाना अजीत पार्क-बी०, सोमवार बजार रोड़, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैपाधि क० सं० अई-3/37ईई/15838/ 84-85 और जो सन्नन प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

ता**रीख**: 26—8--1985

प्रकार अरडी, टी. एन एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के बचीब स्चना

मारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्ज न रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई~3/37ईई/15837/84~85──अतः मुझें, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकां उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, अजीत पार्क "ए" सोमबार अजार रोड़ मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इस उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख

1-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बच्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति- कल निम्नीनिश्चित तथ्यक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप के कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) दल्तरण संहुई किसी बास की बाबत, बब्ब क्रीधनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के शामित्व में काबी करने या सससे बचने में सुविधा शामित्व में काबी करने या सससे बचने में सुविधा
- (क) लगी किया आय या किसी भन या नस्य नास्तियाँ न्ने जिल्हों अग्नेस्थ अल्ड-नार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कार निभिनियम, 1957 (1957 का 20) ने प्रयोजनार्थ नसारिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा भा मा किया काल काहिए था कियान में निभान ने विकास की किया

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण जों, पाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थाक ः—

- (1) मैसर्स देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री डी० जेड० अल्वारीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त बम्मीत के वर्षन में संबंध में कोई भी माक्षेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र तें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की सर्वीभ, को भी जनभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में में किसी स्यक्ति दवारा,
- (क) इस स्वाना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी वन्न स्वीकत सुवारा, बभोइस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्त्वी

फ्लैंट नं० 403, जो 4थी मंजिल, अजीत पार्क "ए", सोमबार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/15837 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (ए० प्रसाध) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, बम्बई

तारीख: 26-8-1985

वक्त वार्च हो । एव । एव । ज्यान व्यापन

नावकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

मिर्वेण सं० अई—3/37ईई/15839/84—85—अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधितियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधितियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्मतित, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,90,000/- रु. से निधक है

1,90,000/- रु. सं बिधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो तल माला, अजीत पार्क-बी०, सोमवार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कव के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया ग्री प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित बो वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वायतः, उक्त अधिनियम कं अधीन कर दोन के जन्तरक कं दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविष्ः; के सिए; बौरू/वा
- (बा) एयी किसा नाय या किसी धन या नय नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के जिला;

कतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरण में, में, उक्त सिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के विधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, वर्षीत् क्ष-- (1) मैसर्स देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री विलास महादेव पाटील

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के भर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंबंदर स्यक्तियों में से किसी स्यक्तिस इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए का सकोंगे।

स्माब्दीकरणः --इसमे प्रयासत शक्यों और पर्यों का, वा समस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विशा वश्राही।

जनसंची

पलैट नं० 5, जो तल माला, अजीत पार्क-बी०, सोमदार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं०० अई—3/37ईई/15839/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज–3, बम्बर्ष

तारीख: 26-8-1985

मोहरः :

प्रकम आहं.दी.एन.एत.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकात्र

कार्यालय सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देण सं० अई--3/37ईई/15603/84--85---अनः मुझें, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो रूकैया पेञ्स, सोमवार बजार एन० एन० रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबड अन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गड़ है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पन्यह भिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिस उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबर, उक्त विधिनियम के बधीन कार दोने के जन्तरक वें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में नविधा के लिए; जीर/या
- (का) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

असः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बों, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

46—266 GI|85

(1) मैसर्स करमाली इंटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

(2) श्री मरून आदम खान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

पलैट नं० 405, जो रुकैया पैलेस, सोमवार बजार, एन० एल० रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं। अनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/15603/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक

1-1-1985 को रजिटर्स्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंफ्⊸3, बम्ब**६**

ना**रीख**: 26-8-1985

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, घम्यई
बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/15833/84-85-अत: मुझे, प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- छ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो इमारत नं० 3, तल माला, शिव कीर्ती को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, चिंचोली बंदर रोड़, भालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिपाल से, ऐसे द्वयमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निए तब पामा नमा प्रतिपाल का भिक्तिवित सब्देश्य में उचत वन्तरण विधिक में पार्विक क्या से किया गया है :---

- (का) अन्तरम से दूई किसी आय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविध के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथक अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में भ्रिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री साई० बाबा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री आर० डी० कोटस्थाने (अन्तरिती)

को सह क्ष्मन आहीं करके पूर्वोक्त सम्बद्धि से स्वीन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तक प्रमाति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकरेंगे।

स्थलकरणः -- इसमें प्रमृक्त सन्दों और पश्चें का, को उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिधारिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहा हैं।

जन्सवी

फ्लैट नं० 4, जो इमारत नं० 3, तल माला, शिव किर्ती को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, विकोली बंदर रोड़, भालाड (प), बम्बई-64 ह स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-3/37ईई/15833/84-85 श्रीर जो सक्षम पाक्षितारी बम्बई हारा सिनांत 1-1-1985 को रिजस्टर्ड तिया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेंज-3, बम्बई

तारीख: 26-8-85

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/15831/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 6, जो 1ली मंजिल, इमारत न० 3, बी-विंग, किंव किर्ती कोत्आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सर्वे नं० 397, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क,ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985,

को पृत्रंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से के थिए तस्री किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री साई बाबा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्रीमती फान्सीसका डिपेन्हा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क हों परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

पलैंट नं० 6, जो 1ली मंजिल, इमारत नं० 3, बी-विं० शिव किर्ती को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सर्वे नं० 397, चिचोली बंदर रोड मालाड (प), बम्बई-64 स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/15831/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 26-8-1985

प्रारूप बार् . टी . एन . एस . ------

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की कं धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यांसन, सहावक नामकर नाव्यस (विरोक्तण)

अर्ज न रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई--3/37ईई/15828/84--85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यक्षिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृशींकत संपत्ति का उचित भाषार मृस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी०-54, जो 5वीं मंजिल मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 47, 49, 50 विलेज वालनाय, मालाड (प) बम्बई-64 हु स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसके करारनामा आयकर अधिनियम, की धार 269, क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से बिथक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वृत्किक, निम्नावित अनुविकां से अक्त बन्दरक जिल्कि में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वं हुई कियी बाग की पान्स्, बन्ध विमृतिन्त के अभीत कर दोने के बन्तरक के खाँकिए में कभी करने या उन्नवं वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (य) श्रेती किसी बाय या किसी वन वा अभ्य बास्तिकों को पिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा से किया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स भनाली कापोरिशन

(अन्तरक)

(2) डाँ० दिमशा आदी ाटेरवाला ग्रीर अन्य (अन्तरिती)

को यह शूजना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियों के करता हुं।

इक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाष्ट्रीय :----

- (क) इस सूचना के राषपूत्र में प्रकातन की तारीच सं
 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की सविध, जो भी
 सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किशी अन्य व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास सिकित में किए वा सकोंने।

स्पर्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्बां बार्ड पदां का, जो उनके निधीनयम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं व्यक्तिया औं उस सभ्याय में डिक्क न्या हैं।

घनुसूची

प्लैट नं० सी०-54 जो 5वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49, 50 विलेज बालन(य, मालाड (प), बम्बई-64 हु स्थित ई),

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/15828/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

नारीख: 26-8-1985

मोहर

प्रकृप बाइं.दी.एन.एत.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 अगस्न, 1985

मिर्देश सं० अई-3/37ईई/15829/84-85 अतः मुझे ए**० प्र**साद,

कारककर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-63, जो 6ठी मंजिल, मनाली इमारत, नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 ग्राँर 50, बालनाय विहलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्राँर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप विणित है) ग्राँर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

को पूर्वीकल सम्पत्ति के उचित बाबाद मूल्य से कन के स्वमान मितिकास के लिए अन्तरित की गई है जोर मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और बंतरिती (अंतरितियों) से बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उनत अन्तरण कि बित भे वास्तीवक कुप स कि भत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण स हुइ फिसी आय की शबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवसे में श्रीविधा के निए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा खीसए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत: निम्नीलिखित स्थितियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. इंदिरा थाम्पी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह तुमना जारी करके पृत्रोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों हर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और जविध बाद में समाप्त होती हो, ते बीतर प्रकेंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा:
- (क) इस स्कान के राजपत्र में पकाशन की तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के पास लिथित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विमा

अन्सची

फ्लैट नं० ए-63, जो 6ठी मंजिल, मनाली इमारतनं० 4; फ्लाट नं० 48, 49 ग्रींग 50 वालनाय व्हिलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-3/37ईई/15829/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनां क 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

सोहर :

प्रकृष बार्ड . टर्ड . एव . एत . ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नधीन स्वन।

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभरोंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिमांक 26 अगस्त, 1985 निर्देश सं० आई-3/37ईई/15842/84-85 अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 404, जो 4 थी मंजिल, सी-विंग, ''अंटलांटा'', प्लॉट नं ० 38, व्हिलोज वालनाय, मार्वे रोड, मालाड (प०), अम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इस जपावड अनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से विंगत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक क दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अरा: अब, उन्त जिमिनयम की भारा 269-न के अनुसरक भों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्मिनियस व्यक्तियों, अधीत :— 1. आर० जी० बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फलोरीन पिटो।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, जो 4थी मंजिल, सी-विंग, "ॲटलांटा',' फ्लॉट नं० 38, व्हिलेज, वालनाय, मार्वे रोड, मालाङ (प०), बम्बईत64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/15842/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक 26-8-1985 मोहर: ए० प्रसाद,

प्रक्रम माइ. टी. एन. एस.-----

- (.... - - ...) ---

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बभीन स्**च**ना

भारत संरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जं मरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985 निर्वेश मं० अई-3/37ईई/15827/8485—अत:, मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 71 श्रीर 72 जो 7 वी मंजिल, मनाली, इमारत, नं० 5, प्लॉट नं० 48, 49 श्रीर 50, व्हिलेज वालमाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते 4ह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा नया प्रतिफल, निस्नितियाँ उद्वेदय से उद्देत अन्तरण जिला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नशे हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दावित्य में कर्मी करने या उससे अथने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

बतः अषा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गो की उपधारा (९९) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति 1. मैसर्स मनाली कार्पोरेणन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गितादेवी आर० बजाज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी कार्क्ष :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिन्दब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास लिक्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टिभेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त कायकर सिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया

अमृसूची

फ्लैट नं० 71 श्रौर 72 जो 7 वी मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, प्लाट नं० 48, 49 श्रौर 50, व्हिलेंज, वालनाय मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-3/37ईई/15827/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

दिनांक 26-8-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 7 अगस्त, 1985 निर्देश सं० अर्ड-3/37र्ष्ड/15603/84-85-अत:, मुझे, ए॰ प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त 'धिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पलैट नं० बी० 407 रूकंजा पलेंस, सोमवार सार, वाम्बे, टाकीज कम्पाउन्ड, के पीछे, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 1--1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और मृझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—>

- (क) अन्तरण में हाई कियी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुनरण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--े पेधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् к--- 1. मैसर्स करमाली इंटरप्राइज

(अन्तरक)

2. मैसर्स काद्री द्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध भें कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

धनुसूची

प्लैंकट मं० बी/407, जो रूकजा पक्षेंस, सोनवार बाजार, बाम्बे, टाकीज कम्पाउम्ड, के पीछें, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-35/37ईई/15603'84-86 और जो सक्षम प्राधाकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सहायक अध्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 26-8-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 धगस्त 1985

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई०/15747/84-85--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,900/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं11, तथा जो तल मालर हेमल श्रपटंमेंट, प्लाट नं० 18 41, नं० 85/5, 96/61, बिलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसले उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसक करारतामा श्राय हर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1-1-1985

को प्रॉक्त सम्परित के उचित शाजार मृस्य से कम के ध्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकाल निम्निसिक्त उनुविध्य से उच्य बन्तरण लिखित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाम की वावत डक्त निध-निवत के नधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — 47—266 GI 85

(1) मैंसर्म हेमल इन्टरप्राइजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्द वामण पांडे।

(ग्रन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्या हैं।

*अ*म्स्**ची**

फ्लैंट नं० 11, जो तल माला, हेमल श्रपार्ट मेंट प्लाट नं० 18, नं० 85/5, 96/1, बिलेज मालवनंi, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय∶र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बस्बई

तार्ंख : 26-8-1985

मोहर

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. -----

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संभीत स्थान

नारत चरकार कार्याजय, सहायक नायकर मानुक्त (निर्दाक्त)

म्नर्जनं रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 म्नगस्त 1985

निवेश सं० श्रार्६०-3/37 ईई०/16027/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नावकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नतः निधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्रापिकारी को यह विद्यास कारने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० पर्नेट नं० 301 है तथा जो बलाई-राम 30 प्लाटनं० 9, 10, 11 ह्वलेज वालनाय, मार्थे रोड के सामने, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (स्रोर इन्हें उपावड़ सनुसूर्वा में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के स्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है तार ख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरफ (अंतरकार्ते) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया शितफल, निम्निलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तिकक रूप से किया वहा है ?—

- ्रेंक) अध्यारण संशुद्ध किसी शाय भी वाबसा, उक्ष्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के दायित्स मो कमी करने में उससे बबने में सुविधी के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीचनार्थ जन्तरिती बुजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था. छिनासे में प्रतिस्त के जिए;

क्य: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण त्रे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्ष्नीलिखत व्यक्तियों, वर्षात्:—- (1) भौसर्सं ग्रानिता इन्टरप्राइजेस ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्रीटीं० के० कोशी।

(ग्रन्तरितः)

को यह सुखना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के छाजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की जनिथ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्तित ह्वारा नभोहस्ताक्षरी के शक निश्चित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभाव 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुगा है।

वनस्थी

प्लाट नं अा है तथा जो वाल-ई-राम 3, प्लाट नं 9,10,11 विलेज वालनाथ, मार्वे रोड, के सामने, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित हैं।

ग्रनुसूचः जसा ि क्रम सं० ग्राई०--3/37ईई०/16027/84--85 ग्राँर जो सक्षम प्राधि हारः, बम्बई द्वारा दिनां क 1--1--1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ण्० प्रताद सक्षम प्राधि हारो सहाय हे आयकर आयुक्त निरोक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई

सारीखा : 26-8-1985

म्बन् वार्यं, टी. एम., एव. -

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाच 269-व (1) के मभीन सूचना

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 26 भ्रगस्तः 1985

निदेश सं० ऋदि०--3/37 ईई०/15841/84--85----श्रतः मुर्गे, ए० प्रसाद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके परवात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य,

1,00,000/- रहः से अधिक हैं
और जिसको सं० पलैट नं० 402 है सथा जो 4था मंजिल,
सो विंग, 'श्रंटलांटा', प्लाट ० 38, श्राफ़ वालनाय विलेख,
मार्थे रोष्ठ, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है श्रांर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रांर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रांर जिसका
करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 दख
के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में
रिजस्ट्रों है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उच्चित्र बाजार मूल्य से क्रम के द्रश्यमान शिक्षक के लिए अन्तरित के गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय राया गया प्रतिक्षा किन निम्निलिखित उद्योग्य से उच्चत अन्तरण सिचित में बास्तविक इप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुर्द्र किसी बाय की शबत, बक्त विधिनियम के अधीन कर दोनें के बन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे वचने में सुविधा के निष्; बीर/मा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या कम्य ब्रास्टियां को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पिनियम, 1957 (1957 को 27) के ार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया क्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा चे सिए;

बतः वया, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण माँ, माँ उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) वे क्योर, जिस्तिलियन व्यक्तियों अधारि :- (1) श्रा श्रार० डा० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एडवर्ड ए० लेविस ।

(मन्तरितः)

का शृह सूचना जारी कार्यके पृथीकर संपत्ति भी अर्चन के जिल् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—
(क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना
की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त

व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्ब्सीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र ही, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा िया नया ही।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 402 है तथा जो बौथों नंजिल, सी विंग, श्रटलांटा, प्लाट नं० 38, ाफ़ वालनाय विलेजमर्वे रोड, मालाड (प) बम्झई--64 स्थित है।

प्रमुखा जैसा कि कम सं० आई०-37/33०/15841/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा विनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिशारी सहाय ह ग्राय हर ग्रायुक्तं निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

मारोख: 26--8-1985

मोहर १

प्रश्त बार्च .टी . **१न . एव** . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-3, म्बई बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० म्राई०--3/37 **ईई०**/15834/84--85---**म**तः मुझे, ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 7 है तथा जो पहली मंजिल, इमारत नं० 3, बी विग, हरवित्ती की ग्रापरेटिट सोराहटं लिं०, विचोली वन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करायनामा श्रायर ग श्रिकिएस, 1961 की धारा 269 के खे श्रेशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीका हायलिय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

आधिकार के कथिल में राजस्ट्रा ह तार खा 1-1-1985 को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से मिश्रफ है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया नया प्रतिकृत का निम्नलिबित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण शिबित में बाक्तिकृत का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से सुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/अ
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भामकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त भिवित्यम, या अन्य कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती धूबारा प्रकट नहीं किला गया था या किया बाता खालिए चर कियाने सुक्ता के निरु

बतः जब, उक्त बधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चैंजधीन, निम्नीसिंबत व्यक्तियों, जभारेत हुन्य

- (1) श्रं। साईबाबा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रामती बाईड मल्मोड़ा । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्ष सूचना की तात्रील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिस गया है।

मनुसुची

पलैट नं० 7 है तथा जो गहलां मंजिल, इमारत नं० 3, बो विंग, शिविंगती को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, विचोली बन्दर रोड, मिलाड (प); बम्बई-64 में स्थित है । अनुसूजी जैसा कम सं० आई०-3/37 ईई०/1583/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यह अग्यहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 26-8-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर : १५ निमम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ के बधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, रहायक आयकर आयवत (निरीक्षण) अजुन रेंज~3, बम्बई

बमबर्ड, दिनां र 26 अगस्त 1985

निर्देश सं० म्रई--3/37 ईई०,15832,84--85---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनि:स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उपला अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/ १. तं अधिक ए

और जिसकी संव फ्लेट नंव 10 है तथा जो दू री मंजिल, इमारत नंव 1, ए विंग, शिविति की धापरेटिय हाउनिंग सोसाइटी लिव, चिंचोली बगार रोड, माल्डा (प), बम्बई-64 में स्थित है (और उससे उपावड अनुसूर्या में और पूर्ण हम से धाणत है), और जिस । धरारतामा धायनर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रजिस्टी है तारींख 1-1-1985

को पूर्वे कित सम्प्रीत के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए कत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों केत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दह मान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निति खित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिंश में बास्तिक हम में ग्रां का नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर गीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसंसत व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्री ाईपाबा बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटड । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एच० एस० लोटलीकर और ग्रन्य (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्मा के रप्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त रादों और पदौ का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूर्व*।*

पलैट नं 10 है तथा जो दूसरी मंशिक, इमारत नं 1. एपिंग, शिविति को-श्रापरिटिच हाउलिंग सोशाइटी लिं, चिचेली बन्दर रोड, मानाड (प), शब्बई-64 में स्थित है।

भनुसूबी जैमा ि अम सं० अई--3/37ईई०/15832/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांवा 1-1--1985 को परिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्राद सक्षम प्राधिकारी र सहाय र ब्राय धर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्सई

तारीख : 26-8-1985

इक्ट् बाइं. टी. एव. एड.------

भागकर गाँभगियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रेभीन स्थाना

बारत सहस्रार

कार्बासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, अम्बर्फ

बम्बई, दिनांक 26 धनस्त 1985

निदेश सं० म्रई०-3/37 ईई०/16153/84-85--मतः मुस्ते, ए० प्रकाद

बावकर की पिनियम, 1961 (1961 का 43) विके इसके इसके परवात 'उक्त की पीनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बावार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं प्रलंदनं व बी-15, जो, 1ली मंजिल,, इसारतनं व 4, प्लादनं व 48, 49 और 50, पालनाय व्हिलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसला रागरतामा भाष पर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, रू के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारों के नायां स्था में रजीस्ट्री हैं तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल के पर्देश क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रश्च का स्वाप्त से बिथक है और जन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एमें जन्तरण के लिए तब पाया गया शितफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित व एसस्तिबक्त क्ष्य से कांचर करने जन्तरण सिवित व एस्तिबक्त क्ष्य से कांचर करने जन्तरण सिवित

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के अधिरत में कमी करने या उससे अवने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन वा बन्य वास्तियों की, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 १९92 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स मनाली जारपोरेणन ।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रदीप हेमराजानी ।

(ग्रन्तिन्ती)

की यह सूचना बारी करको पूर्वोक्स सम्परित के कर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

वनत सपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस श्रृंबना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्था की तामील से 30 दिन की जबिभ, वां भी बस्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा वभं इस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकाम।

स्पष्टिकेकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पद्यों का, या उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होता, वो उस अध्याय में दिवा गवा ही।

वर्त्या

फ्लैट नं० बी-15, जो, ाली मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 और 50, वालनाय व्हिलेज. मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूबी जैमा कि कम सं० श्रई-3/37-ईई/16153/84-85 और जो सक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड वियागया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी म**हाय**क ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**ांच** रेंज→3, बम्बई

सारीख : 26--8-1985

महरः

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

व्ययकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के मधीन स्वता

भारत सहस्रह

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-- 3, बम्बई

बम्बई, दिनां ' 26 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई०-3/37 ईई/15112/84-85-भतः मझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269- थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक 🐉

और जिसकी सं० दुवान नं० 10 तथा जो तल माला ''ग्रटलौटा'', बी०-विंग, प्लाट नं० 38, धिलेज वालबाय, मार्वे रोड, भारतड (प), बम्बई-164 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्षित है), और जिस्हा क्रारनामा आयन्य अधिनियम, 1961 की धारा 269, ए.स् के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के बार्यालय में रजिस्द्री है तारीखा 1-1-1985

को पूर्वोदरा सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मूल्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिश्वर्यों) के बीच एसे अन्तरक के जिए सब साया जना प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरण लिखिड शस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया 🗗 :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अगस्तियाँ को, जिल्हा भारतीय अध्यक्तर अधितियम, १९२० (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, बा पम-कर वरिभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/गा

बत्त: वय, उक्त बांधनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भ्राप्त जीव जिल्डमी प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्त्रक्)

(2) श्री प्रेम जेथानन्द महानी और भ्रन्य ।

(अन्सभिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ और पद्यों का, जो उक्त **मधिनियम के अ**भ्याय १(१-क में कार तासर है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में थवा है।

अभुसूचा

दुान नं० 10 तथा जो तल माला, 'श्रद्रलादा" बी-विम, प्लाट नं० 38, विलेज वालनाय, मार्वे रोड, मालाइ (प), बम्बई-164 में स्थित है।

बनुसूची जैसा िः कम सं० काई०--3/37 ईई०/15112/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांकः 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधितारी महासक भागकर भागकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज - 3, बस्बई

तारी**क** 26~8~1985

मोहर 🏃

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

(1) मसर्स एस० एच० **बद**र्स।

(মান্ডাম্ড)

(2) म सं श्री इन्टरप्राइजस ।

(ग्रन्तिरतीं)

आयकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज--3, बम्बई बम्बइ, दिनांः 30 भ्रापः 1085

निदेश सं० श्राई०--3/37 ईई/15700/84-85-—श्रतः मुझ, ए० प्रसाद

बारकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1.00,000/- उ. सं अधिक हैं

और जिसकी संव दुंगन नंव 6 शतथा जो तल माला, श्रन्नपूर्णा निवासी माला (प), अम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाधन श्रमुर्खा में और पूर्ण कप से बिंगत है (, और जिसका रूगरनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा दख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारों के वार्यालय में रिष्ट्रिं है तारीख 1-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय यामा गया प्रतिफल निम्मलिखित स्वृद्धिय से स्वत कन्तरण लिखित में वास्टिखक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुंद्र किसी आय की बाबत, उक्त प्रीधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी माधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सुधना को राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

अनुस्**ची**

दुजान नं० नं० 6 है तथा तल माला, श्रन्नपूर्णा निवास, मालाङ (प), बम्बई--69 में स्थित है ।

श्रनुसूची जना ि कम मं० श्राई०-3/37ईई/15700/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारीं, बम्बई द्वारा दिलांक 1--1--1985 को रिजस्टर्ड वियागमा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिद∷रीं सहासक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-3, बस्बई

करत अ.स. उक्त अभिनियम की भारा 260-घ के अनुसरण व. मैं अन्त अधिनियम की भारा 269-**घ की उपभारा (1)** के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अधीत्:—

तारींख 30-8-1985

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

(1) मेससं एम० एन० श्रदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स रोमान्का इन्टरप्राइजेस।

(अन्तिंगतीं)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई०/3/37 ईई०/15701 84-85---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निष्टान कर्ण का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 है तथा जो तल माला अन्नपूर्णा निवास मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर है के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1~1~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी काम की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिस्तुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अलिसिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता वाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

भतः अवः, उक्तं सीधीनयम का भारा 269-गं के अनुसरण भाँ, माँ, उक्तं अधिनयम की धारा 269-भं की उपधारा (1) जो अधित शिक्तिक लिक्तिकाँ, सर्वात हिन्स 48—266 GI[85 को बहु स्थान पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष निवित्त में किए या नकींगे।

स्यक्तिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शन्यों और वर्षों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में सभा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख्य

दुकान नं० 3 जो तल माला, श्रन्नपूर्णी निवास, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० ध्रक्ष-3/37 ईईई /15701 84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 30~8-1985 **गोहर**ः प्ररूप आई. टी. एन, एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 30 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० भ्रहेज ·3/37 हैहें/15869/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 12 है तथा जो दूसरी मंजिल बी खिरा रानी सती नगर, ही ब्लास, एस० वी० रोड, मालाड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ध्रायनर प्रिधिन नियम, 1961 की धारा 269 के ख के भधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए कलरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उज्रबंध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्स निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के , लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्टलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मेनर्स मिश ट्रेडिंग कारपोरेमन ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी मंजू पहारिया।

(भ्रन्तरिती)

को . यह तृष्या अ।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनस जिधित्यमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, है 2रीं मंजिल, बींचिंग, रानी सती नगर, डी ब्लॉक, एस० बीं० रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा वि कम सं० अई०-3/37-ईई०/15869/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 30-8-1985

प्ररूप बाही, टी. एन. एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासया, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 30 श्रगस्तः 1985

निदेण सं० श्रई०-3/37-ईई/16150/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अ(ि) को गं० दुंतन नं० 12 है तथा जो तन माला, विग ए/4, हाईवे व्यू. मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित, है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आदक्ष अधिनिथम, 1961 की धारा 269 क कि अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्या ट्री है तारीखा 1-1-1985

को प्वांक्स संपत्ति के उण्यक्ष बाजार मृत्य से कम के अवसान प्रितिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रिकल से, एसे दश्यमान प्रितिकल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उज्वेष्य से उन्तर जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरकुषं हुई किन्दी बाव की बावब, उक्त बिधिनियम के अभीच कर दोने के बन्धरक के दामित्व में कमी करने या उत्तरं बचन में सुविधा कालए; अरि/धा
- (क) एम किसी आय या जिसी धन था अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-बद अधिनियम, 1957 (1957 की 2/) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अत्र , सकत क्रिधिनियम की धारा २६९-ग के करमरण में में सकत सिधिनियम की धारा २६९-श की ज्यमारा (1) में अधीर निम्मिलिकत व्यक्तियों, क्रार्थांत ---

- (1) मे सर्स अग्रवाल कन्स्ट्रक्णन्स कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सन्तोष बैन एल० पाला और अन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उभक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, भी भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इत बूजना के राजपत्र में प्रकावन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ं। किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं 12, तल माला जो ए/4, हाई वे ध्यू, मालाड (पूर्व), बम्बई—64 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3,37 ईई/16150, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बाग दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, बम्बर्ध

तारीख: 30-8-1985

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 30 श्रगस्त 1985

निवेश सं० अई०--3/37 ईई/15654/84-85--धतः मुसे, ए० प्रसाद

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव एफ, 3, जो मालांड निलान्ट को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिव, पहली मंजिल, व्हिलेज बालनाय, रामचन्द्र एक्सटेशन लेत, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिन्हा करारनामा श्रायवर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रुचिस्टी है तारीख 1-1-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए कृतिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ज्या एन० मेघनानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) नवाब वाई० एन० प्रालम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहाँ अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैंट नं० एफ/3. जो, 1 मंजिल, मालाङ निलकाठ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटीं लिमिटेड, हिब्लेज वालनाय, राम बंद्र लेन (एक्सटेंशन), मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कम सं० अई०-3/37 ईई/15654/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 30-8-1965

য়কৰ আহ[া]ত্ৰ তীত্ৰ হৰত মুখ্য চলন্দ্ৰভাগত

भावभार वाधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाड़ा 269-म (1) के वधीन सूचमा

'क्रवांचन , बहानक नावक'र नानुक्त (विक्रीक्**य**)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 धगस्त 1985

निदेश सं० म्राई०-3/37 ईई/15847/84-85--म्प्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

भावकार अधिनिम्ब्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रकार (अक्ट अधिनिम्ब) कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन दक्षम् प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि जिसका अधिक वाचार मृत्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० श्राई/12 जो नीलकन्ठ एवर शाईन नगर, मालाड (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्क संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के **पर्यमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे बह निश्वास करने का कारण है कि यथापूबीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाक्त, उक्त विभिन्नम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दासिस्द में कमी करन या उससे वधने में सुध्यभः के किए; बौर/या
- (थ) रानी किसी बाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा चै सिक्ट:

नतः भव, उन्त सीपनियम की भारा 269-ग के बन्सरण बे, में. उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उरभारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुशील कुमार इम्बानाथ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रेमोल्ड एल० फेरराव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कीर्य भी जाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की सबिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति ध्वारा.
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य स्थावित इतारा अधोहस्ताक्षरों के पाक्ष लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्वाचीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा हैं।

अमुसूची

फ्लैंट नं० भ्राई०/22, जो नीलकन्ठ एवर शाईन नगर, मालाङ (प), बम्बई-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि क्रम सं० श्राई०-37 ईई/15847/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 30-8-1985

प्रकृत वार्षः, द्वीः पूर् . पृषः

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सूच्या

बाह्य बरकार

कार्यासय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० धाई०-3/37 ईई/16026/84-85—-म्रतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत निधिननम' नहां गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्धति, विस्का उचित्र वाकार भूका 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैं टनं० बी/502, जों 5वीं मंजिल, ला-चम्पेल, प्लाट नं० 51, विलेज वालनाय, ग्राफ मार्वे रीड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है तारीख 1-1-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार बृश्व के का के स्थवात प्रतिफल के तिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत ताजार मृन्य उसके स्थ्यमान प्रतिक्ष्य ते, एसे स्थममान प्रतिक्षत का धन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बन्दारकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एंडो अम्परण के जिए तय बाबा गमा इतिक्ष्य विश्वितियाद स्वार्टिश से उसक बंतरण सिवित ने वाक्ष्यक कर ते सीचक सूत्री किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुए किसी नाव की दावता, उपत मधिनियम के संधीन कर दोने के बृग्तरक के दानित्य में कमी करने या उसके अपने में सुविधा के तिक; मीत्र/मा
- (च) एंसी किसी नाम वा किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्ही भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर वीधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया। वाला चाहिए जा किया वे स्थिता से किस;

नत्त क्व अक्त किनियम की गए। 269-न के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसियत व्यक्तियों, सर्थात् ड--- (1) कुमारी विमला थन्वरदास नैनानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खिस्तोफर एस० डब्ल्यू० मायकेल परेरा भ्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

क्क कुम्बरित के कर्चन के कुम्बरभ के कोई भी बाक्षण :---

- (क) इंच सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अगींथ या तत्संबंधी अयिकतयों पर सूचना की दानील वे 30 दिन की अगींथ, को जी सदिथ नाथ में तनाय्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (ज) इस बुक्ता के राज्यका में प्रकारत की सारीध से 45 दिन के धीरार उपत स्थावर सम्मत्ति में हित-वर्ष किसी नन्य न्यतित द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के रास निकित में किस का सकीचे।

स्थानीक रणः ----इसमे प्रमुक्त क्षम्याँ और पर्दोका, वा उपस् जीभीनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस्त अध्यार से दियश गया हैं।

नगुस्ची

प्लैट नं० बी/502, जो 5वीं मंजिल, ला-चम्पेल, प्लाट नं० 51. विलेज वालनाय ग्राफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-3/37 ईई०/16026/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बस्बई

तारीख: 26-8-1985

मोहर 🗵

हरूप बाईू टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के क्यीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश मं० स्राई०-3/37 ईई /15840/84-85---भ्रतः . कर्षे १०११

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 402 है तथा जो चौथी मंजिल, श्रजीत पार्क, ए, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०)बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रौर जिसका करारनाँमा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 268 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के उत्तयमान प्रतिकल को लिए जंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसको उद्यमान प्रतिकल से, ऐसे उत्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एंचे अन्तर्क के सिए तब्धाना च्या प्रतिकल, भिन्निकासित उद्योग से उसत जन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बना है क्षान्त

- (कः) जन्तरण संहुई किसी आव की बाबत उक्त आधि-विश्वभ के अभीन कर दीने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने वा उसके वचने में बृविधा के सिशे; और/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, बिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अँ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे शिए:

क्षष्ट: वय, उक्त विधिनियम, की पारा 269-व व व्यवस्था मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीनः, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष-

- (1) मैं ० देशमुख बिल्डर्सप्रायवेट लिमिटेड ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) थी रामनाथ मुबरे पालेकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपहित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिंग या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किएंगी व्यक्ति इशारा;
- (च) इस त्वना के राजपण में प्रकासन को तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध फिसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा करेंगे।

स्वच्छीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नगुसूची

प्लैंट नं० 402 जो 4थी मंजिल, ध्रजीत पार्क-ए, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-3/37 ईई०/15840/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

तारीख: 26-8-1985

मोहर 🖫

अरूप आहे. टी एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ्रधाश २६७-घ (1) के अधीन स्चना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 भ्रगस्त 1985

मुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनिक्म' सन्हा गया है।, की धारा 269-ल के जभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रंत. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० द्रकान नं० 2 है जो तल माला, पारस राम पूरिया चेम्बर्स, 348, श्रानन्द रोड, मालाड प), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्तिण है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के ख के ब्राधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को जिन्त बाजार शृह्य से कम को बहबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुरुय, उसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का वन्द्रहंप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उनत जन्तरण सिचित में बास्तविक अप से अधित नहीं किया वया है :---

- (क) अन्तरण भ हुए किसी भाग की बाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक अने दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नौर∕वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिविज्ञान, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित् व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) निर्माण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीबी० ए० केन्नी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवा**हियां करता ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां सुचनाकी ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नमा है।

ग्रनुस्ची

दुकान नं० 2 है जो तल माला, परसरामपूरिया चेम्बर्स, 348, ग्रानन्त रोड, मालाड (प), बम्बई-97 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-3/37 ईई/16255 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) थ्रर्जन रेंज-3, अम्बई

तारीख : 30-8-1985

मोहर 🖟

प्रकम नाइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रगस्त, 1985

सं ॰ श्रई-3/37ईई/15604/84-85:--श्रत मुझे, ए.० प्रसाद,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाक 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाधार भ्रूप 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 202, जो, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 2री मंजिल, सर्वे नं० 428/1, पूत्रक्खकर वाडी, विच बन्धर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम 1961 की धारा 268 कला के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्रवेंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नकि चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं शुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी अब का किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए।

नतः जवा, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, अनत निधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत निध्नतिक्षित व्यक्तियों अधीत — 49—266 GI 85

1. श्री घिरजलाल बीउ पटेल ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० एम० शहा

(श्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृथानित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी मदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में में कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा अधीर

स्पक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मां परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

यूनिट नं० 202, जो, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 2री मंजिल, सर्वे० नं० 428/1, पूर्वरूखकर वाङ्ज, विज बन्दर मालाङ (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क संब श्रई-3/37ईई/15604/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय : श्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, बस्बई

विनौंक: 30-8-1985

प्रकप बाइं.टी.एव.एस.-----

1. श्री रमेश प्रसाद पाण्डे।

(ग्रन्तरक)

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सचना 2. श्री पाले काँडा एम० मेडप्पा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायक्त (निराक्तिक)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 ग्रगस्त, 1985

सं० ग्रई-37ईई/16092/84-85:---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तंपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 401—सी, जो, 4 थीं मंजिल, प्लाट नं० 51, वालनाथ विलेज, नार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधि नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985।

को पूर्वोक्त संपित्त के उनित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इंबे क्ष्यबान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निक्नसिवित उब्देश्य में उनत अन्तरण सिवितों में गालविक स्था में कथित नहीं किया नवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बार्बस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दीम के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा अजिला; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मै, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कं अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :— को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कीई थी जाओप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत में प्रकाशन की रारीच की 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में व्रितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए का सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैंट नं० 401 सो० जो 4थीं मंजिल, प्लाट नं० 51, बालनाय विलेज, मार्वे रंडि, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट-4/37-दिद्दं/13974/84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बस्ब**र्ड**

दनाँक: 30-8-1985

ं मोहर 🖫

प्रकर् वार्च .टी.एन्.एव .

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

बारत बरकाइ

कार्यासय, सङ्घयक बायकर बाबुक्त (विश्वीक्षण)

ध्रजेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/16187/84-85---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतसें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं । से 3, जो, 1ली मजिल, केडिया चेम्बूर्स, कस्तूरबा रोड, एम० बाँ रोड, पूलिस स्टेशन के सामने, मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985।

को। पूर्वोक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एंसे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिकृत से बिक्त है और बन्तरक (बन्तरका) कर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा यका प्रतिकृत, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित्त को बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी अब की धावत, उक्त वीधिविध्य के अधीन कर दोने के अन्तरक अ विदिश्य में कभी करने या उससे अधने में स्विध्य के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कुअधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० निर्मल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- 2. रेनू एस० रूईया श्रीर श्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्तर सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध को कोई भी बार्क्स हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकावन का तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्थाय मधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्मार्थाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमित्यम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस नध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

फ्लैट नं० 1 से 3, जो, पहला मंजिल, केडिया विम्बूर्स, कस्तूरबा रोड, ए५० व.० रोड, पोलीस स्टेपन के सामने, मालाड (प०), यस्बई–97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कि के सं श्रई-4/37—ईई/163187/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1—12—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राप्ति हारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 26-8-1985

प्ररूप आहें.टो.एन ःहस . -----

आयग्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अधीन स्थान

भारत मरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 2,6 सगस्त, 1985 सं० स्रई-3/37ईई/15900/84-85:--स्रह मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्व स करने का कारण है कि सन्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक हैं

1,00,000/- रह. से अधिक है **ग्रौर** जिस्की संख्या ग्रौधोगिक माला नं० ग्रार[,] सी० सी० 137, जो, सर्विय इण्डप्ट्रियल इस्टेट, पारस इण्डिट्रियल इस्टेट, रामचन्द्र नेन (एक्सेटेंशन) मालाड (प०), बन्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाद्य अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), ग्रीर जिपका करारनामा ग्रायकर <mark>प्रधिनियम</mark> 1961 के धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख :-1-1 985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है [°]और मुभंय**ह विश्वास** करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपाल से आधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) बार **अंतरिती** (अन्तरितिया⁻) के बीच एसे अन्तरण **के** लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावभा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अध्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) सा उन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हों में सुविधा के निए;

अतः मभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण ार्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधि अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रहलाद एच० पटेल।

(अन्तरक)

7. श्रीमती ज्योति एन० मोटनानी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 वन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतप पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस रूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 ैदन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास ेलिसत में किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बन्सूची

श्रौद्योगिक मैल नं अधार० सी० सी० 137, जो, सिवस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पारस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, रामचन्द्र लेन (एनसटेन्थान) जालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा किक सं अध्यक्त 3/37ईई/1590। 84-85 श्रौर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक - -1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनौक: 26—8— 98**5**

प्ररूप नार्चं टी. एन. एस. - - -

बारकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

नारत सरका

कार्यानय, बहायक वायकर नायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देण सं श्र ई-3/37-ईई/35785/84-85--- प्रतः मुझे, ए॰ प्रसाव,

कायकर क्रोधीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.030/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी संव दुकान नंव 10, ज, जो माला, नटर जिमानेंट स्वामी विवेकानन्द रोड ाऔर स्टेशन रोड, मालाड (पव), गम्बई – 64 में स्थित है। (और इनसे उनावल अतुमूची नं और पूर्ण रूप से विवित है), और जिसका करार-नामा आपकर अधिनयम 1961 की धारा 239 कर्या के अधीन, बाबई स्थित सक्षम अधिकारी के कायसिय में रिजस्ट्री है, तारीसा 1–1-1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकार व लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा प्वेंथित सम्पाधि का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक हैं और बन्तरक (अन्तरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलारन संहूप किसी नाय की वानत, उन्त् सचितितम ने क्पीन कर दोने वं नन्तरक ने ध्रीयत्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में जूनिया के निष्; नौर∕या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनेयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधन के किए;

कतः सम, उक्त सीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एम० जी० गोपालान ।

(अन्तरक)

2. श्री डी० एन० विशारीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हू

उन्त सम्पत्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अव ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सदूध किनी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस ति। खत में किए जा सकोंगे।

स्वष्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में धरिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गया है।

अनस चो

दुकान नं० 10, ओ, तल माला, नटराज मार्केट स्वामी विवेकानन्द रोग और स्टेमन २ड, मालाड (प०), वम्बई— 4 6में स्थित ी।

श्रनुसूची नैसा कि कि० सं० श्रई-3/37ईई/ 5785/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रेंज–३, बम्बई

दिनांक: 26-3-1985

प्ररूप आहाँ, खीं, एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुभना भारत सरकार

कार्यालम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निद^{*}श सं. अर्ध-3/37^{६*}ई/16256/84-85:---अतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), छ धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या श्राफीस नंव 4 और 5, जों, 1ली मंजिल, केडिया चेम्बर्स, एसव थीव रोड, मालाड (पक्), बम्बर्ड-97 में स्थिन है। और इससे उपाबल श्रतुसूची में करण पूर्ण रूप से बिवन हैं), और जिसका करारनामा श्रावधार श्रिक्षित्रम 961 की धारा 269 क, खके श्रिक्षीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम श्रीक्षकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीम्ब 1-1 1985 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिक्रल को बार अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाम क्या प्रतिफल, निम्निसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिहित हैं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (कः) अन्तरण से हुइ किसी आय की माबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक है हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयस, 1922 (1922 का 11) या सकत बिधानसम, अस्पानकर अधिनयस, अस्पानकर अधिनयम, 1957 (1967 का प्राचिम प्राचीजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के जापरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपध्या (;, के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- निर्मल चित्र्डम् प्राध्वेट लिमिटेंड ।

(अन्तरक)

2. गुरमीत सिंह गांधी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना गरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रीहमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकारण:--इरामें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया एक रूपे!

प्रनुसूची

भ्राँफीस नं. 4 और 5, जो, 1ली संजिल, के डिया चेम्बर्स, एस० बी० रोड, मालाइ (प०), मिबई-97 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रई 3-/37-ईई/16256/84-85 प्रोर जो नक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 का रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रयाद नक्षा प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

____=: ... --

धक्कप्र इश्युर्ग शी शक्त गरुग ------

____ · . · - ._ --

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन भूचना

भारत संग्लार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निर्देण सं ० ग्रई-3/37ईई/15724/84-85:--यत मुसे, ए प्रसाद.

क्षायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इक्के परकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अधार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी संख्या पलैट नं० 701, जो, 7वीं मंडिल, श्रटल टां **डी**० विष, नार्वे रोड, मालाड (प०), बस्वर्ड-64 में स्थित है (और ध्ससे उपायल प्रत्यूची ऐं।और पूर्ण रूप से वर्णित दै), अौर जिसका करारतामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्दी है, तारीख 1-1-1985 का पर्वोवश सम्पत्ति के उचित बाबार मन्य से कम के इध्यमान प्रतिष्ठल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते एह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का विनद जातर भन्य, तसके रूप्यमान पतिफल, से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रनिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिनी (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देशस्य से उक्त अंतरण लिखित

में वास्त्रविक रूए में कथित नहीं किया गया है ---

- (व) रातरण म इ.इ. कि.सी पाय की शावत, जनस अधिनियम को अभीन बार दार्ग है। अलस्क है दायित्व भी कभी करने या उसमें क्वने भी राजिए। के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (१९५७ के ८७) के प्रमाजनार्थ अन्यार्थी क्षण प्रकार वार्थ क्रिक भव को का चित्रत पाना अवस्ति । राजनारे को उपन्त को जिला ।

कतः ⊀जः, तक्त अधिनियम क्ली धारा 269-स के अस्यसक्त में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. एस० एम० वाधानी।

(भ्रन्तरक)

2. भैगर्भ गाए० जीठ विल्डम् प्राध्वेट लिमिटेंड । (ग्रन्तरिती)

कां यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शस्त्र करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रो 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वेक्स क जिल्ला में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इ⁴ सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस . सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हित-ददध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निस्तिन में किए आ सकेंगे।

स्पार्शकरण:----इससे प्रयक्त शन्दों और पदौ का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में **िया गया**

श्रनसूची

थ्लट २० ७ ७ १ को, 7थीं मंडिल, अटलांटा डी-विग, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रत्मुकी जैसा कि अ सं० अर्थ-3/37ईई/15724/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी स्वई वक्षारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 26-8-1985

'प्रकप बार्डः टो. एन. एस. -----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायक्त (निरीक्षण)

म्रर्शन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 श्रगस्त 1985

सं० ग्रई-3/37ईई/15788/84-85:--म्प्रत मुझे, ए

प्रसाद,

क्षायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० एंंं 22, जो, 2री मंजिल, कावेरी, को प्रापं हाउसिंग सोसाईटी लिं०, रिलीफ रोड, नाव रोड, मालाड (प०) बम्बई -64 में स्थित है (और इससे उपावल प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं और जिसका करारनामा प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति। का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धनकर आधिनियम, यो धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या त्रिया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अस: वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी ग्रों, ग्रो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अधित् ;→→ 1. राल्फ कुटीन्हो और प्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नर्रासग बी० कुमटा और भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदौं का, वो उपवा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए-22, जो, 2री मंजिल कावेरी को **धाँफ** हाउसिंग सोसाईटी लि०, 63, रिलीक रोड, नार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रतुमूची जैसा कि के सं० श्रई-3/37ईई/15788/84-85 और जो सक्षम प्राधाकारी बम्बई हारा दिनांक 1-1-1
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रस्य नाहाँ, दी, एन, एस. -----

नायकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के न्धीन स्था

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक जायकर जावुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. बस्बर्ड

बम्बई, विनांक 26 अगस्त, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/16363/84-85:-- मत मुझे, ए प्रसाद,

नावकर निर्मागन, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसमें प्रमाद 'उनत निर्मागन' कहा क्या हैं), कर भारा 269-स के निर्माण प्राप्तिकारी की नह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थानर तन्त्रित, जिल्ला उपित दासार मृख्य 1,00,000/- रु. से निषक है

श्रीर जिसकी संख्या 25. श्रमजीवी मोती उद्योग नगर, राम चन्द्र लेन, मालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वीयत तम्पत्ति के उचित बाबार मूच्य से काम के अवकास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्य कम्पत्ति का उचित बाबार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिचत से बीधक है और बंतरिक (वंबरकों) और बंतरिकों (जम्दरितशों) के बीच एसे बन्तरिक के किए यथ पावा गया प्रतिक स, निम्मतिकित उच्चरेक्य से उन्द बन्तरिक कि विधिय में बास्तिक क्य से कार्यस नहीं किया गया है :—

- (क) न्त्यूरण से हुई किसी जान की बाबस, उपस्थ जीवनियम की अधीन कार दोने के अन्तरक की समित्य में कमी करने वा उससे नचने में सुविधा है लिए; बॉर/या
- (ख) एसे किसी आब या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धर्ज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै सिए;

भतः स्था, उस्त निधिनियम की भारा 269-ग के नन्तरण वी, बी, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) ए कार्यक राजनिकार काक्तिकों, समाति ६मैसर्स शहा इण्डस्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स पाइन्टर इण्डस्ट्रीज।

(मन्तरिती)

को नह।क्ष्यना वारी करके पूर्वोक्स संवीत के वर्षन के लिए कार्यकरिश्वां करता हूं।

बक्क क्रम्मिक् के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप् रू---

- (क) इत बूचना के राचनत्र में प्रकाशन की तार्छन वें 45 दिन की नवीं मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तानीन वे 30 दिन की नवीं प, यो औ नवीं नाव में जनका होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी स्वनित ब्वारा;
- (क) इस ब्रुथना के रायपन में प्रकायन की तारीन के 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्य किसी क्वित द्वारा, नभोहस्ताकरों के शब सिचित में किए जा सकेंगे।

रचन्द्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्द्रों और पर्दाका, जो उक्क वीभृतिवज्ञ, के बध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होता जो उस अध्याव के दिया गवा है।

समय की

25, श्रमजीवी, मोती उद्योग नगर, रामचन्द्र लेन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/16363/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

माहर 🖫

50--- 266 GI 85

प्रकृष बाहुँ, टी. एन. एत.-----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

भारत प्रस्कार

कार्यांसय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्तक)
प्रजीन रेंज-3, अस्बई

बम्बई, दिनांक 30 धगस्त, 1985

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/15936/84-85:—- ब्रत मुझे, ए प्रसाद,

श्रायकर अभिनिजय, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० बी/203, जो, 2 री मंजिल; इारका देवी इसारन, जय जवान लेन, मालाड (पूर्व), बस्बई—97 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वंणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—1—1985 को पूर्वेंवत तम्पित के उचित बाजार नृष्य से कम के दश्याब पत्तिफल के लिए वंतरित की गई है और मुमें कह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एचे क्यमान प्रतिफल को पंडह प्रतिशत से विधक है और बन्तरक (बन्तरकों) बौर वंतरिती (अन्तरितियों) के बौध एमें बन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नितिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है र—

- (क) जन्तरण से शुंड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- गोमी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कै लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त स्थीक्तयों, अर्थात क्र--- 1. श्रीमती उषा प्रभाकर गोखले।

(ग्रन्तरक)

2. श्री इन्द्र वदन बाबू लाल संघवी श्रीर श्रन्थ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मरित के जर्बन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्मरित से वर्षन से सम्बन्ध में सोई मी वार्षण्ड--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए आ सकते।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, नहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया हैं।

सतसची

फ्लैट नं० बी/203, जो, 2री मंजिल, द्वारकादेवी, इमारत, जय जवान लेन, मालाङ (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/15936/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रथम नाइ. टी. एन. एव. -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

नार्त सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 30 धगस्त 1985

सं० ग्रई--3/37ईई/15843/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है। , की भाग 269-व कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 705, जा, 7वीं मंजिल, सी विंग, ला चपेल को श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एवर शाईज नगर, श्राफ मार्वेरोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 1-1-1985 का भूवीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के धरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की नाई है और मुक्ते यह विक्कात करने का कार्य है कि स्थापूर्वीक्त संपोक्त का उचित सामार मून्य उसके दश्यमान प्रतिकत्व से ए'से दश्यमान प्रतिकाज का बन्द्रह प्रतिभात स अधिक ही और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्मलिकित उद्यक्य से उक्त अन्तरण लिकित में में शास्त्रविक रूप से कश्यिक नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना वाहिए था, जियाने में सृत्या औ विष्

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुधरन में, में, उक्त आंधिन्यम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिखित न्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ग्रर्जुन छुगोमल पंजाबी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती निर्मिला टिकमदास।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वीध, को भी सूबीध नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा
- (क) इस सुकान को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- स्वूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी।

स्वाकातिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्रयों का, जो उक्त गींभीनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 705, जो, 7वीं मंजिल, सी विंग, ला चंपेल को श्राप० हार्डीसग सोसायटी लि०, एवरशाईज नगर, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सर्थ प्रई-3/37ईई/15843/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन र्रेज-3,बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

त्रक्ष नाहाँ , टी., एम., एस., --------

बायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

STATE OF THE REAL PROPERTY.

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्य (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, बिनांक 30 श्रास्त 1985

सं० म्राई-3/37ईई/15862/84-85-—ग्रतः मुझे, ए०, प्रसाद

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'जनत निधीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिल्ला उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 501, जो, पहली मंजिल, नेपच्यून इमारत, प्लाट नं० ए लिकिंग रोड ग्रीर मालाड मार्वे रोड का जंक्शन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिअस्ट्री है, तारीख 1-1-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रीरूफ्त के लिए बम्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्बक्ति का उभित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से विभिक्त है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय गांग गया प्रतिफल, निम्नीतिश्वत उद्दोस्य से उक्त अन्तरक सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया जवा है के—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की नामत, उन्ध सौंधिन्दम के नधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उत्तसे अचने में मुलिधा के सिए; सौंद/वा
- (क) क्सी किसी नान या किसी वन वा नम्ब जात्स्वरों को, किन्हूं भारतीय जायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना भाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

1. मैं सर्स नेपच्यून बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री इग्नाटीस डिसोझा ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

का वह त्यमा बारी कारके पृष्ठोकतः सम्पत्ति कं अर्थन के लिए कार्यकाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :----

- (क) इत तुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, को भी बविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति इवातः
- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के बाब लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिस्म के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वर्ष हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 501, जो, पहली मंजिल, नेपच्यून इमारत, प्लाट नं० 1, लिकिंग रीड श्रीर मालाङ नार्वे रोड का जंक्यान, मालाङ (प०), बस्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं० म्राई-3/37ईई/15862/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बतः सन्, उक्त जिभिनियम की धारा 269-न के जनसरण को, मी, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलिंबत् म्युक्तियों, जर्मात् के

दिनांक: 30-8-1985

HIST TARK

कार्याजन, बहुनक नायकर बायुक्त (विद्रीकान)

भर्ज न रेंज-3, बम्बई बम्बई, बिनांक 30 श्रगत 1985 सं० श्रई-3/37ईई/15915/84-85:--श्रन: मुझे, ए०, प्रसाद.

नायकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रवाद 'उनत निर्मानमा' कहा गया ही, की धारा 269-च की अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्तास करने का कारण ही कि स्थानर तम्मति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, मातंगी श्रपार्टमेंट, ए-विंग, मालाड विलेज, एन० एल० काल रोड, सोमवार बझार, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीरड स्से उपाबढ़ अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख़ 1-1-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतकल के लिए जन्तरित को गई है और मूक्ते यह विक्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उनके दृश्यमान प्रतिफल ते एते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के दीय एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलितित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिनित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) बन्तरण संधुर्द किली आस की बन्तरक, उक्क जिसिनियम के अधीन कर दाने के जन्तरक, के शामिल्य में कामी कारने या उक्क बच्चम में स्विधा के लिए; जॉर/या
- (बा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो, जिन्हु आरतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रभोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपान में शुविभा जो सिष्;

कतः भव, उक्त काँभनिवम की भारा 269-ग के अनुकरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अभीत् :—

मैसर्स श्री मातंगी कुक्रन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(श्रन्तरक)

2. श्री नागेश गणेश रायकर श्रीर अन्य।

(भ्रन्तरिती)

की यह युवना वारी करके पूर्वोक्त सम्मतित के वर्षम् के तिव् कार्यवाहियां युक्त करता हो।

उन्त दर्भात्त की कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की ठारीं सं 45 दिन की अनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी नदींच नांच में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रोंकत व्यक्तिकों में दे किसी व्यक्ति दुनाय;
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन के शीतर उनत स्थायर संपत्ति में दितनक्थ किसी अन्य स्थानत क्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगें।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

वनस्थी

फ्लैंट नं० 101, जो, 1ली मंजिल,मातंगी श्रपार्टमेंट, ए-विंग, मालाड विलेज, एन० एल० काल रोड, सोमबार बझार, मालाड (प०), बस्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-3/37ईई/15915/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनाँक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, पहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) **ग्रजैन** रेंज-3, **बस्बई**

दिनॉक: 30-8-1985

तक्ष वार्ष , हो, क्ष्य कुर्द्ध अञ्चलका

नावकड़ व्यितिवन, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-ग (1) के नधीन स्थान

कार्यांसय, सङ्गायक नायकर जायुक्त (निर्दाक्तक) भारत स्टब्स्टर

भ्रर्जन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 भ्रगस्त 1985

सं॰ ऋई-3/37ईई/15898/84-85--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परचात् 'उनत विधिनवन' कहा गया हैं), की धारा 269-वं के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार सून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 103, जो, एवर ग्रीन श्रपार्ट-मेंटस, बी, भावें रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत श्रधार जिस्दा वरारकामा श्रायवण श्रधिनियम 1961 की धारा 269 व. ख वें श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985।

को वृशोंक्त नान्वीत के उीवत वाषार मृत्य से कम के क्याना प्रतिकास के सिक् बन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त कन्तित का उीवत वाषार मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिकास से एसे क्यामान प्रतिकास का पंक्षह प्रतिकास से अधिक हो और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरित के तिक् तब पात्रा अक्य प्रतिकास में किए तब पात्रा अक्य प्रतिकास में निक्तितिकार के विच एसे अन्तरित के विच व पात्रा अक्य प्रतिकास मिनातिका उपयोग के विच कन्तरण निवित्त के वास्तिक क्या से किया गया है :---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी भाग की बाबत उक्त सिंपिनवृत से भंगीर कर वीने से जन्दरफ से सिंपिल में क्सी करने या उससे धवने में सुविधा हो लिए; बार/या
- (व) ध्रेती किसी बाय या किसी भन वा बन्य वारित्सी करो, जिन्हें भारतीय सामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया वा वा वा वा किया वाना वाहिए वा कियाने में व्यावधा के जिए.

1. एस० अरूण बल्लास।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० डी० जोहन।

🖁 (भ्रन्तरिती)

का वह क्यना वारी करके पृशांकत संपृतित के वर्षन के तिक कार्यनसङ्ख्ये करता हुई।

उक्क संगीतः के वर्जन् के संबंध में कोई भी नाशेष् :---

- (बा) इस तुषाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाकु;
- (क) इस बूचना के राअपुत्र में प्रकाबन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्वक्योकरणः — इवने प्रवृत्त शब्दों और पदों का, यो उन्ह जीभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हो, बहुने वर्ष होगा, यो उस अभ्याय में दिया गक्ष। ही।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, एवर ग्रीन ग्रपार्टमेंट्स बी०, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-3/37ईई/15898/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3,बस्बई

अतः अतः, अवत अधिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के सधीन मिन्निविद अधिन्य किया विविद्य के

दनांक: 30-8-1985

1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

माहुद्र 🛊

म्बन बार्ड .टी . इन् .व्य :-----

माथ्यकर व्यक्तित्यम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के वभीन सुचना

भारत बरकार

कार्बासय, सहायक बायकर बायक्त (निरामक) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, विनांक 26 श्रगस्त 1985

सं० मई-3/37ईई/16225/84-85:—-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इसकों प्रचात 'उपत किथिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-स थे अथीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास रूपने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ, ने अधिक हैं

श्रीर जसकी संख्या फ्लैट नं 103, जो, 1ली मंजिल, ए० विंग, श्रमोधा सिद्ध, सी० टी० एस० नं 418, दुरल पवाडी रोड, मालाड बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पर्वोक्त सम्मित के उधित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह त्रिक्याएं करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उतके स्वजान प्रतिकल ते, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच होते अंतरण के लिए सय पाया गया प्रिफल निम्निलिखत उद्देश्य ते उस्त अंतरण लिखित के बास्तविक का से स्वित नहीं किया गया है "*****

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में स्विधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों को जिन्हों भारतीय अयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के सिए।

मतः कब अवस अधिनियम की धारा २६९-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) वे सभीतः निम्नसिथित व्यक्तियों, सर्थातः :--- 1. मैसर्स देसाई भुके एसोसियेट्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एल० वी० किणी ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शन :---

- (क) इस सूचना के राजपण में ज़कासन की तारीच है 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की अवधि, धों भी समीध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में से किसी स्पीनत द्वाच;
- (च) इब तुमना के राजवत्र में प्रकाशन की शारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्तसब्ध किसी अन्य काविता इवारा अधाहत्ताक्षरी में वास निमात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क.

वरिभीनवन के बभ्याव 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ शोग जो उस अभ्याय में विका भगा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, प्रमोधा सिद्ध, सी० टी० एस० नं० 418, तूरल पखाडी रोड, मालाड अम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई~3/37ईई/16225/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्ब**ई**

दिनांक: 26-8-1985

प्रकृष भाइ. टी. एन. एव. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रगस्त, 1985

सं॰ ग्रई-3/37ईई/16088/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जानकर अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके ग्रामात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित माचार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० बी/5, जो, 1ली मंजिल, विलेज बालनाय, श्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित वाजार मृत्य में कम के दृश्यमान मिल्ला के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार सम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया ग्या प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उसत अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुंड़ किसी बाय की बाबत, उच्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के निए; और/बा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थाक् ६6. मैसर्स लिलाक इंटरप्राइजेस।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती रोझी डिमेली।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से ते 45 बिन की संवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 बिन की नवीं भ, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः — इसमें प्रमुक्त शम्बां और वडों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यात में विका गया है।

त्रनुजूची

फ्लैट नं० बी/5, जो, 1 ली मंजिल, विलेज वालनाय, ग्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुभूची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-3/37ईई/16088/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनॉक: 30-8-1985

भोहर :

शक्य संहर्ष ती. एवं. एतं. -----

भायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के वधीन त्वना

भारत सरकार

भायां जन . सक्षायक ज्ञासकर नायक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 30 ग्रगस्त, 1985

सं० ऋई-3/37ईई/16224/84-85:---श्रतः मुझे, ए प्रसाद,

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) विजये इसमा इनके परपात् 'उन्त मिंपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधान सक्षम प्राधिकार्या घर, यह जिल्लास जरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

शौर जिसकी र्संख्या फ्लंट नं ं 4, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं ं 418, मालांड तुरेल पखांडो रोड, मालांड—1, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), शौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—1—1985 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के ख्यमान शितफन के लिए अंतरित की गई है और शुभै यह विकास करने कम कारण है कि व्यापूर्वोंका कम्बीत का उचित बाबार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और जंत-रिती (जंतरितयों) के बीक एसे लंतरण के लिए तय पायः गया प्रतिफन निम्निवात उद्योच्य से उकत बंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जान की नावता, उनता अधिमिनम के अधीन कार दोने को अंतरक के शिक्तिक मा आभी अधिन १० नमने बन्धा वा माक्ष्या १ ेता. ऑर/बा
- भा, एकी जिसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चानिए था, छिपान गी गित्रधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैंसर्स देसाजी भुके स्रौर एसोसियेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनोहर राजाराम बेलवलकर।

(ग्रन्तरिती)

को क्यू क्षणा कारी करने पृष्टीयस क्रम्परिस से अर्थन में विष् कामजाहियां करता हूं।

उन्ह सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीच थे 45 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी म्बल्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जन्मित, जो भी नन्धि नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेजित स्वित्तयों से ने किसी म्बल्ति बुवहत;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराव र 45 किन के भीतर उन्तर स्थादर सम्पत्ति में हित्रमक्ष किसी जन्म १८८०, दवारा अभोहन्दापारी के नाम मिसिन में (कार जा सकार)

स्वक्तिरण -- इसमें प्रवृक्त शक्यों और पदों का , को जक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उक् व साथ में टिक्स नवा हैं।

जरु चुची

प्लैंट नं० 4, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 418, मालाड ंदुरेल पखाडी रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/16224/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 30-8-198**5**

प्रक्रम आई.टी.एन.एस-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजव, सहावक आयकर जायुक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 30 भ्रगस्त, 1985,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाचार ब्रस्स 1.00,000/- ना. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, प्लाट नं० 62, शिव राम, लिंकिंग रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठिनियम 1961 की श्रारा 269क, ख के श्रिष्ठीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी

के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 1~1-1985।
को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाज़क मूक्य से कम के रहयमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्षे यह विश्वात
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार
मूक्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, ऐसे रहयमान प्रतिकल का
पन्तह प्रतिकत से मिक है और अन्तरक (अन्तरका) और संतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया भया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में
वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मितिया चे सिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्परण में, नैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) जै अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों. अर्थात् —— 1. मैसर्स रबी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स शिव कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वग्रहियां करता हूं।

उन्नत सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओब :---

- (कं) इस सूचना के राजवल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यां वित्यों पर सूचना की ताचील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस क्ष्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब कितीका में किए जा सकेंगे।

स्थवद्यीकरण: - इसमें प्रयम्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्सूची

जमीन का हिस्सा, जो प्लाट नं० 67, शिव धाम, लिंकिंग रोड, मालांड (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/16142/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–3, बस्बर्ष

दिनाँक: 30-8-1985

प्रकल् आहें ्टी ्चन , एस , -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-3, अम्बर्द

बम्बर्ध, दिनाँक 30 धगस्त, 1985

सं॰ श्रई-3/37ईई/16168/84-85:--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा जमा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रार्टिशकारी को बहु जिल्ला करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उजित बाकार मूख्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 62 जो, लिकिंग रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर भिंधनियम 1961 की धारा 269 के, ख के भंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त संबक्त के उजित बाजार मृस्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से एंसे क्ष्ममान प्रतिफल का प्रचाई प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त जंतरण जिल्ला में बाल्ब-विक कप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तराज्य से हुई जिल्ली आय की वासक्त करका ब्रिप्तियम के अभीच कर दोने के अन्तरण के ब्राजित्य में कमी करने वा खबते बज्जने में ब्रुजिया के सिप्तु और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा अभ्य नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर वाधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहा किया वया था वा किया आना जाहिए था, कियान महिला के किए;

क्तः वर्ष, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निकाबिद्वित व्यक्तियों, वर्भात्ः— मैं० पंकज को० आप हार्जीसग डेवलपमेंट सोसाईटी लि०।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स रबी बिल्डर्स ।

(ग्रन्सरिती)

का ग्रह सूचना बारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्जन के प्रिष्ट्र कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्वीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस तृषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बह्भ किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमे प्रमुक्त सक्यों और पर्यों का, थो उक्त कीश-निवस के सध्यात 20-क में परिभाष्टित ही, नहीं वर्ष होगा, थी उस अध्याद में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 52, जो, लिकिंग रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/16168/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राप्तकारी, सहायक फ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 30-8-1985

प्रकल नार्वाः टी. एम., इस.-----

बायकर ब्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

कारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 26 धगस्त, 1985 निदेश सं० प्रई-3/38ईई/16230/84-85:---ध्रत मुझे, ए, प्रसाद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० बी-002, जो, केलाम प्रभात को० श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 173, वैध नगर, कालिया, बम्बई-98 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 को श्रारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यह यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़िह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई जिसी बान की नानत, कन्तर वीधिनयन के अधीन कर देने के बन्तरक से दायित्व में कमी करने या असने वचने में सुविधा के नित्तर, जॉर/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करें जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना थाहिए था, कियाने में सविधा के जिए;

बतः सन्, उन्त सीपनियन की भारा 269-न के अनुसरण भी, जी उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री मोहम्मद ताएब इश मुल्लाह।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो झैबुन्बिसा इम्रात हुसैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नाकोप '---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्धी , जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सुवामा के राजपत्र में प्रकाशन को सारण के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रुथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, सही अर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्लैट नं० बी-009, जो, कैलाश प्रभात को श्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, 173, बैद्य नगर, कालिया, बम्बई-98 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/16230/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि.ाँक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई.

दिनाँक: 26-8-1985

प्रकृत कार्य . दी . एव . एव . -----

भावकार होधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-म (1) के नवीन सुमना

नारक वहुकार

कार्यालय, बहुरवक जायकर जावृत्रक (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रगस्त, 1985 सं० ग्रई-3/37ईई/15967/84-85:---ग्रतः मुझे ए, प्रसाद,

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके वस्तात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन बक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर भम्पींस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या ब्लप्ट नं० 17, जो, ब्रह्मा भवन, तल माला, ब्रह्मा को श्राप० हाउभिंग मोसाईटी लि०, हंसोटी लेन, श्राफ़ फ़ामा लेन, घाटकोपर (५०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के

हैं (श्रीर इसम उपावद्ध श्रनुसूचः में आर पूण रूप में विणित हैं), श्रीर जिलका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रिजस्ट्रें है सार्र ख, 1-1-1985 को पूर्वेक्स संप्रतिक के दीवत बाजार मृन्य से कम के क्ष्यभान श्रिक्त के लिए अन्वरित की अई है बार मुक्ते यह विववस घरने का कारण ही कि बथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतकाल में, एसे दश्यमान श्रीतकाल को पंद्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरित का विवत्त सामा श्रीतकाल को पंद्र प्रतिकात से अधिक एमें अवस्था के निष् तय पाया गया श्रीतकाल, मिक्नां भीवति उद्वरक में उसके सन्तरण निकात में बाक्तांक सामा से का से का स्था से का स्था है कि सामा स्था है ---

- (क) जनसरण तं हुर्द जिल्ली जाव कर्ष वाच्छ, छवड क्रांशिनयम के अभीत कर दाने के कलारक को छाडित्य ए कक्षा अपन वा नमस वचने मा सुविधा के लिए और/या
- (क) एंग्री किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्याय अकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था. स्थितने में स्रोजधा के सिए;

अत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्रीमती मनोरमा एन० शर्मा।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमतीं ज्योति वि० शहा।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के कचन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

धकत सम्पत्ति के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी बाखोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में ये किथी व्यक्ति द्वाराः
- (ण) इस सूचना वे राजपत्र मो प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उट्टा स्थावर सम्पत्ति मो जितवद्ध किसी जन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम

अनुसूची

ब्लाक नं० 17, जो, ब्रह्म भयन, तल माला, ब्रह्मा को श्राप हाउसिंग सोसाईटीं लि०, हंसोटी लेन, श्राफ़ कामा लेन, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/15967/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रकार बाही, टी. एम. एवं 🕒 - - - ----

बानकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के वभीन स्वाना

शास्त बहुकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त, 1985

सं० श्र ξ -3/37 $\xi\xi$ /16118/84-85 :---श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 4, जो, माला, स्वामी नारायण दर्शन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, गुलुड (प०), बम्बई—80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में गौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1—1—1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुक्कें यह विश्वास करने का वारण है कि यथापृथेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृख्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह भित्रात से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया निवत्त वास्तिक स्प से किवत नहीं किया गया है :----

- ्रिक) अन्तरम वंह्रू किवी नाम की नामकः, उपत अधिनियम के अधीव कर दोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सीट√ना
- (था) एती किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्ही भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए

जतः क्षतः क्षतः जनतः जिथिनियमं की भारा 269-मं के जनुसरस् जैं, मैं, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसिकित व्यक्तिकों जभाषि १—— 1. मैं० गुरू ज्योति कन्स्ट्रमशन कम्पनी।

(मन्तरक)

2. श्री पो० बी० शहा ग्रौर मन्य।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कुछ करता हुं।

क्का सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नक्कोंप :- -

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीक्ष से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार क्थोहस्ताक्षरी के पात्र निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होता, जो उस अध्याय में ख्या गया है।

अनुतुची

पलैंट नं० 4, जो, तल माला, स्वामी नारायण दर्शन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुड (प०) बस्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-3/37ईई/16118/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्रायधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

बोहर :

प्ररूप बाइं. हो. एव. एक.------

मायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत बहकाह

कार्याजन, बहानक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 26 श्रगस्त, 1985

सं० श्रई −3/37ईई/15959/84−85ः—श्रतः मुझे, ए, बसादः

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवरित विश्वका उचित वाबार स्वव 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० सी-201, जो, उपानगर को श्राप हाउरसम सोसाईटी लि०, सर्वे० नं० 38, एस० नं० 3, मांड्प विलेज रोड, बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपा बद्ध ग्रनुसूत्रों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में " रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985:

को प्वॉक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुच्य, उत्तके क्यमान प्रतिफल से, इसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रम प्रतिशत से विधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पासा गया प्रति-का निम्निसित्त उद्वेदस में उक्त अन्तरण निकित में बास्त-विक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में की करने या छसबे अचने में सविका के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बत्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा छिणाने में स्विधा के लिए:

बतः अपः, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-ग की बन्तरण माँ, माँ उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को सभीन, भिम्मीजिवित स्पवित्रणाँ हैं, अस्पति ड्रास्ट ा. श्रामती जसवन्त कौर सोई।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० पी० परमेश्वरम पिल्लाई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्ये है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत मिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० सी-201, जो, उपानगर की द्याप हाउसिंग सोसाईटी लि०, सर्वे० नं० 30, एस० नं० 3, भाडूप विलेज रोड, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि के सं० कई-2/37ईई/15959/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी नम्बई द्वारा दिनांक 1-1--1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🥲

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

लायकार अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्त्य, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

प्रतीत रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

सं अई-3/37ईई/16268/84-85:- अत मुझे, ए०, प्रसाद.

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें (संके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसका संख्या भूमि कृषि का हिस्सा, जो, सर्वे नं० नं० 147, एस० नं० 1 (ग्रंग), नाहूर विलेग, तालु:ा कुर्ला, भुलुड, बग्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिल्ला कराइनामा ग्राय इर प्रधिनियम 1961 का धारा 269 एख के प्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारः के कार्यालय में रजिस्ट्रें। है, नार्ंख 1-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कभ के दश्यमान लिए **अन्त**रित की के विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रति-फल से, ऐसे रच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं आरि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी भावकी नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उसने वचने में अधिक्या के फिल्; बीर/या
- (भा) ए`सी किसी जाय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बच-बार बाधिनवान, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया ला गृक्तिया का≕ा वाहिए था, स्टिपाने में सनिका के लिए;

अत: अब, जंक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण 🚁 ्र 🗠 🛪 अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर , निम्नसिसिस व्यक्तियाँ, वंशति :---

मेंद्रल गवर्नभेट एम्प्लाईज को ख्राप० हार्जाभग सोसाईटी

(ग्रन्तरक)

2. दि श्रक्भें लैन्ड डेक्सपर्स प्राइवेट लिए।

(श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जाे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वरिपनियम, के बच्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा वो तस अभ्याय में दिखा गराह्री :

धनुस्ची

जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे नं० 147, एन, नं० 1 (ग्रंग), नाहर विलेज, ताल् ा कुर्ला, मुलुंड, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-3/37ईई/16268/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार्र। बम्बई द्वारा दिनांक 1→1~ 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है?

> ए० प्रसाद, गक्षम प्राधिकरी महायक प्रायक्तर आयुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 2--9--1985

प्ररूप: नार्ड: री: एन: एस:-----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहारक वायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ड, ।दनां रु 26 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/16119/84-85:--ग्रतः मुद्ये, ए० प्रसाद,

आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ़लैंट नं० 3, जो, सल माला, स्वामी नारायण दर्शन, डा० ग्रार० पी० रोड़,), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसके उपबिख अनुभूकी में श्रीर पूर्ण क्य के विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वायिलय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण से लिए तय पाया भया प्रतिकल निम्निसित उद्वेष्य से उच्छा अंतरण निविद्य में भास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वर्ष उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :---52-266 GI|85 (1) गुरु ज्योत कन्स्टुक्यन कंपनीः ।

(भ्रन्त∵क)

(2) एस० बी० शहा ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजणत्त्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्संत्रंथी त्र्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित बक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरण:—हर्समें प्रयुक्त काख्दों और पदी का को रक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

ग्रन<u>ु</u>मूची

फ्लैंट नं० 3, जो तल माला, स्वामी नारायण दर्शन, डा० प्रार० पी० रोड़, मुलुड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कै० सं० श्रई-3/37-ईई/16119/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-85 को रिकस्टई किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

सार्/ख : 26--8--1985-

जोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज्ञ-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त, 1985

मुझे, ए० प्रकाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- क. से अधिक है

ष्रीर जिल्लको संव गुलिट नंव 34, जो, भावृष विकाल इंडिंग्ट्रियल विभायकेम को-आपव भोगाइटि सिव, ह्विलेच रोड, भावृष् (१), बम्बई-78 में स्थित है (बीट डार्ग उपायत अगुपूर्व में बीट पूर्ण स्था से बिणित है), श्रीर जिल्ला उपायनामा आयत र अधिनियद 1961 की धार 269 ज, खेके आगल, बस्बई स्थित सक्षम प्राधि- कारी के दार्थालय में प्रविष्ट्री है, सार्व र 15 1585

को पृशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का छारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन, निम्किटियन व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रा निवय लायजी राजदा ।

(अन्तर्क)

(2)भैसर्स जे० के० इंडस्ट्रिज ।

(प्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ... किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुयूची

यूनिट नं० 34, जो भाडूंप विशास इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप० मोपाईटी लि०, विवेश रोड़, भांडूंप (प), वम्बई–78 में स्थित है ।

प्रमुखः जैसा ि क० सं० प्रर्द-3/37-ईई/15744/84- 85 ग्रीर मे पक्षम पाधि ारः वस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टडं किया गया है ।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राविकाणी सहायक आयकर आयुक (निरीक्षण) प्रजंक रेंज-1, बम्बई

नारीख: 26-8-1985

प्ररूप भाषां. टी. एत. प्रस् .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) . श्रजील रेजे-3, अम्बर्ड

दिनां ह 30 अवस्त 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/15628/84-85—-पनः मुझे, म्बो, ए० प्रदाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च क अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं । कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,00/- एउं. से अधिक हैं

श्रीर भितको सं० पर्येट तं० 7, जो 1 ला भीशिक, विहोसा श्रीनाटेभेंट, सं१० टी० एक० नं० 900, 901 श्रीत 903, क्लिंग अजूर (पूर्व) भांडोप, बस्वई में विधक है (श्रील इस उपावत्व श्रीमुर्वो से श्रीत पूर्व क्लिंग के प्रिक्त है), श्रीत विहास एकार्यामा श्रीयर र श्रीविधियम 1961 के श्रीता 269 ते, यो श्री श्रीत व्यवद्य विश्वत सक्षम श्रीधि सर्वो के श्रीविध के दिस्सू है, कर स्वान-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिश्म के अधिश के ६ में के अन्तरक के दासिस्त में अभी कमर था। समय कमर में मुक्तिमा के लिए बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया एया था या किया आना चाहिए था., छिपानं में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीर, निम्हिलिधित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) भैसर्स गुप्ता बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरङ्)

(2) श्रा/ राजाराम प्राप्तः राणे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वृर्जन के रिष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच् सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, का भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किड़ी परिवत व्यक्तियां
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब त 45 विच के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध कियी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा स्कोगो।

स्पष्टीकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गंगा है

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, 1लं/ मंजिल, सी/० टी/० एस० 900, 901 प्रीर 903, भोडोझा अपार्टमेंटस, विलेज कांजूर (पूर्व), भांडूप, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूचः जैसा ि क० मं० ग्रर्ड- 3/37 -ईई/15628/84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण), ग्रर्जन रेंज∼3, बस्बई

दिनांक : 30-8-1985.

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. -----

नामकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेजे--3, बम्बई बम्बई, दिनांश 30 श्रगस्त, 1985 निर्देश सं० श्रई--3/37--ईई/15629/84--85:---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है के स्थावर के प्राप्ति के स्थावर के स्था के स्थावर के स्था

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 1, जो, उरा मंजिल, सं १० टो० एस० नं ० 900, 901 श्रीर 903, विलेज लांजूर (पूर्व), भांडून, बंम्बई मेंडोद्या अपार्टमेंटम, में लिखत है (श्रीर इसा उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसाल करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 ए, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिवकन असे किए जन्तीरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके प्रविक्त सं विषक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय प्राया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे क्यने में स्वाधिक के किए; बीग्न/मा
- (गं) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिसमाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया थौत् ६(1) मैसर्स गुप्ता बिल्डर्स ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रा स्याम सुन्दर संग।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मृषना के राजपत्र में प्रकालन की तारी सा सं 45 दिन की अवधि सा तत्त्र स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- ्च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवष्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्क श्रीधनियम, के अध्वाय 20-क में वरिभाविद्य ही, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में विका ववा है।

प्रनुमुची

फ्लैंट नं० 1, जो, 3री मंजिल, मेंडोंझा ध्रपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 900, 901, ग्रीर 903, विलेज कांजूर (पूर्व), भाडूप वस्वर्ष में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15629/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनां स 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, नक्षम प्राधि तरा, सहाय त स्रायकर स्रायुक्त (निर कण), स्रजन रोज--3, बम्बई ।

पीर्ख : 30-8-1985.

भोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्मानक)

ग्रजन रेंज, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँ 7 30 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० प्रई--3/37--ईई /15625/84--85-- प्रतः मुखे, ए० प्रशाद,

भाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्लाम करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

स्रोर जिसका संव फ्राँट नंव 2, जो, 1लां भंजिल, सीव टोंव एखंव नंव 900, 901 स्रीत 903, जिलेक कांलेर (पूर्व), भांडूप, बम्बई में डोझा श्रपार्टमेट में स्थित हैं (स्रीत इसके उपाबद्ध स्रनुसूचा में स्रीत पूर्ण रूप के बिजत है), स्रीत जिसका इत्यादनामा स्रायका श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के दार्यालय में विणित है, तारीख 1-1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हर्ष किसी आय भी भावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायिल्ल में कसी करने या उससे अधने में मृतिधा को लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिबित व्यक्तित्यां अर्थात :--- मेनर्स गुप्ता बिल्डर्स।

(अन्तर ः)

2. श्रा सखाराम नीलू धोरि।

(श्रन्तरित्≀)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यक्षाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूचो

फ्लैंट नं० 2, जो, ालो मंजिल, मेंडोंझा ध्रपार्टमेट्स, सी० टो० एस० नं० 900, 901, ध्रीर 903 दिलेज कांज्र (पूर्व), मांड्र्प, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूचः जैस िं। कि० सं० श्रर्थ-3/3 ई ई/15 6 2 / 84-85 और जो पक्षम प्राधियारो, बस्बई हारा दिनाक 1-1-1985 को प्रिक्टई किया गय, है।

ए० प्रक्षद सक्षम प्राधिकारी सह्य ज्ञाय पर ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज~ 3, बम्बई

दिनो ह: 30-8-1985

प्रकप बाइ". टी. एन. एवं.,------

1. श्री नविन प्रेमजा नंदू।

(श्रन्तरङ)

-2. श्रा खिमजां भूल**जा** कटारिया।

(श्रन्तरितंत)

को यह सुचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के निए

रक्त सम्मति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्वीभ या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबीभ, वो भी बबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितत्यों में से किसी स्थितत बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीक सं 45 दिन के भीतर उबर स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पार निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 8, जो, 3री मंजिल, कमलानंद को०-ग्राप० हाउसिंग सोनायटा लि०, एम० जा० रोड़, मुलूड (प०), बस्बई-80 में स्थित है।

श्रमुम् जैसा ि कि मं श्रई-3/37–ईई/16046/84--85 और जो सक्षम प्राधितार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई िया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 3-9-1985

माहर 👙

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण)
भर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां हा 3 ितम्बर 1985 निदेश सं **अ**ई--3/37-ईई/16046/84--85---- प्रतः सुप्ते, प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

स्रोप जिल्ला में पर्लंट नं 8, जो, 3र मंजिल, तमलानंद कों ०-स्रात्य हो उपिया सीकायटा लिं ०, एम० जों ० रोड़, मुलूंड (प०), बग्वई-80 में स्थित हैं (स्रोत इसने उपावद्ध स्रमुखा में स्रोत पूर्ण रूप ने विज्ञा है), स्राप जिल्ला करापनामा स्रावकर स्रिधिनयम, 1961 का धारा 269ए, ख के स्रवान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितार के वार्यालय में रिजस्ट्रा है, तार ख 1-1-1985

को पृष्णिक्त सम्परित के जैकित भाषार मृत्य से कम के स्वयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उज्जित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और सन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण निश्चित में वास्तीवक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधिनयम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व मो कमी करने या उससं बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिथान में मुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :-- प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निदेश सं० ए० एंस० ग्रार०/85-86/26—ग्रात:, मुझे, जे० प्रसाद, ग्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उण्डित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी मं० एक जायदाद है तथा ज श्रजीत नगर, श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्श्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एोसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यमान प्रतिकल से एोसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरिता) के बीच एोसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिकल, निम्निलिक क्ष्य से कियत नहीं किया क्या है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंपियम के बंधीन कर दोने के जन्तरण क दायित्व में कभी करने या उत्तसे सकने में सुविधा के निष्; जॉट/सा
- (क्) एंसी किसी जाव या किसी धन या वन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए भा, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सम, उक्त सिथिनियम की धारा 269-ग को सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नसिकित व्यक्तिश श्रामतः शुभ चरतज्ञात कौर पत्नी श्रा दर्णन सिंह, वासी 145, श्रजात नगर, श्रमुतशर।

(ग्रन्तरङ)

2. श्रा वजार सिंह पुत्र श्रा गोपाल सिंह. वासी: 145, श्रजीत नगर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरितः)

3. जैसा कि ऋ० सं० 2 पर है श्रीर कोई हिरा-येदार श्रगर कोई है।

> बह व्यक्ति, जिनके श्रविभोग में सम्पत्ति है)

4 ग्रांर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विषयद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकर्ण के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

अनुसूर्चा

त्राधा हिस्सा जायदाद नं० 145, त्रजीत नगर, त्रभृतपर जैता हि रिजिस्ट्रं/हर्ता श्रिधिहारों, त्रभृतपर के रील ड/ड नं० 7808 त'राख 31−1−1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एग० सक्षम प्रधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रोज, अमृतसर

तार्ख: 11-9-1985

माहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृहस्सर

श्रतमृसर, दिनांक 11 सिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रमृतसर√85-86/27--श्ररः, मुद्ये, जे० प्रसाद, श्राई० श्राण्ठ एस०,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाप करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है जो भ्रजीत नगर, भ्रमुससर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता श्रिधवारी के वार्यालय, श्रमुतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रव ते सारीख फ़रवरी 1985

को पूर्वी कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्षत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वांस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. फिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) → अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, बर्धात:—

. श्रीमती णुम चरनजोह कौर एका श्री दर्शन सिंह, 145, श्रजोत नगर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तर⊹)

 श्रीमती दलजीत कीर परनी श्री वजीर सिंह, वामी, 145, अजीत नगर, अमृतदार। (अन्तरिती)

 जैसा कि कि सं० 2 पर है और किराएदार अगर कोई है।

> (बह् व्यक्ति, िक्षके <mark>प्रधिभोग</mark> में समानि है)

4. फ्रॉट कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारा करके १ एक्ट सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हिशबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो तक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्चा

श्राधा हिस्सा जायदाद नं० 1.45, अजित नगर, श्रमृतसर जैसा कि राजिस्ट्रें।कर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर के सेल डिंड नं० 8507, सारीख 22-2-85 में दर्ज है।

जे० प्रसाद, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधि ।रः सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृक्षसर

तारीख: 11--9--1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज; श्रमृतसर अमृतसर, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निर्देश नं०अमृतसर/85-86/28--श्रतः मुझे, जे० प्रसाद आई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद जो श्रजीत नगर अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1985

मने पूर्वा क्ला समपत्ति के जीवत बाजार मृस्य के कम हो समनाम प्रीतणाल के लिए रिबस्ट्रीकृत विलोब के अनुसार जन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का नारण हो कि संभापनोंकत संपत्ति का उचिक बाजार मृस्य स्वर्क स्थानम प्रीतिफाल से देसे स्थानम प्रीतिफाल का प्रात्तिक का प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तर्भितियाँ) के सीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात कि निम्नीसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण विजिब के बाजार में सिवा का से प्रात्तिक कर से सामार नहीं कि सामारण है हम्म

- (क) जनराय ने हुई किसी बाब की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर धेने के बस्वरक की दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सूबिधा के निए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नेतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--53-266 GI|85

श्री वेद प्रकाश पुत श्री पूरत चंद वासी,
 195, श्रजीत नगर, अमृतसर ।

(अन्सरकः)

2 श्री मूलजीत सिंह भाटिया पुत्र श्री मान सिंह भाटिया, 37, ब्रह्म बूटा मार्जेट, ग्रमुससर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऋ० सं० 2 पर है और किराएदार अगर कोई है।

> (वह व्यक्ति, ाजसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

को यह सुचना कारी करके पृथिक्त संपरित के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वयक बज्यरित के अर्थन के बज्यरूप में कोई भी आक्षीप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए वा सकोंगे।

स्वकाकरण हिन्दसमें प्रयुक्त कर्कों कीर पर्वो का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

एक रिहायणी मकान नं० 195. श्रजीत नगर, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर के रेल डीड नं० 7081 तारीख 8-1-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 12-9-1985

प्रकर नार्द् ही, एतः, एतः -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यास्तव, सङ्गवक नानकर नावृक्त (निहासक)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निवेण सं० श्रई-3/37-ईई/15630/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'अक्त जिथिनयम' कहा गया हैं), की वारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से जिथिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, सीं० टीं० एसं० नं० 903, 900, 901, विलेज डांजूर (पूर्व), भांडप, अम्बई में स्थित है मेंडोझा श्रप्तर्टमेंट (ग्रीट इससे उपाबह श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्म ने वर्णित है), ग्रीर जिसका उरारसामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 2696, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार्र के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पृथित सम्पत्ति के उषित यागर मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूनों कर संपत्ति का उषित बाधार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्दर्ध शिवशत स अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) कोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे सम्तरण के निए तम पाया गवा प्रतिफल निम्ननिवित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण जिल्हित यो बास्तरिक क्य से कथित वहीं किया गवा है इन्न

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बाबत, अबत बिधीनयम के बधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (वा) एसि किसी बाब या किसी धन वा बन्त जारिसवी करें, विन्हें भारतीय बाब-कर विधिनयब, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ विधिनयम वा भनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया वासा वाहिए था, कियाने के अधिका के सिक्यः

कतः कथ, उक्त अधिनियम की भारा 259-ग औ अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स गुप्ता बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भवरताल बुर्शालाम जी० जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनद राज्यत्वि के वर्णन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकादन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजा की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्रिक्श माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वाद्य;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: - प्रसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-शायित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विचा गया है।

arrest and the same of the sam

पलट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, मेंडोझा बापर्टमेंट्स, सी० टी० एस० नं० 903, 900, 901, विलेज कांजूर (पूर्व), भांडुप, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37–ईई/15630/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1~1–1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

। दनांक: 26-8-1985

मोहर ह

शक्य बार्यः दी. एव., एव., ० --- -

नायकर निधिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई--3/37--ईई/15627/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्री जिसकी सं० पलैट नं० 4, जी, 4थी मंजिल, सं० दी० एस० नं० 900, 903, 901, विलेज, बाज (पूर्व), भांडप, बम्बई में भेंडोंना श्रपार्टमेंट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुमुच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका जरारनामा ग्रायं याधिनयम, 1961 की धारा 2690, स के ग्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनयारी के नार्यालय में रिनस्ट्रा है, तारी । 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्यथमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जाँ, अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए एवं पाया यथा प्राच-फल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ति में बास्तिक क्ष्म से कृष्टित नहीं किया गया है :---

- (क) नभारण संबुध किनी नाम की नामत सक्य निम-निमम के सभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उसने नमने में सुनिधा के लिए; वांध/मा
- (च) एती किसी नाय वा किसी धन वा नन्य नास्तियों को, जिन्हें नारतीय भायकार निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनयन, वा चुन्द कर गीधांनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाक्रिय वा, कियाने वें सूमिप्र के जिए;

क्षणः अर्थः उपन्त अधिनियम् की धारा 269-म में अभूतर्थः में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मेससं गुप्ता बिल्डर्स।

(भ्रन्सरक)

2. श्री ग्रब्दुल रहमान युसुफ जमादार।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स एम्पोरत के बर्बन के विश् कार्यनाहियां करता हो।

उपद राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोद:---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिंध, को भी जनिंध वाद में संज्ञापत होती हो, के भीत्र पूजीवश व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुभ किसी कम्य क्यक्ति दवारा, मभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकते।

स्पक्तीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

थग्रु ची

फ्लैट नं० 4, जो, 4थो मंजिल, मेंडोना ग्रपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 900, 903, 901 विलेज कांडर (पूर्व), भांडूप, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि कि सं अई-3/37-ईई/15627/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज–३, बस्सक

दिनांक: 26-8-1985

मोहुरु 😃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/16279/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

ष्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 63, 64-85, जो, 1ली ष्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 63-6485, जो, 1ली मंजिल, श्री उद्या धाम, एल० बी० एस० मार्ग, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित हैं (प्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिन्ना करायनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धार। 269 ी, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सजन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारोख 1-1-1985

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियां, अर्थात् :--- 1. मैं ० प्रशांत बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती रुक्मिणी देवी बी० ग्रगरवाल।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 63-6485, जो, 1लीं मंजिल, श्रीकृष्ण धाम, एल बी एस मार्ग, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-3/37–ईई/16279/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–1–1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष आहु . ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रगस्त 1985 निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/16278/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिनकों मंठ बैंह प्रिमायमेस, जो, तल माला, श्रीखेषण धाम, एलठ बाठ एसठ मार्ग, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायत श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 है, ख के ग्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधित की धारा 269 है, ख के ग्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधित का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीवत सम्पत्ति की उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (बन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफ क से, प्रमन्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (बन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफ क से, प्रमन्ति सित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निक्ति में बास्तिवद क्या से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में उक्त अधिनियम की धारा २69-घ की उपधारा (1)

🕏 भधीन . निम्तनिस्ति व्यवित्यों , अर्थात् .---

1. मैं० प्रशांत बिल्डर्स।

(भन्तर ह)

2: श्रामतो श्रार० बी० ग्रगरवाल ग्रीर श्रन्य। (श्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति की अर्थान को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों नः सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितअसूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

रैंह प्रिमायमंत्र, जो, तल माला, श्रीकृष्ण धाम, एल० बी० एप० मार्ग, भूंलुड, बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० ऋई-3/37-ईई/16278/ 84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिर्घाक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 30-8-1985

मं≀हरः

प्रक्प बार्द. टी. एन. एस.-----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्रण)

ग्रजंन रेंज⊸3, बम्बई र्लिस्टॉस्ट 26 गणस्य 109

बम्बई, दिनां रु 26 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/15631/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार अक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 91, जो, 3री मंजिल, श्रीहुल्ण धाम, एल बीं एस मार्ग, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तार ख 1-1-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीविक उच्चेय से उक्त कत्तरण मिवित बैं शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्परण संहुर्य किसी शाव की शावत, उपस्त अधिविषय के अधीन कर को के अम्परक अ वायित्व में कमी करेने या उमसे बचने में सुविधा वी सिए; और/वा
- (क) एस किसी काम का किसी धन या बन्य बास्तियों ली, जिन्हों भारतिक्ष्य आयक्तर अविधानियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उपयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रंकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, बन्सरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अधृति ;—— ा. मै॰ प्रशास बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2 श्रं। सुदेश कुमार कपूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के गुस सिसित में किसे जा सकारी।

स्पच्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

फ्लैंट नं॰ 91, जो, $3\sqrt{t}$ मंजिल, श्रिं(हुप्ण धःम, एस॰ बो॰ एस॰ मार्ग, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/15631/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिणस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

मोहर 🖫

प्रकृष हार्डें, हों. ५वं. एत्. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/15822/84-85--श्वतः मुद्ये, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, तल माला. हमारत "किणोर", देसाई वाडी, गोपाल कुष्ण गोखले रोड़, मुलड (प्०), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनु-सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिसका करारनामा करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रति' ल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत जन्म अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के .ेडन्य में अभी अन्तर्भे या उत्तरमां शांत्रों में मृतिक्ष के गंतर, बीर/या
- (व) इसी किसी बाब था किसी भन या अन्य आस्तिथी को फिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या जेक्द अभिनियम, या बर्ज-कर अभिनियम, 1957 (1957 वा २२) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया 'का चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं जनसर्थ में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स जीला व न्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

2. श्री एम० डी० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाशेष ः---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी खा धै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्तियों होते.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ह^त, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

मचर्ची

दुकान नं 1, जो, सल माला, इमारत "किशोर", देसाई वाडो, गोपाल कृष्ण गोखले रोड़, मुलुड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37-ईई/15822/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक: 26-8-1985

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्याक्त्य, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-3, बम्बई

बस्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/16266/84-85---भतः मुझे, ए० प्रसादः

ंत्रिकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० पलैट नं० 11, जो, 4थी मंजिल, विनस ग्रपार्टमेंट, भल्ला को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०. देवीदयाल रोड़, म्लुड, बम्बई-80 में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्परी के कार्यालय में रजिस्ट्री 1-1-1985 हैं

को पूर्वोक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरक ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीध-नियम की अधीन कर दोने की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (सं) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) स्टे अभीन, निस्कृतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :- 1. श्री जी० एम० बोरा।

(अन्तरक)

2. श्री पंतर बीट खंडेलवाल ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

नगसूची

फ्लैंट मं० 11, जो, 4थी मंजिल, विनस प्रपार्टमेंट्स भल्ला को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, देवीदयला रोड़, मुलुड, बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुपूर्वी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/16266/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

दनांक: 26-8-1985

िमोहर :

श्रुस्य वाह<u>े,</u> टो<u>. हुन्, हुन्, क्र्य</u>ान्य

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधान सूचना

बारद सुरकाड

कायान्त्य, महायक कायकर काय्**यत (निरक्षिण)** सर्जन रेज-3, बन्बई बन्बई, बनौंक 26 सगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/16265/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रचाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रवात 'उदल की विनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवित वाजार मुल्य 1,00000/-रा. से अधिक हैं

अर जाको संज फ्लैंट नंज 10, जो, अथा मंजिल, िप्तिं अर टेमेंट्य, भाला कोज्न्यायण हार्जी म संजायटा तिज, देवा दवाल रोड़, मुलुड (पज), बस्बई—80 में थि: है (और इ.से उपायद अनुसूचा में और पूर्ग क्या से विगित है), और जाका करारनामा श्रायार शि.ियम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रधोन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारंख 1-1-1985

कारा क नायालय म राजस्ट्रा ह, ताराख 1-1-1985
को पृथीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूला सं कम के दरभमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापृथीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
हसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रीपफल का पन्दह
प्रशिक्ष से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) क बीच एस अन्तरण के लिए तम् पाया गया।
प्रतिफल, मिम्मलिखित उदश्यमां से उच्न अन्तरण जिलित
को बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- नमार जभाग कमी आया था किसी धन था बन्ध वास्तिकों ना भाग कार्याहर कायान्त का अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनेस अधिनियम, या भनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के असोबनार्थ अन्तिरी बुबारा प्रकट नहीं किया जन ना भाग कार्या काहिए था, स्थियन में विकास के किया के किया के किया

अतः अतः, उक्त अभिनियम की धारा २६०-ग के अनसर्थः में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उत्धारा (1) रेजरिंग विश्विकात व्यक्तियों, अधीत :-----54—266 GI'85 1. श्री कें इ.० वे.हरा।

(श्रन्तरक)

2. श्री बेहारी लाल खडेलबान।

(अन्तरियोः)

का यह स्थातः कारों करके प्वांबत अंपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कारता हो।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी बाक्सेप्:---

- (क) इस मधना के राज्या में प्रकाशन की नारीस सं 45 विन की संवीध वा उत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान को तामील सं 30 दिन की सर्वीध, डा भी समीध बाद में समाप्त होती हो, के शांतर पृथांकर व्यक्तियां में से जिसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहर्थ किसी अन्य ध्यक्ति दुवारा अथोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किश् जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

, अनुसूची

फ्रीट नं 10, नो, 4थी मिलि, पिना ग्रामिटेनेंट्स, भाषा को -श्राप हाउँ मि सो प्यटः निन, देवी दयाल रोड़, मूलंड (पन), यम्पई-80 में स्थित है।

श्रतुपूची जैना ि क० सं० श्रई-3/37-ईई/16266/84-85 श्रीर जी पक्षम प्राधिकारी, बम्मई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 की रजिल्टर्ड िया गया है।

ए० प्रनाद सक्षम पाशिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरक्षण) प्रजैन रेंज-3, बस्बाई

रिगोह: 26-8-1985

मोहर : 🕒

प्रकार नाइ . टी. एस एस.-----

बाधकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विभीन स्थाना

भारत श्राक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंड-3, दम्दई सम्दर्द, रानाँक 26 श्ररान्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/15711/84-85--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह शिक्वान करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रु. से अधिक है

भीर ज की संव फ्लैंट नंव 9, जो, इमान्त नंव 16, मु द भायर्न स्टाफ एस यिसन को विस्तार नार्जी म से स्टार लव, गवाणपाडा, मुलंड (पूर्व), बरहर्द में रहत हैं (भीर इसि उपापक अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर विस्ता वरारनामा श्रायहर की स्मि, 1961 के धारा 269क, ख के श्रधीन, बराई विषत सक्षम प्राधिसारी के कार्य रूप में रिन्ट्रें है, तार्ख 1-1-1985

वा पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मृल्य सं कम के दरीमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापयाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण पंहाई किसी आय की बाबत, जकत नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायिश्व में कमी करन या उससे बचन में सूबिधा के लिए; के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों आरतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 को ११) या शक्त प्रधानयम ए चनकार जीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वर्ण था या किया जाता जाहिए था, स्थितने की स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त कीश्रीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, बैं उक्त कोश्रीनयम की धारो 269-व की उपधारा (३) के अधीन, निम्नलिकिट व्यक्तियों, मर्थात :--- मै० मुकुंद श्रायनं स्टाफ एस विकास को०-भाष० हाजीय सोजायटा लि०।

(प्रकारक)

2. श्री सुक्रमण्यिम के थांडा रामन्।

(भ्रन्तिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षी बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निरक्षत मा किए अस्तिस्त ।

रवष्टांकरण :—-६ममं प्रयक्त सक्टों और पत्रों का, आरे उच्छ क्रीलिंग्यम, के क्र≪ाय 20 के में शीरभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

फ्लैट नं २ 9, जो, इतारत नं 16, मुक्द स्नायर्न स्टाफ एसो योजन को०-स्नान० हाउँ ग संजायटो लि०, गवाणजडा, मुलुड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनुरूची जैता ति कि० सं० प्रई-3/37-ईई/15711/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारो, बस्पई द्वारा दिनौक 1-1-1985 की रजिल्दई तिया गया है।

> ए० प्राद सक्षम प्रधिारी सहाय: म्राय: प्रायुक्त (रिक्षण) मर्जन रेंज-2, बर-ईर

दि 🕇 ः 26-8-1985

में हर:

प्रकार बाह् टी एन एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, निंक 26 ध्रम त 1985

निर्देश सं० श्र**ई** -3/37-ईई/16160/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रताद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स क अभीन संक्ष्म प्राधिकारी का यह । अञ्जाम करन का जारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

म्रोर जिल्ला स० यूजिट न० 12, जो, तल माल, बो०— इमारत, शरद इडिन्ट्रियन इन्टेट, सर्व ० 140, लेक रज़, भाड़ा, बम्बई 78 म थिंग है (और इस्से उजब्द अनु-सूबी मे भ्रार पूर्ण रूप से विणिष्ट है), भार जिला करार-नाम प्रापतर प्रविधिया, 1931 का धारा 269 त, ख के प्रवास, बन्बई थिंग जनन माजिलारी के कामलय में रान्ट्रिस है, तारख 1-1-1985

का पूनाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूनाकत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एस दृश्यमान प्रतिफल की पन्तह प्रतिशत से बाधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितीरायों) के बीच एस बन्तरण के लिए तय पाया गंबा प्रतिफल । नम्निलित उद्दृश्य से उच्न अन्तरण निवित है बास्तरिक रूप से क्यांवर नहीं किया यसा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, अवत आधानसम क अधीन कर, दान क अन्तरक की दाकित्व में कभी करन दा उसस अचन में शुविध। के चिष्, व्यटि/वा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिए कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य आधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के कि प्रवासनाथ अन्तारती इवारी प्रकट नहीं किया गयी बा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाकों को सुविधा के शिष्

बंत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण वा. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) वो बचीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, निधात्रक्र— मै० पाद तनस्द्रमतः कानाः।

(म्रन्तरह)

2. मे . सं हिर एक . रे इत्यू फेंट . ।

(मन्.रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास्त के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक बं 45 दिन की बर्जांध या तत्मम्बन्धी क्यांत्रिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि. बांधी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्यक्तियों में से किसी स्थानत इवारा;
- (ख) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सर्पास्त में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त की भी नयम के अध्याग 20 के में गीरभाषित ही, तहीं अर्थ हाना, जा उसे संस्थाय में दिया नक्ष हैं:

मन्स्ची

युद्धि नं २ 12, जो, तल माता, बी०-इमारा, सरद इंडिट्रियत इंडिट, विने नं २ 140, लेड रोड़, भोडूा, बस्बई— 78 में थिर है।

अनुपूत्रों जैंग िकः सं अई-3/37-दि/16160/ 84-85 श्रार जो नज्ञम गाबिज्ञर, बम्गई द्वारा जिनक 1-1-1985 को रिजल्टर्ड िया गना है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ः मायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

नित्तः 26-8-1985

माहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.----=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बस्पर्ध

बम्बई, िनांक 26 श्रगस्त 1985

िर्दोतः सं० प्रई-3/37-ईई/16147/84-85--प्रतः मुझे, .ए० प्रसादः,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का करण हैं कि स्थावर सपतित, जिसमा सोजित करार वृत्य 1,06,000/-रा. से अधिक हैं

ब्रोर जिस्तो कर स्मिट तर 19, जा, जन माला, बारू -इमारा, जारा इंडिन्ट्रिन इन्ट्रेंट, स्में नेर 140, लेह रोड़ भांड्रा, बर्ल्ड-73 में स्थित हैं (प्रोट इस्स उसाख प्रनु-सूत्रों में ब्रोर पूर्ण रूप से निणत हैं), ब्रार जिसा करार-नामा ब्रायहर अधित्यम, 1961 को धारा 269 क. ख के प्रजीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधितारों के कार्यालय में रिनस्ट्रा है, तारुख 1-1-1985

का पृकाल संस्थारत के उचित बाजार मृत्य में कर के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अर्थ-रित की गई है और मुर्फ, यह विश्वास करने का कारण है कि यथ, दुर्बाका स्थ-तित का उचित वाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल गे, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्दिर्गितयों) के बीच एसे अन्तरण के दिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में अध्यक्त क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (त) अन्तरण स हाडे किसी बाय की बाबत, उच्च बीधनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/मा
- (च) दोसी किसी जाम मा किसी घन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१००२ का २१) या ज्या अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयासनार्थ जाल्हीरती देवारा प्रकट नहीं किया तथा था वा किया बाना वाहिए था, कियाने में स्थिया के किएन

कंटर क्ष्ण, उस्त विधिनियम की धारा 269-म क अनसरण वी, भी, एक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बर्धान, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थान् :--- मै० शर्य अन्स्ट्रक्शन्य कंतनः।

(अन्दर्ग)

2. श्री भरत एच० पालेजा।

(म्रन्ः(स्ती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यभाहियां शुरू करता हु।

उत्पत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशक की नारीय के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामीन स 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर ध्रास्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति धवान अधाहरू । के पाइ लिखित में किए वा सकी है।

स्मच्हीकारण:---इसमाँ प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-6 मा परिभाषित है, वहां अर्थ हांगा, जो उस अध्याय मो दिया गवा है।

अनुसूची

यूनिट नं० 19, जो, तल माला, बो०-इमारत, शरद इंडिन्ट्रियल इस्टेंट, पर्वे नं० 140, लेक रोड़, भांडूप, बस्बई-78 में स्थित है।

श्रतुमूत्रा जैसा कि कर लंद प्रई -3/37 $- {}^{\frac{1}{2}} {}^{\frac{1}{2}} 16147/84-85$ श्रीर जो पक्षम प्राधितारी, बराई द्वारा िनांक 1-1-1985 को रिनस्टर्ड िया गया है।

ए० **प्र**ाद ंक्षम प्र**िरी** रहायश श्रायकर श्रायुक्त (रिक्षण) श्रजैन रेंज-3, **बम्बई**

िश्चर्मकः 26-8-1985

माहर :

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3, **बरबई**

बम्बई, दि तं ह 26 फ्रगरत, 1985

िदेग सं० = अगर्द-3/37र्ददी/16280/8_{*}-85--श्रतः मुझे ए० प्राद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात 'उक्त आधानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और किनकी सं० पतैदानं० 86-87, जो 1 लीं मंत्रिक्ष, श्री हण धाम, एतः बींक एति, मार्ग, मुलुंड, बम्बई-६० में स्थित है (और इत उताबद्ध अनुपूर्वी में और जी पूर्ण रहा से विभिन्न है) ऑप जिल्ला कार्यास्त्र अधियम, 1961 की धारा 269 ज़िल अधीत बम्बई व्यित व्यक्त प्राधिवारी के ्यार्या ८२ में अधिस्ट्री है दिन% : 1-1-1985

का प्रवाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्ताक्त सम्पात का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अति रती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिपत्ल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक की द्यायत्व मः कमी करन या उसस बचन मः स्विधा के लिए; और/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण गा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

प्रमात विकल्स ।

(भ्रन्तरक्)

- 2. श्रीमती स्वमणी देवी, अग्रदाल और अस्य । (धन्दिनितीं)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए भायवाहिया शुरू करता हुए।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तासील सं 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी कं पास लिखित मा किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

श्रनसूची

फ्लैट नं० 85 87, जो 1 सीं मंिल, श्री[ा]ष्ण धाम, ए : ० बीं० एउ० सार्ग, मृलुङ, दरवई 8। में स्टिंह है।

प्रानुसूची जी कि का का का प्राप्टी-3/3 ईई, 6 80,84-85 और जैं। क्षम प्रधिआरी, बर्ध्यक्षा, विराप् 1-1-1:85 को परिस्टर्डियागराई।

> ए० प्रधाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिना : 26**-3-**19**8**5 मंहिर

इक्स बार्ड. टी. एव. एव.----

मायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज~3, बम्**बई**

बम्बई, दिवी : 26 क्यस्त, 1985

िर्देश सं० शाई-3/37ईई/ ±6148,8-⊁85---मत : मुझे, ए० प्रसाद

कायकर जी जिसे इसमें इसके वश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरि जि । ती सं० यू िट नं० 17, जो, तल पा त, बी-इमारत, शरर इंडिव्हिन, इसेडेट, उर्वे नं० 140, लें 'रोड, माडप, बमाई-78 में स्थित हैं जीर इनसे उपाबद्ध अनुपूर्वत में अर जो पूर्ण रूप विजित्त अंग जिन्हा विभाग भारवार हिंग 1961 की धारा 269 जिंवे अधीन बम्बई स्थित अक्षम प्राविक्षारीं के अधीन विभाई स्थित अक्षम प्राविक्षारीं के अधीन विभाई स्थित अक्षम प्राविक्षारीं के अधीन विभाग स्थाप से स्थित हैं दिनते '1-1-1985

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृज्ञाकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसक बश्यमान प्रतिफल स, एसं व्यवमान प्रतिफल का निष्कृत के बीच एमें अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निभ्नितिवित सबदेश से उचित बंदरण सिचित में वास्तविक कम के बीच निभ्नितिवित सबदेश से उचित बंदरण सिचित में वास्तविक कम का स्थान नहीं किया ज्ञा है :---

- (फ) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्स स्थितियम के अधीन कार दान क बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूरिशा कालए, संदे/या
- (ख) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के लिए;

बत: अव. उक्त मिनियमं की भारा 269-म में ममूबरक में, में, उक्त आधानयमं का धारा 169-व का उपधारा (1) दे मधीन ्निम्निसिवित स्पितियों, स्थाद :--- 1. शास्त्र कर दूक्शन कंपनी

(अतःक)

िरीट एच० पालेगा ।

(भन्तिति)

का यह सुकना कारी करके पूर्वोक्द सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

वक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्जाभ या तत्सम्बन्धी क्यांक्तयां पद क्यां की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो मी बर्जाभ वाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रजेवक क्यांक्तव्यां में स किसी व्यक्ति ब्यांक्त
- (ब) इस स्वना के श्वपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, जभाहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकेंग।

जुल्कीकप्रम् :---इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा थां उसे अध्याय में विया नया हैं।

वगत्त्री

यूटि नं० 17, जो ता माता, बी-इमान्त, एन्द इंडिन्ट्रिल इस्टेट, सर्वे नं० 140, लेक रोड, शांडूप, बन्बई : 8 में स्थित ई।

अनुगूचीं जैंग ि ऋ० सं० १६-3/3 ईई/16148/8 -85 अरेर जो क्षम प्रक्षि ारीं अभ्यई द्वारा दिनांच 1-1-1985 को ास्टिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्र**ंव** सक्षम प्रक्रि गरीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (दिस्क्षण) श्रुकीन रेज-3, बन्बई

दिनाक 26-8-1985 मोहर

मक्त नाव" ही, एवं, प्रकृत मान्य , सरद्वानन कांपनीं

(স্বার্থ ১)

2. एम० एच० अलेजा। गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(श्रद्धारितीं)

धारा 269-ए (1) क वधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्ब**ई**

बम्बई, बिनां : 26 श्रगस्त, 1985

िर्देश सं० धाई 3/37ईई/16149/8-/85--अतः मुझे ए० प्राद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स क अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित बाजार मृत्य 1,∪0,000/-रुः से अधिक **ह**ै

और जिल्हीं संवयुटि नंव 20, जी तल माला, बी-इमाला. शरद इंडस्ट्रियल' इस्टेट, सर्वे नं० 140, लें∴ रंफ, भांडूप, बम्बई 18 वें रिया है अौर इ से उपाबद्ध कनुगुवी में और जें। पूर्ण रूप विभिन्न हैं), और शि 'ा जारनामा शायार है। रि.स. 1961 की धारा 269 'छ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि ारी के ्रायी हा में एक्टिस्ट्री है बिजरा 1-1-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के रच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) भीर बंतरिती (अतारातयां) के बीच एंसे अंतरण के लिए सब पादा गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हाई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वौर/दा
- (4) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वीवधा 🕏 सिए;

क्यों यह स्वाना बारी करके पृक्षिक्य स्मास्ति के वर्षन् के लिए कायबाहिया शुरु करता है।

बक्द सम्मारत के वर्षन के सम्बन्ध में की हैं भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविभि या शुल्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि बाद के समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वांक्त न्या अक्षयों में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीख वं 45 विम के भीतर उच्न स्थावर स्पन्ति में हिल बहुष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्तिय किए या सकर्ग।

स्पक्रतीकरच्च:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अो उक्त मिधिनयम के अध्याय 20-क में भीरभाषित 🧲, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नपा 👣

अनुसूची

युटि नं ० २ ०, जो, तल मा ा, बीत्हमा त, कर इंडिस्ट्रिक इस्टेट, अर्वे नं ० 140, ले अराह, भांड्ए, बम्बई 78 में स्थित है। श्चनुसूबीं जै भ ि. ऋ० सं० शाईतः /3७ईई/16149/8⊹85 और जें। स्थम प्राथि गरी, बम्बई द्वारा, दिलीक 1-1-1985 को प्रशिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्राप्त सप्तम गाधि गरी सष्टायक मानकर माप्कत (निरोजग) भार्जन रेंज-3, बम्बर्ड

अत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६०~-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलि**शित व्यक्तियाँ, वर्षात् ४**—

विन† 7 28-8-1985 मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अः (क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें :-3, बम्बई

बन्बर्, दिनांतः 26 धगस्त 1985

निदेश सं० ऋई 8/3.ईई/16000/04/85---अतः मुझे, ए० प्र**ा**ष

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और विकास संव फ्लैंट नंव ए 40, की काह नंव 35, रोड़ नंव 11, पुना को, मांगड़ (पूर्व, बनाई-97 में स्थित हैं (औं: इ'से उपावड़ अनुद्विमें और जो पूर्ण रूप से किल हैं) और दिस्ता एक पमा आया कि किया, 1961 को धारा 269 क खा के अबीच, यम्बई स्थित स्थम प्राधितारी के तमिल, बम्बई में किल हैं किल 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई हैं अर मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूगें केत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अत अत्र, उत्तन अधिनियम की धारा 260-ए के अनुमरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1) क अधीन, निम्निमिख व्यक्तियों, वर्षात्:— 6. श्री एउं० पी० शहा

(ग्रस्तरःः)

7. एम० बी० शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया. पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वाक्त व्यवितयां भें में विस्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्या क राजपह में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्रैट नं० ए 407, जो प्लाट नं० 35, **रोड, नं०** 1, पुरुष पार्क, मा गड (पूर्व बम्बई 97 में स्थित है।

अनुपूर्वी ौसा ि कि सं शार्ड 13/37ईई/16060/84-85 और जो अक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-1-1985 की रिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रें :-3 बस्बई

दि 🗓 : 26-8-1985

मोह

प्ररूप आहर्रे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 सिनम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/15786/84-85---श्रतः, मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज वालनाय, तालुका बोरिवल, सर्वे नं 26, एच० नं 1 (ग्रंश), सर्वे नं 46, एच० नं 5 (ग्रंश), नया प्लाट नं 14, मालाइ, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनौंक 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया भया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निनितित व्यक्तियों, अभीत् :--55---266 GI/85

1. श्री प्रममुखलाल दी० दोणी,

(ग्रन्तरक)

2. मैगर्स श्रनीता इंटरप्राइजेम।

(ग्रन्मेरिती)

को यह सूचना जारा करके पृष्ठीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुषुची

जमीन का हिस्सा, जो विहलेज बालनाय, तालुका बोरिवली, सर्वे नंड 26, एच० नं० 1 (ग्रंश), सर्वे नं० 46, एच० नं० 5(ग्रंश), नया प्लाट नं० 14, मालाड, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-3/37ईई/15786/84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षर स्रायक्ष्य (निरीक्षण) स्रजन रेज-३, बस्बई

दिनौंक: 3-9-1985

प्रकप बादी. टी. एम्. एतः,-------

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 26 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/16334/84-85——श्रत:, मुझे ए० प्रसाद

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव बैंक प्रिमाय से सनंव 2, जो तल माला, प्रिन्स, ग्रपार्टमेन्ट, करानी लेन, घाटकोपर (प०), बम्बई-86में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय अग्रं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविद्य की लिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण प्रा, भी उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- प्रिन्ग इंटरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरक)

2. जयश्री डी० पंचाल ग्रौर श्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
 - (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

वनुस्पी

बैंक प्रिमायसेस नं० 2. जो लल माला, प्रिन्स, श्रपार्टमेन्ट्स, करानी लेन, घाटकोपर (प०), बम्बई-86में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/16334/84-85श्रीर जें। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 26-8-1985

मांहर ;

ter anti-el. (4. 44 prominent

भाराकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3.

बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर, 1985

निर्वेश सं० श्राई-3/37ईई/16251/84-85—-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० ए-45, जो इन्द्रदीप, को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 171, एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (प०), बस्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 1-1-1985

को पूर्वोक्त संगीत के उचित गाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफत्त के निष् मंतरित की गई है और मुखे यह विद्यास करने का कारण है कि व्यान्वोक्त संगीत का उचित वाचार मूल्य, वसके अध्यमान प्रतिफत्त से, देखे अवधान प्रतिकत का पत्तक प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय गया गया प्रतिकात , निम्मतियात उद्वेदय से उक्त अन्तरण भिवित में वास्तिक रूप से कमित नहीं किया थवा है :—

- (क) बन्धरण से हुई जिली मान की बालता, उनक् वृषिविषण के बचीन कर देने के बन्धरक के शायरण में क्षती करने या उक्के बचने में बृष्णिया के जिल्; मार्/गा
- (पा) एवी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्ही भारतीय अवय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में त्रिया विधा के लिए:

श्वतः सत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिश्वित व्यक्तियों, वर्षात ६-— 1. श्री हरी किशनदास पी० परमार ग्रीर ग्रन्म

(भन्तरक)

2. श्री राजाराम रामलाल, यादव श्रीरश्रन्य।

(मन्तरिती)

को यह सुवना जारी करने पृथािका सम्परित के नर्वन के जिए कार्यगाहियां गुरु करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकारन की तारीय से 45 सिंग की व्यक्ति वा तत्त्राम्यकों न्यूनियकों वर बूचना की तामील से 30 दिन की वर्षीय, को भी ब्रुविय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथितक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावत व्याय अधीहरता। अरो के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्वक्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का वो उच्छ विधिनियमं, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० ए-45, जो द्रइंद्रश्रदीप, को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी ल०, 176, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०) बम्बई-86 में स्थित है।

यतु तू ची जैसा कि कि कि साई -3/37ईई/1625 रे84-85 और जो समक्ष प्रधिकारी बम्बई द्वारा, विनौक 1-1-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बस्बई

दिनौक: 3-9-1985

मोहर:

प्रकथ बाइं.टी.एन.एस.,-----

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

िनदेश सं० ग्रई-3/37ईई/14850 ए/84-85—-श्रत:, मुझे,

षाप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० प्लैट दं० 1, जो प्लौट नं० 18-ए, जवाहर नगर, एस० बी० रोड, गीरेगाँव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत :— 1. मै० भावना कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भन्तरक)

2. श्री जबन्ती लाल हाथी सिंह शहा श्रीर श्रन्य । (ग्रन्मेरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॅंट नं० 1, जो प्लॉट नं० 18-ए, जबाहर नगर, एस० बी० रोड, गोरेगॉब, (प०), बम्बई-62में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं अर्थ श्रई-3/37ईई 14850ए/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बस्बई

दिनौंक : 3-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृत वार्ष्_न टी.; एन . एव .-----

बास कर बिभिट्टिनसम्, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के सभीन सुचना

मारत रहकार

कार्यात्रव, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37ईई/15971/84-85—श्रतः, मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो नलमाला, "निधा", फ्लौट नं० 2, जन कल्याण नगर प्रावेद्दट स्किम, खरोडी किहलेज, मालाड (प०), बम्बई-95 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौर जो पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनाँक 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना थाहिए था, क्रियाने में स्वैक्धा के लिए;

अप्तः अअ, उक्तः निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्जे, में, उपन्न निधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्ष्रं निधालिस्ति, व्यक्तियों, अर्थात् ध—— डा • बलगंत रघुनाथ वाघोलीकर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुधा श्ररण कुमटा।

(भ्रन्तरिती)

को सङ् सूचना बहुरी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाप के राजप्य में प्रकाशन की तारोस सं 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियां कर सूचना बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास निकास में किए अध्यक्तेंगे।

स्वचाकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा गया हैं।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो तल माला, "तिशा". प्लाट नं० 2, जन कल्याण नगर प्राइवेट स्कीम, खरोडी, व्हिलेज, मालाड (प०), वस्बई-95 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं कं सं आई-3/37ईई/15971/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-9-1985

मोहर:

संब्ध सोक सेवा घरयोग गोटिस

भू-विज्ञानी परीक्षा, 1986

नई दिल्ली, विनांक 5 अक्तूबर, 1985

सं० एफ 4/2/85-प० I (ख)—भारत के राजपत विमांक 5 प्राक्त्यर, 1985 में इस्पास भीर खान मंत्रालय द्वारा प्रकाणित नियमों के धनुसार नीचे पैरा II में जिल्लाखित पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा भ्रगरतला, महमवाबाद, ऐजेल, इलाहाबाद, बंगजीर, भोपाल, बस्बई, कलकत्ता, बण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, इस्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, महास, नागपुर, पणजी, (गोवा) पटना, पोर्ट क्लेयर, रामपुर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिक्षात, व्रिबेन्द्रम, उवयपुर भैर विशासायण्डनम में 18 मार्च, 1986 से १ क प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

प्रायोग यिव चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों सथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीववारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्व के केन्द्र देने के सभी अयास कि न लायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवशिक्ता उम्मीवकार को अपनी विवक्षा पर घलग केन्द्र वे सकता है। जिन उम्मीववारों : उक्त परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी सथा क्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे वी जाएगी अनुबन्ध 1 पैरा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के बाबार पर जिन पवों के बगों के लिए भर्ती की जानी है वे शबा विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की धनुमानित संख्या नीचे वी जासी हैं:---

वर्ग I: (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पान मीर खान मंत्रालय के पव

- (i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'
- *(इनमें घ० जा० के उम्मीदधारों के लिए 8 और घ० ज० जा० के उम्मीदबारों के लिए 4 घारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
- (ii) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप 'ख'

*(इनमें म्र० ंजा० के उम्मीदवारों के लिए 5 भौर म्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 मारिकत रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

वर्ग II: (केम्द्रीय भू-जल बोर्ड, सिंचाई मंत्रालय के पद)

- (i) कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी ग्रुप 'क'
- 41 (इनमें प्र० जा० के उम्मीव-कारों के लिए 7 और अ० अ० का॰ के उम्मीववारों के लिए 3 प्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।
- (ii) सहायक जल-भूविज्ञानी ग्रुप 'क'

47 (इनमें घर जार के उम्मीद-वारों के लिए 9 और धर ज जार के उम्मीदवारों के लिए 4 घारिक्षत रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियां ध्रस्थायी ध्राह्मर पर की जाएंगी। स्थायी रिक्तियां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार प्रपने कमानुसार स्थायी रूप से नियुक्ति के पाल होंगे

3. उम्मीववार उपर्युक्त पैरा 2 में उरिलक्षित सभी था किसी एक पव 'पर नियुक्ति के लिए परीका में प्रवेश हेतु झावेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पव/उक्हीं पदों के लिए उम्मीववार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए बहु झावेदन करेगा। एक बार झावेदन-पत भेजे जाने के बाद सामान्यता किसी प्रकार के परिवर्तन की झनुमति नहीं दी जाएगी।

*सरकार द्वारा रिक्तियां अभी सूचित होती हैं।

यदि कोई उम्मीदवार एक से प्रधिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हैसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे भी एक ही भावेदनपक्ष भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उहिलखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उससे प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

विक्षेष ध्यान :— उम्मीदवार को प्रावेदन पत्न में यह स्पष्ट रूप से लिखना होगा कि वह किन सेवाधों/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता कम उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्विष्ट उन सेवाओं/पवों के वरीयता कम में परि-वर्तन से संबद्ध किसी मनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब ऐसा धनु-रोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा घायोग में प्राप्त हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश बाहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित धावेवन-प्रपन्न पर सिवय, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को धावेदन करना चाहिए! निर्धारित धावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा में संबद्ध पूर्ण विवरण द० 2/- (दो रुपए) देकर धायोग से डाक धारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिवव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआईर द्वारा या सिवल, संघ लोक सेवा धायोग को मई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल धाईर द्वारा मेंजी जाभी चाहिए। मनीधाईर/पोस्टल धाईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये धावेदन-प्रपन्न धायोग के काउन्टर पर नकद भुगतान धारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। द० 2/- (वो रुपए) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भ्रपने भावेदन-पत्न भू-विज्ञानी परीक्षा 1986 के लिए निर्धारित मृदित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1986 के लिए निर्धारित भावेदन-प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए भावेदन-प्रपत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. मरा हुआ मानेदन-पन्न मानविषक प्रलेखों के साथ सचित, संध लोक सेना मायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 2 दिसम्बर, 1985 से पहले की किसी तारीख से भसम, मेवालय, मठणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू भौर कश्मीर, राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, मंडमान भौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप भौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके भावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 16 दिसम्बर 1985 तक या उससे पहले डाक द्वारा भवष्य भिजवा दिया जाए या स्वयं भायोग के काउन्टर पर जाकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी भावेदन-पत्न पर जिलार नहीं किया जाएगा।

श्रसम, भेषालय, श्ररणाचल प्रवेश, मिजोरम, मेणिपुर, नागालैंड, तिपुरा, सिविकस, जम्मू भीर कश्मीर राज्य के लहान्त्र, प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले जम्बा जिले के पांगी उपमण्डल अण्डमान भीर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि बाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 2 विसम्बर 1985 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, श्ररणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, त्विपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहा ख प्रभाग, हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीती जिले अम्बा जिले के पाँगी उपमंडल श्रंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विवेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1) जो उम्मीवशार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुती होतु अतिरिक्त सिमय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अनिन्वित समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात असम, मेघालय, जम्मू तथा कक्ष्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त रामय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2) उम्मीवनारों को सलाह वी जाती है कि वे घपने आवेदन-पल को स्वयं संव लीव सेव आव के काऊंटर पर जमा करावें अथवा रिजस्टर्ड डाक झारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तर-दायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए प्रावेदन-पक्ष के साथ श्रायोग को रु० 48.00 (रु० प्रकृतालीम केवल) का गुल्क भेजना होगा जो कि सिचन, संघ लोक सेवा धायोग को नई विल्ली के प्रधान जाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल भार्कर या सिचन, संघ सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य गांखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी गांखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक कृष्ट के रूप में हो। भनुस्चित जातियों/अनुस्चित जन जातियों से सम्बद्ध उम्मीदवारों को कोई गुरूक नहीं देना है।

बिदेश में रहने वाले उम्मीयवारों को निर्धारित शुक्क मारत के उच्च धासुक्त, राजदूत या बिदेश स्थित प्रतिनिधि जैसा भी स्थिति हो, के कार्यालय में इस प्रनुरोध के साथ जमा करना होगा कि वह "051 लोक सेवा प्रायोग परीक्षा शुक्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए ग्रौर उन्हें प्रावेदन-पत्र के साथ उसकी रसीव लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन, भावेदन-पत्नों में उक्त अपेक्षायें पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्थीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीवनारों पर लागू नही होता जो तीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित गुल्क से छूट चाहते हैं।

- 7 भायोग यदि चाहे तो उस स्थित में निर्धारित शुरूक से छूट दे सकता है जब बह इस बात से सन्तुष्ट हो कि धावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की भविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) से भारत भाया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्म से घास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है भौर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौता के भ्रम्तर्गत 1 नवस्वर 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या भाने बाला है या तत्कासीन पिचम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा उसने पहली जनवरी, 1971 भीर 31 मार्च 1973 के बीच की भविध के बौरान भारत प्रव्रजन किया था भौर निर्धारित शुरूक देने की स्थिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित गुल्क का मुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं विया गया हो तो उसे रु० 30.00 (तीस रुपये केवल) की राणि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 7 के नीचे टिप्पणी की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीव-वार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है। अथवा वह उपर्युक्त टिप्पणी के उपकारों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह मुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

जपर्युक्त सथा नीचे पैरा 9 के जपबन्धों को छोड़ कर अस्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विश्वार किया जाएगा और न ही शृक्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए भारक्षित रखा जा सकेगा।

- 9. प्रदिकोई उम्मीदवार 1985 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए. बिना अपना आवेदन-पत्न निर्धारित लारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुन कर दे। यदि 1985 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेनु उनकी अनुशामा हो जाती है, तो 1986 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रह कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शृक्क वापन कर दिया जाएगा। किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रह करने तथा शृक्क वापनी के बारे में उनका अनुरोध 1985 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार ममाचार" में प्रकाशन की तारीबा से 30 दिन के भीतर आयोग के कार्यालय में अवस्थ पहुंच जाए।
- 10. आनेवन-पन्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार महीं किया जाएगा।
- 11. जैसा कि नियमावली के परिणिष्ट 1 में निर्दिष्ट है सभी विषयों के प्रथमपत "बस्तुपरक" होंगे। नमूने के प्रथम सहित बस्तु परक परीक्षण से सम्बद्ध विवरण के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" का अनुबंध देख लिया जाए।

एम० बाल कुष्णन, उप-सचिव संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध I जम्मीदबारों को अनुदेश

 जम्मीवकारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपन्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाल भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्लों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्न भेजने से पहले अम्मीदबार को नोटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सिवव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पन्न रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहना है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विवार किया जाएगा किन्तु 18 फरवरी 1986 के बाव प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्न तथा प्रावती कार्ड अपने हाम से म्याही या वाल व्याइट पैंग से भरने चाहिए। अध्या या गलन भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर विया जाएगा।

उम्मीदबार यह ध्यान रखे कि आवेदन-पत्न भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख देवनागरी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदबार यह सुनिध्चित कर ले कि वे आवेदन-प्रपन्न में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विषय मावधानी बरतें। कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों यदि य प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक हैं तो उनके निर्वाचन में होने वाली भ्रास्ति या सन्देह के लिए उम्मीदबार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन-पत्न में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्न ब्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरननी चाहिए। सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकर्मों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पन्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया आएगा। भले ही वह नियोक्ता को आखिरी सारीख से पहले प्रस्तुन किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से या आकस्मिक या दैनिक दर कर्मनारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जी सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिजयन (अंडरटिक्श) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विमाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

जम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्बीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी आएगी।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेधन-पन्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवस्य भेजने चाहिए :—
 - (1) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर या बैंक ड्राफ्ट या गुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए : नोटिम का पैरा 6 और 7 और नीखे पैरा 6)।
 - (2) आयु के प्रमाण-पत्न की अनुष्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिपि ।
 - (4) उम्मीदनार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लग-मग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए । श्रनमें से एक प्रति आवेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्धारित स्थान पर विपका देनी चाहिए ।
 - (5) विधिवत भराहुआ उपस्थित पस्नक (आवेदन प्रपत्न के साथ संलग्न)।
 - (6) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए ैं। लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
 - (7) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने का वाले के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (वेखिए, नीचे पैरा 4)।
 - (8) जहां लागू हो यहां आयु में छूट के दावे में समर्थन में प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- टिप्पणी (1):— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मव (2),
 (3), (7) और (8) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्नित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हों अववा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा में लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अहंता प्राप्त कर केते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-कल मूल कप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा में परिणाम संभवतः

सितम्बर, 1986 में घोषित किए जायेंगे, उन्हें अपने मूल प्रमाण-पन्न माक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए नैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदकार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदकारी रहू कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (2):---आवेदन-पत्नों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर उम्मीदवारों को हस्ताक्षर करने होंगे और नारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे विए गए हैं और मव (7) और (8) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण परा 4 और ति में विए गए हैं :---

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित इण्डियन पोस्टल आर्डर:—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यत: रेखांकित होना चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली

के प्रधान डाकघर पर "देय" लिखा जाना चाहिए

किसी घर्य डोकघर पर देय पोस्टल घाईर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए आएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल घाईर भी स्वीकार महीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल भार्करों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहुर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह घवम्य नोट भर लेना चाहिए कि जो पोस्टल घाईर न तो रेखांकित किए गए हों घौर न ही सचिव, संध लोक सेवा घायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुर-क्षित नहीं है।

(का) निर्धारित शुल्क के लिए रेकांकित बैंक ड्रापट :-- बैंक ड्रापट भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए धौर वह सचिव, संघ लोक सेवा धायोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेकांकित किया गया हो।

किसी ग्रस्थ बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय कैक कृष्ट की पिछली और सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।
- (2) आयु का प्रमाण-पत्न :— आयोग जन्म की वह तारीक स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा धनुरितत मैद्रिकुलेट के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृचित प्राक्षितारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीवशार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उसीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत कर सकता है।

धायु के सम्बन्ध में कोई धन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत्न, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माझ्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष" वाक्यांश के श्रम्सर्गेत खर्यमुक्त वैकहिपक प्रमाण-पक्ष म्मिलित हैं। कभी-कभी मैट्रिकुलंशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या प्रायु के केवल पूरे यथं या वर्ष श्रीर महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों म उम्मीदवारों को भैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की धनुष्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि के मतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रितिपत से लिए गए प्रपाण-पत्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां थे उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उनीणं की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के विखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिक धायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि प्रायेदन-पत्न के साथ इन प्रनुवेशो में यथा निर्धारित भागु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो प्रावेदन-पत्न प्रस्थीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीवबार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त

माध्यमिक विश्वालय प्रमाण-पद्म हो, उसे केवल ग्रायु से

सम्बद्ध प्रविष्टि याले पृष्ट की ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भोजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: --- उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि भावेदन-पत्न प्रस्तुस करने की तारीख को मैद्रिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अभूरोध पर न सो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

हिष्पणी 3: - उम्मीवलार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिए जरम की तारीख एक बार
चोषित कर देने और मायोग हारा उसे प्रपंने स्विभिलेख में
वर्ज कर देने के बाद, उसमें बाद में या किसी परीक्षा में
परिवर्तन करने की मनुमति नहीं वी जाएगी।

(3) मैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पद्ध: उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पद्ध की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवण्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्य-ताओं में से कोई एक योग्यना उसके पास है। मेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (धर्षात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यवि ऐसे प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए श्रीर अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने वावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्न की प्रपिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवस्ता के साधार पर विवार करेगा, किन्तु वह उसे पर्यात मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी :- यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ मुका हो जिसे उत्तीण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पाल हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार अहंक परीक्षा में बैठना चाहला हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य भाते पूर्ण करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने विया जाएगा। परन्सु परीक्षा में बैठने विया जाएगा। परन्सु परीक्षा में बैठने विया जाएगा। परन्सु परीक्षा में बैठने किया जाएगा। परन्सु परीक्षा में बैठने किया जाएगा। परन्सु परीक्षा में बैठने किया जाएगा। जल्दी से अल्दी अहंक परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण जल्दी से अल्दी और हर हालन में 31 अगस्त, 1986 से पहले प्रस्तुन नहीं करते तो वह अनुमति रह की जा सकती हैं।

(4) पाटों को को प्रांतिया. उम्मीदवार को प्राप्ते हाल हो के पासपीट श्राफार (लगभग 5 से गी० × 7 गे० मी०) के फोटों की एक जैसी प्रतियों भेजरी चाहिए। इनमें से एक प्रांत श्रीवेशन-प्रयुक्त पर चिपका देनी चाहिए श्रीव हुमरी प्रति चारियों। इतक में विधीतित स्थान पर जिएका देनी चाहिए। फाटा कि प्रत्येक्ष पति के क्रपर उम्मीदवार को स्याही से हुम्याध्य करने चाहिए।

emple of the control of the control

विशेष ध्यान .— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि गवि भावेदन पत्न के साथ उपर पैरा 3 (2), 3 (3) और 3 (4) में उहिलाखित प्रमाण-पत्न में से कोई का संलन्त न होगा थीर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्न प्रस्वीकार कर दिया जाएगा और इस अस्वीकृति के विस्त कोई अवील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदिवार किसी प्रमुच्चित जाति या ध्रमुसूचित जनजाति का होने का दावा कर तो उसे ध्रपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माना पिता (या जीवित माना या पिता) ध्रामतीर से रहते हों, जिला प्रधिकारी या उपमण्डल प्रधिकारी या मीचे लिखित ऐसे धन्य प्रधिकारी जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपत्न जारी करने के लिए नामित किया हों, नीचे (क) पर दिए गए फार्म में प्रमाणपत्न लेकर उसकी ध्रमुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए। यदि उम्मीदिवार के माना ध्रीर पिता दोनों की मृत्यु हो गयी हो तो यह प्रमाण पत्न उस जिले के किसी ध्रधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदिवार ध्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी ध्रस्त प्रयोजन से ध्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के ब्राधीन पदों की नियुक्ति के लिए श्रावेदन कर रहे भनुसूचित जाति/भनुसूचिन•जन जानि के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण-पत्न।

संविधान (अनुसूचित जा जातियां) आदेश, 1950
संविधान (धनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*।
संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*।

भनुस्चित जातियों भ्रौर प्रानुस्चित जनजातियों सूची (श्रशोधन) भावेण 1956 द्वारा यथाभणोधिन, वाबई पुनर्गटन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गटन सधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रधिनियम 1970, उत्ता पूर्वी क्षेत्र (पुर्गटेश) अधिनियम, 1971 घीर धनुसूचित जाति भ्रौर धनुसूचित जनजाति आदेण (संबोधन) अधिनियम, 1976।

संविधान (अस्म श्रीर तश्मीर) श्रनुसूचित जातिया श्रादेश, 1962* संविधान (बादरा श्रीर नगर हवेली) श्रनुसूचित जनजातियां श्रादेश, 1962*

मंबिधांन (पांडिनेरी) भ्रनुसूचित जातियां आदेण, 1964*
संबिधान (भ्रनुसूचित जनजातिपां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*
संबिधान (गोया, दमन और दियु) अनुसूचित आतआ प्रारंश 1968*
संबिधान (गोया, दमन और दियु) अनुसूचित अनआतियां आदेश

स्यान

तारीख

संविधान	(नागालैंड)	ग्र नुसूचित	जनज	तियां	मावेश	19 70 *	1
संविधान	(सिक्किम)	प्रमुसूचित र	गतियां	भावेश,	1978	• 1	
संविधान	(सिकिकम)	ग्रनुमूचित ः	जन जाति	वां मावेष	π, 19	78 * 1	
धनुसूचित क्षेत्र प्रशासन	जातियों/श्रनुस् से प्रचालित	(चित जनज सोगों के	ातियों वे मामले	जीए में लागू	 क राज्य !	/मंघ रा	ज्य
	ापस्न ध नु सूरी					ण पत्न	
माधार पर ध	गि/अमिती —— ——————————————————————————————————						
को जारी किय	ागमा। यह	प्रभाण पत्न क/सिन्द ≉•	आ/आम कि/किस्से	ता/कुमा । २०	Π*		
			•				_
जिला/मंडल*							
राज्य/संघ राज							4
जारी मनुसूचित जारी किया र	। जाति/मनुसू गया है जो	चित जनजा	ति* 	प्रमाण '	पक्ष के ——श्रमुसू	माधार चित जा	ति
जनजाति [#] के							
राज्य क्षेत्र* मान्यता प्राप्त		चेत जाति <i> </i>	प्रनुमूचित	ा जनज(ति*ं	के रूप	में
			हस्ता	क्षर			
			* * प्व	नाम]			
राज्य/संघ क्षेत्र			(कार	प्रीलय क	ी मोहर	र महित)	

*जो शंस्ट लागून हों उन्हें काट वें।

@कृपया विभिष्ट राष्ट्रपति के आदेश उ़ करें।

%जो पैरा लागून हो उमे काट दें।

टिप्पणी:—यहां प्रपृक्त साधारणतः रहता/रहती णब्द का आशय वही होगा जो जन अधिनियम 1950 के लोक प्रतिनिधित्व धारा 20 में है।

शंक्ति प्रदत्त प्राधिकारियों की जाति/जन जाति प्रमाण पक्ष जारी करने हेतु सूची:---

- (1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिक्टी किम-श्नर/एडीशनल डिप्टी किमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम अिणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मेजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट किमश्नर (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट मे कम ओहवे का नहीं)।
- (2) चीफ प्रेमिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेमिडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रैमिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (3) प्रेवेन्यू अफसर जिसका ओहवा तहसीलदार से कम न 🚼।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजन अपसर जहाँ उम्मीदवार और/ या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपर्मेंट अफसर, लक्षतीप।
- 5. (1) नियम 6 (का) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने काले भारतीय भू-विज्ञान मर्वेक्षण और केन्द्रीय भू-अल बोर्क में नियोजित

व्यक्तियों को अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान से निम्नलिक्कित रूप में प्राप्त मूल प्रमाण-पक्ष प्रस्तुत करना चाहिए:——

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पन्न व	ज फार्म ः
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—	
मू-विज्ञान सर्वेक्षण/केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में दिनांक	••
अस्यायी पद पर कार्यरत हैं।	— (
हस्ताकार —	
पदनाम	
मं ज्ञा लय/कार्यालय	
कार्यालय की सं	ोहर

*जो लागून हों उसे काट दें।

- (2) नियम 6 (ग) (2) या 6 (ग) (3) के अस्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ (7) के अधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले मूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पन्न की अनुपन्न की अनुप्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान से आया हुआ वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के वौरान प्रवान कर भारत आया है:—
 - (1) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अववा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों से कैम्प कमांडेन्ट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेंट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने-अपने जिलों के शरणार्थी पृनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब-डिबीजन का सब-डिबीजनल अफसर।
 - (5) शरणार्थी पुनर्वास का उप-आयुक्त, पश्चिम अंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।
- (3) नियम 6 (ग) (4) अवना 6 (ग) (5) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराप्राफ (7) के अधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावतित या प्रत्यावतित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उक्क आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आश्रय का प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैं जो 1 अन्तूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवस्त्रर, 1964 को या उसके बाद भारत आया या आने वाला है।
- (4) नियम 6 (ग) (8) या 6 (ग) (9) के अस्तर्गंत निर्धारित आयु मीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैरा- प्राफ (7) के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्या- वितत मृलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावाम, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को मा उसके बाद भारत आया है. अथवा उसे जिम क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ बास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आवा है।

- (5) नियम 6 (ग) (6) या 6 (ग) (7) के अन्तर्गत क्षायु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानियां (भूत-पूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवजन कर आए हुए या जान्यिया, मलाजी, जेरे] तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार की उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस ममय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवजन कर आया है।
- (6) मियम 6 (ग) (10) अथवा 6 (ग) (11) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्यं करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनः स्थापना रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म इस आगय का एक प्रमाण-पद्म लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए शत्रु देण के साथ संघर्ष में अथवा अशाति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम-स्थकप निर्मुक्त हुआ।

- उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म :---प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट---रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी देश के शतु के साथ संघर्ष में/ अभातिग्रस्त* क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर	
पदनाम	
ਰਿਗੰਲ -	

*जो शब्द लागून हों उसे फ़ुपया काट दै।

- (7) नियम 6 (ग) (12) या 6 (ग) (13) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय क्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसक जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रतिनिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियननाम से आया हुआ बास्तबिक प्रत्यावितत व्यक्ति है और वियंतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) जो भूतपूर्व सैनिक नमा कमीमन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीणन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 6 (ग) (1.4) या 6 (ग) (1.5) की शर्तौं के अधीन आयु सीमाओं में छूट का वाबा करते हैं, उन्हें सम्बद्ध प्राधि-कारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत्न में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पन्न की एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए ।
- (क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्ति कार्मिको पर लागू प्रमाणित किया जाता है कि सं० ----_____नाम ---जिनकी जन्म की सारीख — है, — मे — -तक सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में से एक गर्त पूरी करते हैं:—
 - (क) उन्होंने पांच या पाच से अधिक वर्षी तक मैतिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण वर्षास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए है।

(可)	वे	सैनिक	सेवा	के	कारण	हुई	मारीरिक	अपंगता	या	अक्षमता
	के	कारण						•		को
	का	र्यम ुद त	हुए हैं	1						

सक्तम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मोहर

स्थान :

तारीख:

(ख) सेवारत कार्मिकों पर लागू

	, ,								
۰	प्रमाणित			-					
	 की जस्म	तिथि			 	 			t
सेवा	कर रहे					 – स	सेना/नौसे	ना/वायुस	नाम
-	उनका प	चिव	का				पुक्त/सेवा ———		
हान	की सम्ब	मावना	ह।				सक्षम	धाधिका	की का

नाम तथा पदनाम

मोहर

स्थान :

तारीख:

प्रमाण-पत्न जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं:---

- ে (জ) कमीशन प्राप्त श्रधिकारियों (श्रापातकालीन कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियो/घरूपकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियो सहित) के मामले म :—⊸
 - सेना⊸-मिलिटरी सेकेटरी की णाखा, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली । नीसेना--कार्मिक निदेशालय, नीसेना मुख्यालय, नई दिल्ली । वायु सेना--कार्मिक निदेणालप (फ्रांधकरेरी) वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
- (खा) नौ सेना तथा वाय सेना के जनियर कमीणन प्राप्त अधिकारियां/ भ्रस्य रैकों तथा समकक्ष स्रश्चिकारियों के मामले में :---सेना--विभिन्न रेजिमेन्टर रिकार्ड कार्यानयो द्वारः। नो सेन(--वी० ए० बी० एप०, अस्बई। वायु मेना- वायु सेना १९काई (एन० ई० ग्रार० डक्क्यू०), नः दिल्ली।
- (9) निजम 6 (ग) (16) या 6 (ग) (17) ह श्रन्तीत आयु में छूट और/या नाटिस के पैरा 7 के प्रस्तान शुरुक में छूट का याता करने बाने नत्कातीन परिचम पाकिस्तान से विस्थापित द्यक्ति को जिस्स-तिखित प्राधिकारियां में से किसी एक अधिकार ने पान प्रमागनत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पह दर्णात के लिए धरतुन करता चाहिए कि बहु तन्कालीन पश्चिम पाकिस्तान सि बास्तविक जिल्लानित शक्ति है जो पहला जनवरी, 1971 तथा 31 मान, 1973 के बाद की भ्रवधि के दौरान प्रक्रॉन कर भारत श्राया थाः~~
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्राजिट केन्द्रो या राहन सिनिस के कैस्प
 - (2) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां का वह कि हा निवासी
 - (3) प्रतिनायने जिले में शरणार्थी पुनर्यास के प्रभारी सनिस्कित जिला मैजिस्ट्रेट।

- (4) भ्रपने प्रभार में सब हिधीजन के भ्रन्दर स**ब डियीजनल** श्रफसर।
- (5) शरणार्थी पुनर्वास के उपायुक्त।
- 6. जो उम्मीदवार उपर पैरा 5 (2), 5 (3), 5 (4) तथा 5 (9) में से किमी भी यमें से सम्बद्ध है तथा नोटिस के पैरा 6 के अनुसार मृलह में छूट का दाया करता है उसकी किमी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सरस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित मुल्क देने की स्थिति में नहीं है, उस आध्य कर एक प्रभाग-पदा लेदार उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करती होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पश्चिता प्रभाण-पन्न प्रावण्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेण दिना जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पान कोर खान मंत्रालय (खान विभाग) या सिचार्क मंत्रालय जैसी भी स्थिति हो हारा प्रावण्यक पावता प्रमाण-पन्न जारी कर विए जाने के बाद ही दिन्न जाएगा।

 उम्मोदकारों को चेतावनी दी जाती है कि वे ग्रावेदन-पन्न भरते समय कोई झा क्योरा न दें श्रथया किसी महत्वपूर्ण सूचना के न छिपाएं।

उम्मीदशर को यह भी नेतावनी दी जाती है कि ने प्रपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी सिति में न तो ठोक करें न उसमें कोई परिवर्तः करें और न कोई फेर बंग्ल करें। यदि एंसे दो या उनमें ग्रधिक ग्रलेखों या उनकी ग्रतियों में कोई प्रशुद्धि अथवा विमानि हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. श्रावेदन-पत्र देर में प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्तीकार नहीं किया प्राएगा कि श्रावेदन-पत्र ही श्रम्क शारीख की भेजा गास था। पावेदन पत्र का भेजा लाना ही स्वतः इस. बात का सूचक नहामा कि श्रावेदन-प्रपत्न पाने वाला परोक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

भ्रावेदन-पत्न की पाधनी

10. श्रायंग के कार्यालय में प्राप्त पत्थेक प्रावेदन-पत्न जिसमें देर से प्राप्त प्रावेदन-पत्न भी सम्मिलित हैं की पावती वी जाती है तथा स्नावेदन-पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उनत परीक्षा के प्रावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित श्रंतिम तारीख से एक मास के अंदर पावती नहीं मिलती है तो उसे तस्काल श्रायोग से पावती हेतू सम्पर्क वरना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को ध्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है ध्रपने धाप यह धर्य नहीं है कि ध्रावेदन पन्न सभी प्रकार से पूर्ण है और श्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को प्रपने श्रावेदन-पक्ष के परिणाम की सूचना यथाकी हा दे दी जाएनी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूखित किया जाएना । यदि परीक्षा के सूच होने की तारीथा से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पक्ष के परिणाम के बारे में लंब लोक नेवा प्राणीम है कोई पूचना न मिले तो परिणाम की जानवारी के लिये उसे श्रावेग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए । यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह श्रपने मामले में विचार किये जाने हो वो ने वोचन हो जाएमा ।
- 12. संब लीक मेवा थायोग ने "संघ तोक सेवा थायोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मोदनार विवरणिका" शीर्षक में एक समूल्य पुस्तिका छापी है। वर निवरणिका मंत्रवीत पेत्र यात्रकी परीक्षाओं या अवनी के भावी उम्मीदवारों को गटायाम देने के उद्देश्य से तैयार की गयी हैं। यह पुरिक्ता अकाना निर्देशका, निक्ति लाइन्स, देहनी ना 10054 के पास

बिकी के लिए मुलभ है और इसे उनमें गीधे मेल आईर धारा मा नकव भूगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकव भूगतान पर इन्हें (i) किताब महल, रिवॉली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" बलाक, बाबा खड़क सिह मार्ग, नई विल्ली-110001, (ii) उद्योग भवत, नई विल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर भौर (iii) गवर्नमेंस्ट श्राफ इण्डिया वक डिपो, 8-कं एस राय रोह, कलकता-1 से भी लिया जा सकता है। यह मैनुश्रल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्मल जहरों में स्थित एजेटों में भी उपलब्ध है।

13 धानेदन पत्नों से संबद्ध पत्न-व्यवहार--- धानेदन प्रपत्नों से संबद्ध समी पत्र प्रादि स्वित, संध लोक मेवा धायोग, धौलपुर हाउस, शाहजहार रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीजे लिखा स्वीरा धानिवार्य रूप से दिया जाए:---

- (1) परीक्षाकानाम
- (2) परीक्षाका महीना श्रीर वर्ष
- (3) उम्मीदयार की श्रावेदन पंजीकरण सं∘/रोल नम्बर **प्रथका** जन्म की नारीका, यदि श्रावेदन पंजीकरण संख्या/रोङ नम्बर मूचित वहीं किया गया है।
- (4) उम्नीदवर का नाम (पूरा तथा बड़े श्रक्षरोमें)।
- (5) भ्रावेदन व्या नें दिया गया डाक का पना।

ह्यान दें (1) -- जिन पत्रों धादि में उपर्युक्त क्यौरा नही होगा, सम्भवतः उन पर ह्यान नहीं दिया आएगा।

भ्यान दें (2) - यदि परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीरवार से

पत्र,प्रेषण प्राप्त होत है नया इसमें उसका पूरा नाम

श्रीर धनुक्षमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ज्यान

नहीं दिया जाएगा भीर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन--- उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करती चाहिए कि उसके प्रावेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेके गए पर धारि, प्रावश्यक होने पर, उसको बवले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर प्रायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के माथ, प्रथाणीझ दी जानी चाहिए। यद्यपि प्रायोग एसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है किन्तु बह इस विषय में होई जिम्मेदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

भ्रनुबन्ध II

उम्मीदवारीं को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं यह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में श्राप को उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्यक प्रका (जिसको श्रापे प्रकांश कहा जाएगा) के लिए कई सुक्षाए गए उत्तर (जिसको श्रापे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्यक प्रकांश के लिए श्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य प्रापक्षां इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देता है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप में परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हों।

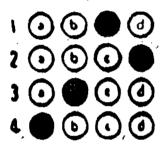
(ख) परीक्षणकास्वक्ष

प्रश्न पत्न "गरीक्षण पुस्तिका" के रूप में होगे।परीक्षण पुस्तिका केवल प्रोप्नेजी में होगी।दम पुस्तिका में कम संख्या 1,2,3 भादि के कम से प्रश्नाक होंगे। हर प्रश्नाण के नीचे (a, b, c, d,) जिल्ह के साथ सुझाए गए प्रत्युक्तर लिखे होंगे। प्रापका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युक्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाय करना होजा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नाण देख ले)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नाण के लिए आपको एक सही प्रत्युक्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से प्रधिक प्रश्युक्तर चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युक्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर दने की विधिः

परीक्षा भवन में ध्रापको एक ग्रम्भा उत्तर पत्नक दिया जाएगा, जिसकी एक समूना प्रति ग्रापको प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेज दी जाएगी। ब्रापको ग्रयो प्रस्कृत इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में बा उत्तर पत्नक को छोड़कर ग्रस्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांच आएंगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नाशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नाश के सामने (a, b, c, d) जिल्ह वाले बृताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने भी । यह निर्णय करने के बाद कि कौन साप्रत्युत्तर महीया सर्वोत्तम है भापको उप प्रत्युत्तर के भक्षर वाले वृत को पेंसिस से पूरी तरह काशा बनाकर ग्रीतित कर देना है, जैसा कि (भापका उत्तर दर्शाने के लिए) मीचे दिखा गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- प्रश्नाणों के उत्तरों के लिए केवन श्रच्छी किस्म की एच की० पेस्सिल (पेन्सिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा गिटाकर फिर से यही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए शाप अपने साथ एक रवड़ भी लाएं।
- उ. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी अभावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोइ व शिलवट आदि पड़ जाएं या वह साराख हो जाए।

(भा) कुछ महत्त्रपूर्णविनियम्:

- भ्रापको परीक्षा भ्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भ्रीर पहुंचते ही ग्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परोक्षण मुरू होने के 30 मिनट के बाद किसी की परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया ज।एगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को भवन छोड़ने की धनमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पन्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इस निष्यम का उल्लंधन करने पर कड़ा वंड दिया जाएगा।
- म्रापको परीक्षा भवन में उत्तर पल्लक पर कुछ विवरण भरना होगा तथा उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भी कटुबढ़ करना

होगा । इनके बारे में अनुदेण आपके प्रदेश प्रमाण पक्ष के साथ भेज (दए ज)एंथे।

- 6. परीक्षण पुरितका में दिए गए सभी धनुदेश श्रापको मायधानी से पछते हैं। इन श्रनुदेशों का सायधानी से पालन त करने से श्रापके तम्बर कम हो सकते हैं। धगर उत्तर पत्नक पर कोई प्रविध्य संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए श्रापको कोई गम्बर नहीं सिलेगा। पर्यवेक्षक के श्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या सभाष्त करने को कहे तो उनके श्रनुदेशों का निकाल पालन करें।
- 7. घाप अपना प्रवेश प्रमाण-पल साथ लाएं। घापको घपके साथ एक एव० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पैन्सिल मापंतर घौर नीली था काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। घापको सलाह दी जाती है कि घाप घपके साथ एका एक क्लिप बोर्ड या हाई थोई या काई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। घापको परीका भवन में कोई खाली कागज या कागज का दुकड़ा या पैमाना या धारेखन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जकरूरत नहीं होगी। मौगने पर कच्चे काम के लिए प्रापको एक धलग कागज दिया जाएगा। धाप कच्चा काम गुरू छरने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, धपना रील नंबर, घौर परीक्षण की नारीख लिखें घोर परीक्षण नमाप्त होने के बाद उसे घनने उत्तर पत्रक के साथ परीक्षण को वापस कर दें।

(इ.) विशेष अनुदेगः

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवस्थ देखा लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदल्या लें। अपनी प्रथम पुस्तिका खोलने से उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखिए। आपको परीक्षण पुस्तिका तथा तक खोलने की अनुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुमाव:

यद्यपि इस गरीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शृद्धता को जांचना है, पिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का प्रथासंभव दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जिन्नी जल्दी नाम कर सकते हैं, करें पर गापरवाही न हों। आप सभी प्रथनों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो जिला करें। आपकों जो प्रश्न अन्यंत कठिन मालूम पड़े उस पर समय व्यर्थ न करें। तूमरे प्रश्नों की आर बढ़ें और उन कठिन अन्यंत स्वाद में विचार करें।

सभी प्रथनांगें के अंक समात होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन:

जैसे ही पर्यवेशक आपको लिखना यंद करन को कहे, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर नव तक बैठे रहें जब तक निरोध के आपके पास आकर आपने सभी आवश्यक वस्तुएं न ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आप को परीक्षण —पुस्तिका और उत्तर-पन्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमति नहीं है।

नमुने के प्रश्नाश (प्रश्न)

(मोट---*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकस्प को निर्विष्ट करना है)

1. (सामान्य अध्ययन)

बहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त साब होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- *(b) रक्स का दाव वायुमण्डल के बाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के अनुरूप घटता-बक्ता है।

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (कृषि).

अरहर में, फूलों का झड़मा निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(a) पृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सही ऋतू में पौधे लगाना
- (d) थोइ-थोइ फामले पर पौधे लगाना !

4. (रसायर विज्ञान)

HaVO4 का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- •(d) V₂O₅

s. (अपैशास्त्र)

श्रम ग एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता ।

- (a) तीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो ।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों कराबर हों।
- (c) यजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैश्वुत रंजीनियरी)

एक समाझ रेखा को अपेक्षाकि परावैश्वातंक 9 के परावैश्वात से सम्पूरित किया गया १। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दशांना है तो साइन में संचरण का नेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/.
- (d) C/9

7. (भू-विज्ञान)

बैनल्ट में प्रजिज्ञानलेत क्या होता है ?

- (३) आलिगोक्लेज
- *(b) नैप्रोडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) ्नार्याद्दट

8. (गणित):

मूल बिन्दु सं गुजरने बाला और $\frac{d^2y}{dx^2}$ $\frac{dy}{dx}$ = O

समीकरण को सगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिग्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y **--a**x
- (c) $Y = ac_x + bc_x$
- •(d) $y = ac_{x}$ -a

9. (भौतिकी)

एक आवर्श ऊष्मा इंजन 400° K और 300° K तापकम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- (b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10 (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विजरका माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिगित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (भूगोल)

भर्मा के दक्षिणो भाग की करयधिक समृद्धि का कारण तिःमलिक्रित [में क्या है ?

- (a) यहां पर खनिल साधनी का विपुल भंडार है।
- [●](b) वर्मार्क अधिकाण निर्देशों का बेल्टाई भाग है।
- (c) यक्षं श्रोप्त वन संपद्धा है।
- (d) देश के अधिकांग तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12- (भारतीय इति,।स)

श्राह्मणवाव के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्यणवाद के अनुयायियों की संख्या ाहुत अधिक थी।
- (b) ब्राह्मणत्राद बहुत अधिक कर्मकोड और अड-४र स पूर्ण धर्म था।
- (c) ब्राह्मणकाद के अभ्युदय के साथ, बिल सम्बन्धी राज कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निस्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समृह कौन-मा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांमा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्याक
- (c) अद्वेत, वैदोन, सांख्य, जार्वाक, योग
- *(d) बीड, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

14 (राजनीति विशान)

'बुत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या 🛊 ?

- *(a) व्यवसाय के अधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- '~` फिसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाय ।
- 🏎 , श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

15. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्नलिकित में किस की निर्देशित करती है?

(a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि

- *(b) भावात्मक अवस्था में स्थुनता
- (c) व्याबहारिक अधिगम
- (d) पक्षपातपूर्ण अधिगम

16. (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज सस्थाओं की निम्न में से कौन सी है ?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गी को औपवारिक प्रतिनिधिस्व प्राप्त हुआ है।
- (b) खुआछत कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:—- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूनों के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह अरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हो ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 6th August 1985

No. A.12025(ii)|2|83-Admn.Hf.—The Presi Jent is pleased to appoint Kum. Mridula Sinha, nominated on the basis of the Civil Services Fram. 1983 vide Deptt. of Personnel & Training O.M. No. 9|2|83-CS(1), dated 31st May, 1985 as Probationer in the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st July, 1985.

The 14th August 1985

No. A.32016|1|85-Admn.II(i).—In continuation of this office Notification of even number dated 18-4-1985, the ad-hoc appointment of Shri B. R. Gupta, Assistant Controller (DP) as Deputy Controller (DP) stands extended for a further period w.e.f. 8-6-1985 to 7-7-1985 vice Shri S. P. Bansal, Deputy Controller (DP) sanctioned extension of leave for the said period.

2. In continuation of this office Notification No. A.32016|1|85-Admn.II(ii), dated 18-4-1985, the ad-hoc appointment of Shri Jagdish Lal, Supdt. (DP) as Assistant Controller (DP) stands extended for a further period w.e.f. 8-6-1985 to 7-7-1985 vice Shri B. R. Gupta, promoted as Deputy Controller (DP) for the said period

This issues with the approval of Chairman, Union Public Service Commission, the appointing authority,

No. A.32016[4]85-Admn,II(ii).—In continuation of this Office Notification No. A.32016[1]85-Admn,II(iii), dated 18-4-1985, the ad-hoc appointment of Shri R. C. Gupta, investigator (DP) as Sundt. (DP), stands extended for a further period w.e.f. 8-6-85 to 7-7-85 vice Shri Jagdish Lal, Sundt. (DP) promoted as Assistant Controller (DP) for the said period.

2. Smt. T. G. Marykutty. Investigator (DP) in the office of Union Public Service Commission stands appointed as Sundt. (DP) on ad-hoc basis in the Commission's office for a period from 24-5-85 to 8-7-85 vice Smt. S. Sardana, Supdt. (DP) on leave.

This issues with the approval of the Secretary, Union Public Service Commission, the appointing authority.

The 16th August 1985

No. A-31014/3/85-Admn.-III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service and officiating as Section Officers in the CSS cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in the same cadre, substantively to the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each:

SI. Name No.						Date of confirma-
1. Shri Ram Autar				•		1-1-1984
2. Shri Sudesh Kumar	-				٠	1-1-1984
Shri N.P.S. Gujral			•	•		1-1-1984
4. Shri D. Sivarajan			•		•	1-1-1984
5. Shri I.C. Kamboj	•	•				1-3-1985
6. Shri Krishan Lal-Π	•	•		•	-	1-4-1985
7. Shri O.P. Kathuria	•				-	1-5-1985

The 20th August 1985

No. A.19013|P|758-Adm,I.—Consequent on his selection for appointment as Director in the Scale of Rs. 1500—1800 in the Central Hindi Training Institute under the Department of Official Language, New Delhi on deputation basis, Shri N. K. Soni, Under Secretary is hereby relieved of his duties in the Office of the Union Public Service. Commission with effect from 20-8-1985 (AN) with the instruction to take up his new assignment.

No. A.12022/1/85-Adm.II.—In pursuance of the Ministry of Home Affairs, Department of Official Lunguage Notification No. 22/2/85-O.I.(S), dated 2-3-1985, Dr. I, Panduranga Rao, Director (O.I.) in the office of Union Public Service Commission is hereby appointed to Grade I of the Central Secretariat Official I anguage Service (Group 'A' & 'B' posts) at its initial constitution w.c.f. 1st February, 1985.

M. P. JAIN

Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

DEPARTMENT OF PFRSONNEL & TRG.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi-110003, the 10th September 1985

No. A-19021|6|80-Ad.V.—The services of Shri G. Jha, IPS (UP: 1967) Dy. Inspr. Genl. of Police, Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment, are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 21st August, 1985, on repatriation.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

The 10th September 1985

No. 1-20|82-CFSL|7447.—The President is pleased to extend the appointment of Shri N. K. Prasad. Sr. Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I. New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation New Delhi with effect from 19-7-1985 (Forenoon) on ad-hoc basis for a further period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E), C.B.I. New Delhi

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 6th September 1985

No. 18|10|85-Adm.II.—Shri N. Kishan Rao, Dy. S.P. of Police from An Ihra Pradesh, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad, with effect from 10-6-85 (AN) for a period of one year in the first instance.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 9th September 1985

No. O.II-1441 79-Estt. (CRPF).—Shri O. P. Bhutani, IPS, DG, ITBP has handed over additional charge of Director General, C.R.P.F. on the forenoon of 9th September, 1985.

2. The President is pleased to appoint Shri T. G. L. Iyer, IPS (Maharashtra: 1952), IGP, Sector I, C.R.P.F., as Director General, CRPF. Accordingly, Shri Iyer took over charge of Director General, CRPF on the forenoon of 9th September,

No. O.II-2048|85-Estt.—Consequent upon his appointment as IGP in the CRPF on deputation basis, Shri B. J. S. Sial, IPS (UP: 1959) has taken over charge of the post of IGP (Hqrs.). CRPF, New Delhi on the forenoon of 6-9-1985.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI

Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th September 1985

No. F-32015(4)|76|85-Pers.I.—On transfer on deputation Shri Sant Ram, assumed the charge of the post of Assistant

Commandant in CISF Unit HFC Runchi with effect from the forenoon of 24th August, 1985.

The 11th September 1985

No. E-32015(4)|48|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Chopra, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BIL Bhilai with effect from the forenoon of 9th August, 1985.

No. E-32015(4)|49|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Saxena, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit NAICO Angul with effect from the forenoon of 23rd August, 1985.

No. E.32015(4)|58|84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Bhowmick, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit MPT Madras with effect from the forenoon of 16th August, 1985.

3d.|—ILLEGIBLE Director General|CISF

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE & GOLD (CONTROL), APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi-110066, the 10th September 1985

No. F.6 CEGAT 85.—Shri Lekh Raj, Private Secretary on deputation in this Tribunal assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Fxcise & Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 12th August, 1985.

The 12th September 1985

No. F. 6 CEGAT 85.—Shri S. G. Gonsalves, formerly working as Administrative Officer, Gr. 'B', Customs Division, Surat, Vadodara Collectorate assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold (Control), Appellate Tribunal, Bombay Bench, Bombay in the forenoon of 2nd September, 1985.

F. S. GILL President

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th September 1985

No. Admn. I|A&E|I|8-88-85-86|178.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name, until further orders:—

Name and Date of assumption of charge

Shri P. S. C. Prasad-3-9-1985 FN.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court Supreme Court.

Sd. | ILLEGIBLE

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 10th September 1985

No. AN-I/1424/4/I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers to the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Time Scale 57—266 GI/85

Rs. 700-1300) of that Service with effect from the dates show against their names, until further orders:

Sl. No	Name of the Office	r				Date from which appoint ed
S	/Shri					
1. L	V. Varghese			٠		27-04-85
2. R	lam Krishna Tewary					28-05-85
	lobind Chandra Bain		•		•	29-04-85
4. K	astur Chand Neraliy	a		•		28-06-85
5. P	.M.S. Subba Rao		-	٠	•	28-03-85
6. P	rabhakar Vasudeo Cl	auc	lhari	•	•	29-04-85
7. M	I. Cccil Yesudian	•		•	-	04-04-85
8. N	I. Chidambara Rao	٠	•	•	-	01-04-85
9. G	i, Ramachandran		٠	٠	•	17-06-85
10. G	ian Chand Hasija	•	•		•	29-04-85
11. S.	. Nagasubramanian	٠	•	•	•	06-04-85
12. S	udarshan Soni	•	•	•	٠	29-03-85
	.N. Subramanian	•	•	•	•	08-05-85
14. M	ladhukar Pandurang '	Tar	de	•	•	50 05 04
15. D	han Ruj Narang	•	-	•	•	30-03-85
16. S	atyendra Nath Biswas	3	•	•	•	08-04-85
17. R	. Deivasigamani	•	-	•	•	25-03-85 (AN)
18. K	.V. Joseph	•	•	•	-	01-07-85
19. N	1.S. Venkataraman		•	•	•	28-03-85
20. K	.V. Subramanian		•	•	•	16-04-85
21. R	.C. Sachdeva		-	•	•	28-03-85

A.K. GHOSH

Additional Controller General of Defence Accounts (Admin

DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700001, the 2nd September 1985

No. 9|85|A|E-1 (NG).—On attaining the age of superannuation, Smt. Lila Das, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Assit.) retired from service with effect from 31-8-85 (A.N.).

2. Smt. Das has been transferred to the pension establishment with effect from the same date.

S. DASGUPTA Director/Admin. for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-1, the 9th September 1985

No. 33[G[85,—Shri V. M. Nagarajan, Joint General Manager (Subst. & Permanent Manager Sr. DADG) redesignated as Jt. Direcor[DGM]GM Gr. II) voulntarily retired from service on 12th Sept. '84 (AN).

V. K. MEHTA. DDG|Estt.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 23rd August 1985

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-Admn. (G)/476.—The President is pleased to appoint Shri I. Prasad, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as It. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of

Imports and Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a further period of 3 months with effect 1-7-85 (FN).

The 26th August 1985

No. 6|1387|82-Admn. (G)|490.—The President is pleased to appoint Shrimati Anita Sahni, IRS and Officer on Special Duty in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, as Director in the same office with effect from the forenoon of 6th August, 1985 till the expiry of her tenure.

R. L. MISRA

Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 2nd September 1985 IMOORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 1|2|85-Admn. (G)|368.—The President is pleased to appoint Shri R. Vijay Kumar, IAS (TN: 1978) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 1st July, 1985 until further orders.

2. Consequent on his transfer to the Ministry of Commerce for appointment as Under Secretary Shri R. Vijay Kumar, relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on 4-7-1985 (AN).

The 5th September 1985

No. 6|685|62-Admn. (G)|599.—On attaining the age of superannuation Shri S. Mukherjee Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports. Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1985.

SHANKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF SUPPLY & TEXTILE

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-66, the 23rd August 1985

No. 1|3|85-Admn. I.—Shri R. K. Bhagotra, a permanent Assistant Director and presently officiating as Deputy Director (Export Promotion) on ad-hoc basis in the office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, has been appointed as officiating Denuty Director (Exhibition) in the same office in the scale of Rs. 1100-50-1600 in a regular capacity with effect from 1st August, 1985 and until further orders

2. He will continue to draw pay already being drawn by him as Deputy Director (Export Promotion) in the said scale of pay.

No. 1/3/85-Admn. I.—Shri C. C. Aiyappa, a permanent Assistant Development Officer and presently officiating as Deputy Director (Wood & Ivory) in the scale of Rs. 1100-50-1600, on ad-hoc basis, in the Regional Office, Southern Region, Office of the Development Commissioner (Handicrafts) in accordance with the provision of next below Rule contained in FR 30, is given proforma promotion to the post of Deputy Director (Export Promotion) in the scale of Rs. 1100-50-1600 in a regular capacity with effect from 1st August, 1985 vice his next Junior Shri R. K. Bhagotra given regular promotion to the post of Dy. Director (Fxhibition) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600.

2. He will continue to drawn pay already being drawn by him as Dy. Director (Wood & Ivory) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600.

No 1/2/85-Admn.I.—Shri S. Bhattacharya, a permanent Assistant Director (Textiles) and presently officiating as Deputy Director (Textiles) on ad-hoc basis, in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, has been appointed as officiating Denuty Director (Textiles), in the same office in the scale of Rs. 1100—50—1600 in a regular capacity with effect from 1-8-85 until further orders,

2. He will continue to draw pay, already being drawn by him as Deputy Director (Textiles) in the said scale of pay.

SHIROMANI SHARMA

Development Commissioner for Handicrafts

DIRECTOR GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi, the 5th September 1985

No. A-6|247(400)162.—Shri D. Ramenujam, substantive in Assistant Inspecting Officer (Met.) and officiating Assistant Director of Inspection (Met.) in the office of Deputy Director of Inspection (Met.) Bhilai retired from Government service in the afternoon of 30th June, 1985 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI

Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 6th September 1985

No. A-1/1(870).—The President is pleased to compulsorily retire from Government Service Shri K. K. Deewan, officiating Deputy Director of Supplies (Senior Scale of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis in the Directorate General of Supplies and Disposals with effect from the 2nd September, 1985.

R. P. SHAHI

Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 3rd September 1985

No. 13446C|A-32013(SO)|84|19A.—Shri S. P. Barua, Stores Supdt. (Tech.), Selection Grade, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-7-85, until further orders.

The 9th September 1985

No. 9104B|A-32013(4-DE (Jr.)|83-19B.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Singh, Driller. Geological Survey of India, on probation as Drilling Engineer (Jr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300]—in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25-6-1985, until further orders.

A. KUSHARI

Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th September 1985

No. A.19011(17)[84-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri S. K. Choudhury, Permanent Regional Controller of Mines to the post of Controller of Mines in the

Indian Bureau of Mines with effect from 5th September 1985 (Forenoon) until further orders.

P. P. WADHI

Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 12th September 1985

No. C. 6259|718-A.—Shri Sumer Chand who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis vide this office Notification No. C-6190|718-A dated 12-4-1985 is now appointed to officiate as such on regular basis with effect from 4-7-1985 (FIN).

G. C. AGARWAL

Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th September 1985

No. 4[3]85-SII|Vol. IV.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to apopint the following persons as Hindi Officers, All India Radio in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against each:—

S. Name & Place of Posting No.			Date from which appoint- ed on regular basis
1. Sh. Ramesh Kudia, CSU, AIR Bombay.	., '	•	10-6-1985
 Sh. Rajeshwar Prasad Sharma, HPT, AIR, Khampur, Delhi. 		٠	29-7-1985
3. Kum. Rakesh Sharma · · External Services Division New Delhi,	•	•	1-8-1985 (A.N.)

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALIH SERVICES New Delhi, the 6th September 1985

No. A-38013|3|85-Admn.-I.—On attaining the age of superannuation Shri Krishan Lal, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of 31st August 1985.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 9th September 1985

No. 4-1/79-Estt.(Spl.).—Shri Satya Kam, officiating in the post of Hindi Officer on ad-hoc basis is appointed to officiate on regular basis in the post of Hindi Officer in the pay scale of Rs. 650-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 25-9-1984.

No. 4-6|82-Estt.(Spl.).—Shri G. C. Singh and Miss K. Godwani who were officiating in the post of Milk Distribution Officer on short term basis are appointed to officiate on regular basis in the post of Milk Distribution Officer in the pay scale of Rs. 650—1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 30-10-1984.

ARUN SEDWAL General Manager

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 6th September 1985

No. 020/1(15.4)85-Est.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri Settur Sreenath from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space, with effect from the afternoon of September 5, 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560017, the 4th September 1985

No. 12|49|78-Admn.—The Programme Director, APSU appoints Shri M. Radhakrishnan in Launch Vehicle Control Systems Division, Auxiliary Propulsion System Unit of Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from September 1, 1984 FN and until further orders.

No. 12|49|78-Admn.—The Programme Director, APSU appoints Shri T. K. Suresh Babu in Launch Vehicle Control Systems Division, Auxiliary Propulsion System Unit of Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from November 2, 1984 FN and until further orders.

A. UNNIKRISHNAN Administrative Officer

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 17th September, 1985

No. A. 32014/8/84-E.I.—The Director General of Meteorology has appointed the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:—

S. Name No.					Date of assum- ption charge as Assistant Meteorologist
1 2					3
1. Shri J.M. Motwal	•	· · ·			30-7-1984
2. Shri D.N. Jaiswal					8-8-1984
3. Smt. S.S. Basarkar					10-12-1984
4. Shri P.B. Takalkar	•				30-1-1985
5. Shri P.P. Butala ·	•	•	•		18-2-1985
Shri S. Guruswamy		•	-	•	18-2-1985
7. Smt. S.I. Shinde		•			18-2-1985
Shri A.K. Acharya	•	•		•	18-2-1985
9. Shri N.K. Jangle	•	-	•		11-3-1985

1 2			 	3
10. Shri K.V.K. Nair				21-3-1985
 Shri Rajni Kant 		٠		27-5-1985
12. Shri L.C. Jindel	•	•		28-5-1985

K. MUKHERJEŁ

Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th August 1985

No. A.38013|1|85-EA.—Shri Surinder Singh, Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Bombay, retired from Government services on the 30-6-1985 on attaining the age of superannuation.

No. A.38013|1|85-EA.—Shri B. L. Trisal, Senior Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Delhi retired from Government services on the 31-7-85 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE

Dy. Director of Administration For Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 3rd September 1985

No. A.32013|12|84-EI.—In continuation of this office Notification No. A.32013|12|84-EI, dated the 22nd March, 1985, the President is pleased to continue the appointment of Shri B. N. Nangpal as Director of Aerodromes on an adhoc basis for the period from 6-8-85 to 31-12-85 or till the gate the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG

Joint Director of Administration

New Delhi, The 5th September 1985

No. A. 32013/4/84-A.—The President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned Dy. Directors for a period of six months beyond the date mentioned against their names or till the posts are filled on regular basis whichever is earliest.

S. No.	Name			-			Date of adhoc appointment
	S/Shri						
1. N	1.M. Saini			•			15-7-1985
2. A	.C. John			•			19-8-1985
3. S	. Mahalingam	•	•	•	•	•	26-8-1985

The 10th September 1985

No. A.12025|2|84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint S|Shri P. M. Goyal and K. S. Narasimhan as Senior Airworthiness Officers (Group 'A' post) in the scale of Rs. 1100—1600 with effect from 4-7-1985 and 19-7-1985 respectively until further orders.

M. BHATTACHARJEE

Dy. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th September 1985

No. 1|563|85-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. Ramakrishnan, Supervisor, Madras Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same branch for the periods from 3-1-85 to 20-1-85, 27-2-85 to 16-3-85, 25-3-85 to 2-5-85 and 8-5-85 to 27-5-85 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

R. K. THAKKER

Dy. Director (Administration)

for Directal General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 13th September 1985

No. A-19012|1118|85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. B. Chowdhury, Senior Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and adhoe basis with effect from the forenoon of 5th July 1985, for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA

Under Secy.

Central Water Commission

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 9th September 1985

No. F.48-Ad(TA) 1985.—On attaining the age of superannuation, Shri A. Ramakrishnan, Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Cochin Bench, Cochin retured from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1985.

> Sd. ILLEGIBLE President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 196 BAPUJINAGAR, BHUBANESWAR-9 ORISSA

Orissa, the 6th June 1985

Ref No. 1AC Acq | CTS-2|85-86|252-53.—Whereas 1 R. C.

SETHI

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. 5 situated at Bisinabar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the registering officer

at Cuttack on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Nagendranath mohanty. Slo Late Sitanath Mohanty and Brundavati Devi, Wo Late Sitanath Mohanty, At Makarbaga Sahi, PO. Cuttack, Thana—Mangalbagh, Dist. Cuttack (Orissa)
- (Transferor) (2) Smt. Draupati Devi W₁₀ Fakir Chand Agarwal and Shri Prabhu Kumar Agarwal. So Shri Fakir Chand Agarwal, At Mangalbagh. Thana-Mangalbagh Dist-Cuttack (Orissa).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building situated at Mouza Bisinabar, Thana Cuttack (Town) PS. No. 204. Khata No. 1269, Khasada No. 158 and 159, Area—C. 120 dec. with a single story building with A.C. Sheet roofing in Cuttack Municipality Ward No. 14 and Holding No. 354."

R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhubaneswar-9.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-6-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5832.—Whereas I, S. C. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. House on (Plot No 221 1) Block No. 35 situated at Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on lan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1998) or the said Act or the Wealth-tra Act. 1957 (27 of 1957):

House on plot No. 221/1 (Block No. 35) is situated at Rastipura, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Shri Nareshkumar Bhimraiji Saraf, Ro Rastipura, Burhanpur, Presently at: 78, Thamba Kanta, Bombay-400-003. (Transferor)

(2) Shri Omprakash & Brother Sh. Jagdish Prasad So Shanker Dattji Parikh, Doudpura, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 12-8-85

Seel :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 8th May 1985

Ref. No. IAC. ACQ 5 19 85-86 37-EE. - Whereas I. M. C. JOSHI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop 16 Mpl H. No. 176|15 situated at C.A. Road in

Old Bagadgani

has been transferred under section 269AB in the Office of the IAC Acqn Range at Nagpur on 5-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Pradip Kumar Soo Govindram Kejadiwal Desai Ganj Wadsa Tah. Wadsa Distt. Gadehisoli.

(2) Nagpur Dhanya Bazar Griha Nirman Sahkari Samiti. MMayadin thr. Prakash Chandra Laxmandas Satra Quetta Colony, Nagpur

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) my any other person interested in the said lumovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16-Mpl. No. 176|15 situated in Old Bagadganj, Nagpur at C.A. Rd.

> M. C. JOSHI Competent Authority Acquisition Range, Nagpur Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 8-5-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. S. Pathak, Amarjyoti, Jail Road, Dhantoli, Nagpur.

(Transferor) (2) Smt. Rajani Shatrughna, Wormbhe, Do Ms Sukhaharta. Appartments Flat No. 8, Mahalaxmi Co-op. Hsg., Society Dhantoli, Nagpur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 20th May 1985

Ref. No. IAC. ACQ | 7 | 19 | 85-86. Whereus I, A. K. JAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the minrovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. House No. 533 Ward No. 4, N. Plot No. 15, West Park Road,

Dhantali Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Nagpur on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent causideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 533, Ward No. 4, C. No. 1911, Nazul Plot No. 15, West Park Road, Sushila Balraj Morg, Dhantoli Nagpur.

> A. K. JAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-5-1985

Scal:

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS,
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC. ACQ | 25 | 22 | 85-86.—Whereas I, M. C. JOSHI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing
Flat No. A|28, 2nd floor, Trimurti Building, Jatharpeth, Akola
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under section 269AB(1)(b) of IT Act
1961 in this office at Nagpur on 10-1-85

has been transferred under section 269AB(1)(b) of IT Act 1961 in this office at Nagpur on 10-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M|s. Trimurti Estate Development & Builders, Sawanand, Oke Marg, Jatharpeth, Akola.

(2) Anirudha Balakrishna Vad 200|110, Shantadurga, Hindwadi Belgaum-590 011

Objections, if any to the acquisition of the said preperty

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the inhibits of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Flat No. A|28, Trimurti Bulding, second floor, Nazul sheet No. 76-C, Plot No. 8 & 9 Umri Road, Jetharpeth, Akola.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58---266GI|85

Date: 3-9-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS SADAR NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC. ACQ 22 22 85-86.— Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 103 (first floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, ward No. 3, Shivaji

Nagar, Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Uls 269AB (1) (b) of IT Act, 1961 in the office at Nagpur on 5-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Renuka Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd., 119, Daga Layout, North Ambajhari Road, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Kalyanji Thakkar, Near Super Dry Cleaners Nagjibhai Town Sitabuldi, Nagpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 (First floor) Renuka Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd. Plot No. 174, Circle No. 20, Ward No. 73 Shivaji Nagar, Nagpur.

M. C. Joshi Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Nagpur.

Date: 3-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Ram Rakshit Devi Wlo L. Deshraj Dhal Vill. M. N. Saha Road, P. S. Asansol, Burdwan,

(Transferor)

(2) Mrs. Jubed-a-Khatoon Wlo Md. Saidutta Khan 26. Budha Mohalla. Asansol, Burdwan.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 6th June 1985

Ref. No. AC-3 Acqn. R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I, SANKAR K, BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 26 situated at Budha Moholla, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Asansol on 16-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Tenanted portion of the property & 1.76 kottah of land with building.

Address: 26, Budha Moholla, P. S. Asansol Dt. Burdwan Deed No. 206 of 1985

SHANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Badriprasad Agarwal
 Smt. Shakuntala Devi Agarwal.
 Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Devi Rungta, 2-G, Alipore Avenue, Calcutta-27,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 CALCUTTA,

Calculta, the 12th August 1985

Ref. No, AC-36|R-II|Cal|85:86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing 180.

2G situated at Aliport Avenue, Calcutta-27
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at Competent Authority on 2-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovathe property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

1711 Sft. flat No. 2A with one car parking space situated at 2G, Alipore Avenue, Calcutta-27, Registered before Competent Authority vide Sl. 33 on 2-1-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Date: 12-8-1985.

Sen1:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

36A, New Road, Calcutta.

(1) Sri Suresh Chandra Roy of

(Transferor)

(2) Mls. Singhania Tea Co. Pvt. Ltd. of 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th September 1985

Ref No. AC-43|R-11|Cal|85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 36-B situated at New Road, Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Cal on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever veriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1|25th share of land measuring area 21 cottals 40 Sft. situated at 36B, New Road, Alipore Calcuta. More particularly described in Deed No. I 567 of S. R. A. Cal of 1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •—

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- (2) Rai

Smt. Aditi Sanyal of 176 N, K. P. Mukherjee Road, Calcutta-8.

(Transferor)

(2) Ramkrishna Math of Belurmath, Howrah. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 5th September 1985

Ref. No. AC-42|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 59 situated at Motila Gupta Road, Calcutta
(and more fully described in the Schodule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at R.A. Cal on 7-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cottabs land with 1½ storied building situated at 59, Motilal Gupta Road, Mouza-Purba Barisha, P. S. Behala, District-24 Parganas, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 1204 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Prodyot Kr. Mukherjee of 162, Block-G, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferor)

(2) Sri Raja Parikshit Rajdev of 1, Kalui Billmath, Burdwan Town, Burdwan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th September 1985

Ref. No. AC-41|R-II|Cal|85-86,---Whereas, I. SIIAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 162 situated at Block-G. New Alipore, Calcutta-53
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at S.R.A. Cal on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957): Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saking Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1386 Sft. flat No. 5 on 2nd floor situated at 162 Block-G, New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Ducd No. I 73 of S.R.A., Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 5-9-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 5th September 1985

Ref. No. III-979 Acq 85-86 —Whereas, I. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100 000 and heaving No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Touzi No. 229 Khata No. 540, 541, 544, Part of plot No. 29, 31(A) 32|2055. Survey thana No. 7 (Philwari). Ward No. 34. Circle No. 249, Holding No. 116 (old) 306 (new) situated at Dhakanpura, P.S. Srikrishnapuri, Boring Road, Patna-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen prient of such apparent consideration and ween the parties has not been truly stated in the said fastroment of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Santanu Mukherjee Soo Late Bhawanath Mukherjee, and Smt. Sati Rani Devi Mukherjee, Boring Road. Patna.

(Transferor)

(2) Alak Nanda Co.operative Housing society Ltd., through its secretary Shri Gyandeo Sharma, Boring Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 katha with a double storied building situated on Boring Road (West) Patna and more fully described in deed No. I-1403, dated 30-1-85 registered with Registrar of Assurances Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BILLAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 5th Soptember 1985

Ref. No. 111-980 Acq 85-86.—Whereas, 1, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,001- and bearing No. situated at Exhibition Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 25-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumers of transfer with the object of :--

- (a) iscalitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 59-266GI|85

(1) Dr. Sunil Chandra Bhattacharya, London (Britain) represented by his constituted attorney Mrs. Bani Banerjee, Exhibition Road, Patna, 2. Mrs. Bani Banerjee, Exhibition Road Patna. 3. Smt. Suma Bhattacharya 4, Smt. Prita Banerjee, 5, Smt. Sumita Banerjee, All residing at No. 7-8, Deodar Street,

(Transfedor)

(2) Mis Luv Kush Finance and Development Corporation Pvt. Ltd., No. 2, Hoofrej Terrace, Juhu Tara Road, Juhu Bombay -400049 represented by its Director Sri Satrughan Sinha, "Ramayan' Juhu-vila Parle Scheme, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 katha 7 dhm 2 dhurki with a double storied building situated at Exhibition Road, Patna and more fully described in sale deed No. I-1202 dated 25-1-85 registered with Registrar of Assurances Calcutta.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-9-1985

Scal:

FORM TINS

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 5th September 1985

Ref. No. 111-982 Acq 85-86, Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Holding No. 639, Ward No. 34, Circle No. 249, Thana No.
3, Tauzi No. 5453 (old) & 18222 (new), Survey plot No. 875

& 878, Khata No. 37 & 13

situated at (Rajapur Hasan). Boring Road (West). Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at Patna on 4-2-85

for an apparent consideration which is less one the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) Shri Chiranji Lal Poddar So Late Mahabir Pd. & 2, Smt. Ramdulari Devi Wo Shri Chiranji Lal Poddar both Ro Mohalla-Kadam Kuan, presently, Rajendra Magar, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Devi Wlo Shri Kailash Pd. Agarwal, resident of Muradpur P.O.&P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion of land measuring 1066 Sft. with a single storled house situated at Boring Road (West) Patna and more fully described in deed No. 873 dated 4-2-85 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-9-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 5th Sentember 1985

Ref. No. 111-98 Acq 85-86. - Whereas I. P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Holding No. 639, Ward No. 34, Circle No. 249, Thana No. 3 Tauzi No. 5453 (old) 18222 (new), Survey plot No. 875 &

878, Khata No. 37 & 13. situated at (Rajapur Hasan). Boring Road (West), Putna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patha on 31-1-85

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chiranji Lal Poddar Sol Late Mahabir Pd., & 2, Smt. Ramdulari Devi Wo Shri Chiranji Lal Poddar both Ro Mohalla-Kadam Kuan, presently, Rajendra Nagar, Dist. Patna.

(2) Shri Kailash Pd. Agarwal Slo Shri Mahabir Pd. resident of Muradpur, P.O. & P.S. Pirhore, Dist. Petna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land measuring 1220 Sft. with a single storied house situated at Boring Road (West) Patna and more fully described in deed No. 795 dated 31-1-85 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely: --

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BILIAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 5th September 1985

Ref. No. 111-983/Acq./85-86.—Whereas, I, P. K. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Holding No. 639, Ward No. 34, Circle No. 249, Thana No. 3, Tauzi No. 5453 (old) 18222 (new) Survey plot No. 875 & 878, Khata No. 37 & 13, situated at (Rajapur Hasan), Boring Road, (West), Patna, Cord, Tayer fully described in the Schedule approved hards)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating te reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Chiraji Lal Poddar, So Late Mahabir Pd. &
 Smt. Ramdulari Devi, Wo Shri Chiranii Lal Poddar, both Rie Mohalla-Kadam Kuan, presently, Rajendra Nagar, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Pd. Agarwal Sjo Shri Mahabir Pd., Rlo Muradpur, P.O. & P.S. Pirbahore, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land measuring 1035 sq. ft. with a single storied nouse situated at Boring Road, (west) Patna and morefully described in deed No. 982 dated 8-2-82 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 5th September 1985

Rci. No. 111-984|Acq.|85-86.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'sant Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Holaing No. 339, Ward No. 34, Circle No. 249, Thana No. 3, Tauzi No. 5453 (old) 18222 (new), Survey plot No. 875 & 878, Knata No. 37 & 13, situated at (Rajapur Hasan), Boring Road (West), Patna,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fame market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) I. Chiranji Lal Poddai Slo Late Mahabir Pd., and
 2. Smt. Ramdutari Devi Wlo Shii Chiranji Lal Poddar,
 Rlo Mohada-Kadam Kuan,
 presently. Rajendia Nagar, Dist. Pama.

(Transferor)
(2) Smt. Urmila Devi Wlo Shri Kailash Pd. Agarwal,
Rlo Muradpur, P.O. & P.S. Pirbahore, Dist. Patna.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land measuring 1320 sq. ft. with a single storied house situated at Boring (west) Patna and morefully described in deed No. 1073 dated 12-2-85 registered with D.S.R., Patna

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 9th Sepember 1985

Ref. No. III-986|Acq. \$5-86.—Whereas, I. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have teason to believe that immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair marker value exceeding Rs, 1,00,000]- and bearing Mouza Dhanbad No. 51, Plot No. 3385, Holding No. 56 (old 339), Ward No. 18 (Old 5) situated at Dhanbad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 18|19-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely.—

Smt. Ganga Ben alias
 Smt. Ganga Bar Devn
 Wlo Late Karsandas Reshamwala,
 Kalias Road, Dhanbad
 presently residing at—30, Indus Court,
 A—Road, Church Gate, Bombay-400020.

 Sri Jitendra Kr. Reshamwala
 Slo Late Karasandas Reshamwala,
 A, Ishaq Colony,
 Secunderabad (A.P.).

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kr. Agarwalla Slo Late Bisheshwar Lal Agarwalla 611A, Moira Street, Calcutta-700017.
(2) Shri Mahabir Pd. Bansal Slo Sri Panna Lal Bansal, Dhanbad.
(3) Sri Bairang Lal Dalmia Slo Sri K. N. Dalmia, Dhanbad.
(4) Sri Hira Lal Gupta Slo Lato Hansraj Gupta, Sector-1 Bokaro Steel City, Bokaro.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshie preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in land and building measuring 2 bigha 5 katha 6 Chatak situated at Ward No. 12. At P.O. Dhanbad and morefully described in deed No. 605 dated 18/19-1-1985 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Potna

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BINAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patru, the 9th September 1985

Ref. No. III-986 Acq. 85-86. Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

propriety having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Mouza Dhanbad No. 51, Plot No. 3385, Holding No. 56 (old 339). Ward No. 18 (Old 5) situated at Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 18[19-1-1985]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 1690 of the neid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

(1) Stat. Ganga Ben dias Smt. Ganga Bat Devii Wlo Late Karsandas Reshamwala, Kartar Road, Ohapbad, presently at 30, Indus Court, A—Road, Church Gate, Bombay-400020, (2) Sri Jitendra Kr. Reshomwala Slo Late Karasandas R.shamwala, 1 A, Ishaq Colony Secunderabad (A.P.)

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kr. Agacwella Shri Ashok Kr. Agarwella Slo Late Bisherhwar Laf Agarwalla 6/1A Moira Street, Colcutta-700017. (2) Sri Mahabir Rd. Bansal Slo Sri Panna Laf Bansal, Dhanhad. (3) Sri Bajrang Laf Dalmia Slo Sri K. N. Dalmia, Dhanhad. (4) Sri Hira Laf Gupta Slo Late Hansraj Gupta, Sector-I, Bokaro Steel City Bokaro. Bokaro.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 share in land and building measuring 2 bigha 5 katha € Chatak situated at Ward No. 18, At P.O. Dhanbad and morefully described in deed No. 604 dated 18 19-1-85 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 9-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 2|Jan|85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 39, Old Beach Road, Madras-41. situated at Madras Madras North (Doc. No. 200|85 & 201|85) on January 1985.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Revistaring Officer at Madras North (Doc. No. 200|85 & 201|85) in Linuary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptant Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax / a 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. N. Ramanathan and another 18, Aasra, Gurumandir Road, Saraswati Colony, Dombiwilli East, Thana.

(Transferor)

(2) M/s. Sai Shipping Co. (P) Ltd. Embassy Centre, XI Floor, Narimanpoint, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building-39, Old Beach Road, Madras-41. (S.R.O. Madras North Doc. No. 200|85 & 201|85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006.

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely :-

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 8|Jan|85,-Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

S. No. 27 3, Kodambakkam Village VI Street, Dr. Subbara-

yan Nagar, situated at Madras-24. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam, Madias (Doc. No. 20|85) on January

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of casts, with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :— 60-256GI|85

(1) Shri A. Kasi 24, Dr. Subbarayan Nagar Main Road, Kodambakkam,

(Transferor)

(2) Smt. R. Chandra, 10, Dr. Radhakrishnan Nagar, III Cross Street, Madras-41.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 27/3, Kodambakkam Village VI Street Dr. Subbarayan Nagar, Madras-24.

(Doc. No. 20|85 S.R.O. Kodambakkani, Madras).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 27 Jan 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Part of the house, ground and premises bearing Door No.

157. Beracah Road, Kilpauk, Madras-10

[and more fully described in the Schedule annexed hereto], has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

11:08) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 132|85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:-

(1) Mrs. Marie Teresa James and another, 157, Berncah Road, Kilpauk. Madras-10.

(Transferor)

- 1. Shri Chunilal Maher, so Makanjee Mahar, No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
- 2. Kanchanlal Mahar Slo Makanjee Mahar, No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
- Jitesh Maher, So Dirajial Mahar, No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
- Hemlatha Patel, dlo. Mrs. Rashmi Patel, No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
- Raiendrakumar K. Patel. Slo Kanti Bhai Patel. No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
 Sheetal Kumar K. Patel (Minor) by father Kantilal Patel, Madras-79.
- 7. Samir D. Mehta (Minor) by father Dinesh M. Mehta, Madras-79. No. 7 Briethapet Road, Kilpauk, Madras-10.
- Sannath J. Patel, So Jashai H. Patel, No. 34, Evening Bazar, Park Town, Madras-3.
- 9. Smt. Pushpadevi Merlecha, Wlo Mahaveerchand. Merlecha, No. 26, Govindappa Naicken St., Madras-71.
- 10. Suresh M. Javeri Slo Manilal Javeri, 17, Venkatachala Mudali St., Park Town, Madras-3.
- Naresh B. Bokadia, Slo Babulal Bokadia, No. 8, Venkatarayan St., Park Town, Madras-3.
- 12. Bharat Bhatt, Slo Ramanlal Bhatt, 41, Ekambareshwarar Agraharam, St. Madras-3.
- 13. Nimesh Kumar B. Patel (Minor) Slo Babubhai Patel, No. 79, N.S.C. Bose Road, Madras-79.
- Mrs. Padma J. Patel, wo Josh Bhai Patel, No. 7, Briethapet Road, Vepery, Madras-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building:

Part of the house, ground and premises bearing No. 157, Beracah Road, Kilpauk, Madras-10. 7.1429 100 undivided where in the property. (S.R.O. Purasawalkam—Doc. No. 132|85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 29 Jan [85.—Wheeras, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Door No. 17, 5th Street, Dr. Thirumoorthy Nagar, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed herets) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand Lights (Doc. No. 11995) in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the consideration therefore has more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2650 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Usha S. Nair, 17, 5th Street, Dr. Thirumoorthy Nagar, Madras-34.

(Transferor)

(2) S. N. Sadhika S. N. Hhearin, Do Shri S. Uoohu Abdul Cader, Mela Theru, Keclakarai Ramanathapuram Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No 17., 5th Street, Dr. Thriumoorthy Nagar, Madras-34.

(S. R. O. Thousand Lights-Doc. No. 111985).

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madres-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Rcf. No. F. No. 92|Jan|85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

ment of transfer with the object of-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

As, 1,00,000 and bearing No.

24. Singarachau Street, Triplicane, Madras-5 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Triplicane, (Doc. No. 42|85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Indira Bai and another No. 24, Singarachari Street, Madras-5.

(Transferor)

(2) Shri K. Nageswara Rao and another No. 9. Chengalvaroya Mudali Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 24 Singarachari Street, Triplicane, Madras-5.

(S. R. O. Troplicane-Doc. No. 42|85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. 95|Jan|85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

of transfer with the object of :-

heing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. 23. Pycrofts Road, Triplicane, Madras-5,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Triplicane, Madras (Doc. No. 62|85) on January 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
Market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said action of the holds aforesaid property by the issue of this notice under subscience of Section 269C of the subscience of Section 269C of the subscience of Section 269C of the said action of the subscience of Section 269C of the said action of the subscience of Section 269C of the said action of th

 Shri P. Alwar Chetty and Others, 20, Subramania Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

Shri K. Krishna Achar,
 Kuppuswamy Street,
 Chetnet, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 23. Pverofts Road, Triplicane, Madras-5.

(S.R.O. Triplicane--Doc. No. 62|85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 106|Jan|85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing O. S. No. 2064, R. S. No. 1621, Mowbrays Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 62|85) in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri K. Panchapakesan, No. 3. Vaidyarama Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Kumari T. Sivagamy (minor), S. Thirugnanamurthy, No. 1. Nagarathinam Colony, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land.-O. S. No. 2064, R. S. No. 1621, Mowbrays Road, Madras.

(S. R. O. Madras Central -Doc. No. 62|85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madrus-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. S. Raju, 454, 3rd Avenue, Indiranagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shvi S. Somasubramanian, 67, Ramakrishna Mutt Road, R. A. Puram, Madras-28.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. 111 Jan | 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing
Door No. 7, II Crescent Park Road, Adyar, Gandhinagar,
Madras-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. No. 122/85) in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 et 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Noo 7, It Crescent Part Road, Adyar, Gandhinagar, Madras-20.

(S. R. O. Adyar—Doc. No. 122|85)

MRS. M. SAMUEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II

Madres-600 006.

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INTERIOR ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1985

Ref. No. F. No. 127 Jan 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing No. S. No. 166 2, Plot No. 3, Thiruvanniyur Village, Madras (and more fully described in the scheduled below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 198) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 198) in the office of the Registration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Shri T. R. Viswanathan,
 Beach Road,
 Kalashetra Colony,
 Madras-90.

(Transferor)

(2) Shri S. Rajagopal, 9. V. Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—S. No. 166|2, Plot No. 3, Thiravananmiyur Village, Madras.
(S. R. O. Madras South—Doc. No. 76|1985)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th September 1985

Ref. No. REF. L. C. 767|85-86.— Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kunnamkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnamkulam on 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs, Mary Francis, Wo. A. C. Francis, Wio. A. C. Francis,
Elavathinkal House,
A. C. Furniture Mart, Pattambi Road,
Kunnamkulam -- Trichur District.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Ali Mohammed, Slo. Puthenpuravil Syed Mohammed, Orumanayur Amsom Desom, Chowghat, , Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cents of land with shop rooms in Survey No. 937/2 of Kunnamkulam Village, registered at Sub Registry Office Kunnamkulam vide Jocument No. 100/85 dt. 21-1-1985.

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :---61-266GI|85

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th September 1985

Ref. No. L. C. 768|86.—
Whereas I, B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. No. as per scherule situated
at Kunnamkulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnamkulam on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Smt. Mary Francis,
 Wlo. A. C. Francis. Elavathunkal House,
 A. C. Furniture Mart. Pittambi Road,
 Kunnamkulam- Trichur District.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Abdul Salam, Slo, V. P. Ali Mohammed. Orumanayur Amsom Desom, Chowghat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

3.5 cents of land with shop room in Survey No. 937|2 of Kunnamkulam Village, registered at SRO, Kunnamkulam vide document No. 179|85 Dt. 30-1-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE "NARAYANI 'NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th September 1985

Ref. No. L. C. 769|85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing Sy. No. as per scherule situated

at Kunnamkulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnamkulam on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of : the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the eald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons, namely :--

Smt. Mary Francis, Wlo. A. C. Francis, Elavathunkal House, A. C. Furniture Mart, Pittambi Road, Kunnamkulam—Trichur District.

(Transferee)

(2) Smt. P. K. Pathuman, Wo Shri V. P. A. Mohammed, Orumanayur Amsom Desom, Chowghat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said expressions used herein 🎥 Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cents of land with shop rooms in Survey No. 937/2 of Kunnamkulam Village registered at SRO, Ernakulam vide document No. 1135/85 Dt. 26-6-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority trapecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 5-9-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 'NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th September 1985

Ref. No. REF. L. C. 770|85-86,--Whereas I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Sy. No. as per scherule situated at Kunnamkulam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Kunnamkulam on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or

(b) facilitating the concealment of any scome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Judan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1923 (17 of 1923). 1957 (27 of 1**957**):

(1) Smt. Mary Francis. W.o. A. C. Francis, Elavothunkal, A. C. Furniture Mart, Pattambi Road, Kunnamkulam—Trichur District.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Ibrahimkutty, S|o. Sri V. P. All Mohammed, Orumanayur Amsom Desom, Chowghat. (Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 3 10 cents of land with shop rooms in Survey No. 937 2 of Kunnamkulam Village registered at SRO, Kunnamkulam vide document No. 1136|85 dt. 26-6-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9236|84-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. CTS No. 431, Guruwar Peth, Pune

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Mohanial K. Porwal, Pravinchandra M. Porwal, Bhogilal M. Porwal, A.M. Porwal, 933 Chitradurga, Karnatak.

(Transferor)

(2) 1. Sh.Hasmukhlal B. Sakhriya, . Smt. Fuliben D. Sakhriya, 431 Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 431, Guruwar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9236 1984-85 in the month of Dec. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 21-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 23rd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9864|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

bearing No. Flat No. 3 in "Anusha Apartments"

Flat No. 3 in "Anusha Apartments' Prabhat Road, Erandwana, Pune-4,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Mr. Arvind Bhimgeuda Patil, 852|3|4 Amit Apartments, Bhandarkar Institute Road, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mr. Pradip S. Bidwe, 59|39 Bharati Niwas, Erandwana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in "Anusha Apartments" Final Plot No. 88-A, C.T.S. No. 118-A Prabhat Road, Erandwana, Pune-4.

(Area 855 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9864 1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 23-8-1985

- (1) Mls. N. S. Builders, Sctavi Apartment, Muleria Stop Laxminagar Road, Patil Colony No. I, College Road, Nasik, (Transferor)
- (2) Mr. Chandrakant Waghji Thakar, Near Amit Londri, Panchavati Karanja, Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF|147|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 15 on second floor in Vishwagiri

Agartment bearing S. No. 295|1-1B|34|1|1B, 14, 3-44A;

14|4, 44B.

situated at Nasik (and more fuilv described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, on second floor in Vishwagiri Apartment bearing S. No. 295|1-1B|34|1|1|1B 14|344A, 14|4, 44B.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 147 1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|97|1985-86.—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000]- and
bearing No. Flat No. F-1, first floor, "Panama
Apartments" Opp. Model Colony, H.P.T. College Road,

Nasik.

situated at Nasik

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid to be a property as a foresaid property as a foresaid to be a property as a foresaid property as a foresaid the approperty as a foresaid to be a property as a foresaid to be approperty as a foresaid to be a foresaid to be approperty as a foresaid to be a foresaid to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 20/01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Murlidhar Ramchandra Bagwat, Gawandgaon, Tal. Yeola, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala T. Deshmukh At Post Marhal, Tal. Sinnar, Dist. Nasik. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove property, within 45 days from the date of the sail cation of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaptor.

THE SCHEDULE

Flat No. F1 First floor, "Panama Apartments" Opp Model Colony, H.P.T. College Road, Nasik,

(Area 708 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 97 1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpens. namely :--

Date: 21-8-1985

(1) M|s. Rahul Builders, 134 Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Mukesh D. Patel, House No. 134, Tukaram Apartment, Flat No. A-14, 3rd floor, Railway Lines,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EF|156|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and

bearing No. One flat No. A-14, third floor, in Tukaram Apartment, 134 Railway Line, Sholapur.

situated at Solapur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. A-14, third floor in "Tukaram Apartment"

134 Railway Lines, Solapur.
(Area 730 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 156/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--62-266GI 85

Seal:

Date: 21-8-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9525|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot at S. No. 133-11B-2-1 and 12-B-1(4) situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'transfer; and or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other agests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Pushpabai Shantilal Lodha, Sh. Shantilal Nathmal Lodha, Sunder Niwas, Kothrud, Pune.

(Transferor)

(2) M|s. Ashwini Enterprises, Sheela Vihar Colony, Poud Phata, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at S. No. 133-11B-2-1 and 12B-1(4). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9525 1984-85 in the month of January 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10300|84-85.--Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. A-10 Ground floor, No. 1 Lily Co-operative Housing Society, Chinchwad, Punc. situated at Pune

ment of transfer with the object of-

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on January 1985 v for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Master Dinesh S. Mansukhani, Master Rishi S. Mansukhani, through legal Guardian Sunder L. Mansukhani, P.O. Box No. 2044,

(Transferor)

(2) Mr. Henry G. Prabhu & Mrs. Cyanthia G. Prabhu, A-10 Ground floor, No. 1 Lily Co-operative Housing Society, Chinchwad, Pune-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-10, Ground floor, No. 1 Lily Co-operative Housing Society Chichwad, Pune-19.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10300 1984-85 in the month of January 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons.

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(1) M|s. Gandalal Kalyanji & Co.

Navghar Road, Tal. Vasai, Dist. Thana. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Mr. K. M. Dhuri & Mrs. S, K. Dhuri, Navghar Near Vasai Road, Station Post, Vasai Road, 'fal. Vasai, Dist. Thana. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACOUISITION RANGE, PUNE Pune, the 23rd August 1985

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days (a) by any of the aforesaid persons from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|12023|1984-85.—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12023|1984-85.—
Whereas, I,
ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|
and bearing No. Flat No. 7, third floor, H. No. 61, in
village Navghar, Post Vasai Road, Tal. Vasai,
Dist. Thane,
situated at Thane.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 7, third floor, H. No. 61 (Old) in village Nav-ghar, Post Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Thana

THE SCHEDULE

Area 620 sq. ft.). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 12023 1984-85 in the month of Jan. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-8-1985

(1) M/s, Gandalal Kalyanji & Co. Navghar Road, Tal. Vasai, Dist. Thana. (Transferor)

(2) Mr. K. M. Dhuri & Mrs. Sushila K. Dhuri, Navghar, Near Vasai Road, Station, Post Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Thana.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12021|1984-85.— Whoreas, I, ANIL KUMAR

ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 5, 3rd floor, H. No. 61 (Old) in village Navghar, Post Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Them. situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC, Acqn. Range, Pune on Ian. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

to believe that the fair market value of the property as aforesaid execus the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, third floor, H. No. 61 (Old) in Village Nav-ghar, Post Vasai Road, Tal. Vasai, Dist. Thana. (Area 635 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 12021|1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE, 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune-1, the 23rd August 1985

Ref. No. 1AC.ACQ|CA-5|37EE|11797|1984-85.—Whereas,

ANIL KUMAR,

ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 324, Building No. E Village Navghar, Dewan Apartments, Tal. Bassein, Dist. Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Paristration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908, (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or svalided of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of lany income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Inc. ome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vijay Kanuga, C14, Cozy Home, 251 Pali Hill, Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka I Desai. 27|17, Prafulla Society, Dahanukarwadi, Kandivali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 324, Building No. E Village Navghar, Dewan Apartments, Tal. Bassein, Dist. Thana.
(Area 650 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11797 1984-85 in the month of Jan. 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 26 C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act. (43 of 1961) to the following persons, namely:

Date: 23.8.1985.

Scal:

FORM LT.N.S.

(1) Shri Sudhamo Vaparimalbathija, Barrack No. 841|30, Sector-18, Ulhasnagar-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. 5-7-1-1-1

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Duru Naraindas Chhabria, Barrack No. 713 4 Hospital Area, Ulhasnagar-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE, 106 107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune-1, the 23rd August 1985

Ref., No. JAC.ACQ|CA-5|37EE|11987|1984-85.-Whereas,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat being flat No. 9 on the 2nd floor of the building skyline Apartment, Near Telephone Exchange, Ulhasnagar-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat being Flat No. 9 on the 2nd floor of the building skyline Apartment, Near Telephone Exchange, Ulhasnagar. (Area 635 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11987/1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23.8.1985.

 Mrs. Manjula Jugaldas Shah, Clo Harsha Pharma, Vasai Road.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Rekha Harshad Shah, Clo Harsha Pharma, Vasai Road.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE, 106[107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Pune-1, the 23rd August 1985

Ref. No. IAC.ACQ[CA-5]37EE]12088|1984-85.--Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing Land bearing Survey No. 8, Hissa No. 1, together with House No. 3 (excluding Room 1, 2, 3) Manickpur, Vasai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908' (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. Range Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 68, Hissa No. 1, together with House No. 3, (Excluding Room No. 1, 2, 3) Manickpur, Vasai.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune, under document No. 12088 1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23.8.1985.

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|549|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Property bearing S. No. 15-A, Final Plot No. 30, situated at Wakadewadi, Shivajinagar, Bombay Poda Road, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—266GI85

(1) Mrs. Malati Yeshwant Bhale, 166, Aundh, Punc.

(Transferor)

(2) M|s Rama Automobiles, 15-A Bombay Poona Road, Wakadewadi, Shivajinagar, Pune-3.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing S. No. 15-A, final Plot No. 30, situated at Wakadewadi, Shivajinagar, Bombay Road, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 549|1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1985

Geal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISTHON RANGE 106 107, KOREGAON PARK, PUNE-1

> > Punc-1, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|47|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Office No. G-3 on ground floor under construction at C.T.S. No. 754 B Kothrud situated at Puge

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) lacificating the resiscous a evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may knowne aritims from the transfer: and I'm
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which ought to be discluded by the transferes for The purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 v(1 of 1927) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 11 57 (27 of 1957).

(1) Salunke Builders, 113|2B Prabhat Road, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mr. Nandan Balkrishna Yardi and Mrs. Amita Nandan Yardi, Clo Ltd. Col. (Retd.) B. M. Yardi, D-5-1 Salunke Vihar, Kondhwa, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. G-3, on ground floor under construction at C.T.S. No. 754 B Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 47 1985-86 in the month of June 1985.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 21-8-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Shamkant P. Gupte, 32 Shanji Co-operative Housing Society,

[Transferor]

(2) Shri Anand Shankar Nawathe, 32 Shivaji Co-operative Housing Society, Pune-16.

(Tansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11206|1984-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bear ng No. Plot No. 32, City Survey No. 103, Shivaji Co-operative Housing

Society, Shivajinagar situated at Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accord to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afterestable persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Onzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The te ms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32, City Survey No. 103, Shivaji Co-operative Housing Society, Shivajinagar, Punc-16.

(Arca 1440 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11206 1984-85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisit on Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 22-8-1985

FORM NO. ITNS---

(1) AMITCO N-2 (Market), Greater Kailash I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Mohan F-4, Kaka Nagar New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II, 37EE|1-85|579.—Whereas, I. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/as the said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing No.
Flat No. 12A, at 2 Raj Narain Road, Delhi

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act, 1961

in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, at 2, Raj Narain Road, Delhi Area 1180

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

16-8-1985 Da. Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9569|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Plot No. 7, Danalaxmi Co-operative Housing Society, Pune

Plot No. 7, Danalaxmi Co-operative Housing Society, Pune Sinhagad Roed, Hingne (Khurd) situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 to 2020). of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1932 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. (1) Shri Janardan V. Pandit, Tal Dadhade, Tal. Mawal, District Pune.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Pandit and Mrs. Iravati S. Pandit, Smriti Vinayak Vivekanand Marg, Naupada, Thane-400602.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 Danalaxmi Co-operative Housing Society. Pune Sinhagad Road, Hingne (Khurd), Pune.

(Property 28 described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9569|1984-85 in the month of January, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME/TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE 106]107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12020|1984-85 --- Whereas, I. ANIL KUMAR.

beins the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 1 Second fibor, H. No. 61(Old) in Village Navghar,
Post Vasal Road, Tal Vasal, District Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908

(116 08) in the office of the Pagistering Office of the Pagisteri

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M|s Gandalal Kalyanji & Co., Navghar, Tal. Vasai, District Thana.

(Transferor)

(2) Mr. Ganpat Vithoba Gursele, 24 Jeferbhai Kanjiwadi, St. Mary Road, Mazgaon, Bombay.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Second floor, H. No. 61(Old) in village Navghar, Post, Vasai Road, Tal. Vasai, District Thana.

(Arca 636 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12020 1984-85 in the month of January, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-8-1985

beal:

(1) Ms. Bhindl Construction Co., 391 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms Vinic Trading Co., Harihareshwar Apartments, 476 Shaniwar Peth, Punc-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. JAC ACO|CA-5|37EE|11073|1984-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-

and bearing

Shop No. 4, on ground floor at 476 Shaniwar Peth, Pune-30, Harihareshwer Apartments situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

IAC, Acqn. Rang., Pune in March, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 4, on ground floor at 476 Shaniwer Peth, Harihareshwar Apartments Pune. (Area 398 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 11073 1984-85 in the month of March, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons namely :--

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 26th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|16470|1984-85.—Whereas, I, ANII. KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,001- and bearing Plot No. 1-C Sector 10, Vashi, New Bombay situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (12, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kripashankar R. Singh, Ram Bharose Niwas, Jawaharnagar, Khar (E), Bombay.

(Transferor)

(2) M|s H. B. Enterprises, Flat No. 1, Sal Kripa Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 4, Sector 16-A, Vashi, New Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-C Sector-10, Vashi, New Bombay. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16470/1984-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Baheramsha Bamman Irani, "Moti Manzil" Irani Road, Malyan Dahani Road, Tal. Dahanu, District Thane.

(2) Smt. Bhavaj Soli Alias Sorab Irani & Others. Meher Manor, Irani Road, Malyan, Dahanu Road, Tal. Dahanu, District Thane.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 26th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1038|1084-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Mouje Malyan, Tal. Dahanu, District Thane, S. No. 27, 28
and 29, Hissa No. 2|1, 2|2 situated at Dahanu
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mouje Malyan, Tal. Dahanu, District Thane, S. No. 27, 28 and 29 Hissa No. 2]1 and 2|2.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-registrar, Dahanu, under document No. 1038 1984-85 in the month of February, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 26-8-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

64-266GI|85

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kusumben Kalyanji, D-19 Gala Nagar, Nehru Road, Mulund (W), Bombay.

(Transferous

(2) M|s Gayatri Construction Co.,
 17|31 Cayatri Industrial Estate,
 Navghar, Vasai (F) District Thane.

(Transferee)

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 106]107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|72|1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Layout Plot No. 23, bearing S. No. 30, 31(Pt.), and 35 (Pt.), Navghar (E) Tal. Vesai, situated at District Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at S.R. Vasai in April. 1985

S.R. Vasai in April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Layout Plot No. 23, farming part of the land bearing S. No. 30, 31(Pt) and 35(Pt) Navghar (E), Tal. Vasai. District Theore.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 72 1985-86 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 21-8-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Punc-1, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1039|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Village Malyan, Tal. Dahanu, District Thane S. No. 22A 1 1P; 1118 1/2; 22A 1/1P, 21 1P, 20A 2P; and 21 1P situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Dahanu in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the poncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shri Boman Hormus Irani. (1)Malyan Dahanu Road, Tal. Dahanu, District Thane.

District Thane.

(2) Shri Beheramsha B. Irani, Malyan, Dahanu Road, Tal. Dahanu,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Malyan, Tal. Dahanu, District Thane, S. No. 22A 1|1P., 118 1|2; 22A 1|1P, 21 1P, 20A 2P; and 21 1P.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub-registrar, Dahanu, under document No. 1039] 1984-85 in the month of February, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 21-8-1985

(1) Shri Devjibhai Kanji, Adenwala Chawl, Elphinston Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayawantraj Juhumal, K. T. Chambers, Vasai Station Road, Vasai (W),

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KOREGAON PARK, PUNE-1

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

Pune-1, the 22nd August 1985

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37G|90|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market volue exceeding Rs. 1,00,00], and bearing plot No. 4, Village Navghar, Tal. Vasai, Distt. Thana, situated at Vasai, (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai, in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Village Navghar, Tal. Vasai, District Thane. (Area 836 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 96, 1985-86 in the month of May, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37G|57|1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

S. No. 117B & 117C, Plot No. 10, Jul Road, Nasik

situated at Nasik, (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in May 1985,

for an apparent consideration which is less for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason resolution that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis. Shivaji Deoji Patel & Co. through partners 1. Shri S. D. Patel, 2. Shri R. D. Patel, 3. Shri S. D. Patel, 4. Shri A. P. Patel, Jail Road, Nasik Road,

Dist. Nasik.

(Transferon

(2) Shri G. S. Bhagat, Chairman, Pushpak Co-operative Housing Society Ltd. Jail Road, Nasik Road, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 117B, & 117C Plot No. 10, Jail Road, Nasik Road,

(Property as described in the sale deed registered in the ffice of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 57] 1985-86 in the month of May 1985).

> ANII. KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1985

FORM TINE

(1) Shri Yashwant Purushottam Mahatekar, Chandrakurs New Pandit Colony, Nasik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vishwas Vithalrao Sawkar. Vishwadeep Society, Gangapoor Road, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE I

Punc-1, the 22nd August 1985

Ref. No. 1AC ACQ[CA-5|37G]147[1985-86,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

Shop Nos. 4, 5, 6 in the building known as Chandrakaurs Apartments situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 4, 5, 6 in the building known as Chandrakaurs Apartments.

(Property as described in the sale deed registered in office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 147 1985-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Acquisition Range-II Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

> > Pune-1, the 6th August 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37FF[39]1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. One flat No. A-6 in Tukram Apartments at 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur, (and more fully described in the schedule approved hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the object of the consideration are consideration. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

and or

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(1) Rahul Builders, Tukaram Apartments, 134 Railway Lines, Solapur,

(Transferor)

(2) Mr. Munir Ismail Hamdulay & Mr. Juinulabidin Ismail. Hamdulay, 162 11 Railway Lines, Solapur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. A-6 in Tukaram Apartments at 134 Railway Lines, Solapur, (Area 866 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 39|1984-85 in the month of January 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-8-1985

M/s S. S. Associates. 804 Bhandarkar Road, Punc-4.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M.s Khinyasara Investments Pvt, Ltd. A-77, H-Block, MIDC, Pimpri, Pune-18.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|Def.645|85-86.---Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Office No. 5, 1st Floor, M.P.J. Chambers, Sangamwadi, Bombay Pune Road, Pune situated at Pune, (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A-775. H-Block, MIDC, Pimipri, Pune-18. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid spaceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, first floor, M.P.J. Chambers, Sangamwadi, Bombay Pune Road, Pune. (Area 390 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 645|1985-86 in the month of December 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

Seul:

(1) Mr. Abraham Dinkur Bailey, Bailey House, Katrap Road, Badlapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Construction Co. 17 Ganapati Niwas, Taj Pingle Road, Tai Pingle Chowk, Dombivli (E).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106[107, KÖREGAON PARK, PUNE 1 **POONA**

> > Pune-1, the 7th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|Def.968|84-85.--Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 17, Plot No. 1 at Village Katrap,

situated at Katrap, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acquisition Range. Pune in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid average the property as aforesaid average the property as aforesaid average the property as aforesaid average. said exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 17, Plot No. 1 at Village Katrap.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. De. 968 1984-85 in the month of October 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:— 65-266GI 85

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Punc-1, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9943|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing No.

No. S. No. 104[1]1 (Part) Erandwana, Pune-4, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acquisition Range, Pune in January 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenal Dattatrava Kulkarni. 37 Adarsha Nagar, Near Parasnis Colony, Pune-37. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 104|1|1 (Part) Erandwana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9943|1984-85 in the month of January 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 20-8-1985

(1) M|s Nanesha Promoters & Builders, 549 Guruwar Peth, Punc-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rafat Jahan Mushtaque Ahmed Shaikh, 2594 M.G. Road, Ahmednagar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE 1 POONA

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Pune-1, the 20th August 1985

cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1365|1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. CTS No. 389|B Bhavani Peth, Pune-2, Flat No. 1, on 1st floor situated at Pune,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acquisition Range, Pune in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

C.T.S. No. 389|B Bhavani Peth, Punc-2. Flat No. 1, on 1st Floor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Area 910 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1365|1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquigition Range, Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 20-8-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 107, KÖREGAON PARK, PUNE 1 **POONA**

Pune-1, the 16th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|127|1985-86.—Whereas, IANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. No. Ownership flats Deeparati Apartments, 2nd floor,

Gangapur Road, Nasik,

situated at Nasik. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram Doc. No. 8189, 8190, 8191 84, 8230 to 8235 84;

IAC. Acquisition Range, Punc in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Deepak Builders. Tirupati, N.D. Patel, Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Sudhir Dattatray Deshpande. Suprabhat Apartments, 1st floor, 133 Rangrajpuram Road, Maditas.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ownership flats deeparati Apartments, 2nd floor, Gangapur Road, Nasik.

(Area 850 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 127|85-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 16-8-1985

(1) Mis R. M. Patel Constructions, 12 Umiya Society, Krishnanagar, Panchvati, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumanbai Sahebrao Patil. Welmik Nagar, Panchvati, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE 1 POONA

> > Punc-1, the 19th August 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|122|1985-86.-Whereas. I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 9 OM Apartment,

Panchvati, Nusik,

situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acquisition range, Pune in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for that the consideration for such the consideration and that the consideration for such treasurements. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 OM Apartment Panchvati, Nasik.

(Area 747 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 122|1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 19-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE 1 POONA

> > Pune-1, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9219|1984-85,--Whereas, I ANIL KUMAR.

ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 5, 1st floor, "Bramha Darshan" Sub-plots 2 and 3, 10 Oswal Park, Shivujinagar, Punc, situated at Punc.

situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquisition Range, Pune in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- ffr) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, A957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mls Bramha Builders, 10 Oswał Park, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Rao M Manjre, Chakan, Tul. Khed.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Floor, "Bramha Darshan" Sub-Plots 2 and 3, 10 Oswal Park, Shivajinagar, Pune-5.

(Area 520 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 9219 1984-85 in the month of December 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 20-8-1985

(1) Shri Prakashkumar B. Jain, 60 Timber Market, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal M. Khinvasara, Shri Ashokkumar M. Khinvasara, 85 Ghorpadi Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, KÖREGAON PARK, PUNE 1 POONA

Pune-1, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8939|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flut No. 5, F.P. No. 473, Sub Plot No. 213, Girnar

Society, Gultekadi, Pune,

situated at Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acquisition Range, Pune in December 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov-Able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, F.P. No. 473, Sub Plot No. 213, Girnar Society,

Gultekadi, Pune.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8939|1984-85 in the month of December 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following eersons, namely:-

Date: 20-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE 1 POONA

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|616|1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 1 in Building "B" at P. No. 7 (pt.) plus 8 plus
9 plus 10 plus 11 S. No. 2|1 & 2, Aundh, Pune-7,

situated at Pune.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acquisition Range, Pune in April 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s Porwal Builders, 1482 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Malkeet singh Harnam singh Gill, 155 Aundhgaon, Aundh, Pune-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Building "" at P. No. 7 (pt.) plus 8 plus 9 plus 10 plus 11 S. No. 2 1 & 2 Aundh, Pune-7. (Area 885 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 616|1985-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PUNE,

Pune, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10494|1985-86,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 in Building "B" Paya Housing Complex at P. No. 7 (Part) plus 8 plus 9 plus 19 plus 11 S. No. 2|1 & 2. Aundh, Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
66—266 GI/85 (1) M/Porwal Builders, 1483 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. P.M. Pakkir Mohammed, 41 Udaya Housing Society, Karve Road, Pune-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Building "B" Paya Housing Complex at P. No. 7 (Part) plus 8 plus 9 plus 10 plus 11 S. No. 2 1 & 2, Aundh. Pune.

(Area-847 s. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C.. Acquisition Range, Pune under Document No. 1049/1984-85 in the month of February, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 13th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|986|1985-86,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st Floor, Plot No. 427/7 "Arman" Shivajinagar Pune-6.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Bharat Builders, 20/2 Govind Bhavan, Rafi Ahmed Kidwai Road, Wadala, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Visalakshi Sreenivasan, & Smt. Jayalakshmi Sreenivasan, Plot No. 204, Sion (E), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Example 2. The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Floor, Plot No. 427/7 "Arman" Shivajinagat

(Area—1101 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc under Document No. 986/1985-86 in the month of May, 1985),

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 8th August 1985

Ref. No. IAC | ACQ|CA-5|37EE|14749|1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land—C.S. No. 21, Tifu No. 15 together with the structure of a ground and two upper floors standing thereon at Ram Maruti Cross Lane No. 1, Naupada Thane, situated at Naupada, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Govind Krishnaji Mobhakar, Ansuya Bhavan, Ram Maruti Cross Lane No. 1, Naupada,

(Transferor)

(2) Shree Thana Katchi Visa Oswal, Derawasi Jain Sangh, Ram Maruti Cross Lane No. 1, Naupada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of Jand-C.S. No. 21, Tifu No. 15 together with the structure of a ground and two upper floors standing thereon at Ram Maruti Cross Lanc No. 1, Naupada Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 14749/84-85 in the month of April, 4985).

> ANIL KUMAR
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 19th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12488|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, '1st Floor, Shreenath Apartment, Behind State Bank of India, Vasai Road (W), Dist. Thane. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is come-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Aniruddha Builders, Block No. 12A "Panchratna", Ram Baugh, Plot No. 119, S.V.P. Road, Borivali (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Kamleshbhai H. Barot, and Shri K. H. Barot, 32/3 Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Shreenath Apartment, Behind State Bank of India, Vasai Road (W), Dist. Thane.

(Area—560 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 12488 1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poons

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune-1, the 6th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|OT|12551|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 7, Survey No. 62, Hissa No. 2, Mouje Valiv, Tal Bassein, Dist. Thane. situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range. Pune on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Damodarprasad Harnathrai, Shri Premchand Harnathrai, Shri Satischandra Harnathrai, Shri Rajkumar Harnathrai, 16, Anantwadi, Bombay.

(Transferee)

(2) Shri Dhansukh Mansukhlal Padia, B/41 Shalimar Marve Road, Malad, Bombay.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Survey No. 62, Hissa No. 2, Mouje Valiv, Tal Bassein, Dist. Thane. (Area-17270 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc under Document No. 12551 1984-85 in the month of February, 4985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-test Acquisition Range, POORE

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. K. Promoters & Builders, 58/A Kasturba Housing Society Vishrantwadi, Prine.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrakant Sadashiv Deokar, 218, Navi Kirkee, Yerawada, Pune-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE10135|1985.86.-Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. B-2 on ground floor in Kshitija

Apartments. situated as S. No. 116 plus 150 plus 153A, Plot No. 12, Mohanwadi Yerwada.

situated at Pune

transfer with the object of .-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sessers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rareans memely:--Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2 on ground floor in Kshitija Apartments, situated as S. No. 116 plus 150 plus 153A, Plot No. 12, Mohanwadi Yerwada.

(Area---850 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 10135 1984-85 in the month of February. 4985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9997|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 406, Building No. 4, S. No. 27/1-B,

Erandwana, Pune-4. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. V. Sanghavi Associates, 318/19 Chaturshingi Road, Pune-16.

(2) Shri Vasudev Acharya, 34/4 Bhave's Bunglow, Kacharewadi, Pune-16.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 406, Building No. 4, S. No. 27/1-B, Erandwana, Pune-4,

(Area—1200 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 9997/1984-85 in the month of January, 4985),

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, POOTE

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5||37EE|10738|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing
Unit No. 11, 12 & 16 on ground floor located in Sheetal Industrial Estate, situated at Plot No. 17, S. No. 30, 31 (Part) and 35 (Part) of Village Navghar, Tal, Vasai, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.. Acquisition Range, Pune on Dec. 1984 at Faridabad under Registration No. 2396 dated 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linklity
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastik Developments, 12 Dubash Lane, V.P. Road, Bombay.

(Transferee)

(2) Smt. Sarala Mohan Agarwal, Plot No. 18, A-Wing, Flat No. 403, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 11, 12 & 16 on ground floor located in Sheetal Industrial Estate, situated at Plot No. 17, S. No. 30, 31 (Part) and 25 (Part) of Village Navghar, Tal, Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Doccument No. 10738/1984-85/Def. in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay. (2) Mr. Srichand H. Karara & Mr. Narendra Kumar Kesaria & Others, Chatrapati Society, Flat No. 5,

(1) Mr. N. S. Bharwani, 41, Silver Arch, 66, Nepeansea Road,

(Transferor)

Kopri Colony, Thana East.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106 107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune, the 5th August 1985

Whereas, I, ANIL KUMAR, Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2869|1985-86.--

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
Shop Nos. 3, 4, 5, 16, 17 & 18, Ground floor, Shiv Centre,
Plot No. 72, Sector 17, Vashi, New Bombay.

situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(5) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop Nos, 3, 4, 5, 16, 17 & 18, Ground floor, Shlv Centre, Plot No. 72, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Area built up 1170 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune under Document No. 2869/1985-86 in the month of June, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons, namely:— 67-266 GI/85

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2720|1985-86.—Whereas, 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit bearing No. 1, 2, 9, 10 and 11 on 1st floor Building No. 3 on Plot No. 184 to 189, S. No. 31, 34, 35, 36 and 37 at Village Navghar, Vasai (E), Dist. Thane. situated at Vasai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Manish Industrial Development, 126/128, Sheikh Memon Street, 1st Floor, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Tirupati Twisters, 27/29 Huda Mansion, Kolsa Street, Paydhonie, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit bearing No. 1, 2, 9, 10 and 11 on 1st floor Building No. 3 on Plot No. 184 to 189, S. No. 31, 34, 35, 36 and 37 at Village Navghar, Vasai (E), Dist. Thane.

(Area-3985 sq. ft.) Built up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 2720/1985-86 in the month of June 4985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

Date: 5-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE,

Punc. the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|14297|1984-85,---

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, Shreenath Apartment, Behind State Bank of India, Vasai Road (W), Dist. Thane,

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at L.A.C., Acquisition Range, Pune on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Aniruddha Builders, Block No. 12A "Panchratna" Ram Baugh, Borivli (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Miss Rubina Alauddin Patel & Mrs. Aisha Alauddin Patel, 12/191, Sardar Nagar, Sion Koliwada, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Shreenath Apartment, Behind State Bank of India, Vasai Road (W), Dist. Thane.

(Area—560 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 14297/1984-85 in the month of March 4985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 20-8-1985

(1) Velankar Bhide & Associates, 461 Rasta Peth. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. PUNE,

Pune, the 20th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1142|1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R3. 1,00,000|-

and bearing No.
Flat No. 6, 3rd floor, Survey No. 133/1, 2 and 134/2
Baner Road, Aundh, Pune.
situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acquisition Range, Pune on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Smt. Rashmi Deepak Velkar, Saraswati Building, Triveni Housing Co-op. Society Ltd., Navghar. Vasai Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Survey No. 133/1, 2 and 134/2 Baner Road, Aundh, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 1142/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 8th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1070|1984-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR.

ANIL ROMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 153 of Survey No. 31, 34, 35, 36 and 37 Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thema situated at Vasai Dist. Thana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely :--

 1. Shri Popatlal H Shah,
 2. Shri R. H. Shah,
 3. Shri M. B. Shah, 57 61 Kika Street, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Vora Enterprises, F-12, Triveni Building, 66, Walkeshwar Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 153, Survey No. 31, 34, 35, 36 and 37, Village Navghar, Tel. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 1070 84-85 in the month of December, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Pune

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 12th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11970|1984-85.-Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Indira Niwas, Chitra Niwas & Parshuram Niwas, S. No. CTS. Nos. 33-A, 1-A-1 7291 to 7316 situated at Village Gajbhand-

Patharli, Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri T. P. Kaprekar, Shri B. I. Kaprekar, Smt. S. B. Kaprekar, and Dr. K. B. Kaprekar and Dr. Raikar's Chawl, Swatantraya Veer, Vinayak Damodar, Savarkar Path. Kalyan.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Chheda, Shri K. M. Chheda, Shri D. M. Chheda and Shri R. V. Datar, at Dombivli, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- the his any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Act. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indira Niwas, Chitra Niwas, & Parshuram Niwas, At S. No. C.T.S. Nos. 33-A. 1-A1|7 7291 to 7316 situated at village Gajbhandhan Patharli, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc. under document No. 11970|1984-85 in the month of January, 1985.)

> ANIL KUMAR
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Punc

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF 106|107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 7th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2861|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

Unit No. 36, on 1st floor in Dewan & Sons Industrial Estate No. 3, situated at Navgar, Vasai Road (E) Dist. Thane.

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985
for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Harish Silk Mills Pvt. Ltd., 22, Park West,
 Union Park, Pali Hills, Khar (W), Bombay-52.

(Transferor)

(2) M|s. Marudhar Silk Mills, Prop. Shri Vijayraj Bastimal Jain, 302, A Kripa Prasad Baug Road, Andheri, Bombay-58.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 36, on 1st Floor in Dawan & Sons Industrial Estate No. 3, situated at Navghar, Vasai Road (E) Dist. Thane.

(Property as described in the agreemnt to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2861 1985-86 in the month of June, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Adimaya Construction Co., Matruchhaya, Adarsh Nivas Kendra, Thane.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK PUNE

June-1, the 8th August 1985

Ref. No. IACACQ|CA-5|37EE|16477|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 1, bearing F. P. No. 81 of T.P. Scheme No. 1 Thane City survey No. 708 to 744, 801 to 824 situated at Panch-

khadi, Thane,

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) M|s. VIM Corporation, G-1, Vihar Darshan, 7th Road, Rajawadi, Vidyavihar (E), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, bearing F. P. No. 81 of T. P. Scheme No. 1, Thane City Survey No. 708 to 744, 801 to 824 situated at Panchpakhadi, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16477|1984-85 in the month of May, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Pune

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK

Pune-1, the 5th August 1985

Rcf. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9550|1984-85.—Whereas,I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing No.

S. No. 104[1] (Part) Erandwana, Pune-4 situated at Pune. (and more fully described in the Schedule aneved hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sorresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 33—266 G1/85

(1) M/s. Deodhar & Joshi, Promoters & builders, 1298, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. P. P. Patki, 37/2, Erandwana, Prerana Co-operative Hsg. Society, Paud Phata, Pune-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 104|11 (Part) Erandwana, Pune-4. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9550 1984-85 in the month of January, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-8-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 7th August 1985

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37EE|803|1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000'- and bearing No.

Flat No. 3, Vijayadatta Apartments, Sobhag Nagar, Behind Geetanjali, Co-operative Society, Gangapur Road, Nasik

situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acqn., Range, Pune in May, 1985

at IAC, Acqu., Range, Ptine in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Ajinkya Builders, Prop. Shri Jagdish Vasudeo Deshmukh, 431, Vakil Wadi, Rahalkar Chambers, Nasik.

(2) Shri Hemantelaxmikan t Kelkar, Ranganekar Chawl, Old Pandit Colony, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, Vijayadatta Apartments, Sobbag Nagar, Behind Geetanjali, Co-operative Society, Gangapur Road, Nasik. (Area 656 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 803|1984-85 in the month of May, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Pun

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the surfact, I hereby initiate proceetings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Yeshwant S. Rajguru at Bhagur, 274, Subhash Road, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Kishor H. Papheja, 181, Laldas Building, Deolali Camp, Dist. Nasik.

(Transperce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106 107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 8th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|OT-528|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Plot No. 7A 7B|S-1 Survey No. 717|1B-1A 1-1|19-1 of Nasik Tal. & Dist. Nasik in Patel Colony, College Road situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at IAC, Acqn. Range, Pune in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 7A 7B|S-1 Survey No. 717|1B-1A 1-1|19-1 of Nasik Tal. & Dist. Nasik in Patel Colony, College Road, Nasik

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 528 1984-85 in the month of January, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 8-8-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK **PUNE**

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|89|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000|- and

Bearing Sansari S. No. 142|2A Tal. & Dist. Nasik situated lying and being at Anand Road, Deolali Camp. Camp. Deolali Camp situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acqn. Range, Pune in July, 1985 for an apparent 'consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increase. ween the parties has not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Thakur A Mewani, Sukh Sagar, Wadner Road, Deolali Camp,

(Transferor)

(2) M|s. Harish Builders, Partner Shri Harish Tilumla Manghnani, Gosavi Wadi, Nasik Road.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing Sansari S. No. 142|2A Tal. & Dist. Nasik situated lying and being at Anand Road, Deolai Camp.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 89|85-86 in the month of July, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S.C. LEAD, CHART STATE OF THE S

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK **PUNE**

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|751|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No.

Deeparati Apartments, Pandit Colony, Sharanpur Road, Nasik situated at Nasik,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at JAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Deepak Builders, Patel Road, Yattin Apartments, Near Telephone Exchange,

(Transferor)

(2) Shri S. K. Mudholkar, Clo Canara Bank, M. G. Road, Civil Lines, Allahabad (U.P.) Allahabad.

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

DeeparatiApa rtments, Pandit Colony, Sharanpur Road, Nasik.

(Area 818 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 751 Nasik in the month of April,

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-8-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37EE|747|1984-85.—Whereas, J, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Constructed flat bearing No. 1, in Malkaunsa Apartment, on S. No. 22A|1-1-A|2 College Road, Nasik situated at Nasii (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. P. D. Builders, A partnership firm through TP. A. Mr. D. A. Pateo, Juhu Lanc, Andheri (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Zakiya Manzoor Shaikb, Yogeshwar Building, New Pandit Colony, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed flat bearing No. 1, in Malkaunsa Apartment, on S. No. 722A|1-1-A|2 College Road, Nasik. (Area 740 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 747[1984-85]Nasik in the month of the month of April, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. P. D. Builders partnership firm, College Road, Nasik (379 Priti S. V. Road, Vilheparle Bombay-56).

(Transferor)

(2) Shri Yeshwant Blawant Navanderkar of 9 Harihar Co-operative Society Patel Colony, Chawl No. 3, Nasik.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 5th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|745|1984-85|Nasik,—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |-

and bearing No.
Constructed flat bearing No. 10, 2nd floor on S. No. 722A|1-

1-A/2 College Road situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Ceed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Constructed flat bearing No. 10, 2nd floor on S. No. 722A

1-1-A.2 College Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 745/1984-85/Nasik in the month of April, 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C . The hard Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the offeresaid property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act to the following живоня, namely:

Date: 5-8-1985

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106 107, KOREGAON PARK **PUNE**

Pune-1, the 6th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|590|1985-86.—Whereas, !, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, 1st floor at Rajratan Apartments, Plot No. 8, S. No. 131 2, Aundh, Punc-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Punc in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Chopra Constructions, 245, Narayan Peth, Punc-30.

(Transferor)

(2) Mr. Unmesh Gopal Mahajani & Mrs. Urmila G. Mahajani, 60 Shivaji Housing Society, Sempati Bapat Marg, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor at Rajratan Apartments, Plot No. 8, S. No. 131|1 2, Aundh, Pune-7.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the T.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 590|1985-86 in the month of June, 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ~reons, namely:-

Date: 6-8-1985

Scal .

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON' PARK, PUNE-1

Pune-I, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|12875|1984-85.-

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing Flat No. E-10 on Ground floor, in Building E of Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd. 30 Bund Garden Road, Punc-I, situated at Punc has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the property as the property as a green to be the such that the said and the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following in is namely :--69--266 G1/85

(1) Ramesh Construction Co. (India) 1 Hermes Towers, 618 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor

(2) Mr. Dinshaw J Soporiwalla, Mrs. Mehroo R Boga, Mrs. Gool R Wadia, 14|4 Boat Club Road, Pune-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-10 on Ground floor in Building E of Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd. 30 BBund Garden Road, Pune-1.

(Area 1048 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in theoffice of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 12875 1984-85 in the month of May 1985).

ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona-I

Date: 6-8-1985 Seal .

(1) M/s. Porwal Builders. 1482 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. P. Saxena & Mrs. S. J. Saxena. 22 Riverside Road. Ordnance Estate, Kirkee, Pune-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106 107, KÔREGAON PARK, PUNE-1

Pune-I, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|614|1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 4 in Building "B" on Plot No. 7 (Pt) plus 8 plus 9 plus 10 plus 11, S. No. 2|1 and 2 Aundh, Pune-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of And the Shield of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) Itacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Building "B" on Plot No. 7 (pt) -8-9-10-11 S. No. 2 1&2 Aundh, Pune-7. (Area 848 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 614|1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona-I

Now, therefore, in pursual is at Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

(1) Shri Manohar Balkrishna Athawale, 775|4 Erandwana, Pune-4.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Vinay Vaman Kulkarni, 1396 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106]107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-I, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|OT-11196|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Office premises No. 204 Laxmi Shopping Centre,

Office No. 3 on CTS No. 745 F. P. No. 256 Bhamburda,

Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the face market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, it any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3 on C. T. S. No. 745, F. P. No. 256, Bhamburda, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in theoffice of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11196 1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAP
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona-I

owing Date: 7-8-1985:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106 107, KÖREGAON' PARK, PUNE-1

Pune-1, the 7th August 1985

Ref. No. JAC]ΛCQ[CA-5]37-EE|11816|1984-85... Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing No.
Plot No. 53, Anand Park, Pune-7 with Bunglow. situated at

Pune

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objtct of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1057)27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Wing Comdr. Mukund Shridhar Naravane, 53 Anand Park, Pune.
- (2) Shri D. S. Kulkarni & Co. 812 Sadashiv Peth, Ravi Building, Near Alka Talkics, Pune.
- (2) Sh. & Smt. Vinod N. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 53, Anand Park, Pune-7 with Bunglow.
(Area of Plot - 6800 sq. ft.)
(Area of Bunglow - 1200 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in theoffice of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11816 1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons-I

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc-I, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|108|1985-86.--- Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. 19, S. No. 121,122, Rambag Colony, Kothrud, Pune-29, Flat No. 5, 1st Floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been mansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.Range, Pune on June 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Atul Enterprises, 31 Sheelavihar Colony, Ruturaj Paudphata.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Waman Page, 9 Gananjay Society, Azad Nagar, Malwadi, Kothrud, Pune-29.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official virette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 19. S. No. 121, 122, Rambag Colony, Kothrud, Pune-29. Flat No. 5, 1st Floor.

(Property as described in the agreement to sale registered in theoffice of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 108|1985,86 in the month of June 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona-I

Date: 1-8-1985

cal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 5CT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. S. Chaubal, Khodabai Chawl, S. V. Road, Andheri, Bombay.

(Transferor)

(1) C. M. Pardeshi, Plot No. 318, Kansai Section, Ambernath.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Jalandhar, the 4th September 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|16353|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 318, Suryoday Co-operative Housing Society Ltd.

Ambernath, situated ut Ambernath

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gaven us that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 318, Suryodaya Co-operative Housing Society Limited., Ambernath.

(Area 819 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A.C., Acquisition Range, Pune under in theoffice of the I. A.C.. Acquisition Range, Pune under document No. 16353 1984-85 in the month of Jan. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1985

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1985

Ref. No. A. P. No [5843]5844.--Whereas, I, J. L. GIRIDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomeday A.1, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and brazing No.

situated at Ram traphul (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ramouraphus on a many 1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I be reby initiate recordings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: (1) Shirmati Om Probba Wlo. Dr. Sham Murari, (R.D. No. 2107) & Sh. Sham Murari, So. Ved Parkash (R. D. No. 2108) Ro. Ganga Nagar.

- (2) Shri Harbans Lal Slo, Sri Ram & Bhagwanti Devi, Wlo, Siri Ram (R. D. No.)& Ved Parkash, Jiwan Kumar Slo, Mangat Rai, (R. D. No. 2108) Rlo, Gill Bazar, Rampuraphul.
- (3) As Per Sr. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 2107 and 2108 of January. 1985 of the Registering authority, Rampuraphul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 2-9-1985

WITCH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI RODA NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. 1AC|Acq. 2|S.R.-I|1-85|789.—Whereas, I, K. VASYDEVAN,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Government in this behalf under section 269B of the irroum-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Bldg. No. 4378|48, Part-1, 4, Murarial St. situated at Ansari

Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, on Jan.-85 for an apparent consideration which is less than the fair more transferred value of the officerial reports.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesam exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such that the consideration for the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any minera or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1931);

(1) Smt. Ram Sakh; Devi Wo. Sh. M. C. Bansal (2) Sh. Ashok Bansal, (3) Sh. Anil Kumar Bansal Slo. M. C. Bansal, Rlo. 7[28, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)

(2) M|s. Himalaya Publishing House
4A|16, Sangeeta Apartments, 71, Juhu Road,
4A|16, Sangeeta Apartments, 71, Juhu Road,
Santa Cruz, Bombay, through their partner
Smt. Meena Pandey
W|o. Sh. D. P. Panday,
Flat No. 209, Self Financing Scheme Hauz Khas,
New Delbi New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Floor Consisting of Carpet area 1366.21 sq. feet, with Wo. in Bldg, No. 4378|48, part-I, 4, Murarilal St. Ausuri Road, Darya Ganj, New Delhi, khasra No. 58 (Ground Floor).

> K. VASUDEVA? Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANG-II, AGGARWAL HOUSE. 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Rcf. No. JAC|Acq-2|S.R.-II|1-85|790.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. B-111 and B-112, Double Storey. Ramesh Nagar, New Delhi,

Dcuble Storey, Ramesh Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Jan, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

70-266 GI/85

 Sh. Amrit Lal Slo Late Sh. Durga Dass, Rlo H-45, Kirti Nagar, New Delhi.

_ - := -:-= :: :: ::-

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Durga Devi Wo Late Sh. Amar Nath Chopra,
 - (2) Sh. Rajinder Nath Chopra S]o Late Sh. Amar Nath Chopra, R]o R-757, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-111 an B-112, Double Storey, Ramesh Nagar, New Delhi.

(K. VASUDEVAN)
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Date: 21-8-85.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-II,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. 1AC|Acq-2|S-R-I|1-85|791.—Whereas, I, VASUDEVAN,

N. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Roof of First Floor measuring 131.92 sq. mtrs. situated at House No. 8|2, Ali Pur Road, Civil Lines, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, in January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) faiilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Satya Narayan Tulshan Slo Sh. Behari Lal Tulshan, Ro 82, Ali Pur Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar Tulsian and Smt. Anita Tulsian both Rlo C-3|39, Ashok Vihar, Phase-II,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roof of First Floor measuring 131.92 sq. mtrs. House No. 8|2, Ali Pur Road, Civil Lines, Delhi, with a right to construct to the exttent of Second Floor.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 21-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANG-II,

AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-2|S-R-I|1-85|792.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 38, Block No. 18, situated at

Shakti Nagar, Delhi, measuring 241.11 sq. yds., New Delhi, (and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi, on January 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mool Chand Jain So Sh. Ram Pat Ji, Ro I-1755, Chittranjan Park, New Delbi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudershan Kumar Jain S|o Sh. Nanak Chand Jain, R|o 18|10, Shakti Nagar, Delhi.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or "period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house built on plot No. 38, Block No. 18, Shakti Nagar, Delhi, measuring 241.11 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 21-8-85

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq-2|S.R.-II|1-85|794.—Whereas, I, VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Bearing Built-up Property Plot No. 58, situated at Block III, Roop Nagar, Delhi,

New Delhi,

transfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); (1) Smt. Sheelawanti Wo Sh. Kundan Lal Arora, R|o 3|58, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

Smt. Kiran Singal Wlo Sh. Sita Ram Singal, Rlo 23-D, Kamla Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used listeln as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Builtup Property Plot No. 58, Block-III, Roop Nagar, Delhi, measuring 216.8 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|S.R.-I|1-65|795.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tart, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. 5, Block-N, situated at Khasra No. 86, 88, 89, 92 to 96, 98, 107, Satyawati olony, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the seid Act to the following persons, namely.—

(1) Shri Balwant Kumur Slo Sh. Manohar Lal, Rlo 5, Block N, Satyawati Colony, Dalbi

(Transferor)

(2) Smt. Ritu Jain Wo Sh. Ravinder Kumar Jain, Rlo D-3|5, Ranat Pratap Bagh, Delhi.

(Tunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Built on Plot No. 5, measg. 150 sq. yds. Block N' Khasra No. 86, 88, 89 to 96, 98 to 107, Satyawati Colony, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 21-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. 1AC|Acq-2|SR-I|1-85|796.--Whereas I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

A-11|3. Rana Partap Bagh, Delhi, situated at New Delhi,

New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer? and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing pertons, namely :-

(1) Sh. Des Raj So L. Ishar Dass, A-11/3 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Wo Sh. Kapoor Chand, B-65, C. C. Colony, Opp. Partap Bagh, Delhi.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

No. A-11|3 Rana Partap Bagh, Delhi.

K. YASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 21-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-II,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq-2|S.R.-I|1-85|797.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 15, Block D-5, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act. to the following persons, namely !—

 Shri Namdeo Rao Sawarkar Slo Shri Sita Ram Sawarkar, Rlo D-5|15, Model Town, Delhi.

(Transferor)

Shri S. Gurwant Singh S|o S. Ranjit Singh
 Smt. Harbinder Kaur W|o S. Kulwant Singh,
 Smt. Gurdeep Kaur W|o S. Man Mohan Singh,
 R|o F-23|6, Krishna Nagar, Delhi,
 Delhi.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Block D-5, Model Town, Delhi. Measuring 282 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 21-8-85.

FORM 11No--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.2|S.R.-I|1-85|798.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000 and bearing Property No. 6-8|12, Punjabi Bagh, New Delhi, situated at 1,00,000, Area Vill. Bassai Dara Pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) 1. Sh. Subhash Chander Kathuria; (2) Sh. Ramesh Chander Kathuria; 3. Sh. Vinod Kumar Kathuria Soo Late Sh. Ram Chand Kathuria, Roo A-47, Kirti

(Transferor)

(2) M/s. Arizona Enterprises (Pvt.) Ltd. C-312, Defence Colony, New Delhi, through its Director,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Property No. 6-8|12, Punjabi Bagh, New Delhi, mg. 1048.70 sq. yds. Area Vill. Bassai Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.2|S.R.-I|1-85|799,—Whereas, I, VASUDEVAN. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Single Storeyed Property No. 5[4B, situated at Plot No. 4B, Block 5, Roop Nagar, Delhi (2nd more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Ian. 1985 New Delhi on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of

transfer with the object of :--

(1) Smt. Ansuya Bai Wagle Wo Sh. Gyan Chand, Rlo 5|4B, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar slo Bansari Dass Ro 17/35, Shakti Nagar, Delhi, (2) Smt. Raj Puri Wlo Sh. K. K. Puri Plo 7/26, Roop Nagar, Delhi, on behalf of Mls. Puri Banga Associates, having its regd. office at 17/35, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed Property No. 5|4B, built on Plot No. 4B, Block 5 measuring 167.66 sq. yds Roop Nagar, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—71—266 GI/85

Seal ·

Date: 21-8-1985

Smt. Bhagwant Kaur Wo Sh. Amarjit Singh, R|o 7|55, Ramesh Nagar, New Delhi.

(2) M|s. Junior Engineers' Telecommunication Association (India), E-159, Tagore Garden, New Delhi, General Secretary, Sh. M. K. Bagchi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.2|S.-R.I|1-85|800.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Govt. Qr. No. 7|35, situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Qr. No. 7|55, mg. 100 sq. yds., Ramesh Nagar, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistan Cormissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.2|S.R.-1|1-85|802.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

velng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Plot No. 134, Khasra No. 2328, Block-C, situated at Mansrover Garden, Area Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(2) Sh. H. M. Gulati s|o Sh. Howna Ram, R|o F-146, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(Transferor

(2) Sh. O. P. Bhasin s|o Sh. A. R. Bhasin, R|o B-1|13, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134 mg. 200 sq. yds. Khasra No. 2328, Mansrover Garden, Block-C, area Vill. Bassai Dara Pur, Delhi,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 21-8-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMBITAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. JAC|Acq.-II|SR-I|1-85|804.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

res the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Plot No. 22, Road No. 7, meas. 180.89 sq. yds. (half of the total area of 361.78 sq. yds.) situated in Punjabi Bagh. New Delhi New Delhi on Jan. 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JAC|Acq.R-II|New Delhi 1961 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the blability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri S. Kartar Singh s|o S. Nirmal Singh, R|o 7|22, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) S|Sh. Sunder Lal, Bhim Sain and Shiv Kumra sons of Late Sh. Tale Rum Aggarwal all R|o 82|95, Pachhim Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold property (front portion) of house built on plot No. 22, Road No. 7, meas. 180.89 sq. yds. (half of the total area of 361.78 sq. yds.) situated in Punjabi Bagh, New

K. VASUDEVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A. ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|1-85|805.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Property No. A-2|3, measuring 470 sq. yds. situated at Rana Partan Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-II, N|Delhi 1961 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 10.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Niki Devi Wo Late Sh. Rama Nand do Late Sh. Jai Ram Dass Ro A-2/3, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Gupta s|o Sh. Sat Parkash Gupta, R|o A-I, C. C. Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BRPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-2|3, measuring 470 sq. yds. situated at Rana Partap Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

(1) Ch. Chaman Lal Rio 34/6, West Patel Nagar, Genl. Attorney of Sh. Harnam Singh.

(Transferoi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Kalia alias Radha Rani, 64B, Ramesi nagar, New Delhi.
(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be under in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI HOUSF, 4|14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq,-II|SR-I|1-85|806.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 2099 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 64-B, Ramesh Nagar, New Delbi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq Range-II, N|De|hi on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 'O

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the **chiese** of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any maneta or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzzette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

64B, Ramesh Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

FORM I.T.N.S. ---

(1) Shri Makhan Singh slo Sh. Amar Singh, Rlo G-12, Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Murti Kapoor Wlo Late Sh. Ram Chand Kapoor Rlo 33|31, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|1-85|813.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
House No. Wz-61, on plot No. 205,

mg. 93 sq. yds. situated at Raja Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi

Darapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IACIAco. Funge-II, N|Delhi on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) recultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. WZ-61, on plot No. 205, mg. 93 sq. yds. situated at Rain Garden, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 21-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. 1AC|Acq.-1I|SR-1|1-85|814.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Portion marked as No. '5', on F. Floor, in H-3|12 situated at measuring app. 89.465 sq. mts. Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-II, N Delhi 1961 on Jan. 1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by meathan fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely '-Dengo

Sh. Om Parkash Bhasin, 2. Shri Tilak Raj Bhasin & 3.
 Jagdish Lal Bhasin all residents of C-1|30-III, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ainshi Lal Dhingra H-3|12, Model Town,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned :-.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein m are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion marked as No. '5' on F. Floor, in H-3|12, Model Town, Delhi, Measuring app. 89.465 sq. mts. in area.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 21-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|1-85|815.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 170 in Block C, mg. 376 sq. yds. Bassai situated at Darapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-II, N Delhi 1961 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Harbans Lal so Sh. Shiv Dial Rlo B-41|2, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar soo Sh. Ram Naraina and Sh. Ram Narain s o Sh. Bahadur Chand Both R o 1233, Sadar Thanna Road, Delhi-6, (3) Sh. Satish Kumar and (4) Sh. Raj Kumar sons of Sh. Ram Narain R o 1217, Sadar Thana Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 170 in Block C, mg. 376 sq. yds. situated at Mansrover Garden, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following necessary according ing persons, namely:-72-266 G1/85

Date: 21-8-1985

(1) Smt. Vidya Wati wdlo Gopinath, 4858A|24, Darya Ganj, Delhi.

(2) Suraj Bhan Gupta soo Prabhu Dayal,

(Transferor)

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|1-85|815-A.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 4252. Ward-II, Harbans Singh Street 24, Darya Ganj, Delhi

1st floor, Area 1500 sq. ft.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acc. Renge-II. NIDelhi on Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

57, Daya Nand Marg, Darya Ganj, Delhi,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Muncp. No. 4852, Ward-ii, Harbans Singh Street-24, Darya Gang, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 21-8-1985

(1) M|s. Express Properties (P) Ltd. B-117, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s. Jalani Holding Pvt. Ltd., 106, Sunder Nagar, New Delhi-110003. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st August 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|1-85|551.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

cation of this house in the Ohiotal Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 103 Plot No. 3, Block-H, Asohk Vihar, New Delhi

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-II, N|Delhi on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Building on plot No. 3, Block-H, Ashok Vihar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said war, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the successful property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-8-1985

(1) M/s. Express Properties (P.) Ltd., -177 Greater Kailash-I, New Delhi,

(2) Mr. Tassher Ursani 7627

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-11|37-EE|1-85|552.—Whoreas, I, K. VASUDEVAN,

he income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 201 on Plot No. 3 Block-H, Ashok Vihar Delhi

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at JAC Acq. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

P. Darogh Street Qurash Nagar Sadar Bazar Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on Plot No. 3, Block H, Ashok Vihar, Delhi. Area 350 Sft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Express Properties (P.) Ltd B-177 Greator Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Sobaa Rao, X-8 Green Park, New Delhi-16.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-11|37-EE|1-85|553.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. Flat No. 202 in building on Plot No. 3 H-Block situated at Ashok Vihar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Plot No. 3, Block-H, Ashok Vihar Delhi. Area 340 Sq. Ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967);

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-8-1985

(1) M|s. Express Properties (P.) Ltd. B-177 Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Aggarwal B-7|107 ext., Safdarjung Enclave. New Delhi-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37-EE|1-85|554.-Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs, 1,00,000i- and bearing Flat No. 204 in Building on plot No. 3, Block-H, situated at Achole Viber New Delbi

Flat No. 204 in Building Ashok Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC Acq. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the some meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any incom to arising from the

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 204 in Building on plot No. 3, Block-H, Ashok Vihar, New Delhi. Area 155 Sq. ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

(1) M|s. Express Properties (P.) Ltd., B-177 Greater Kailash-I, New Delhi-48, (Transferoy)

(2) Shri Mohd. Khurshid 5660 Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMENSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|555.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Incompetar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refused to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 203, Plot No. 3, Block-H, Ashok Vihar, Delhi situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, .1961 the Office of the registering Officer at IAC Acq. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly used in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(is) facilitating the concealment of any income or any moneye or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Building on plot No. 3 Block-II Ashok Vihar, Delhi. Area: 445 Sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby infiliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesses of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1985

Seal;

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Express Properties (P.) Ltd. B-177 Greater Kailash-I, New Delhi-48

(Transferor)

(2) Smt. Sobna Rao Wo Sh. I. S. Rao 8 Green Park Ext. New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF A NEW DELHI ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-JI|37EE|1-85|556.--Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 101 in Building on plot No. 3, Block-H situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in Building Plot No. 3, Block-H, Ashok Vihar New Delhi. Area: 550 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

Seal ·

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Express Properties (P.) Ltd., B-177 Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Jain Dlo Sh. K. C. Jain, D-14, Green Park Ext. New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37-EE|1-85|557.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
First Floor flat No. 102 on Building at 3 Local Shoping
Centre, Block?H, situated at Ashok Vihar, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at IAC Acq. II New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); First Floor Flat No. 102 on Building at 3 Local Shoping Centre Block-H, Ashok Vihar Delhi. Area : 340 Sq. ft. approx.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—73—266GI[85]

Date: 16-8-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|558.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plat No. 104 in fullding on plot No. 3. Block-H situated at Ashok Vihar Delin (and Britan Line (her Schedule control bear))

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been temsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. If New Delhi in January 1985

for an approximate consideration which is less than the fair market value of the atoristid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of innafer with the object of .-

(a) faction ing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: ---

(1) M|s. Express Properties (P.) Ltd., B-177 Greater Kallash-I, New Delhl.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Sikand G-103 Vikaspuri, New Delhi-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Building on plot No. 3, H-Block, Ashok Vihar Delhi. 155 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|559.-Whereas I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Basement storage space No. B4 measuring 275 Sq. ft. in Allied House, Plot No. 2, Flatted factories, Opposite Shadhzada Bagh, Delhi-35 to be constructed, 275 Sq. ft. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, in the Office of the registering Officer at Office of the registering Officer at

IAC Acq. II New Delhi on January 1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M|s. Allied Construction Co. G-5|92, Deepali, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Leela Kanal 990, Civil Lines, Jhansi (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the said a specimen in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement storage space No. B4 measuring 275 sq. ft. in alled House, Plot No. 2, flatted factories, Opposite Shahzada Bagh Delhi-35.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|560.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing F-229 II floor Jaina's Shopping Complex Basai Darapur situated at Nav. Delbi

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-II New Delhi in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) M₈. Naina Properties (P.) Ld. Adinath Sree 'House' Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Sachdeva Slo Shri Sunder Das Sachdeva F-40, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-229, II floor Jaina's Shopping Complex Basai Dara Pur, New Delhi. 110 Sq. ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37-EE|1-85|561.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. G-I Jaina's shoping complex Basai Darapur, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registering Officer at

IAC Acq. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jaina Properties (P.) Ltd., Adinath Srce House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Tripta Ahuja Wo Sh. S. L. Ahuja, Ro 53 West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-I Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, New Delhi. 101 Sq. Ft. Area.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-I, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-01. ([ransferor]

Miss Humna Kadir Do Sh. Abdul Quadir, D-', Kalandi Colony, New Delhi-65.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|561-A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 305 on third floor 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 Sft. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registering Officer at IAC Acqn. Range-II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability ot the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 305 on third floor in proposed building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-I, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-01.

(2) Smt. Manju Kurana Wo Sh. Balraj Kurana, 26|105 Shakti Nagar, Delhi-7,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE. 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|562.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 25 on Ground floor in Building (proposed) situated at
Syndicate House 3 Old Rohtak, Road, Delhi. 235 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961
the Office of the registering Officer at

IAC Acq. II at New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Syndicate House at plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi, Industrial Space No. 25 on Ground Floor 235 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition, of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-8-1985

Sear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC Acq. II | 37EE | 1-85 | 563.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 101 on First Floor, Plot No. A-5 & 6 Community Centre,

situated at Ranjit Nagar, New. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the recitering Officer at Iac. Acq.-II, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

M|s. Vishwa Properties Pvt. Ltd. Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi-19.

(2) Ms. Donanzo Enterprises 63, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on First Floor, Plot No. A-5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar, N Delhi. 637 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|1-85|564.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Kothi No. 13, Darya Gang,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at Iac. Acq.-II, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandlor.
- t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—
74—266GI[85]

 Shri Pran Nath Behl A-62, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Madhu Mala Properties Pvt. Ltd. A-62, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 13, Darya, Gang, New Delhi, Area—784 Sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaina's Properties (P) Ltd., Addinath Shree House Can. Circus, New Delhi. Con. Circut, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Surinder Nath Katyal & Smt. Raj Karni Katyal, R|o C-1|38, Janak Puri, New Delhi.

(Transperce)

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|565.-Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market solue exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. G-60, Jaina's Shopping Complex, situated at Bassi Dara Pur, Near Natraj Cinema, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at Iac. Acq.-II, Registering Officer at New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. waichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-60, Jaina's Shopping Complex, Bassi Dara Pur, Near Natraj Cincma, New Delhi, Area-60 Sq. Feet.

> K. VASUDEVAN Competen 'Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range-II
>
> Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :-

Date: 16-8-1985

(1) Jaina Properties (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sudesh Kumar So Shri Munshi Ram Co Shri N. L. Nagpal 278 Kamat Enclave Pritam Pura,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALJ ROAD NEW DELHI New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. AIR.Acq.II|37EE|1-85|566.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. G-31 Jaina's Shopping Complex Dasai Dara Pur situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registering Officer at Acq. IAC|R-II, New Delhi on January, 1985

at Sonepat under Registration No. 3891 dated December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thtat Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

C-31 Jaina's Shopping Complex Basai Dara Pur, New Delhi. 60 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

K: VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-8-1985

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|567.—Whereas, I, K, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. F-230, IInd Floor, Jaina's Shopping Complex

situated at Basai Dara Pur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registration of the registration

the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-II, New Delhi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaina Properties (P) Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Sachdeva S|o Shri Sunder Dass Sachdeva, Smt. Meera Sachdeva W|o Mr. Rajiv Sachdeva, R|o F-40, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F- 230, IInd Floor, Jaina's Shopping Complex, Bassi Darapur, New Delhi, Area—110 Sq. Feet.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|568.—Whereas, I, VASUDEVAN,

seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

space No. 12-A, Ground Floor Building situated at Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, the Office of the registering Officer at IAC Acq. II, Range-II,

New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to celleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— (1) M|s. S. B. Salls (P) Ltd. Builders & Promoters, UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chand Bansal Slo Shri Amar Nath Rlo 19-A|UA|5927-28, Jawahar Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Indul, Shop Space No. 12-A, Ground Floor Building, Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, New Delhi, Area— 125 Sq. Feet.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II
> Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Krishan Lal, 2. Shri Kishore Chand Ss|o Shri Des Raj 37, Shivaji Road, Teliwara, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALJ ROAD NEW DELHI

(2) Shri Sunil Kumar Soo Shri Krishan Lal, 37, Shivaji Road, Teliwara, Delhi.

(Transferec)

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC Acq.II 37EE 1-85 569.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 37, Shivaji Road, Teliwara, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 New Delhi int January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this posice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

nad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 37, Shivaji Road, Teliwara, Delhi About 30 Sq. Yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Allied Construction Co. C-5|92, Deepali, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Miss Anita Kanal C-556, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|570.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 2498 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Allied House, Plot No. 2, Old Rohtak Road

Opposite Shazada Bagh situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at lac. Acq.-II, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-3 of 275 Sq. ft. Allied House, Plot No. 2, Old Rohtak Road, Opposite Shazada Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM I.T.N.S.

Allied Construction Co. 35|92, Deepali, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sat Paul Malik & Sons. (HUF) E-26|4, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|571.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 105 of 425 Sq. Ft. in Allied House Flatted Factories Flat, Plot No. 2, Old Rohtak Aoad, Opposite Shahzada Bagh (U|Const.) situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 105 of 425 Sq. ft. in Allied House, Flatted Factories Flat, Plot No. 2, Old Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|572.-Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. G-26 on ground Floor on plot No. 3, Old Rohtak Road K. VASUDEVAN,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at Iac. Acq.-II, New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nercons, namely :-75-266GI|85

(1) M|s. S. B. Sales Private Limited UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-01.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Bansal Wo Shri Mahesh Chand Bansal, Ro 19-AJUA 5927-28, Jawahar Nagar, Delhi-07.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said ecoparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. G-26 on ground floor, in or proposed building Syndicate House, on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 235 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGATWAL HOUSE 4[14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|1-85|573.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,0001, and bearing
Flat Mo. 304 on third floor in plot No. 3, situated at Cld Roh'ak Road, Delhi, Area of 335 Sft.
(and more fully described in the Ochedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcea'd property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (to facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. S. B. Sales Private Limited Builders Promoters, UB-1, Ansal Bhawan, 16. Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-01.

(Transferor)

(2) Miss Anu Gupta D|o Late Yogesh C. Gupta 100, Babar Road, New Delhi-1.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Flat No. 304 on third floor in our proposed building on plot o. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 Sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said act. I hereby include proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|574.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

was the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Booked Flat o. 102 in Mutistoreyed Building A.5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concestment of any income or sat) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M]s. Vishda Properties (P). Ltd., 4th Floor Shorty House, 73-74. Nobru Place, New Delhi.

(Transf. (3))

Mrs. Kusum A. Dhamija, Mrs. Meenu Suninga, 26 Hotel Metro, N-1, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquention of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Society of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within did days from the date of the publis cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 102 in A-5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi. 473 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|575.—Whereas, I,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
No. 316 on third Floor Plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the K. VASUDEVAN, being the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

(1) M|s. S. R. Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-01.

(Transferor)

(2) Miss Rioha Verma and Rasi Varma Do Shri S. C. Verma D-115, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 316 on third floor in building syndicate house on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi, having super built up area of 320 aft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM 1.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|576.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 312-A (313) on Third Floor, in or proposed building plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. S. B. Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Jain & M|s. Rajcev Jain (HUF) ED-136|1, Tagore Garden, New Delhi-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 312-A(313) on Third Floor in our proposed building Syndicate House, on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 sft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ms. S. B. Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Hubil Nasir, Sjo Shri Shuja-ud-Din K-116, Haus Kas, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-85|577.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 315 on plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range No. II New Delhi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the somsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 315 on third floor in building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Rs. 1,00,000]- and bearing

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under anbsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|1-85|578.-Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1 lac. and bearing

No. 314 on Third floor House No. 3, Old Rohtak Road,

No. 314 on Third floor House No. 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-II, New De'hi in Jenuary 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys oFr other assets which have not been or disclosed by the transferee to which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(1) Mls S.B. Sales Private Limited Builders and Promoters UB-I, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-01.

(2) Master Abhsekh Jain son of Snri S. C. Jain K-120, Haus Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 324 on Third floor in Syndicate House, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 16-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9926|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. II, "Barsana" Bhamburda, Plot No. 2, Survey No. 134|4 Shivajinagar situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of at IAC, Acqn. Range, Pune in Jan., 1985

at IAC, Acqn. Range, Pune in Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

1 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|₈ Metro Estates Corporation, 2418 East Street, Camp, Punc.

(Transferor)

(2) Mrs. Leela R. Rao, Clo Mr. U. R. Rao, P.O. Box 20820, Safat, IZuwadit, (A-GULF).

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 11. BARŞANA Bhamburda, Plot No. 2, Survey No. 134|4 Shivjinagar, Pune.

(Area 1037 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9926 1984-85 in the month of Jan., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, it, pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Allied Construction No. G5|92, Deepai, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Ruj Talwar 52, Swadesh Market Sadar Bazar, Delhi-06.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/37EE/1-85/580.--Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 107 of 425 sq. ft. in Allied House plot No. 2, Old Rohtak Road Opposite Shahzada, Bagh Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. IAC, Aca. Range-II, New Delhi in January 1985, for an appropriate consideration, which is less than the following the second statement of the second

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property and I have remen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107 of 425 sq. ft. in Allied House plot No. 2, Old Rohtak Road Opposite Shahzada Bagh, De'ni (under Construction).

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-76—266GI]85

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3814 Acq 23[I]85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the section of the sec able property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing

No. I and udm, 404 sq. yd. plus Cost TPS 14

F.P. 203 A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

persons, namely :-

(1) Naransing Mohansingh & Ors. Nr. Grass Pith, Out Side Dariapur Gate-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Lodha Chambers Steel Merchant Asson. Chairman—Rambhai Chaturbhai, G.F. 'Ravi Chambers', Out side Dariapur Gate-Nr. Grass Pitha-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 404 sq. yd. plus costn, Ahmedaaad TPS 4 FP No. 203 S. No. 17B R. No. 271 Dt. 5-1-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Instacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Ahmedabad

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3815 Acq 23[I]85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. HP at TPS 3 F.P. No. 806 Sub Plot No. 9 Land adm.
1130 sq. yd plus Bldg. Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in tht Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-1-1985,

Annedation on 25-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Vipinchandra Natwarlal Desai, 29—Vallabh Nagar Socy. North South Road No. 3 Ville Parle—West—Bombay-56.

(Transferor)

(2) Chandrakant Kalyanbhai & Ors. B. No. 9 New Brahma Khatriya Socy. Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Ahmedabad TPS 3 F.P. No. 806 Sub Plot No. 9—Brahma Kshtriya Socy. B. No. 9 Bldg Adm. 215 sq. yd plus Land R. No. 1329 Dt. 25-1-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3816 Acq 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Nc. Property at Ahmedabad—Kochrab sim
S. No. 42|1 TPS 3 F.P. No. 879 Hissa No. 1|4 of Land 1594
sq. yd. plus Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of [200]

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Niranjan Jayantilal Shah... 'White House—Pritam Nagar— Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vision Builders Pvt. Ltd. 18—New Alkapuri Socy. Gulbai Tekra—Ambawadi—Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ahmedabad—Kochrab sim S. No. 42|1 TPS 3 F.P. No. 819 Hissa No. C.S. No. 15-16-17 Lund adm. 1594 sq. yd. plus Bldg. 1|4 share of it R. No. 18840 January 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD-380009 ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3817 Acq 23/1/85-86.--Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Property at Ahmedabad TPS 3 F.P. No. 819, Kochrab sim S. No. 4211 C.S. No. 15-15-17 Land adm. 1594 sq. yd. plus Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) sucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jayantilal Jeshingbhai Shah-White House—Pritam Nugar— Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vision Builders Pvt. Ltd. 18-New Alkapuri Socy. Gulbai Tekra—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ahmedabad TPS 3 F.P. No. 819 Kochrab sim S. No. 42|1 C.S. No. 15, 16, 17 Land adm 1594 sq. yd. plus Bldg. 1|4 share of it R. No. 18439 Dt. Jan 1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Shardaben Narendrabhai B-No. 37-Shardakunj Socy. New Vikas Gruh Rd. Paldi-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Snehlafa Sampatlal Suranta, 10|11, Burtolla Street, Calcutta-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3818 Acq 23|I|85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred in as the 'said Aet'), have reason to believe that the immovtole property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Shop No. 68 Adm. 21.51 sq. mtr. The Nutan Guj, Co.op Shops & Warcho sing Socy. Ltd.

OlS Rainur Gate.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-godown No. 68 the Nutan Gujarat Co.op. Shops and Wareho sing Socy. Ltd. O|s Raipur Gate Ahmedabad Adm. 21.51 sq. mtr. R. No. 1055 Dt. 21-1-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I|II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3819 Acq. 23|1|85-86.--Whereas, I,

G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. H.P. at TPS 3 F.P. No. 237
B. No. 90 Swastik Socy. Land adm. 827 sq. yd. plus Bldg.

Ahmedahad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Ahmedabad on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Chandrakantbhai P. Chokshi Chinubhai Chandrakantbhai Chokshi Dineshehandra C. Chokshi Panktii C. Chokshi Mameshwar Twins-Behind Manekbag Co.op. H. Socv. Ambawadi-Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Dr. Devendra D. Patel Dr. Malay D. Patel, 'Ganga bag'—Dr. Vikram Sarabhai Road, Ambawadi—Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. the

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at T.P.S. 3 F.P. No. 237 B. No. 90 Swastik Socy. Land Adm. 827 sq. yd. Bldg. 200 sq. yd. R. No. 271 Dt.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I|II, Ahmedabad

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd August 1985

Ref. No. P.R. No. 3820 Acq 23|1|85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No. 26 Adm. 21.51 sq. mtr.

The Nutan Gujarat Co.on Shops & Ware houses Socy. Itd. Ols Painur Gate Abmedukad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ahmedabad on 2-1-1985, for an appearant consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Motilal Mulchand Shekhani Babulal Govindial Shekhani, 62 -New Cloth Market-O|S Raipur Gate-Ahmedabad-2,

(Transferor)

(2) Rudhlal Ratanchund Bagari Vidyadevi Rughlal Bagri, Clo Bagrees Pvt. Ltd. 201|B—Mahatma Gandhi Road, 3rd Floor-Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-Godown No. 26, Adm. 21.51 sq. mtr. The Nutan Gujarat Co.op Shops and Warehousing Socy. Ltd. O|S Raipur Gate-Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range UII. Ahmedabad

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASI ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3821 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

HP at Ahmedabad TPS 26 S. No. 260. S.P. No. 66 Land adm. 402 sq. yd. plus Bldg. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ied/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ajitbhai Premchand Shah. B. No. 66 Lavanya Socy. Nava Vikas Gruh Road, Vasana—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bhailalbhai Harilal, Kusumben Bhailalbhai B. No. 66—Lavanya Socy. Nr. Vikas Gruh Rd. Vasna, Ahmedabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

H.P. at TPS, 26 S. No. 260 SP No. 66 Land adm. 402 sq. yd. plus Bldg 154 sq. yd. R. No. 1157 Dt. 23-1-1985.

> G. K. PANDYA Compelent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Seal:

Date: 26-8-1985

77-266G1|85

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3822 Acq. 23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. HP at TPS . FP No. 118 Land adm. 729.57 sq. mtr. plus Bldg. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-1-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gunvantrai Manilal Dave,
Dave Cottage
Opp. Railway Club—Gol Limba Maninagar—
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jairambhai C. Meghrajani Chairman—Devlok Flat Vikas Mandal, 'Dave College' Opp. Rly. Club— Maninagar—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at TPS, 4 F.P. No. 118 Land Adm. 729.57 sq. mtr. plus Blde GF plus FF adm. 117.86 sq. mtr. R. No. 1274 Dt. 24-1-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge I/II, Ahmedabad

Date: 26-8-1985

(1) Hasmukhlal Keshavlal (HUF) & Ors., Sheth Pole, Nr. Swami Narayan Temple, Nadiad.

(Transferor)

(2) Vinitbhai Rameshchandra Parikh, 'Satkar' — Opp: Harivallabh Hospital, Nr. Sardar Patel Stedium, Navrangpura, A'bad-9.

(Transferce)

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM KOAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3823 Acq.23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Shop No. F. 10 The Madhavpura Market Shops & Warehousing Co. op. Hsg. Socy. A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect bf any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop F.10. TPS, 14 F.P. No. 104 The Madhupura Market Shops & Warehousing Co. op. H. Socy. Sahibag A'bad R. No. 886 Dt : 18-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3824 Acq.23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. HP at Mamnagar sim S. No. 78 F.P. No. 61 Land 553 sq. yd. + Bldg. A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at A'bad on 25-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rani Indu Sobati,
 Sterling Park,
 Drive-in-Road,
 Nr. Drive in1cinema,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Balbirsing Jaymalsing Smt. Kaushalyadevi Jaymalsing Vagu 13, Palsikar Colony, Indor, M.P.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at A'bad Memnagar sim S. No. 8 Paiki FP No. 61 Sub Plot No. 6 Land Adm, 553 sq. yd.+Bldg, 325 sq. yd. R. Bo, 1344 Dt: 25-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-8-1985

Sen1:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3825 Acq.23|1|85-86.—Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable 100 000 of the competence of the competenc property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 43, Purnima Aptt. TPS. 19 FP. No. 253 A'bad 123

sq. yd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 1013/84

at A'bad on 22-1-85 at A bad on 22-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jaswantlal Babulal Shah Alli, Varoon Socy., Girdhar Nagar, Ahmedabad-4.

(Transferor)

(2) Smt. Anandiben Mohanlal Patel Flat No. 43 G.F. Purnima Aptt. Nr. Ishwar Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43 G.F. Adm. 102.7 sq. mtr. Purnima Aptt. TPS. 19 FP No. 253 A'bad R. No. 1108 Dt : 22-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3826 Acq.23 [185-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Propert at Rly. pura Wd., A'bad S. No. 63-A Adm. 51.93-30

sa. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at A'bad on 28-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or as moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Kakubhai Girdharlal Nava Asarwa Nr. Patel Mansion Asarwa, A'bad.

(Transferor)

 Vasudev Nagardas Patel & Ors. B. No. 12, Sarvodaya Nagar, Bhuyandev Char Rasta, Ghatlodiya, A'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Railwaypura Ward, A'bad S. No. 63-A F.P. No. 37 Adm. 51.33-30 sq. mtr. R. No. 1489 Dt : 28-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 28-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3827 Acq.23 [1] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000]- and bearing Land adm. 667 sq. yd. + constn. upto plinth TPS 3|6, F.P. No. 622 Hissa No. 2 A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

registering officer

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at A'bad on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :--

(1) Shri Thakorlal Hiralal Patel Smt. Manglaben Thakorbhai Patel
Smt. Manglaben Thakorbhai Patel
Shri Mrugen Thakorbhai Patel
4, Krushna Socy. A'bad-6
Shri Hasit Thakorbhai Patel
D-3 Morena Aptt.,
Ambawadi Ambawadi, A'bad-6.

(Transferor)

(2) Gurusharan Rambhai Patel, Main Organisor of Friend's Association B. No. 5, Jivan Prakash Socy. Naranpura, A'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad, Kochrab sim TPS. 3|6 F. No. 622 Hissa No. 2 S No. 622|1 Land adm. 677 sq. yd. + const. plinth level. R. No. 812 Dt : 17-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-8-1985

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3828 Acq.23 I 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. B 3rd Floor Bldg. No. 4 'Centre Point', Panchvati A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at 37EE filed on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or ally moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. Hasmukhlal Shah 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pallavi Rajiv Vora 2, Beach Heaven Nr. Palm Glova Hotel, Juhu, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. B on 3rd Floor Bldg. No. 4 Proposed bldg. Centre point Panchvati Panch Rasta Ambawadi, A'bad, 37EE filed on 18-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3829 Acq.23 [1]85-86.—Whereas, J, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]— and bearing No.
Ramakrishna Nagar Sheri No. 14, Rapkot
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
at Rajkot on 17-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 3591° of the said Act to be follow-78-266GI|85

(1) M/s. Arvindbhai Enterprises, Co N. J. Kotak, Dana Pith, Raikot.

(Transferor)

(2) 1. Rashmikant Jamnadas Ganatra 2, Kundanben Jamnadas Ganatra Bhomeshwar Plot, Jamnagar Road, Raikot. Now at Sheri No. 14, Ramkrishna Nagar, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, at Sheri No. 14, Ramkrishna Nagar, Rajkot, R. No. 360 Dt: 17-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3830 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Property at Gondal Road, Rajputpura, Sheri No. 5 Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Rajkot on 3-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Vipinbhai Jayantilal Jahatkiya
 - 2. Shirishkumar Jayantilal Jahatkiya
 - 3. Ashokkumar Jayantilal Jahatkiya
 - 4. Harishkumar Jayantilal Jahatkiya
 - Anilkumar Jayantilal Jahatkiya Station Plot, Gondal Diet. Rajkot.

(Transferor)

 Vijyaben Vallabhadas Mehta 'Matru Chhaya',
 Millpara,
 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Shari No. 5, Rajputpura, Rajkot R. No. 62|85 Dt. 3-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 23-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3831 Acq.23|I|85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing No. Property at 'Poonam' Opp: Amrapali Cinema, Raiya Main

Rain Road, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

at Rajkot on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shardaben Shyambhai Dangar 3 Vaishali Nagar 'Ashish', Rajkot.

(Transferor)

(2)1. Naliniben Bhagwandas Sanghvi Ramabhai L. Gambtu
 Shankar Nagar,
 Behind M.V.M. College, Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Raiya Main Road, Opp. Amrapali Cinema 'Poonam' Rajkot R. No. 428 18-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-7-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Amrutlal Bapudas Patel Viking Flats, Nr. C. N. Vidyalaya, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3832 Acq.23|I|85-86.-Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 3832 Acq.23|185-86.—whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No. Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated at Himayat-Land adm. 249 sq. mtr. at TPS. 21 F.P. No. 421 A'bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trustered.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad, on 8-1-85

at A Date, Off 6-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly extend in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(2) Shri Rameshbhai R. Patel Organisor of-Viking Flat Owners Asson. Viking Flats, Behind C. N. Vidyalaya, Ambawadi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land adm. 249 sq. mtr. at TPS. 21 F.P. No. 421 Hissa 2A SP No. 4 R. No. 364 Dt. 8-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :-

Date: 29-8-85

 Shri Nathji Construction Co. Clo Shri Narshibhai Gopalbhai Ashoknagar Socy., Junagadh,

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Rasiklal Vrajlal Chokshi Jesukhlal Vrajlal Chokshi Chokshi Bazar, Junagadh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Rcf. No. P.R. No. 3833 Acq.23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land at Junagadh S. No. 204 adm. 2A 15G (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Junagadh on 2-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Junagadh Revenue S. No. 204 Adm. 2A 15G R. No. 12-2-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3834 Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Agri. land at Junagadh Adm. Hector 8-09-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Peristration.

Agri. land at Junagadh Adm. Hector 8-09-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Junagadh on 31-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

The facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahendralai Madhavlai Parekh & Ors. Jag Mai Chowk, Junagadh,

(Transferor)

(2) Bhagwatguru Ashram Trust Managing Trustee Mahant Shri Harivallabhdasji Gurushri Trikamdasji Bhagwat Guru Ashram, Joshipura, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Agri. Jand at Junagadh Adm. Hector 8-09-38 R. No. 269 Date 31-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I]II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3835 Acq. 23|I|85-86.—
Whereas, I. G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 2698 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000|- and bearing No.
S. No. 388|2 Land at Mahuva outside Nagarpalika
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mahuva on 7-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mal/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Karak Keshavbhai Mohanbhai Baharpara, Mahuva.

(Transferor)

(2) Devjibhai Keshavlal Kapadia, President of Kikisan Co. op. Hsg. Socy. Ltd., opp; Greno Lodge, Mahuva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 388 2 at Mahuva outside Nagarpalika.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I|II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :--

Date: 30-8-1985

(1) Shri Dhramdas Vithaldas Doshi, Sharaf Bazar, Nr. Chamber of Commerce Mahuva,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kharak Kanabhai Babuhai Baharpara, Mahuva,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3836|I|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
S. No. 102 Land at Mahaya outside Nagarnalika

S. No. 102 Land at Mahuva outside Nagarpalika (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mahuva on 18-1-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 192 at Mahuva outside Nagarpalika Limit.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 30-8-1985

FORM ITNE

(1) Anjaria Estate Pvt. Ltd. K. V. Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M|s. R. K. Shah Fanily Trust, 'Sonil'—Summair Club Road, Jamnagar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3837 Acq. 23 I 85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horestratus rederred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office at 2nd Floor-Block ABC, Anjaria Estate K. V. Road

Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37-EE Jampagar on 7-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other parson interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office at Anjaria Estate Jamnagar K. V. Road Block ABC at 2nd Floor 37EE filed 7-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I|II Ahmedabad-380 009

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—79—266G1|85

Date: 30-8-1985

Seal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJII 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P. R. No. 3838 Acq. 23|I|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.
Bhaktinagar Socy, Sheri No. 12-11 Plot No. 51-B-2- Rajkot.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kiritkumar Pragjibhai Budhbhati, Vijyaben Pragjibhai Budhbhati, Punit Bldg. A-1-Flat No. 45, S. V. Road, Boriwali west Bombay-42.

(Transferor)

(2) 1. Vijyabhai Vrajtal Sangani, 2. Hareshbhai Vrajlal Sagani, Bhaktinagar, Rajkot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Bhaktinagai Socy. Sheri No. 12-11 Plot No. 51-B 2, Rajkot,

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Ahmedabad-380 009

Date: 23-7-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1|11

ACQUISTION RANGE-III 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P. R. No. 3839 Acq. 23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

S. No. 44B, Plot No. 26, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that somsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said ?Act, in propert of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nye, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the after said property by the issue of this notice under sub-tention (1) of Section 269D of the said Act, to the following servins, namely:—

 Shri Mansukhlal Zaverchand Kothari, Power of Attorney Shri Vrajfal Thakershi Sangani, Garedia Kuva Road, Rajkot.

(2) Shri Bhagwanji Chhaganlal Vasani, 7-Raghuvir Para, Rajkot. (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menains as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land \$ No. 44-B Plot No. 26 Rajkot R. No. 499 Dt. 21-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
cting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Ahmedabad-380 009

Date: 23-7-1985

ACCORDINATION OF THE PARTY OF T

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P R. No. 3840 Acq. 23|I|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 449 Plot o. 42 Racc Course Road Behind A.G. Office Pallot

Raikot

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 17-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shardaben Jayantilal, Behind Amrapali Cinema, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Harishbhai Jayantilal Doshi, 'Nirmal' Nr. Kishanpara Bus Stop, Rajkot. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Raikot S. No. 449 Plot No. 42 Race Course behind A. G. office R. No. 407|85 Dt: 17-1-85,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1|II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Kantaben Matubhai Desai, Shree Aptt. Block No. 2, Sardar Nagar west main Road, Nr. Rly. line, Rajkot.

(2) M|s. Vijya Enterprises, Shree Chambers,

Trikon Bag, Raikot.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P. R. No. 3841 Acq. 23[1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing No.

Bldg. at ward No. 6 Rashtriyashala Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer at Rajkot on 29-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in time Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, at ward No. 6 No. 837 Rostriya Shala Road, Rajkot R. No. 743|85 Dt; 29-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Ahmedabad-380 009

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3842 Acq. 23|f|85-86,----Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 399B Land and Bldg, at Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raikot on 8-1.85

tfor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Manthianing the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shiv Kumar Mohanlal Jasana, Clo. Jayantilal Raviibhai Mehta. 152-Gujarat Socy. 2nd Floor, Sion, Bombay-400 0022.

(Transferor)

(2) Shri Adinath Co. op. Hsg. Soey. Ltd. President. Shri Bharatkunar Jayantilal Shah, Adinath Towers opp: All India Raido. Pandit Sitaram Marg, Rajkot-360 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 399B at Raikot.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I/IIAhmedabad-380 009

Date : 30-8-1985

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I] [I 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMED \BAD-380 009

Ahmedahad-380 000, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3843 Acq. 23/I/85 86—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ot 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Office No. A-2 6th floor at Medicare Centre Nr. Town Hall

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

37FE filed on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1322 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amratlal Estate Owners Association, Mis. Hasmukh chah & Co. 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashrum Road, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Dr. Vinodkumar, S. Patel Station Road, Kapadyani Dist: Khela.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 2 6th Floor Medicare Centre Adm. 770 sq. ft. Ashram Road, A'bad,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3844 Acq. 23[I]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Office No. B part 2nd Floor 'Medicare Centre' No. Town Hall A bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at 37-EE filed on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amratlal Estate Owners Asson M/s Hasmukhlal Shah & Co. 1st Floor Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Sweta Kumarswami, 63-Sharda Nagar, Nr. New Vikas Gruh, Poldi, A'bad-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. B part on 2nd Floor Medicare Centre, Nr. Town Hall Ashram Road, A'bad. Adm. 400 sq. ft. 37-EE filed on 18-1-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I|II
Ahmedabad 380 009

Date: 30-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Amratlal Estate Owners Asson, Thro gh: M|s. Hasmukh Shah & Co. 1st Floor, Chinubhai Tentre, Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Dr. T. K. Patel, Shanti Sadan Compound, Opp: Dinbai Tower, Mirzapur Rd. A'bad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I|II 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3845 Acq. 23(1)85-36,--

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Office part of 'B' 2nd Floor in Medicare Centre Nr. Town Hall, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of auch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office part of 'B' 2nd Floor in Medicate Centre, Nr. Town Hall A'bad adm, 510 sq. ft. 37-EE filed on 18-1-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad-380 009

Date: 30-8-1985

Seal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 80-266GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2nd FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3846 Acq. 23 [185-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovsole property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Office No. A-3; 3rd Floor in Medicare Centre, Nr. Town Hall, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 18-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amratlal Estate Owners Estate, M|s. Hasmukh Shah & Co. 1st Floor_Chinubhai Centre Ashram Road, Ahmedabad.

(2) Dr. Indubhai, M. Dave, 98. Shiv Ranjani Socv.. Sate light Road, A'bad.-15. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. A-3, 3rd Floor Medicare Centre Nr. Town Hall, A'bad 37-EE filed on 18-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Saax Associates 2. Ashley road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal J. Hinduja 211, upper palace orchards Bellary road Bangalore,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 31st July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45957|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 1199, situated at HAL II stage Indiranagar Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No| 3120|84-85 on 17-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3120|84-85 Dated 17-1-1985) All that preperty bearing No. 1199 situated at HAL II stage, Indiranagar Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 31-7-1985 Seal :

(1) Shri S. R. Somashekara Reddy 395, 19th Main, I Block, Rajajinagar Bangalore.

(Transferor)

(2) D. V. Krishnamurthy 229. Car Street Doddaballapur Bangalore District.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46114|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

k. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 592, situated at West of Chord Road, III stage III Block,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 4558|84-85 on 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay any under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4558 84-85 Dated 23-1-85)

All that property bearing No 592 situated at III stage, III Block west of Chord road, Rajajinagar Bangalore-10.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Govindammal G-84, Shanbhog Venkatappa Galli Mill road, Bangalore-53

(Transferor)

(2) B. V. Mohamed Slo T.P.A. Khader No. 93|1, Sirsi Road, Chamarajpet Bangalore-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46-71|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 3 situated at Kayangadi puttannagalli Ranasinghpet,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No 3371/84-85 on 31-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbalty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3371|84-85 Dated 31-1-1985)

All that property bearing No. 3 situated at Kayangadi puttannagalli, Ranasinghpet Bangalore-53.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46033|84-85|ACQ|B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax: Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing
No. 78, situated at M.I.G. Koramangala Extn. Bangalore. and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 6108 84-85

on 31-Ī-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consulament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri H. A. Prasanna. 44. Ist floor, 2nd Main road, Vyalikaval, Bangalore.

(Transferor)

(2) Miss Hilda Lobo Do Manuel Lobo Ashirwad Thiyagaraj Extension, Tarikere.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6108|84-85 Dated 31-1-85) All that property bearing No. 78 situated at M.I.G. Koramangala Extn. Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001 Bangalore, the 31st July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46106|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. situated at Yadavagiri Extension, Mysore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore under document No. 5432|84-85 on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri G. M. Sastry & Others by P. A. Holder G. Premasudha alias Sudha Rajashekar Govt. College Extension Tumkur,

(2) Shrimati Preeti Raheja W|o B. R. Vishnu 135, Shivaji Road, N. R. Mohalla, Mysere.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5432|84-85 Dated 24-1-85)
All that property situated at Yadavagiri Extension Devaraja Mohalla Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 31st July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|Netice No. 950|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Khata No. 2976 situated at Bhadravathi town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhadravathi under document No. 2536|dt. 28-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the colect of :—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%; if the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gouramma wo Raju Narayan, Halesanthe Maidanavariya, Bhadravathi

(Transferor)

(2) Smt. Sulochana w|o Jayaram Hegade, Halesanthe, Maidanavariya, Bhadravathi.

('Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2536 Dated 28-1-1985) R.C.C. house constructed in the plot khata No. 2971 measuring 13' x 125' situated at Badravathi.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 13-6-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th August 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46177|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100,000k, and heaving No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. 210 situated at Old Tharagerpet Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhimagar under document No. 3316 84-85 on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— $81-266 \, \text{GI}|85$

(1) (a) Shrimati T. Godhamma

(b) Smt, Anasuya Prakash(c) Smt. S. T. Sudha

(c) Smt. S. T. Sudha (d) Smt. Jayanthi Srikishan &

(e) Smt. S. Ranganayaki Rangaraj 66 G. N. Chetty road, Thyagarajanagar Bangalore-600017,

(Transferor)

(2) Sri R. Narayana Murthy
Sri K. P. Srikanth
Sri K. N. Shankarababu
Sri P. Ramachandran Setty
Smt. P. Sarojamma
Sri K. L. Ananthamurthy &
Sri K. L. Venkatachalapathy
P.O. Box No. 7102, No. 40,
Sourashtrapet of Aroma Enterprises
Bungalore city.

(Transferee)

(3) Sri P. R. Mallikarjuna Setty Sri B. V. Bhaskara Rao, 210, old Tharagupet Bangalore city.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3316/84-85 Dated 28-1-85) All that property bearing No. 210 situated at old Tharagupet Bangalore city.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th August 1985

Ref. No. C. R No. 62|36172|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Old No. 37 New 5 & 5W situated at Nandidurg Road Exten-

sion, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under Document No. 3194|84-85 Dt. 17-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. T. V. Ramakrishna, P. A. Hodler Mr. K. N. Subba Reddy Advocate, No. 200 10th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Mr D. Appu Singh, Advocate, 97, 16th 'E' Mai nRoad, Ilf Block, L.I.C. Colony., Jayanagarfi Bangalore.

(Transperee)

(3) Mr. S. Narayanan. (Ground floor)
Mr. B. L. Gowda (J floor)
(Person in occupation of th eproperty)

(reason in occupation of the eproperty

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3194|84-85 Dated 17-1-1985)

Site and premises Consisting of Ground and I floor No. old 37 New 5 & 5 1 Nandidurg Road Extension, Bangalor

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th August 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45942|84-85|ACQ[B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]—and bearing No. 2996, situated at HAL 11 stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed herto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer Shivajinagar under document No. 3262|84-85 on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri A. Azmathulla Khan No. 2996, HAL II stage 12th Main 5th Cross Bangalore.

(Transferor) (2) Shrimati Veena Agarwal represented by GPA holder

Sr Anil Kumar Goel Flat 7-A, Old Tower Block, Nandanam, Madras-600035.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3262|84-85 Dated 28-1-85)

All that property bearing No. 2996 situated at HAL Π stage Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 9-8-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE REPORT OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY.

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mohmed Yousuff, 110, B. S. A. Road, B'lore-5,

(Transferor)

(2))Shrimati Meherunnissa @ Metiierty,
 Mohmed Dastugir @
 Naserpasha,
 128 A, VI cross, Pinuanna Garden,
 B'lore-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th August 1985

Ref. No. C. R. No. 4606884-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

110 (Portion), situated at Dr. B. S. A. Road, Pinamma

Gadren, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Shivajinagar on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Reflistered Document No. 338284-85 Dated 31-1-85) Portion of premises No. 110, Dr. B.S.A. Road, Piuanna Garden B'lore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 9-8-1985

FORM ITNS ____

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Ashwathamma No. 28, 24th cross, K. P. W. Extension Bangalore-560020.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal Mehta No. 13, Basawanna templ street P. T. Street cross, Anchepet, Bangalore-5600053.

(Fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46024|85-85|ACQ|B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No.

No. 6|1&6 situated at Seshadipuram Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Gandhinagar under document No. 3074|83-85 on January 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 3074|85-86 Dated Jan 85) All that property oearing No. 6 6|1 situated at JH Main road, Senhadripurum Bangalore-20.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, angalore

Now, therefore, in pursuance of Section 265 & of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesma property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangaloro, the 9th August 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45988|84-85|ACO|B.—Whereas, T. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 191, situated Block-I, Koramangala Extin. B'fore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Farooq Mahmood, 24|5, Bore Bank Road, Benson Town Blore.

(2) Abdul Hameed Sait 17/16, Spencer Road, Cross, Faizer Town B'lore. (3) M. Siddiq Sait,

17/12, Spencer Road, I Cross, Frazer Town, B'lore, B'lore.

(Transferor)

(2) Mrs. Cheryl Fernandez, C]o Mrs Rita Lobo, Flat No .1-C, Ajanta Apartments, Levelle Road. B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6463|84-85 Dated 23-1-85) Vacant Site No. 191, at Block, I Koramangala Extn. Bangalore.

> R. BMARDWAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th August 1985

C.R. No. 62|45972|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat situated at Mahaveer 11, T.S. No. 79[1, R.S. No. 720, situated Casba Bazar Village, M'lore C'ty

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mlore on 23-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I. Shri P. P. Moidin Kuuhi, 2. C. M. Mohd. Kuuhi, GPA holder : Mr. Y. Abdulla Kuuhi, Businessman Vas Lane, Balmalta. M'lorc.

(Transferor)

(2) M|s. Zulekha Trust, by its Trustce : Mr. Y. Md. Kuuhi, Industrialist, Balmalta. M'lore city.

(Transferec)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1653|84-85 Dated 23|1|85] Property bearing No. 11, TS. No. 79|1, Rs. No. 720, at casba Bazaar village, M'lore city.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloer

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 9-8-85

The state of the s

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1)1. Shii Shankar Sakarama Porob, and 2. Smt. Savitri Shankar Porob, Cottombi, Bicholim Taluka, Goa.

(Transferor) (2) M|s. V. M. Salgaonear & Bros. Pvt. Ltd., Vasco-da-gama, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

C.R. No. 62|D|R-213|84-86|37EE|88 ACQ|B.---R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,' have reason to believe that the immovable property having a fair market value expecting Rs 100 0001, and having

strand of the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-raid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any or the services of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. D|213|Jan. 85 dated 28-1-1935)

THE SCHEDULE

Plot Plot of land in Sy. Nos. 51|1 (part), 51|2 and 51|4 (part) admeasuring 13915 Sq. m. at Cottombi Village, Bicholim Tg. Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloer

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following -: vioces, namely :-

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

C.R. No. 62|D]R-250|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000]- and bearing
Flat No. 3 situated at Miramar, Panaji, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
here been transferred under the Beginterion Act 1008 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 6-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ınd∕or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :--

82-266 GI|85

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji, Goa

(Transferor)

(2) Mrs. Imelda Monteiro Mesquita, "C" Type Qr. No. MPT M 150-11-2, Headland, P. O. Sadda, Mormugao, Goa-403 804.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|160|Feb., 1985 Dated 6-2-Flat No. 3 on the first-floor at 'Nalanda Apartments' at

Miramar-Panaji. Admeasuring 102.00 Sq. Metres.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|D|R-238|84-85|37EE|8-8|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot No. 16 situated at St. Inez. Ilhas Panaji-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer Bangalore on 5-2-1985 for an appropriate and the second se

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mr. PKO Antonio Americo Visitasao Gomes, Mrs. Mericia Senhora de Rasario Viegas Gomes, Panaii-Goa.
- (2) Ms. Floorex, F2, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panajim-Goa

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by ant of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|151|Feb., 1985 Dated 5-2-1985]

Land admeasuring 596 M2 (Plot No. 16) out of the property known "SEGUNDO CANTO BALLON XETA" situated at St. Inez. Ilhas, Goa,

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19\$1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|D|R-207|84-85|37EE.—Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Matriz No. 489 situated at Panaji-Goa
(und more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 23-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Erna Luis Ver,as, c|o Kama, iceal Éstata, Fill, mediai Apartacents, Cherano Albq Road, Panajim.

(Transferor)

(2) M/s. Kamal Real Estates, F/1, India Apartments. Caetano Albuquerque Road, Panaji-Goa.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresmi persons within a period of 45 days from the large of mollocation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manos able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D[114]Jan., 1985 Dated 23-1-1985]

Matriz No. 489 property known as PRIMEIRA GLOBA DE SANTA PARTE DE MULATINIM at Panaji-Goa.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,Bangalore

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACCOUNSITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62[D|R-227|84-85|37EE.-Whereas, I. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

1.00.000|- and bearing

Shop No. 6 situated at Mapusa-Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Bangalore on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957).

(1) Sergio De Jesus Carvalho. Opposite the Fazenda, Mapusa-Goa.

(Transferor)

(2) Paulvictor Almeida, Clo Domnic Nazareth Almeida, Adma Opco, Das Island, Abu Dhabi, U.A.E.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act.

[Registered Document No. D|142|Feb., 1985 Dated 5-2-1985] Shop No. 66 on the Ground Floor of Liberty, Apartments, Opposite Fazenda, Mapusa-Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangelore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 30-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Prakash R. Hede, & Sri Prafulla R. Hede, Miramar-Panaji-Goa.

(2) M|s, Salgaocar Mining Industries Pvt. Ltd., Vasco-da-Gama-Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|D|R-215|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARADWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing

S. Nos. 106 & 108 situated at Cudnem Village of Bicholim Teg. Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore on 28-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|215|Jan., 1985 Dated 28-1-1985]

Portion of plot of land known at "BORODOO" situated at Village Cudnem of Bicholim Tq. Goa.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

No. 62|D|R-214|84-85|37EB.-Whereas, I, R. BHARADWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. Nos. 273 & 278 (Part) situated at Bandora Village of

Ponda-oGa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 28-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) 1. Shri Esvonta Loximona Poi Raicar, 2. Smt. Pushpa Esvonta Poi Raicar, Bandora, Ponda, Goa.

(Transferor) (2) M/s. Salgaonkar Mining Industries Pvt. Ltd., Vasco-da-Gama,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Christer.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|214|Jan., 1985 Dated 28-1-1985]

Sy. Nos. 273 & 278 (Part), property known as "CHAN-FAS AGOR POIQUIM AND MOTTA at Bandora of Ponda Tq. Panaji.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dett : 8-8-1985 Seel :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|D|R-186|84-85|37EE.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No. Chatta No. 249, P.T. Sheet No. 208 situated at Camba,

Margao-Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fightity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers مه/انسة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followme sersons, namely :--

(1) 1. Mr. Vishnu S. Xete Mapxenear, 2. Mrs. Ta:a Vishnu Xete Mapxenear, 3. Mr. Ananda S. Xete Mapxenear, and 4. Mrs. Vijaya A. Xete Mapxenear.

Camba. Margao-Goa.

(2) Mls. Sapna Real Estate, Margao-Goa

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|110|Jan., 1985 Dated 8-1-19851

Three plots adjoining each other situa'ed at Comba, Margao Chetta No. 249 PT Sheet No. 208.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|D|R-179|84-85|37EE.—Whereas, I. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Sy. No. 16 situated at Carambolim, Tiswadi, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 249AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. & Mr. Teotonio Xavler, Natividade, Alemgo,
 Betalbatim, Salcete-Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Vikas Enterprises, Managing Dr. Mr. D. V. Chodge. Vidyanagar, Aquem. Margao-Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|105|Jan., 1985 Dated 8-1-1985]

Agri. land 37800 eq. mts. at Carombolim Village Tiswadi, Goa.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 8-8-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|Notice No. 970|84-85.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Sy. No. 600 situated at Santa Cruz-Tiswadi Taluka, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Ilhas (Goa) under document No. 22 on 9-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

83-266 GTI85

- (1) 1. Shri Alex Urbano Fernandes Soo Jaoquim Fernandes, Mercas
 - Ilhas, Goa.
 2. Smt. Rosa Maria Fernandes
 Widow of Joaquim Fernandes, Mercas, Ilhas. Goa GPA holder Shri Joao Alberto Lobo, Ro Chorao, Ilhas, Goa, 3. Smt. Remediana Fernandes,

Mercas, Ilhas, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. Manesha M. Mayencar, Clo Mohan Govind Mayencar, Ravalnath Stores, Near Dempo House, Shanta Cruz. Ilhas, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 22 Dated 9-1-1985]

All that property of about 1080 sq. mts. of which is a landed coconut gove together with a old house measuring 120 sq. meters situated at Santa Cruz, Tiswadi Taluka. Dist. Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62 Notice No. 971 85-86 .-- Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 1, (Lake View Apartment) situated at Minamar,

Рапајі, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas, Coa under document No. 68 on 23-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: MANA /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Olimpio Fernandes and his wife Mrs. Ida Maria Felicia Fernandes, Lake View Apartments, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Savio Pataleao Pio De Sa, Bank Employee. Near Sanza Bakers, 31st January Road, Panaji, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fram the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the aublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 68 Dated 23-1-1985]
Property bearing No. Hat No. 1, measuring 48 sq. mfs, on the ground floor situated at Lake view Apartments M namar, Panaji, Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|No. 972|85-86|ΛCQ|B.—Whereas, J, R, BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 2 situated at 'Highway apartments' Nuvem, Salcete.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Margao, Goa under document No. 133 dt. in Ianuary, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Pedro Damanio Lazario Caeiro, Near Railway Gate, Khareband Road, Margao, Goa.

(Transferee)

(2) Mr. Kamil John Pinto Clo Mr. Pedro Damanio Lazario Caeiro Near Railway Gate, Khareband Road, Margao, Goa.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 133 Dated January, 85)

Flat No. 2 on the ground floor of building in the 'Highway Apartment' situated at Nuvem Salcete, Goa. Its measuring 75 sq. meters.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|Notice No. 973|1985-86|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-

and bearing Door No. 2343|2, Site No. 621|A situated at M.C.C. 'A' Block

Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Davanagere under document No. 6571 Dt. 2-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulfa-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Shri B. Onkarappa Slo Bheema Naik, Door No. 281 1, Hanamanthanagar, Bangalore.

Transferor (s)

(2) Shri Narahari Bhat, Mls. Siddivinayak Provision Stores, Davanagere.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6571[Dt. 2-2-1985)

It is residential house situated at MCC 'A' Block Davanagerc. It is a residential house. Land admeasuring an area of 127.40 m2.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62|Notice No. 974|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

C.S. No. 4614A|22 situated at Prabhatanagar Vidyanagar Hubli

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Acl, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Hubli under document No. 2961 dt. 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following retsons, namely :-

(1) Smt. Savitrabai Wo Shri Venkatesh Bokuande Rlo Pinto Road, Malashetty Building, Hubli.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gurunathusa Buddusa Hanumasagar,
 - Shankarasu Buddasa Hanumasagar
 - Mohan Topasaa Hanumasagar
 Vishnu Topasaa Hanumasagar
 - Vaibhay Dursad Bail Hubli.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2961 Dated 3-I-1985).

This is a non-agricultural land measuring 487.18 square metres, situated at Prabhat Nagar Hubli.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62|Notice No. 975|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. situated at Mirama Panaji Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Goa under document No. 61 dt. 23-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Olimpio Fernandez and Smt. Ida Maria Feeicia Fernandes R|o Wake view Apartments Mirama Panaji (Goa).
- Transferor (s)
- (2) Juliao Bartolomeu Querobina Carvalho GPA holder Mrs. Louiza Salvacao Camila Carvellho R|o Chorao Ilhas (Goa).

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 61 Dated 23-1-1985).

Flat bearing No. 104 measuring 66 sq. mts. Situated as Wake View Apartments Miramaj Panaji (Goa).

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:—

Date: 7-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62|Notice No. 976|85-86|ACQ|B.—Whereas, J. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing

Flat No. B-3, situated at Margoa Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office.

at Margoa Goa under document No. 189 dt. 30-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Belavista Apartments Luis, Miranda Road, Margoa (Gon).

(Transferor)

(2) Shii Nitiano Swamy Sagrodo Famille Almeida, Flat No. B-3, Belavista Apartments Margoa (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 189 Dated 30-1-1985).

Flat bearing No. B-3 measuring 85.25 m2. Situated at 2nd floor of Mls Belavista Apartments Margoa Goa.

R. BHARADWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Munnisao Begam Wlo Shti Sayed Khoja Nusiruddin, Rlo Roza (K) Gulbarga.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

(2) Shri Sayeb Musa
 S|o Shri Sayed Osmanasaheb
 H. No. 5-737, r|o Roza (K) Gulbarga.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- Ref. C.R. No. 62|Notice No. 977|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing H. No. 5737 situated at Roza (K) Gulbarga (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at Gulbarga under document No. 2623 dt. in Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2623 Dated in January. 85). Building measuring 1157 sq. ft. situated at Gulbarga.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore, the 7th August 1985

Notice No. 62|978|85-85|ACQ|B.—Whreeas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Plot No. 4 situated at Altinho Panaji (Goa) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at I lnos Goa under document 'No. 16 dated 14-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

34-266 GI|85

- (1) Akbara Ali Karmuli S|o Karmuli Virgee and his wife Smt. Fatima Akbar Ali Karmali r o Opp. Janta Home, Panaji Goa.
- (Transferor) (2) Shri Ravindranath Nais So C. V. Raman Nair, Flat No. A.-4, Akbar Ali Buildings, Altinno, Panaji (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazerte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 16 Dated 14-1-1985).

The Flat buildings measuring 78 Sq. mts. situated at Altinno Panaii (Goa).

> R. BHARDWAJ Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-8-1985

Scal 2

NOTICAL UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE, OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

Notice No. 62|979|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot Nos. 8, 9, 10 & 11 and of situated at Benaulim (Goa) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering officer at Margao (Goa) under document No. 166 dated 31-1-1985 (or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent considerationand that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Paliakkara Kuriappan George,
 Raymand George Paliakkara
 O M|s. Ferican, David, Building Margao,
 Goa.

(Transferor)

Shri Vicent D'Costa,
 Mrs. Maria Conceicao D'Costa wolo Sri Vincent D'Costa,
 Duplex Apartment, No. 7,
 Rival Sal, Estate, Benaulim, Salcete (Goa).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 166 Dated 31-1-1985). R.C.C. house situated at Duplex Apartment in Benatualim Village measuring 52 Sq. mts. and 52 Sq. mts.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th August 1985

Notice No. 62|980|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. No. 215|2 situated at Vacasaon Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Belgaum under document No. 3993 dated 2-2-1985 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transfere (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Shanti Iron and Steel & its Partners, Vanamal Ghogaji Porwal,
 Sri Kantilal Vanamal Porwal, Udyama Banks Belcaum,
 Sri Bhanavaralal Gaueshmal Shah, GPA holder Sri Vasant Rangapantu Najiale. Vadagaon Nazare Camp, H. No. 502 Belgam.

(2) Sri Dattussa Tukaramasa Menerawade, 11, Bharat Nagar, 1st Cross, Shahapur Belgaum-3.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerre.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3993 Dated 2-2-1985) Open plot situated at Vadasaw. Belgaum measuring 817.02 Square metres.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tellowing persons, namely:—

Date: 8-8-1985

 Shri Prakash Jyothiba Rajaram Patil, Clo Sri Bhimappa Datta Adoke, Kudbas Galli; Ansol Belgaon-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhimappa Datta Adoke, Kurbargalli, Ansol, Belgaum-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th August 1985

Notice No. 62|981|85-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

H. No. 671|3 situated at Kurbargalil, Ansol Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering officer at Registering Officer at Belgaum under document No. 3489 dated 2-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Documen No. 3489 Dated 2-1-1985). House measuring 1018 Sq. ft. on a plot area 2760 Sq. ft. situated at Kumbargalli, Ansol Belgaum-7.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th August 1985

Notice No. 62|982|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the imr property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
R. S. No. 215|2 situated at Vadasoon Belgaum
(and more fully described in the schedule
below) has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB in his office at Belgaum under document No. 38761 dated 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consolveration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such

usuaster as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Οľ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s. Shanthi Iron and Setel and Vanamai Ghosaji Porwal, 2. Kantilal Vanamale Porwal, Partners of M|s. Shanti Iron and Steel

Udyamathas Belgaum.

- Sri Bhawaralal Ganeshmal Shah, PA No. 1 Dec. Sri Vasant Ramgorinath Nayak, H. No. 502 Nikrak Comp Vadagaon Belgaum. (Transferor)
- (2) Shri Yellusaa Muralidharasaa Katuware, H. No. 125, Khade Baraos, Shahapur, Belgaum. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3876 dated 28-1-85)

Open plot situated at Vadagaon Belgaum. Measuring 817.02 Sq. mts.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVER AND SECTION OF

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th August 1985

Notice No. 62|983|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. No. 190 7F situated at Hinduloge Belgaum (and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bellagum under document No. 3936 dated 31-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

- (1) Rama Singh Shanwar Singh Thakur, R|o Hindulodge Belgaum,
- (Transferor)
- (2) Shri John Pusco Carbalno, G.P.A. holder Sri Philip Pasco Carvaino, Kondapa Street House No. 5, Camp Belgaum (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the multication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Documen No. 3936 Dated 31-1-1985)

This is a non-agricultural land situated at Hinduloge Belgaum, Measuring 16 Gunthas.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Surendra Ramechandra Doddannawal, Hindawadi, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dattaram Nagesh Raikal, 2. Shantaram Nagesh Raikal, "Mohan Niwas" Santasena Roud, House No. 280, Belgaum-1.

Belgaum-1. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|984|87-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiaafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
S. No. 1148 s'tuated of Hindwadi, Belgaum,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15)
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Belgaum under document No. 3785 dated 24-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3785 dated 24-1-1985)

This is a open plot measuring 5040 sq. ft. situated at Hindwadi Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1985

Scal ·

FORM PTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

C.R. No. 62|985|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Sv. No. 117C situated Hospet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the Hospet under document No. 1461 dated 1-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Vastrada Veenamma Wio Vastrada Dodda Kotraiah, Smt. Vastrad Pasatemma Wo Vastrad Dodda Kotraiah, R|o Kadi: Lane-1, Hospet 583201 Distt. Bellary.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagaraja, K. Sreedhera, K. Suresh sons of Sri K. Vanugopal Shetty, C|o Industrial Enterprises Station Road Hospet, Distt. Bellary.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1461 dated 1-2-1985)

This is an Agricultural land situated within Hospet Municipal area. measuring 3 acres 29 Gunthas.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Bangalote

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Dato: 7-8-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Motilal Moolchand Mehta. Businessman Bidar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th August 1985

C.R. No. 62|986|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bungalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Sy, No. 126|2 situated at Kapnoor,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gulbarga under document No. 2720 dated 11-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

85 - 266 G1 85

(2) M|s. Shivalingeshwar Industries its Partnes.

1. Sri Basavaraj Shivangappa Shahabad;

 Sri Mallikarjun Srikungappa Shahabad;
 Sri Suryakanth Shivangappa Shahabad, R|o Gulbarga,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2720 dated 11-2-1985).

This is a non-agricultural land situated at Kapnoor village measuring 3 acres 2 gunthas.

> R. BHARDWAJ competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|988|85-86|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bungalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Sy. No. 905 & 906 situated at Margao Salcete Gou, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Margao (Goa) under document No. 278 dated in February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Insio Almeida Cautinto, Margao (Goa) Santana Eco Astico Mazarelo rlo Vellim, Salcete (Goa) Cosme Simao Paixao Marais Clo Belansta Apartments Margaon Salcete (Goa). August Teoufilo Soude, Noronha Xhiswrie Smt. Deutura Justa Butarmiana Naronna rlo Cuncolim, Salcete Goa,

(2) Shri Assumption D'Souza, Slo Sri Curlon D'Souza Belevastha Apartments, Margao—Salcete, Goa.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovproperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 278 dated in February 1985)

Two shops purchased, bearing No. 2 and 18 measuirng 26 sq. mts. and 4.1 80 sff. mts. respectively. This property is sutiated at Belavista Apartments, Margao (Goa).

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Brngalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-.ng persons, namely :--

Date: 8-8-1985

Scul:

February 1985,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1985

C.R. No. 62|989|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bungalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Shop No. 2 situated at Belavista Apartments Margao. Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Margao Goa under document No. 277 dated in

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following versons, namely:—

- (1) Shri Inesio Almeida Coutinto Margao Goa, Santana Escolastico Mararelo rlo Valin Salcete Goa, Cosne Simao Paixao Morais Partner of M|s Belavisita Apartments Lusi Mieanda Road, Margao Salcete Goa, (Transferor)
- Shri M|s Patric D'Souza, M|s. Belavisita Apartments, Luis Milanda Road, Margao Goa,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned):—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 277 dated in February 1985)

The property being Shop No. 2 situated at Belavista Apartments. Margao Goa. Its measuring 1110 mtr. under Survey Nos. 905 & 906.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd August 1985

C.R. No. 62|990|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, fixing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Chatta No. 89 situated at Panaji, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Goa, under document No. 6 dated 3-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property after a soften and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Suman Ismail Abdul Latif known as Smt. Suman Kapileshwarkar Shantinagar Ponda, Gota.

(Transferor)

(2) The Goa Co-operative Marketing Supply Federation Ltd? A. Latif Building Municipal Market, Panaji Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6 dated 3-1-1985)

Building measuring 265 sq. mts. on ground floor and 305 sq. mts. on First floor on plot measuring 360 sq. mt, situated at Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 2-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF TCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd September 1985

Notice No. 991/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000[- and bearing

Flat No. 3 and 4 situated at Miranaaj Panaji Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas Goa under Document No. 46/dt, 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jose Menino Jesus Aguis & Smt. Maria Liza Costa Aguis, R/o Sonabetin, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Richard Antonio Nazario Pinheiro & Mrs. Laura Nazareth Pinheiro, Flat 3 & 4 Sb. Mary's Colony, Moromas, Panaji Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 46 dated 17-1-1985 Flat No. 3 and 4 situated at St. Mary's Colony, Miranal, Panaji Goa—measuring 4.57 sq. mts.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subspition (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd September 1985

Notice No. 992/85-86.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Sy. No. 33, 34 and 13 situated at Nanbal, Maragao, Tal. Sakalahpal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sakaleshpal under Document No. 741/dt. 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

- K. Lakshamanan S/o Sp. Kasi S/o S. P. Kasi Chettiar, R/o "Ayyappan Estate" Hanbal Pose Sakaleshpa Taluka, Dist. Hussan.

 (Transferor)
- (2) Smt. A. R. Vanajakshi Sri N. B. Jayaprakash, R/o Hanbal, Sakaleshpal Taluka, Hassan Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 741 dated 3-1-1985)
Coffee land measuring 35 Acres & 5 guntas and dry land 2.16 situated at Hanbal village, Tal Sakaleshpal, Hussan Dist.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 2-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Lakshmanan S/o S. P. Kasi Chettiar, R/o Malasavara, Arevalli Hobli Sakaleshpal Tal. Hassan Dist.

(Transferor)

(2) Shri H. A. Poornesh S/o H. A. Ajjesaido, R/o Hanabalu Tal. Sakaleshpal, Dist. Hassan.

(Transferee)

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd September 1985

Notice No. 995/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Sy. No. 35, 4|1P, 3|P stituated at Honbal, Sakuleshpal Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sakaleshpal under Document No. 742/dt. 3-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 742 dt. 3-1-1985) Coffee land situated at Honbal, village—measuring 22 Acres and 39 guntas.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely :---

Date : 2-9-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Khemabal w/o Ningusaa Habib, Pendar Oni, Hubli.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd September 1985

Notice No. 994/85-86.—Whereas, I,
R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 55/5 and 55/2 situated at Amaragol village, Hubli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 3049/dt, 11-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of ally moone or kiny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Parusharamasa
 Shri Raghunathassa
 Shri Rukmasa
 Hanumantasaa Baddi,
 New Cotton Market, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3049 dt. 11-1-1985)

Open site measuring 11.25 gunthas situated at village Hubli under survey Nos. 55/5 and 55/.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax* Acquisition Range, --Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-9-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Sushilkumar Embanath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raymold Lawrence Ferrao.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.III|37EF|15820|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable as the sam Act), have reason to believe that the immediate property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. I|12, Neelkant Evershin Nagar, Malad (W),

Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I|12, Neelkanth, Evershin Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.III|37EE|15820|84|85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recreams, namely :-86--266 GI|85

Date: 1-1-1985

(1) Raj Kumari M. Rupani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan Chanduram Sarai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.III]37EE|15949|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (kersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. B-16, Sindhi Immigrants Co-op. Housing Society Ltd.,
Little Malbar Hill, Chembur, Bombay-71,

(and more fully described in the Schedule annoxed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the same of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the same of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the same of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the same of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as a foresaid exceeds the pro fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flet No. B-16, Sindhi Immigrants Co-op. Housing Society Ltd., Little Malbar Hill, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III|37EF|15949|84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 1-1-1985

(1) Shri Anand D. Kandhlkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. G. Pujara.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.III[37EE|16384|84-85,---Whereas, I, Λ . FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. B|4, 2nd Floor Devidayal Apartment Dr. R. P. Rd. Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

stinated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B|4, 2nd floor Devidayal Apartment, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16384|84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomouy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 1-1-1985

FORM ITNS

(1) Shri P. D. Nasta R. D. Nasta.

(Transferor)

(2) Mrs S. C. Udhwani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15581|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 601, Church View Apartments Vakola, Santacruz (E). Bombay-50,

stinated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration than the consideration for much than the consideration for much therefore the consideration for much therefore the consideration for much the consideration for much the consideration for much the consideration are consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly attited in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Church View Apartments Vakola, Santacruz (E), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|9E|15581[84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquialtion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date : 1-1-1985

(1) Sonawala Industries Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manhar H. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III 37G 2601.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Land at village Eksar Pahadi Goregaon S. No. 120 to 125

CTS No. 521, Goregaon, Bombay,

stituated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 18-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1910|84 dated 18-2-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-9-1985

FORM ITNS———

(1) Mr. Joseph Thomas Perreira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Damiel Felix Gomes & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Rei. No. AR.III|37G|2604.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Land bearing S. No. 251 H. No. Nil City Survey No. 2460, Village Nanori, Taluka Borivali, Malad, Bombay.

stinated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly clated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2909|82 dated 16-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the saaid Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-9-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Candid Rodrigues & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bharati B. Pathak & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37G|2596.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immev-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land & house CTS No. 1272 Municipal House No. P.N. 11508 Village Malvani, Malad, Bombay,

situated at ombay (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consinderation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the conmideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The torms and empressions used herein as ass defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given EXPLANATION :-

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1828|1981 dated 31-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-9-1985

(1) Smt. Divindur Kaur Wo Sardar Malriuds Singh. (Transferor)

(2) Smt. Hecrabai Kherajmal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-ID, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37G|2576|85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Piece of land S. No. 187 (Sheet No. 57) CTS No. 439 City S. No. 520-H R. Village Mulund, Bombay situated at Bombay (and more tully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid we certy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S. 925|77 dated 20-2-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

(1) Ramchandra K. Mhatre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asian Paints (India) Limited.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37G|2568.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Reversionary inter of transferor in lands in Bhandup part of bigger plot of land bearing S. No. 205 CTS No. 295, Bhandup, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following легво*ня* в⁴ ⊐elv :---87----266 GI|85

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2563|84 dated 5-1-1985.

> 4. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

FORM ITNS -

(1) Ramchandra Kisan Mhatre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asian Paints (India) Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III/37G/2569/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Plot of land bearing S. No. 205, C|T|S| No. 295, Village Bhandup, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 5-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 25 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :--

> ii) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: The strategic of the control of the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 205, C.T.S. No. 295, Village Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2564 84 dated 5-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bornbay

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 26-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Kantilal Jivanlal Vakharia.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal Vazirchand Alag.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.111/37G/2648/85-86.—Whereus, J. A. PRASAD,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Block (plot) No. 70, C.T.S. No. 294, Street No. 56 T Ward No. 3002 (1), Street No. 90 A, Mulund Colony, Bombay-82,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 22-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causaler with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) nacintaing the reduction or evesion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 887/82 dated 22-2-1985,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 26-8-1985

Scal:

(1) M/s. Crescent Trading Company.

(Transferor)

(2) Mis. Mchta & Mody.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37G[2635]85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No.
New S. No. 174, C.S. No. 285 D, Crescent Industrial Estate, Kanjur Marg (E) Bombay-78.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S. 3283|1982 dated 24-5-985.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

roow, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Sardar Balbir Singh,

(1) Gunwanti Thakurdas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37G|2605|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Block No. 38|4, Pawai Mulund Colony, C.T.S. No. 275, vill. Nahur. Taluka Kurla, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on 15-1-1985

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1734 1983 dated 15-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 26-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37G]2608[84-85.—Wherens, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000|- and bearing No.

S. No. 175, H. No. 5(A), Mulund (E), Bomoay-81 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moorne arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 268°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mrs. Kamularani Hazra & Nihar Rani Sahu.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Lalavati Popatlal Maniyar & Others, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registeric Officer at Sr. No. S. 463|81 dated 21-3-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 26-8-1985

Scal:

(1) Mr. L. J. Lawrence & Others.

(Transferor)

(2) Petron Engineering Construction Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985 Ref. No. AR.III|37-A|2607|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair make value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.
No. House No. (M. Ward No. 761 (14.03) at Plot No. 474, 13th Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in theoffice of the Registering Officer at Bombay on 16-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

House 'M', Ward No. 761 (1 ± 03) at Plot No. 474, 13th Road, Chembur, Bombay-71. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1443[198] dated 16 12-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37-G[2649:85-86.—Waercas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Block No. 123:1-31, C.T.S. Nos. 193 & 193:1. Nahur Village, Mulund Colony, Bombay-82 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act 1908 (c). of 1908 in the office of the Registering Officer on

at Bombay on 22-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by thap fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Smt. Bachibai Chaturnal Karia.

(Transferor)

(2) Sadar Swaransingh Puransingh Puni

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2611 1981 dated 2-2-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-8-1985

Scal

FORM ITNS-

- (1) The Official Assignee of Bombay High Court, Bombay.
- (2) Mls. Joshi Dhanesha & Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37G|2565. -Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. Jand at R. Village Dindhoshi, S. No. 1/2, CTS No. 57 (part), Aarev Road, Goregaon (E), Bombay

(and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 15-1-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1238[80 dt. 15-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombav.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person; namely !—

88—266 G1/85

Act, 1957 (27 of 1957):

Date: 3-9-1985

(1) Maimunaba Abdul Rehman Malim.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Venkat V. Banohode.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR. 111/37.G/2597/84-85,---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Piece of land bearing piot No. 41, Pushpa Park, Scheme City Survey No. 161, (161|1 to 161|6 in Karur Village, Malad (and more fully described in the schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (1' of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 193|83 dated 25-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-9-1985

(1) Shri Raghavii Umehrshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kokil Appts. C.H.S. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR, III 37.G.2599,—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

No. Piece of land being plot No. 19, Private Scheme of Desai Bros. Mamlatdar Wadi Road, No. 6, Malad S. No. 151 H. No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

2 CTS No. 790 Malad, Bombay

at Bombay on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. Old No. 233 dated 15-2-1985 New No. 252

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 3-9-1985 Seal :

FORM ITNS

(1) Cutch C.H.S. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÓF 1961)

(2) Malad Jay Shanti Co-op. Hsg. Sot. Ltd (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR. III|37.G. RS|2598.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the section of the competence of the incompetence o property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. plot No. 11 Mamlatdarwadi Road Extension, Plot No. 12, also Mamlatdarsadi, S. No. 227 Mahad, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 4004|84 dated 25-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-9-1985

Seal 1

FORM I.T.N.S.———

(1) Mis. Mayuri Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. G. Lakani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37FE|16131|84-85.-Whereas, 1,

Ref. No. AR.IIII3/FE[16131[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 225, Bldg. near Junction of Hingwala Lane, & R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E), Rembay.⁷⁷

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 225, near Junction of Hingwala Lane, & R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III 37EE 16131 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :---

Date: 26-8-1985

Scal:

(1) Mr. K. L. Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Shreeii Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1935

Ref. No. AR.III]37EE[15781[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Unit No. 6, Rupal Industrial Estate 56, Bhatwadni,

Ghatkopar, Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been hunsiefied and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, Rupal Industrial Estate, 36 Bhatwadi, Ghotkopar, Bombay 84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15781 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,...

Date: 26-8-1985

FORM ITNS-

(1) Mrs. K. N. Vyas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. M. Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION PANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37EE[15867]84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Shop No. 8, Neelkandth Palace, 157, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Incompleta Act 1961 in the office of the the Comeptent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforegid property and I have reason to believe that the fair market value of the fair market value of the second property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indien Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Neelkanth Palace, 157, Garodia Nagar, Ghatkopar (F), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Mo. AR.III/37EE/15867/84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (f) of Section 369D of the said Act. In the following persons namely:—

Date: 26-8-1985

FORM ITN9-

(1) Mls. Rao Associates.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nicholas Rodregues.

(Fransferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Rof. No. AR.III|37EE|15805|84-85.--Whereas I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 26 "D" Wing of Gajanun Niwas. 6th Floor. Kadamwadi, Vakola, Village Road, Santacruz (E), Bombay-55 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitaty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aced /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 "D" Wing of Gajanan Niwas, 6th floor, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santaciuz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EF|15805|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 30-8-1985

(1) Mls. Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Khatija Foaad Noorani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR. III|37E,E|15807|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersible property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000): and bearing

No. Shop 4 Gr. Fl. Gajanan Niwas, Kadamwaid, Vakola Village Road, Santacruz (E). Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Fl. Gajanan Niwas Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15807/84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following the tersons. Samely:—

89—266 GI|85

Date: 30-8-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. S. K. Chhaied.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. K. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF The manifecture of the Acquisition range III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15896|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Taximen's Co. op. Hsg. Soc. Ltd. 306, L.B.S. Marg. Gurla (W), Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Taximen's Co. op. Hsg. Soc. Ltd. 306, L.B.S. Marg. Gurla (W), Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2d9AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bearing are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Taximen's Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 306, L.B.S. Marg. Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15896|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Mis. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Mr. V. Ramesh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15881|84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. 601, 6th floor, B-wing, Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77, situated at Bom-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Triplicane Doc. No. 857 84 in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (w) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, B-wing, Bldg. No. 1 Shanti Park, Garodia Nakar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15881 84-85 dated 1-1-1985.

> A. FRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-8-1985

(1) Ms. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Mrs. V. Janaki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE:15880|84-85.—Whereas, I. PRASAD

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Flat No. 602, 6th floor, B wing, Bldg. No. 1, Shanti Park.
Correlia Nagar Ghatkonar (E) Rombuy-77 situated at

Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-77 Garodia : situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been taily stated in the consideration. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, B-wing, Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15880|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

(1) Mr. K. Kamalaksha Kamath

(Transferor)

(2) Mr. Rameshwar Prasad K. Sharma

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. $\Lambda R.III|37EE|16377|84-85$.—Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. C.218, Ghatkopar Indl. Estate, 2nd floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay 86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseniment of any income or any memory or other names which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.218, Ghatkopar Indl. Estate, 2nd floor, L.B.S. Marg, Chatkopar, Bombay 86.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III. 37EE 16377 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons analogy:—

Date: 26-8-85

FORM I.T.N.S.----

(1) Mrs. S. K. Shetty

(Transferor)

(2) Mr. A. K. S. Mohammed

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-EAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. ARJII[37EE]16354,84-85.—Whereas, 1, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. Flat No. 108, 1st floor, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Vidyanagri Marg, Kurla (W), Bombay 70 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent authority at Bombay on 1,1985

authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the pensideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Countie or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

REPLANATION :-- The terms and expressions used herein as ass defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in t Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st floor, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, Kurla (W), Bombay 70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37EE | 16354 | 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 26-8-85

persons, namely :-

FORM TINS-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khalid Abdul Kadir Parkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15804|84-85.-Whereas, I.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Flat No. 102. 1st floor, Bldg. No. 6, Kapadia Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay 70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, ud/a

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Flat No. 102 1st floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg. C.S.T. Road. Kurla, Bombay 70.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under No. AR.III 37EE 15804 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tur Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

Date: 26-8-85

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri B. M. Chopra

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Haji Hasan Bhai

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15589|84-85.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R_{\bullet} , 1,00,000|- and bearing

No. 1,00,000|- and cearing
No. Flat No. 34, Bldg. 2-E, I.ohia Nagar, Bombay Taximen
C.H.S. Ltd. 1.B.S. Marg. Kurla Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Rophy on 1, 1,005

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, Bldg. 2-E, Lohal Nagar, Bombay Taximen C.H.S. Ltd. L.B.S. Marg, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15589|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

and the control of the state of the control of the

(1) Mrs. Halimabi A. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. Banu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16356|84-85.-Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. Flat No. 206, 2nd floor, Bldg. No. 13, Kapadia Nagar,

C.S.T. Road, Kurla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the unsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor, Bldg, No. 13, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16356|84-85 lated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

Date: 26-8-85 Scal:

90-266 GI 85

(1) Mr. M. P. Bhutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. M. Shoh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15626|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding

property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 15, 2nd Fl. Ghatkopar Vijay Kunj C.H.S.T. Vijay Bldg. Vallabh Baug Lane Tilak Rd., Ghatkopar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax upder the said Act, in respect of any income strong from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the indian Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd Fl. Bldg. known as Vijay Kunj C.H.S. 1.td. Vijay Bldg. Plot No. 142, Vallab Baug Lane, Tilak Rd. Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37EE|15626|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date : 26-8-85

FORM TINS---

(1) Parul Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arati Stores

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.JII 37EE 16043 84-85,---Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

No. Shop No. 13. Gr. Fl. B-Wing, Bldg. No. 6, "Damodar Pork" L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; RING CE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Ground Fl. B-Wing Bldg. No. 6, "Damodar Park" L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16043|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Ochiram P. Hassija

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshlal P. Hassija

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16077|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
No. Flat No. C-10, Murli Milan C.H.S. Ltd. Match Factory
Lane, Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C10, Bldg. Murli Milan C.H.S. Ltd. Match Factory Lane, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16077|84-85 uated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

.+ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ast, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 26-8-85

FORM ITNS----

(1) Mr. Babulal Chhabildas Chhajed

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. M. Chopra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15588|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 1, Bldg. 2-D, Lohia Nagar, 306, L.B.S. Marg, Kurla. Bombav-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conclaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein reare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. 2-D, Lohia Nagar, 306, L.B.S. Marg, Kurla. Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15588|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 26-8-85

FORM I.T.N.S .-

(1) Smt. Smita Shailesh Gathani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms Neelam Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15774 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 302, 3rd Fl. A-Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park,
Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Fl. A-Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15774|84-85 lated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

The same of the sa

FORM NO. I T.N.S.——— (1) Shri Valerian Fernandes & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mathias D'cunha & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 26th August 1985

Ref. No. AR.111[37EE|16347[84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flot No. 13, 3rd Ft. Datta Mandir Rd. Vakola, Santaciuz (F), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranufer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linksity of the transferor to pay tax under the said, Act. in respect of any income writing from the transferand /or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Fl. Datta Mandir Rd. Vakela, Santacruz (E) Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37EE|16347|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690; of the mild Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followips persons mampely :---

Date: 26-8 1985

Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Parmeshwar Iyer Ganpaty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15810|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

No. Block No. 4, vrst Fl. Plot No. 81, Supbalya C.H.S. Ltd. Plot No. 81, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ramesh Prakash Khanolkar & Ors. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, First Fl. Plot No. 81, Saphalya Co-op. Hsg. Sct. Ltd. first fl. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15810/84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

Seal .

(1) Mr. Pradip Champaklal Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37FF]15859]84-85.—Wherees, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000- and bearing

No. Flat B'ock No. 5530 Bldg. No. 202, 3rd Fl. Amar Jyot C.H.S. I.td. Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, '1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

91—266 GI|85

(2) Mr. Yashwant Amratlal Sheth.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat Block No. 5330 Bldg. No. 202, 3rd Fl., Amar Jyot C.H.S. Ltd. Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15859 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

Scal ;

(1) Mls Vijay Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms Mehta Printing Press.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15866 84-85. Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing

No. Unit No. 308, Hill View Indl. Estate L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule appexed hereig),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said hustrument of consideration for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of +5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 308, Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|37EE|15866|84-85 deted 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-8-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Streamline Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sylvia Amalio Stmoes & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Rcf. No. AR.III|37EL|16040|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. C[6, 1st Fl. CTS No. 481 to 499, 500 (P),

Village Kolc Kulyan, Vakola, Santacruz, Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|6, 1st Fl. CTS No. 481 to 499, 500 (P), 501 to 511 Village Yole Kalyan, Vakola, Satzeruz (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16040|84-85 deted 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

Mr. Nallur Sivadasan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Ramchandran.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Rombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 16114 84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the trecome-tax Act, 1761 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 7, A-Bldg. Avdhut C.H.S.L. Sunder Nagar, Kalina,

Santacruz (E), Bombay-98, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Rombay on 1.1.1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg. A, Avadhut C.H.S. Ltd. Sundar Nagar, Kalina, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16114|84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 30 8.1985.

(1) Mis. Streamline Builders.

(Transferor)

- _____

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Matharine B. Rodrigues.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|15765|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Fig. 1,00,000|- and bearing Flat No. C|9, 2nd floor, C.T.S. No. 481 to 499, 599 (Pt.),

Village Kolckalyan, Kalina, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 1.1.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fiftsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of suggest with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|9, 2nd floor, C.T.S. No. 481 to 499, 500 (pt.), Village Kolckalyan, Kalina.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15765 84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985.

(1) M|s. Harasiddh Corporation.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanyam Shantilal Shah.

Transferce)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

AR.III 37-EE 16222 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No: 1. Gr. Fl. Bldg. B, CT'S No. 3005, Kole Kalyan Vakola, Santaciu (E), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cotap tent Authority in Hombay on 1.1 1985, for an appaicnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transler as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. Fl. Bldg. B, CTS No. 3005, Kole Kalyan, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37-EE 16222 84-85 Authority, Bor dated 1,1.1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incorne-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, ferrafore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons namely:-

Date: 26-8-1985.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Dr. Vibha Umesh Shah.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Asha Kirshna C.H.S. Ltd.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

AR.III[37-3E]16116]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable presenty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 6, first Fl. A-Wing, Asha Krishna, Mohile Village, Kurla, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annuxed herete),

(and more fully described in the Schedule annuxed heret.), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Completent Authority at Bombay on 1.1.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said inunovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

Flat No. 6, first Fl. A-Wing Asha Kirahna, Andheri-Ghatkopar Link Road, Kurla, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37 EE|16116|84-85 Authority, Bor dated 1.1.1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 26-8-1985,

(1) Ms. Ganesh Construction Corporation.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. P. Yadav.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 16095 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 9, Hill View Apartment, Himalaya Parvatiya Coop. Hsg. Soc. Ltd., Netaji Parker Marg. Ashalpha Village.

Ghatkopar, Bombay-84,

(and more fully described in the schedule below)

(and more fully described in the schedule below) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Commetent Authority at Bombay on 1.1.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pairlies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been entirely which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suld Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sections. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Hill View Apartment, Himalaya Parvatlya Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Netaji Parker Marf, Ashalpha Village, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IU|37-EE|16095|84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985.

Scal :

(1) Shri Karunakar B. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mcerabhai S. Kangian.

(Tansforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|16123|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immortable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Shop Notl 11 & 12 Sunil shopping Centre, New Mancklal Estate, Ghatkopar (W), Bombay-86,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority at

Bombay on 1.1.1985,

for an apparent consideration wheih is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACC. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop No. 11 & 12, Sunil Shopping Centre, New Maneklal Estate, Ghatkopar (W), Bombay-86,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16123|84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. Harnely :-

Seal:

Date: 26-8-1985.

92-266 GI|85

(1) Shri V. S. Mahadevan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhupendra S. Sanghavi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 16042 84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

Ref. No. AR.III 37-EE 16042 84-85.—whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 16, 4th fl. Ocean Apt., Plot No. 194, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1.1.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

labh Baug Lane, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16042|84-85 dated 1.1.1985.

Flat No. 16, 4th fl. Ocean Apartment Plot No. 194, Val-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 4957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-8-1985.

FORM ITNS——

(1) Shri A. G. Mirnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 16113 84-85. Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement having a fair market to be the competence of the co abla property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 17, 3rd Fl., Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bom-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of of the Competent Authority at Bombay on 1.1.1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd Fl. Near Garodia Nagar, Plot No. 353-B|4, TPS-III, Arihant Krupa Bldg., Ghatkopar, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16113|84-85 Authority, Bordated 1.1.1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-8-1985.

(1) Mrs. Reshma Malhotra & Dimple Malhotra. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Megafire Services.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|15889|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Indl. Gala No. 27, Cuyog Indl. Estate, Opp. Vitrum Glass
Factory, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83,
has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1.1.1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

Gala No. 27, Indl. Gala, Suyog Indl. Estate, Opp. Vitrum. Glass Factory, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|15889|84-85 dated 1.1.1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under submetten (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 26-8-1985.

Scal 4

(1) M/s. Popular Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpa K. Advani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 16223 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

And bearing
Flat No. 402, Terrace, 4th Fl., Shalimar Apartment, Narsi
Mehta Rd. Kaju Hills, Ghatkopar (W), Bombay-84,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assign from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Terrace, 4th Fl. Shalimar Apartment, Narsi Mehia Road, Kaju Hill, Ghatkopar (W), Bombuy-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 16223 84-85 dated 1.1.1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 26-8-1985.

FORM ITNS---

(1) M/s. Shivsai Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abubakar Noormohamad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR,[11]37-EE]16214|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the lamentable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000|- and bearing.

Flat No. 202, 2nd Fl. A-Wing, Sai Apartments, S. No. 270. Hissa Nos. 1 & 2, Umarwadi, Kurla, Bombay-70, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, and the agreement is registered, under

has been titinsferred and the agreement is registered under section 269AD of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrate facilitating the comessionest of any income any moneys or other assets which have not bewhich ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Fi. A-Wing, Sai Apartments, S. No. 270, Hissa Nos. 1 & 2, CTS No. 23(p), Umarwadi, Kurla (E), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|16214|84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inste of this ratios under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985.

FORM ITNS----

(1) M|s. Om Mahavir Builders.

(Transferor)

(2) M|s. Rao & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE · Mariax ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGU-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|16332|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land bearing S. No. 441, H. No. 4, (P) Kole Kalyan, Santa-

cruz (E), Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.1.1985, Madras Central Doc. No. 1220|84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than iffecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land S. No. 441, H. No. 4(p), CTS No. 1858 & 1959 of Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16332|84-85 Authority, Bondated 1.1.1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985.

Seal ·

(1) Mr. Nilesh K. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra D. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|15980|84-85.-Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No. C5, Gr. Fl. C-Bldg Sarvonnati Society, Kama Lane, Ghatkopar, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotland Control of the Interest of the I Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1.1.1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-4, Gr. Fl. C-Bldg., Sarvannati Soct. Kama Lane, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III]37-EE]15980[84-85] Authority, Bondated 1.1.1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the series of this notice under subsection (1) of Section 26 is the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-8-1985.

(1) M|s. Ashwin Construction Co.

Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No AR.II[37-EE]15965[84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.
Flat No. 5, 1st Fl. Brahman Wadi, Pipe Road, Kurla, Bom-

baq-70,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 1.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration even therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (), of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-93-266 G|185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

(2) Mr. Mohan Chanumal Bhavnani & Ors.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter .XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Fl. Brahman Wadi, Pipe Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Compouent Authority, Bombay u nder No. AR.III|37-EE|15965|84-85 dated 1.1.1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombuy

Date: 26-8-1985.

Scal:

interested in the property)

FORM ITNS----

(1) Shri Mansing Shankar Rao Bhoite.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri W. B. Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Person whom the undersigned knows to be

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|15802|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 206, on 2nd Fl. Bldg., No. 4, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla, West, Bombay-70, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 209AB of the income-tax Act, 1501 in the Competent Authority at Bombay on J.1.1985,
Mylapore|Doc. No. 1638|84 in December 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

Flat No. 206, 2nd fl. Bldg. No. 4, Kapadia Nagar, CSF Rd., Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15802 84-85 Authority, Bordated 1.1.1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30.8.1985.

- (1) Mrs. Amina Riaz Ahmed Kable.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Naseema Sikandar Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16217|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 404, 4th floor Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16217 84-85 dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A, PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely:—

Daetd: 30-8-1985

Seal 4

(1) Mrs. Varsha Stanley.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nazima Abubakakar Kazi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR, III 37. EE 15719 84-85. Whereas, I,

A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Tlat No. 102, Bldg. No. 1. Kavita C.H.S. Ltd. CST Road. Kapadia Nagar, Kurla, Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been typesformed and the agreement is registered, under

has been trunsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice itte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons urver paried expires leter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on these Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, Bldg. No. 1, Kavita C.H.S. Ltd., CST Road, Kavita Co-op. Hsg. Sct. Ltd., C.S.T. Road, Kapadia Nagar, Kurla, Bombay-70. The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR, III 37.EE 15719 84-85

Authority, dated 1-1-1985.

> A. TRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-8-1985

Scal:

(1) Mr. R. R. Lalwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. G. Serai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR HI 37. EE 15635 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196) (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the

releved to as the said Act.) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and beating No. No. Shop No. 10, Shiv Park, Bldg. No. 3 & 4, Atur Park Hsg. Soc. Ltd., S.T. Road, Chembur, Bombay-74 (and more fully described in the schedule anaexed kereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the days of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 10, Shiv Park, Building No. 3 & 4, Atur Park Hsg. Soc. Ltd., S.T. Road, Chembur, Bombay-74. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III|37.EE|15635|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-8-1985

(1) Mls. Mahtanev Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil R. Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16126|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 3, ground floor, Shivnum Bldg. No. D, Mahtaney Park, Mahul Road, Wasi Naka, Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Shivnum Bldg. No. D, Mahtaney Park, Mahul Road, Vashi Naka, Chembur, Bombay-74.
The agreement has been registered by the Competent The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16126 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Dated: 26-8-1985

(1) Shri Ramshankar Gordhandas Joshi,

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Mulchandji Nahar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15951 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing
No. Gala No. 23, Jaikarsmruti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jai-Karwadi, Aarey Road, Goregaon (W), Bombay-62
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 23, Jaikarsmruti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jaikarwadi, Aarey Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15951 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 26-8-1985

(1) Shri Ramshankar Gordhandas Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghansham Kishanchand Mulani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.JII|37.EF|15952|84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269% of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding R₂, 1,00,000|- and bearing

No. Gala No. 18, Jaikarsmruti, Jaikarwadi, Aarey Road, Goregaon (West), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1985

no an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- no) facilitating the conceniment of any income or any measures or other assets which have not been of which cught to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirus later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 18, Jaikarsmruti, Jaikarwadi, Aarey Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15952|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr—of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 30-9-1985

(1) Mrs. Rosy Paul,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan J. Rao.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15614|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Flat No. 20, L-2, Laxmi Ramana C.H.S. Ltd., Plot No.
13-A, Laxmi Ramana C.H.S. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon,

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patches has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 20, L-2, Laxmi Ramana C.H.S. Ltd. Plot 13-A, S. No. 161 (p), Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15614|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propertry by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
94—266 GI|85

Dated: 26-8-1985

(1) Mrs. B. P. Panjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME/TAX ACT 1961 (45 OF 1961)

(2) Mrs. L. R. Malvi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

·Ref. No. AR.III 37.EE 16212 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

Flat No. 5, 1st floo Chembur, Bombay-74. 1st floor, Bldg. No. 3 C, Tolaram Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of one income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to pe disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 3 C, Tolaram Nagar. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16212 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-8-1985

FORM TINS-

(4) Mr. Vaidyanathan.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. Parameshwaran & Ors.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 16029 84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.III]37.EE]16029]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]—and bearing Flat No. 308, Sarita, V. N. Purav Marg, Bombay-22, Hsg. Sety 1.td., Mayur Pank Bldg., Dattapada Road, Borivi (—), Bombay-400066, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

Bombay on 1-1-1985

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone namely :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the after said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offi in Surface of a remod of 30 days from the service of actice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Sarita, V. N. Purav Marg, Bombay-22.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III [37.EE] 16029 [84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-!H Bombay

Dated: 26-8-1985

(1) Mr. Bhalchandra B. Kanvir.

(Transferor)

(2) M|s. Sona Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37.EE|16321|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Indl. Gala being Unit No. 2, Bldg. No. 2, Ground Floor, Surat Indl. Estate, I.B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Bldg. No. 2, Gr. Floor, Surat Indl. Estate, I. B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37.EE | 16321 | 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-III
Bombay

Dated: 26-8-1985

(1) Mrs. Renu G. Karnani.

(Transferor)

(2) Mrs. Muttidevi R. Gautam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|16052;84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fait market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 8, Bldg No. 1, Borla Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Dr. Choitaram Gidwani Road. Chembur, Bombay-74 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I is reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesais property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. 1, Borla Co-op. Hsg. Soc., Dr. Cheithram Gidwaul Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII[37EE]16052[84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mrs. Kumari S. H. Shahnai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. J. Thapar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15595|84-85.--Whereas, I. 1. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. 29, Bldg. No. 3, Borla C.H.S.L. Dr. Gidwani Road, Opp. Basaut Theatre, Chembur, Bombay-74 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the second of t said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- ,(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29, Bldg. No. 3, Borla C.H.S. Ltd. Dr. Gidwani Road. Opp. Basant Theatre, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15595|84-85. dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay. **Bombay**

Date: 26-8-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Rajiv S. Khosla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NIGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Allied Consulting Engg. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37EE|15922|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Office Premises No. A-4, 1st floor, Amul Shopping & Commercial Centre, 1st Road, Chembur, Bombay-71 situated

(and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovation property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aca. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) ficultating the reduction or evasion of the finality on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) ficilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. A-4, first floor, Amul Shopping & Commercial Centre, 1st Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III;37EE|15922|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ragge III, Bombay.

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, stamely:—

Dite: 26-8-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) Mr. V. Visweswaran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Venkataraman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37EE|1567i|84-85,-Whereas, I PRASAD,

h. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the Said Act), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 3. Vishnu Kuni, 14th Road, Chembur, Bombay-

71 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Licome-tax Act, 1961 in the office of at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Vishnu Kuni, 14th Road, Chembur, Bombay-71.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HI|37EE|15671|84-85 dated 1-1-1985,

> A. PRASAD Competent Authori'y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast. to the following persons namely --

Date: 26-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) M|s. Bhavana Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. B. Patel & Others.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15848A|84-85.-Whereas, I,

PRASAD. being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lunmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 5, 3rd floor, Plot No. 181A, S. V. Road, Jawar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seed Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, 3rd floor, Jawahar Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15848 84-85 dated 1-1-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following петвоця, партеју ;---95-266 GI|85

A. PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.——-

(1) Mr. Tulsi Unni Nayar.

(Transferor)

(2) Mr. K. Thiagarajan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III 37EE 16318 84-85.--Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing As. 1,00,0001- and pearing
Jai Jalram Apartments, Plot S. No. 49, H. No. 8 (Pt) C.T.S.
No. Flat No. 8, Chandrika Bldg. Abhyudaya Co-op. Hsg.
Soclety Ltd., 9th Road, Chembur, Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-1-1935

at gomeay on 1-1-1903 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Chandrika Building Abhyudaya Co-op. Hsg. Society Ltd., 9th Road, Chembur Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EF|16318|84-85 dated 1-1-1985.

> Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 3-9-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. A. V. Nair.

(Transferor)

(2) Mr. N.V.A. Warrier.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR. III/37EE/15821/84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000]- and bearing

Jai Jalram Apartments, plot S. No. 49, H. No. 8 (pt) C.T.S. No. Flat No. 3, Vivek 'B', Plot No. 14, Sreenagar Estate, Goregaon (West), Bombay-62 situated at Bombay

instrument of transfer with the object of :-

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-185 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Vivek 'B', Plot No. 14, Sreenagar Estate, Gorcgaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37EE 15821 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-9-1985

FORM No. ITNS----

(1) Shri K. Parameswaran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. N. Swamy,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III]37EE]15920|84-85.—Whereas, Ι, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Flat No. 16, Plot No. 549-A, 'Balmurah', 11th Road, Chembur, Bombay-71,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Plot No. 549-A, 'Balmurali', 11th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|15920|84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

20H

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) M[s. H. S. P. Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. A. Viswanathan & Ors.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15745|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 5, Plot No. 12, CTS No. 663 13, Chembur Pestom
Sagar, Chembur, Bombay-89,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the transfer of consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5. Plot No. 12, CTS No. 663 13, Chembur Pestom Sagur. Chembur, Bombay-89,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15745/84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 30-8-1985

FORM No. ITNS-

(1) Mis. H. S. P. Enterprises.

(Transferor)

(2) K. A. Viswanathan & Ors.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

AR.III | 37EF | 15746 | 84-85. - Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 5, Plot No. 12, CTS No. 663|13, Chembur, Pestom

Sagar, Chembur, Bombay-89,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fibilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ted/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the una-raigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Plot 12, CTS No. 663|13, Chembur Pestom Sagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under No. AR.III 37EE 15746 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the m Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

Date: 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16351|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

as the property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. A|15, Building No. 'A' Jeevan-Naiya Co-op. Hsg. Society Itd., R. C. Marg, Chembur Naka, Plot No. 400,

Bombay-71, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely:---

- (1) Shri Krishm Rao Govindan Slo N. Krishna Rao. (Transferor)
- (2) Shri Suresh Kamalaksha Shenoy & Anr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|15, Building No. 'A', Jeevan-Naiya Co-operative Housing Society Ltd., R. C. Marg. Plot No. 400, Chembur Naka, Bombay-71,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 16351 84-85 on 1-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

(1) Shri Atumal Chandiram,

(Transferor)

(2) Shri Nevand Rupchand Rijhwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.HI|37EE|15732|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Elat No. C-15, Building No. C, 3rd floor, Chembur Gulmarg Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahul Road, Chembur Naka, Plot No. 598, Block No. 8 (Part) Bombay-71, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for **lor** 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-15, Bldg. No. C, 3rd floor, Chembur Gulmarg Co-op. Hsg. Society Ltd., Mahul Road, Chembur Naka, Plot No. 598, Block No. 8 (P) Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIII37EF|15732|84-85 on 1-1-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-9-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Laxminarayan Durgadas Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Gopi Jethanand Dewani & Anr.

may be made in writing to the undersigned :---

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15707|84-85.--Where (s, l) A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flut No. 6-A, 1st floor, Refinery View Co-op. Hsg. Society Ltd., 62-63, Maroli Church, Chembur, Bombay-74,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engint to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (B7 of 1997):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, amely:-96-266 GI|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lat No. 6-A, 1st floor, Refinery View Co-op. Housing Society 1 td., 62-63, Maroli Church, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15707 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

(1) Smt. Sunita Vithal Pawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. R. Batwalkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|15801|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 152, Bldg No. 8, Sahakar Nagar, No. 5, Mitrakas Co-op. Hsg. Society Ltd., Chembur, Bom. ay-71 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under the Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tat Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 152, Bldg. No. 8, Sahakar Nagar, No. 5, Mitraksh Corop. Hsg. Society Ltd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III₁37-EE₁15801₈₄₋₈₅ dated: 1-1-1985.

A. PRASAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 3-9-1985

FORM LT.N.S.——

(1) Shri Bhailal Vrajlal Talsania

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Somehandbhai Shoh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37-LE|16094|84-85 - Whereas, I, A. PRASAD,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harcianter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value esseeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 11, 2nd floor, Plot No. 242, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- the facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Plot No. 242. Jawahar Nagar Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37-EE/16694[84-65] dated 1-1-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mrs. Jyoti Jethanand Chatlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahadev Govindrao Kangoker & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16024|84-85.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Unit No. 126, First floor, "Guru Gobind Singh Industrial Estate", Western Express Highway, Goregaon (E),

Rombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '!1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 126, First floor, "Guru Gobind Singh Industrial state". Western Express Highway, Goregaon (E), Bom-Estate", bay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III||37.EE|16024|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-9-1985

(1) Sh. Lachmandas Tekchand Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bhajanlal Madhandas Lembla & Anr. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-III БОМВАУ

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.JII[37EE|15606|84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No 5, Building No. 'B' Shree Nav-Bharat Apartments Competative Housing Society

Co-operative Housing Society Ltd., R.C. Marg, Chembur, Bombay-74.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Building No. 'B', Shree Nav1Bharat Apartments Co-operative Housing Society Ltd., R.C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|15606|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 3-9-1985

(1) M|s. Trilok Construction Co.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Radheshyam Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16316|84-85.—
Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No.
Shop No. 20, Gyaneshwari Bldg.
Aarey Road, Perubaug,
Goregoan (East), Bombay-63.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer-with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazatte.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandjor
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 20, Gyaneshwari Building, Aarcy Road, Perubaug, Goregoan (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16316|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sast Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-9-1985

(1) Sh. Maneklal L. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mahabirprasad Gupta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III | 37EE | 16283 | 84-85.—
Whereas I, A. PRASAD,
Ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to it it is said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing Cala No. 218, Building No. 'A', 2nd 'lloor, Virwani Industrial
Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 86A, Virwani Indl. Estate,
Western Express Highway,
Goregaon (F), Bombay-63, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Eombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said **Netroment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 218, Building No. 'A', 2nd floor, Virwan; Industrial Estate, Goregaon (E), Bombay Western Express Highway.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16283|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-9-1985

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Madhu Bhutani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veena Dhamija.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16207|84-85.—

Ref. No. AR.III|37EE|16207|84-85.—
Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000|- and bearing
Flat No. I.-4|5, Laxmi Ramana
Co-op. Soc. Ltd., Bangur
Nagar, Goregaon (W),
Bombay-90

Bombay-90

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hercto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L-4|5, Laxmi Ramana Co-op. Soc. Ltd. Bangur Nagar, Goregoon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 16207 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person namely :-

Dated: 3-9-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Meena Subramaniam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
ROMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EF|15931|84-85.—
Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 128, 1st fl. Shanti
Indl. Estate, S. No. Rd. Mulund
West, Bombay-80.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 128, 1st fl. Shanti Indl, Estate, S. No. Rd, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15931|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
97—266 GII85

Date: 26-8-1985

(1) Mr. M. N. Swamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena Nitin Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.JII|37EE|15599|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing bearing No. D|9, 2nd Fl. Mulund Mamta C.H.S. Ltd. L.B.S., Marg. Goverdhan Nagar, Mulund (W), Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreements is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. D[9, 2nd fl. Mulund Mamta C.H.S. Ltd. L.B.S. Marg, Goverdhan Nagar, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III 37FE 15599 84-85 dated 1-1-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(1) A, V, Tipnis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. R. Khakheria.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15783|84-85.— Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 9, 1st floor, Mulund Punam Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Smt. Mansadevi Aggarwal Road,

Smt. Mansadevi Aggarwal Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor, Mulund Punam Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Smt. Mansadevi Aggarwal Road, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15783|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Modern Builders.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. V. G. Acherekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15734|84-85.----Whereas, I, A. PRASAD

Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 10, Plot No. 48, Kanjur Co-op. Hsg. Soc. Bhandup (E), Rombay.78

Bombay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot of 48, Kanjur Co.op.Hsg. Soc. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15734 84-85 dated 1-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-8-1985

(1) Unique Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Speciality Wads.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37EE 16032 84-85.-

Ref. No. AR.III[37EE]16032[84-85.—
Whereas, I. A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000]- and bearing
Unit No 85, 1st Fl. Unique Indl.
Estate, R.P. Rd. Mulund (W), Bombay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed bareto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Cometent Authority at

of the Cometent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 85, 1st Fl. Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311, & 317, R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 16032 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

FORM ITNS-

(1) Smt. R. B. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. D. R. Bhaglani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EF|15782|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing Flat No. 19, 5th Floor Bldg Bhanu Apt. Bldg. No. A-2, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 5th Fl. Bldg. Bhanu Apartments, Bldg. A-2, L.B.S. Marg, Bombay Agra Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15782|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 26-8-1985

Scal ·

(1) M/s. Jain Trading Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Electrocraft Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15709|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exiceding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 6, ground floor,

Nahur Village, Sub. District of Bombay city

Bombay City.

(and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 6, ground floor, Village Nahur, Sub. District of Bombay City.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15709|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-III Rombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the arressaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow на регеопа, петову :---

Date: 26-8-1985

(1) Hiralal P. Korani.

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri S. M. Mehta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref No. AR.III|37.EE|16243|84-85. -Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Flat No. 14, 3rd Fl. Bldg.-D. Govardhan Nagar, Mulund Mamta C.H.S. Ltd. Agra Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tay Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd fl. Bldg.-D. Govardhau Nagar, Mulund Authority. Bombay under No. AR.III/37.EE/16243/84-85

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/16243/84-85 Dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Ms. Tibra Builders (Bombay) Pyt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vedapuri Subramaniam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMABY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15930|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Unit No. 129 130, 1st Fl. Shanti Indl. Fstate, S. N. Rd.

Muland (W), Bombay-80.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the ngreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the appearant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) inculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; earl /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 129 130, 1st Fl. Shanti Indl. Estate, S. N. Rd. Mulund (W), Bounday-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Ixo. AR.III|37.EE|15930|84-85 Dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the accessition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely:-98-266 GI 85

Date: 26-8-1985

FORM ITNS—

(1) Mls. Hirandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. A. Engineering Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMABY

Bombay, the 26th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37.EE|16009A|84-85,---Wheeras, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Gala No. 123, Hirandani Indl. Estate, Kanjur Marg Stn.

Pombay.

Bombay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 1-1-1985
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which coreld to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 123, Hirandoni Indl. Estate, Kanjur The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16009A 84-85 Dated 1-1-1985.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

PORM ITNS -

(1) Mrs. Sumati P. Deshpande.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirit Kumar Narauji Maisheri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16110|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing Flat No. 7. Mulund Hem Smruti C.H.S. Ltd. 306|307,

Dr. R. P. Rd. Near Agfa Colony, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Liulund Hem Smruti C.H.S. Ltd. 306/107, Dr. R. P. Rd. Near Agfa Colony, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37.EE/16110/84-85 Dated 1-1-1985.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax Acquisition Range-III, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 26-8-1985 Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMABY

Bombay, the 26th August 1985

AR.III|37.EE|16076|84-85.---Whereas, I. Ref. No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 5, first Fl., Rushabh Chhaya, Mulund, Bombay-81, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed bereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aiav Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Pratap V. Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, First Fl. Rushabh Chhaya, Plot S. No. 74, CTS No. 564, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent uthority. E-mbay under No. AR.DI]37.EE[16076]84-85 Anthority, Dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 26-8-1985

FORM ITNS-

(1) R. G. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. F. J. D'Souza & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMABY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16151|84-85. -Whereas, 1, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 101, 1st Fl. E-Wing, "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W). Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1.1,1985

at Bombay on 1-1-1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st Fl. E-Wing, "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Molad (W), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III/37.EE/16151/84-85 Authority, Bor Dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely :--

Date: 26-8-1985

(1) Mls. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. M. R. Shah & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISSITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15826|84 85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) / hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000l- and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 22-A, 2nd 1-1. Manuli Bldg. No. 3, Plot No. 48, 49 & 50. Valnai Village, Malad (W), Bombay-64, interval at Parkey.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 22-A, 2nd Fl. Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Maiad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/15826/84-85 dated 1-1-1985.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Allied Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Anthony D'Mello...

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15771 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 20, 4th fl. Aukur Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Boudbay-64.

situated at Rombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cout of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the variets has not been truly stated in the said instrument of vanisher with the object of : vansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ware defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nascts which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 4th fl. Mith Chowki, Malad (W), Bombay.

Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15771|84-85 dated 1-I-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:-

Date: 26-8-1985

FORM IT.N.S -

(1) M/s. U. K. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Walter D'Souza.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th August 1985

Ref. No. AR III|37.EE|15963|84-85,--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 3, Gr. Fl. Lee Apt., Sunder Galli, Orlme, West, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Lee Apt., Sunder Galli, Orlme, West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37,EF|15963|84-85 dated 1-1-1985,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

(1) M|s. Lubin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

AND THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

(2) Mr. Francis I. Manezes.

(Transferce)

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

AR.HI[37.EE]16089[84-85. -- Whereas_ I, Ref. No.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. Cl4. first FL, CTS No. 397, 397|1 to 6 Village Valnai, I, B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AME /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|4, first fl. CTS No. 397, 397|1 to 6 Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII[37.EE]16089[84-85] dated L-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the auquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-99--266 GIJ85

Date: 26-8-1985

FORM ITNS———

(1) Shri Mansukhlal H. Ajmera & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamlesh Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15587 84-85. - Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 43, Laxminarayan Shopping Centre. Podar Rd. Malad (E). Bombay-66. situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

at Bombay on 1-1-1985 (and more fully described in the Scredule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43 Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Hombay under No. AR.III|37.FE|15587|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the doresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Mr. K. H. Jakharia & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. V. Gosrani & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]16185]84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Shop No. 3, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bornbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16185 84-85 Authority, Bor dated 1-1-1985.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

[PART III—SEC. 1

PORM ITNS---

(1) Shri Ajit Kakumal Lalwani.

(Transferor)

(2) Shri Panjabi Ramkisan Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.IIJ|37EE|15946|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 79, ground floor, Malad Shopping Centre, S. V.

Road, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bonibay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 79, ground floor, Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15946|84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

_ -----

FORM ITNS---

(1) Mr. D. A. Prabhu.

(Transferor)

(2) Mr. V. J. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ret. No. ARJII|37EE|16109|84-85.-Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Shop No. 5A, Plot No. 202, Malad Natraj Market Co-op.
Housing Society Ltd., Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforevaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA et the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5A, Plot No. 202, Malad Natraj Market Co-op. Housing Society Itd., Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16109|84-85 dt. 4-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, meretore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

(1) Dr. Nitin J. Mehta.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhimati Pravin Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJI. BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15789|84-85. -- Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 405, Sunita Apartment, 4th floor, S. V. Road,

Opp. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:— The fectus and expressions used berein as are defined in Countries XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Sunita Apartment 4th floor, S. V. Road, Opp. Sunder Nagar, Malad (W), Lombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15789 84-85 dt. **4-1-1985.**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 26-8-1985

(1) Mr. Surcsh R. Jagnani.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME/TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ginni Devi Bhartya & Ors,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III/37FF/15106/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 3, D-2 Deen Shikhar C.H.S. Ltd., C/4, Sundar Nagar, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore raid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the mal Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub--section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. D-2/3, Deep Shikhar CH,S. Ltd. C/4, Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15106|84-85 dt. 4-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

FORM TINS-

(1) Smt. Mangala Mohan Nayak & Ors.

(Thansferor)

(2) Shri D. J. Haria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15914|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable

property having a fair market value exceedings Rs. 1 00,000|- and bearing

Shop No. 2. ground floor. Espec Apartment, Liberty Garden Colony Scheme No. 2, Cross Road No. 2 &3, Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Espec Apartment. 1 iberty Garden Colony Scheme No. 2, Cross Road No. 2 &3, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15914 84-85 dt, 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 26-8-1985

(1) Ms. Spun Builders & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Dr. S. N. Attar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15768|84-85.--Whereus, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shubhlaxmi Shopping Centre, Quarry Road, Malad (W),

Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered inder Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

100—266 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shubhlaxmi Shopping Centre, Quary Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37FE 15768 84 85 dt. **4-1-1985.**

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 26-8-1985

(1) Mr. D. K. Agarwal.

(2) Mr. M. Λ. Kudwa,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37FE|15597|84-85.-Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000], and bearing No. Flat No. 1, Building EB, Nutan Ayojan Nagar, C.H.S. Ltd., I therty Gorden, Municipal X Road No. 4, Molad (W)

Liberty Garden, Municipal X Road No. 4, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereic) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombav on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building BB, Nutan Ayojan Nagar C.H.S. Ltd., Liberty Gardon, Municipal X Road No. 4, Malad (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.[II]37EE|15597|84-85 dt. **4-1-1985**.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 26-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

' (1) Shri Mohan Mani Nayak & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Bharat J. Haria & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15913|84-85.—Whereas. 1. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000- and bearing
Shop No. 1, Ground floor, Espee Apartment, Liberty Garden Colony, Scheme No. 2, Cross Road No. 2 & 3, Malad (W). Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground loor, Espec Apartments, Liberty Garden Colony, Scheme No. 2, Cross Road No. 2 & 3, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15913 84-85 dt. 1-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

Seat :

FORM NO. LT.N.S.-

(1) M/s. Span Builders & Ors.

(Transfero)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. K. Doshi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15769 84-85. Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/and bearing ...

Office No. 12, Subhalaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of The Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12, Subhalaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15769 84-85 dt. 1-1-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:---

Date: 26-8-1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) Mr. Usman Abdul Latif & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Kamruddin Mohomed Hussein Madda. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16359|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 37, C.T.S. No. 348, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or ovacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 37, C.T.S. No. 348, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III 37EE 16359 84-85 dt.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 26-8-1985

Seal ;

FORM ITNS----

(1) Mr. V. S. Saraf & Others.

(Transferor)

(2) Mrs. K. D. Upadhya,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16030|84-85,--Whereus, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 8, Rolex Apartment, S.V. Road, Malad (W), Porthers 44.

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Rolex Apartment, S.V. Road, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16030|84-85 dt. 4-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following

Date : 26-8-1985

(1) Smt. S. K. Momin,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hari Dwarkadas Chawla & Ors.

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16082|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 505 S/2 Building in Malad C.H.S. Ltd., Plot 21 & 22, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 505 S/2 Building in Malad C.H.S. Ltd., Plot 21 & 22, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 16082 84-85 dt. 4-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I': Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I herefore, in pursuance of section 2000 of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-8-19

Scal:

FORM ITNS—

(1) Mr. Prabhudas Bhimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shubada Pandurang Khandare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37FE|16287|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises Nos. 125 & 126, 1st floor, Medad Natraj
Market Co-op. Housing Society Ltd., Station Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 125 & 126, 1st floor, Malad Natraj Market Co-op. Housing Society Ltd., Station Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]16287[84-85 dt. 1-1-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

-1,57 (2)

FORM ITNE

(1) Mrs. Nelia Coutts & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. K. I. Bandali & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16331|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immev-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piot No. 39, S.T. Homnic Colony, 1st Tank Road, Orleme, Malad, CTS No. 129, Malad, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AC of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

normay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

101--266GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39, S.T. Homnic Colony, 1st Tank Road, Orleme, Malad, CTS Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III 37EE 16331 84-85 dt. 4-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman J. Loke & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15838|84-85.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|end bearing No.

Flat No. 1, ground floor, Ajit Park, B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market falue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causier with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisins from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Ajit Park, B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37EE | 15838 | 84-85 dt. **4-1-1985.**

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-8-1985

(1) Mis. Deshmukh Builders Pvt. Ltd..

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. X. Alvares.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III[37-EE[15837]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proceeding, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Ajit Park 'A', Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 403, fourth floor, Ajit Park 'A', Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15837 84-85 Authority, Bo dated 1-1-1985.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 26-8-1985

Scal:

eliteta (j. 1900). Printina prajeta la litta printi e e egan la elitare di printina printina della collina di c

FORM ITNS-

(1) M|s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vilas Mahadev Patil.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15839|84-85,-Whereas, I.

A. PRASAD, teing the Competent Authority under Section 269B of the income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing No. Flat No. 5, Gr. Fl. Ajit Park, B-Somwar Bazar Road, Malad

(W), Bombay-64 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of remater with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotion 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein see are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Gr. Fl. Ahit Park-B, Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 15839 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 26-8-1985

Scal :

FORM ITNS——

(1) Ms. Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) Mr. Maroon Adam Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ret. No. AR. 111/37-19E/15603/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

Hat No. 405, Kukaiya Palace Somwar Bazar, N. L. Road Malid (W), hombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-bax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to heleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Webs. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ···rsons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaging as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Rukaiya Palace Somwar Bazar, N.L. Road Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|15603|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 26-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shree Spi Baba Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Shri R. D. Kotasthane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15833|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat, No. 4, Bldg. No. 3, Gr. Fl., A-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd., Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64 situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Instead to the said expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 3, Gr. Fl. Shiv Kirti C.H.S. Ltd., Chincholi Bunder Road, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III]37-EE|15833|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 26-8-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Francisca D'Penba.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III]37-EE|15831|84-85.--Whereas, I

being the Competent Authority under section Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 6, First Fl. Bldg. No. 3, B-Wing, Shiv Kirti C.H.S. Ltd., S. No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W),

Rombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perinod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, first fl. Bldg. No. 3, B-Wing, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. S. No. 397, Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 1II 37EE 15831 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 26-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mls. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Dinsho Adi Naterwalla & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. JII 37-EE 15828 84-85.—Whereas, I, Λ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. C-54, 5th fl. Manali Bldg. No. 3, Village Valnai Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the trans end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat No. C-54, 5th Fl. Manali Bldg. No. 3, Plot Nos. 48, 49, 50, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III[37-EE]15828|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 26-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15829|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-63, 6th fl. Manali Bldg., Valnai Village, Malad (W). Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appearath bereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority, at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

102-266GI 85

(1) Ms. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Indira Thampti & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-63, 6th fl. Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50. Valnai Village Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent, Authority, Rombay under No. AR. III]37-EE]15829|84-85|dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 26-8-1985

Seal ;

FORM ITNS.

(1) Mls. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) Mrs. Florine Pinto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. HI[37-EE]15842]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 404, 4th fl. C-Wing 'Atlanta, Village Valnai, Marve Road Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

Bolinoay on 1-1-1-2.3 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any impome arising from my transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th fl. C-Wing "Atlanta", plot No. 38, Village Valnai, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ΛR . III 37-FE | 15842 | 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-8-1985

(1) M[s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Gitadevi R. Bajaj.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15827|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Flat No. 71 & 72 7th Floor Manali Buldg., No. 5, Valnai Village. Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay bearing the state of the s (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 lat No. 71 & 72, 7th fl. Manali Bldg. No. 5, Plot Nos. 48, 49 & 50 Village Valnai Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR. III|37-EE|15827|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following prironal, manualy:---

Dated: 26-8-1935

Seni:

(1) M|s. Karmali Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Kadri Traders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15603|84-85.--Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. B|407, Rukanya Palace, Somwar Bazar, behind Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-1-1985

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

Vacilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|407, Rukanja Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III]37-EE]15603|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 26-8-1985

Sear:

(1) M|s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Govind Waman Pande.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. III[37-EE]15747[84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 11, Gr. Fl. Hemal Apartments Village Malwani, Malad (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Gr. Fl. Hemal Aparment plot No. 18, 41 Nos. 85[5, 96]1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III]37-EE]15747]84-85 dived 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 26-8-1985

(1) M|s. Anita Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. K. Koshy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR. 111|37-EE|16027|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 301, Val. E. Ram III, Plot No. 9, 10, 11, Village Valnai, Off. Marve Road, Malad, Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Val. E. Ram III, Plot No. 9, 10. 11, Village Valnai, Opp. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III]37-EE|16027|84-85 dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 26-8-1985

FORM ITNS-

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Edward A. Lewis.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15841|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000]- and bearing
Flat No. 402, 4th floor C-Wing Atlanta, Village Valuai, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitzing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioncys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor C-Wing "Atlanta", Plot No. 37, Off Valuai Village, Marve Road, Malud (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37EE|15841|84-85 dt. Authority, 1-1-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-8-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Brigit Almeida,

('Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37EE|15834|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R^{\circ}.\ 1.00.000|\text{-}$ and bearing

Flat No. 7, first floor Bidg. No. 3, B-Wing Shiv Kirti C H.S. I td., Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, first floor Bldg. No. 3, B-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd., Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15834|84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. H. S. Lotlikar & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III OFFICE OF BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37HF[15832]84-85.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding. Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 10, second Floor A-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd.,

Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- cal weilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer;
- (b) facilitative the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: -

103—266GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be must in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, second Floor A-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd., Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Fig. R.III 37EF 15832 84-85 dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 26-8-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) M|s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pradeep Hemrajani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III[37EE]16153|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B-15, 1st Floor Manali Bld. No. 4, Plot Jos 48, 49 & 50 Village Valnai, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ass, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B-15, 1st Floor Manali Bld. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50 Village Valnai, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE]16153]84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

Scal:

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prem Jethanand Shahani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE[15112|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]- and bearing
Shop No. 10, Gr. Fl. Atlanta B-Wing Plot No. 38, Off Valnai Village Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrubetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Fl. "Atlanta", B-Wing Plot VillageValnai Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered bv the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15112 84-85 dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely

Date: 26-8-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, M. S. Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Shree Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.111[37EE₁15700]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1.51 (43 of 1961) (neremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 6, Ground Floor Annapurna Niwas, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manster with the object of:-

Objections, if only to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground Floor Annapurna Niwas, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15700 84-85 dt. 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-1985

FORM ITNS.

(1) M|s. M. S. Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Ramonka Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15701|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Shop No. 3, Ground Floor Annapurna Niwas, Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (2) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground Floor Annapurna Niwas, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15701|84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-8-1985

Scal :

(1) M|s. Shashi Trading Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Manju Paharia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15869|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 12, B-Wing 2nd floor Rani Sati Nagar, S. V. Rd. Malad, Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, B-Wing 2nd floor Runi Sati Nagar, S. V. Rd. Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15869/84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-tal
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-8-1985

Scal .

FORM ITNE-

(1) M|s. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santookben L. Pale & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16150|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Shop No. 12, Ground Floor in Wing A]4, situated at High-

way view, Malad (F), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been townsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground Floor in Wing A|4, situated at Highway view, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR, III | 37EE | 16150 | 84-85 dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-8-1985

Scal :

(1) Mrs. Jaya N. Meghnani,

(Transferor)

(2) Nawaz Y. M. Alam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15654|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the im-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

F[3, 1st floor Malad Nilkant CHSL Village Valnai, Ramchandra Fxnt, Lane, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schidule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Incompation Act, 1961 in the office of Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of inv income maning from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

F|3, 1st floor Malad Nilkant CHSL Village Valnai, Ramchandra Exnt, Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37FE/15554/84-85 dt 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, meter ie, in punitume of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 30-8 1985

(1) Sushilkumar Embanath.

(Transferor)

(2) Shri Raymold L. Ferrao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE **TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15847|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1/12, Neelkanth, Evershine Nagar, Malad (W),

Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

104—266GI|85

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. I|12, Neelkanth, Evershine Nagar, Malad (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15847|84-85 dt. 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Rombay

Date: 30-8-1985

- - 'H-Pre

FORM ITNS-

(1) Miss Vimla T. Nainani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Christopher S. W. Michael Pereira & Ors. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR,III 37EE 16026 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing

Flat No. B|502, 5th floor La-Chapell plot No. 51, Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of coater with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
- respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B|502, 5th floor La-Chapell Plot No. 51, Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16026|84-85 dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income 1x
> Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;-

Date: 26-8-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15840|84-85.—Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

ment of transfer with the object of :-

to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, havin a fair market value exceeding Rs. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 402, Fourth Floor, Ajit Park-A, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ramnath Subray Palyekar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Fourth Floor, Ajit Park-A, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15840|84-85 en 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Nirman Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. B. A. Kenny.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16255|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing

Shop No. 2, Gr. Floor, Parasrampuria Chamber, 348, Anand Road, Mulund, West, Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Floor, Parasrampurla Chamber, 348, Anand Road, Malad West, Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37|EE|16255|84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombis

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 30-8-1985

(1) Shri Dhirajlal B. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. M. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15604|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 202, Vinay Indl. Estate 2nd Floor, S. No. 428|1,

Derukhakar Wedi, Chinch Bunder Road, Malad West,

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 202, Vinay Indl. Estate 2nd floor, S. No. 428|1 Drukhakar Wadi Chinch Bunder Road, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15604 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 30-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaic property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

(1) Shri Ramesh Prasad Pande.

(Transferor)

(2) Shri Palecanda M. Medappa,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 16092 84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the said Act.), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000!- and bearing
Flat No. 401C, 4th floor Plot No. 51, Valnai Village of
Marve Road,, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration thereof by more than fif.een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chanter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, C, 4th floor, Plot No. 51, Valnai Village of Marve Road, Malad West, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|16092|84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ot. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:-

Date: 30-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Nirmal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Renu S. Ruia & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16187|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1 to 3, 1st floor, Kedia Chambers, Kasturba Road, S. V. Road, Opp. Police Station, Malad (W), Bombay-97 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tox Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 to 3, 1st floor, Kedia Chambers, Kasturba Road, S. V. Road, Opp. Police Station, Malad (W), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16187 84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

FORM ITNS-----

(1) P. H. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. N. Motwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15900|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing RCC-137, Industrial Gala, Paras Industrial Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Remehandra Lane (Extn.), Malad West, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RCC-137, Paras Industrial Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ramehandra Lane (Extn.), Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR[III]37.EE]15900|84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) M. G. Gopalani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. N. Visharia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15785|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600]and bearing

Shop No. 10, ground floor, Natraj Market, Swami nand Road and Station Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incoms arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any inco moneys or other assets which have not be which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

105-266GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, ground floor, Natraj Market, Swami Vivekanand Road and Station Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III 37. EE 15785 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1986

Scal:

__ ±

FORM ITNS----

(1) Nirmal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

_ - - ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurmeet Singh Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR, III | 37.EF | 16256 | 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000] and bearing Office No. 4 & 5, 1st floor, Kedia Chamber, S. V. Road,

Malad (W), Bombay-97

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be peads in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- TTF. MILETION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as green in that Chapter

(5) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ore

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 4 & 5, 1st floor, Kedia Chambers, S. V. Road, Malad (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/16256/84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tak Acquisition Range-III. Bomb or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vit. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---Scal:

Date: 26-3-1985

(1) S. M. Vadhani,

(Transferor)

(2) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

ZIUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ENSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15724 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 701, 7th floor, Atlanta, D. Wing, Marve Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any tacome or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said is movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Atlanta, D Wing, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15724 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 26-8-1985

(1) Ralph Coutinho & Others.

(Transferor)

(2) Narsing R. Kumta & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR, III 37.EE 15788 84-85. Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovas the Said Act), have reason to believe this in minorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000|- and beating Flat No. A-22, 2nd floor, Kaveri C.H.S. Ltd., 63, Relief Road, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been temperated and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-22, 2nd floor, Kaveri C.H.S. Ltd., 63, Relief Road, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15788 84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Date : 30-8-1985

(1) M/s. Shah Industries.

(Transferor)

(2) Mis. Pionter Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16363|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

25, Shramjivi, Moti Udhyog Nagar, Ramchandra Lane,

Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tox Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25, Shramjivi, Moti Udhyog Nagar, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|16363|84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-1985

(1) Mrs. Usha Prabhakar Gokhale.

(Transferor)

(2) Mr. Indravandan Babulal Sanhvi & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAλ ΔC 1 1901 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15936|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. 1,00,000]- and bearing the property of the property

Flat No. B|203, Second Floor, Dwarkadevi Apartments, Jai Jawan Lane, Malad (F), Bombay-97

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome arising from the transfer; and/ci

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Au. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immice, able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B[203, 2nd Floor Dwarkadevi Bldg., Jai Jawan Lane, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15936|84-85 on 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 30-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Arujun Chhugomal Punjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmila Tikamdas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15843 84-85.—Whereas, I,

A PRASAD, burng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding the 100,000L and bearing

Rs. 1.00 000]- and bearing
Flat No. 705, 7th Fl. 'C' Wing La Chappelle C.H.S. Ltd.
Evershin Nagar, Marve Rd. Maiad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

THE SCHEBULE

Flat No. 705, 7th Fl. C-Wing La-Chappelle C.H.S. Ltd. Evershin Nagar, Off. Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been duthority, Bombay under No. AR.III |37.EE| 15843 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I bearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesait property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-8-1985

(1) M/s. Neptune Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ignatius D'Souza & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15862 84-85.—Whereas, I,

 PRΛSAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 501, fist floor, Neptune Bldg, plot No. A, Jn. of Linking Rd. and Malad Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 first floor. Neptune Building, plot No. A, Junction of Linking Road & Malad Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE | 15862 | 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD. Competent Authority pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 30-8-1985

FORM ITNS ----- (1) M/s. Shree Matangi Const. Co.

(Transferor)

(2) Shri Nagesh Ganesh Raikar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property two be and in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ВОМВАУ

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15915 84-85.---Whereas, I, 1. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, first fl. Matangi Apattment, A-Wing Malad Village N. I. Cross Rd. Somwari Bazar, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ground ground and I have been to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) (nothtating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 101, first fl. Matangi Apartment, A-Wing Malad Village, N. L. Cross Rd. Somwari Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EF/15915/84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-in-Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

106-266GI[85

Date: 30-8-1985

(1) Mrs. H. Arun Ballal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. P. D. John.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION P.ANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.F/E|15898|84-85,---Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 103, Evergreen Apts-B, Marve Rd. Malad (W),

dated 1-1-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer, end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netics on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Evergreen Apts-B, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/15898/84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 30-8-1985

Scal:

(1) M|s. Desai Bhurke Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. L. V. Kini & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37.EE|16225|84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 103, 1st floor, A wing, Amogha Siddha, C.T.S. No. 418, Tural Pakhali Road, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule angexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computate Anthority at the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, A wing, Amogha Siddha, C.T.S. No. 418, Tural Pakhali Road, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 16225 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 26-8-1985 Seal :

FORM ITNS

(1) M|s. Lilac Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rosy D'Mello.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16088|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. B|5, first il. CTS No. 60, 60|1, 60|2 and 60|3 Village

Valnai, Orlem, Malad, Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

to an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B|5 on first fl. Village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|16088|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the anti-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-8-1985

FORM ITNS----

(1) Mls. Dasai Bhurke And Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manohar Rajaram Belwalkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16224|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 4, 3rd Fl. plot No. 418 Malad Furel Pakhadi Rd.
Mulund (West), Bombay

College described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Change

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat No. 4, 3rd Fl. plot No. 418, Malad Turel Pakhadi Rd. Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|16224|84-85 dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-8-1985

(1) M/s. Ravi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Shiv Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985.

Ref. No. AR.III|37.EE|16142|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Piece or parcel of land Plot No. 62, Shiv Dham, Plot No. 62, Linking Rd. Malad West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand accords the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 24 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

Piece or parcel of land plot No. 62, Shiv Dham Linking Rd. Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JII|37.EE|16142|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date : 30-8-1985

FORM I.T.N.S. 187---

(1) M/s. Pankaj Co-op. Hsg. Development Set. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M's Ravi Builders

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16168|84-85.--Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 62, Linking Rd. Malad (W), Bombay-64, Bombay on 1-1-1985

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62, Linking Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR III 37.EE 16168 84-85 Authority, Bor dated 1-1-1985.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:-

Date: 30-8-1985

(1) Mr. Mohammed Tayeb Hashmullah.

(Transferor)

PART III - SEC. I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI: I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zai Bunnisa Wo Ibarat Hussain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16230|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. B-002. Kejlash Parbhat C.H.S. Ltd. 173. Vidya

Nagar, Kalina, Bombay-98

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under nas peen transferred and the agreement is fegistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-002, Kailash Parbhat C.H.S. Ltd. 173, Vidya Nagar, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III[37.EE] 16230 84-85 Authority, Bordated 1-1-1985.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Trate : 26-8 1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Smt. Manorama N. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyoti V. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15967 84-85,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and beging No. Block No. 17. Brahma Bhavan, Ground Fl. Brahma C.H.S. Ltd. Hansoti Lane, Off Kama Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any to the acquisition of the sala property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and or

Block No. 17, Brahma Bhavan, Gr. Fl. Brahma C.H.S. Ltd. Hansoti Lane Off Kama Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37.EE | 15967 | 84-85 dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--107-266GI|85

Date: 30-8-1985

(1) M/s Gurn Jyot Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. P. B. Shah & Others.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombayl, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III]37.EE]16118|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and hearing No. Flat No. 4, ground floor, Swami Narayan Darshan, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the 1-ir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accessed, the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor, Swami Narayan Darshan, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Bombay under No. AR.III 37.EE 16118 84-85 Authority, Bo dated 1-1-1985.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 26-8 1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Jaswant Kaur Soi.

連 With Profession Application - Applicati

(Transferor)

(2) Shri M. P. Parameswaram Pillai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15959|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. Flat No. C-201, S. No. 38, H. No. 3, Bhandup Village Road, Bombay-78,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property, within 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-201, Ushanagar C.H.S. Ltd. S. No. 38, H. No. 3, Bhandup Village Road, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15959 84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Failed: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16268|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable scoperty having a fair market value exceeding Re. 1,00,000|- and bearing No.

No. Piece or parcel of agricultural land S. No. 147, H. No. 1 (p), Nahur Village, Taluka Kurla, Makad, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, on the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Central Government Employees' C.H.S. Ltd. (Transferor)
- (2) The Acme Land Developers Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 147, H. No. 1 (p), Nahur Taluka Kurla, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37.EE]16268[84-85] dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1985

Scal:

TORM IINS-----

(1) Guru Jyot Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. S. B. Shah & Others.

(OctobernT)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|16119|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flut No. 3, ground floor, Swami Narayan Darshan, Dr. R. P. Road. Mulund (W). Bombay-Si, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
Bombay on 1-1-1985,

Bombay on 1-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Swami Narayan Darshan, Dr. P. R. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16119|84-85 dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 26-8-1985

FURM ITNS-

(1) Shri Navin Lalji Rajde.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s J. K. Industries.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15744|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No. Unit No. 34, Bhandup Vishal Indl. Premises C.H.S.

Ltd., Village Road, Blundup (W), Bombay-78,

situuted at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 34, Bhandup Vishal Indl. Premises Co-op Sct. Ltd. Village Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby under No. AR,III]37.EE|15744|84-85 dated 1-1-1985.

A. FRASAD Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-8-1985

Scal:

FORM ITNS----(1) M's Gupta Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajaram R. Rane.

en la companya de la

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR, III | 37, EE | 15628 | 84-85. -- Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Piece or parcel of land bearing CTS No. 900, 903 and 901 at Village Kanjur (East), Bhandup, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-1-1985,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Acr respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

haptanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing CTS No. 900, 903 and 901 at village Kanjur (E), Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III.;37.EE]15628[84-85] dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

Dated: 30-8-1985

FORM 1.T.N.S.--

(1) M/s Gupta Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syam Sunder Sang.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15629|84-85.--Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Piece or parcel of And CTS No. 900, 903 and 901 at

Village Kanjur (E), Ehandup, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered inder section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethat the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of parcel of land CTS No. 900, 903 and 901 at village Kanjur (E), Bhandun, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under No. AR.III 37EE 15629 84-85 Competent Authority. Bo dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-8-1985

Scal:

(1) Mis Gupta Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15625|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Piece or parcel of land S. Nos. CTS No. 900, 901 and 903, Village Kanjur Marg, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

(2) Mr. Sakharam Nilu Dhoke.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SHEDULE

Piece or parcel of land CTS No. 900, 901 and 903 at village Kanjur Marg, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15626|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-108--266GI|85

Dated: 30-8-1985

- (1) Shri Navin Premji Nandu.
- (Transferor)
- (2) Shri Khimji Mulji Kataria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.III(37.EE(16046)84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 8, 3rd Fl. Kamlanand C.H.S. Ltd. M.G. Road, Mulund (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the asic Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd Fl. in Kamalanand C.H.S. Ltd. M.G. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16046|84-84 dated 1-1-1985.

A. PRASAE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-8-1985

Scal:

(1) M|s Gupta Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhavarlal Chunnilal G. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15630|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. C.T.S. No. 900, 903, 901, Village Kanjur (East),

Bhandup, Bombay, situated at Bombay

transfer with the object of .-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 903, 900, 901, Village Kanjur (East), Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIII37EE|15630|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 26-8-1985

(1) M/s Gupta Builders.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Rehiman Yusuf Jamadar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37EE|15627|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. C.T.S. No. 900, 903, and 901, Village Kanjur (E), Bhandup, Bombay,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 900, 903, 901, Village Kanjur (E), Bhandup Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III|37EE|15627|84-85 Authority. Bo dated 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Dated: 26-8-1985

(1) Prashant Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmanidevi B. Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR,III|37EE|16279|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 63-6485, 1st Fl. Shri Krishna Dham, L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80,

situated at Bombay

studed at Bomoay and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the tradersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 63-6485, 1st fl. Shrikrishna Dham, L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|16279|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal numely :--

Dated: 26-8-1985

FORM LT.N.S. 187---

(1) Prashant Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. B. Agarwal & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|16278|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

No. Flat on ground Fl. Shrikrishnadham, L.B.S. Marg,

Mulund, Bombay-80,

situeted at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Rombay on 1-1-1985, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid cacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen jur cent of such apparent consideration and that the conside ation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on ground floor Shrikrishna Dham, L.B.S. Marg, Mulund. Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bondated 1-1-1985. Bombay under No. AR.III 37EE 16278 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following TYPESOES, namely :-

Dated: 30-8-1985

(1) Mis. Preshant Builders.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar Kapoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-ITT ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37FE|15631|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the binmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No 91, 3rd Floor Shrinkrishna Dham,

L. B. S. Marg, Mulund, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed

hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay

on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

may be made in writing to the undersigned :--

. Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 91, 3rd Floor, Shrikrishna Dham. L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under. No. AR.III 37EE 15631 84-85 Authority, dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Aseles mmissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-8-1985

Scal:

(1) M|s. Illa Construction.

(Transferor)

(2) Shri M. D. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15822|84-85,--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shop No. 1, Ground Floor Building 'Kishor' Desai Wadi, Gopal Krishan Gokhale Road, Mulund (E), Bombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 1, Ground Floor, Building "Kishor", Desai Wadi, Gopal Krishna Gokhale Road, Mulund (E) Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15822|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III_
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

FORM ITNS ...

G. M. Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 16266 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

Flat No. 11, 4th floor, Venus Apartment, Bhalla Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Devidayal Road, Mulund, Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent coesideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely :--

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (2) P. B. Khandelwal & Otners.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 4th floor, Venus Apartment, Bhalla Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Devidayal Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37-EE|16266|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 26-8-19ξ

Seal:

109-266GI|85

(1) Mrs. K. D. Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Beharilal Khandelwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.[1][37-FE]16265[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000]- and bearing
Flat No. 10, 4th floor, Venus Apartment, Bhalla Co.op. Hsg.
Soc. Ltd., Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
under Section 269AP of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority at Bombay
on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-suction (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Venus Apartment, Bhalla Co.op, Hsg. Soc. Ltd., Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37-EE]16265[84-85] dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 26-8-1985

(1) Mukund Iron Staff Assen C.H.S. Ltd.

(Transferor)

(2) Subramaniam Kothanda Raman,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-LE|15711|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Building No. 16, Mukand Iron Staff Assec. C.H.S. Ltd., Plot No. 4, S. No. 55 &56 Mulund (E) Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer. the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Building No. 16, Mukand Iron Staff Assce. C.H.S. Ltd., Mulund (E), Bombay.

The agreement has been? registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37-EE]15711[84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-8-1985

(1) Sharad Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hind X-Ray Equipments.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR III|37-FF|16160|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

Unit No. 12, ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate. S. No. 140, Lake Road, Bhandup. Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12. ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandun, Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16160|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 26-8-1985 ·

Scal:

(1) Sharad Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bharat H. Paleja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. $\Delta R.III[37-EE[16147]84\cdot85.$ —Whereas, I, Δ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 19, grownd floor, 'B' Building, Sharad Industrial Fstate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 19, ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16147|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

Scal ·

FORM I.T.N.S.

(1) Prashant Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmanidevi B. Agarwal & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION: RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Rc.. No. AR.III|37-EE|16280|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 86-87, 1st Floor, Shrikrishna Dham,
L.B.S. Marg, Mulund, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 86-87, 1st Floor, Shrikrishan Dham, L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III 37-EE 16280 84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay 3

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-8-1985

(1) Sharad Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirit H. Paleja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III¹378F¹16148¹84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding value exceeding Rs. 1.00.000'- and bearing

Unit No. 17, ground floor. B Building, Sharad Industrial Fstate, S. No. 140, Lake Road Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 17, ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|16148|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act (I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

(1) Sharad Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. H. Palcja.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|16149|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Unit No. 20, ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Unit No. 20, ground floor, B Building, Sharad Industrial Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III|37EE|16149|84-85 Authority, Bondated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 26-8-1985

FORM ITNS-

(1) S. P. Shab.

(Transferor)

**MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. B. Shah & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|16060|84-85.-

whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable to the said Act of the sa property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Plot No. 35, Road No. 1, Flat No. A|407 Pushpa Park,

Malad(E), Bombay-97.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the natiooses of the Indian Income-tax Act, 1922 the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A|407, Plot No. 35, Road, No. 1, Pushpa Park, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/16050/84-85. dated 1-1-1985.

> A. PRASAĎ Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

Seal

110-266GI 85

(1) Mr. Mansukhlal T. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s. Anita Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Piece or parcel of land at village Valuai Taluka Borivi, S. No. 26, Hissa No. 5(p) and S. No. 46, Hissa No. 5(p) and now bearing plot No. 14, Malad. Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomic arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parce of land at village valuai Taluka Borivli, S. No. 26, H. No. 1(p), S. No. 46, Hissa No. 5 (p), now plot No. 14, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/15786/84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-LN,
Bombay.

Vate: 3-9-1985

_bal:

(1) Prince Enterprises.

(Transferor)

(2) Jayshree D. Panchal & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR-III]37-EE]16334|84-85.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Bank Premises on Ground Fl. Prince Apartments, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bank Premises on Ground Fl Prince Apartments, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|16334|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 26-8-1985

Scal:

(1) Harkishandas P. Parmar & Ore.

(Transferor)

(2) Mr. Rajaram Ramilal YaJav & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|16231|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. A-45, Indradeep C. H. S. Ltd. 171, L.B.S. Marg.
Ghatkopar (W), Bombay-86
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of Lansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-45, Indradeep Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 171, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37-EE 16251 84-85 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UL Bombay.

Now, theretore, he priouance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-9-1985

(1) Bhavana Construction Company.

(Transfefor)

(2) Shri Jayantilal Hathising Shah & Anr.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|14850A|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Flat No. 1, Plot No. 18-A, Jawahar Nagar, S. V. Road,
Goregaon (West), Bombay-62.

**The described in the Schedule anexed hereto)

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

tor an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any accome or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tay Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Plot No. 18-A, Jawhar Nagar, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-III|37-EE|14850A|84-85 dated 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 3-9-1985

Scal:

(1) Dr. Balwant Raghunath Wagholikar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Arun Kumta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 3rd September 1985

Ref, No. AR.-III|37-EE|15971|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reporting having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Flat No. 3, Ground Fl. Nisha Plot No. 2, Jan Kaiyan Nagar Pvt. Scheme, Kharodi Village, Malad(W), Bombay-95, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market—value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor—by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Fl. "Nisha, Plot No. 2, Jan Kalyan Nagar Pvt. Scheme, Kharoli Village, Maiad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|15971|84-85 dated 1-1-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 3-9-1985

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th September

Ref. No. ASR|85-86|28.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

One property situated at Ajit Nagar. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hase been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Subh Charanjit Kaur, Wlo.Shri Darsaan Singh, Rlo. 145 Ajit Nagar, Amritsar.

(Transfefor)

Shri Wazir Singh,
 Slo. Sh. Gopal Singh,
 145, Ajit Nagar, Amritsar.

(T.ansferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half share of property No. 145 situated at Aiit Nagar. Amritsar as mentioned in sale deed No. 7808 dated 31-1-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Amritaer

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRI(SAR

Amritsar, the 11th September

Ref. No. ASR|85-86|27, -Whereas, I. J. PRASAD, IRS. One Property situated at Ajit Nagar, Amritsar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1ts. 1,00.000|- and bearing No.

One property situated at Alit Nagar, Amitsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), hase been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°3 of the said Art is the following sersons nameds:

 Smt. Subh Charaujit Kaur, Wo.Shri Darshan Singh, Ro. 145 Ajit Nagar, Amritsar.

(Transfefor)

(2) Smt. Daljit Kaut, Shri Wazir Singh, R|o. 145, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at 8. No. 2 overleaf & tenants if any,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this unitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Haif share of property No. 145, situated at Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in the dead No. 8507 dated 22-2-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritan

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1985

Ref. No. ASR|85-86|28.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, sing the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

One Property situated at Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto)

hase been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) (activating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 2111 141
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 111-266GI|85

(1) Shri Ved Parkash, Slo. Shri Puran Chand. Ro. 195, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transfefor)

(2) Shri Kuljit Singh Bhatia, Slo. S. Man Sinch Bhatia, No. 37, Braham Buta Market, Amritsar,

(Transferce) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A residential house No. 195, Ajit Nagar, Amritsar, mentioned in 92/e deed No. 7081 dated 8-1-85 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-9-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1986

New Delhi, the 5th October 1985

No. F. 4|2|85-EI(B).—A competitive examination for recruitment to the posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARE, BCCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR. RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and VISHAKHAPATNAM commencing on 18th March, 1986 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated the 5th October, 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines)

- (i) Geologist (Junior) Group A
- (ii) Assistant Geologist, Group

Category II: (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation)

(i) Junior Hydrogeologist, 41 Group A. res

41 (Includes 7 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates)

(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B. 47 (Includes 9 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

*The number of vacancies are yet to be intimated by Govt.

The above numbers are liable to alteration

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No. request for alteration in the order of preferences for the Services posts for which he is competing would be considered from a ecandidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lien of Money Orders Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR GEOLOGISTS' EXAMINATION 1986. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION 1986 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd December, 1985 (16 December, 1985) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizorem, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spitl District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 2nd December, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arnnachal Pradesh. Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd December, 1985.

NOTE (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of application should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rupees Forty eight) through Crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, Candidates belonging to Scheduled Castes Scheduled Tribes are not required to pay any fee.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakustan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupces Thirty) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note J below Rule 7 is rejected on receipt of information that he has tailed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination hold in 1985 wishes to apply for admission to this examination

he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without walting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 examination his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of Publication of the final result of the 1985 Examination in the Employment News.

- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-TAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in all the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN, Dy. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 18th February, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is in incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:---
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested certified copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the 1st page of the application form and the second copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Attendance Sheet attached with the application form duly filled in.
 - (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
 - (vil) Attested certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
 - (viii) Attested certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

Note (i):—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii). (iii). (vii) AND (viii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SECURICAL SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE

CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii):—Candidates are further required to sign the attested certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vii) and (viii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee...

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK draft for the prescribed fee

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Sceletary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalen to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificates in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age in completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested certified copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Insti-

tution from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEFD SUBMIT ONLY AN ATTESTED CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAIN-ING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMTHE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION HIGHER SECONDARY EXAMIATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified copy of such certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such condidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st August 1986.

- (iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested certified copy of a certificate in the form given below at (a) from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily resides, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Schedul-Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appoint ment to post under the Government of India

son daughter* of village town*——in District Division*—— of the State Union Territory*——belongs to ——Caste Tribe* which is recognised as a S								
		duled Tribe* under :						
the	Constitution	(Scheduled Castes) Order, 1950@						
the	Constitution	(Scheduled Tribes) Order, 1950@	_					
the Ord	Constitution er, 1951@	(Scheduled Castes) (Union Territo						
	Constitution er, 1951@	(Scheduled Tribes), (Union Territo	ries)					

Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
the Constitution (Sikkiam) Scheduled Castes Order, 1978@
the Constitution (Sikkiam) Scheduled Tribes Order, 1978@

APPLICABLE IN THE CASE OF SCHEDULED CASTES| SCHEDULED TRIBES PERSONS WHO HAVE MIGRATED FROM ONE STATE|UNION TERRITORY ADMINISTRATION.

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

Place.....State|Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote Specific Presidential order.

%Delete the Paragraph which is not applicable.

Note:—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**List of authorities empowered to issue Caste|Tribe certificates:

(i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Collector 1st Class Stipendiary Magistrate city Magistrate Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate.
 - (lii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and or his family normally resides,
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) Persons employed in the Geological Survey of India and Central Ground Water Board claiming age concession under Rule 6(b) should submit a certificate in original, from Head of their Office Department in the following form:—

Form of certificate to be produced by Candidates

*Certified that Shri Shrimati Kumari*permanent temporary* post of							
Geological S w.c.f.	urvey of	India Central	Ground	Water	Board	¥	
W.C.1							

Signature

*Strike out whichever is not applicable.

- (ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c) (iii) and or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under rule 6(c) (viii) or 6(c) (ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

- (v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) should produce an attested certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was diabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (viii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(c)(xiv) or 6(c)(xv) should produce an attested|certified copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.
 - (A) Applicable for Released Retired Personnel.

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

(B) Applicable for serving personnel.

2. He is due for release retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Station

Date

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:—

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs. New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs. New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hqrs. New Delhi.

(b) In case of JCOs|ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (ix) A displaced person from crstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(c)(xvi) or 6(c)(xvii) and or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(ii), 5(iii), 5(iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) or the Ministry of Irrigation as the case may be.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

1 in

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered abricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *lpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application, including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates' Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Fxaminations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg. New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udvog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book

- Depot. 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
- N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO
- N.B. (ii).—IF A LETTER COMMUNICATION IS RE-ECIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMI-NATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THERE-ON
- 14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST". In this kind of examination (test) vou do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

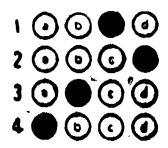
The question paper will be in the form of a TFST BOOK-LET. The Test Booklet will be set in English only, The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if

you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE FXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB Pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet as the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll number on the first page of the Text Booklet before opening the Text Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :-- *denotes the correct|best anwser option)

1. (General Studies)

Riceding of the nose and the cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because:

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :—

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planning wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂ O₃
- *(d) V₂ O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C|3

(d) C|9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorito
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} \quad \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = a_0 \times b_0 x$
- \bullet (d) y=a₀x...a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variation is 5. The variance can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) œ
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhisim.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāyā, Vaisosaika, Jainism and Buddhism Carvāka
- (c) Advana, Vodanta, Samkhya, Carvaka Yoga
- *(d) Budehism Samkhya, Mimamsa, Carvaka

14. (Political Science)

Functional representation' means

- *(a) election of representative to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representative in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

(a) increase in the need related to the goal

- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) Education has spread to the masses.

Note: - Candidates should note that the above sample items (question) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the Syllabus for this examination.

